रजिस्टर्ड नं०–ए०डी०–4
लाइसेन्स सं०–डब्ल्यू०पी०–41
(लाइसेन्स्ड टू पोस्ट बिदाउट प्रीपेमेन्ट)

सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 75] प्रयागराज, शनिवार, 11 सितम्बर, 2021 ई० (भाद्रपद 20, 1943 शक संवत्) [संख्या 37

विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य		रु0
भाग 1–विज्ञप्ति–अवकाश, नियुक्ति, स्थान–नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	697–706	3075
भाग 1–क–नियम, कार्य-विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	1335–1346	1500
भाग 1–ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय		
भाग 1–ख (2)–श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय		
भाग 2–आज्ञायें, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का उद्धरण	..	975
भाग 3–स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड क–नगरपालिका परिषद्, खण्ड ख–नगर पंचायत, खण्ड ग–निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ–जिला पंचायत	..	975
भाग 4–निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश	41–248	975
भाग 5–एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश		975
भाग 6–(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये		975
(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 6–क–भारतीय संसद के ऐक्ट		
भाग 7–(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये		975
(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 7–क–उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट		
भाग 7–ख–इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां	..	
भाग 8–सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रूई की गाठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	713–726	975
स्टोर्स–पचेज विभाग का क्रोड़ पत्र	..	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

पशुधन विभाग

अनुभाग-1

संशोधन

16 जून, 2021 ई0

सं0 1034/37-1-2021-2(23)/2018—पशुधन अनुभाग-1 के कार्यालय आदेश संख्या 1002/37-1-2021-2(23)/2018, दिनांक 10 जून, 2021, जिसके द्वारा 25 नवनियुक्त पशु चिकित्साधिकारियों के तैनाती विषयक आदेश निर्गत किये गये हैं, के क्रमांक-16 पर त्रुटिवश अंकित डा0 योगेश कुमार पुत्र श्री रतन लाल के स्थान पर डा0 योगेश कुमार पुत्र श्री रविन्द्र पाल किये जाने की एतद्द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2—कृपया उपरिसंदर्भित आदेश को उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाये।

आज्ञा से,
मंजू लता,
विशेष सचिव।

लोक निर्माण विभाग

अनुभाग-8

प्रोन्नति/नियुक्ति

15 जुलाई, 2021 ई0

सं0 7/2021-1105/23-8-2021—रिट याचिका संख्या 7806 (एस0एस0)/2021, राजेश चौधरी बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित मा0 उच्च न्यायालय, खण्डपीठ लखनऊ के आदेश दिनांक 19 मार्च, 2021 के अनुक्रम में श्री राजेश चौधरी, सहायक अभियन्ता (सिविल) को कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 13/21/89-का-1/1997, दिनांक 28 मई, 1997 के प्रस्तर 10 में वर्णित व्यवस्थानुसार अधिशासी अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतनमान बैण्ड-3, रु0 15,600-39,100, ग्रेड पे रु0 6,600.00 (पुनरीक्षित वेतनमान पे-मैट्रिक्स लेवल-11) में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तदर्थ प्रोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री चौधरी की उक्त तदर्थ प्रोन्नति अग्रिम आदेशों तक के लिये होगी और शासन को उक्त तदर्थ प्रोन्नति को कभी भी समाप्त कर देने का अधिकार होगा तथा तद्नुसार श्री चौधरी को सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर प्रत्यावर्तित किया जा सकेगा।

3—श्री चौधरी कार्यालय, प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ से सम्बद्ध रहेंगे तथा उनकी तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
अच्युतानन्द,
अनु सचिव।

अनुभाग-4

सेवानिवृत्ति

16 जुलाई, 2021 ई0

सं0 749/23-4-21-11एई/2018–लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश में सहायक अभियन्ता (सिविल/विद्युत/यांत्रिक) संवर्ग के निम्नलिखित सहायक अभियन्ता तालिका में अंकित स्तम्भ-4 के अनुसार (वर्ष 2021 में माह जनवरी से माह दिसम्बर तक) अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गये/जायेंगे :

सहायक अभियन्ता (सिविल)

क्रमांक	नाम	जन्म-तिथि	सेवानिवृत्त-तिथि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
	सर्वश्री–			
1	अभिनेन्द्र चन्द्र कटियार	02-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
2	शशि प्रकाश सिंह	02-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
3	उमेश चन्द्र सिंह	02-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
4	गंगा दिनेश द्विवेदी	02-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
5	बाल किशन चौहान	05-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
6	भुवनेश चन्द्र मोहन	05-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
7	कंचन कुमार जैसवाल	10-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
8	देशराज सिंह	12-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
9	अमर चन्द्र कुसालिया	12-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
10	पुनकेश मिश्रा	16-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
11	हिमांशु श्रीवास्तव	17-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
12	अश्विनी कुमार	20-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
13	अशोक कुमार सिंह	24-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
14	नृपेन्द्र कुमार पुरी	30-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
15	बंशीधर पाण्डेय	31-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
16	प्रभु दयाल	02-02-1961	28-02-2021	कोई नहीं
17	मो0 सुहेल खॉ	04-02-1961	28-02-2021	कोई नहीं
18	मो0 आरिफ	04-02-1961	28-02-2021	कोई नहीं
19	अजय कुमार सिंह	08-02-1961	28-02-2021	कोई नहीं
20	वीरेन्द्र कुमार कुशवाहा	11-02-1961	28-02-2021	कोई नहीं
21	प्रमोद कुमार मिश्रा	18-02-1961	28-02-2021	कोई नहीं
22	अनिल कुमार कुशवाहा	20-02-1961	28-02-2021	कोई नहीं
23	रामकेश सिंह	05-03-1961	31-03-2021	कोई नहीं
24	कौशल किशोर गुप्ता	15-03-1961	31-03-2021	कोई नहीं

1	2	3	4	5
	सर्वश्री–			
25	नूरूल हसन खॉ	15-03-1961	31-03-2021	कोई नहीं
26	नईमुर्रहमान	16-03-1961	31-03-2021	कोई नहीं
27	शाकिर हुसैन अंसारी	17-03-1961	31-03-2021	कोई नहीं
28	अनिल कुमार जैन	25-03-1961	31-03-2021	कोई नहीं
29	प्रभाकर द्विवेदी	28-03-1961	31-03-2021	कोई नहीं
30	हरिशंकर यादव	17-04-1961	30-04-2021	कोई नहीं
31	तेज प्रकाश वर्मा	21-04-1961	30-04-2021	कोई नहीं
32	भारत पाल सिंह भाटी	21-04-1961	30-04-2021	कोई नहीं
33	श्यामधर पाण्डेय	26-04-1961	30-04-2021	कोई नहीं
34	राम सनेही	06-05-1961	31-05-2021	कोई नहीं
35	घनश्याम सिंह	20-05-1961	31-05-2021	कोई नहीं
36	देवानन्द यादव	25-05-1961	31-05-2021	कोई नहीं
37	अजय कुमार जायसवाल	31-05-1961	31-05-2021	कोई नहीं
38	संजय कुमार श्रीवास्तव	04-06-1961	30-06-2021	कोई नहीं
39	सत्य प्रकाश	09-06-1961	30-06-2021	कोई नहीं
40	विजय कुमार	11-06-1961	30-06-2021	कोई नहीं
41	जितेन्द्र कुमार सिंह	26-06-1961	30-06-2021	कोई नहीं
42	तजम्मुल अंसारी	30-06-1961	30-06-2021	कोई नहीं
43	विकास कुमार सिंह	01-07-1961	30-06-2021	लो0नि0अनु0-6 के का0ज्ञाप संख्या 1748/23-6-18-36(6) ईएम/18, दिनांक 17-12-2018 द्वारा नियम-10(2) की कार्यवाही प्रचलित है।
44	उमा प्रसाद यादव	01-07-1961	30-06-2021	कोई नहीं
45	कृष्ण मोहन मल्ल	01-07-1961	30-06-2021	कोई नहीं
46	विनोद कुमार श्रीवास्तव	01-07-1961	30-06-2021	कोई नहीं
47	जय प्रकाश नारायण सिंह	01-07-1961	30-06-2021	कोई नहीं
48	सुनील कुमार श्रीवास्तव	01-07-1961	30-06-2021	कोई नहीं
49	अनिल कुमार सिंह	01-07-1961	30-06-2021	कोई नहीं
50	रवीन्द्र कुमार ओझा	01-07-1961	30-06-2021	कोई नहीं
51	इन्द्रजीत सिंह	01-07-1961	30-06-2021	कोई नहीं

1	2	3	4	5
	सर्वश्री–			
52	ज्ञान सिंह	05-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
53	सुरेन्द्र प्रकाश चौधरी	05-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
54	कमला प्रसाद बिन्द	07-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
55	शिवाजी	10-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
56	चौब सिंह	13-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
57	हरिओम शर्मा	15-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
58	हरिवंश सिंह	15-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
59	राम कुमार	16-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
60	रावेन्द्र पाल सिंह	20-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
61	गुरू चरण सिंह	20-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
62	राकेश कुमार	20-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
63	महेश चन्द्र मिश्रा	21-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
64	सुभाष चन्द्र शर्मा	21-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
65	विद्यासागर सिंह	23-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
66	अरशद जमाल खॉ	26-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
67	शम्भूनाथ मौर्या	27-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
68	सुधाकर राय	28-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
69	रमाशंकर राम	01-08-1961	31-07-2021	कोई नहीं
70	राजेश कुमार गुप्ता	04-08-1961	31-08-2021	कोई नहीं
71	नन्द लाल प्रसाद गुप्ता	05-08-1961	31-08-2021	कोई नहीं
72	अर्जुन सिंह	08-08-1961	31-08-2021	कोई नहीं
73	मुलायम सिंह यादव	15-08-1961	31-08-2021	कोई नहीं
74	मदन गोपाल कालिया	22-08-1961	31-08-2021	कोई नहीं
75	राघवेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव	01-09-1961	31-08-2021	कोई नहीं
76	केशव प्रसाद कुशवाहा	10-09-1961	30-09-2021	कोई नहीं
77	इन्द्रजीत सिंह	17-09-1961	30-09-2021	कोई नहीं
78	अशोक कुमार सिंह	05-10-1961	31-10-2021	कोई नहीं
79	दीपक कुमार गुप्ता	06-10-1961	31-10-2021	कोई नहीं
80	जगदेव सिंह	07-10-1961	31-10-2021	कोई नहीं
81	मो0 नसीम अंसारी	12-10-1961	31-10-2021	कोई नहीं
82	राजेश कुमार गौतम	16-10-1961	31-10-2021	कोई नहीं
83	चन्द्रराम वर्मा	25-10-1961	31-10-2021	कोई नहीं

1	2	3	4	5
	सर्वश्री–			
84	अशोक कुमार बरनवाल	31-10-1961	31-10-2021	कोई नहीं
85	राम प्रवेश चौबे	01-11-1961	31-10-2021	कोई नहीं
86	भगवान दीन वर्मा	01-11-1961	31-10-2021	कोई नहीं
87	अरूण कुमार	11-11-1961	30-11-2021	कोई नहीं
88	शालिग्राम जोशी	14-11-1961	30-11-2021	कोई नहीं
89	मेंहदी हसन खॉ	15-11-1961	30-11-2021	कोई नहीं
90	सुनील कुमार श्रीवास्तव	16-11-1961	30-11-2021	कोई नहीं
91	मो0 सलीम	18-11-1961	30-11-2021	कोई नहीं
92	विनय कुमार मित्तल	19-11-1961	30-11-2021	कोई नहीं
93	बलदेव पाण्डेय	29-11-1961	30-11-2021	कोई नहीं
94	बनवारी प्रसाद गुप्ता	01-12-1961	30-11-2021	कोई नहीं
95	कन्हैया लाल यादव	01-12-1961	30-11-2021	कोई नहीं
96	बलराम सिंह	02-12-1961	31-12-2021	कोई नहीं
97	आदिल नासिर सिद्दीकी	15-12-1961	31-12-2021	कोई नहीं
98	तेज बहादुर सिंह	15-12-1961	31-12-2021	कोई नहीं
99	मूल चन्द्र पटेल	15-12-1961	31-12-2021	कोई नहीं
100	गिरीश चन्द्र	15-12-1961	31-12-2021	कोई नहीं
101	लक्ष्मी नारायण गुप्ता	22-12-1961	31-12-2021	कोई नहीं
102	राम सिंह सेंगर	31-12-1961	31-12-2021	कोई नहीं
103	इरशाद अली	01-01-1962	31-12-2021	कोई नहीं
104	जय चन्द्र सिंह	01-01-1962	31-12-2021	कोई नहीं
105	नवल किशोर याज्ञिक	01-01-1962	31-12-2021	लो0नि0अनु0-6 के का0ज्ञाप संख्या 1073/23-6-19-15(2)ईएम/18, दिनांक 02-08-19 द्वारा नियम-7 के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही प्रचलित है।
106	विद्यारतन मिश्रा	01-01-1962	31-12-2021	कोई नहीं
107	सत्यदेव मिश्रा	01-01-1962	31-12-2021	कोई नहीं
108	सच्चिदानन्द त्रिपाठी	01-01-1962	31-12-2021	कोई नहीं
109	हीरा लाल कुशवाहा	01-01-1962	31-12-2021	कोई नहीं
110	राम नयन	01-01-1962	31-12-2021	कोई नहीं
111	परम सिंह	01-01-1962	31-12-2021	कोई नहीं

सहायक अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)

क्रमांक	सहायक अभियन्ता का नाम	जन्म-तिथि	सेवानिवृत्त-तिथि	लोक निर्माण अनुभाग-6 व 13 द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना
1	2	3	4	5
	सर्वश्री–			
1	उमेश चन्द्र पाण्डेय	03-01-1961	31-01-2021	कोई नहीं
2	कमलेश कुमार पाण्डेय	15-03-1961	31-03-2021	कोई नहीं
3	सुखमल चन्द्र जैन	02-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
4	रवीन्द्र कुमार	05-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
5	राकेश कुमार बाजपेई	20-07-1961	31-07-2021	कोई नहीं
6	सुन्दर लाल	05-08-1961	31-08-2021	कोई नहीं
7	हरीलाल शर्मा	31-10-1961	31-10-2021	कोई नहीं

2–उक्त अभियन्ताओं के सेवानैवृत्तिक देयों के भुगतान से पूर्व प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा अपने स्तर से यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि तालिका में उल्लिखित सहायक अभियन्ता (सिविल/विद्युत/यांत्रिक) के विरुद्ध कोई देयता लम्बित नहीं है।

आज्ञा से,
दुर्गा सिंह,
अनु सचिव।

अनुभाग-1

नामकरण

28 जुलाई, 2021 ई0

सं0 सा0-1255/23-1-2021-171 सा/19 टीसी–जनपद गाजीपुर के अन्तर्गत गाजीपुर चोचकपुर मुख्य मार्ग से जैतपुरा गांव तक जाने वाले मार्ग (ग्रामीण मार्ग, लम्बाई 1.600 कि0मी0) का नामकरण ''शहीद महेश कुशवाहा मार्ग'' किये जाने के सम्बन्ध में प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के पत्र संख्या 778/02 आई0डी0एस0 प्रकोष्ठ/20, दिनांक 30 जून, 2021 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव पर सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल महोदय जनपद गाजीपुर के अन्तर्गत गाजीपुर चोचकपुर मुख्य मार्ग से जैतपुरा गांव तक जाने वाले मार्ग (ग्रामीण मार्ग, लम्बाई 1.600 कि0मी0) का नामकरण ''शहीद महेश कुशवाहा मार्ग'' किये जाने की सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,
नितिन रमेश गोकर्ण,
प्रमुख सचिव।

अनुभाग-3

कार्यालय-ज्ञाप

02 अगस्त, 2021 ई0

सं0 76/2021/3127/23-3-2021-47ई0एस0/06 टी0सी0-I–तात्कालिक प्रभाव से लोक निर्माण विभाग में तैनात श्री राकेश सक्सेना, प्रमुख अभियन्ता (परिकल्प एवं नियोजन) को अग्रिम आदेशों तक अपने कार्यों के साथ-साथ

प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग का प्रभार अत्यन्त काम-चलाऊ व्यवस्था के अन्तर्गत अस्थायी रूप से प्रदान किया जाता है।

2—उक्त अस्थायी प्रभार हेतु श्री राकेश सक्सेना, प्रमुख अभियन्ता (परिकल्प एवं नियोजन) को कोई अतिरिक्त वेतन/भत्ता आदि देय नहीं होगा।

आज्ञा से,
प्रभुनाथ,
विशेष सचिव।

होमगार्ड्स विभाग

नियुक्ति

03 अगस्त, 2021 ई0

सं0 28/2021/1428/पन्चानवे-2021-71 होगा/16 पार्ट-III—लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/दिव्यांगजन विशेष चयन) परीक्षा, 2018 के परीक्षाफल के आधार पर चयनित अभ्यर्थी मोहम्मद सुबूर खान को श्री राज्यपाल महोदय पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) में जिला कमाण्डेण्ट, होमगार्ड संवर्ग के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्ति किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—मोहम्मद सुबूर खान होमगार्ड संगठन में अपने योगदान की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर नियुक्ति किये जाने जायेंगे और परिवीक्षा अवधि के सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेने के उपरान्त उनके स्थाईकरण पर विचार किया जायेगा।

3—जिला कमाण्डेण्ट होमगार्ड्स का पद होमगार्ड्स संगठन के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) के वेतनक्रम में अन्य पदों के साथ मिले-जुले संवर्ग में है। अतः इस पदधारक को न केवल एक जिले से दूसरे जिले में स्थानान्तरित किया जा सकता है, वरन होमगार्ड्स संगठन के अन्तर्गत उसी वेतनक्रम में अन्य पदों पर भी उनकी नियुक्ति की जा सकती है।

4—मोहम्मद सुबूर खान को राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अनुमन्य की गयी दरों पर वेतन के अतिरिक्त अन्य भत्ते भी देय होंगे।

5—होमगार्ड्स संगठन में कार्यभार ग्रहण करने हेतु मोहम्मद सुबूर खान को कोई यात्रा-भत्ता अनुमन्य नहीं होगा।

6—मोहम्मद सुबूर खान की ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर निर्धारित की जायेगी।

7—मोहम्मद सुबूर खान 15 दिवस के अन्दर कमाण्डेण्ट जनरल, होमगार्ड्स, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को अपनी योगदान आख्या प्रस्तुत करेंगे।

8—कमाण्डेण्ट जनरल, होमगार्ड्स, उत्तर प्रदेश लखनऊ मोहम्मद सुबूर खान के प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण अवधि में उनके वेतन भत्तों आदि के आहरण एवं वितरण की भी व्यवस्था करेंगे तथा प्रशिक्षणोपरान्त तैनाती का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध करायेंगे।

सं0 29/2021/1429/पन्चानवे-2021-71 होगा/16 पार्ट-III–लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/दिव्यांगजन विशेष चयन) परीक्षा, 2018 के परीक्षाफल के आधार पर चयनित अभ्यर्थी श्री नवोदित सिंह को श्री राज्यपाल महोदय पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) में जिला कमाण्डेण्ट, होमगार्ड संवर्ग के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्ति किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2–श्री नवोदित सिंह होमगार्ड संगठन में अपने योगदान की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर नियुक्ति किये जाने जायेंगे और परिवीक्षा अवधि के सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेने के उपरान्त उनके स्थाईकरण पर विचार किया जायेगा।

3–जिला कमाण्डेण्ट होमगार्ड्स का पद होमगार्ड्स संगठन के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) के वेतनक्रम में अन्य पदों के साथ मिले-जुले संवर्ग में है। अतः इस पदधारक को न केवल एक जिले से दूसरे जिले में स्थानान्तरित किया जा सकता है, वरन होमगार्ड्स संगठन के अन्तर्गत उसी वेतनक्रम में अन्य पदों पर भी उनकी नियुक्ति की जा सकती है।

4–श्री नवोदित सिंह को राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अनुमन्य की गयी दरों पर वेतन के अतिरिक्त अन्य भत्ते भी देय होंगे।

5–होमगार्ड्स संगठन में कार्यभार ग्रहण करने हेतु श्री नवोदित सिंह को कोई यात्रा-भत्ता अनुमन्य नहीं होगा।

6–श्री नवोदित सिंह की ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर निर्धारित की जायेगी।

7–श्री नवोदित सिंह 15 दिवस के अन्दर कमाण्डेण्ट जनरल, होमगार्ड्स, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को अपनी योगदान आख्या प्रस्तुत करेंगे।

8–कमाण्डेण्ट जनरल, होमगार्ड्स, उत्तर प्रदेश लखनऊ श्री नवोदित सिंह के प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण अवधि में उनके वेतन भत्तों आदि के आहरण एवं वितरण की भी व्यवस्था करेंगे तथा प्रशिक्षणोपरान्त तैनाती का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध करायेंगे।

सं0 30/2021/1430/पन्चानवे-2021-71 होगा/16 पार्ट-III–लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/दिव्यांगजन विशेष चयन) परीक्षा, 2018 के परीक्षाफल के आधार पर चयनित अभ्यर्थी सुश्री राखी वर्मा को श्री राज्यपाल महोदय पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) में जिला कमाण्डेण्ट, होमगार्ड संवर्ग के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्ति किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2–सुश्री राखी वर्मा होमगार्ड संगठन में अपने योगदान की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर नियुक्ति किये जानी जायेंगी और परिवीक्षा अवधि के सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेने के उपरान्त उनके स्थाईकरण पर विचार किया जायेगा।

3–जिला कमाण्डेण्ट होमगार्ड्स का पद होमगार्ड्स संगठन के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) के वेतनक्रम में अन्य पदों के साथ मिले-जुले संवर्ग में है। अतः इस पदधारक को न केवल एक जिले से दूसरे जिले में स्थानान्तरित किया जा सकता है, वरन होमगार्ड्स संगठन के अन्तर्गत उसी वेतनक्रम में अन्य पदों पर भी उनकी नियुक्ति की जा सकती है।

4–सुश्री राखी वर्मा को राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अनुमन्य की गयी दरों पर वेतन के अतिरिक्त अन्य भत्ते भी देय होंगे।

5–होमगार्ड्स संगठन में कार्यभार ग्रहण करने हेतु सुश्री राखी वर्मा को कोई यात्रा-भत्ता अनुमन्य नहीं होगा।

6–सुश्री राखी वर्मा की ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के सुसंगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर निर्धारित की जायेगी।

7–सुश्री राखी वर्मा 15 दिवस के अन्दर कमाण्डेण्ट जनरल, होमगार्ड्स, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को अपनी योगदान आख्या प्रस्तुत करेंगी।

8–कमाण्डेण्ट जनरल, होमगार्ड्स, उत्तर प्रदेश लखनऊ सुश्री राखी वर्मा के प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण अवधि में उनके वेतन भत्तों आदि के आहरण एवं वितरण की भी व्यवस्था करेंगे तथा प्रशिक्षणोपरान्त तैनाती का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध करायेंगे।

आज्ञा से,
अनिल कुमार,
अपर मुख्य सचिव।

पी0एस0यू0पी0–24 हिन्दी गजट–भाग 1–2021 ई0।
मुद्रक एवं प्रकाशक–निदेशक, मुद्रण एवं लेखन-सामग्री, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

रजिस्टर्ड नं०–ए०डी०–4
लाइसेन्स सं०–डब्ल्यू०पी०–41
(लाइसेन्स टू पोस्ट बिदाउट प्रीपेमेन्ट)

सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 11 सितम्बर, 2021 ई० (भाद्रपद 20, 1943 शक संवत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

[ADMIN. (G-I) SECTION]

CORRIGENDUM

May 29, 2021

Correction Slip No. 267

No. 9567/2021/Admin. (G-I)–With reference to the Court's notification No. 307/VIIIc, dated May 29, 2021 (Correction Slip no. 267) regarding amendment in the Rules of the Court, 1952, that has been published in the Uttar Pradesh Gazette (Part 1-A), dated June 26, 2021, the following correction is being made:

''In the proviso to sub-Rule (4) of Rule 11 of Chapter IX, in the existing as well as the amended provision, the word 'Courty' be read as 'Court'.''

By order of the Court,
ASHISH GARG,
Registrar General.

आगरा के जिलाधिकारी की आज्ञायें

13 जुलाई, 2021 ई0

सं0 657/प-/डीएलआरसी0–उ0प्र0 राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधिनियम संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उ0प्र0 राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 35/740/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, प्रभु एन0 सिंह, जिलाधिकारी, आगरा निम्नांकित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपर्युक्त शासनादेश के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ-5 में उल्लिखित ग्राम पंचायत के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूं तथा कालम 6 व 7 में उल्लिखित विवरण के अनुसार राजकीय

महाविद्यालय की स्थापना हेतु क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, आगरा-अलीगढ़, आगरा परिक्षेत्र, आगरा को निःशुल्क हस्तान्तरण करता हूं :

अनुसूची

क्र0 सं0	जनपद	तहसील	परगना	राजस्व ग्राम	गाटा/प्लाट		भूमि की श्रेणी	विवरण/प्रयोजन, जिसके लिए भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है
					संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	आगरा	किरावली	किरावली	अछनेरा देहात	397-मि0	हेक्टेयर 1.1510	बंजर श्रेणी-6-3	राजकीय महाविद्यालय की स्थापना हेतु (उक्त भूमि उच्च शिक्षा विभाग के निवर्तन पर रखी जायेगी)।

03 अगस्त, 2021 ई0

सं0 700/डीएलआरसी–इस कार्यालय के आदेश/पत्र संख्या 3942/प-192/डीएलआरसी, दिनांक 30 जुलाई, 2019 के द्वारा निम्नांकित तालिका में प्रदर्शित भूमि का पुनर्ग्रहण करके नगरपालिका परिषद्, फतेहपुरसीकरी के लिये प्रोसेसिंग प्लान्ट की स्थापना हेतु निःशुल्क हस्तान्तरित की गयी थी :

तालिका

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम सभा	गाटा	
				संख्या	क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
आगरा	किरावली	किरावली	उन्देरा	77-ख	हेक्टेयर 1.8560 में से 1.000

प्रश्नगत भूमि पर वन विभाग की आपत्ति के कारण प्रोसेसिंग प्लान्ट की स्थापना नहीं हो सकी। उक्त भूमि के स्थान पर तहसील किरावली के राजस्व ग्राम कौरई के गाटा संख्या 1152-ग-मि0 क्षेत्रफल 1.3520 हे0 में से 1.000 हे0 भूमि इस कार्यालय के आदेश/पत्र संख्या 498/डीएलआरसी, दिनांक 03 अप्रैल, 2021 के अन्तर्गत पुनर्ग्रहण करके नगरपालिका परिषद्, फतेहपुरसीकरी के लिये प्रोसेसिंग प्लान्ट की स्थापना हेतु निःशुल्क हस्तान्तरित की जा चुकी है। इसलिये तालिका में प्रदर्शित भूमि से सम्बन्धित राजस्व अभिलेखों में अंकित नगरपालिका परिषद्, फतेहपुरसीकरी का नाम निरस्त कर पुनः ऊसर की श्रेणी-6(4) जो अन्य कारणों से अकृषिक हो, दर्ज कर ग्राम सभा में प्रत्यावर्तित किया जाना उचित एवं समीचीन प्रतीत होता है।

अतः एतद्द्वारा उपरांकित तालिका में प्रदर्शित भूमि से सम्बन्धित राजस्व अभिलेखों में अंकित नगरपालिका परिषद्, फतेहपुरसीकरी, आगरा का नाम निरस्त किया जाता है तथा आदेश दिया जाता है कि तालिका में प्रदर्शित भूमि को पुनः ऊसर श्रेणी-6(4) जो अन्य कारणों से अकृषिक हो, राजस्व अभिलेखों में दर्ज कर ग्राम सभा में प्रत्यावर्तित किया जाय।

सं0 701/डीएलआरसी–इस कार्यालय के आदेश/पत्र संख्या 3357/प-120/डीएलआरसी, दिनांक 07 दिसम्बर, 2018 के द्वारा निम्नांकित तालिका में प्रदर्शित भूमि का पुनर्ग्रहण करके राजकीय महाविद्यालय की स्थापना हेतु क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, आगरा-अलीगढ़ परिक्षेत्र, आगरा को निःशुल्क हस्तान्तरित की गयी थी :

तालिका

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम सभा	गाटा	
				संख्या	क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
आगरा	बाह	बाह	अभयपुरा	755-मि0	हेक्टेयर 3.4580 में से 1.000

प्रश्नगत भूमि ऊबड़-खाबड़ / ऊँची-नीची होने के कारण क्षेत्रीय उच्च अधिकारी, आगरा-अलीगढ़ परिक्षेत्र, आगरा एवं कार्यदायी संस्था द्वारा राजकीय महाविद्यालय के निर्माण हेतु अनुपयुक्त बताते हुये उक्त भूमि के स्थान पर मौजा केंजरा, तहसील बाह स्थित भूमि गाटा संख्या 631, रकवा 0.403 हे0, गाटा संख्या 632, रकवा 0.2300 हे0, कन्या इण्टर कालेज, केंजरा के नाम दर्ज भूमि व गाटा संख्या 634, रकवा 0.508 हे0 भूमि कुल किता-3, रकवा 1.141 हे0 भूमि राजकीय महाविद्यालय के निर्माण हेतु इस कार्यालय के आदेश / पत्र संख्या 114 / डीएलआरसी, दिनांक 17 दिसम्बर, 2020 के द्वारा निःशुल्क हस्तान्तरित की जा चुकी है। इसलिये तालिका में प्रदर्शित भूमि से सम्बन्धित राजस्व अभिलेखों में अंकित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, आगरा-अलीगढ़ परिक्षेत्र, आगरा का नाम निरस्त कर पुनः पूर्व श्रेणी-5(3)(ङ) अन्य कृषि योग्य बंजर भूमि में पूर्व की भांति दर्ज कर ग्राम सभा में प्रत्यावर्तित किया जाना उचित एवं समीचीन प्रतीत होता है।

अतः एतद्द्वारा उपरांकित तालिका में प्रदर्शित भूमि से सम्बन्धित राजस्व अभिलेखों में अंकित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, आगरा-अलीगढ़ परिक्षेत्र, आगरा का नाम निरस्त किया जाता है तथा आदेश दिया जाता है कि तालिका में प्रदर्शित भूमि को पुनः श्रेणी-5(3)(ङ) अन्य कृषि योग्य बंजर भूमि राजस्व अभिलेखों में दर्ज कर ग्राम सभा में प्रत्यावर्तित किया जाय।

प्रभु एन0 सिंह,
जिलाधिकारी, आगरा।

ललितपुर के जिलाधिकारी की आज्ञायें

26 जुलाई, 2021 ई0

सं0 2448 / आठ-एल0ए0सी0-पुर्न0 (2021-22)—शासनादेश संख्या 258 / रा0-1 / 16(1)-73, दिनांक 05 मार्च, 1974 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 8, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 35 / 740 / एक-1-2016-20(5) / 2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, अन्नावि दिनेशकुमार, जिलाधिकारी, ललितपुर निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 05 मार्च, 1974 के शासनादेश के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ-6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों / स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गांव, गांव सभा / स्थानीय प्राधिकारी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी / प्रकृति	विवरण, प्रयोजन जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है।
1	2	3	4	5	6	7	8	9
						हेक्टेयर		
1	ललितपुर	महरौनी	बानपुर	कुरौरा ग्राम समाज कुरौरा	1134	0.250	5-1-नवीन परती	नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश को मसौरा-सिंदवाहा ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना हेतु।

30 जुलाई, 2021 ई0

सं0 2481/आठ-एल0ए0सी0-पुर्न0 (2021-22)—शासनादेश संख्या 258/रा0-1/16(1)-73, दिनांक 05 मार्च, 1974 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 8, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 35/740/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, अन्नावि दिनेशकुमार, जिलाधिकारी, ललितपुर निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 05 मार्च, 1974 के शासनादेश के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ-6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गांव, गांव सभा/स्थानीय प्राधिकारी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/प्रकृति	विवरण, प्रयोजन जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है।
1	2	3	4	5	6	7	8	9
						हेक्टेयर		
1	ललितपुर	महरौनी	बानपुर	डगराना ग्राम समाज डगराना	869-घ	0.250	6-4, पत्थर	नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश को बिल्ला-मोगान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना हेतु।

सं0 2480/आठ-एल0ए0सी0-पुर्न0 (2021-22)—शासनादेश संख्या 258/रा0-1/16(1)-73, दिनांक 05 मार्च, 1974 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 8, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 35/740/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, अन्नावि दिनेशकुमार, जिलाधिकारी, ललितपुर निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 05 मार्च, 1974 के शासनादेश के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ-6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गांव, गांव सभा/स्थानीय प्राधिकारी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/प्रकृति	विवरण, प्रयोजन जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है।
1	2	3	4	5	6	7	8	9
						हेक्टेयर		
1	ललितपुर	महरौनी	बानपुर	बड़ोखरा ग्राम समाज बड़ोखरा	225/2	0.160	6-4, पत्थर	नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश को बिल्ला-मोगान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना हेतु।

सं0 2479/आठ-एल0ए0सी0-पुर्न0 (2021-22)–शासनादेश संख्या 258/रा0-1/16(1)-73, दिनांक 05 मार्च, 1974 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 8, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 35/740/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, अन्नावि दिनेशकुमार, जिलाधिकारी, ललितपुर निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 05 मार्च, 1974 के शासनादेश के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ-6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गांव, गांव सभा/ स्थानीय प्राधिकारी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/ प्रकृति	विवरण, प्रयोजन जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है।
1	2	3	4	5	6	7	8	9
						हेक्टेयर		
1	ललितपुर	तालबेहट	तालबेहट	कड़ेसराकलां	1369-मि0	0.324	5-3-ड़, बंजर	तहसील तालबेहट में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना किये जाने हेतु।
				कड़ेसराकलां	1457/2-मि0	0.485	6-4, पत्थर	
				योग . .		**0.809**		

अन्नावि दिनेशकुमार,
जिलाधिकारी, ललितपुर।

वाराणसी के जिलाधिकारी की आज्ञा

27 जुलाई, 2021 ई0

सं0 6639/सात-भू0सु0/2021–शासनादेश संख्या 774/एक-1-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुये व उ0प्र0 राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधिनियम संख्या 8, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उ0प्र0 राजस्व संहिता नियमावली के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करने तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 745/एक-1-2016(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का उपयोग करते हुये मैं, कौशल राज शर्मा, जिलाधिकारी, वाराणसी अधोलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त शासनादेशानुसार अनुसूची के स्तम्भ-5/6 में उल्लिखित क्रमशः गांव व गाटा, पुरानी परती में निहित थी, फिर से अपने अधिकर में लेता हूं :

अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गांव	प्लाट संख्या/ गाटा संख्या	क्षेत्रफल	विवरण (प्रयोजन जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8
						हेक्टेयर	
1	वाराणसी	सदर	जाल्हूपुर	मोकलपुर	289 पुरानी परती	0.2500	शिवपुर विधानसभा के ढाब क्षेत्र में 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र बनाने हेतु (उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लि0 के पक्ष में)।

कौशल राज शर्मा,
जिलाधिकारी, वाराणसी।

अलीगढ़ के जिलाधिकारी की आज्ञा

04 अगस्त, 2021 ई0

सं0 468 (iv)/डी0एल0आर0सी0—उत्तर प्रदेश शासन के राजस्व अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या 68/3-.2(जी)-1979-रा-1, दिनांक 05 सितम्बर, 1986 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासनादेश संख्या 744/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, सेल्वा कुमारी जे0, जिलाधिकारी, अलीगढ़ निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उक्त शासनादेश दिनांक 05 सितम्बर, 1986 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ-6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेकर उसे जनपद अलीगढ़ की तहसील खैर के ग्राम लक्ष्मनगढ़ी में बृहद गौशाला निर्माण हेतु पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के पक्ष में निःशुल्क हस्तान्तरित करती हूँ। इस भूमि का अन्यथा उपयोग नहीं होगा :

अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/प्रकृति	विवरण/प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है
1	2	3	4	5	6	7	8	9
						हेक्टेयर		
1	अलीगढ़	खैर	खैर	लक्ष्मनगढ़ी	528 530	0.350 0.650	श्रेणी 6-4 ऊसर	बृहद गौशाला निर्माण हेतु। पशुपालन विभाग, उ0प्र0 शासन के निवर्तन पर।
					योग . .	**1.000**		

सेल्वा कुमारी जे0,
जिलाधिकारी, अलीगढ़।

जनता के प्रयोजनार्थ भूमि नियोजन की विज्ञप्तियां

26 अगस्त, 2021 ई0

सं0 474/आठ-वि0भू0अ0अ0/अधिसूचना/गोण्डा/2020-21—भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के उद्देश्य हेतु) राय है, कि सरयू नहर परियोजना के अन्तर्गत पायर कोहना माइनर के निर्माण हेतु जनपद गोण्डा, तहसील मनकापुर, परगना बभनी पायर, ग्राम सैजलपुर में 0.458 हे0, व ग्राम बक्सी भारी रकबा 0.094 हे0 कुल 0.552 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है।

2—सरयू नहर परियोजना के सम्बन्ध में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली के पत्र संख्या 1-1201/16/96-आई0ए0-1 दिनांक 19 जून, 2000 द्वारा पर्यावरणीय क्लीयरेन्स प्रस्तुत किया गया है। तथा धारा 6 (2) के उपबन्ध का अवलम्ब लेते हुये भूमि का अर्जन किये जाने का प्रस्ताव है।

3–भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है।

4–अतः राज्यपाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित भूमि का सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिए सहमति देते हैं।

अनुसूची

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भूखण्ड संख्या	अर्जित किये जानेवाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
गोण्डा	मनकापुर	बभनी पायर	सैजलपुर	85	0.024
				86	0.081
				395	0.353
				योग . .	0.458
गोण्डा	मनकापुर	बभनी पायर	बक्सी भारी	70	0.043
				97	0.051
				योग . .	0.094
				सम्पूर्ण योग . .	0.552

5–अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिए तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिए समतलीकरण, खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियायें करने के लिए राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते है।

6–अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

7–अधिनियम की धारा 11 (4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का सव्यवहार यथा विक्रय/क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

टिप्पणी–उक्त भूमि का स्थल नक्शा कलेक्टर गोण्डा के कार्यालय में देखा जा सकता है।

ह0 (अस्पष्ट)
जिलाधिकारी,
गोण्डा।

Notification

Dated August 26, 2021

No. **474/VIII-S.L.A.O./ Notification/Gonda/2020-21**–Under sub-section (1) of Section-11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilition and Rehabilitation Act, 2013 (Act no. 30 of 2013), hereinafter referred to as the said Act, Whereas the Government of Uttar Pradesh/Collector (for the purpose of Appropriate) is satisfied that a total of 0-552 hectare of land is required for the construction of Payar Kohana Minor under the National Project of Saryu Nahar Pariyojna in the Village-Saijalpur, Baksi Bhari, Pargana-Babhani Payar, Tehsil Mankapur, District Gonda for public purpose under the said project namely Saryu Canal Project.

2. Letter no. 1-12011/16/96-IA-1, dated 19 June, 2000 has been provided by the Ministry of the Environmental & Forest Government of the regarding environmental clearance of Saryu Canal Project in accordance with the provisions of sub-section (2) of section 6 of the said Act.

3. No families are likely to be displaced due to land acquisition.

4.Therefore, the Governor is pleased to notify for general infromation that the land mentioned in the schedule below in needed for public purpose:

SCHEDULE

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6
					Hectare
Gonda	Mankapur	Babhani Payar	Saijalpur	85	0.024
				86	0.081
				395	0.353
			Total :	03 Kita	0.458
Gonda	Mankapur	Babhani Payar	Baksi Bhari	70	0.043
				97	0.051
			Total :	02 Kita	0.094
			Grand Total :	05 Kita	0.552

5. The Governor is also pleased to authorize the Collector for the purpose of the acquisition to takes necessary steps enterupon and survey of land, take levels of any land, dig or sub -soil into the sub-oil and do all the acts required for the proper execution of work as provided and specified under section -12 of the Act.

6. Under section -15 of the Act, any person interested in the land may within 60 days after the publication of this notification, make an objection of land in the locality in writing to the Collector.

7.Under Section-11(4) of the Act, no person shall make any transaction or any transaction of the land *i.e.* sale/purchase, specified in the preliminary notification or create any encumbrances on such land from the date of publication of such notification till such time as the proceedings of land acquisition is completed, without prior approval of the Collector.

NOTE : A plan of land may be inspected in the Office of the Collector Gonda for the purpose of acquisition.

(Sd.) ILLEGEBLE
COLLECTOR,
Gonda.

सं0 473/आठ-वि0भू0अ0अ0/अधिसूचना/गोण्डा/2020-21—भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के उद्देश्य हेतु) राय है, कि सरयू नहर परियोजना के अन्तर्गत सिंहपुर माइनर के निर्माण हेतु जनपद गोण्डा, तहसील सदर गोण्डा, परगना गोण्डा, ग्राम सिंहपुर में कुल 0.331 हे0, भूमि की आवश्यकता है।

2—सरयू नहर परियोजना के सम्बन्ध में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली के पत्र संख्या 1-1201/16/96-आई0ए0-1 दिनांक 19 जून, 2000 द्वारा पर्यावरणीय क्लीयरेन्स प्रस्तुत किया गया है। तथा धारा 6 (2) के उपबन्ध का अवलम्ब लेते हुये भूमि का अर्जन किये जाने का प्रस्ताव है।

3–भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है।

4–अतः राज्यपाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित भूमि का सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिए सहमति देते हैं।

अनुसूची

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भूखण्ड संख्या	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
2	3	4	5	6	7
					हेक्टेयर
गोण्डा	सदर गोण्डा	गोण्डा	सिंहपुर	136	0.117
				115	0.214
				योग . .	0.331

5–अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिए तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिए समतलीकरण, खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियायें करने के लिए राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते है।

6–अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

7–अधिनियम की धारा 11 (4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का सव्यवहार यथा विक्रय/क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

टिप्पणी–उक्त भूमि का स्थल नक्शा कलेक्टर गोण्डा के कार्यालय में देखा जा सकता है।

ह0 (अस्पष्ट)
जिलाधिकारी,
गोण्डा।

Notification

Dated August 26, 2021

No. **473/VIII-S.L.A.O./ Notification/Gonda/2020-21**–Under sub-section (1) of Section 11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilition and Rehabilitation Act, 2013 (Act no. 30 of 2013), hereinafter referred to as the said Act, Whereas the Government of Uttar Pradesh/Collector (for the purpose of Appropriate) is satisfied that a total of 0-331 hectare of land is required for the construction of Singhpur Minor under the National Project of Saryu Nahar Pariyojna in the Village-Singhpur, Pargana-Gonda, Tehsil -Sadar Gonda, District Gonda for public purpose under the said project namely Saryu Canal Project.

2. Letter no. 1-12011/16/96-IA-1, dated 19 June, 2000 has been provided by the Ministry of the Environmental & Forest Government of the regarding environmental clearance of Saryu Canal Project in accordance with the provisions of sub-section (2) of section 6 of the said Act.

3. No families are likely to be displaced due to land acquisition.

4.Therefore, the Governor is pleased to notify for general infromation that the land mentioned in the schedule below in needed for public purpose:

SCHEDULE

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6
					Hectare
Gonda	Sadar Gonda	Gonda	Singhpur	136	0.117
				115	0.214
			Total :	02 Kita	0.331

5. The Governor is also pleased to authorize the Collector for the purpose of the acquisition to takes necessary steps enterupon and survey of land, take levels of any land, dig or sub -soil into the sub-oil and do all the acts required for the proper execution of work as provided and specified under section-12 of the Act.

6. Under section-15 of the Act, any person interested in the land may within 60 days after the publication of this notification, make an objection of land in the locality in writing to the Collector.

7. Under section-11(4) of the Act, no person shall make any transaction or any transaction of the land *i.e.* sale/purchase, specified in the preliminary notification or create any encumbrances on such land from the date of publication of such notification till such time as the proceedings of land acquisition is completed, without prior approval of the Collector.

NOTE : A plan of land may be inspected in the Office of the Collector Gonda for the purpose of acquisition.

(Sd.) ILLEGEBLE
COLLECTOR,
Gonda.

कार्यालय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), सोनभद्र

23 जुलाई, 2021 ई0

सं0 693/पंजीयन/निरस्त/2021—वाहन संख्या UP-64-D-0959 के वाहन स्वामी द्वारा एक प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि वाहन चलने योग्य न होने के कारण वाहन की चेचिस कटिंग कर व पंजीयन पुस्तिका प्रस्तुत की है। वाहन सम्बन्धित चेक/चालान की रिपोर्ट प्राप्त की गयी जो शून्य है एवं वाहन पर कोई कर एवं अतिरिक्त कर बकाया नहीं है। चूंकि वाहन के चलने योग्य न होने के कारण मूल चेचिस संख्या की कटिंग कार्यालय में प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुये मैं, प्रवीण शंकर राय, पंजियन अधिकारी, सोनभद्र तत्काल प्रभाव से केन्द्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये वाहन संख्या UP-64-D-0959 चेचिस संख्या 405124BWZ103452 व इंजन संख्या 697D44BWZ102265 का पंजीयन चिन्ह निरस्त करता हूँ।

सं0 691/पंजीयन/निरस्त/2021—वाहन संख्या UP-64-A-6627 के वाहन स्वामी द्वारा एक प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि वाहन चलने योग्य न होने के कारण वाहन की चेचिस कटिंग कर व पंजीयन पुस्तिका

प्रस्तुत की है। वाहन सम्बन्धित चेक/चालान की रिपोर्ट प्राप्त की गयी जो शून्य है एवं वाहन पर कोई कर एवं अतिरिक्त कर बकाया नहीं है। चूंकि वाहन के चलने योग्य न होने के कारण मूल चेचिस संख्या की कटिंग कार्यालय में प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुये मैं, प्रवीण शंकर राय, पंजियन अधिकारी, सोनभद्र तत्काल प्रभाव से केन्द्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये वाहन संख्या UP-64-A-6627 चेचिस संख्या 360324DSQA111309 व इंजन संख्या 697D23BSQ119719 का पंजीयन चिन्ह निरस्त करता हूँ।

सं0 692/पंजीयन/निरस्त/2021—वाहन संख्या UP-64-E-4015 के वाहन स्वामी द्वारा एक प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि वाहन चलने योग्य न होने के कारण वाहन की चेचिस कटिंग कर व पंजीयन पुस्तिका प्रस्तुत की है। वाहन सम्बन्धित चेक/चालान की रिपोर्ट प्राप्त की गयी जो शून्य है एवं वाहन पर कोई कर एवं अतिरिक्त कर बकाया नहीं है। चूंकि वाहन के चलने योग्य न होने के कारण मूल चेचिस संख्या की कटिंग कार्यालय में प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुये मैं, प्रवीण शंकर राय, पंजियन अधिकारी, सोनभद्र तत्काल प्रभाव से केन्द्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये वाहन संख्या UP-64-E-4015 चेचिस संख्या 444021KVZ744971 व इंजन संख्या 697TC49KVZ932910 का पंजीयन चिन्ह निरस्त करता हूँ।

27 जुलाई, 2021 ई0

सं0 696/पंजीयन/निरस्त/2021—वाहन संख्या UP-33-T-1697 वाहन ट्रक के वाहन स्वामी द्वारा एक प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि वाहन चलने योग्य न होने के कारण वाहन की चेचिस कटिंग व पंजीयन पुस्तिका प्रस्तुत की है। वाहन सम्बन्धित चेक/चालान की रिपोर्ट प्राप्त की गयी जो शून्य है एवं वाहन पर कोई कर एवं अतिरिक्त कर बकाया नहीं है। चूंकि वाहन के चलने योग्य न होने के कारण मूल चेचिस संख्या को काटकर इस टुकड़ा कार्यालय में प्रस्तुत किया है। मूल चेचिस संख्या को खुर्द-खुर्द कर दिया गया है। वाहन के प्रपत्र कार्यालय में समर्पित हैं।

अतः उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुये मैं, प्रवीण शंकर राय, पंजियन अधिकारी, सोनभद्र तत्काल प्रभाव से केन्द्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(3) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये वाहन संख्या UP-33-T-1697 चेचिस संख्या 396522KSZ226157 व इंजन संख्या 70K62613290 का पंजीयन चिन्ह निरस्त करता हूँ।

29 जुलाई, 2021 ई0

सं0 697/पंजीयन/निरस्त/2021—वाहन संख्या UP-64-H-2593 के वाहन स्वामी द्वारा एक प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि वाहन चलने योग्य न होने के कारण वाहन की चेचिस कटिंग कर व पंजीयन पुस्तिका प्रस्तुत की है। वाहन सम्बन्धित चेक/चालान की रिपोर्ट प्राप्त की गयी जो शून्य है एवं वाहन पर कोई कर एवं अतिरिक्त कर बकाया नहीं है। चूंकि वाहन के चलने योग्य न होने के कारण मूल चेचिस संख्या की कटिंग कार्यालय में प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुये मैं, प्रवीण शंकर राय, पंजियन अधिकारी, सोनभद्र तत्काल प्रभाव से केन्द्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये वाहन संख्या UP-64-H-2593 चेचिस संख्या 373344HRZ126955 व इंजन संख्या 697TC55HRZ134057 का पंजीयन चिन्ह निरस्त करता हूँ।

प्रवीण शंकर राय,
पंजियन अधिकारी,
मोटर वाहन विभाग, सोनभद्र।

कार्यालय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), बस्ती

28 जुलाई, 2021 ई0

सं0 569/पंजीयन निरस्त/2021–वाहन संख्या UP-51-AT-2179, प्रकार ट्रक, चेसिस संख्या 426021KVZ136116, इंजन नम्बर 40K62363673, मॉडल 2004 वाहन माह दिनांक 15 जून, 2021 को कबाड़ में कटकर अस्तित्वविहीन हो चुकी है। पंजीकृत वाहन स्वामी मेसर्स मॉ वैष्णो इन्टरप्राइजेज U/c जनार्दन चौधरी, ग्राम-साहूपार, पो0-महसों, थाना-लालगंज, जनपद बस्ती ने अपने प्रार्थना-पत्र दिनांक 10 जुलाई, 2021 द्वारा यह अवगत कराया है कि वाहन कबाड़ में कट जाने के कारण संचालन के योग्य नहीं रह गयी है। वाहन का पंजीयन संख्यांक निरस्त कर दिया जाय। वाहन का एक कर दिनांक 30 जून, 2021 तक जमा है। वाहन के चेसिस का टुकड़ा वाहन स्वामी द्वारा दिनांक 10 जुलाई, 2021 को कार्यालय में जमा कर दिया गया है, जिससे यह सिद्ध होता है कि वाहन अस्तित्वविहीन हो चुकी है।

अतः केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 55 में उपबन्धित प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये पंजीकृत वाहन स्वामी द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों के आधार पर मैं, अरूण प्रकाश चौबे, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग बस्ती, वाहन संख्या UP-51-AT-2179 का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ। पंजीयन निरस्त के पश्चात् यदि वाहन का संचालन भविष्य में पाया जाता है या संचालन की पुष्टि होती है तो पंजीयन निरस्त की तिथि से सम्पूर्ण कर एवं शास्ति सहित वाहन स्वामी जमा कराने हेतु उत्तरदायी होंगे।

सं0 570/पंजीयन निरस्त/2021–वाहन संख्या UP-32-Z-4345, प्रकार ट्रक, चेसिस संख्या 373011CZZ003378, इंजन नम्बर 697D221322103912, मॉडल 2000 वाहन माह दिनांक 25 जून, 2021 को कबाड़ में कटकर अस्तित्वविहीन हो चुकी है। पंजीकृत वाहन स्वामी मोहम्मद मुस्तफा पुत्र श्री मुर्तुजा हुसैन, साकिन-मड़वानगर, पो0-गॉधीनगर बस्ती, जनपद बस्ती ने अपने प्रार्थना-पत्र दिनांक 27 जुलाई, 2021 द्वारा यह अवगत कराया है कि वाहन कबाड़ में कट जाने के कारण संचालन के योग्य नहीं रह गयी है। वाहन का पंजीयन संख्यांक निरस्त कर दिया जाय। वाहन का एक बारीय कर (OTT) जमा है। वाहन के चेसिस का टुकड़ा वाहन स्वामी द्वारा दिनांक 27 जुलाई, 2021 को कार्यालय में जमा कर दिया गया है, जिससे यह सिद्ध होता है कि वाहन अस्तित्वविहीन हो चुकी है।

अतः केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 55 में उपबन्धित प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये पंजीकृत वाहन स्वामी द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों के आधार पर मैं, अरूण प्रकाश चौबे, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग बस्ती, वाहन संख्या UP-32-Z-4345 का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ। पंजीयन निरस्त के पश्चात् यदि वाहन का संचालन भविष्य में पाया जाता है या संचालन की पुष्टि होती है तो पंजीयन निरस्त की तिथि से सम्पूर्ण कर एवं शास्ति सहित वाहन स्वामी जमा कराने हेतु उत्तरदायी होंगे।

सं0 571/पंजीयन निरस्त/2021–वाहन संख्या UP-51-Z-6951, प्रकार कार, चेसिस संख्या MALA251FLEM296341, इंजन नम्बर B3HAEM022187, मॉडल 2014 वाहन माह दिनांक 09 जुलाई, 2021 को कबाड़ में कटकर अस्तित्वविहीन हो चुकी है। पंजीकृत वाहन स्वामी श्री राजेश कुमार जायसवाल पुत्र श्री सालिकराम जायसवाल, निवासी-176, शंकरपुर हरैया, जनपद बस्ती ने अपने प्रार्थना-पत्र दिनांक 27 जुलाई, 2021 द्वारा यह अवगत कराया है कि वाहन कबाड़ में कट जाने के कारण संचालन के योग्य नहीं रह गयी है। वाहन का पंजीयन संख्यांक निरस्त कर दिया जाय। वाहन का एक बारीय कर (OTT) जमा है। वाहन के चेसिस का टुकड़ा वाहन स्वामी द्वारा दिनांक 27 जुलाई, 2021 को कार्यालय में जमा कर दिया गया है, जिससे यह सिद्ध होता है कि वाहन अस्तित्वविहीन हो चुकी है।

अतः केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 55 में उपबन्धित प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये पंजीकृत वाहन स्वामी द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों के आधार पर मैं, अरूण प्रकाश चौबे, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग बस्ती, वाहन संख्या UP-51-Z-6951का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ। पंजीयन निरस्त के पश्चात् यदि वाहन का संचालन भविष्य में पाया जाता है या संचालन की पुष्टि होती है तो पंजीयन निरस्त की तिथि से सम्पूर्ण कर एवं शास्ति सहित वाहन स्वामी जमा कराने हेतु उत्तरदायी होंगे।

अरूण प्रकाश चौबे,
पंजियन अधिकारी,
मोटर वाहन विभाग, बस्ती।

पी0एस0यू0पी0–24 हिन्दी गजट–भाग 1-क–2021 ई0।
मुद्रक एवं प्रकाशक–निदेशक, मुद्रण एवं लेखन-सामग्री, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

रजिस्टर्ड नं०–ए०डी०–4
लाइसेन्स सं०–डब्ल्यू०पी०–41
(लाइसेन्स टू पोस्ट बिदाउट प्रीपेमेन्ट)

सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 11 सितम्बर, 2021 ई० (भाद्रपद 20, 1943 शक संवत्)

भाग 4

निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश

कार्यालय, सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

विज्ञप्ति

31 अगस्त, 2021 ई0

सं0 परिषद्-9/307 सर्वसाधारण की जानकारी हेतु विज्ञाप्ति एवं प्रसारित है कि कोविड-19 (कोरोना) महामारी के कारण विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य सुचारू रूप से नहीं चल पा रहा है। ऐसी स्थिति में परिषद् ने शैक्षिक सत्र 2021-22 (परीक्षा वर्ष 2022) हाईस्कूल (कक्षा 9-10) के पाठ्यक्रम को लगभग 30 प्रतिशत संक्षिप्त किये जाने का निर्णय लिया है।

परिषद् द्वारा संक्षिप्त किये गये तथा वर्ष 2022 की परीक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम का विषयवार विवरण निम्नवत् है।

विषय– हिन्दी

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

गद्य	बात–प्रताप नारायण मिश्र स्मृति– श्रीराम शर्मा ठेले पर हिमालय– धर्मवीर भारती
काव्य	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र– प्रेम माधुरी नागार्जुन– बादल को घिरते देखा सोहन लाल द्विवेदी–उन्हें प्रणाम केदार नाथ अग्रवाल–अच्छा होता, सितार–संगीत की रात शिव मंगल सिंह सुमन–युगवाणी
संस्कृत–	सदाचारः सिद्धिमन्त्रः,

निर्धारित एकांकी– व्यवहार– सेठ गोविन्द दास
सीमा रेखा– विष्णु प्रभाकर
नये मेहमान– उदय शंकर भट्ट
संस्कृत एवं हिन्दी व्याकरण–संधि–दीर्घ, शब्दरूप– भानु, अस्मद्, समास–तत्पुरुष

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– हिन्दी

कक्षा–9

पूर्णांक–100

इसमें 70 अंक की लिखित परीक्षा (समय–3 घंटा) एवं 30 अंक प्रोजेक्ट कार्य (आन्तरिक मूल्यांकन)

1–(क) हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (भारतेन्दु युग तथा द्विवेदी युग)	5
(ख) हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय–आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल)	5
2–गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से–	2+4+2=8
सन्दर्भ–	
रेखांकित अंश की व्याख्या–	
तथ्यपरक प्रश्न का उत्तर–	
(पाठ– मंत्र, गुरूनानक देव, गिल्लू, निष्ठामूर्ति कस्तूरबा, सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम, तोता)	
3–काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से–	2+4+2=8
सन्दर्भ–	
व्याख्या–	
काव्य सौन्दर्य–	
(कबीर, मीरा, रहीम, मैथलीशरण गुप्त, हरिवंश राय बच्चन, सन्त रैदास)	
4–संस्कृत के निर्धारित पाठ्य वस्तु से–	1+4=5
(गद्यांश अथवा श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद)	
सन्दर्भ–	
अनुवाद–	
(पाठ–वन्दना, पुरूषोत्तमः रामः, सुभाषितानि, परमहंस रामकृष्णः, कृष्णः गोपाल नन्दनः)	
5–निर्धारित एकांकी से–(कथानक, चरित्र–चित्रण एवं तथ्याधारित प्रश्न)	3
(एकांकी–दीपदान, लक्ष्मी का स्वागत।)	
6–निर्धारित पाठकों के लेखकों तथा कवियों का जीवन परिचय एवं रचनाएं–	3+3=6
7–(1) पाठ्य पुस्तक से एक श्लोक–	2
(जो प्रश्नपत्र में न आया हो)	
(2) संस्कृत के निर्धारित पाठों से पाठों पर आधारित	2
दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में (अति लघु उत्तरीय)	
8–काव्य सौन्दर्य के तत्व–	2+2+2=6
1–रस–श्रृंगार एवं वीर (स्थायीभाव, परिभाषा, उदाहरण, पहचान)	
2–छन्द–चौपाई एवं दोहा–लक्षण, उदाहरण।	
3–अलंकार–शब्दालंकार, अनुप्रास, यमक, श्लेष–परिभाषा, उदाहरण, पहचान।	
9–हिन्दी व्याकरण तथा शब्द रचना–	2+2+2+2=8
क–वर्तनी तथा विराम चिन्ह	
ख–शब्द रचना–तद्भव, तत्सम्, विलोम, पर्यायवाची	
ग–समास–अव्ययीभाव (परिभाषा, उदाहरण)	
घ–मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ–अर्थ एवं वाक्य प्रयोग	
10–संस्कृत व्याकरण–	2+2+2=6
क–सन्धि– गुण (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)	
ख–शब्द रूप–राम, हरि,	
ग–धातुरूप–गम्, भू, कृ, (लट्, लोट्, विधिलिंग, लङ, तथा लृट् लकार)	
11–क–हिन्दी के दो सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद	2
ख–पत्र लेखन (प्रार्थना–पत्र)	4

आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक

शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में–

प्रथम–अगस्त माह में – 10 अंक – वाचन (वाद–विवाद, भाषण, विचाराभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय–अक्टूबर माह में – 10 अंक – (व्याकरण सम्बन्धी)
तृतीय–दिसम्बर माह में – 10 अंक – सृजनात्मक (नाटक, कहानी, कविता, पत्र लेखन आदि) **अंक योग–30**

निर्धारित पाठ्य वस्तु–(गद्य)

पाठ	लेखक
मंत्र	प्रेमचन्द्र
गुरूनानक देव	हजारी प्रसाद द्विवेदी
गिल्लू	महादेवी वर्मा
निष्ठामूर्ति कस्तूरबा	काका कालेलकर
तोता–	रवीन्द्र नाथ टैगोर
सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम	

निर्धारित पाठ्य वस्तु–(काव्य)

कबीर	साखी
मीराबाई	पदावली
रहीम	दोहा
जयशंकर प्रसाद	पुनर्मिलन
सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला''	दान
मैथिलीशरण गुप्त	पंचवटी
हरिवंश राय बच्चन	पथ की पहचान
संत रैदास	प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी

निर्धारित पाठ्य वस्तु–(संस्कृत)

वन्दना, पुरुषोत्तमः रामः, सुभाषितानि, परमहंस–रामकृष्ण, कृष्णः गोपाल नन्दनः

निर्धारित एकांकी–

दीपदान	राम कुमार वर्मा
लक्ष्मी का स्वागत	उपेन्द्र नाथ ''अश्क''

विषय– प्रारम्भिक हिन्दी

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

गद्य– बात– प्रताप नारायण मिश्र
संस्कृत– सिद्धिमन्त्र, सदाचार
निर्धारित एकांकी– व्यवहार– सेठ गोविन्द दास
सीमा रेखा– विष्णु प्रभाकर
नये मेहमान–उदय शंकर भट्ट
संस्कृत एवं हिन्दी व्याकरण– संधि–दीर्घ, शब्दरूप– भानु, अस्मद्

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– प्रारम्भिक हिन्दी

कक्षा–9

पूर्णांक–100

(हिन्दी से छूट पाने वाले छात्रों के लिये)

इसमें 70 अंक की लिखित परीक्षा (समय–3 घंटा) एवं 30 अंक प्रोजेक्ट कार्य (आन्तरिक मूल्यांकन)

1–(क) हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (भारतेन्दु युग तथा द्विवेदी युग)	5
(ख) हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय–आदिकाल, मध्यकाल (केवल भक्तिकाल)	5
2–गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से–	2+4+2=8
सन्दर्भ–	
रेखांकित अंश की व्याख्या–	
तथ्यपरक प्रश्न का उत्तर–	
(पाठ– मंत्र, गुरूनानक देव, गिल्लू, निष्ठामूर्ति कस्तूरबा, सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम, तोता)	
3–काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से–	2+4+2=8
सन्दर्भ–	
व्याख्या–	
काव्य सौन्दर्य–	
(कबीर, मीरा, रहीम, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मैथिलीशरण गुप्त)	
4–संस्कृत के निर्धारित पाठ्य वस्तु से–	1+4=5
(गद्यांश अथवा श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद)	
सन्दर्भ–	
अनुवाद–	
(पाठ– पुरूषोत्तमः रामः, सुभाषितानि, परमहंस रामकृष्णः, कृष्णः गोपाल नन्दनः)	
5–निर्धारित एकांकी से–(कथानक, चरित्र–चित्रण एवं तथ्याधारित प्रश्न)	3
(एकांकी–दीपदान, लक्ष्मी का स्वागत,)	
6–निर्धारित पाठकों के लेखकों तथा कवियों का जीवन परिचय एवं रचनाएं–	3+3=6
7– (1) पाठ्य पुस्तक से एक श्लोक–	2
(जो प्रश्नपत्र में न आया हो)	
(2) संस्कृत के निर्धारित पाठों से पाठों पर आधारित	2
दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में (अति लघु उत्तरीय)	
8–काव्य सौन्दर्य के तत्व–	2+2+2=6
1–रस–श्रृंगार एवं वीर (स्थायीभाव, परिभाषा, उदाहरण, पहचान)	
2–छन्द–चौपाई एवं दोहा–लक्षण, उदाहरण।	
3–अलंकार–शब्दालंकार, अनुप्रास, यमक, श्लेष–परिभाषा, उदाहरण, पहचान।	
9–हिन्दी व्याकरण तथा शब्द रचना–	2+2+2+2=8
क–वर्तनी तथा विराम चिन्ह	
ख–शब्द रचना–तद्भव, तत्सम्, विलोम, पर्यायवाची	
ग–समास–अव्ययीभाव, तत्पुरुष (परिभाषा, उदाहरण)	
घ–मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ–अर्थ एवं वाक्य प्रयोग	
10–संस्कृत व्याकरण–	2+2+2=6
क–सन्धि– गुण (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)	
ख–शब्द रूप–राम, हरि,	
ग–धातुरूप–गम्, भू, कृ, (लट्, लोट्, विधिलिंग, लङ, तथा लृट् लकार)	
11–क–हिन्दी के दो सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद	2
ख–पत्र लेखन (प्रार्थना–पत्र)	4
आन्तरिक मूल्यांकन –	**30 अंक**

शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह मेंदृ

प्रथम–अगस्त माह में – 10 अंक – वाचन (वाद–विवाद, भाषण, विचाराभिव्यक्ति आदि)

द्वितीय–अक्टूबर माह में – 10 अंक – (व्याकरण सम्बन्धी)

तृतीय–दिसम्बर माह में – 10 अंक – सृजनात्मक (नाटक, कहानी, कविता, पत्र लेखन आदि) **अंक योग–30**

निर्धारित पाठ्य वस्तु–(गद्य)

पाठ	लेखक
मंत्र	प्रेमचन्द्र
गुरूनानक देव	हजारी प्रसाद द्विवेदी
गिल्लू	महादेवी वर्मा
निष्ठामूर्ति कस्तूरबा	काका कालेलकर
तोता	रवीन्द्र नाथ टैंगोर
सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम	

निर्धारित पाठ्य वस्तु–(काव्य)

कबीर	साखी
मीराबाई	पदावली
रहीम	दोहा
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	प्रेम माधुरी
मैथिलीशरण गुप्त	पंचवटी

निर्धारित पाठ्य वस्तु–(संस्कृत)

वन्दना, सदाचारः, पुरुषोत्तमः रामः, सुभाषितानि, परमहंस–रामकृष्ण,

निर्धारित एकांकी–

दीपदान	राम कुमार वर्मा
लक्ष्मी का स्वागत	उपेन्द्र नाथ ''अश्क''

Subject-English

(Class–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

Text Book

Prose-

1-Packing – Jerome K. Jerome
2-The Bond of Love – Kenneth Anderson
3-Kathmandu – Vikram Seth
4- If I were you – Douglas James

Poetry-

1. On Killing a Tree – Gieve Patel
2. The Snake Trying – W.W.E. Ross
3. A Slumber Did My Spirit Seal – William Wordsworth

Supplementary Reader –

1. A House is not a Home – Zan Gaudioso
2. The Accidental Tourist – Bill Bryson
3. The Beggar – Anton Chekhov

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

Syllabus – English

Class – IX

There will be one question paper of **70 marks**. Internal Assessment will be for **30 marks.**

Reading **10 marks**

1. One short passage followed by three MCQs. 3x1=3
2. One passage followed by three very short answer type questions. 3x2=6
   One vocabulary based question 1

Writing Skills **10 marks**

3. Letter (formal/informal)/Application . 4
4. Descriptive paragraph/Report/ Article (based on given verbal/figurative input)in about 80-100 words. 6

Grammar **15 marks**

5. Five MCQs based on parts of speech, tenses, articles, reordering of sentences, spellings. 5x1=5
6. Three very short answer type questions based on narration, voice, punctuation. 3x2=6
7. Translation of a short passage from Hindi to English. 4

Literature **35 marks**

Beehive (23 marks)

Prose(15 marks)

8. Two MCQs based on the given extract. 2x1=2
9. Three MCQs based on lessons. 3x1=3
10. Two short answer type questions in about 30-40 words each. 2x3=6
11. One long answer type question in about 60 words. 4

Poetry(08 marks)

12.Two MCQs based on the given extract. 2x1=2
13. One short answer type question based on poetry lessons in about 30-40 words . 3

or

Four lines from any poem prescribed in the syllabus

14. Central idea of the given poem. 3

Moments (12 marks)

15. Five MCQs based on prescribed lessons. 5x1=5
16. One short answer type question in about 30-40 words. 3
17. One long answer type question in about 60 words. 4

Prescribed books and Lessons

Beehive (Text Book)

Prose –

1. The Fun They Had – Isaac Asimov
2. The Sound of Music – I. EvelynGlennie – Deborah Cowley
   II. Bismillah Khan
3. The Little Girl – Katherine Mansfield
4. A Truly Beautiful Mind
5. The Snake and the Mirror – Vaikom Muhammad Basheer
6. My Childhood – A.P.J. Abdul Kalam
7. Reach for the Top (I) Santosh Yadav (II) Maria Sharapova

Poetry –

1. The Road Not Taken – Robert Frost
2. Wind – Subramania Bharati
3. Rain on the Roof – Coates Kinney
4. The Lake Isle of Innisfree – William Butler Yeats
5. A Legend of the Northland – Phoebe Cary
6. No Men Are Foreign – James Kirkup
7. The Duck and the Kangaroo – Edward Lear

Moments (Supplementary Reader) –

1. The Lost Child – Mulk Raj Anand
2. The Adventures of Toto – Ruskin Bond
3. Iswaran the Storyteller – R.K. Laxman
4. In the Kingdom of Fools – A.K. Ramanujan
5. The Happy Prince – Oscar Wilde
6. Weathering the Storm in Ersama – Harsh Mander
7. The Last Leaf – O Henry

Words & Expression [Eng. Work book]

विषय– संस्कृत

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक् विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

संस्कृत गद्य भारती–

1– पर्यावरणशुद्धिः।

2– अन्तरिक्षं विज्ञानम्।

संस्कृत पद्य पीयूषम्–

1– सुभाषितानि।

2– अन्योक्ति–मौक्तिकानि।

3– क्रियाकारक–कुतूहलम्।
4– यक्षयुधिष्ठिरसंलापः।
5– आरोग्यसाधनानि।

कथा नाटक कौमुदी–

1– वत्सराजनिग्रहः।
2– न गङ्गदत्तः पुनरेति कूपम्।
3– शकुन्तलायाः पतिगृहगमनम्।

व्याकरण–

स्वर सन्धि– वृद्धिरेचि, एचोऽयवायावः।
व्यंजन सन्धि– झलां जषोन्ते, ष्टुना ष्टुः।
नपुंसक लिंग– सर्व, तद्, युष्मद, अस्मद्।
धातुरूप– आत्मनेपद, उभयपद (पूरा हटाया गया)
समास– कर्मधारय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–संस्कृत

कक्षा–IX

एक प्रश्न–पत्र 70 अंकों का तथा समय 03 घण्टे होगा।

इस विषय में 70 अंकों की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न–पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का भी उल्लेख होगा तथा उसके उत्तर के रूप में तीन या चार उत्तर प्रश्न–पत्र में अंकित होंगे। उनमें से एक शुद्ध उत्तर होगा। उसका उल्लेख उत्तर पुस्तिका में छात्र को अंकित करना होगा तथा उनका अंक विभाजन निम्नवत् होगा–

खण्ड 'क' (गद्य, पद्य तथा आशुपाठ)	**35 अंक**
गद्य	**11 अंक**
1–गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद	4 अंक
2–पाठ सारांश (अधिकतम 80 शब्द)	4 अंक
3–बहुविकल्पीय प्रश्न	1X3=3 अंक
पद्य	**15 अंक**
1–श्लोक की हिन्दी में व्याख्या	4 अंक
2–सूक्तियों की व्याख्या	3 अंक
3–श्लोक का संस्कृत में अर्थ	4 अंक
4–बहुविकल्पीय प्रश्न	1X4=4 अंक
आशुपाठ–	**9 अंक**
1–पात्रों का चरित्र–चित्रण (हिन्दी में)	6 अंक
2– बहुविकल्पीय प्रश्न	1X3=3 अंक
खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद, रचना)	**35 अंक**

व्याकरण–

1–माहेश्वर सूत्रों के आधार पर स्वर एवं व्यंजन का सामान्य ज्ञान तथा परिचय।	3 अंक
2–संधि–	3 अंक
1–स्वर संधि– अकःसवर्णे दीर्घः , आद्गुणः, इकोयणचि।	
2–व्यंजन संधि– स्तोः श्चुना श्चुः।	
3–शब्द रूप	03 अंक
पुंलिङ्ग–राम, हरि, गुरु।	
स्त्रीलिङ्ग–रमा, मति, वाच्।	
1 से 10 तक के संख्या शब्दों का ज्ञान।	
4–धातुरूप– (लट्, लृट, लोट्, लङ्, तथा विधिलिङ् लकारो में)–	03 अंक
परस्मैपद–पठ्, गम्, अस्, शक्, प्रच्छ्।	
5–समास—समास की सामान्य परिभाषा एवं विग्रह सहित उदाहरण– तत्पुरुष, द्वन्द्व।	03 अंक
6–कारक–समस्त कारकों एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय।	03 अंक
7–उपसर्ग का सामान्य परिचय।	02 अंक

अनुवाद–

हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।	06 अंक

रचना–

1–पत्रलेखन।	05 अंक
2–संस्कृत शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग।	04 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें–

निम्नलिखित पाठ्य–पुस्तकों के सम्मुख अंकित पाठ्यवस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश/पाठ का अध्ययन करना होगा)

संस्कृत गद्य भारती–

संस्कृत गद्य साहित्य का विकास
माङ्गलिकम्।
1–अस्माकं राष्ट्रियप्रतीकानि।
2–आदिकविः बाल्मीकिः।
3–बंधुत्वस्य सन्देष्टा रविदासः।
4–आजादः चन्द्रशेखरः।
5–भारतवर्षम्।
6–परमवीरः अब्दुलहमीदः।
7–पुण्यसलिला गङ्गा।
8– भारतीयसंविधानस्य निर्माता डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकरः।

संस्कृत पद्य पीयूषम्–

मंगलाचरणम्।
1–रामस्य पितृभक्ति।
2–भारतदेशः
3–नारी–महिमा।
4–नीतिनवनीतम्।

परिशिष्ट (टिप्पणी एवं पाठ सारांश)

कथा नाटक कौमुदी–

1–गार्गीयाज्ञवल्क्यसंवादः।

संस्कृत व्याकरण–

1–माहेश्वर सूत्र एवं वर्णों का उच्चारण स्थान।
2–सन्धि––स्वर एवं व्यंजन सन्धियों का परिचय।
3–समास।
तत्पुरुष, द्वन्द्व।
4–कारक एवं विभक्ति।
5–अनुवाद।
1–सामान्य नियमों सहित अभ्यास।
2–कारक एवं विभक्ति ज्ञान।
3–अनुवाद अभ्यास।
6–अव्यय।
7–उपसर्ग।
8–शब्दरूप ।
संज्ञा के रूप।
9–धातुरूप–
परस्मैपद धातुओं के रूप।
10–संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग।
11–संस्कृतवाक्यशुद्धि।
12–संस्कृत में आवेदन–पत्र तथा निमंत्रण–पत्र।

आन्तरिक मूल्यांकन– **अंक 30**

शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में– (अन्तिम सप्ताह में)

प्रथम– अंक 10– वाचन (वाद–विवाद, भाषण, विचाराभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय– अंक 10 – (व्याकरण सम्बन्धी)
तृतीय– अंक 10–सृजनात्मक (नाटक, कहानी, अभिव्यक्ति पत्र लेखन, आदि)

विषय–उर्दू

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड (ब)

गद्यः– (1) मीर अम्मन–सैर चौथे दरवेश की

(2) मुहम्मद हुसैन आजाद (1) मिर्जा मजहर जाने जानाँ

(2) सैयद मुहम्मद मीर सोज

(3) अलताफ हुसैन हाली– मिर्जा गालिब के हालात

गजलः– 1–सौदा–जो गुजरी मुझ पे मत उस से कहो, हुआ सो हुआ

2–वली दकिनी– आज दिस्ता है हाल कुछ का कुछ

3–आतिश– बदन सा शहर नहीं दिल सा बादशाह नहीं

रचना 1–पत्र लेखन (व्यक्तिगत और आवेदन–पत्र 150 शब्दों तक।)

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–उर्दू

कक्षा–9

उर्दू विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्न.पत्र होगा तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

उर्दू विषय में 70 अंक का एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

खण्ड (अ) पूर्णांक–35

1–व्याकरण और प्रयोग **9 अंक**

व्याकरण के केवल उसी तत्व पर बल दिया जायेगा जो भाषा के प्रयोगात्मक ज्ञान और उसके सम्भाषण एवं लेखन में प्रयोग हो। व्याकरण का अध्ययन एक विषय के रूप में अनिवार्य नहीं है परन्तु छात्रों को कक्षा में पाठों को पढ़ाते समय भाषा में व्याकरण के महत्व तथा उसके सही प्रयोग का ज्ञान साथ ही छात्रों को इसके अनुवाद तथा उसके संगठन का सही अध्ययन कराना चाहिए।

2–**पद्य** **9 अंक**

(गजल, मसनवी, रूबाई)

3–**रचना**

(अ) निबन्ध लेखन (सामान्य रुचि के विषयों पर) **10 अंक**

4–अपठित ज्ञान (150 शब्द) **7 अंक**

खण्ड (ब) पूर्णांक–35

1–**गद्य**

(अ) उर्दू की नई किताब (नवीं जमाअत के लिए) प्रकाशक एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली निर्धारित पुस्तक से निम्नांकित लेखकों तथा उनकी कृतियों का अध्ययन किया जाना है:– **14 अंक**

(1) गालिब (खुतूत)–(1) मिर्जा अलाउद्दीन अहमद खान अलाई के नाम

(2) मीर महदी मजरूह के नाम

(3) मुंशी हरगोपाल तफता के नाम

(2) सर सैयद अहमद खान–बहस–ओ तकरार

(3) डिप्टी नजीर अहमद– फहमीदा और बड़ी बेटी नईमा की लड़ाई

(4) रतन नाथ सरशार– (1) मेहरी का सरापा

(2) रेल का सफर

(ब) निर्धारित गद्य पुस्तक के लेखकों की जीवनी तथा साहित्य में उनके योगदान के बारे में ज्ञान। **4 अंक**

2–**पद्य**

(अ) उर्दू की नई किताब (नवीं जमाअत के लिए) प्रकाशक एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली निर्धारित पुस्तक से निम्नांकित कवियों एवं उनकी कृतियों का अध्ययन किया जाना है :– **12 अंक**

गजलः–

1–मीर तकी मीर–(1) उल्टी हो गई सब तदबीरें कुछ न दवा ने काम किया
(2) हस्ती अपनी हबाब की सी है
2–दर्द (1) जी में है सैरे अदम कीजिएगा
(2) तू अपने दिल से गैर की उलफत न खो सका
3–ज़ौक़– उसे हमने बहुत ढूढँा न पाया
4–गालिब–(1) यह न थी हमारी किस्मत कि विसाले यार होता
(2) हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले
5–मोमिन–वोह जो हममे तुममे करार था तुम्हें याद हो कि न याद हो
6–दाग– खातिर से या लिहाज से मै मान तो गया
मसनवी–मीर हसन
रूबाई–मीर अनीस व हाली

(ब) निर्धारित पद्य पुस्तक के कवियों की जीवनी तथा साहित्य में उनके योगदान के बारे में ज्ञान। **5 अंक**

निर्धारित पुस्तक

उर्दू की नई किताब (नवीं जमाअत के लिए)
प्रकाशक एन0सी0आर0टी0 नई दिल्ली

सहायक पुस्तक–उर्दू अदब की तारीख–लेखक अजीमुल हक जुनैदी प्रकाशक–एजुकेशन बुक हाउस, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी मार्केट अलीगढ़ 202002

विषय– गुजराती
(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

गद्य हेतु– 4–सुवर्मापूनों अतिथि–जी0 त्रिपाठी
22–अखा न उन्डन–आर0 बी0 देसाई
25–अविराम में युद्ध–धूमकेतु
पद्य हेतु– 15–बनो फोटोग्राफ–सुन्दरम
31–दुही मुकतक हैकू–दलपत राम इत्यादि
सहायक पुस्तक (स्वाध्ययन)– 11–धुवांधार (गद्य)–काका कालेलकर

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– गुजराती
(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

भाग (अ) 35 अंक

1–व्याकरण	**15**
(क) शब्द भेद की पहचान	05
(ख) शब्द का पर्याय एवं विपरीत अर्थ	05
(ग) सन्धि	05
2–रचना–	**15**
(अ) दिये हुये विषय पर एक वाक्य खण्ड का लेखन	10
या	
दिये हुये बिन्दुओं से एक कहानी निरूपित करना	
(ब) पत्र लेखन (व्यक्तिगत)	05
3–अपठित गद्य खंड का ज्ञान	**05**
(विवरणात्मक और वर्णनात्मक)	

भाग (ब) 35 अंक

1–गद्य (पाठ्य पुस्तक पर आधारित लघु प्रश्न) 15
2–पद्य सन्दर्भ सहित (व्याख्या तथा कविता का भाव) 10
3–सहायक पुस्तक (स्वाध्ययन) 10
(सामान्य प्रकार के प्रश्न पूछे जायेंगे)

निर्धारित पुस्तक

1–गुजराती वाचन माला स्टैन्डर्ड 9, 1992 संस्करण, प्रकाशक–गुजराती राज्यशाला पाठ्य–पुस्तक मण्डल, पुराना विधान सभा गृह, सेक्टर 17, गांधीनगर, गुजरात।

गद्य–निम्नांकित पाठ पढ़ने होंगे–

पाठ संख्या–

2–कुण्डी–जी0 ब्रेकर
6–आवा रे आमे आवा–बकुले त्रिवेदी
10–प्रिटोरिया जतन–गांधी जी
14–वचन–मणी लाल द्विवेदी
16–स्वर्ग अने पृथ्वी–स्नेही रश्मी
18–नाना भाई–दर्शक
23–खातू दोषी–दिलीप रनपुरा

पद्य–निम्नांकित पाठ पढ़ने होंगे–

1–प्रथम परनाम मोरा–आर0 बी0 पाठक
5–नानुन सरमुख गोकालियम–नारिन्हा मेहता
7–अटारिया–बाल मुकुन्द देव
9–बंशीवाला/आणों मारा देश–मीराबाई
19–यारी बाला–हरिन्द दूबे

सहायक पुस्तक (स्वाध्ययन)

4–आबू चाचा (गद्य)–माधव रामानुज
12–स्वतंत्रता (पद्य)–हशित बच

आन्तरिक मूल्यांकन– अंक 30

शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में– (अन्तिम सप्ताह में)

प्रथम–अगस्त माह में – अंक 10– वाचन (वाद–विवाद, भाषण, विचाराभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय–अक्टूबर माह में –अंक 10 – (व्याकरण सम्बन्धी)
तृतीय–दिसम्बर माह में–अंक 10–सृजनात्मक (नाटक, कहानी, व्यक्ति पत्र लेखन, अपठित आदि)

विषय– पंजाबी

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

गद्यः– (1) अकेली कहानी
(2) बड़ी धी
(3) पशु–पंछी प्यार
(4) रज्जी भुज्जी मिट्टी

पद्यः– 1– गुरू नानक देव जी
2– वारस शाह
3– शाह मुहम्मद
4–भाई गुरदास जी
5–हाशम शाह
6–शाह हुसैन

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– पंजाबी

कक्षा–9

इसमें 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग (एक) **पूर्णांक 35 अंक**

पद्य पाठ– **20 अंक**

1–प्रसंग–अर्थ एवं भाव अर्थ
2–कविता का सारांश
3–किसी कवि से सम्बन्धित प्रश्न

गद्य पाठ– **15 अंक**

1–कहानी, एकांकी, जीवनी, सफरनामा, निबन्ध
2–विषय वस्तु प्रश्न

भाग (दो)

व्याकरण– **35 अंक**

1–मुहावरे और लाोकोक्तियां	03
2–शुद्ध–अशुद्ध	02
3–लिंग बदलो	03
4–अनेक शब्दों का एक शब्द	03
5–विलोम शब्द	02
6–उपसर्ग–प्रत्यय	02
7–अनुवाद–(क) हिन्दी से पंजाबी	04
(ख) पंजाबी से हिन्दी	04
8–निबन्ध प्रचलित विषयों पर	08
9–पत्र लेखन (व्यक्तिगत–पत्र, आवेदन–पत्र एवं प्रार्थना–पत्र)	04

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें–

1–गद्य–पद्य (भाग–एक)	गुरूवचन सिंह
2–कहानी (एकांकी)	हरिसरण कौर
3–पंजाबी व्याकरण लेख रचना	ज्ञानी लाल सिंह

विषय– बंगला

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–गद्य (विस्तृत अध्ययन)

(1) पालमोर पथे
(2) पल्ली समाज
(3) यात्रा पथे

2– पद्य (1) रामेर विलाप
(2) छात्र दलेर गान
(3) नकसी कोथार माठ

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– बंगला

(कक्षा 9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग "अ" 35 अंक

व्याकरण–

(1) बंगला भाषा का स्पष्ट उच्चारण–स्वर एवं उसके प्रकार–	4 अंक
मुख्य शब्दों के भेद–	4 अंक
स्वर सन्धि–	4 अंक
समास (तत्पुरुष, द्वन्द्व और द्विगु)–	6 अंक
प्रत्यय, मुहावरे तथा लोकोक्ति–	5 अंक
सरल वाक्य परिवर्तन (स्वीकारात्मक, नकारात्मक, प्रश्नवाचक, विधिसूचकवाक्य)–	5 अंक
(2) रचना	
(1) विभिन्न प्रकार के पत्र लेखन (औपचारिक तथा अनौपचारिक)–	4 अंक
(2) विचारों का संक्षिप्तीकरण अथवा विस्तार–	3 अंक

भाग "ब" 35 अंक

1–गद्य (विस्तृत अध्ययन)

(क) पठित खण्ड पर सामान्य प्रश्न– 5 अंक
(ख) दिये गये खण्ड की व्याख्या– 5 अंक
(ग) संक्षिप्त विवरण (उद्देश्य एवं लाक्षणिक और भाव के संदर्भ में)– 3 अंक

निर्धारित पुस्तकें–पाठ संकलन (गद्य भाग केवल) संस्करण सन् 1987 प्रकाशक बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन वेस्ट बंगाल कलकत्ता

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होगें
(i) भरत और दुष्यन्त मिलन
(ii) राज सिंह और मानिक लाल
(iii) विद्या सागर
(iv) अपुर कल्पना
(v) भारत वर्तमान और भविष्य

2–उपन्यास

अम अन्तीर भेपू–विभूतिभूषण बनर्जी, बनर्जी प्रकाशन सिंगनेटा प्रेस पाप एक बालपुर कलकत्ता–23

(क) सामान्य प्रश्न– 5 अंक
व्याख्या– 5 अंक
संक्षिप्त विवरण– 2 अंक

जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं ट्रैफिक रूल्स की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध रूप में पूछे जायेंगे।

3– पद्य

(1) दिनादिन
(2) भोरई
(3) छात्र धारा
(4) लोहार व्यथा

सार संक्षेप और प्रश्न–

व्याख्या– 5 अंक
तथा संक्षिप्त विवरण– 3+2=5 अंक

निर्धारित पुस्तकें–पाठ संकलन (पद्य भाग केवल)– 1987 संस्करण बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन पश्चिम बंगाल कलकत्ता द्वारा प्रकाशित।

विषय–मराठी
कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–गद्य (विस्तृत अध्ययन)

(13) मषी वेडमेनटेन्ची साधना नन्दू नाटेकर
(14) बंगाला प्रकाश मोरे
(17) सौर ऊर्जा निरन्जन घाटे

2– पद्य

9–निजाल्या तीन हावरी बी0 आर0 ताम्बे दत्ता
10–प्रतिभाविहंग

कहानी–7–जिस्यातिल जुन्जा दामू धोत्रे

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–मराठी
कक्षा–9

केवलप्रश्न–पत्र **अंक**

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग (अ) **35**

1–व्याकरण–

(क) शब्द भेद का ज्ञान। 15
(ख) पर्यायवाची तथा विपरीतार्थक

2–रचना– 15

(क) सामान्य विषयों पर पैराग्राफ लेखन
(ख) सामान्य विषयों पर पत्र–लेखन

3–अपठित गद्य खण्ड का ज्ञान– 05

भाग–(ब) **35**

1–गद्य– 15

(क) पाठ्य–पुस्तक पर आधारित संक्षिप्त प्रश्न
(ख) व्याख्या

निर्धारित पुस्तकें
कुमार भारती–1994

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन करना होगा–

पाठ	**लेखक का नाम**
(2) सेती साथी पानी	महात्मा फूले
(4) कालेकेश	एन0एस0 फड़के
(5) एक अपूर्ण संध्या	एन0बी0 गाडगिल
(6) एक एकचावेद	पी0के0 अत्रे
(9) निरवार	कुसुमावती देष पाण्डेय
(11) कर्मवीररांच्या अठवानी	पी0जी0 पाटिल

2–पद्य– **10**

(क) सन्दर्भ व्याख्या
(ख) पद्य का भाव

पाठ्य पुस्तक

भारतीय (1994) में से निम्नलिखित कविताओं का अध्ययन करना है–

पाठ	**कवि का नाम**
1–नमंदेवानची अभंगवानी	नामदेव
4–तुकारामची अभंग	तुकाराम
5–षक्ति गौरव	रामदास
8–वात चक्र	केशव सूत

3–लघु कहानियां– **10**

(निर्धारित कहानी में से पांच लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर)
निम्नलिखित कहानी का अध्ययन करना है–

कहानी	**कवि का नाम**
15–धूने	आर0 आर0 बोराउ
16–संतराची प्रति सरकार	कुमार केतकर

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक गद्य, पद्य और कहानियां
कुमार भारती (कक्षा 9 के लिए) 1994 संस्करण

प्रकाशक–महाराष्ट्र स्टेट सेकेन्डरी एजूकेशन बोर्ड, पुणे।

असामी
कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–व्याकरण–
(ख) वाक्य संरचना में प्रयुक्त अशुद्धियों को चिन्हित करना
(ग) लोकोक्तियों एवं मुहावरों का प्रयोग

2– पद्य
2–बाबाजुग
4–जिकिट अख्जारी

3–गद्य
1–भोकेन्द्र बरूआ
4–गौरव

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

असामी
कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र होगा तथा समयावधि तीन घण्टे होगी। **अंक**

भाग (अ) **35**

1–व्याकरण– **15**

(क) मुख्य शब्द भेद
(घ) विराम चिन्हों का प्रयोग

2–रचना– **20**

(क) सामान्य विषयों पर निबन्ध लेखन 12

(ख) सामान्य विषयों पर पत्र लेखन 8

संदर्भ पुस्तक–

1–वहल व्याकरण–ले0 सत्यनाथ वोरा, बरूआ एजेंसी गुवाहाटी 78100

2–असमियां भाषा बीदिका–ले0 प्रियदास तालुकदार, प्रकाशक–एल0बी0एस0 प्रकाशन, अम्बारी गुवाहाटी–78100

3–असमियां रचना विधि–ले0 प्रधानाचार्य गिरधर शर्मा, प्राप्ति स्थान, आसाम बुक डिपो गुवाहाटी

भाग (ब) **35**

1–पद्य– **15**

(क) निर्धारित खण्ड की व्याख्या 6

(ख) निर्धारित पुस्तक से सामान्य प्रश्न 9

गद्य एवं पद्य के लिए निर्धारित पुस्तक

माध्यमिक साहित्य चयन प्रकाशक आसाम स्टेट टेक्स्ट बुक, प्रोडक्शन एण्ड पब्लिकेशन लिमिटेड गुवाहाटी 78002।

निम्नलिखित पद्य का अध्ययन करना होगा–

1–ककुती 3–मंगलारगीत

2–गद्य– **15**

1–पठित खण्ड की व्याख्या 6

2–संक्षिप्त विवरण (निर्धारित पुस्तक से पौराणिक, ऐतिहासिक, लाक्षणिक तकनीकी या भावात्मक संदर्भ में)। 3

3–पठित खण्ड से सामान्य प्रश्न 6

निम्नलिखित गद्य पाठों का अध्ययन करना होगा–

2–वैज्ञानिक दृष्टिभगी और जन संयोग

3–आसामारा जानाखातिर गढ़ानी और संस्कृति

3–अविस्तृत अध्ययन– **5**

निर्धारित पुस्तकें

पारिजात हरन खौर चीरधरा, पिम्पारा गोछवां नट द्वारा संकलित श्री जोगेश दास (लायर्स बुक स्टोर, गुवाहाटी)। केवल पारिजान हरन द्वारा श्री शंकर देव का अध्ययन किया जाना है।

उड़िया–केवल प्रश्नपत्र

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

भाग–क

1–व्याकरण–

(ख) कृदन्त

(ग) वाक्य परिवर्तन (स्वीकारात्मक, नकारात्मक, प्रश्नवाचक)

गद्य–

2–समुह दृष्टि

4–वामनर छात्राओं आकाशार चन्द्र

6–राकिर शान

7–ओड़िया साहित्य कथा

सहायक पुस्तकों में पठित अंश (कहानी, एकांकी)

2–पतका उप्तलान

3–डिमरी फुलो

4–दल बेहेरा

पद्य–

4–गोप प्रयाण

5–पाइक बधुर उद्बोधन

6–मादिर मणिष

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

उड़िया – केवल प्रश्नपत्र

कक्षा–9

पूर्णांक–70

भाग–क

1–व्याकरण	**20 अंक**
(क) उड़िया भाषा का स्पष्ट उच्चारण स्वर और उसके वर्गीकरण।	10 अंक
(ख) मुख्य शब्द भेद (स्वर, संधि, समास, तत्पुरूष, द्वन्द्व और द्विगु)	10 अंक
2–रचना	**15 अंक**
(क) पत्र लेखन–(औपचारिक एवं अनौपचारिक)	8 अंक
(ख) अपठित गद्यांश	7 अंक

भाग–ख **पूर्णांक–35**

गद्य–विस्तृत अध्ययन हेतु	**18 अंक**
(क) पाठ्यपुस्तक पर आधारित सामान्य प्रश्न	06 अंक
(ख) पठित खण्ड की व्याख्या	06 अंक
(ग) संक्षिप्त विवरण–(उद्देश्य,लाक्षणिक,तकनीकी एवं भाव संदर्भ में)	06 अंक

निम्नलिखित गद्य पाठों का अध्ययन करना होगा–

1–जातीय जीवन
3–रिख्या ओ रासन
5–प्रकृत बन्धु

सहायक पुस्तकों में पठित अंश (कहानी, एकांकी)	**06 अंक**

1–बूढ़ा रांखारी
5–दुरो पाहाड़

पद्य–(1) निर्धारित पद्य पर सामान्य प्रश्न	06 अंक
(2)व्याख्या	05 अंक

निम्नलिखित पद्य पाठों का अध्ययन करना होगा

1–काह मुख अनाई वेचिनी
2–हेमोर फलक
3–माणिष माडू

गद्य एवं पद्य के लिये निर्धारित पुस्तकें :–

प्रकाशक साहित्य–बोर्ड आफ सेकेन्डरी एजूकेशन उड़ीसा।
प्रकाशक–कटक पब्लिकेशन उड़ीसा

विषय–कन्नड़

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1–गद्य

(3) आईस्टीन चित्र गलु
(5) कोडइया विचार
(12) महारात्रि
(13) पंजारा पारोक्शी
(14) गम्भीरे

2– पद्य

(3) नन्नाहाडू
(4) बोडो बह्मे
(9) बीसतु सुखस्प्रू सत्वम्
(10) नूनाखरावलेख

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–कन्नड़

(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग (अ) **35 अंक**

1–व्याकरण– 19

(क) निर्धारित पुस्तक के आधार पर वाक्य परिवर्तन

(ख) विराम चिन्हों का संशोधन

(ग) पर्यायवाची तथा विपरीतार्थक

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग पर विशेष बल दिया जाना चाहिए ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषीय चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

2–रचना–

(क) व्यावहारिक एवं दैनिक जीवन एवं व्यावहारिक अनुभवों से सम्बन्धित टॉपिक पर पैराग्राफ लेखन 5

(ख) पत्र लेखन (व्यक्तिगत, व्यापारिक तथा कार्यालयीय सम्बन्ध में दैनिक जीवन के सन्दर्भ में) 6
(15 पंक्ति से अधिक न हो)।

3–संक्षिप्त लेखन– 5

4–लोकोक्तियां एवं मुहावरे–

भाग (ब) **35**

निर्धारित पुस्तक–

कन्नड भारतीय–9, प्रकाशक–राव कर्नाटक पब्लिकेशन, पो0ओ0 बाक्स 5159 बंगलोर–1

(अ) गद्य (विस्तृत अध्ययन) 14

निम्नलिखित पाठ पढ़ना होगा–

(1) पाण्डुमलमाली

(2) श्री कृष्ण साधना

(4) मागू कालीसिदा पाठा

(6) बूट पालिश

(7) बन्दुरीना हवलादा डन्डेगलू

(8) बेली युवा श्री मोलाकेयाली

(9) माया

(10) मरियाला गादा साम्राज्य

(11) वन्या जीबोगालू भट्टू परिसारा

(ब) पद्य–

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन किया जाना होगा– 14

(1) हचेबू कन्नडद दीपा

(2) चुटुकामल

(5) काला

(6) नन्ना हा अगेय

(7) बचन गालू

(8) डेन्कू बलाडा नायकारे

(स) अविस्तृत अध्ययन– 7

श्री शंकराचायारू–प्रकाशक, नेशनल बुक ट्रस्ट, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

निम्न अध्याय का अध्ययन किया जाना है–

(1) जनाना माटूटू बलया

(2) कलातियन्डा काशीगे

(3) विजयायात्रे

विषय–सिन्धी

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1–व्याकरण–

(क) काल और उसके प्रकार
(ख) एक वचन से बहुवचन बनाना
(ग) पुलिंग से स्त्रीलिंग बनाना

2– पदबन्ध– कहावतें संख्या–17 एवं 18, मुहावरें संख्या–17 से 20तक, फहाका संख्या– 19 एवं 20।

3– निबन्ध– (4) सिन्धी साहित्यकार

भाग–ब– गद्य से पाठ–8, 9, 10 पद्य से पाठ– 2, 4, 5 कहानी से पुस्तक क्रम संख्या– 3 फुदणुमलु, कहानी के तत्व, कहानी कला, घटनायें भाषा।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– सिन्धी

(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग (अ)	**35 अंक**
1–व्याकरण–	**12**
(ख) वचन	6
(ग) लिंग	6
2– कहावतें एवं मुहावरे–	3+3=**6**
3–निबन्ध–निम्नलिखित विषयों में से 200 शब्दों तक एक निबन्ध	**10**
(1) राष्ट्रीय पर्व	
(2) सिन्धी त्योहार	
(3) सिन्धी महापुरूष	
4–पत्र लेखन–	**7**
दैनिक जीवन पर आधारित 1 से 5 पंक्तियों का एक पत्र	
भाग (ब)	**35**
1–गद्य–	**13**
(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक प्रश्न	5
(ख) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक गद्यांश का प्रसंग संदर्भ, साहित्यिक सौन्दर्य सहित व्याख्या।	1+1+2+4=8
2–पद्य–	**13**
(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित दो या तीन प्रश्न	6
(ख) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक पद्यांश का संदर्भ काव्यगत सौन्दर्य सहित व्याख्या।	1+2+4=7
3–कहानी–अडिब्रंगु, सोखिती, फुन्दणुयलु कहानी विसारियां न विषिरनि लेखक–लोकनाथु।	4+5=9

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें–

(1) व्याकरण, निबन्ध तथा पत्र लेखन के लिए

मथ्यो सिन्धी व्याकरण (देवनागरी) ले0 दयाराम बंसणमल मीरचन्दानी, प्रकाशक सिन्धू ब्रह्मू शिक्षा सम्मेलन एवं देवनागरी सिन्धी सभा, मुम्बई।

प्राप्ति स्थान–(1) कमला हाईस्कूल–खार–मुम्बई–400052
(2) हिन्दुस्तान किताबघर–19–21 हमाम स्ट्रीट, मुम्बई

मथ्यो सिन्धी व्याकरण पुस्तक से फहाका 1 से 18 तक इस्तलाह एक से 18 तक तथा अदबीगुलदस्तों के पाठों के अन्त में अभ्यास के लिए दिए अंशों का अध्ययन भी किया जाना होगा।

(2) सहायक पुस्तक– सन्दर्भ के लिए–

सिन्धी भाषा (व्याकरण एवं प्रयोग) लेखन, प्रकाशक, विक्रेता–डा0 मुरलीधर जैतली, डी0 127 विवेक विहार, नई दिल्ली–95

(3) गद्य एवं पद्य के लिए–

अदवी गुलदस्तों–लेखक डा0 कन्हैया लाल लेखवाणी।

प्रकाशक एवं विक्रेता–निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान मानस गंगोत्री, विनोवा रोड, मैसूर।

''अदवी गुलदस्तों'' के गद्य भाग में 1 से 10 तक के पाठ एवं पद्य भाग 1 से 5 तक के पाठों का अध्ययन किया जाना होगा। सिन्धी–पद्य–कहानी के लिये पुस्तक विसरिया न विसरीन

संशोधित प्रकाशन स्थान–सिंधी वेलफेयर सोसायटी एस0जी0–1 राजपाल प्लाजा कानपुर रोड, आलमबाग, लखनऊ।

तमिल

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–व्याकरण–

(ii) PADAM, pabupadam, pabupede Urruppuhal Iyarsol, Tririsol and Tisaichol.

(iii) PUNARCHI, Vetrumai , vina punarchi,

2–मुहावरें तथा लोकोक्तियां–

तमिल इलाक्कानाम TAMIL (Ilakkanam)

5–पद्य–

Sec I-- Irai Vaszhthu

Sec I I-- 2. Pazhamozhi

Sec III--1. Silppathika aram

7–अविस्तृत अध्ययन– Thiru VI-KA,

(2) दो लघुस्तरीय

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

14–तमिल

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा। **अंक**

खण्ड (अ) **35**

1–व्याकरण– 15

निम्नलिखित क्षेत्रों के पहचान हेतु प्रारम्भिक ज्ञान–

(i) EZHUTHU, Mathal and saarbu, Chattu and Vinnaamaatirai, Ezhuthu poli

(ii) Pahaappadam

(iii) Alvazhi punsrehi, Chattu and Achsara, Punarchi and Kutriyaluhare, Pumarchi.

2–मुहावरें तथा लोकोक्तियां– 5

परिभाषा एवं प्रयोग–

(निम्नलिखित पुस्तक के पृष्ठ 135 और 154 तक में उल्लिखित मुहावरों का अध्ययन किया जाना है)

उपर्युक्त क्रम 1 और 2 हेतु सन्दर्भ पुस्तक–

कक्षा–9 के लिए (संशोधित संस्करण 1992) प्रकाशक, तमिलनाडु

Text Book सोसाइटी, मद्रास–6

3–रचना– 10

निबन्ध लेखन–दिए हुए बिन्दुओं पर (लगभग 100 शब्दों में)

या

दिए हुए विषय पर स्वतन्त्र रचना

4–अपठित गद्य खण्ड का ज्ञान 05

खण्ड (ब) **35**

5–पद्य– 15

तमिल टेक्स्ट बुक–कक्षा–9 के लिए (1994 संस्करण) प्रकाशक–तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी, मद्रास–6

निम्नलिखित पद्य पढ़ना है–

Sec II--1. Thirnkkural

2. Pazhamozhi

Sec VI-- Marumalarchi Paadalgal

6–गद्य– 10

तमिल Text Book– कक्षा–9 के लिए (गद्य भाग) (1994 संस्करण) प्रकाशक–तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी मद्रास–6

(पाठ 1 से 7 तक केवल पढ़ना है)

7–अविस्तृत अध्ययन– 10

Yuzhuum Theudum (1994 संस्करण) ले0 शक्ति वासन सुब्रमणियम प्रकाशक मेसर्स पारोनिलयस, 184 ब्राडवे, मद्रास–60000

(पाठ 1 से 10 कक्षा–9 में अध्ययन करना है)

पुस्तक की विषय वस्तु से प्रश्न पूछे जायेंगे–

(1) निबन्धात्मक 10

तेलुगू

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–व्याकरण–

(क) समसकृता सनघुलू

(ख) तेलुगू संघुलू

1–गद्य– 4–समसकृति 5–गुरूदेयडडू रवीन्द्रूडू 8–इवारू गोप्पा

2–पद्य– 3–भाष्करा 6–वृद्ध देवूनी पुनराहवानामू

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

15–तेलुगू

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र होगा तथा समयावधि तीन घण्टे होगी।

भाग (अ) **35 अंक**

1–व्याकरण–

निम्नलिखित का विस्तृत अध्ययन–

(क) स्वर्ण, दीर्घ सन्धि, गुंण–सन्धि, वृद्धि सन्धि, यनादेशा सन्धि 6

(ख) अकारा उकारा संघुलू 4

(ग) Nannar Dhaiu : Pakritivikriti, Vyutpatyardhaltu, Earyayapagalu. 8

2–लोकोक्ति और मुहावरे और उनका प्रयोग (अत्यधिक प्रचलित) 6

3–अपठित गद्य खण्ड (लगभग 100 शब्द) का ज्ञान 6

4–निबन्ध पैराग्राफ लेखन– 100 शब्द 5

भाग (ब) **35 अंक**

1–गद्य 15

तेलुगू वाचाकामू (Telugu Vachakammu) (कक्षा–9) प्रकाशक आन्ध्र प्रदेश सरकार (नया संस्करण 1987) निम्नलिखित का अध्ययन करना होगा।

1–स्वभाषा

2–सोभानाद्री

3–शकुना पारीपानानाम

6–जनपद गयाकुलू

7–देवालपालू

2–पद्य– 10

द तेलुगू वाचाकामू (The Telugu Vachakammu) (कक्षा–9) प्रकाशक आन्ध्र प्रदेश सरकार (नया संस्करण 1987) निम्नलिखित पाठों का अध्ययन करना होगा।

1–राजाधर्माम

2–पार्वतीतपासू

4–इन्दी व्यारक्ससूती वृतान्तम्

5–शिवाजी सौसाल्यामू

7–समुद्र मन्थानाम्र।

3–अविस्तृत अध्ययन हेतु– 10

तेलुगू उपवाचकामू (Telugu Upvachakammu) (कक्षा–9) आन्ध्र केशरी आन्ध्र प्रदेश सरकार (नया संस्करण 1987) दो निबन्धात्मक प्रश्न पाठ्य पुस्तक से पूंछे जायेंगे।

विषय– मलयालम

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–गद्य (1) मथरू देवो भव

2–पद्य– (1) शिष्यानम मकनम

1–व्याकरण– (2) वाक्य संशोधन

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–मलयालम

कक्षा–9

केवल प्रश्न–पत्र

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा। **अंक**

भाग (अ) **35**

1–व्याकरण– 15

(1) कतृवाच्य और कर्मवाच्य परिवर्तन
(3) शब्द अध्ययन
(4) विपरीतार्थक एवं पर्यायवाची शब्द

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग पर विशेष बल दिया जाना चाहिए ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषा चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

2–रचना– 20

(क) मुहावरे तथा लोकोक्तियां 4
(ख) पत्र लेखन (दैनिक जीवन से सम्बन्धित व्यक्तिगत तथा कार्यालयी प्रकरणों पर) 5
(ग) पैराग्राफ राइटिंग (दैनिक जीवन से सम्बन्धित) 7
(घ) सार लेखन 4

भाग (ब) **35**

1–गद्य 13

केरला पाठावली– वाल्यूम संख्या (09) 1992 संस्करण (केवल गद्य भाग)
प्रकाशक– शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

निम्नांकित पांच पाठों का अध्ययन करना–
(2) पाटाचोनची चोरू
(3) इका लोकम
(4) यशुदेवन
(5) स्वातिपुत सम्निधीइल

2–पद्य– 13

केरला पाठावली– वाल्यूम संख्या (09) 1992 संस्करण (केवल पद्य भाग)
प्रकाशक– शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

निम्नांकित पांच पद्यों का अध्ययन किया जाना है––
(1) काव्यनार्णाकी
(3) अवानीपघम
(4) अपहस्थान्या सुयोधनम्
(5) वालूथवानम

3–अविस्तृत अध्ययन हेतु (संक्षिप्त कहानियों का संकलन)– 09

निर्धारित पुस्तक

उर्मिला (1987 संस्करण)

प्रकाशक–शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

विषय– नैपाली

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

भाग–पहला

1–गद्य

(1) म्यांगा कोचिहान–लेनसिंग वांगदेल
(2) चामू थापा– भीम निधि तिवारी

2– पद्य

(1) यजिन्दगी खोके जिन्दगी–काटुवाल
(2) कटाई योसिर झुकच्छा भाने–सोहन ठाकुरी

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– नैपाली

(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग (अ) **35 अंक**

1–व्याकरण– 14

(क) शब्द उच्चारण और ध्वनि के अनुरूप परिवर्तन (स्वर, लय आदि)

(ख) शब्द भेद (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय)

2–सन्दर्भ पुस्तक–

सरल नैपाली व्याकरण–ले0 राजनारायण प्रधान और जगत, क्षेत्रीय प्रकाशक श्याम ब्रदर्स चौक बाजार, दार्जिलिंग

(2) अपठित गद्यांश का ज्ञान जो खेल कूद, सामाजिक घटनाओं और पारिवारिक वातावरण पर आधारित होंगे। 7

3– रचना–

(क) पत्र लेखन– 7

(1) मित्र/सम्बन्धी को पारिवारिक विषय पर।

(2) अवकाश प्रार्थना–पत्र शुल्क मुक्ति प्रार्थना–पत्र तथा निर्धन छात्रवृत्ति के सम्बन्ध में

(ख) निबन्ध लेखन– 7

सामाजिक समस्यायें, खेल–कूद, पारिवारिक वातावरण, राष्ट्रीय एकता, नैतिकता और पारिस्थितिक आदि के संदर्भ में।

भाग (ब) **35 अंक**

1–गद्य– 14

नैपाली साहित्य, सौरभ–प्रकाशक शिक्षा निदेशालय, पाठ्य पुस्तक अनुभाग, सिक्किम, गंगटोक अध्ययन के लिए पाठ–

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन किया जाना है–

(1) अभागी– गुरूप्रसाद मैनाली

(2) दोषी चश्मा– बी0पी0 कोइराला

(3) फान्टियर– शिव कुमार राय

(4) चिट्ठी– बद्रीनाथ भट्ट राई

2–पद्य– 12

नैपाली साहित्य, सौरभ–प्रकाशक शिक्षा निदेशालय, पाठ्य पुस्तक अनुभाग, सिक्किम, गंगटोक

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन किया जाना है–

(1) बसन्त कोकिल लेंखनाथ पौडियाल

(2) सदीक्षा– धरणीधर शर्मा

(3) कर्मा– बालकृष्ण समय

(4) औहेवर्षा– माधव प्रसाद घिमिरे

3–रैपिड रीडिंग– 9

कथा बिम्ब–प्रकाशन शिक्षा निदेशालय गंगटोक (सिक्किम)

निम्नलिखित पाठों का अध्ययन किया जाना है–

(1) निर्णय– पूर्णाराय

(2) जादूगर– एनटोली फान्स

(3) जीवन यात्राया– एम0एन0 गुरूग

(4) नूरआलम– शिवकुमार राय

नोट– निर्धारित पाठ्य पुस्तक से लघुस्तरीय एवं निबन्धात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

विषय– पालि

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1-गद्य पालिजातकावलि (पाठ 5 से 6 तक)

2–पद्य धम्मपद (पाठ–5)

3– सहायक पुस्तक– बोधिचर्या विधि (महामंगल गाथा)

4–निबन्ध– जम्बूदीपो, सारनाथो

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–पालि

कक्षा–9

इस विषय में प्रश्न–पत्र 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे का होगा।

1 गद्य–पालिजातकावलि (पाठ 1 से 4 तक) **15**

(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+8=10

(ख) किन्हीं दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में। 05

2–पद्य धम्मपद (यमक वग्गो से पुप्फवग्गो तक) **15**

(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद। 05

(ख) दो वग्गों में से किसी एक वग्ग का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश। 05

(ग) धम्मपद के पाठ 1 से 4 के अन्तवर्ती गाथा का लेखन जो इस प्रश्न पत्र मे न आयी हो। 05

3–सहायक पुस्तक बोधिचर्या विधि– (परित्राण परिच्छेद से आवाहन तक) **10**

(किसी एक गाथा की हिन्दी व्याख्या अथवा पूजा विधि का वर्णन)।

4–व्याकरण 3+2+5+5=**15**

(क) शब्द रूप–

(i) पुल्लिंग–बुद्ध, पुरिस।

(ii) स्त्रीलिंग–लता, रति।

(iii) नपुंसकलिंग–फल, अट्ठि।

(ख) धातु रूप वर्तमान काल–

पठ, गम, चुर, रूध सक, हिंस

(ग) संधि–स्वर संधि

सरो लोपो सरे, परो क्वचि, न द्वे वा, यवा सरे, ए ओ नं।

(घ) समास–

तत्पुरूष एवं बहुब्रीहि की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण।

6–अनुवाद **05**

हिन्दी के पाँच वाक्यों का वर्तमान काल की क्रिया में अनुवाद

अथवा

निबन्ध– पालि भाषा में पाँच वाक्य लिखना।

भगवा बुद्धो, धम्मपदं, ममविज्जालयो, जम्बूदीपो, सारनाथ चत्तारि अरियसच्चानि।

7–पालि साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय– **05**

प्रथम संगीति, सुत्तपिटक–दीघनिकाय, मज्झिमनिकाय, संयुक्तनिकाय, अंगुत्तरनिकाय, खुद्दकनिकाय।

निर्धारित पुस्तकें–

(1) पालिजातकावलि– सम्पादक,प्रो0 बटुक नाथ शर्मा, प्रकाशक, मास्टर खेलाड़ीलाल संकटा प्रसाद वाराणसी।

(2) धम्मपद– सम्पादक, भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक–महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।

(3) सिगालोवाद सुत्त– अनुवाद, डॉ0 भिक्षु स्वरूपानन्द सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली।

(4) पालि प्रबोधिनि– अद्यादत्त ठाकुर प्रकाशक–पुस्तक माला, लखनऊ।

(5) मैनुअल ऑफ पालि–सी0सी0 जोशी, प्रकाशक ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

(6) पालि महाव्याकरण– भिक्षु जगदीश कश्यप,–महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।

(7) पालि व्याकरण– भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड वाराणसी।

(8) पालि का साहित्य का इतिहास– भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड वाराणसी।

विषय–अरबी

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1–गद्य– असबाक् जो निसाब में शामिल है–

शीर्षक	पाठ संख्या
2–अस्सौर	4
6–अलअसद व अलफार	18
9–अलहद्वाद	36
12–फस्लुर्रबीअ	50
15–तारीफ-उल-कुर्सी	59

2–पद्य

17–तरनीमतुलवलदे फिस्सबाहे 27

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय-अरबी

कक्षा-9

इस विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्न-पत्र होगा तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा

खण्ड (अ) **35 अंक**

व्याकरण– 10

(क) 1–आसान जुमलों की बनावट (मुब्तेदा और खबर)।
2–इस्म की बनावट और उसके अकसाम।
3-फेल माजी की तारीफ और उसके अकसाम।
4-मोरक्कब जारी (जार और मजरूर)।
5-मोरक्कब इशारी (इस्मे इशारा और मुशारून इलैह)।
6-इस्मे फाइल और इस्मेमफउल की बनावट।
7-मुरक्कब तौसीफी (सिफत और मौसूफ)।
8-मुरक्कबइज़ाफी (मुज़ाफ़ और मुज़ाफ इलैह)।

(ख) अल्फाज के मानी और उनका इस्तेमाल। 05

2– क–अरबी के साधारण वाक्यों का अंग्रेजी अथवा उर्दू अथवा हिन्दी में अनुवाद। 05

ख–अंग्रेजी अथवा उर्दू अथवा हिन्दी के साधारण वाक्यों का अरबी में अनुवाद। 05

3– आसान अरबी जुमलों का इस्तेमाल– 10

जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा तथा ट्रैफिक रूल्स की जानकारी हेतु सवालात मजमून की शक्ल में पूँछे जायेंगे।

खण्ड (ब) **35 अंक**

1–गद्य 25

अलकिरात-उर-रशीदह, भाग–1, लेखक–अब्दुलफत्ताह और अलीउमर (मतबूआ मिश्र) पब्लिकेशन–एम0 रशीद एण्ड सन्स, उर्दू बाजार, जामा मस्जिद, दिल्ली–1100461

असबाक़ जो निसाब में शामिल है–

शीर्षक	पाठ संख्या
1–कलबी	3
3–अलज़मन	8
4–अलमतर	9
5–अस्सबीय व अलफील	13
7–अर्राईवज्जेब	24
8–इतलाकुत्तोयूर	28
10–वल्दुननज़ीबुन	44
11–अश्शर्रो बिश्शर्रे	49
13–हलवातुलकस्वे	53
14–महत्तता सिक्कतुलहदीद	58

2–पद्य 10

16–अत्ताइरो	10
18–तरनीमतुलउम्मे लिस्मवीय लिस्साबीये फिलमसाये	33
19–अलफारो	42

विषय– फारसी

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–गद्य– 1–Be-name-e-Ezad Bakshainda
2–Dastane-e-Khar-O-Shar (Part-1).
3–Dastoor-e-Zaban-e-Farsi.

2–पद्य 7–Manazora-e-nakashse-soozan poem.
16–Chasma-e-Sang (Poem).

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–फारसी

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का लिखित प्रश्न-पत्र होगा तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

भाग (अ) **35 अंक**

(1) व्याकरण– **10**

(क) संज्ञा।
(ख) सर्वनाम।
(ग) अव्यय।
(घ) क्रिया।
(ङ) व्युत्पत्ति।

नोट–निर्धारित पाठों पर आधारित।

(2) अनुवाद– **8+8=16**

(क) फारसी के सरल वाक्यों का अंग्रेजी अथवा हिन्दी अथवा उर्दू में अनुवाद।
(ख) अंग्रेजी, हिन्दी अथवा उर्दू के सरल वाक्यों का फारसी अनुवाद।

(3) फारसी के सरल शब्दों का वाक्यों में प्रयोग। 05

(4) रिक्तियों की पूर्ति– 04

जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं ट्रॉफिक रूल्स की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेंगे।

भाग (ब) **35 अंक**

पाठ्य पुस्तक (गद्य तथा पद्य) 20+15=35

निर्धारित पुस्तक–Following Lesson Poems from the book I entitled
FARSI-DASTOOR (KITABI-I-AW WALA Part-1 for Class IX (1977) by Dr. S.Z. Khanlari
by
M/S.I. Jarah-a-Adablyyat-a-Delhi, Jayyad Press, Ballimaram, Delhi–110006

Lesson to be studied :

4–Pisarak-fida-kar.
5–Mehman-nawazi.
6–Umar-khayyam.
8–Arish kamanzir.
9–Isfahan-e-Nisf-Jahan-1.
10–Dastoor-e-Zaban-e-Farsi. S fool zaman.
11–Isfahan-e-Daorfar.
12–Karana-e-Daprfar.
13–Dastoor-e-Zaban-e-Farsi. (Farsi shukas).
14–Suzman-e-Mutahid.
15–Dastoor-e-Zaban-e-Farsi

विषय– सामाजिक विज्ञान

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

इतिहास का अंश–

इकाई(3) नाजीवाद और हिटलर का उदय

1. सामाजिक लोकतंत्र का विकास
2. जर्मनी में संकट, हिटलर के उदय का मूल कारण
3. नाजीवाद की विचारधारा
4. नाजीवाद का प्रभाव

इकाई (4) वन्य समाज और उपनिवेशवाद

1. जीविकोपार्जन और जंगल के बीच सम्बन्ध
2. उपनिवेशवाद के अन्तर्गत वन्य समाज (नीतियों) में हुये परिवर्तन,

केस अध्ययन- मुख्यतः दो वन्य आन्दोलनों में प्रथम औपनिवेशिक भारत में (बस्तर) और दूसरा इण्डोनेशिया का।

भूगोल का अंश-

(i) प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी-वनस्पति के प्रकार, धरातल एवं जलवायु के अनुसार वनस्पति के प्रकार में विविधता। उनके संरक्षण की आवश्यकता एवं विभिन्न उपाय। मुख्य प्रजातियाँ, उनका वितरण, उनके संरक्षण की आवश्यकता एवं उसके विभिन्न उपाय।

अर्थशास्त्र का अंश-

पालमपुर की कहानी-

पालमपुर में आर्थिक लेन-देन तथा शेष विश्व के साथ पालमपुर की पारस्परिक क्रिया जिनके द्वारा उत्पादन की अवधारणा (भूमि, पूँजी तथा श्रम) को समझाया जा सके।

नागरिक शास्त्र का अंश-

(iii) चुनावी राजनीति-

हम प्रतिनिधियों का चुनाव कैसे एवं क्यूँ करते हैं? हमारे यहाँ राजनीतिक दलों में प्रतिद्वंदिता क्यों है? चुनावी राजनीति में नागरिकों की सहभागिता किस प्रकार बदल गई है? स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराने के तरीके क्या हैं?

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– सामाजिक विज्ञान **पूर्णांक- 100**

कक्षा 9

इसमें एक लिखित प्रश्नपत्र-70 अंकों एवं 30 अंकों का प्रोजेक्ट कार्य होगा;

			अंक
I	भारत और समकालीन विश्व-1 (इतिहास)		20
II	समकालीन भारत -1 (भूगोल)		20
III	लोकतांत्रिक राजनीति (नागरिकशास्त्र)		15
IV	अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र)		15
		योग. .	**70**
	प्रोजेक्ट कार्य		30
		योग. .	**100**

(I)

भारत और समकालीन विश्व-1 (इतिहास) **20 अंक**

खण्ड-1 **10 अंक**

घटनायें और प्रक्रियायें

इकाई(1) फ्रांसिसी क्रान्ति

1. पुरातन शासन व्यवस्था और उसकी समस्यायें (संकट)
2. क्रान्ति के लिये उत्तरदायी सामाजिक तत्त्व।
3. तत्कालीन क्रान्तिकारी समूह और विचार
4. विरासत

इकाई(2) यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रान्ति

1. जारवाद (राजत्व) का संकट
2. 1905 से 1917 के मध्य सामाजिक आन्दोलनों की प्रकृति।
3. प्रथम विश्व युद्ध और सोवियत राज्य की स्थापना।
4. विरासत

खण्ड-2

जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज

इकाई(5) आधुनिक विश्व में चरवाहे **05अंक**

1. पशुचारण-जीवन निर्वाह के रूप में
2. पशुचारण के विभिन्न प्रकार (स्वरूप)
3. औपनिवेशिक शासन और आधुनिक राज्य में चरवाहों का जीवन

केस अध्ययन- मुख्यतः दो चरवाहा समूह- एक अफ्रीका का और दूसरा भारत का।

(6) मानचित्र कार्य– 05 अंक

1 फ्रांसिसी क्रांति–

फ्रांस का रूपरेखीय मानचित्र (चिन्हित तथा पहचानने/नामांकित करने हेतु)

क–बोरडाक्स

ख–नान्तेस

ग–पेरिस

घ–मार्सेल्स

2 यूरोप में समाजवाद तथा रूस की क्रान्ति–

विश्व का रूपरेखीय मानचित्र (चिन्हित, पहचानने/नामांकित करने हेतु)

क–प्रथम विश्व युद्ध के प्रमुख देश (केन्द्रीय शक्तियाँ तथा मित्र शक्तियाँ)

ख–केन्द्रीय शक्तियाँ– जर्मनी, ऑस्ट्रिया–हंगरी, तुर्की (ओटोमन साम्राज्य)

ग–मित्र शक्तियाँ– फ्रांस, इंग्लैंड, (रूस), अमेरिका

नोट–दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

(II) : **समकालीन भारत–1 (भूगोल) 20 अंक**

इकाई–1

(i)भारत–आकार एवं स्थिति **07 अंक**

(ii)भारत का भौतिक स्वरूप–भू–आकृतियाँ (relief), संरचना, प्रमुख प्राकृतिक भौगोलिक इकाईयाँ (Physiographic Unit).

2. (i) अपवाह–प्रमुख नदियाँ एवं उसकी सहायक नदियाँ, झीलें अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका, नदियों का प्रदूषण, नदियों के प्रदूषण को रोकने के उपाय।

इकाई–2 08 अंक

(ii) जलवायु, जलवायवी नियंत्रण–जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक, मानसून और इसकी विशेषताएँ, वर्षा का वितरण ऋतुएँ; जलवायु तथा मानव जीवन।

3. (ii) जनसंख्या–आकार, वितरण, आयु–लिंग संघटन, जनसंख्या परिवर्तन, जनसंख्या परिवर्तन के एक घटक के रूप में प्रवास, साक्षरता, स्वास्थ्य, व्यावसायिक संरचना तथा राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, विशेष आवश्यकताओं वाली कुपोषित जनसंख्या के रूप में किशोर।

4. मानचित्र कार्य– 05 अंक

1–भारत–आकार तथा स्थिति

1–भारत– राजधानियों सहित राज्य, कर्क रेखा, मकर रेखा, मानक भूमध्य, सबसे दक्षिणी, सबसे उत्तरी, सबसे पूर्वी तथा सबसे पश्चिमी बिंदु (चिन्हित तथा नामांकित करना)

2–भारत की प्राकृतिक विशेषताएँ–

पर्वत श्रेणियाँ– काराकोरम, शिवालिक, अरावली, विन्ध्य, सतपुड़ा, पश्चिमी तथा पूर्वी घाट, जांस्कर।

पर्वत चोटियाँ– के–2, कंचनजंघा, अनाईमुडी

पठार– दक्खन का पठार, छोटा नागपुर का पठार, मालवा पठार

तटीय मैदान– कोंकण, मालाबार, कोरोमंडल तथा Northern Circars (चिन्हित तथा नामांकित करना)

3–अपवाह तंत्र–

नदियाँ (केवल चिन्हित करने हेतु)

क) हिमालयी नदी तंत्र– सिंधु, गंगा तथा सतलज

ख) प्रायद्वीपीय नदियाँ– नर्मदा, ताप्ती, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, महानदी।

झीलें–वुलर, पुलीकट, साम्भर, चिल्का, वेम्बनाद, कोल्लेरू

4–जलवायु–

क) चिन्हित करने हेतु शहर– तिरूवनंतपुरम, चेन्नई, जोधपुर, बैंगलूरू, मुम्बई, कोलकाता, लेह, शिलांग, दिल्ली, नागपुर (चिन्हित तथा नामांकित करना)

ख) 20 से0मी0 से कम तथा 400 सेमी0 से अधिक वर्षा वाले क्षेत्र (केवल चिन्हित करने हेतु)

6–जनसंख्या (चिन्हित तथा नामांकित करना)–

सबसे अधिक और कम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य उच्चतम तथा निम्नतम लिंग अनुपात वाले राज्य क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बड़े और छोटे राज्य।

नोट–दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

(III) **लोकतांत्रिक राजनीति–1(नागरिकशास्त्र) 15 अंक**

इकाई-1

(i) <u>लोकतंत्र क्या एवं क्यूँ ?</u>- 09 अंक

लोकतंत्र को परिभाषित करने के विभिन्न तरीके क्या हैं? लोकतंत्र शासन का सर्वाधिक प्रचलित स्वरूप क्यों बन चुका है? लोकतंत्र के विकल्प क्या हैं? क्या लोकतंत्र अपने मौजूदा विकल्पों से श्रेष्ठ है? क्या प्रत्येक लोकतंत्र में समान संस्थाएँ और आदर्श होने चाहिए?

(ii) संविधान निर्माण -

भारत लोकतंत्र बना-क्यूँ और कैसे? भारतीय संविधान कैसे विकसित हुआ है? भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं? भारत में किस प्रकार से लोकतंत्र निरंतर रचित एवं पुनर्रचित हुआ है?

इकाई-2

(i) संस्थाओं की कार्यप्रणाली- 06 अंक

देश कैसे शासित होता है? हमारे लोकतंत्र में संसद की क्या भूमिका है? भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मन्त्रिपरिषद की क्या भूमिका होती है? ये कैसे एक-दूसरे से सम्बन्धित हैं?

(ii) लोकतांत्रिक अधिकार-

हमें संविधान में अधिकारों की आवश्यकता क्यूँ है? भारतीय संविधान में नागरिकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मौलिक अधिकार क्या हैं? न्यायपालिका किस प्रकार से नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है? न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के क्या उपाय है।

(IV)

अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र) 15 अंक

इकाई-1

1. संसाधन के रूप में जनसंख्या(लोग) - 07 अंक

जनसंख्या किस प्रकार संसाधन/सम्पत्ति हो जाती है? पुरूषों एवं स्त्रियों द्वारा किये जाने वाले आर्थिक क्रियाकलाप; महिलाओं द्वारा किये जाने वाले कार्य जिनका भुगतान नहीं होता; मानव संसाधन की गुणवत्ता; स्वास्थ्य एवं शिक्षा की भूमिका; मानव संसाधन के अनुपयोग के रूप में बेरोजगारी, इसके सामाजिक एवं राजनीतिक निहितार्थ किये जाने वाले सामान्य रूप।

2. इकाई-2 08अंक

निर्धनता-एक चुनौती-

गरीब कौन है (एक शहरी, एक ग्रामीण केस अध्ययन द्वारा), संकेतक; पूर्ण निर्धनता- लोग निर्धन क्यों है; संसाधन का असमान वितरण, देशों के मध्य तुलना, गरीबी उन्मूलन के लिये सरकार द्वारा उठाए गए कदम।

भारत में खाद्य सुरक्षा -

खाद्यान्नों के स्रोत, देश में विविधता, पिछले समय में अकाल, आत्मनिर्भरता की आवश्यकता, खाद्य सुरक्षा में सरकार की भूमिका, खाद्यान्नों की अधिप्राप्ति, छोटे भंडार (ठसाठस भरे भंडार) और भूखे लोग, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा में सहकारी समितियों की भूमिका (खाद्यान्नों, दूध तथा सब्जियों की राशन की दुकानें; सहकारी दुकानें, 2-3 उदाहरण)

<u>प्रोजेक्ट कार्य/गतिविधि</u> 15 अंक

- शिक्षार्थी भारत के गीत, नृत्य, पर्व और निश्चित मौसम में प्रमुख प्रकार के भोजन की पहचान, साथ ही क्या एक क्षेत्र की दूसरे क्षेत्र से कुछ समानता है? इसकी पहचान करें। शिक्षार्थी द्वारा अपने विद्यालय क्षेत्र के आस-पास की वनस्पति एवं पशु जगत से पदार्थों/सूचनाओं को एकत्र करना। इसमें उन प्रजातियों की सूची बनाना, जिनका अस्तित्व खतरे में है एवं उनको सुरक्षित करने से सम्बन्धित प्रयासों की सूचना सूचीबद्ध करना।

<u>पोस्टर</u>-

- नदी-प्रदूषण।
- वनों का क्षरण एवं पारिस्थितिकीय असंतुलन।

नोट- कोई समान गतिविधि भी चुनी जा सकती है।

<u>प्रोजेक्ट कार्य</u> -

- शिक्षक अपने विवेकानुसार पाठ्यक्रम से सबंधित कोई 3 प्रोजेक्ट प्रत्येक 5-5 अंक छात्र/छात्राओं को वितरित कर सकते हैं।

प्रोजेक्ट कार्य हेतु अंक वितरण :

1.	विषयवस्तु की मौलिकता एवं शुद्धता	-	1 अंक
2.	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	-	1 अंक
3.	प्रोजेक्ट पूरा करने की प्रक्रिया		

	- पहल करना, सहयोगिता, सहभागिता तथा समयबद्धता	-	1 अंक
4.	विषयवस्तु आत्मसात करने हेतु मौखिक अथवा लिखित परीक्षा	-	2 अंक

05-05 अंकों के तीन त्रैमासिक टेस्ट = 15 अंक
3 प्रोजेक्ट प्रत्येक 05 अंक के = 15 अंक
योग- 30 अंक

नोटः- प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

विषय– विज्ञान
(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

इकाई–1

द्रव एवं व्यवहार–मोल संकल्पनाः मोल का कण के द्रव्यमान तथा संख्या से सम्बन्ध।

परमाणु की संरचना-सामान्य यौगिकों के रासायनिक सूत्र, समस्थानिक तथा समभारिक।

इकाई–2

स्वास्थ्य एवं रोग- स्वास्थ्य तथा इसका खराब होना, संक्रामक एवं असंक्रामक बीमारियाँ, कारण एवं लक्षण, सूक्ष्मजीव द्वारा उत्पन्न रोग (वाइरस, बैक्टीरिया एवं प्रोटोजोएन्स एवं उनकी रोकथाम, उपचार के नियम एवं रोकथाम, पल्सपोलियो कार्यक्रम।

इकाई–3- गति बल और कार्य-

गति- ग्राफीय विधि से गति के समीकरण की व्युत्पत्ति, एकसमान वृत्तीय गति की प्रारम्भिक धारणा।

बल एवं न्यूटन का नियम- संवेग संरक्षण की प्रारंभिक धारणा।

गुरूत्वाकर्षण- द्रव्यमान और भार, मुक्त पतन।

प्लवन- आपेक्षिक घनत्व की प्रारम्भिक धारणा।

कार्य, ऊर्जा एवं सामर्थ्य- ऊर्जा संरक्षण का नियम।

ध्वनि- प्रतिध्वनि, सोनार (SONAR), मानव कर्ण की संरचना (केवल श्रवण सम्बन्धी पक्ष)।

इकाई–4 : हमारा पर्यावरण-

प्राकृतिक संसाधन- वायु की गति- पवनें एवं भारत में वर्षा लाने में इनकी भूमिका।
जैव रासायनिक चक्र- कार्बन।

इकाई–5 : खाद्य उत्पादन-

पादप एवं जन्तु जनन एवं गुणवत्ता संवर्धन हेतु चयन एवं प्रबन्धन।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय-विज्ञान

कक्षा-9

इसमें 70 अंक की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक का प्रयोगात्मक एवं प्रोजेक्ट कार्य होगा।

क्र0 सं0	इकाई	अंक
1.	द्रव्य-प्रकृति एवं व्यवहार	20
2.	सजीव जगत में संगठन	15
3.	गति, बल तथा कार्य	25
4.	हमारा पर्यावरण	06
5.	खाद्य उत्पादन	04
	योग	70
	प्रयोगात्मक एवं प्रोजेक्ट कार्य	30
	कुल योग	100

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा केवल प्रश्नपत्र की होगी तथा 30 अंकों का प्रयोगात्मक एवं प्रोजेक्ट कार्य होगा।

इकाई-1 द्रव्य एवं व्यवहार **20 अंक**

द्रव्य की परिभाषा, ठोस, द्रव तथा गैसीय अवस्था के लक्षण- आकार, आयतन, घनत्व, अवस्था में परिवर्तन-गलनांक (ऊष्मा का अवशोषण) हिमांक, क्वथनांक, वाष्पन (वाष्पीकरण के कारण शीतलता) संघनन, ऊर्ध्वपातन।

द्रव्य की प्रकृति–तत्व, यौगिक तथा मिश्रण, समांगी तथा विषमांगी मिश्रण, कोलाइड तथा निलम्बन।

कण प्रकृति, आधारभूत इकाइयाँ–परमाणु एवं अणु, रासायनिक संयोजन के नियम, स्थिर अनुपात का नियम, द्रव्यमान संरक्षण का नियम, परमाणु द्रव्यमान तथा आण्विक द्रव्यमान,

परमाणु की संरचना–इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन/संयोजकता।

इकाई–2 सजीव जगत में संगठन **15 अंक**

(i) **कोशिका**–कोशिका जीवन की आधारभूत इकाई, प्रोकैरियोटिक एवं यूकैरियोटिक कोशिका, बहुकोशिकीय जीव, कोशिका कला एवं कोशिका भित्ति, कोशिकांग एवं कोशिकाद्रव्य, क्लोरोप्लास्ट, माइटोकान्ड्रिया, रिक्तिकाएं, एण्डोप्लाज्मिक रैटीक्युलम, गाल्जीकाय, केन्द्रक, क्रोमोसोम्स।

(ii) **ऊतक, अंग, अंगतन्त्र, जीव**–जंतु एवं वनस्पति ऊतक, संरचना और कार्य, (जन्तुओं में चार प्रकार के ऊतक- एपीथीलियम, संयोजी, पेशी एवं तंत्रिका), विभज्योतकी एवं स्थायी ऊतक (वनस्पतियों में)।

(iii) **जीवों में विविधता**–वनस्पतियों एवं जन्तुओं में विविधता, वर्गीकरण का आधार, श्रेणियों/समूहों की पदानुक्रमित संरचना- वनस्पतियों के प्रमुख समूह- बैक्टीरिया, थैलोफाइटा, ब्रायोफाइटा, टेरिडोफाइटा, जिम्नोस्पर्म एवं एंजियोस्पर्म (प्रमुख विशेषताएं), जन्तुओं के प्रमुख समूह (नानकार्डेटा संघ तक), (कार्डेटा वर्ग तक), प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई–3 : गति, बल और कार्य **25 अंक**

गति–दूरी और विस्थापन, वेग; एक सरल रेखा में एकसमान और असमान गति; त्वरण, एकसमान गति एवं एकसमान त्वरित गति के लिए दूरी–समय तथा वेग–समय ग्राफ,

बल एवं न्यूटन का नियम–बल एवं गति, न्यूटन के गति का नियम, क्रिया एवं प्रतिक्रिया बल, वस्तु का जड़त्व, जड़त्व तथा द्रव्यमान, संवेग, बल एवं त्वरण।

गुरूत्वाकर्षण–गुरुत्वाकर्षण, गुरुत्वाकर्षण का सार्वत्रिक नियम, पृथ्वी का गुरुत्वीय बल (गुरुत्व), गुरुत्वीय त्वरण।

प्लवन –प्रणोद तथा दाब, आर्किमीडीज का सिद्धान्त, उत्प्लावनबल,

कार्य, ऊर्जा एवं सामर्थ्य–बल द्वारा किया गया कार्य, ऊर्जा, सामर्थ्य, गतिज एवं स्थितिज ऊर्जा।

ध्वनि–ध्वनि की प्रकृति और विभिन्न माध्यमों में इसका संचरण, ध्वनि की चाल, मनुष्यों में श्रव्यता का परिसर, पराध्वनि, ध्वनि का परावर्तन।

इकाई–4 : हमारा पर्यावरण **06 अंक**

प्राकृतिक संसाधन– वायु, जल, मृदा, वायु- श्वसन के लिये, दहन के लिये, तापमान नियंत्रण के लिये।

वायु, जल एवं मृदा प्रदूषण (सामान्य परिचय) ओजोन पर्त में छिद्र एवं सम्भावित अवक्षय।

जैव रासायनिक चक्र- जल, आक्सीजन एवं नाइट्रोजन।

इकाई–5 : खाद्य उत्पादन **04 अंक**

खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग, रोग एवं कीटों से बचाव, आर्गेनिक कृषि।

प्रयोगात्मक

प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्याँकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक होगा, प्रयोगात्मक परीक्षा का अंक विभाजन निम्नवत् है:-

1–तीन प्रयोग	–	3×3	=	09 अंक
2–मौखिक कार्य	–		=	03 अंक
3–सत्रीय कार्य	–		=	03 अंक
		कुल अंक	=	**15 अंक**

प्रयोगात्मक कार्यों की सूची

1. निम्नांकित विलयन तैयार करना-
   (a) नमक, चीनी तथा फिटकरी का वास्तविक विलयन बनाना।
   (b) मिट्टी, खड़िया और महीन बालू का जल में निलम्बन तैयार करना।
   (c) जल में मण्ड और जल में अण्डे की सफेदी की कोलाइड का निम्न के आधार पर अन्तर स्पष्ट करना-
   (i) पारदर्शिता (ii) छानना (iii) स्थायित्व
2. निम्नांकित तैयार करना-
   (i) मिश्रण (ii) यौगिक

   निम्नांकित तथ्यों के आधार पर लौहचूर्ण तथा सल्फर पाउडर के मध्य अन्तर स्पष्ट करना-
   (i) दिखावट (समजातीयता तथा विषमजातीयता)
   (ii) चुम्बक के प्रति व्यवहार
   (iii) कार्बन डाईसल्फाइड विलायक के प्रति व्यवहार
   (iv) ऊष्मा का प्रभाव
3. बालू, नमक तथा अमोनियम क्लोराइड मिश्रण के घटकों को अलग करना।
4. निम्नलिखित अभिक्रियाएँ क्रियान्वित करना तथा उन्हें भौतिक और रासायनिक परिवर्तन में वर्गीकृत करना-
   (a) जल में लौह तथा कापर सल्फेट विलयन
   (b) मैग्नीशियम छीलन का वायु में दहन
   (c) जिंक तथा सल्फ्यूरिक अम्ल
   (d) कापर सल्फेट क्रिस्टल को गर्म करना
   (e) सोडियम सल्फेट तथा बेरियम क्लोराइड का जल में विलयन
5. प्याज की झिल्ली एवं मानव गाल की कोशिकाओं की अस्थायी अभिरंजित स्लाइड तैयार करना। निरीक्षण तथा रेखांकित चित्र बनाना।
6. पौधों में पेरेन्काइमा, कोलेनकाइमा एवं स्केलेरेन्काइमा ऊतकों की पहचान करना, जंतुओं में अरेखित, रेखित एवं कार्डियक पेशी, तंत्रिका कोशिका की तैयार स्लाइड्स का अध्ययन, पहचान एवं नामांकित चित्रण।
7. बर्फ का गलनांक एवं जल का क्वथनांक ज्ञात करना।
8. ध्वनि के परावर्तन के नियम का सत्यापन करना।
9. कमानीदार तराजू तथा मापक सिलिन्डर का उपयोग करके किसी ठोस (जल से अधिक घनत्व) का घनत्व ज्ञात करना।
10. किसी ठोस को निम्न में विसर्जित करने पर उसके भार में होने वाले हानि के मध्य सम्बन्ध स्थापित करना-
    (a) नल का जल
    (b) खारे पानी में किन्हीं दो विभिन्न ठोसों को डालने पर उनके द्वारा विस्थापित जल का भार
11. खिचे हुए धागे में कंपन संचरण (फैलाव/प्रसार) की गति ज्ञात करना।
12. स्पाइरोगाइरा/एगेरिकस, मॉस/फर्न, पाइनस (नर अथवा मादा कोन के साथ) तथा आवृतबीजी पौधे के गुणों का अध्ययन करना तथा इनके अन्तर्गत आने वाले समूह के किन्हीं दो लक्षणों सहित सचित्र वर्णन करना।
13. दिए गए चित्र/चार्ट/मॉडल की सहायता से केचुआ, तिलचट्टा, अस्थि मत्स्य तथा पक्षी का अवलोकन करना। प्रत्येक जन्तु का चित्र बनाकर अभिलेखित करना-
    (i) दिए गए जन्तु के जाति का विशेष लक्षण
    (ii) वास के संदर्भ में एक अनुकूलित लक्षण
14. रासायनिक क्रिया में द्रव्यमान के संरक्षण के नियम का सत्यापन करना।
15. एक बीजपत्री एवं द्विबीजपत्री पौधों के जड़, तना, पत्ती एवं पुष्प की बाह्य आकारिकी का अध्ययन करना।

टिप्पणी-प्रत्येक विद्यार्थी के पास विज्ञान की एक प्रयोगात्मक नोट बुक होगी जिसमें प्रयोगात्मक कार्य का दैनिक रिकॉर्ड दर्ज किया जायेगा, जिसकी सही ढंग से जाँच होनी चाहिये और इसे प्रयोगात्मक परीक्षा के समय प्रस्तुत किया जाय।

प्रोजेक्ट कार्य की सूची 15 अंक

नोटः- दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। प्रत्येक खण्डों (भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान) में से एक-एक प्रोजेक्ट कार्य व प्रोजेक्ट फाइल तैयार कराना अनिवार्य होगा। शिक्षक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। तीनों प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1. दैनिक जीवन में रसायनों का महत्व-
   (रसोई, भोजन, दवा, वस्त्र, सौन्दर्य प्रसाधनों आदि में रसायन की भूमिका)।
2. विभिन्न स्रोतों (कुआँ, नल, तालाब, नदी) से जल के नमूने लेकर उनकी शुद्धता की जाँच करना तथा अशुद्ध पानी को पीने योग्य बनाने का एक प्रोजेक्ट तैयार करना।

3. दूध तथा घी के विभिन्न नमूने लेकर उसमें वनस्पति की मिलावट का पता लगाना– (हाइड्रोक्लोरिक अम्ल तथा चीनी द्वारा)।
4. विभिन्न पदार्थों (यूरिया, ग्लूकोस, सुक्रोस व नमक आदि) को घोलने पर पानी के क्वथनाँक पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
5. अपने आस-पास प्रयोग होने वाले आदर्श श्याम पिण्डों को सूचीबद्ध कीजिए तथा दैनिक जीवन में विकिरण ऊर्जा के प्रभाव का सचित्र अध्ययन करना।
6. विभिन्न वाद्ययंत्रों की सूची बनाकर दर्शाइये कि उन वाद्य यंत्रों के कौन से भाग में कम्पन होता है।
7. तरंग मशीन का मॉडल तैयार करके जल की सतह पर उत्पन्न होने वाली तरंग का सचित्र अध्ययन करना।
8. अपने क्षेत्र में पाये जाने वाले पक्षियों की चित्रात्मक सूची तैयार करके इनके आवास एवं वास-स्थान की जानकारी प्राप्त करना।
9. (D.N.A.) (डी ऑक्सी राइबोन्यूक्लिक अम्ल) का मॉडल तैयार करना।
10. स्थानीय जल प्रदूषण के कारणों की जानकारी प्राप्त करना एवं प्रोटोजोएन्स, मछली, एल्गी पर जल प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन।
11. प्याज की झिल्ली की अभिरंजित स्लाइड बनाकर सूक्ष्मदर्शीय प्रेक्षण द्वारा कोशिका की संरचना का अध्ययन।
12. एक चार्ट पेपर पर विभिन्न प्रकार की गति का सचित्र व सोदाहरण अध्ययन करना।
13. वैश्विक-तपन का मानव जीवन पर प्रभाव का सचित्र अध्ययन करना।
14. पर्यावरण प्रदूषण व ओजोन परत अपक्षय में रसायनों की भूमिका।
15. आस-पास के खेतों का भ्रमण करें तथा किसानों से पता लगायें कि वह किस फसल के लिये कौन-कौन से उर्वरक का प्रयोग करते हैं। इन उर्वरकों की पोषक तत्वों की सूची बनाइये।

विषय– गणित

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–3 : निर्देशांक ज्यामिति –

कार्तीय तल, किसी बिन्दु के निर्देशांक, कार्तीय तल से सम्बन्धित नाम तथा पारिभाषिक शब्द (Term), संकेतन, तल पर बिन्दुओं को दर्शाना।

इकाई– 4 ज्यामिति

(1) **यूक्लिड की ज्यामिति का परिचय** –

भारत में ज्यामिति तथा यूक्लिड की ज्यामिति। इतिहास, यूक्लिड की परिभाषाएँ, अभिग्रहीत और अभिधारणाएँ। यूक्लिड के पाँच अभिधारणाएँ। पाँचवीं अभिधारणा का समान संस्करण। अभिधारणा और प्रमेय के बीच सम्बन्ध, उदाहरण

(अभिधारणा) 1. दिए हुए दो भिन्न बिन्दुओं से होकर एक अद्वितीय रेखा खींची जा सकती है।

(प्रमेय) 2. (सिद्ध करना) दो भिन्न रेखाओं में एक से अधिक बिन्दु उभयनिष्ठ नहीं हो सकते।

(2) **चतुर्भुज**–

(क) किसी समान्तर चतुर्भुज का एक विकर्ण उसे दो सर्वांगसम त्रिभुजों में विभाजित करता है।

(ख) एक समान्तर चतुर्भुज में सम्मुख भुजाएँ बराबर होती हैं और विपरीत भी सत्य है।

(ग) एक समान्तर चतुर्भुज में सम्मुख कोण बराबर होते हैं और विपरीत भी सत्य है।

(घ) यदि एक चतुर्भुज की सम्मुख भुजाओं का प्रत्येक युग्म समान्तर हो, तो वह एक समान्तर चतुर्भुज होता है।

(ड) समान्तर चतुर्भुज के विकर्ण एक दूसरे को (परस्पर) समद्विभाजित करते हैं और विपरीत भी सत्य है।

(च) एक त्रिभुज की किन्हीं दो भुजाओं के मध्य बिन्दुओं को मिलाने वाला रेखाखण्ड तीसरी भुजा के समान्तर होता है तथा विपरीत भी सत्य है।

(3) **क्षेत्रफल**–

क्षेत्रफल की अवधारणा तथा आयत के क्षेत्रफल का पुनः स्मरण

(क) एक ही आधार और एक ही समान्तर रेखाओं के बीच स्थित समान्तर चतुर्भुज क्षेत्रफल में बराबर होते हैं।

(ख) एक ही आधार (या बराबर आधारों) और एक ही समान्तर रेखाओं के बीच स्थित त्रिभुज का क्षेत्रफल बराबर होता है।

(4) **रचनाएँ**–

(क) रेखाखण्ड के लम्ब समद्विभाजक, कोण 60^0, 90^0, 45^0 इत्यादि के समद्विभाजक तथा समबाहु त्रिभुज की रचना करना।

(ख) दिये हुए आधार, एक आधार कोण तथा अन्य दो भुजाओं के योग/अन्तर से त्रिभुज की रचना करना।

(ग) एक त्रिभुज की रचना कीजिए जिसका परिमाप तथा दोनों आधार कोण दिये हों।

इकाई–6 : सांख्यिकी

1. **सांख्यिकी**–सांख्यिकी का परिचय, आंकड़ों का संग्रह, आंकड़ों का प्रस्तुतिकरण–सारणीकृत, अवर्गीकृत/वर्गीकृत, बारम्बारता ग्राफ, बारम्बारता बहुभुज, माध्य, माध्यिका तथा अवर्गीकृत आंकड़ों का बहुलक।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– गणित

(कक्षा–9)

समय– 3 घंटा

इसमें 70 अंक की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक का प्रोजेक्ट कार्य होगा।

इकाई	इकाई का नाम	अंक
I	संख्या पद्धति	12
II	बीजगणित	25
III	ज्यामिति	15
IV	मेन्सुरेशन	14
V	प्रायिकता	04
	योग- -	**70**

इकाई–1 : संख्या पद्धति **12 अंक**

1. वास्तविक संख्याएँ प्राकृतिक संख्याएँ, पूर्णांकों, परिमेय संख्याओं का संख्या रेखा पर निरूपण की समीक्षा। क्रमिक वृद्धि द्वारा सांत/असांत आवर्ती दशमलव का संख्या रेखा पर निरूपण। आवर्ती/सांत दशमलव के रूप में परिमेय संख्याएँ। वास्तविक संख्याओं पर संक्रियाएँ।

2. अनावर्ती/असांत दशमलव के उदाहरण। अपरिमेय संख्याओ जैसे $\sqrt{2}, \sqrt{3}$ का अस्तित्व और उनका संख्या रेखा पर निरूपण। प्रत्येक वास्तविक संख्या का संख्या रेखा पर एक विशिष्ट बिन्दु के रूप में निरूपण की व्याख्या करना और विपरीत भी सिद्ध करना, उदाहरण संख्या रेखा के प्रत्येक बिन्दु का एक विशिष्ट वास्तविक संख्या में निरूपण।

3. वास्तविक संख्या के n^{th} root की परिभाषा।

4. दिये गये वास्तविक संख्या x के लिए $\sqrt{x}$ का अस्तित्व और ज्यामितीय व्याख्या के साथ इसका संख्या रेखा पर निरूपण।

5. $\frac{1}{a+b\sqrt{x}}$ तथा $\frac{1}{\sqrt{x}+\sqrt{y}}$ तरह के वास्तविक संख्याओं का परिमेयीकरण (संक्षिप्त अर्थों में) जहाँ x और y प्राकृतिक संख्याएँ हैं और a और b पूर्णांक है।

6. पूर्ण घात वाले घातांकों के नियम का पुनः स्मरण (पुनरावलोकन) करना। धन वास्तविक आधार वाले परिमेय घातांक (विशेष स्थितियों में ही, सामान्य नियमों की जानकारी रखना)।

इकाई–2 : बीजगणित **25 अंक**

1. **बहुपद**–एक चर वाले बहुपदों की परिभाषा उदाहरण तथा प्रतिउदाहरण के साथ। बहुपद के गुणांक, बहुपद के पद और शून्य बहुपद। एकपदीय, द्विपदीय तथा त्रिपदीय। गुणनखण्ड और गुणक। बहुपद के गुणक। शेषफल प्रमेय का कथन उदाहरण सहित। गुणखण्डन प्रमेय का कथन और सत्यापन। ax^2+bx+c, $a\neq0$ का गुणनखण्ड जहां a, b और c वास्तविक संख्याएँ हैं और गुणनखण्ड प्रमेय द्वारा त्रिघात बहुपद का गुणनखण्ड।

बीजगणितीय व्यंजक और सर्वसमिकाओं का पुनः स्मरण। सर्वसमिकाओं का सत्यापन–

$(x+y+z)^2 = x^2+y^2+z^2 + 2xy + 2yz + 2zx$

$(x \pm y)^3 = x^3 \pm y^3 \pm 3\times y\,(x \pm y)$

$(x \pm y)^3 = (x \pm y)\,(x^2 \mp x\,y + y^2)$

$x^3 + y^3 + z^3 - 3xyz = (x+y+z)\,(x^2+y^2+z^2-xy-yz-zx)$

और बहुपद के गुणनखण्ड में इनका उपयोग।

2. **दो चर राशियों में रैखिक समीकरण –**

एक चर राशि में रैखिक समीकरण, दो चरों में रैखिक समीकरण की जानकारी। $ax + by + c = 0$ प्रकार के रैखिक समीकरण पर विशेष ध्यान। सिद्ध करना कि दो चर वाले रैखिक समीकरण के अनन्ततः अनेक हल होते हैं और उनके वास्तविक संख्याओं के क्रमिक युग्म में लिखे जाने की परख करना, उनका निरूपण तथा रेखा पर उनका अंकन। दो चर राशियों में रैखिक समीकरण का ग्राफ खींचना। वास्तविक जीवन से संबंधित उदाहरण तथा समस्या प्रश्न। अनुपात तथा समानुपात से संबंधित प्रश्न तथा इनका बीजगणितीय तथा ग्राफीकल हल।

इकाई–3 : ज्यामिति **15 अंक**

1. **रेखा और कोण–**

(क) यदि एक किरण एक रेखा पर खड़ी हो, तो इस प्रकार बने दोनों आसन्न कोणों का योग 180^0 होता है और विपरीत भी सत्य हो।

(ख) यदि दो रेखाएँ परस्पर प्रतिच्छेद करती हैं, तो शीर्षाभिमुख कोण बराबर होते हैं। (सिद्ध करना है)

(ग) जब दो समान्तर रेखाओं को एक तिर्यक रेखा काटती है तो संगत कोणों, एकान्तर कोणों तथा आन्तरिक कोणों पर आधारित परिणाम सिद्ध करना।

(घ) वे रेखाएँ जो एक ही रेखा के समान्तर हों, परस्पर समान्तर होती हैं।

(ड) एक त्रिभुज के तीनों अन्तःकोणों का योग 180^0 होता है।

(च) यदि एक त्रिभुज की एक भुजा बढ़ाई जाए, तो इस प्रकार बना बहिष्कोण दोनों अंतःअभिमुख (विपरीत) कोणों के योग के बराबर होता है।

2. **त्रिभुज–**

(क) दो त्रिभुज सर्वांगसम होते हैं यदि एक त्रिभुज की दो भुजाएँ और उनके बीच का कोण, दूसरे त्रिभुज की दो भुजाएँ और उनके बीच के कोण के बराबर हों। (SAS सर्वांगसमता)

(ख) दो त्रिभुज सर्वांगसम होते हैं, यदि एक त्रिभुज के दो कोण और उनकी अन्तर्गत भुजा दूसरे त्रिभुज के दो कोणों और उनकी अन्तर्गत भुजा के बराबर हों। (ASA सर्वांगसमता)

(ग) यदि एक त्रिभुज की तीनों भुजाएँ एक अन्य त्रिभुज की तीनों भुजाओं के बराबर हों, तो दोनों त्रिभुज सर्वांगसम होते हैं। (SSS सर्वांगसमता)

(घ) यदि दो समकोण त्रिभुजों में, एक त्रिभुज का कर्ण और एक भुजा क्रमशः दूसरे त्रिभुज के कर्ण और एक भुजा के बराबर हों, तो दोनों त्रिभुज सर्वांगसम होते हैं। (RHS सर्वांगसमता)

(ड) किसी त्रिभुज की बराबर भुजाओं के सम्मुख कोण बराबर होते हैं।

(च) किसी त्रिभुज में समान कोणों के सामने की भुजाएँ बराबर होती हैं।

(छ) त्रिभुजों में असमता तथा त्रिभुज की भुजाओं और कोण के बीच असमता सम्बन्ध का अध्ययन।

3. **वृत्त**–

वृत्त की परिभाषा, निम्न अवधारणा उदाहरण सहित–त्रिज्या, परिधि, व्यास, जीवा, चाप, वृत्तखण्ड, त्रिज्यखंड, अन्तरित कोण।

(क) वृत्त की बराबर जीवाएँ केन्द्र पर बराबर कोण अंतरित करती है तथा विपरीत भी सत्य है।

(ख) एक वृत्त के केन्द्र से एक जीवा पर डाला गया लम्ब जीवा को समद्विभाजित करता है। वृत्त के केन्द्र से जीवा को समद्विभाजित करने के लिए खींची गयी रेखा जीवा पर लम्ब होती है।

(ग) तीन असंरेख बिन्दुओं से एक और केवल एक वृत्त खींचा जा सकता है।

(घ) एक वृत्त की (या सर्वांगसम वृत्तों की) बराबर जीवाएँ केन्द्र से (या केन्द्रों से) समान दूरी पर होती है। विपरीत भी सत्य है।

(ड) एक चाप द्वारा केन्द्र पर अंतरित कोण वृत्त के शेष भाग के किसी बिन्दु पर अंतरित कोण का दुगुना होता है।

(च) एक ही वृत्तखण्ड के कोण बराबर होते हैं।

(छ) यदि दो बिन्दुओं को मिलाने वाला रेखाखण्ड, उसको अंतर्विष्ट करने वाली रेखा के एक ही ओर स्थित दो अन्य बिन्दुओं पर समान कोण अंतरित करें, तो चारों बिन्दु एक वृत्त पर स्थित होते हैं। (अर्थात वे चक्रीय होते हैं)

(ज) चक्रीय चतुर्भुज के सम्मुख कोणों के प्रत्येक युग्म का योग 180^0 होता है। विपरीत भी सत्य है।

इकाई–4 : मेन्सुरेशन **14 अंक**

1. **क्षेत्रफल** – हीरोन के सूत्र का प्रयोग करके त्रिभुज का क्षेत्रफल निकालना (बिना सिद्ध किए) और इसका अनुपयोग चतुर्भुज का क्षेत्रफल निकालने के लिए।

2. **पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन** – घन, घनाभ, गोला (अर्द्धगोला सहित) और लम्ब वृत्तीय बेलन/शंकु का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

इकाई–5 : प्रायिकता **04 अंक**

1. **प्रायिकता –** इतिहास, प्रायिकता के परिप्रेक्ष्य में परीक्षण का दुहराव तथा प्रेक्षित बारम्बारता। आनुभाविक प्रायिकता पर ध्यान केन्द्रित करना। (संकल्पना को प्रेरित करने के लिए समूह तथा व्यक्तिगत क्रिया–कलापों पर ज्यादा समय का समर्पण। परीक्षणों को वास्तविक जीवन से संबंधित तथा सांख्यिकी के अन्तर्गत दिए गए अध्याय के उदाहरणों से लिया जाय)

प्रोजेक्ट कार्य अंक विभाजन

(क) आंतरिक मूल्यांकन– **15 अंक**

(भारत का परम्परागत गणित ज्ञान नामक पुस्तिका से भी प्रश्न पूछें जाय)।

(ख) प्रोजेक्ट कार्य– **15 अंक**

कुल **30 अंक**

नोट–निम्नलिखित(बिन्दु 1 से 10 तक) में से कोई दो प्रोजेक्ट प्रत्येक छात्र से तैयार करायें। तथा एक प्रोजेक्ट बिन्दु–11 से अनिवार्य रूप से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट अपने स्तर से भी दे सकते हैं।

(1) विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों की वास्तुकला एवं निर्माण में भूमिका का अध्ययन करना।
(2) मध्यकाल के किसी एक भारतीय गणितज्ञ (आर्यभट्ट, श्रीधराचार्य, महावीराचार्य आदि) के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालना।
(3) π (पाई) की खोज।
(4) अपने घर के आय–व्यय का बजट बनाना।
(5) बीजगणितीय सर्वसमिकाओं जैसे $(a + b)^2 = a^2 + 2ab + b^2$, $(a - b)^2 = a^2 - 2ab + b^2$ का क्रियात्मक निरूपण करना।
(6) बैंक में खोले जाने वाले विभिन्न प्रकार के खातों एवं उनकी ब्याज दरों का अध्ययन करना।
(7) समतल या गत्ता काटकर विभिन्न ठोस आकृतियाँ बनाना एवं उनकी विशेषतायें लिखना।
(8) परिमेय संख्याओं का संख्या रेखा पर निरूपण।
(9) अपनी कक्षा के छात्रों की ऊँचाई और भार का सर्वे कीजिए तथा भार और ऊँचाई में सम्बन्ध बताइए।
(10) समाचार पत्र के माध्यम से किन्हीं तीन गल्ला मण्डियों के अनाज भाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
(11) संस्तुत पुस्तक भारत का पारम्परिक गणित ज्ञान के निम्नाकित तीन खण्डों में से सुविधानुसार कोई एक प्रोजेक्ट–

खण्ड–क–भारत में गणित की उज्जवल परम्परा।
खण्ड–ख–गणना की परम्परागत विधियां।
खण्ड–ग–भारत के प्रमुख गणिताचार्य

विषय– वाणिज्य
(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1– भारतीय बही खाता प्रणाली, रोकड़ बही व जमा तथा नाम नकल बही।
2– प्रतिलिपिकरण।
3–भारत में मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय।
4–आवश्यकताओं का वर्गीकरण एवं लक्षण।

प्रोजेक्ट कार्य एवं आंतरिक मूल्यांकन

1–भारतीय बही खाता प्रणाली–कच्ची रोकड़ बही।
2–भारतीय बही खाता प्रणाली–पक्की रोकड़ बही।
3–जमा व नाम नकल बही।
4–प्रतिलिपिकरण की प्रणालियाँ।
5–भारतीय मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय।
6–अर्थशास्त्र के अध्ययन से विभिन्न वर्गों के लाभ।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– वाणिज्य
कक्षा–9

इस विषय में एक प्रश्न-पत्र 70 अंकों का तथा समय तीन घंटे का होगा।

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा तथा 30 अंक का प्रायोगिक व आन्तरिक मूल्यांकन होगा। प्रायोगिक आन्तरिक मूल्यांकन में 15 अंक का प्रोजेक्ट कार्य तथा 15 अंक को मासिक परीक्षा हेतु निर्धारित किया गया है। प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा। लिखित परीक्षा हेतु अंक विभाजन निम्नवत् है :–

1–दोहरा लेखा प्रणाली का तात्विक सिद्धान्त व व्यवहार, आधुनिक पाश्चात्य बही खाता प्रणाली के अनुसार प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें केवल रोजनामचा व रोकड़ बही, खतौनी व तलपट 20

2–व्यापारिक कार्यालय का संगठन व कार्य प्रणाली आने-जाने वाले पत्रों का लेखा, पूछताछ व आदेश सम्बन्धी पत्र-व्यवहार। 20

3–मुद्रा इतिहास, परिभाषा कार्य। 15

4–अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र, अर्थशास्त्र से सम्बन्धित शब्दावली जैसे उपयोगिता, धन कीमत मूल्य आदि। 15

निर्धारित पुस्तक–

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य एवं आंतरिक मूल्यांकन 15+15=30

नोट :–दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। प्रत्येक खण्ड में से एक प्रोजेक्ट कराना अनिवार्य है। शिक्षक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। प्रत्येक प्रोजेक्ट 05 अंक का होगा। 15 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर मासिक परीक्षण द्वारा होगा :

1–पुस्तकालय व लेखाकर्म।

2–दोहरा लेखा प्रणाली-परिचय/सिद्धान्त।

3–रोजनामचा आशय व लेखाकर्मों के नियम।

4–तलपट बनाने की विधियाँ।

5–व्यापारिक कार्यालय के कार्य।

6–व्यापारिक-पत्र के मुख्य अंग।

7–मुद्रा का जन्म व विकास।

8–मुद्रा के कार्य।

9–अर्थशास्त्र के विभाग।

विषय– चित्रकला

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

नोट– उपरोक्त पाठ्यक्रम में लिखित पाठ्यक्रम नहीं है , इसलिए पाठ्यक्रम कम करने का औचित्य नहीं है।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 100 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– चित्रकला

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभक्त होगा, जिसमें से किन्ही दो खण्डों के प्रश्न करने होंगे।

खण्ड–क (प्राविधिक) **45 अंक**

इस खण्ड में कुल पाँच प्रश्न होंगे, जिसमें से कुल तीन प्रश्न करने होंगे। 15 अंकों का अक्षर लेखन अनिवार्य होगा। शेष प्रश्न 10-10 अंकों के होंगे :–

1–रेखाओं तथा कोणों पर आधारित ज्यामितीय निर्देश।

2–अनुपात तथा समानुपात (रेखा तथा कोण)।

3–त्रिभुज (समद्विबाहु, समबाहु आदि)।

4–चतुर्भुज (वर्ग, आयत, पतंगाकार आदि)।

5–बहुभुज (पंचभुज आदि)।

6–अक्षर लेखन (बड़े अक्षर एवं तिरछे)।

खण्ड–ख (आलेखन) **45 अंक**

दिये गये वर्ग अथवा आयत में एक या दो आवृत्ति के किसी भारतीय पुष्प (कमल, सूरजमुखी, गुलाब, कनेर, जीनिया, डहेलिया आदि) पर आधारित मौलिक आलेखन वस्त्र पर छपाई (टेक्सटाइल डिजाइन) अथवा अल्पना के दृष्टिकोण से तैयार करना।

चित्र दो सपाट रंगों में पूर्ण किया जाये।

खण्ड–ग (मानव आकृति) **25 अंक**

साधारण पृष्ठ भूमि में सम्पूर्ण आकृति के एक वर्गीय (मोनोक्रोम) चित्रांकन, बालक, किशोर, युवा अथवा वृद्ध (स्त्री, पुरुष) का स्मृति से दिये गये विषय के अनुसार चित्र बनाया जाये। चित्र पेंसिल, क्रेयान अथवा काली स्याही (ब्लैक स्केच पेन) से लगभग पूरे पृष्ठ पर बनाया जाये। मानव शरीर एवं उसके विविध अंगों के अनुपात पर ध्यान दिया जाये।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–परियोजना कार्य तीन खण्डों में विभक्त होगा, जिसमें से किन्हीं दो खण्डों से तीन परियोजना कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है। प्रत्येक परियोजना कार्य पाँच अंक का है। इसके अतिरिक्त 15 अंक मासिक परीक्षा के लिये निर्धारित है।

परियोजना कार्य सैद्धान्तिक, तकनीकी कौशल तथा माध्यम (जलरंग, पोस्टर रंग, पेंसल, चारकोल, क्रेयान, इंक आदि) के उपयुक्त प्रयोग पर आधारित होगा।

परियोजना कार्य में संयोजन, सौन्दर्य (आकर्षण) अनुपात, लय के सिद्धान्तों का ध्यान रखते हुये पूर्ण किया जाये।

खण्ड–क (प्राविधिक)

1–रेखाओं एवं कोणों पर आधारित किसी वास्तु (आर्कीटेक्चर) की परिकल्पना करें और उसके पार्श्व को ज्यामितीय आधार पर पूर्ण करें जिससे यह ज्ञात हो कि ज्यामितीय ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग विद्यार्थी कर सकेगा।

2–त्रिभुज एवं उसके वैविध्य का ज्ञान पर बने हेतु सिटी स्केप, लैण्ड स्केप के ज्यामितीय आरेख बनाये जो पूर्णतः त्रिभुजाकार में हों।

3–वर्ग/आयत (चतुर्भुज) के क्षेत्रफल ज्ञात करने की विधि को उदाहरण सहित व्यक्त करें जिससे यह ज्ञात हो कि विद्यार्थी इसका व्यावहारिक उपयोग कर सकेगा।

4–बहुभुज की उपयोगिता को सिद्ध करने वाले कोई 10 उदाहरण दें और उसे सचित्र वर्णन करें।

5–विद्यार्थी के अक्षर लेखन (Calligraphy) के परख करने के लिये कम से कम बीस वाक्य लिखें जो कलात्मक, कोंणात्मक, तिरछा, अलंकारिक आदि प्रकार के हों।

खण्ड–ख (आलेखन)

6–आलेखन की उपयोगिता को रेखांकित करते हुये किसी वर्ग अथवा आयत में भारतीय पुष्पों के साथ एक मौलिक वस्त्र छपाई (टेक्सटाइल डिजाइन) की रचना करें।

7–कोई अल्पना या रंगोली की रचना करें जो चूर्णित, शुष्क एवं आर्द्र माध्यम के साथ पूर्ण किया जाय।

8–अलंकारिक एवं ज्यामितीय आलेखन की रचना करें, उसे जलरंग द्वारा पूर्ण करें।

9–पेंसिल एवं चारकोल द्वारा आलेखन तैयार करें जिसमें रंग का उपयोग न हो किन्तु आकर्षण एवं लय की स्थिति कायम रहे।

10–पोस्टर कलर अथवा वैक्स कलर के साथ अल्पना की रचना करें (वैक्स का टेक्चर यथावत् रखें उसे मिलाइये नहीं)।

खण्ड–ग (मानव आकृति)

11–एक वर्णीय (मोनोक्रोम) चित्रण पद्धति द्वारा बालक, किशोर, वृद्ध, पुरुष की मानव आकृति सृजित करें।

12–पेंसिल, चारकोल, वैक्स द्वारा बालिका, किशोरी एवं वृद्धा की आकृति सृजित करें।

13–पेंसिल अथवा पेन द्वारा कार्यरत मानव आकृति का शीघ्रता में रेखांकन किया जाय जिसमें गति का बोध हो।

14–स्त्री, पुरूष, बालक-बालिका के शरीरानुपात को ध्यान में रखते हुये जलरंगी चित्रण करें।

15–किसी स्त्री-पुरूष, बच्चा-बच्ची का वास्तविक चित्र अंकित करें तथा पुनः उसी को कार्टून में परिवर्तित करें।

विषय– रंजन कला

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

खण्ड ग (चित्रकला के मूलतत्व)

(3) तान (Tone)।
(4) पोत (Texture)।
(6) अन्तराल (Space)।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– रंजन कला

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घन्टे का होगा। प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभक्त होगा जिसमें से किन्हीं दो खण्डों के प्रश्न हल करने होंगे।

खण्ड–क (चित्र संशोधन) **45 अंक**

भारतीय चित्रण शैली अथवा स्वतन्त्र शैली में काल्पनिक चित्र जिसमें कम से कम एक मानव आकृति एवं पृष्ठ भूमि में साधारण दृश्य अंकित किये जायें। दिये जल रंग अथवा पोस्टर रंग में तैयार किया जाये। चित्र लगभग पूरे पृष्ठ पर बनाया जाय।

खण्ड–ख (वस्तु चित्रण) **25 अंक**

साधारण जीवन में दैनिक उपभोग की घरेलू वस्तुयें, पालतू जानवर, शाक-सब्जी और फल-फूल आदि किन्हीं दो वस्तुओं का स्मृति से चित्र, छाया प्रकाश दर्शाते हुये अंकित करना। चित्र एक वर्ण (मोनोक्रोम) पेंसिल, क्रेयान, काली स्याही में चित्रित किया जाये।

अथवा

खण्ड–ग (चित्रकला के मूलतत्व) **25 अंक**

इस खण्ड में पाँच प्रश्न होंगे, जिसमें से कुल तीन प्रश्न करने होंगे।

(1) रेखा (Line)।

(2) रंग या वर्ण (Colour)।

(5) आकृति (Form)।

(7) षडाँग (चित्रकला के 6 अंग)।

पुस्तकें :–कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन **30 अंक**

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिये तथा 15 अंक मासिक परीक्षा के लिये निर्धारित है जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य की सूची

नोट :–निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं। प्रत्येक प्रोजेक्ट 5 अंक का है।

निम्नलिखित कथनों के रंगीन पोस्टर बनाकर घर में एवं विद्यालय में लगायें :–

(1) जल ही जीवन है।

(2) अधिक अन्न उपजाओ।

(3) सच बोलो।

(4) प्रातः उठो।

(5) बड़ों का आदर करो।

एवं

(6) किसी भारतीय चित्रकार का चित्रकला में योगदान।

विषय– गृह विज्ञान

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

गृह प्रबन्ध – गृह विज्ञान के तत्व और क्षेत्र।

स्वास्थ्य रक्षा– स्वास्थ्य की परिभाषा, व्यक्तिगत स्वास्थ्य की देखरेख और रक्षा। व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वच्छता एवं भोजन

वस्त्र और सूत विज्ञान– कपड़ों के तन्तु, कपड़ों के प्रकार, जीवन में उनका प्रयोग।

भोजन तथा पोषण विज्ञान– निम्नलिखित खाद्य पदार्थों का संगठन, वर्गीकरण, उनके कार्य, अनाज, दालों और मेवे, सब्जी और फल, दूध और दूध से बने पदार्थ, वसा और तेल, मॉस, मछली अंडे जंक फूड।

प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या (1) सामान्य घरेलू दुर्घटनायें और उनसे बचाव।

(2) तिकोनी एवं लम्बी पट्टियाँ और उनका प्रयोग।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–गृह विज्ञान

कक्षा–9

(केवल बालिकाओं के लिये)

इस विषय में एक प्रश्न–पत्र 70 अंकों का तथा समय तीन घण्टे का होगा।

क्रम संख्या	इकाई	अंक
1	गृह प्रबन्ध	15
2	स्वास्थ्य रक्षा	15
3	वस्त्र और सूत विज्ञान	10
4	भोजन तथा पोषण विज्ञान	15
5	प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या	15

कुल योग–70 अंक

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक

योग–100 अंक

1–गृह प्रबन्ध 15

(1) व्यवस्था की परिभाषा गृह और परिवार के सम्बन्ध में।

(2) कार्य व्यवस्था, प्रभाव डालने वाले कारक, साधन, पारिवारिक आय, परिवार–कल्याण, परिवार के सदस्यों की संख्या और उनका व्यवहार एवं अभिरुचि।

(3) अर्थ व्यवस्था–परिवार की मूलभूत आवश्यकतायें।

2–स्वास्थ्य रक्षा 15

(1) स्थानीय स्वास्थ्य संस्थाओं का प्रशासन और सेवायें, उनसे सहायता प्राप्त करना।

(2) वायु–शुद्ध वायु का महत्व तथा संचालन, पर्यावरण एवं प्रदूषण का जनजीवन पर प्रभाव।

(3) अशुद्ध वायु से होने वाले रोग।

3–वस्त्र और सूत विज्ञान 10

(1) व्यक्तिगत सज्जा–उचित वेषभूषा (मौसम और अवसर के अनुकूल), व्यक्तिगत वेश–भूषा।

4–भोजन तथा पोषण विज्ञान 15

(1) संतुलित आहार–कुपोषण एवं कुपोषण जनित व्याधियों–एनीमिया, क्वाषरकोर, मेरेस्मस, सूखा रोग, रतौंधी स्कर्वी आदि कम खाना (एनारैक्सिया नरवोसा) और अतिसार (बुलिमिया नरवोसा)

5–प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या 15

(1) प्राथमिक चिकित्सा के मुख्य सिद्धान्त।

(2) सामान्य घरेलू देशज औषधियाँ।

(3) गृह परिचर्या की परिभाषादृपरिचारिका के गुण।

(4) रोगी का कमरादृचुनाव तैयारी, सफाई और प्रकाश का प्रबन्ध।

(5) बिस्तर, बिस्तर लगाना, चादर बदलना।

प्रयोगात्मक 15

प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक होगा।

खण्ड (क) वस्त्र और सूत विज्ञान

1–कपड़ों के पाँच विभिन्न प्रकार के नमूनों की पहचान एवं संग्रह।

2–किन्हीं छः विभिन्न फैन्सी टांकों से किसी एक वस्तु की कढ़ाई करना।

3–बची खुची एवं निष्प्रयोज्य सामग्री द्वारा सजावट की कोई एक वस्तु तैयार करना।

खण्ड (ख) भोजन तथा पोषण विज्ञान

1–पाचन अंगों का चित्रांकन।

2–प्रत्येक खाद्य तत्वों का संकलन चार्ट द्वारा।

3–छात्रा (किशोरी) के एक दिन के संतुलित आहार की तालिका बनाना चार्ट द्वारा।

खण्ड (ग) (प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या)

1–तिकोनी पट्टी का प्रयोग (सिर, हथेली, कोहनी, एड़ी एवं घुटने की पट्टी) खपच्चियों का प्रयोग।

2–बिस्तर लगाना और चादर बदलना।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यार्थियों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्यों की सूची **पूर्णांक–15**

नोट :–दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से करायें। प्रोजेक्ट कार्यों की फाइल तैयार कराना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पाँच अंक का है।

शिक्षक पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। प्रोजेक्ट कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

1–गृह विज्ञान में समावेश होने वाले विषयों की सूची बनाइये।

2–स्वास्थ्य कार्यों में विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका।

3–वायु प्रदूषण–प्रदूषण के कारण, प्रभाव तथा रोकथाम के उपाय में आपकी भूमिका।

4–दर्जी से कपड़े एकत्र करना एवं वानस्पतिक तन्तु, जान्तव तन्तु एवं कृत्रिम तन्तु को तालिकाबद्ध करना।

5–किशोरावस्था (13 से 18 वर्ष) के लिये एक दिन का संतुलित आहार का चार्ट तैयार करना।

6–एक चार्ट पेपर पर पाचन तंत्र का नामांकित चित्र बनाना।

7–वाटर फिल्टर एवं एक्वागार्ड का उपयोग।

8–प्राथमिक उपचार बॉक्स तैयार करना।

9–एक चार्ट पेपर पर तन्तुओं के वर्गीकरण को दर्शाना एवं पाठ्यक्रमानुसार तन्तुओं को चिपकाना।

10–बच्चों से उनके एक दिन के आहार की सूची तैयार करना एवं उसमें विद्यमान पोषक तत्वों को सूचीबद्ध करना।

11–दूध एक पूर्ण आहार है, चार्ट द्वारा प्रस्तुत करना।

12–गृह परिचारिका के गुणों की सूची बनाना।

विषय– गृह विज्ञान

कक्षा–9

(बालकों के लिए तथा उन बालिकाओं के लिए जिन्होंने इसे अनिवार्य विषय के रूप में नहीं लिया हैं)

पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों की स्थिति वही रहेगी जो इस विवरण पत्रिका में गृहविज्ञान (केवल बालिकाओं के लिए)

विषय– मानव विज्ञान

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–2 **पृथ्वी पर हिमयुग**

(ख) हिमयुग के घटित होने के प्रमाण–
(1) हिमनद।
(2) मोरेन।
(3) नदी सोपान।

इकाई–3

(क) होमोसील (अतिनूतन काल) की पर्यावरणीय विशेषतायें।
(ख) उपकरण तथा अन्य प्रमुख सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
(ग) ऐतिहासिक कालावधि के अन्तर्गत मध्यपाषाण, नवपाषाण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

मानव विज्ञान

इस विषय में एक प्रश्न-पत्र 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

(पुरातात्विक मानव विज्ञान)

पूर्णांक : 70 अंक

इकाई–1

(क) पृथ्वी पर मानव जीवन का आरम्भ एवं भारतीय उपमहाद्वीप में मानव जीवन की कालावधि। 15
(ख) आरम्भिक प्रति नूतन काल में मानव जीवन की विद्यमानता के प्रमाण– 20
(1) मानव जीवाश्म अवशेष।
(2) मानव निर्मित उपकरण।

इकाई–2

पृथ्वी पर हिमयुग

(क) काल, अवधि, क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन क्रम एवं संख्या, प्राणी जीवन एवं वनस्पतियाँ। 17
(ग) पर्यावरणीय विषमता और मानव अस्तित्व, आवास, भोजन संग्रहण, घुमन्तु जीवन, वृन्द समूह, आत्मभिव्यक्ति हेतु कला का आरम्भ। 18

पाठ्य पुस्तकें–

कोई भी पुस्तक निर्धारित एवं संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालय के प्रधान/विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य

इस विषय में 30 अंक का प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन होगा जिसमें 15 अंक मासिक परीक्षा एवं 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्धारित है। विषय अध्यापक दिये गये प्रोजेक्ट में से तीन प्रोजेक्ट अवश्य तैयार करायें। विषय अध्यापक छात्र हित में अपने स्तर पर कोई अन्य प्रोजेक्ट भी करा सकते हैं–

(1) पर्यावरणीय विषमता और मानव अस्तित्व।
(2) प्राणी जीवन एवं वनस्पतियाँ।
(3) मानव जीवाश्म अवशेष।
(4) होमोसील की पर्यावरणीय विशेषतायें।
(5) हिमनद एवं हिमयुग।
(6) मानव निर्मित उपकरण का वर्गीकरण।
(7) घुमन्तु जीवन।

विषय– कश्मीरी

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–व्याकरण–
(1) काल
(3) समानार्थक एवं विपरीतार्थक

2–गद्य–
(1) काशीर तालमी

3– पद्य
(1) काशीर जुबान
(2) इसान कम
(3) रूबाई (जी0आर0 नजस्की)

4– (क) पाठ्य पुस्तक से दिये गये पाठ्यांश का उर्दू में अनुवाद
(ख) गद्य पाठ का संक्षिप्तीकरण

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– कश्मीरी
(कक्षा–9)
केवल प्रश्न–पत्र

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

भाग (अ) **35 अंक**

1–व्याकरण–
निम्नलिखित का अध्ययन किया जाना है–
(1) वचन 7
(2) लिंग 7
(3)पाठ्य पुस्तक में वर्णित शब्दों का प्रयोग 6

2–पैराग्राफ लेखन– 10
दिये हुए तीन विषयों पर 50 शब्दों का पैराग्राफ लेखन

3–लिपि एवं वर्तनी– 05
दिये हुए लगभग 30 शब्दों के पाठ्यांश में उल्लिखित विशिष्ट चिन्हों वाले शब्दों तथा वर्तनी को शुद्ध करना–

भाग (ब) **35 अंक**

1–गद्य–
निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे–
(1) काशीर
(2) काशीर–जुबान व अदब
(3) बादशाह
निम्न प्रकार से प्रश्न पूँछे जाये–
(क) पाठ्य पुस्तक से दिये गये पाठ्यांश का अंग्रेजी/उर्दू/हिन्दी में अनुवाद 10
(ख) पाठ्य पुस्तक से प्रश्न 10

2–पद्य–

निम्नलिखित पद्यों का अध्ययन किया जाय–

(1) बख–त–सुरकी

(2) पम्पेरीनामा

(3) बाहर आओ

निम्न प्रकार से प्रश्न पूँछे जायेगे–

(अ) दिये गये पद्यांश को गद्यांश में बदलना। 10

(ब) पद्य का संक्षिप्तीकरण 5

निर्धारित पाठ्य पुस्तक–

(1) कशूर निषाद (कक्षा–09 तथा 10 के लिए)

प्रकाशक–जे ऐण्ड के स्टेट बोर्ड आफ हाईस्कूल एण्ड इण्टरमीडिएट बोर्ड

विषय–संगीत (गायन)

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1–पाठ्यक्रम के रागों की विशेषता, स्वर, विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त।

2–रागों के आलाप तान लिखने की योग्यता।

3–गीतों का सरल आलाप, तान सहित लिपिबद्ध करने की योग्यता।

4–खमाज रागों का विस्तृत अध्ययन, प्रत्येक में एक-एक गीत के साथ तीन-तीन आलाप।

5- राग विलावल- अविस्तृत राग

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–संगीत (गायन)

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा एवं व्याख्या, संगीत स्वर, सप्तक, शुद्ध और विकृत स्वर, अलंकार, आलाप, विवादी, पकड़, राग, जाति, औड़व, षाडव, सम्पूर्ण, ताल, मात्रा, लय, पाठ्यक्रम के रागों का परिचय।

1–संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन।

2–तालों का ताल कहरवा, तीनताल, झापताल परिचय लिखने की तथा ठाह, दुगुन, लय में लिखने की योग्यता होनी चाहिये।

3–स्वर समूहों के छोटे-छोटे टुकड़ों के आधार पर राग पहचानने की योग्यता।

4–अमीर खुसरो एवं भातखण्डे की जीवनी।

5–राग यमन विस्तृत अध्ययन, एवं चार-चार तान तालबद्ध करके गाने की योग्यता।

6–भूपाली, आसावरी, रागों का परिचय एवं प्रत्येक का गीत स्वर लिपि सहित लिखने एवं गाने की योग्यता।

7–प्रत्येक राग का सरगम गीत तथा लक्षण गीत सिखाया जाना चाहिये।

8–प्रत्येक रागों का आरोह-अवरोह पकड़ गाना आना चाहिये।

नोट :–उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों पर आधारित प्रयोगात्मक परीक्षा ली जायेगी जो 15 अंकों की होगी तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिये निर्धारित है जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1–सप्तक के तीन प्रकार, प्रत्येक सप्तक के स्वर चिन्ह तथा एक सप्तक की दूसरे सप्तक से ऊँचाई अथवा निचाई को स्वरों की आन्दोलन संख्याओं के माध्यम से प्रदर्शित कीजिये।

2–हिन्दुस्तानी संगीत के दस थाटों के नाम तथा प्रत्येक थाट के स्वरों को तालिकाबद्ध कीजिये।

3–चार प्राचीन संगीत वाद्यों के चित्र एकत्र कीजिये तथा उनके नामों का उल्लेख करते हुये उन्हें अपनी स्क्रैप बुक में चिपकाइये।

4–चार आधुनिक वाद्य यन्त्रों के विषय में लिखिये तथा उनके चित्र भी चिपकाइये।

5–एक चार्ट पेपर पर तानपुरे का चित्रण कीजिये तथा उनके अंगों के नाम लिखिये।

6–श्री विष्णु नारायण भातखण्डे द्वारा रचित संगीत पुस्तकों की एक सूची तैयार कीजिये।

7–स्वरों के शुद्ध एवं विकृत प्रकारों को चार्ट पेपर पर अंकित कीजिये।

8–चार प्रमुख भारतीय नृत्य शैलियों के नाम, चित्र एवं उनसे सम्बन्धित शीर्ष कलाकारों के नाम स्क्रैप बुक में अंकित कीजिये।

9–एक चार्ट पेपर पर तबले का चित्र बनाइये तथा अंगों के नाम दर्शाइये।

10–गायन से सम्बन्धित कुछ नवीन कलाकारों के नाम एकत्र कीजिये

विषय– संगीत (वादन)

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या- थाट, पकड़, गत, जमजमा, भारीटेक, ताल, परन

संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन– तालों के टुकड़े, परन आदि बजाने की योग्यता अथवा सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ो के साथ गाने लिपिबद्ध करके बजाने की योग्यता।

2–स्वर समूह के छोटे-छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहचानने की योग्यता अथवा ठेके के कुछ बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की योग्यता।

3–तबला और पखावज–(अपने वाद्यों के अंगों का सचित्र वर्णन तथा मिलाने की विधि का ज्ञान)–

(1) झपताल में से दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता।

(2) सूलफाक तालों के साधारण ठेके तथा उनकी दुगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास।

अन्य वाद्य लेने वाले :

1–भूपाली राग में आरोह-अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता/क्षमता।

2–झपताल से परिचित होना चाहिये।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–संगीत (वादन)

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–संगीत स्वर (शुद्ध एवं विकृत), आलाप, राग, आरोह, अवरोह, वादी संवादी, तोड़ा, मात्रा, लय, खाली, सम, तिहाई, टुकड़ा,।

संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन–

1–वादन पाठ्यक्रम के रागों की विशेषतायें–स्वर विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त।

2–तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने की योग्यता अथवा सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ो के साथ गाने लिपिबद्ध करके लिखने की योग्यता।

3–अमीर खुशरू एवं भातखण्डे की जीवनी, तबला पखावज या मृदंग, वीणा, सितार, सरोद, सारंगी, इसराज या दिलरूबा गिटार, वायलिन और बांसुरी में से कोई एक वाद्य ले सकता है।

4–तबला और पखावज–(अपने वाद्यों के अंगों का सचित्र वर्णन तथा मिलाने की विधि का ज्ञान)–

(1) तीनताल, एकताल में से प्रत्येक में दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता।

(2) दादरा एवं रूपक तालों के साधारण ठेके तथा उनकी दुगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास।

अन्य वाद्य लेने वाले :

1–राग यमन एवं खमाज रागों में से प्रत्येक में एक-एक राग जिसकी विस्तृत जानकारी आवश्यक है।

2–राग बिलावल एवं आसावरी रागों में आरोह-अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता/क्षमता।

3–तीनताल, दादरा, एकताल से परिचित होना चाहिये।

4–भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।

नोट :–उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी जिसके लिये 15 अंक निर्धारित किये गये हैं तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिये है। इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–किन्हीं तीन का चयन कर प्रोजेक्ट तैयार कीजिये।

1–अपने वाद्य को सचित्र चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिये।

2–हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सगीत में दिये योगदान को वर्णित कीजिये।

3–खुले बोल व बन्द बोलों की तालों को उदाहरण सहित अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिये।

4–वाद्यों के वर्गीकरण को समझाते हुये प्रत्येक प्रकारों के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइये।

5–अपने वाद्य की परम्परा को बताते हुये किसी प्रसिद्ध घराने की चर्चा कीजिये।

6–उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध कलाकारों की सूची बनाकर उनको दिये जाने वाले पुरस्कार व क्षेत्र को बताइये।

7–किसी महान संगीतज्ञ का चित्र बनाकर संक्षिप्त जीवन परिचय चार्ट के माध्यम से दीजिये।

8–किसी संगीत समारोह का आँखों देखा हाल अपने शब्दों में वर्णित कीजिये।

9–संगीत के किसी एक वाद्य का मॉडल बनाइये।

10–शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध वाद्यों के चित्र एकत्रित कर उन्हें बजाने वाले कलाकारों के नाम चित्र सहित सम्मुख लगाइये।

11–चल ठाठ व अचल ठाठ के सितार को समझाइये।

विषय–सिलाई

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–प्रदूषण क्या है ? उनके विभिन्न प्रकार का प्रभाव।

2–पर्यावरण सुरक्षा–अर्थ, स्वरूप तथा पर्यावरण और सिलाई का सम्बन्ध।

3–नाप लेने की प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रणाली।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय-सिलाई

कक्षा 9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा। 70

1–विभिन्न प्रकार के कपड़े (सूती, ऊनी, रेशमी, सिन्थेटिक) का ज्ञान तथा उनके सिकुड़ने की प्रवृत्ति का ज्ञान।

2–सूती, ऊनी, रेशमी, सिन्थेटिक कपड़ों पर लोहा (प्रेस) करने की विधि।

3–सिलाई में प्रयोग होने वाली सामग्री का ज्ञान।

4–तागे का ज्ञान।

5–सिलाई क्रिया के समय प्रदूषण के अवसर।

6–मनुष्य और शरीर का गठन।

7–सादा पायजामा, पेटीकोट, बंगला कुर्ता, फ्रॉक परिधानों की नाप लिखना, रेखाचित्र बनाना तथा पेपर कटिंग करना।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम 15

(प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा)

1–पेपर कटिंग–सादा पायजामा, पेटीकोट, बंगला कुर्ता, फ्रॉक सम्बन्धित यंत्रों के नापों की जानकारी एवं ड्राफ्ट बनाने का अभ्यास।

2–पेटीकोट, फ्रॉक, पायजामा, प्रेसिंग उपकरणों की जानकारी एवं उपयोगिता। वस्त्रों की सिलाई सम्बन्धी परिधानों को हाथ सिलाई, काज, बटन एवं पूर्णरूपेण फिनिशिंग का ज्ञान एवं अभ्यास करना।

प्रोजेक्ट कार्यों की सूची **15**

नोट :–दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से करायें। प्रोजेक्ट कार्यों की फाइल तैयार करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पाँच अंकों का होगा।

1–विभिन्न प्रकार के वस्त्र (ऊनी, सूती, रेशमी, नायलॉन) पर जल, साबुन एवं धोने की विधि का प्रभाव।

2–सिलाई एक कला।

3–सिलाई किट।

4–धागों का वर्गीकरण।

5–पर्यावरण और सिलाई।

6–सिलाई एवं सजावटी टाँके।

7–सिलाई एवं सजावटी सामान।

8–वस्त्रों का नवीनीकरण।

9–एक फाइल तैयार करें जिसमें पाठ्यक्रमानुसार सभी वस्त्रों की नाप एवं पेपर कटिंग लगायें।

10–एक फाइल तैयार करें (जिसमें) पाठ्यक्रमानुसार सभी वस्त्रों की नाप लिखें एवं छोटे-छोटे वस्त्र सिल कर लगायें।

विषय– कम्प्यूटर
(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–कम्प्यूटर फन्डामेन्टल्स–
- कम्प्यूटर नेटवर्क।
- इन्टरनेट।

3-A–ऑपरेटिंग सिस्टम–
- लाइनेक्स एवं डॉस में अन्तर।
- लाइनेक्स एवं विन्डोज में अन्तर।

3– B–ऑपरेटिंग सिस्टम (लाइनेक्स)–
- वाइल्ड कॉर्ड अक्षर एवं उनका उपयोग।
- त्रुटियों की सूचना (एरर मैसेज)।

4–ऑफिस (लाइनेक्स के परिप्रेक्ष्य में) से परिचय–
- प्रेजेन्टेशन सॉफ्टवेयर की मल्टीमीडिया क्षमतायें।

5–प्रोग्रामिंग तकनीक–
- मॉड्यूलर डिज़ाइन।

6–सी लैंग्वेज में मौलिक प्रोग्रामिंग (बेसिक प्रोग्रामिंग इन सी)–
- For & Whil loop and Case.

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– कम्प्यूटर
(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

1–कम्प्यूटर फन्डामेन्टल्स– 15
- कम्प्यूटर परिचय।
- कम्प्यूटर के विकास का इतिहास।
- कम्प्यूटर के प्रकार।
- कम्प्यूटर का रेखा-चित्र।
- कम्प्यूटर के भाग।
- हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर एवं उनके प्रकार।

2–कम्प्यूटर प्रणाली– 05
- डिजिटल (डिस्क्रीट) और एनालॉग (कॉन्टीन्यूअस) ऑपरेशन्स।
- बाइनरी डाटा।
- बाइनरी नम्बर सिस्टम–
  - दशमलव (डेसिमल)।
  - ओक्टल।
  - हेक्साडेसिमल प्रणाली।
  - बाइनरी एवं डेसिमल में परस्पर सामान्य रूपान्तरण (फ्रैक्शनल कन्वर्जन सहित)।

3-A–ऑपरेटिंग सिस्टम– 05
- ऑपरेटिंग सिस्टम का परिचय।
- ऑपरेटिंग सिस्टम के कार्य एवं उनके प्रकार तथा अवयव।

3– B ऑपरेटिंग सिस्टम (लाइनेक्स)– 10
- लाइनेक्स का इतिहास।
- लाइनेक्स के मौलिक गुण एवं विशेषतायें।
- लाइनेक्स का जी0यू0आई0 स्वरूप।
- लाइनेक्स का प्रारम्भ एवं उससे बाहर निकलने की विधि (शटडाउन)।
- लाइनेक्स में माउस का प्रयोग करने की विधि।
- किसी भी एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को प्रारम्भ एवं बन्द करने की विधि तथा दो सॉफ्टवेयर्स के मध्य आवागमन।
- कम्प्यूटर फाइल्स और उनके प्रकार।
- डायरेक्टरी।
- सब-डायरेक्टरी।

बेसिक कमॉण्ड्स (फाइल बनाना, देखना, कॉपी करना, सेव करना आदि तथा डाइरेक्टरी बनाना, देखना, कॉपी करना, सेव करना आदि)

एडवान्स कमॉण्ड्स (फॉरमेट करना, बैकअप लेना, प्रिन्ट करना आदि)।

4–ऑफिस (लाइनेक्स के परिप्रेक्ष्य में) से परिचय– 10

ऑफिस के मूल तत्व एवं उनके द्वारा सम्पन्न होने वाले कार्यों का परिचय।

वर्ड प्रोसेसिंग के तत्व।

वर्ड प्रोसेसिंग की विधि।

कम्प्यूटराइज वर्ड प्रोसेसिंग के लाभ।

महत्वपूर्ण प्राथमिक कमाण्ड्स उदाहरण स्वरूप–किसी दस्तावेज की एन्टरिंग, फॉर्मेटिंग, एडिटिंग, सजावट, प्रिटिंग आदि।

प्रेजेन्टेशन सॉफ्टवेयर के तत्व।

प्रेजेन्टेशन एवं स्लाइडों का निर्माण।

स्लाइड शो का निर्माण एवं उसे क्रियाशील करना।

स्प्रेडशीट के तत्व।

वर्कशीट में डाटा एन्टर करना एवं संशोधन।

स्प्रेडशीट में चार्ट बनाना।

5–प्रोग्रामिंग तकनीक– 05

प्रोग्रामिंग क्या है ?

एल्गोरिथम।

फ्लो चार्ट।

ब्राचिंग।

लूपिंग।

6–सी लैंग्वेज में मौलिक प्रोग्रामिंग (बेसिक प्रोग्रामिंग इन सी)– 15

सी लैंग्वेज से परिचय।

सी लैंग्वेज का महत्व।

कम्प्यूटर पर सी लैंग्वेज में कार्य करना।

करेक्टर सैट।

कॉन्सन्टैंस एवं वेरिएबिल्स।

सी में एक्सप्रेशन्स लिखना।

सी में कन्सोल इनपुट/आउटपुट।

फॉरमेटेड इनपुट/आउटपुट।

जम्पिंग एवं ब्रान्चिंग स्टेटमेन्ट्स।

स्टेटमेन्ट्स से परिचय।

If Then एवं If-Then-Else स्टेटमेन्ट्स।

7–कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं उनके लाभ– 05

स्कूल, वाचनालय, छपाई बैंकिंग, परिवहन, जनसंख्या, पर्यावरण आदि।

प्रयोगात्मक कार्य

उक्त प्रस्तर–3, 4, 5 तथा 6 पर आधारित माड्यूल्स के प्रयोगात्मक कार्य कराये जायेंगे। प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु 15 अंक निर्धारित किये गये हैं इसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

पाठ्य पुस्तकें–

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य

प्रोजेक्ट कार्य 15 अंक का होगा। दिये गये प्रोजेक्ट की सूची में से तीन प्रोजेक्ट अवश्य तैयार कराये जाये। शिक्षक इसके अतिरिक्त विषय से सम्बन्धित प्रोजेक्ट तैयार करा सकते हैं। प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1–Hardware & Software (हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर)।

2–लाइनेक्स कमाण्ड (cat, more, Is, mkdir, etc.)।

3–ऑपरेटिंग सिस्टम (प्रकार, अवयव, आइकन)।

4–लाइनेक्स ऑफिस (stra, calc, Impress, writer)।

5–प्रोग्रामिंग अवधारणा/तकनीक–

(फ्लोचार्ट, स्यूडोकोड, एलगोरिथम)।

6–सी प्रोग्रामिंग (साधारण प्रोग्राम)।

7–ब्रांचिंग।

8–लूपिंग/जम्पिंग।

9–फंक्शन (कन्सोल इनपुट/आउटपुट)।

10–फाइल ऑपरेशन।

विषय–कृषि
(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

जलवायु विज्ञान भारत तथा कृषि क्रियाओं

मृदायें- मृदा विन्यास, रंध्रावकाश, सुघट्यता, घनत्व, संसजन और असंजन,

खाद तथा उर्वरक–पौधों के आवश्यक पोषक तत्व और उनके स्रोत, खलियाँ आदि।

कर्षण– जुताई की विधियाँ।

कृषि यन्त्र– (क) विभिन्न प्रकार के हल जैसे-देशी।

(ग)–खूँटीदार, कमानीदार, तिकोनिया।

(ङ) हाथ के औजार–हो तथा रैक।

फसलों का वर्गीकरण–दियारा खेती, मिश्रित खेती।

निम्न फसलों की खेती–ज्वार, कपास, सोयाबीन तथा जौ।

पशुपालन– भेड।

लेखपाल के कागजात– जोत-बही तथा उसकी उपयोगिता।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–कृषि
कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

1. जलवायु विज्ञान– उत्तर प्रदेश में मौसम और ऋतुएँ। फसलों पर अनुकूल तथा प्रतिकूल मौसम का प्रभाव। वर्षा, उसमें वार्षिक तथा ऋतुगत परिवर्तन, उसके वितरण का फसलों पर प्रभाव। 2

2. **मृदायें**–मृदा निर्माण, मृदा संगठन, मिट्टी के भौतिक गुण–मृदा गठन, भूमि ताप, मृदा जल उ0प्र0 के मृदाओं का संक्षिप्त विवरण। 10

3. सिंचाई और जल निकास–(क) पौधों को जल की आवश्यकता, नमी संरक्षण, अत्यधिक जल से हानियाँ, जल-निकास की सामान्य विधियाँ।

(ख) उत्थापक के प्रकार, उनके नाम, वाशर रहट तथा शक्ति चलित पम्प का विशेष ज्ञान। 10

4. खाद तथा उर्वरक– जैविक खाद, गोबर की खाद, कम्पोस्ट खाद, हरी खाद आदि। 10

5. कर्षण–जुताई के उद्देश्य और विधि। 03

6. कृषि यन्त्र–(क) विभिन्न प्रकार के हल जैसे-मेस्टन, शाबाश केयर, यू0पी0 नं0–2 । 10

(ख) कल्टीवेटर।

(ग) हैरो के विभिन्न प्रकार

(घ) अन्य यन्त्र–पटेला, रोलर, करहा।

(ङ) हाथ के औजार–खुरपी तथा फावड़ा।

7. फसलों का वर्गीकरण–फसल चक्र, शुष्क खेती, मिलवाँ फसल तथा बहु फसलों की खेती। 03

8. निम्न फसलों की खेती–मक्का, बाजरा, अरहर, उर्द, मूँग, चना, मटर, सरसों तथा बरसीम। 10

9. पशुपालन–गाय, भैंस तथा बकरी की उन्नत नस्लें। 10

10. लेखपाल के कागजात–गाँव का नक्शा तथा खतौनी। 02

प्रयोगात्मक 15

1–बीज शैय्या तैयार करना। 05

2–कृषि यन्त्र, बीज, खरपतवार की पहचान। 05

3–मौखिक। 03

4–वार्षिक अभिलेख। 02

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी बनवा सकते हैं। 15

1–ऋतुओं का वर्णन एवं उसमें उगाई जाने वाली फसलों का अध्ययन करना।

2–मृदा के भौतिक गुणों का अध्ययन करना।

3–विभिन्न प्रकार की जैविक खाद व रासायनिक खाद का अध्ययन करना।

4–विभिन्न ऋतुओं में उगने वाले खरपतवारों का अध्ययन करना।

5–फसलों में उपयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के कृषि यन्त्रों का अध्ययन करना।

6–जैविक व रासायनिक खाद में पाये जाने वाले प्रतिशत तत्वों का अध्ययन करना।

7–सिंचाई की विधियों एवं उससे होने वाले लाभ व हानियों का अध्ययन करना।

8–विभिन्न फसलों में दिये जाने वाले उर्वरकों का अध्ययन करना।

9–बलुई मिट्टी में उगाई जाने वाली फसलों तथा उसके सुधारने के उपाय का अध्ययन करना।

10–फसलों की पंक्तियों में बुआई से उत्पादन पर प्रभाव का अध्ययन करना।

नोट :–प्रोजेक्ट कार्य एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

विषय– हेल्थ केयर

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–3 व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वच्छता मानक

अच्छे स्वच्छता अभ्यास का प्रदर्शन।

अच्छे स्वस्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक।

हाथ धोने का महत्व।

व्यक्तिगत तैयारी का प्रदर्शन।

इकाई–6 कार्यस्थल में संचार

संचार के तत्वों की पहचान।

संचार के प्रभावी कौशल।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

37–कक्षा–9(स्तर–1)

हेल्थ केयर

क्षेत्र स्वास्थ्य देखभाल

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

पूर्णांकः 70 अंक

विषयवस्तु तालिका

इकाई–1 स्वास्थ्य देखभाग प्रदायगी प्रणाली **18 अंक**

स्वास्थ्य देखभाल प्रदायगी प्रणाली को समझना।

अस्पताल के घटकों और गतिविधियों को अभिज्ञान करना।

चिकित्सालय की भूमिका और कार्यों को समझना।

विभिन्न पुनर्वास देखभाल सुविधाओं की पहचान, पुनर्वास केन्द्र के कार्यो का उल्लेख करना।

दीर्घ अवधि तक देखभाल करने वाली सुविधाओं का वर्णन।

आश्रम देखभाल का ज्ञान, मरणासन्न रोगियों की देखभाल।

इकाई–2 रोगी देखभाल सहायक की भूमिका **18 अंक**

रोगी देखभाल सहायक की भूमिका।

रोगी की दैनिक देखभाल की विभिन्न गतिविधियां।

रोगी के आराम के लिये आवश्यक मूलभूत घटकों को पहचनना।
रोगी की सुरक्षा।
उत्तम रोगी देखभाल सहायक की विशेषतायें।
विभिन्न जैव चिकित्सा अपशिष्टों की पहचान और इसका निस्तारण।

इकाई–4 प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया **17 अंक**

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के अनिवार्य घटक।
उत्तरजीविता की श्रृंखला।

इकाई–5 टीकाकरण **17 अंक**

विभिन्न प्रकार की प्रतिरक्षा के बीच अन्तर।
टीकाकरण अनुसूची को तैयार करना।
विश्वव्यापी टीकाकरण कार्यक्रमों के मुख्य घटकों की पहचान।
पल्स टीकाकरण कार्यक्रम के मुख्य घटकों की पहचान।

प्रोजेक्ट कार्य **पूर्णांक 30 अंक**

1. विद्यालयों में चिकित्सीय उपकरणों का प्रदर्शन/अस्पताल का भ्रमण।

चिकित्सीय उपकरणों का चित्र बनाना, जैसे रक्तचाप मापी, तापमापी, भारमापी, लम्बाई मापक, स्टेथोस्केप, टार्च आदि।

2. रोगी का बिस्तर तैयार करना। जैव चिकित्सीय अपशिष्टों के निस्तारण की विधियां।

रोगियों के दैनिक देखभाल का निरीक्षण, साफ–सफाई, स्नान बिस्तर लगना, वाइटल्स(श्वसन की दर, शरीर का तापमान, दिल की धड़कन आदि की माप), दवा देना, मौखिक, IM, IV ।

जैव चिकित्सीय अपशिष्ट, फइल में Colour Coding Chart (वर्ण कूट चार्ट) बनाना।

3. हाथ धोने की विधियों का प्रायोगिक प्रदर्शन–

घर एवं कार्यस्थल पर, एवं शल्य क्रिया से पूर्व।

स्वथ्य जीवन शैली हेतु पोस्टर बनाना– सफाई, व्यायाम, खान–पान की आदतें, योगा, मानसिक शान्ति। हाथो को साफ रखने एवं नाखूनों को कटने का चार्ट बनाना।

4. सड़क/ट्रैफिक दुर्घटना में चिकित्सीय आपात प्रबन्धन का रोल प्ले।

,ABC[Airway, Breathing, Circulation] का प्रदर्शन।

प्राथमिक चिकित्सा किट को तैयार करना– प्रयोग।

5. प्रतिरक्षण के अन्तर्गत आने वाली बीमारियों एवं पल्स कार्यक्रम पर सामूहिक चर्चा।

विश्वव्यापी प्रतिरक्षण [Universal Immunization] समय–सारणी का चार्ट बनाना।

6. अस्पताल में रोगी एवं परिचारक के प्रथम संवाद

विषय– आटोमोबाइल

(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–2 भारत में स्थापित विभिन्न आटोमोबाइल उद्योग एवं उनके उत्पाद।

इकाई–3 नियंत्रण प्रणाली, बाडी, दरवाजे, सीट, डिक्की, कार्य एवं उपयोग।

विभिन्न प्रकार के आटोमोबाइल का परिचय–कार, जीप, ट्रैक्टर, बस, ट्रक, आटोरिक्शा/टैम्पों, स्कूटर, मोटर साइकिल, मोपेड आदि, ट्रेड नाम, मेक, क्षमता एवं निर्माता, विशिष्टियां तथा तकनीकी डाटा।

इकाई–4 पेट्रोल, डीजल एवं गैस इंजन, कम्प्रेशन रेशियो का महत्व एवं दक्षता।

इकाई–5 प्रणाली (कार्बोयूरेटर एवं इन्जक्टर) इग्नीशन प्रणाली,, स्टार्टिंग प्रणाली, शक्ति संचालन प्रणाली, स्टीयरिंग प्रणाली, कार्य एवं पहचान।

इकाई–6 मरम्मत कार्य के दौरान सुरक्षा,

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9
आटोमोबाइल

उद्देश्य–

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(3) छात्रों को 10+2 स्तर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों को कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर–

(1) आटोमैकेनिक के रूप में।
(2) सेल्समैन के रूप में।
(3) अपना रिपेयर वर्कशाप एवं गैराज का संचालन।
(4) शोरूम स्थापित करना।
(5) स्पेयर पार्ट के विक्रेता के रूप में।

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 70 अंक

इकाई–1 **12 अंक**

उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, उद्यमी के गुण एवं विकास, स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनायें।

लघु उद्योग की परिभाषा, महत्व तथा विशेषताएं, लघु उद्योग लगाने के पद, सहायक सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के नाम एवं कार्य, विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई–2 **09 अंक**

आटोमोबाइल का इतिहास एवं क्रमिक विकास, विभिन्न प्रकार के आटोमोबाइल का वर्गीकरण।

इकाई–3 **15 अंक**

आटोमोबाइल के मुख्य भाग–फ्रेम, सस्पेंशन, धुरी, पहिया, चेचिस, टायर, इंजन, पारेषण प्रणाली, आदि की पहचान

इकाई–4 **12 अंक**

आटोमोबाइल में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के इंजन–कार्य सिद्धान्त,

इकाई–5 **15 अंक**

आटोमोबाइल की विभिन्न प्रणालियों की जानकारी–ईंधन सप्लाई शीतलन प्रणाली, ब्रेक प्रणाली आदि का सामान्य परिचय

इकाई–6 **7 अंक**

सुरक्षा की सामान्य बातें तथा व्यक्तिगत सुरक्षा।

प्रोजेक्ट कार्य **पूर्णांक 30 अंक**

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

(1) कार/बस/स्कूटर/ट्रक मोटरसाईकल एवं मोपेड का अध्ययन करना।
(2) शोरूम एवं गैराज का भ्रमण कराना एवं उनके चित्र बनाना।
(3) मरम्मत करने वाले औजारों की सूची एवं उनके चित्र बनाना।
(4) इंजन में स्नेहन एवं सफाई का अध्ययन करना।
(5) अन्तर्दहन इंजन के मॉडल का अध्ययन (डीजल/पेट्रोल)।
(6) विभिन्न आटो व्हीकिल्स के चेचिस का अध्ययन करना तथा उनके रेखा चित्र खींचना।
(7) इंजन को स्टार्ट एवं बन्द करने का अध्ययन करना।
(8) बाडी व्यवस्था का अध्ययन करना।
(9) शाक एब्जार्बर का अध्ययन करना।
(10) बाजार से सामग्री क्रय करने का अभ्यास करना।

संस्तुत पुस्तकें

(1) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	कृष्णानन्द शर्मा
(2) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	सी0बी0 गुप्ता
(3) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	धनपत राय एण्ड शुक्ला
(4) बेसिक आटोमोबाइल	सी0पी0 बक्स

कक्षा–9
रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा व्यापार)
सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–4 4– सजावट
5– अन्य उपाय

इकाई–5 1– विभिन्न स्टोर/दुकान
2– श्रृंखलाबद्ध दुकानें।
3– बिग बाजार
4– सुपर बाजार इत्यादि।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9
रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा व्यापार)
सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 70 अंक

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 **20 अंक**

प्रस्तावना–1–खुदरा व्यापार क्या है ?
2–अर्थ एवं परिभाषा
3–गुण एवं विशेषताएं
4–खुदरा व्यापार के आवश्यक तत्व
5–खुदरा व्यापार का महत्व

इकाई–2 **20 अंक**

1–स्थानीय स्तर पर उत्पादों का प्रबन्धन–
(1) क–संगठित क्षेत्र
ख–असंगठित क्षेत्र
(2) क–छोटे पैमाने पर खुदरा व्यापार
ख–बड़े पैमाने पर खुदरा व्यापार
2–स्थानीय स्तर पर खुदरा/फुटकर व्यापार के अन्य उपाय।

इकाई–3 **20 अंक**

1–खुदरा/फुटकर व्यापारी के कार्य
2–खुदरा या फुटकर व्यापारी की सेवायें–
उत्पादक के प्रति
उपभोक्ता या ग्राहक के प्रति
समाज के प्रति

इकाई–4 **10 अंक**

1–खुदरा व्यापार में व्यापारी की सफलता के उपाय–
1–उपयुक्त स्थिति
2–विक्रय कला
3–अनुभव
2–बुनियादी स्वच्छता और सुरक्षा अभ्यास।

प्रोजेक्ट कार्य– **30 अंक**

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

1–विद्यालय स्तर पर खुदरा व्यापार का प्रशिक्षण (क्रय-विक्रय के सन्दर्भ में)
2–खुदरा व्यापार का व्यावहारिक प्रशिक्षण (संगठित क्षेत्र की इकाई द्वारा)
3–खुदरा व्यापार के संदर्भ में स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण
4–क्रय-विक्रय
5–अन्य व्यावहारिक अनुभव
6–खुदरा व्यापार के सम्बन्ध में विद्यालय स्तर पर विचार गोष्ठी आयोजित करना।
7–खुदरा व्यापार के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के सम्बन्ध में ज्ञान।

सुरक्षा

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–1 5– सुरक्षा से सम्बन्धित चुनौतियां एवं समाधान
इकाई–2 4– स्वास्थ्य सुरक्षा से सम्बन्धित अधः संरचना एवं विधिक पक्ष।
इकाई–3 4– आपदा प्रबन्धन के विभिन्न सोपान।
इकाई–4 5– स्वास्थ्य आकस्मिता का अर्थ एवं कारण।

प्रोजेक्ट कार्य

4–आकस्मिकता के समय प्रयुक्त होने वाले टेलीफोन नम्बरों को सूचीबद्ध करना।
11–प्राथमिक चिकित्सा उपकरणों को सूचीबद्ध करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

सुरक्षा

उद्देश्य–

(1) राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अस्मिता की रक्षा का भाव उत्पन्न होना।
(2) सुरक्षा के महत्व एवं आवश्यकता को समझना।
(3) छात्रों में उद्यमिता के गुणों का विकास करना।
(4) आकस्मिकता एवं खतरों से निपटने की योग्यता का विकास करना।
(5) प्राथमिक चिकित्सा की आवश्यकता को समझते हुए सम्बन्धित सामान्य जानकारी होना।
(6) सुरक्षित वातावरण बनाये रखने में प्रौद्योगिकी के महत्व को समझना।
(7) सुरक्षा हेतु सभी नागरिकों को कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व का बोध कराना।
(8) संवाद दक्षता एवं व्यक्तित्व का विकास करना।

रोजगार के अवसर–

1–पाठ्यक्रम में प्रवीणता प्राप्त करने के पश्चात् सम्बन्धित छात्र एवं छात्रायें भविष्य में देश की सुरक्षा बलों से सम्बन्धित विभिन्न सेवाओं में सैनिक एवं अधिकारियों के रूप में अपनी समझ के आधार पर पर्याप्त योगदान दे सकते हैं।

2–सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न संस्थाओं में सुरक्षा कर्मी के रूप में रोजगार की प्राप्ति हो सकती है।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **पूर्णांक 70 अंक**

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 सुरक्षा के मूलाधार **17 अंक**

1– सुरक्षा की अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषायें
2– सुरक्षा का उद्देश्य
3– सुरक्षा के विभिन्न तत्व, आन्तरिक एवं वाह्य
4– सुरक्षा के प्रकार–व्यापक सुरक्षा, सामान्य सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुरक्षा, आन्तरिक एवं वाह्य सुरक्षा, सैनिक सुरक्षा, आर्थिक एवं औद्योगिक सुरक्षा इत्यादि

इकाई–2 स्वास्थ्य सुरक्षा **17 अंक**

1– स्वास्थ्य सुरक्षा के घटक–व्यायाम, सक्षमता, समन्वय एवं धैर्य, चिकित्सालय, दवायें एवं प्रशिक्षित चिकित्सक।
2– शारीरिक स्वस्थता का महत्व एवं भूमिका।
3– व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत विकास।

इकाई–3 आपदा प्रबन्धन एवं सुरक्षा **18 अंक**

1– आपदा प्रबन्धन–निहितार्थ।
2– प्राकृतिक एवं मानवीय आपदायें–कारण एवं प्रभाव।
3– आपदा एवं आपातकालीन प्रबन्धन।
5– आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित विभिन्न संस्थायें।
6– नागरिक सुरक्षा संगठन–अग्नि शमन सेवा, बचाव सेवा एवं प्राथमिक चिकित्सा सेवा।

इकाई–4 सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सा **18 अंक**

1– प्राथमिक चिकित्सा के आधारभूत सिद्धान्त।

2– प्राथमिक चिकित्सा सम्बन्धी उपकरण एवं सुविधायें।

3– प्राथमिक चिकित्सा के सामान्य नियम।

4– स्वास्थ्य आपात एवं प्राथमिक चिकित्सा।

5– शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य।

6– सार्वजनिक स्थल, कारखानों तथा संगठनों में कार्यरत सुरक्षा सेवकों के स्वास्थ्य एवं कार्य क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक।

7– बुखार, लू, अस्थमा, पीठ दर्द, घाव, रूधिरस्राव, जलना, साँप/कुत्ते का काटना, कीट डंक, श्वसन एवं परिसंचरण से सम्बन्धित समस्याएं आदि बीमारियों में प्राथमिक चिकित्सा।

प्रोजेक्ट कार्य **पूर्णांक 30 अंक**

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

1–व्यायाम का अभ्यास–विभिन्न प्रकार के शारीरिक ड्रिल एवं योग।

2–नागरिक सुरक्षा–प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन।

3–प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं को सूचीबद्ध करना।

5–आपदा से प्रभावी रूप से निपटने के लिए एक काल्पनिक आपदा योजना तैयार करना।

6–सिक्योरिटी एलार्म का प्रयोग।

7–फायर स्टेशन का भ्रमण कर अग्निशमन यंत्र की कार्यविधि का अध्ययन।

8–एक औद्योगिक संस्थान/कार्यालय का भ्रमण आयोजित कर आकस्मिकता/खतरों हेतु संस्था द्वारा सुरक्षा के उपायों एवं लगाये गये उपकरणों को सूचीबद्ध करना।

9–ओ0 आर0 एस0 का घोल तैयार करना।

10–थर्मामीटर का प्रयोग।

कक्षा–9

आई0टी0/आई0टी0ई0एस0

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–2

आपरेटिंग सिस्टम– आपरेटिंग सिस्टम का परिचय, इसका कार्य एवं इसके प्रकार, विन्डोज, लाइनेक्स और एन्ड्रॉयड, विन्डोज का इतिहास, इसकी क्षमतायें एवं विशेषतायें, फाइल बनाना, सेव करना, डायरेक्ट्री और इसके बेसिक कमाण्ड्स।

इकाई–7 वेब ब्राउजिंग के लाभ और इसकी उपयोगितायें।

इकाई–8 प्रेजेन्टेशन साफ्टवेयर के तत्व।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

आई0टी0/आई0टी0ई0एस0

उद्देश्य–आज के विज्ञान जगत में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का अभूतपूर्व स्थान है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयाम सामाजिक रूप से प्रतिस्थापित हो चुके हैं। जैसे–मोबाइल, इंटरनेट आदि। देश को ''डिजिटल इंडिया'' का स्वरूप देने में इनका विशेष योगदान अवश्यम्भावी है।

सैद्धान्तिक **पूर्णांक 70 अंक**

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 कम्प्यूटर परिचय **10 अंक**

कम्प्यूटर के विकास का इतिहास, कम्प्यूटर के प्रकार, कम्प्यूटर का रेखाचित्र, कम्प्यूटर के भिन्न–भिन्न भाग, हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर के प्रकार, इनपुट एवं आउटपुट डिवाइसेस।

इकाई–3 वर्ड प्रोसेसिंग **10 अंक**

आफिस का मूल परिचय, वर्ड प्रोसेसिंग के तत्व एवं विधि, फार्मेटिंग, एडीटिंग, सजावट एवं प्रिटिंग एवं अन्य प्राथमिक कमाण्ड्स।

इकाई–4 स्प्रेडशीट **10 अंक**

स्प्रेडशीट का परिचय, इसके तत्व, सेल, कालम और रोज, डेटा, एन्ट्री संशोधन, स्प्रेडशीट की संरचना।

इकाई–5 इन्टरनेट **10 अंक**

इन्टरनेट का परिचय, इसका प्रारूप और इसके द्वारा सेवायें, कम्प्यूटर के इन्टरनेट ऐक्सिस, इन्टरनेट के लाभ एवं उपयोग।

इकाई–6 WWW एवं वेब ब्राउजर **10 अंक**

वेब का परिचय, WWW भिन्न प्रकार के वेब ब्राउजर साफ्टवेयर, सर्चिंग, सर्च इंजन।

इकाई–7 कम्युनिकेशन एवं वेब ब्राउजिंग **10 अंक**

ई-मेल का परिचय एवं अवयव, इसके प्रकार एवं उपयोग।

इकाई–8 पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन **10 अंक**

कम्प्यूटर द्वारा प्रेजेन्टेशन, स्लाइड्स का निर्माण।

प्रोजेक्ट कार्य **30 अंक**

कोई तीन प्रोजेक्ट। प्रत्येक त्रैमासिक में एक।

1–वर्ड का विस्तृत अध्ययन।
2–इन्टरनेट का प्राथमिक ज्ञान।
3–स्प्रेड शीट का विस्तृत अध्ययन।
4–पावर प्वाइंट का विस्तृत अध्ययन।
5–कम्प्यूटर की कार्य प्रणाली का रेखा-चित्र द्वारा प्रस्तुतिकरण/अध्ययन।
6–ऑपरेटिंग सिस्टम की कार्य प्रणाली का विस्तृत अध्ययन।
7–लाइनेक्स के फाइल एवं डाइरेक्टरी सम्बन्धी कमाण्ड्स का प्रयोग।
8–विभिन्न प्रकार के वेब ब्राउजर के प्रयोग एवं उपयोगिता का अध्ययन।

विषय –प्लम्बर

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई .2–प्लंबिंग का महत्व–

वाटर स्प्रिंकलर के कार्य। प्लंबिंग का भविष्य जल संरक्षण एवं ग्रीन प्लंबिंग।

इकाई .3–सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार–

विद्युत ,अग्नि से सुरक्षा ,अग्निशमन यंत्रों की जानकारी एवं कार्य गैस रिसाव में सुरक्षा नियम सुरक्षा ड्रेस।

इकाई .4–प्लंबिंग कार्य के पदार्थ एवं सामग्री–

विभिन्न प्रकार के पाइप एवं ट्यूब प्रयुक्त सामग्री का वर्णन एवं उपयोग–लौह पाइप ,ढलवा लोहा पाइप।

इकाई .5–पाइप फिटिंग एवं संयोजक–

साइज परिवर्तन करने वाले संयोजक जैसे रिड्यूसर ,लाइन अवरोधक जैसे प्लग ,कैप आदि की बनावट ,उपयोग।

इकाई .6–प्रवाह नियंत्रक–

वाल्व एवं कॉक।

प्रयोगात्मक कार्य

7 . जी आई पाइप को बंकन मशीन पर मोड़ने का अभ्यास।

10 . वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए पाइप फिटिंग करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय –प्लम्बर

कक्षा–9

उद्देश्यः–

.1 छात्रों को प्लंबिंग ट्रेड के महत्व एवं उपयोगिता की जानकारी देना।

.2 छात्रों को प्लंबिंग कार्यों के निष्पादन की मूल प्रक्रिया और सामग्री चयन की जानकारी देना।

.3 छात्रों को सुरक्षा एवं सावधानियाँ की जानकारी देना।

.4 छात्रों में व्यवसाय के प्रति रूचि पैदा करना।

.5 छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना एवं उन्हें स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।

रोजगार के अवसरः–

.1 प्लंबर/पाइप फिटर के रूप में रोजगार।

.2 स्वतः रोजगार या नलकार के रूप में कार्य करना।

.3 पाइप और पाइप फिटिंग एवं सैनिटरी फिटिंग के विक्रेता के रूप में कार्य करना।

.4 पेट्रोल पंप ,ईधन आपूर्ति प्रणाली में इरेक्टर के रूप में कार्य करना।

.5 ट्यूबवेल ऑपरेटर के रूप में कार्य करना।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांकः 50अंक

इकाई .1–उद्यमिता एवं स्वरोजगार– 5अंक

उद्यम, उद्यमी और उद्यमिता की परिभाषा ,उद्यमी के गुण एवं विकास ,लघु उद्योग स्थापित करने का कार्य पद ,सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों से वित्तीय एवं गैर वित्तीय सहायता की जानकारी ,स्व रोजगार के लिए परियोजना प्रस्ताव बनाना ,विभिन्न स्व रोजगार योजनाओं का परिचय।

इकाई .2–प्लंबिंग का महत्व– 5अंक

प्लंबिंग का इतिहास ,घरेलू एवं औद्योगिक कार्यों में प्लंबिंग का महत्व ,जलापूर्ति ,सिंचाई ,ईधन , गैस आपूर्ति ,सीवेज डिस्पोजल ,वर्षा जल संरक्षण तथा स्नान गृह ,शौचालय एवं ए0सी 0लगाने में प्लंबिंग कार्यों की उपयोगिता ,वायरिंग तथा द्रव प्रवाह में प्लंबिंग का महत्व ,उदाहरण तथा केस स्टडी। कृषि कार्यों में तथा फायर ब्रिगेड कार्यों में प्लंबिंग कार्य।

इकाई .3–सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार– 5अंक

दुर्घटना का अभिप्राय ,दुर्घटना के सामान्य कारण एवं बचाव ,प्लंबिंग कार्य के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा औजारों की सुरक्षा तथा मशीनों की सुरक्षा ,शिक्षा ,सुरक्षा के सामान्य नियम ,प्राथमिक उपचार , कृत्रिम श्वसन की विधियां।

इकाई .4–प्लंबिंग कार्य के पदार्थ एवं सामग्री– 10अंक

प्लंबिंग व्यवसाय में प्रयुक्त होने वाले पदार्थों का वर्गीकरण ,लौह एवं अलौह धातु ,मिश्रधातु ,टिंबर, प्लास्टिक आदि की किस्म ,पहचान एवं विशेषताएं ,उनके उपयोग तथा चयन के कारक। जी आई पाइप ,लेड पाइप ,तांबे का पाइप ,एल्यूमिनियम पाइप ,एस्बेस्टस पाइप ,कंक्रीट पाइप , प्लास्टिक पाइप आदि ,गास्केट ,सीमेंट ,श्वेत सीसा तथा पैकिंग सामग्री जैसे धागा ,टेप ,जूट आदि की संक्षिप्त जानकारी तथा उपयोग।

इकाई .5–पाइप फिटिंग एवं संयोजक– 15अंक

लंबाई बढ़ाने वाले संयोजक –सॉकेट ,फलैंज ,कपलिंग ,निपुल ,दिशा परिवर्तन करने वाले संयोजक –एल्बो ,बेंड ,रेडियस ,ब्रांच लाइन वाले संयोजक –क्रॉस ,टी ,वाई आदि पहचान का संक्षिप्त विवरण।

इकाई .6–प्रवाह नियंत्रक– **10अंक**

विभिन्न प्रकार के टोंटी ,फायर हाइड्रेंट ,और रिलीफ वाल्व ,चेक वाल्व की पहचान एवं लगाने का तरीका। उनकी जांच करना ,मरम्मत करना तथा अनुरक्षण। जल वितरण प्रणाली तथा गंदे जल निकासी प्रणाली का अध्ययन।

प्रयोगात्मक कार्य

पूर्णांक 50अंक

.1 प्राथमिक उपचार में पट्टी बांधने का अभ्यास तथा कृत्रिम श्वसन देने का अभ्यास।
.2 प्लंबिंग ड्रॉइंग पढ़ना।
.3 किसी जांच की लंबाई ,मोटाई चौड़ाई तथा गोलाई ज्ञात करना।
.4 मृदु इस्पात के टुकड़े को दिए गए साइज में हेक्सा से काटना तथा चिपिंग करना।
.5 जॉब में 10एमएम का ड्रिल से छेद करना तथा आंतरिक चूड़ी काटना।
.6 जी आई पाइप पर चूड़ी बनाना तथा साकेट कसना।
.8 गंदे जल की निकासी के लिए पाइप को सीवर से जोड़ना।
.9 नया पाइप कनेक्शन बनाना तथा उसमें टोंटी लगाना।
.11 पाइप में लीकेज की मरम्मत करना।
.12 पी वी सी पाइप फिटिंग का प्रयोग करना।
.13 प्लंबिंग के औजारों की मरम्मत करना।
.14 साधारण जोड़ बनाना।

संस्तुत पुस्तकों की सूची

.1 कार्यशाला तकनीकी लेखक आर के लाल।
.2 वर्कशॉप टेक्नोलॉजी लेखक एक के हाजरा
.3 वर्कशॉप ट्रेनिंग मैनुअल केटप्शन पब्लिशर्स लुधियाना।
.4 Manual on workshop practice by K Venkata Reddy New Delhi
.5 वर्कशॉप टेक्नोलॉजी लेखक बी एस रघुवंशी
.6 वर्कशॉप टेक्नोलॉजी लेखक एचएस बावा टाटा माग्रो हिल पब्लिशर्स न्यू दिल्ली
.7 वर्कशॉप इंजीनियरिंग लेखक जेबी जिंद औलिया
.8 सैनिटेशन इंजीनियरिंग लेखक मनीष सिसोदिया
.9 प्लंबिंग डिजाइन प्रैक्टिस लेखक एस जी देवल लिकर

औजारों और उपकरणों की सूची

1. Rule Steel 300 mm both in inch and mm
2. Rule Wooden 4 fold, 600 mm
3. Hacksaw Frame adjustable for 250 to 300 mm
4. Scriber 200 mm
5. Centre punch 100 mm
6. Chisel Cold, flat 20 mm
7. Hammer ball peen 800 grams
8. Hammer ball peen 50 grams
9. File flat rough 300 mm
10. Levl spirit wooden 300 mm
11. Plumb bob 50 grams
12. Trowel C-125-IS: 6013
13. Still son wrench 200 & 350 mm
14. Scre Driver 250 mm
15. Wooden Mallet small IS: 2022
16. Cutting pliers 200 mm IS: 3650
17. Steel tape (5m)
18. Surface plate 400×400 mm Grade
19. Marking Table 900×600×900 mm

20. 'V' Blocks with clamps 80/7-63A IS 2949
21. Combination set 200 mm
22. Universal Scribing Block 300 mm
23. Hand Vice Jaw 50 mm
24. File flat Smooth 200 mm
25. File Half Round Rough 300 mm
26. File Square rough 250 mm
27. File Square Smooth 200 mm
28. File Triangular Rough 250 mm
29. Chisel Cold Flat 20 mm×300 mm
30. Chisel Cross Cut 6×150 mm IS-402
31. Top and tap wrench
32. Screw pitch gauge
33. Hand hacksaw frame 300 mm
34. Spanner monkey up to 50 mm
35. Soldar Iron and bit 5Nos
36. Pipe Cutter wheel type 6mmto 25mm
37. Snip Straight and bent 250 mm
38. Try square 200 mm
39. Inside and outside Calliper 150 mm
40. Tenon saw, Hand Saw
41. Mortise, Firmer Chisel 6mm, 8mm, 10mm, 12mm, 15mm, 25mm Each
42. Mallet Medium IS: 2922
43. Blow lamp 500 millilitre
44. Scribing gauge
45. Soil pot with brush
46. D.E. Spanners 6mm to 32mm IS:2028
47. Bending Spring
48. Plumbers Ladle
49. Caulking Toll
50. Pipe Die and Die stock (1/4" to $2^{1/2}$") with complete set
51. Pipe vice up to 75 mm IS-2587
52. Still son pattern pipe wrenches 450 mm IS-4003
53. Chain pipe wrench 90mm-650 is 4123
54. Adjustable spanner 12" IS-6149
55. Pipe bender manually operated
56. Drill Twist (straight shank) 1.5 mm to 13mm
57. Wash Basin (16" ×14"×10")
58. Water closet (European type p) complete with over head cistern
59. Urinal wall type complete with automatic system
60. Water meter
61. Fire Extinguisher (CO2 and DCP)
62. Fire Buckets with stand
63. Pedestalgromder machine
64. Leg vice 75mm jaw with Stand IS-2588
65. Hand drill machine up to 13mm capacity with drill chuck (Electric)
66. Working bech 2400×1200×750mm with 4 voice 125 mm jaws
67. Double face hammers

Desirable Qualification of teachers:

Passed ITI with National Craft Instructor training Course in same OR relevant trade/ Three years Diploma in Mechanical engineering

BED will not be essential for these lecturers.

विषय –इलेक्ट्रीशियन

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई.2–

अग्नि शमन यंत्र ,कृत्रिम श्वसन की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई.3–

विद्युत धारा के ऊष्मीय प्रभाव का प्रारम्भिक ज्ञान।

इकाई .4–विद्युत यंत्र –

कामर्शियल यूनिट में सम्बन्ध।

इकाई.5–

घरेलू वायरिंग में उपयोग होने वाले तार के प्रकार।

इकाई .7–

विद्युत संकेत–

विद्युत घण्टी ,डी0सी 0का तरंग रूप।

घरेलू वायरिंग

घरेलू वायरिंग में किन किन बिन्दुओं का भू–सम्बन्धन किया जाना चाहिए।

प्रयोगात्मक कार्य

.5 प्रतिरोधों का श्रेणी और समान्तर क्रम में संयोजन एवं समतुल्य प्रतिरोध ज्ञात करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय –इलेक्ट्रीशियन

कक्षा–9

उद्देश्यः–

.1 छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
.2 छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
.3 छात्रों को व्यवसाय की ओर रूचि पैदा करना।
.4 छात्रों को इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के महत्व एवं उपयोगिता की जानकारी देना।
.5 छात्रों को इलेक्ट्रीशियन कार्यों के निस्पादन के मूल प्रक्रिया ,औजार एवं सामाग्री के चयन की जानकारी देना।
.6 छात्रों को कार्य करते समय सुरक्षा नियमों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसरः–

.1 विभिन्न प्रतिष्ठानों में इलेक्ट्रीशियन एवं वायरमैन के रूप में।
.2 विद्युत मोटर मैकेनिक इलेक्ट्रीशियन के रूप में।
.3 विद्युत सम्बन्धित स्वयं का व्यवसाय) विद्युत की दुकान (।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांकः 50अंक

इकाई.1– 05अंक

उद्यम ,उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा ,उद्यमी के गुण एवं विकास ,लघु उद्योग स्थापित करने के पद ,सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं से सहायता ,विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी।

इकाई.2– 05अंक

दुर्घटना की परिभाषा ,दुर्घटना के कारण तथा बचाव ,सुरक्षा के मूल नियम ,विद्युत के कार्य करने में व्यक्तिगत सुरक्षा एवं उपकरणों की सुरक्षा ,सुरक्षा उपस्कर ,सुरक्षा पोस्टर ,सुरक्षा नियमावली , प्राथमिक उपचार ,डैन्जर वार्निंग ,अग्नि से सुरक्षा ,विद्युत से लगने वाली अग्नि को बुझाना।

इकाई.3– 10 अंक

विद्युत के मूल सिद्धान्त ,विद्युत परिपथ ,विद्युत धारा ,विभवान्तर ,विद्युत वाहक बल ,सेल एवं बैट्री ,बैट्री चार्जिंग के प्रकार ,विद्युत उत्पादन एवं वितरण व्यवस्था की सक्षिप्त जानकारी ,प्रतिरोध , प्रतिरोध के सामान्य नियम ,चालकता ,विशिष्ठ प्रतिरोध ,अच्छे चालक के गुण ,मुख्य रूप से

उपयोग में आने वाले चालक पदार्थों के नाम एवं उनके सामान्य गुण सामान्यतः उपयोग में आने वाले प्रतिरोधक पदार्थ तथा उनका उपयोग ,इनका दैनिक जीवन में व्यवहारिक उपयोग जैसे –हीटर , गीजर ,विद्युत केतली ,प्रेस आयरन आदि के रूप में।

इकाई .4–विद्युत यंत्र – 05अंक

धारामापी ,वोल्टतामापी ,वाट मीटर ,ऊर्जा मापी का प्रारम्भिक ज्ञान एवं मापन में इनका उपयोग , विद्युत ऊर्जा का मापन एवं घरेलू विद्युत खपत की लागत की गणना। विद्युत खपत की गणना ,विद्युत ऊर्जा (किलोवाट घण्टा)।

इकाई.5– 10 अंक

चालक ,कुचालक पदार्थ ,चुम्बकीय पदार्थ ,इनकी पहचान गुण एवं उपयोगिता ,लौह एवं अलौह धातुएं तथा इनके यान्त्रिक एवं विद्युतीय गुण ,वायरिंग सामग्री ,तार एवं केबिल तथा उनके अन्तर।

इकाई .6–विद्युत कार्यों में प्रयुक्त औजार एवं उपकरण– 05अंक

संयुक्त प्लायर नोज प्लायर ,स्क्रूडाइवर ,नियान टेस्टर ,ड्रिल मशीन ,इनकी पहचान एवं उपयोग।

इकाई 7– 10अंक

विद्युत संकेत– 05 अंक

धारामापी ,वोल्टता मापी ,शक्ति मापी ,ऊर्जा मापी ,एक मार्गीय स्विच ,द्विमार्गीय स्विच 5 , एम्पीयर स्विच–15 ,एम्पीयर स्विच –5 ,एम्पीयर 3पिन साकेट 15 ,एम्पीयर 3पिन साकेट , विद्युत लैम्प ,ट्यूबलाइट ,बजर ,पंखा ,ए0सी 0एवं विद्युत जनित परिमाणित्र प्रत्यावर्तक आदि।

घरेलू वायरिंग 05 अंक

वायरिंग सामग्री ,वायर के प्रकार जैसे –स्विच साकेट ,होल्डर ,सीलिंग रोज ,स्विच बोर्ड आदि एवं इनकी विशेषतां ,भारतीय विद्युत नियम ,भू–सम्बन्धन की परिभाषा एवं इसके प्रकार।

प्रयोगात्मक कार्य

पूर्णांक 50अंक

.1 विद्युत उपकरणों की पहचान एवं परिपथ में सम्बन्धन।
.2 एम्पीयर मीटर एवं वोल्ट मीटर की सहायता से किसी कार्यभार की धारा एवं वोल्टता मापन।
.3 घरेलू वायरिंग में ऊर्जा मापी का किसी कार्यभार के साथ संयोजन।
.4 एक श्रेणी क्रम एवं एक समान्तर क्रम में लैम्प होल्डर एवं एक साकेट बिन्दु से निर्मित इक्सटेंशन बोर्ड बनाना।

पुस्तकों की सूची

.1 सामान्य अभियांत्रिकी अवयव –द्वारा जे0के 0कपूर
प्रकाशन –भारत भारती प्रकाशन एण्ड कम्पनी वेस्टर्न कचहरी रोड मेरठ250001 –
.2 विद्युत अभियंत्रण के अवयव –द्वारा डा 0टी 0डी 0विस्ट।
.3 विद्युत लागत एवं आगणन –द्वारा डा 0टी 0डी 0विस्ट।
प्रकाशन –किशोर पब्लिशर्स –159B आजाद नगर ,साऊथ मलाका ,इलाहाबाद211003 –
.4 विद्युत तकनीकि –द्वारा सिंह एण्ड हरजाहा
प्रकाशन –यूनीटेक पब्लिशर्स राधाकृष्ण मिशन मार्ग ,अमीनाबाद ,लखनऊ226001 –

आपदा प्रबन्धन

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–4

मानवजनित आपदाः– दुर्घटना जनित, नाव, सड़क, रेल, वायुयान, समुद्री वाहन, व जंगल एवं बस्ती की आग, बिलडिंग का गिरना, स्टेंम्पीड़ (भगदड़), रेडियोएक्टिव प्रदूषण, आतंकवादी हमला, युद्ध बायोटेरजम, विद्युतीय, विषक्तीकरण, महामारी आदि की दशाएं, प्रमुख घटनाएं, प्रभाव, औद्योगिक गतिविधियां।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

आपदा प्रबन्धन

कक्षा–9

उद्देश्य–

1– स्कूल पर विभिन्न आपदाओं के विषय में जागरूकता प्रदान करना।
2– किसी भी आपदा के घटने पर विद्यार्थीयों को स्वतः बचाव कार्य में मद्द करने के लिए तैयार रहना।
3– स्कूल स्तर पर मॉडल आपदा प्रबन्धन प्लान के बारे में अवगत होना।
4– **रोजगार के अवसर–** इस पाठ्यक्रम से राज्य सरकार, केन्द्र सरकार एवं एन0जी0ओ0 में सहायक के पद पर अवसर प्राप्त होता है।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांकः 50 अंक

इकाई–1 **10 अंक**

परिचय– आपदा का तात्पर्य, भारत एवं विश्व में घटित आपदाये एवं परिस्थितियाँ, नुकसान, मुख्य आपदाओं के उदाहरण, भारत सरकार द्वारा संचालित आपदा संबंधित कार्यों की जानकारी, प्राकृतिक आपदा राहतकोष एवं आपदा नियंत्रण बोर्ड के कार्य।

इकाई–2 **10 अंक**

. आपदा की परिभाषा, किस्म–प्राकृतिक एवं मानवजनित अति– संवेदनशील आपदायें उनके कारण, असुरक्षित दशायें, जोखिम, आपदाओं का वर्गीकरण (भूगर्भीय जोखिम, जल एवं जलवायु सम्बंधित जोखिम, पर्यावरण सम्बंधित जोखिम, रासायनिक, परमाणु, औद्योगिक जोखिम एवं दुर्घटना आदि, उदाहरण एवं व्याख्या)

इकाई–3 **15 अंक**

विभिन्न प्रकार की आपदाओं का विस्तृत वर्णन– भूकंप, बाढ़, सूखा, चक्रवात, सुनामी, बादल फटना, ज्वालामुखी, भूक्षरण एवं भू स्खलन, बवंडर, तूफान, आंधी, शीत एवं ग्रीष्म वायु, ओला वृस्टि, महामारी कारण एवं लक्षण, प्रभाव क्षेत्र, पैटर्न, परिणाम आदि की उदाहरण सहित व्याख्या।

इकाई–5 **15 अंक**

आपदा नियंत्रणः– पूर्वानुमान, चेतावनी, बचाव की योजना, तैयारी, विभिन्न आपदाओं के समय किये जाने वाले एवं न किये जाने वाले कार्य, बचाव के उपाय, आपदा की मापन, इकाई मैपिंग एवं मूल्यांकन, विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी, नियंत्रण की स्थापना।

प्रयोगात्मक विषय (Practical)– **50 अंक**

प्रयोग–1: वायुमण्डीय दाब मापना
प्रयोग–2: आर्द्रता (**Humidity**)मापना
प्रयोग–3: तापक्रम मापना, मानव एवं विवरण
प्रयोग–4: वायु–वेग एवं वायु दिशा मापना एवं विवरण
प्रयोग–5: आपदा सुरक्षा उपकरणों का अध्ययन

संस्तुत पुस्तकें–

1– आपदा एवं आपदा प्रबन्धन– महेश कुमार
2– Disastar Management- Dr. I.Sundar
3- Disastar Management- IGNOU Help Book
4- Environment and Disater Management- Vijram and Ravi (IAS)
5- Together Together a Saber India-
6- Natural Hazards and Disastar Management By – B.C. Jat
7- Natural Hazards and Disastar Management By – R.B. Singh
8- Disastar Management – By Sulphey M.M.
9- Disastar Management- Harsh K. Gupta
10- Disastar Management- Marinalini Panday
11- Disastar Management- S. Mukherjee

उपकरणों की सूची–

1– विभिन्न प्रकार के अग्नि समक यंत्र(Cylinder) – 1 नग
2– प्राथमिक उपचार बाक्स– 3 नग
3– कम्बल– 2 नग
4– सीढ़ी– 1 नग
5– बालू की बाल्टी– 3 नग
6– स्ट्रेचर– 1 नग
7– रस्सी– 1 गठ्ठर
8– हथौड़ी– 2 नग
9– एक्मकेवेटर– 1 नग
10– सीढ़ी– 1 नग
11– डम्पर– 2 नग

शिक्षकों की अर्हताः– आपदा प्रबन्ध में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा बी0एड0 की आवश्यकता नहीं है।

सोलर सिस्टम रिपेयर

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–2 दुर्घटना, सुरक्षा उपाय एवं प्राथमिक उपचार

सेफ्टी बेल/ड्रेस।

इकाई–3 विद्युत एवं इलेक्ट्रानिक्स के मूल सिद्धांत

विद्युत ऊर्जा की परिभाषा एवं गणना।
विद्युत परिपथ (ए0सी0 एवं डी0सी0) परिचय सामानय गणना (अवरोधो के)

इलेक्ट्रानिक्स के मूल सिद्धांत– केबलिंग, ऐरे कम्बाइनर वाक्स।

इकाई–4 सौर ऊर्जा एवं सोलर पैनेल

फोटोवोल्टायिक माड्यूल एवं कनेक्शन की जानकारी।

इकाई–6 इंस्टालेशन एवं ट्रबलशूटिंग

दैनिक, साप्ताहिक, मासिक एवं वार्षिक कार्य
पुर्जों को बदलना एवं री असेम्बली

प्रयोगात्मक कार्य

14–इनवर्टर कनेक्शन करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

सोलर सिस्टम रिपेयर

कक्षा–9

उद्देश्य–

छात्रों में उद्यमिता के गुणों का विकास करना।
छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार के ओर प्रेरित करना।
छात्रों का व्यवसाय की ओर रूचि पैदा करना।
छात्रों का सौर ऊर्जा के महत्व एवं उपयोगिता की जानकारी देना।
छात्रों को सोलर–सिस्टम के रख रखाव एवं औजार सम्बन्धी सामग्री के चयन की जानकारी देना।
छात्रों को कार्य करते समय सुरक्षा नियमों की जानकारी देना।
छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
छात्रों को सौर ऊर्जा एवं फोटोवोल्टायिक तकनीकी एवं उपकरणों की जानकारी देना।
छात्रों को सोलर ऊर्जा के घरेलू एवं औद्योगिक उपयोग की जानकारी देना।
छात्रों को सौर ऊर्जा प्रणाली की संस्थापन, अनुरक्षण की जानकारी देना।

रोजगार के अवसरः–

सोलर सिस्टम के विक्रेता/उपकरणों के विक्रेता के रूप में।
सोलर संयन्त्रों के स्थापन, रिपेयरिंग एवं अनुरक्षक के रूप में।
रिपेयर वर्कशाप संचालक के रूप में।
शो रूप संस्थापक के रूप में।

सोलर सिस्टम रिपेयर

कक्षा–9 **पूर्णांक–50**

इकाई–1 उद्यमिता विकास **(05)**

उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा, उद्यमी के गुण एवं विकास, लघु उद्योग, स्थापित करने के पद, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं की सहायता, विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी।

इकाई–2 दुर्घटना, सुरक्षा उपाय एवं प्राथमिक उपचार **(05)**

दुर्घटना की परिभाषा, कारण तथा बचाव, व्यक्तिगत सुरक्षा, सुरक्षा के मूल नियम, अग्नि से सुरक्षा एवं अग्निशमन यंत्र, विद्युत से सुरक्षा, सीढ़ियों के सुरक्षित उपयोग, ऊचाई की जगह पर कार्य करने में सुरक्षा, प्राथमिक उपचार एवं कृत्रिम स्वशन की जानकारी।

इकाई–3 विद्युत एवं इलेक्ट्रानिक्स के मूल सिद्धांत **(05)**

वोल्टेज, धारा, प्रतिरोध आदि मात्रकों की परिभाषा एवं इकाई, मापन, डी0सी0 एवं ए0सी0पावर, सौर विकिरण, नेट मीटरिंग, विद्युतीय एवं गैर विद्युतीय मात्रकों मापन।

विद्युत के उत्पादन के विभिन्न तरीके (हाइड्रो, थर्मल, न्युक्लियर, सौर एवं पवन ऊर्जा आदि), विद्युत एवं इलेक्ट्रानिक अवयवों के संकेत,

इलेक्ट्रानिक्स के मूल सिद्धांत– चालक, कुचालक, अर्धचालक का परिचय के सोलर प्रणाली में लगने वाले कम्पोनेंट–कार्य, पहचान, संकेत एवं परिक्षण, तार एवं केबिल के किस्म तथा पदार्थ, वायरिंग के प्रकार, सामग्री वायन साइजिंग, जक्शन वाक्स, अर्थिंग महत्व एवं किस्में। वायरिंग के दोष, मरम्मत एवं अनुरक्षण।

इकाई–4 सौर ऊर्जा एवं सोलर पैनेल **(15)**

सौर ऊर्जा का परिचय, उपलब्धता, तीव्रता, रिकाडिंग उपयोग। फोटोवोल्टापिक सेल का परिचय, रूपान्तरण (फोटोवोल्टायिक) लाभ–हानि, सोलर सेल के प्रकार, विभिनन मंत्रों में प्रकार, सोलन पैनेल फोटोवोल्टायिक ऐरे (Array) का कनेक्शन (लोड के अनुसार)। दोष (फॉल्ट)– कारण, मरम्मत एवं अनुरक्षण

इकाई–5 सोलर चार्ज कन्ट्रोलर, बैटरी, इनवर्टर **(10)**

सोलर चार्ज कन्ट्रोलर– परिचय, प्रकार (वल्स विड्य माड्यूलेसन, मैक्सिमम पावर प्वाइण्ट ट्रैकिंग) कार्य सिद्धान्त उपयोग

बैटरी– कार्य एवं प्रकार, संयोजन, पैरामीटर, फोटोवोल्टायिक सिस्टम के लिए बैटरी का चयन, चार्जिंग, टेस्टिंग एवं इंस्टालेशन की संक्षिप्त जानकारी

इनवर्टर– कार्य एवं अवयव, उपयोग कंट्रोलर, बैटरी एवं इनवर्टर के दोष, रखरखाव एवं कार्य–सावधानियां

इकाई–6 इंस्टालेशन एवं ट्रबलशूटिंग **(10)**

स्टैण्डअलोन एवं पी0वी0 सोलर सिस्टम का इंस्टालेशन एवं बाधा–खोज (ट्रबलशूटिंग), अनुरक्षण

पुस्तकों की सूची

1. बेसिक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग–वी.के.मेहता
2. बेसिक इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग– वी.के.मेहता
3. सोलर एनर्जी– एस.पी.सुखाल्में, जे.के.नायक
4. औद्योगिक सुरक्षा– राठौड़, चंगेरिया
5. उद्यमिता एवं स्वतः रोजगार– आर.के.लाल

प्रयोगात्मक कार्य

पूर्णांक–50

1. सुरक्षा उपकरणों का अध्ययन
2. प्राथमिक उपचार एवं कृत्रिम श्वसन का अभ्यास
3. विद्युत परिपथ में विभव, धारा एवं प्रतिरोध मापन
4. अर्थिंग करना।
5. इलेक्ट्रानिक्स कम्पोनेंट का परीक्षण करना।
6. फ्लोरोसेंट लैम्प का कनेक्सन एवं ऊर्जा का मापन।
7. समान्तर विद्युत परिपथ में वोल्टेज एवं करेंट मापना।
8. फोटोवोल्टायिक सेल के वोल्टेज का मापन।
9. बैटरी को समान्तर एवं श्रेणी क्रम में जोड़ना।
10. सोलर पी0वी0 सेल को जोड़कर बल्ब जलाना।
11. इन्वर्टर की सफाई एवं मोवहालिंग करना।
12. बैटरी की टेस्टिंग करना तथा चार्जिंग करना।
13. चार्ज कंट्रोलर का अध्ययन एवं चित्रण।
15. इनवर्टर आउटपुट को मापना।

औजारों और उपकरणों की सूची

– इलेक्ट्रिकल टेस्टर
– प्लामर
– स्क्रू ड्राइवर
– स्पैनर
– स्ट्रीपर एवं कटर
– सोल्डरिंग
– हैकसा
– हैमर
– मेजरिंग टेप
– अमीटर
– वोल्टमीटर
– वाटमीटर
– मल्टीमीटर
– मेगर
– हाइड्रोमीटर
– सोल इनसुलेशन मीटर
– सन साइन रिकार्डर
– सोलर पैनल
– बैटरी
– कन्ट्रोलर, इन्वर्टर
– सोलर कुकर
– ड्रीलिग मशीन
– बेल्डिंग मशीन
– पाइप रिंच
– पाइप कटर

मॉडल

1. मिनी सोलर इनवर्टर
2. टू वे वायरिंग
3. सीरीज सर्किट में बल्ब जलाना
4. पैरेलल सर्किट में बल्ब जलाना

कक्षा–9

मोबाइल रिपेयरिंग

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई-3

-विभिन्न प्रकार के मोबाइल फोन को खोलना एवं बन्द करना।

इकाई-4

-मोबाइल फोन का ब्लाक आरेख।

प्रयोगात्मक कार्य

-वालपेपर, थीम, कैलेण्डर दिनांक इत्यादि सेट करना।

-की पैड, वाल्यूम (Volume) सेट करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

मोबाइल रिपेयरिंग

कक्षा–9

उद्देश्य-

(1) मोबाइल आधुनिक युग में संचार का सशक्त माध्यम तो है ही साथ ही विश्व के एक छोर से दूसरे छोर तक अद्यतन सूचना तथा समाचार प्रसारित करने का सशक्त माध्यम है।
मोबाइल न केवल संचार बल्कि मनोरंजन का भी सशक्त माध्यम है।
मोबाइल की मांग तथा सेवा का विस्तार तीव्रता से हा रहा है।
अतः छात्रों को मोबाइल रिपेयरिंग ट्रेड में प्रशिक्षण देना लाभकारी सिद्ध होगा।
(2) छात्रों में उद्यमिता के गुणों का विकास करना।
(3) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(4) छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपर्युक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(5) छात्रों में व्यावसाय के प्रति रुचि जाग्रत करना।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 50 अंक

इकाई-1 **10 अंक**

-मोबाइल की सामान्य जानकारी
-मोबाइल फोन की कार्य प्रणाली
-CDMS तथा GSM
-मोबाइल फोन के भाग (Part of mobile)
स्पीकर, कैमरा, बैटरी, बजर, एल0सी0डी0 एन्टिना इत्यादि।

इकाई-2 **10 अंक**

-मोबाइल में प्रयुक्त होने वाले घटकों का विवरण
-मोबाइल फोन की मरम्मत में प्रयुक्त होने वाले उपकरण, अनुरक्षण एवं रख रखाव।

इकाई-3 **10 अंक**

-सोल्डरिंग का उपयोग
-सिम इंसर्ट करना (सिंगल एवं डबल)
-बैटरी लगाना।

इकाई-4 **10 अंक**

-मोबाइल में 2जी तथा 3जी सेवा।
-मोबाइल के विभिन्न भागों का निरीक्षण।
-विभिन्न प्रकार के ICs के नाम तथा उनके कार्य।

इकाई-5 **10 अंक**

-परिपथ (सर्किट) के विभिन्न भागों का अध्ययन करना।
-जम्पर के साथ प्रकाश, ध्वनि तथा कम्पन आदि के लिये परिपथ (IC आधार पर)

प्रयोगात्मक कार्य **50 अंक**

-मोबाइल को ऑन/ऑफ करना।
-मोबाइल में उपलब्ध अनुप्रयोग के बारें में जानना।
-मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर की जानकारी प्राप्त करना।
-चार्जर, इयर फोन, पावर सप्लाई इत्यादि।
-डिसप्ले सेटिंग।
-मोबाइल फोन में प्रोफाइल सेट करना।
-मेमोरी कार्ड की जानकारी क्षमता व कार्य।
-मोबाइल के विभिन्न मॉडलों की जानकारी।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (N.C.C.)

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–1 राष्ट्रीय कैडेट कोर

(ग) सामाजिक विषयों से संम्बन्ध अन्य क्रियाकलाप जैसे– खेलकूद, सामाजिक कार्य स्काउट गाइड आदि से समन्वय

इकाई–2 राष्ट्रीय एकता एवं धर्म निरपेक्षता

(ग) सामाजिक समन्वय के प्रति जागरूकतां

इकाई–3 राष्ट्रीय सुरक्षा

(ग) आंतिक सुरक्षा का तात्पर्य एवं महत्व।

इकाई–4 स्वास्थ्य प्राथिमिक उपचार

(ख) स्वस्थ्य रहने के उपाय

इकाई–5 प्रमुख युद्ध एवं उनसे प्राप्त शिक्षाएं

(ख) भारतीय सेना के वीर सपूत

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

राष्ट्रीय कैडेट कोर (N.C.C.)

कक्षा–9

पाठ्यक्रम का उद्देश्य– राष्ट्र निर्माण एवं विकास में छात्र छात्राओं को उन्मुख करना, उनमें चरित्र निर्माण, नेतृत्व के गुण और विशेष दक्षता () दिलाने के साथ–साथ उनमें सुरक्षा, सामाजिक राजनैतिक, आर्थिक पर्यावरणीय स्वास्थ्य सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन जैसी समस्याओं और चुनौतियों के लिए जागरूक करना है। जिसमें इनका भविष्य उज्ज्वल एवं उन्नतिशील तथा अनुशासित बन सके।

राष्ट्रीय कैडेट कोर विषय में 70 अंकों का एक लिखित प्रश्न पत्र होगा इसका उत्तीर्ण अंक 23 होगा, प्रोजेक्ट कार्य (आंतरिक मूल्यांकन) 30 अंक का होगा, इसका उत्तीर्ण अंक 10 होगा लिखित तथा प्रोजेक्ट कार्य में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (N.C.C.)

कक्षा–9 **पूर्णांक 70 अंक**

इकाई–1 राष्ट्रीय कैडेट कोर **15 अंक**

(क) उद्देश्य एवं लक्ष्य

(ख) परिभाषा क्षेत्र एवं उपयोगिता

इकाई–2 राष्ट्रीय एकता एवं धर्म निरपेक्षता **15 अंक**

(क) राष्ट्रीय एकता की परिभाषा आवश्यकता अपयोगिता

(ख) धर्म निरपेक्षता की परिभाषा आवश्यकता उपयोगिता

इकाई–3 राष्ट्रीय सुरक्षा **15 अंक**

(क) राष्ट्रीय सुरक्षा का अर्थ उपयोगिता एवं महत्व।

(ख) सशस्त्र सेनाओं एवं अर्द्ध सैन्य बल का समायज्ञ तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर से समन्वय बनाना।

इकाई–4 स्वास्थ्य प्राथिमिक उपचार **15 अंक**

(क) शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य लक्ष्य एवं महत्व।

(ग) प्राथमिक उपचार का तात्पर्य महत्व एवं उपयोग

(घ) स्वच्छता की उपादेयता व्यक्तिगत स्वच्छता परिवेशी स्वच्छता

इकाई–5 प्रमुख युद्ध एवं उनसे प्राप्त शिक्षाएं **10 अंक**

(क) 1948, 1962, 1965, 1971 एवं कारगिल संघर्ष (कारण, संक्रिया परिणाम एवं प्राप्त शिक्षाएं)

प्रोजेक्ट वर्क **30 अंक**

1. प्राथमिक उपचार
2. थल सेना के रैंक व बैंच का अध्ययन

राष्ट्रीय सुरक्षा से सम्बन्धित

3. दैनिक समाचार पत्रों का संकलन करना।
4. नौ सेना के रैंक व बैंच का अध्ययन
5. वायु सेना के रैंक व बैंच का अध्ययन

नेशनल कैडेट कार (N.C.C.)

कक्षा–9

प्रश्न पत्रों की निर्माण योजना (प्रारूप)

प्रश्नों के प्रकार	कुल प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों का अंक	कुल अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न	**15**	**02**	**30**
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	**04**	**04**	**16**
लघु उत्तरीय प्रश्न	**03**	**04**	**12**
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**02**	**06**	**12**
कुल योग	**24**		**70**

प्रश्न सरल होने चाहिए उनका विभाजन निम्न प्रारूप में होना चाहिए–

1. ज्ञानात्मक प्रश्न (बहुविकल्पीय प्रश्न, अति लघु उत्तरीय प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)
2. बोधात्मक प्रश्न (उपरोक्त)
3. अनुप्रयोगात्मक प्रश्न (उपरोक्त)
4. कौशलात्मक प्रश्न (उपरोक्त)

सैन्य विज्ञान (प्रयोगात्मक)

उपकरण एवं अन्य सामाग्री की सूची

1. टोपोशीट (मानचित्र) जिला एवं प्रदेश
2. सर्विस प्रोटेक्टर मार्क A
3. प्रिज्मैटिक दिक्सूचक (कम्पास)
4. नक्शे (मानचित्र) (अ) संकेतिक चिन्हों का मानचित्र
   (ब) भारत एवं पड़ोसी राष्ट्र
   (स) भारत भौगोलिक
   (द) भारत हिन्द महासागर
5. प्रयोगात्मक नोाटबुक

(क) नैतिक, योग तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

नैतिक शिक्षा

(3) भारत में प्रचलित प्रमुख धर्मों (हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई) के मूल तत्वों में समान बातें।

(5) शिकायत प्रणाली–अधिकार संरक्षण आयोग, चाइल्ड लाइन, वीमेन पावर लाइन।

(6) आयकर का संक्षिप्त ज्ञान। इसे कौन देता है। आयकर से प्राप्त राशि की देश के विकास में भूमिका का संक्षिप्त वर्णन। बालक–बालिकाओं में वयस्क होने पर ईमानदार कर दाता बनने सम्बन्धी नैतिकता का विकास करना।

योग

3– अष्टांग योग

अष्टांग योग का संक्षिप्त परिचय

यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि

5– **स्वास्थ्य एवं आहार**

युक्त आहार क्या है?

आहार–सम्बन्धी आवश्यक नियम।

खेल एवं शारीरिक शिक्षा

इकाई–4 कंकाल तंत्र

परिचय, शारीरिक ढाँचे की क्रिया-कलाप, हड्डियों के प्रकार, शारीरिक अस्थियाँ, जोड़ों के प्रकार, जोड़ों की गति।

इकाई–5

खेल एवं प्रतियोगिता––

भारत के महत्वपूर्ण टूर्नामेन्ट, राष्ट्र मण्डलीय खेल, एशिया खेल, ओलम्पिक खेल, ट्रैक टूर्नामेन्ट के बारे में जानकारी देना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा-9

नैतिक, योग तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा

इस विषय में 50 अंकों की लिखित परीक्षा का एक प्रश्न-पत्र तीन घन्टे का होगा। इसके साथ ही 50 अंकों की प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। प्रयोगात्मक तथा लिखित परीक्षा विद्यालय स्तर पर आयोजित की जायेगी। लिखित तथा प्रयोगात्मक परीक्षा में विद्यालय स्तर पर किऐ गये मूल्यांकन के आधार पर छात्रों को ए0बी0सी0 श्रेणी प्रदान की जायेगी जिसका अंकन छात्र के अंकपत्र तथा प्रमाण-पत्र में किया जायेगा।

उद्देश्य–

(1) बालकों का सर्वांगीण विकास एवं नैतिक गुणों का उन्नयन करना।

(2) बालकों के वैयक्तिक, सामाजिक एवं शैक्षिक जीवन में नैतिक भावना का विकास करना।

(3) बालकों में स्वस्थ्य नेतृत्व, उत्तरदायित्व वहन करने की क्षमता, समय पालन, सदाचार, शिष्टाचार, विनम्रता, साहस, अनुशासन, आत्म सम्मान, आत्म संयम, समाज सेवा, सभी धर्मों के प्रति आदर एवं सहिष्णुता तथा विश्व बन्धुत्व की भावना का विकास करना।

(4) सुदृढ़ शरीर का निर्माण करने हेतु शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं की अभिवृद्धि।

(5) बालकों के श्रम के प्रति आदर एवं आत्म निर्भर बनने हेतु उत्पादक कार्यों के प्रति अभिरुचि का सम्वर्द्धन करना।

(6) समाज सेवा की भावना का सृजन करना।

(7) स्वास्थ्य के प्रति सतत् जागरूकता तथा क्रीड़ा शालीनता की भावना का विकास करना।
(8) बालकों का मानसिक, शारीरिक, नैतिक, सामाजिक एवं संवेदात्मक विकास करना।

नैतिक शिक्षा **15 अंक**

(1) नैतिकता का स्वरूप तथा महत्व। **5 अंक**
(2) स्वयं, परिवार, समाज, देश तथा मानवता के प्रति कर्तव्य। **5 अंक**
(4) मानव अधिकार–मानव अधिकार की अवधारणा का विकास, मानव अधिकार की सार्वभौम घोषणा। सिविल और राजनीतिक अधिकार। आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार। भारत और सार्वभौमिक घोषणा मानव अधिकार के प्रति हमारे कर्तव्य, मानव मूल्यों की रक्षा। **5अंक**

पुस्तक मानव अधिकार अध्ययन, प्रकाशक माइंडशेयर

उद्देश्य :

- दैनिकचर्या में ''योग'' करने की आदत(स्वभाव या संस्कार) का विकास।
- योग के विविध अभ्यासों (आसन, प्राणायाम, ध्यान विधियों) के द्वारा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पाने का सामर्थ्य विकसित करना।
- किशोरवय की समस्याएं एवं सामान्य व्याधियों को समझकर उनका निदान करने में योग निर्देशन एवं आयुर्वेदिक उपचार करने की क्षमता का विकास करना।
- प्रेरक प्रसंगो से जीवन मूल्यों को समझाने और उन्हें अपने जीवन में उतारने के लिये प्रोत्साहित करना।
- ''अष्टांगयोग'' के माध्यम से यम-नियमादि को जानकर,योग को समझने की सामर्थ्य विकसित करना।
- अभ्यासादि के क्रम में चक्र विवेचन,शरीर रचना एवं क्रियाविज्ञान से सम्बन्ध को समझने की क्षमता का विकास करना।
- शरीर को स्वस्थ्य रखने की क्रियाओं(षट्कर्म) की जानकारी एवं उनका प्रयोग करना।
- योग विषयक शब्दकोश के माध्यम से योग के कठिन शब्दों को समझने की क्षमता विकसित करना।

योग **20 अंक**

1– योग एवं योगशिक्षा	योग : अर्थ एवं परिभाषा योग की भ्रान्तियॉ : पारम्परिक, आधुनिक	**5 अंक**
2– अष्टांग योग	**आसन** □ आसन की परिभाषा □ उद्देश्य □ आसनों का वर्गीकरण	**5 अंक**
4–शारीरिक-मानसिक परिवर्तनः योग निर्देशन	**प्रभाव** • शारीरिक, मानसिक, चिकित्सीय • किशोरावस्था में शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन व विशेषताएँ • किशोरावस्था में मार्गदर्शन एवं योग की भूमिका	**4 अंक**
5– स्वास्थ्य एवं आहार	• आहार के प्रकार • सात्विक आहार • राजसिक आहार • तामसिक आहार	**6 अंक**

खेल एवं शारीरिक शिक्षा **15 अंक**

इकाई–1 **शारीरिक शिक्षा–** **03**
अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं क्षेत्र

इकाई–2 **शारीरिक शिक्षा का विकास व वृद्धि––** **03**
अर्थ, सिद्धान्त, वृद्धि एवं विकास में अन्तर, वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक, कालानुक्रम, आयु, शारीरिक संरचनात्मक आयु एवं शारीरिक तथा मानसिक आयु, बैटरी परीक्षण (शारीरिक क्षमता का मापदण्ड)

इकाई–3 **स्वास्थ्य––** **03**
अर्थ, परिभाषा, स्वास्थ्य के नियमों की जानकारी, स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने वाले कारक, प्रमुख बीमारियां, स्वास्थ्य के नियमों के पालन की आदत डालना, व्यायाम द्वारा बीमारियों को दूर करना, संतुलित आहार।

इकाई–5 **खेल एवं प्रतियोगिता––** **03**
खेल का अर्थ, सिद्धान्त, प्रतियोगिता का अर्थ, आन्तरिक व वाह्य प्रतियोगिता का अर्थ व महत्व, विभिन्न स्तरों पर वाह्य प्रतियोगिता, जनपदीय, मण्डलीय, प्रान्तीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय।

इकाई–6 **प्रारम्भिक व्यायाम एवं अन्तिम अवस्था––** **03**
परिचय, प्रकार, प्रभावी कारक, प्रारम्भिक व्यायाम का महत्व, प्रारम्भिक व्यायाम की विधि एवं अवधि, अन्तिम अवस्था (Cooling Down) का अर्थ, महत्व।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम **पूर्णांक–50**

क्र0 सं0	मद	(क्रीड़ा) कार्य कलाप	वैकल्पिक
1	अभ्यास सारिणीयॉ	अभ्यास सारिणी	सामूहिक पी0टी0 योगाभ्यास, सारंग आसन, मत्स्य आसन, उद्दीपन, अग्निसार, सुप्त बज्र आसन। **1 अंक**
2	कवायद मार्च	अधिकारी को पत्रिका देना व इनाम लेना, धीमी चाल से तेजचाल में आना, तेजचाल से धीमी चाल में आना, दायें तथा बायें दिशा बदलना	**2 अंक**
3	लेजियम	मोर चाल, मोर चाल आगे की, मोर चाल दायें और बायें	**2 अंक**
4	जिम्नास्टिक / लोकनृत्य		**4 अंक**
	(क) जिम्नास्टिक	**लड़कों के लिए** 1–नकीकस सादा 2–तबक फाड़ 3–मयूर पंखी 4–बगली फरार 5–दस रंग 6–पिरामिड (मयूरासन)	वाल्टिंग बाक्स, लॉग बाक्स, ब्रांड शहतीर (1) हाथ की पहुँच के ऊपर शहतीर पकड़ना-दायें-बायें चलना (2) हाथ के पहुँच के ऊपर शहतीर लटककर झूले के साथ पकड़ना (3) हाथ पहुँच के ऊपर शहतीर हाथ बदलते हुये पकड़ना
	(ख) लोकनृत्य	**लड़ाकेयों के लिए** 2 लोकनृत्य एक उसी क्षेत्र का दूसरा उसी क्षेत्र के बाहर का **लड़कों के लिए** दो लोकनृत्य एक उसी क्षेत्र का दूसरा उसी क्षेत्र के बाहर का होना चाहिए।	लोकनृत्य नृत्य अधिक शारीरिक श्रम वाले
5	बड़े खेल	निम्नलिखित खेलों के आधारभूत कुशलतायें फुटबाल, हाकी, बैडमिंटन (जो सुविधायें विद्यालय में उपलब्ध)	कक्षा के लिए **3 अंक** निर्धारित खेलों में भाग लेना।
6	छोटे खेल	1–लाइन फुटबाल 2–पिन बाल 3–दायरे का फुटबाल 4–हैण्ड बाल 5–कीप द बाल अप 6–उछलकर चलते हुए छूना / पकड़ना 7–कप्तान बाल 8–छूना व बैठकर बचना 9–चलती हुयी प्रतिभायें 10–दायरे की हाकी	**3 अंक**
7	रिले	1–लीपफ्राग रिले 2–ग्रेस्प एण्ड पुल रिले 3–बैक वडे रिले 4–तिलंगा रिले	**4 अंक**

		5–चेन रिले 6–बाल पासिंग रिले 7–पिक अ बैक रिले 8–व्हील बैटरी रिले	
8	(क) धावन तथा मैदानी प्रतियोगितायें	1–100 मी0 दौड़ 2–400 मी0 दौड़ 3–लम्बी छलांग 4–ऊँची छलांग 5–उछल कदम और कूद 6–4×100 मी0 रिले 7–शाट पुट	**4 अंक**
	(ख) परीक्षण पदयात्रा	राष्ट्रीय शारीरिक दक्षता परीक्षण 3.22 से 6.44 किलोमीटर	
9	**मुकाबले का खेल**		**4 अंक**
	(क) साधारण मुकाबले	1–टेक आफ दि टेल 2–पुश आफ दि बेंच 3–पुश आफ दि स्ट्रल 4–पुश इन्टू पिट 5–मेक पुल	
	(ख) सामूहिक मुकाबले	1–फोर्सिंग दि गेट 2–ब्रेक दि वाल 3–स्मगलिंग 4–प्रिसन ब्रेक	
	(ग) कुश्ती	पैंतरे (1) (क) यू का पैंतरा (ख) सामने का पैंतरा (ग) नजदीक (2) पीछे का पैंतरा (3) नीचे का पैंतरा (4) प्रिन्स (1) कटार चलाना, आक्रमण व बचाव (2) बायें तथा दाहिने ओर प्रहार करके बचाव (3) पेट का निचला भाग (खोज प्रहार)	
10	राष्ट्रीय आदर्श तथा अच्छी नागरिकता व्यावहारिक परियोजनायें तथा सामूहिक गान		**3 अंक**
	(क) राष्ट्रीय आदर्श व अच्छी नागरिकता	1–अच्छी आदतें 2–हमारे संविधान के मूल आधार	
	(ख) व्यावहारिक परियोजनायें	1–प्राथमिक उपचार 2–समाज सेवा 3–खेल-कूद का आयोजन 4–कैंप लगाना	
	(ग) सामूहिक गीत	राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय भाषा में, एक किसी अन्य क्षेत्रीय भाषा में तथा एक राष्ट्र भाषा में।	
पुस्तक	"हम और हमारा स्वास्थ्य" प्रकाशक "होप इनीशियेटिव"		

11— सूर्य-नमस्कार	• सूर्य-नमस्कार **अंक** □ परिचय □ सूर्य-नमस्कार के लाभ □ विधि	**2**
12— आसन और स्वास्थ्य	• पेट के बल किए जाने वाले आसन (Prone Postures) □ पूर्णधनुरासन	**2 अंक**
13— मुद्रा	• अपानवायु मुद्रा, सूर्यमुद्रा पूर्व अध्ययन अभ्यास, ज्ञानमुद्रा, वायुमुद्रा, शून्यमुद्रा, पृथ्वी मुद्रा, प्राणमुद्रा	**3 अंक**
14— बन्ध	• जालन्धर बन्ध • उड्डीयान बन्ध • मूलबन्ध • महाबन्ध	**4 अंक**
15— प्राणायाम एवं स्वास्थ्य	• भस्त्रिका, कपालभाति (प्राणायाम) □ पूरक, रेचक व कुम्भव की अवधारणा □ बाह्य प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, □ नाड़ीशोधन	**4 अंक**
16— योग निद्रा	• योग निद्रा की प्रयोग विधि	**3 अंक**
17— त्राटक	• ज्योति त्राटक	**2 अंक**

43-(ख) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य

कक्षा-9

स्थानीय सुविधानुसार निम्नलिखित में से कोई एक कार्य कराया जाय--

1--विद्यालय की कृषि भूमि पर आधारित ऋतु अनुसार फूल-पत्तियों का लगाना एवं सब्जियां बोना।
2--विद्यालय में घास का लान तैयार करना।
3--गमलों में दीर्घजीवी शोभायुक्त पौधे लगाना।
4--विद्यालय की बाउन्ड्री पर हेज लगाना, लतायें लगाना।
5--वृक्षारोपण।
6--कताई-बुनाई।
7--काष्ठ-शिल्प।
8--ग्रन्थ-शिल्प।
9--चर्म-शिल्प।
10--धातु-शिल्प।
11--धुलाई, रफू, बखिया।
12--रंगाई और छपाई।
13--सिलाई।
14--मूर्ति कला।
15--मत्स्य पालन।
16--मुधमक्खी पालन।
17--मुर्गी पालन।
18--साग-सब्जी का उत्पादन।
19--फल संरक्षण।
20--रेशम तथा टसर काम।
21--सुतली तथा टाट-पट्टी का निर्माण।
22--हाथ से कागज बनाना।
23--फोटो ग्राफी।
24--रेडियो मरम्मत।
25--घड़ी मरम्मत।

26--चाक तथा मोमबत्ती बनाना।

27--कालीन व दरी का निर्माण।

28--फूलों, फलों तथा सब्जियों के पौधे तैयार करना।

29--लकड़ी, मिट्टी आदि के खिलौने का निर्माण।

30--बेकरी और कन्फेक्शनरी का काम।

31--उपर्युक्त की सुविधा न होने पर कोई स्थानीय प्रचलित कार्य।

उपर्युक्त कार्यों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम--

(एक) विद्यालय की कृषि भूमि पर आधारित ऋतु अनुसार फूल-पत्तियों का लगाना एवं सब्जिया बोना

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि ऋतु फूल-पत्तियों के लगाने तथा सब्जियों को बोने से जहाँ एक और आस-पास की वायु शुद्ध होती है, प्रदूषण दूर होता है, वहीं दूसरी ओर ताजी सब्जियां खाने को मिलती हैं, जिससे शरीर के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक विटामिन तथा खनिज लवणों की आपूर्ति होती है।

(2) छात्रों में ऋतु के अनुसार फूल-पत्तियों तथा सब्जियों का चयन कर उन्हें लगाने तथा उनकी खेती करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) स्थानीय परिवेश एवं जलवायु को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालय की भूमि पर ऋतु के अनुसार फूल-पत्तियों तथा सब्जियों का चयन कर उनकी पौध तैयार करना।

(2) पौध लगाने के लिए उचित भूमि (क्यारियों) को तैयार करना, उसमें अपेक्षित कम्पोस्ट खाद तथा रसायनिक उर्वरक उचित मात्रा में डालना।

(3) बीजों को बोने के पूर्व उनका आवश्यकतानुसर शोधन करना।

(4) वर्षाकाल में लौकी, तरोई, गोभी, बैंगन, टमाटर, मिर्चा, गुलमेंहदी, जीनिया, गेंदा आदि के पौध लगाना।

(दो) विद्यालय में घास की लान तैयार करना

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि मैदान में घास लगाने से विद्यालय के सौन्दर्यीकरण के साथ-साथ भूमि का कटाव नहीं होता, भूमि में फिसलन नहीं होती, लान की हरी-हरी घास नेत्रों को रोशनी के लिए लाभदायक होती है तथा घास के बढ़ने पर उसे पशुओं के लिये चारा भी उपलब्ध हो सकता है।

(2) छात्रों में विद्यालय तथा घर के आस-पास की रिक्त भूमि पर घासों के लान तैयार करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) भूमि तैयार करने तथा घास लगाने के लिए आवश्यक औजारों तथा सामग्रियों की जानकारी, प्रयोग विधि, सावधानियां तथा सुरक्षा के उद्देश्यों की जानकारी।

(2) लान (मैदान) से कंकड़, पत्थर साफ कर भूमि को खोदकर भुरभुरी बनाना।

(3) मिट्टी में कम्पोस्ट खाद तथा अपेक्षित उर्वरक डालना। घास लगाने के लिए तैयार करना।

(4) भूमि में आवश्यक सिंचाई कर मिट्टी में नमी पैदा करना तथा पुनः भूमि की गुड़ाई कर पटेला लगाना तथा भूमि को समतल बनाना।

(तीन) गमलों में दीर्घ जीवी, शोभायुक्त पौधे लगाना

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि घर के आस-पास भूमि की कमी या अभाव होने पर भी गमलों में दीर्घ-जीवी शोभायुक्त पौधे लगाये जा सकते हैं जिनसे पर्यावरणीय प्रदूषण कम किया जा सकता है।

(2) छात्रों में सुरुचि एवं सौन्दर्य भावना जागृत करने के लिए गमलों में दीर्घजीवी शोभायुक्त पौधे लगाने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) गमलों में दीर्घजीवी शोभायुक्त पौधे लगाने के लिए आवश्यक उपकरणों, सामग्रियों, मिट्टी तथा उर्वरकों की जानकारी।

(2) गमलों मे कम्पोस्ट खाद (गोबर की सड़ी खाद) युक्त मिट्टी भरने का अभ्यास।

(3) जुलाई से सितम्बर के मध्य गमलों में फर्न (विभिन्न प्रकार के घास, क्रोटन, विभिन्न प्रकार के कैक्टस, युफार्विया) आदि लगाना।

(4) नियमित रूप से गमलों में सिंचाई करना।

(चार) विद्यालय की बाउण्ड्री पर हेज लगाना, लतायें लगाना

उद्देश्य--

(1) विद्यालय को बोध कराना कि विद्यालय की शोभा इसकी बाउण्ड्री पर हेज तथा लतायें लगाने से बढ़ती हैं साथ ही इससे पर्यावरणीय प्रदूषण कम होता है तथा मिट्टी का क्षरण रुकता है।

(2) छात्रों में विद्यालय (साथ ही घर) की बाउण्ड्री पर हेज अथवा लतायें लगाने का शौक तथा कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) हेज तथा लतायें लगाने के लिए आवश्यक उपकरणों एवं सामग्रियों की जानकारी, उपविधियां तथा सुरक्षा के उपाय।

(2) हेज लगाने हेतु मेंहदी, नीलकांटा (डयूरेटा) सुदर्शन, जस्तीशिया, बस्तशिया छोटी, हेज, चांदनी आदि में से किसी उपयुक्त तथा मन पसन्द हेज का चुनाव करना, वर्षा ऋतु में उसे लगाना।

(पाँच) वृक्षारोपण

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना है कि वृक्ष मानव जाति के अस्तित्व के लिये आवश्यक है, इससे पर्यावरण प्रदूषित होने बचता है, भूमि का कटाव रुकता है, समय पर उपयुक्त वर्षा होती है, भोज्य पदार्थ, औषधियां, इमारती तथा ईंधन की लकड़ियां प्राप्त होती हैं। वृक्ष वास्तविक अर्थ में मानव के सच्चे मित्र एवं रक्षक हैं।

(2) छात्रों में वृक्षारोपण का शौक तथा कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) वृक्षारोपण हेतु आवश्यक औजारों तथा सामग्रियों की जानकारी, उनकी प्रयोग विधि, सावधानियां तथा सुरक्षा के उपायों की जानकारी प्राप्त करना।

(2) वृक्षारोपण हेतु उपयोगी वृक्षों की पौध तथा कलम तैयार करना।

(3) वृक्षारोपण के लिए गड्ढ़े खोदकर उसमें कम्पोस्ट तथा आवश्यक उर्वरक डालना।

(4) तैयार गड्ढ़ों में वर्षा ऋतु में वृक्षों के पौध लगाना।

(छः) कताई-बुनाई

उद्देश्य--

(1) छात्रों को सूत, खजूर की पत्ती, नाइलोन का धागा तथा सुतली से बुनाई करने का बोध कराना।

(2) आसनी बनाना, चटाई बुनना तथा टाट-पट्टी बुनने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) विभिन्न प्रकार की तकली व रूई के प्रकार की जानकारी प्राप्त करना।

(2) कताई में काम आने वाले विभिन्न उपकरणों एवं औजारों की जानकारी।

(3) कताई-बुनाई में आवश्यक सावधानियों एवं सुरक्षा नियमों का ज्ञान प्राप्त करना।

(4) रूई बुनाई तथा पूनी बनाने का अभ्यास।

(5) तकली तथा चरखे पर सूत कातने तथा अटेरन पर सूत लपेटने और गुण्डियां तैयार करने का अभ्यास।

(सात) काष्ठ-शिल्प

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि भव्य इमारतों तथा फर्नीचरों के निर्माण तथा सजावट की वस्तुयें तैयार करने में काष्ट शिल्प का ज्ञान नितान्त आवश्यक है।

(2) इस कला द्वारा छात्रों के हाथ, नेत्र और मस्तिष्क में सामंजस्य स्थापित होता है।

पाठ्यक्रम--

(1) काष्ठ शिल्प में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों एवं औजारों की जानकारी, उनके प्रयोग की सावधानियां तथा सुरक्षा के उपाय।

(2) यंत्र प्रयोग एवं कार्य करने का विधिवत् अभ्यास।

(आठ) ग्रन्थ शिल्प

उद्देश्य--

(1) छात्रों को पुस्तकों एवं अभ्यास पुस्तिकाओं को दीर्घकाल तक सुरक्षित रखने का बोध कराना।

(2) छात्रों में पुस्तकों को सिलने तथा उनकी जिल्दसाजी का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) ग्रन्थशिल्प में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों तथा औजारों की जानकारी, उसके विधिवत् प्रयोग करने का अभ्यास, सावधानियां एवं सुरक्षा के उपाय, यंत्रों के रख-रखाव की जानकारी।

(2) साधारण पुस्तकों और नोट-बुकों के पन्ने मोडना़, उनकी सिलाई करना (जुजबन्दी तथा सादी दोनों प्रकार की) किनारे काटना, पीठ गोल करना, रक्षक कागज लगाना, आवरण चढ़ाना तथा उनकी सुसज्जा करना।

(3) पुस्तक आवरण का लेखन तैयार कर उनकी सुरक्षा करना।

(नौ) चर्म शिल्प

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि दैनिक जीवन में चर्म से बनी वस्तुयें कितनी उपयोगी हैं।

(2) छात्रों में चर्म से विभिन्न प्रकार की दैनिक जीवनोपयोगी वस्तुओं के निर्माण का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) चर्म शिल्प में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों, औजारों तथा सामग्री की जानकारी, उनके विधिवत् प्रयोग करने का अभ्यास सावधानियां तथा सुरक्षा के उपाय।

(2) चर्म से तैयार की गयी वस्तुओं में बटन लगाने का अभ्यास।

(3) कागज से विभिन्न प्रकार के माडल बनाना, औजारों से सही ढंग से काटना, चिपकाना, चमड़े की पट्टी लगाने का अभ्यास।

(दस) धातु-शिल्प

उद्देश्य--

(1) छात्रों को धातु-अधातु में अन्तर तथा धातु के महत्व का बोध कराना।

(2) छात्रों में धातुओं से बनी दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुओं के मामूली टूट-फूट की मरम्मत करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) धातु-शिल्प में प्रयोग होने वाले उपकरणों एवं औजारों तथा सामग्रियों की जानकारी, उनके प्रयोग विधि का अभ्यास, सावधानियां तथा सुरक्षा के उपाय।

(2) यंत्रों के उचित ढंग से रख-रखाव की जानकारी।

(3) लोहा, टीन, तांबा, एल्युमीनियम, शीशा, जस्ता आदि धातुओं की जानकारी तथा उनसे बनने वाली वस्तुओं की जानकारी तथा उनके मामूली टूट-फूट की मरम्मत करने का अभ्यास।

(ग्यारह) धुलाई, रफू तथा बखिया

उद्देश्य--

छात्रों को बोध कराना है कि धुलाई-रफू तथा बखिया द्वारा प्रत्येक परिवार में प्रयोग होने वाले वस्त्रों को अधिक समय तक पूर्ण चमक-दमक के साथ चलाया जा सकता है तथा इस प्रकार आर्थिक बचत की जा सकती है।

पाठ्यक्रम--

(1) धुलाई, रफू तथा बखिया के उपकरणों, साज-सज्जा तथा सामग्रियों की जानकारी, सही प्रयोग सावधानियां रख-रखाव सुरक्षा के उपाय।

(2) विभिन्न देशों के बने वस्त्रों की जानकारी।

(3) प्रक्षालन के विभिन्न प्रकारों की जानकारी तथा अभ्यास।

(4) विभिन्न प्रकार के धब्बे हटाने की जानकारी तथा अभ्यास।

(बारह) रंगाई तथा छपाई

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि हर प्रकार के वस्त्रों की किस प्रकार रंगाई तथा छपाई कर उन्हें नयनाभिराम तथा आकर्षक बनाया जा सकता है।

(2) छात्रों में सूती, ऊनी तथा रेशमी वस्त्रों की रंगाई के कौशल का विकास कराना।

पाठ्यक्रम--

(1) रंगाई तथा छपाई हेतु प्रयुक्त होने वाले उपकरणों, साज-सज्जा तथा सामग्रियों की जानकारी, सही प्रयोग विधि का अभ्यास, सावधानियां तथा उनका रख-रखाव।

(2) विभिन्न प्रकार के टेक्सटाइल रेशों की पहचान का अभ्यास।

(3) कोरी वस्तुओं की अशुद्धियों को निकाल कर उन्हें रंगाने योग्य बनाने का अभ्यास।

(4) सूती, ऊनी तथा रेशमी वस्त्रों पर नमक के रंगों की विधि का अभ्यास।

(तेरह) सिलाई

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि सिलाई कला के अभ्यास से पर्याप्त धन की बचत की जा सकती है।

(2) छात्रों में सूती, ऊनी तथा रेशमी वस्त्रों की सिलाई के कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम--

(1) सिलाई के उपकरणों, साज-सज्जा तथा सामग्रियों की जानकारी उनके सही प्रयोग विधि का अभ्यास सावधानियां तथा रख-रखाव की जानकारी।

(2) विभिन्न प्रकार के कपड़ों के सिकुड़ने आदि की प्रवृत्ति की जानकारी।

(3) सूती, ऊनी तथा रेशमी कपड़ों पर लोहा करने की विधि का अभ्यास।

(4) सूती, ऊनी तथा रेशमी की सिलाई हेतु सही धागों के चुनाव का अभ्यास।

(चौदह) मूर्ति कला

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि मूर्ति-कला का जीवन से कितना गहरा सम्बन्ध है। यह विगत स्मृतियों को जीवित रखने का एक मुखर साधन है।

(2) छात्रों में मूर्ति-कला के कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम--

(1) मूर्ति-कला में प्रयोग होने वाले औजारों तथा अन्य सामग्रियों की जानकारी, उनकी प्रयोग विधि का ज्ञान, सावधानियां, रख-रखाव तथा सुरक्षा के उपाय।

(2) मिट्टी व अन्य रद्दी वस्तुओं, प्लास्टर आफ पेरिस, कागज की लुग्दी को कार्योपयोगी बनाने की विधि का अभ्यास।

(3) अच्छी मिट्टी व कागज की लुगदी की पहचान का अभ्यास।

(4) भट्ठियां बनाने की कला की जानकारी।

(5) टूटे बर्तनों व मूर्तियों को जोड़ने की कला की जानकारी।

(पन्द्रह) मत्स्य पालन

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि मत्स्य पालन से पौष्टिक आहार प्राप्त होता है, मत्स्योत्पादन एक लाभकारी उद्योग है।

(2) छात्रों को मत्स्य पालन हेतु प्रेरित करना तथा सही विधि से मत्स्य पालन करना सिखाना।

पाठ्यक्रम--

(1) मत्स्य पालन के काम आने वाली सामग्रियों की जानकारी।

(2) मत्स्य पकड़ने के उपकरणों जैसे बंसी, जाल, नाव तथा जहाज की जानकारी तथा छात्र द्वारा मत्स्य पकड़ने का अभ्यास।

(3) मत्स्य पालन के सामान्य सिद्धान्त, प्रजनन एवं पोषण की जानकारी।

(4) मत्स्य की सुरक्षा, जीवाणु सम्बन्धी खराबी, इसके कारण तथा सुरक्षा के उपायों की जानकारी।

(सोलह) मधुमक्खी पालन

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि मधु एकत्र करने के लिए मधु मक्खियों को पाला जा सकता है।

(2) छात्रों को बोध कराना कि मधु अनेक दशाओं में प्रयुक्त होती है तथा अत्यन्त स्वास्थबर्द्धक भोज्य पदार्थ है।

(3) छात्रों में मधुमक्खियों को मौन गृह में रखना तथा उनके रख-रखाव और शहद निकालने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) मधुमक्खी पालन तथा शहद निकालने के लिये आवश्यक उपकरणों एवं सामग्रियों की जानकारी।

(2) मौन गृह की व्यवस्था करना।

(3) मधुमक्खियों को बक्से में रखने के दोनों प्रकारों की जानकारी (1) मौनवंश में धनछट होने पर इन्हें ड्रम या कनस्टर छोड़कर, धूल उड़ाकर या पानी की बौछार कर रोक लेने की जानकारी तथा अभ्यास, स्वामीबैग से पकड़कर इन्हें बक्से में डालकर क्वानगट लाने की जानकारी, (2) मौनवंश को जाले से अथवा पेड़ की खोखल से स्थानान्तरित कर मौन गृह में लाना।

(4) मधुमक्खियों द्वारा छत्ता बनाने के लिये रात के समय चीनी का घोल प्याले में रख कर उसमें दूध या सूखी घास डालकर ऊपरी व भीतरी ढक्कन के बीच में रखने की जानकारी।

(5) धुआँ देकर मधुमक्खियों को भगाकर छत्तें को काटकर मौन गृह में फ्रेमों में फिट करना तथा रानी मक्खी को पकड़कर बक्से में डालना जिससे सभी मधुमक्खियां उस बक्से में आने लगें।

(6) बक्सों को ऐसे स्थान पर रखना जहाँ सभी मधुमक्खियों के आवागमन में किसी प्रकार का रुकावट न हो।

(सत्रह) मुर्गी पालन

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि प्रोटीन भोजन का एक मुख्य अवयव है। प्रोटीन का सरलता से उपलब्ध होने वाला प्रमुख साधन अण्डा है, जिसे मुर्गी पालन से प्राप्त किया जा सकता है।

(2) छात्रों में मुर्गी के आवास-व्यवस्था, रख-रखाव व रोग तथा उसके उपचार, मुर्गी फार्म के हिसाब से रख-रखाव का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) मुर्गी के आवास-व्यवस्था का प्रबन्ध करना।

(2) मुर्गियों के साधारण रख-रखाव की जानकारी प्राप्त करना।

(3) मुर्गी से विभिन्न रोगों की जानकारी, उसके उपचार एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी।

(4) मुर्गी पालन प्रारम्भ करने के लिये उचित नस्ल की जानकारी तथा चुनाव।

(5) स्थानीय मांग के अनुसार यदि अंडों की खपत अधिक है तो अण्डे देने वली नस्ल की मुर्गियों का पालन करना तथा यदि बाजार में मांस की अधिक खपत है तो मांस के लिये पाली जाने वाली नस्लों का चयन कर मुर्गियों को पालना।

(अट्ठारह) शाक-सब्जी का उत्पादन

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि हमारे संतुलित आहार में शाक-सब्जी का कितना महत्वपूर्ण स्थान है तथा ये सब प्रकार के विटामिन्स, खनिजों एवं लवणों की आपूर्ति कर हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं तथा रोगों से लड़ने की क्षमता उत्पन्न करते हैं।

(2) छात्रों में मौसम के अनुसार शाक-सब्जी को पैदा करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) शाक-सब्जी उत्पन्न कराने के लिये अच्छी मिट्टी की जानकारी, भूमि तैयार करना, सही मात्रा में आवश्यक खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करना।

(2) शाक-सब्जी की खेती में प्रयोग आने वाली कृषि उपकरणों तथा औजारों की जानकारी, उनके प्रयोग की विधि, सावधानियां एवं उनका रख-रखाव।

(3) अधिक उपज देने वाले बीजों की जानकारी एवं उनका चुनाव।

(4) बीज-शोधन प्रक्रिया की जानकारी तथा अभ्यास।

(5) शाक-सब्जी बोने के पूर्व भूमि में उचित मात्रा में नमी बनाये रखने की जानकारी, सिंचाई के समय तथा सही मात्रा की जानकारी तथा अभ्यास।

(6) मौसम के अनुसार शाक-सब्जी की खेती करने का अभ्यास, जिसमें कम लागत में अच्छी उपज प्राप्त हो सके।

(उन्नीस) फल संरक्षण

उद्देश्य--

(1) फलों के नष्ट होने की प्रक्रिया का छात्रों को बोध कराना।

(2) विभिन्न प्रकार के फलों के संरक्षण का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) फल संरक्षण हेतु आवश्यक उपकरणों एवं सामग्रियों की जानकारी।

(2) जेली, जैम, आचार, मुरब्बा, सास, कैचप तथा स्क्वैश की सामान्य जानकारी, उनमें परस्पर अन्तर की जानकारी तथा यह जानना कि कौन सा फल किस वस्तु के लिये तैयार करने में प्रयोग में लाया जाता है।

(3) प्रत्येक प्रकार की वस्तु (जैसे जेली, जैम, अचार आदि) तैयार करने के लिये उनमें प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल (जैसे फल, चीनी, नमक, तेल, घी, मसाले आदि) की सही मात्रा (अनुपात) की जानकारी।

(4) अमरूद की जेली बनाने का अभ्यास।

(5) पपीते का जैम बनाने का अभ्यास।

(6) आम, मिर्चा, कटहल का अचार बनाने का अभ्यास।

(7) गाजर, मूली, शलजम, गोभी, सिंघाड़ा आदि का मिश्रित अचार बनाने का अभ्यास।

(8) आवंले का मुरब्बा बनाने का अभ्यास।

(बीस) रेशम तथा टसर का काम

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि रेशम के कीटों का पालन कर रेशम का धागा प्राप्त किया जा सकता है।

(2) छात्रों में शहतूत के पौधों का उत्पादन करना, शहतूत के पौधों पर रेशम के कीटों का पालन करना, प्यूपा (कोया) एकत्र कर उनसे रेशम का धागा प्राप्त करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) रेशम कीट पालन हेतु आवश्यक उपकरण एवं सामग्रियों की जानकारी सावधानियां एवं सुरक्षा के उपाय।

(2) शहतूत की पत्ती का उत्पादन।

(3) रेशम कीट पालन एवं कोया उत्पादन।

(4) कोये सुखाना एवं कोये की रोलिंग पर धागों (रेशम सूत) का उत्पादन करना।

(5) पत्तियों को ट्रे में धीरे-धीरे डालने का अभ्यास करना जिसमें कोयो को चोट न पहुंचे।

(6) पुरानी पत्तियों को समय से तत्परतापूर्वक ट्रे से हटाते रहना।

(इक्कीस) सुतली तथा टाट-पट्टी का निर्माण

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि सुतली तथा टाट-पट्टी कुटीर उद्योग है जिसमें ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था सुधारने में सहायता मिल सकती है तथा कम पूंजी में इसे प्रारम्भ किया जा सकता है एवं इसके लिए कच्चा माल सुगमता से प्राप्त किया जा सकता है।

(2) छात्रों में सुतली तथा टाट-पट्टी के निर्माण का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) सुतली एवं टाट-पट्टी के निर्माण के लिये आवश्यक उपकरणों, औजारों एवं सामग्रियों की जानकारी सावधानियां एवं सुरक्षा के उपाय।

(2) अच्छे रेशमों की जांच पड़ताल करना तथा रेशों के विभिन्न प्रकारों की जानकारी प्राप्त करना एवं पहचानने का अभ्यास करना।

(3) सुतली कातने तथा उसके 2 प्लाई, 3 प्लाई तथा 4 प्लाई धागों का निर्माण करना।

(4) कच्चे माल को एकत्र करने में बरतने योग्य सावधानियों की जानकारी प्राप्त करना तथा उनका अभ्यास करना।

(बाइस) हाथ से कागज बनाना

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि आधुनिक युग में ज्ञान के विकास तथा उसे सुरक्षित रखने में कागज का महान योगदान है।

(2) छात्रों में हाथ से कागज बनाने के कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम--

(1) हाथ से कागज बनाने में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों तथा कच्चे माल की जानकारी, (क) प्रकृति के पदार्थों से मिलने वाला कच्चा माल, (ख) रद्दी कागज का उपयोग।

(2) कच्चे माल को गलाने तथा साफ करने की विधियों की जानकारी तथा अभ्यास (प्रकृति से प्राप्त होने वाले वस्तुओं को छोटे टुकड़ों में काटना, रासायनिक पदार्थों द्वारा गलाना, उबालना, कुटाई करना, कुंटी हुई लुग्दी में सफेदी लाने का अभ्यास, लुग्दी तथा रासायनिक पदार्थों को अलग करने की विधि)।

(3) तैयार लुग्दी की पहचान का अभ्यास।

(4) तैयार लुग्दी से कागज उठाना।

(5) हाथ से कागज उठाने की विधियां।

(तेइस) फोटाग्राफी

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि विगत स्मृतियों को साकार रूप से सुरक्षित रखने के लिये फोटोग्राफी एक सशक्त माध्यम है।

(2) छात्रों को फोटो खींचने, उसका डेवलपमेन्ट करने, प्रिटिंग तथा एनलार्जमेन्ट करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) निगेटिव फिल्मों को तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी।

(2) फोटोग्राफी के लिए आवश्यक उपकरणों, साज-सज्जा सामग्रियों की जानकारी उसका रख-रखाव तथा आवश्यक सावधानियों की जानकारी, सुरक्षा के नियमों को जानना।

(3) साधारण कैमरा, बाक्स कैमरा, डबल कैमरा, टिबल लेन्स कैमरा की जानकारी, फोल्डिंग कैमरा आदि का प्रयोग करना तथा रख-रखाव, सावधानियों की जानकारी।

(4) कैमरा के मुख्य पुर्जे की जानकारी, उनका प्रयोग तथा सावधानियां।

(5) डार्क रूम की जानकारी, फोटोग्राफी में प्रकाश का महत्व।

(6) फोटो खींचने का अभ्यास, फोटोग्राफी हेतु आकर्षक पोज की स्थिति समझाने की जानकरी तथा अभ्यास (आउट डोर तथा इन्डोर फोटोग्राफी का अभ्यास)।

(7) कैमरे में रील भरने तथा फोटो खींचने के बाद जब भर जाये तो उसे बाहर निकालने के अभ्यास तथा सावधानियां।

(8) कैमरा द्वारा लाइट के अनुरूप इक्सपोजर देने तथा टाइपिंग का अभ्यास।

(9) निगेटिव फिल्म तैयार करने का अभ्यास।

(10) विभिन्न रसायनों से डेवलपर तैयार करना तथा फिल्म को डेवलेप करने का अभ्यास।

(चौबीस) रेडियो मरम्मत

उद्देश्य--

(1) छात्रों को रेडियो, ट्रान्जिस्टर, टेपरिकार्डर तथा टू-इन-वन के बारे में बोध करना।

(2) रेडियो तथा ट्रान्जिस्टर को असेम्बली एवं रिपेयरिंग का कौशल विकसित करना।

(3) टेप रिकार्डर तथा टू-इन-वन की मरम्मत करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) रेडियो तथा इलेक्ट्रानिक का साधारण ज्ञान प्राप्त करना।

(2) विद्युत की सामान्य जानकारी।

(3) रेडियो तथा ट्रान्जिस्टर के प्रकारों की जानकारी।

(4) रेडियो तथा ट्रान्जिस्टर के विभिन्न पार्ट्स तथा उनके कार्यों की जानकारी।

(5) ट्रान्जिस्टर रिसीवर पार्ट्स की जानकारी।

(6) रेडियो तथा ट्रान्जिस्टर के दोषों को ढूढ़ना तथा उनको ठीक करने का अभ्यास।

(पच्चीस) घड़ी मरम्मत

उद्देश्य--

(1) छात्रों में कम लागत में घड़ियों की मरम्मत तथा रख-रखाव की क्षमता का विकास करना।

(2) मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रिकल प्रकार की कलाई घड़ी, टेबुल घड़ी तथा दीवार घड़ी की मरम्मत सर्विसिंग और संयोजन (असेम्बली) का कौशल विकसित करना।

(3) छोटे-छोटे कल-पुर्जों को लेकर किये जाने वाले कार्यों में बरतने योग्य सावधानियों का अभ्यास करना।

पाठ्यक्रम--

(1) घड़ीसाजों के औजारों की पहचान एवं उनके उपयोग करने की विधियों का अभ्यास तथा सावधानियां।

(2) विभिन्न प्रकार की मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल घड़ियों का अध्ययन।

(3) घड़ी के कल-पुर्जों की बनावट एवं कार्य प्रणाली का अध्ययन।

(4) घड़ियों की खुलाई, सफाई, आयलिंग एवं बधाई।

(5) पुर्जों की मरम्मत एवं जांच तथा सही ढंग से नये पार्ट्स की फिटिंग करना।

(6) हेयर स्प्रिंग, टाइम सेटिंग का अभ्यास।

(छब्बीस) चाक एवं मोमबत्ती बनाना

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि कम लागत की पूंजी में चाक एवं मोमबत्ती बनाने का लघु कुटीर उद्योग प्रारम्भ किया जा सकता है जिसकी खपत आस-पास के परिवेश में हो सकती है।

(2) छात्रों में चाक एवं मोमबत्ती बनाने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

चाक एवं मोमबत्ती बनाने के लिये आवश्यक उपकरणों एवं सामग्रियों की जानकारी, सावधानियां एवं सुरक्षा के उपाय।

चाक बनाने हेतु--

(1) चाक बनाने के सांचे (गनमेटल तथा एल्यूमिनियम) की जानकारी, सांचों के कसने के लिये पेच की जानकारी, उनके प्रयोग का अभ्यास।

(2) कच्चे माल (प्लास्टर आफ पेरिस तथा चीनी मिट्टी) की जानकारी तथा प्रयोग विधि की जानकारी एवं अभ्यास।

(3) 10:1 के अनुपात में प्लास्टर आफ पेरिस तथा चीनी मिट्टी मिलाकर आवश्यकतानुसार पानी मिला कर लकड़ी के पतले तख्ते से संमिश्रण को खोदने का अभ्यास करना जिससे वह गाढ़ा लेई सदृश्य तैयार हो जाय।

(4) उपर्युक्त समिश्रण को मोबिल आयल लगे सांचे के छिद्रों में भरना तथा सांचे में 10-15 मिनट तक प्लास्टर आफ पेरिस के सूख जाने पर सांचे को खोलकर चाक को बाहर निकाल कर सुखा लेना।

(5) सूखे हुये चाकों को पैकिंग कर बाजार में विक्रय हेतु तैयार करना।

मोमबत्ती बनाने हेतु--

(1) मोमबत्ती बनाने के लिये एल्यूमिनियम से बने सांचे की जानकारी तथा प्रयोग का अभ्यास।

(2) मोमबत्ती हेतु कच्चे माल-पैराफीन, मोम सूत तथा आयल रंग की जानकारी एवं प्रयोग विधि की जानकारी।

(3) सांचे के पलड़ों को खोलकर रूई की सहायता से अन्दर आयलिंग करना, सांचे में धागा लगाने के स्थान पर धागा लगाना तथा सांचे के पलड़ों को मिलाकर सांचे को बन्द करना।

(4) पैराफीन, मोम को किसी पात्र में आग पर पिघलाकर सांचे के छिद्रों में घोलना तथा सांचे की पूरी तरह से पिघली मोम से भर जाने पर सांचे को ठंडे पानी के टब में डुबाना।

(सत्ताइस) कालीन तथा दरी का निर्माण

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि अवसरों पर बिछाने तथा ड्राइंग रूम को सजाने में कालीन तथा दरी का भारी उपयोग होता है।

(2) छात्रों में कालीन तथा दरी बनाने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) कालीन तथा दरी के निर्माण में प्रयोग होने वाले उपकरण तथा कच्चे माल की जानकारी।

(2) सूत छांटना तथा सूत खोलना।

(3) सूत की कटाई।

(4) तागा लगाना।

(5) दरी बुनाई की तकनीकी की जानकारी व बुनाई का अभ्यास।

(अट्ठाइस) फलों तथा सब्जियों का पौध तैयार करना

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि अच्छी प्रजाति के पौध तैयार कर उनके सही रोपण द्वारा पौधे शीघ्र बढ़ते हैं तथा उनसे उत्पादन भी अधिक होता है।

(2) छात्रों में मौसम के अनुसार सब्जियों तथा फूलों का चयन कर उसकी पौध तैयार करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) पौधों का चयन स्थानीय आवश्यकता एवं सुविधा को रखते हुए मौसम के अनुसार उगाई जाने वाली सब्जियों, फलों तथा फूलों की सूची तैयार करना।

(2) वर्षा काल में लौकी, गोभी, बैंगन, टमाटर, मिर्चा, गुल मेंहदी, जीनिया, गेंदा, पपीता इत्यादि की पौध तैयार करना।

(3) शीतकाल में फूलगोभी, पातगोभी, गांठगोभी, प्याज, कलेण्डुला, डहेलिया, नैस्ट्रोशियन, गुलदावदी, सूरजमुखी इत्यादि की पौध तैयार करना।

(4) ग्रीष्मकाल में कना, कोचिव, पोटूलाका वरगीनिया इत्यादि की पौध तैयार करना।

(5) अक्टूबर, नवम्बर में गुलाब की पौधे तैयार करना।

(उन्तीस) लकड़ी तथा मिट्टी के खिलौने का निर्माण

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना कि लकड़ी तथा मिट्टी के खिलौने बच्चों के लिये आकर्षण के केन्द्र तथा घर पर तथा ड्राइंग रूम सजाने के लिये सुन्दर साधन होते हैं।

(2) छात्रों में लकड़ी तथा मिट्टी के खिलौने के निर्माण का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) लकड़ी के खिलौने बनाने में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों/औजारों तथा कच्चे माल की जानकारी।

(2) औजारों का प्रयोग करने का अभ्यास एवं सावधानियां।

(3) विभिन्न प्रकार के डिजाइनों के अनुसार वन पीस तथा मेनी पीस में लकड़ी के खिलौने तैयार करने का अभ्यास।

(4) लकड़ी के खिलौने पर फिनिशिंग टच देना तथा पालिश करने का अभ्यास।

(5) मिट्टी के खिलौने बनाने के लिये उपयुक्त मिट्टी की जानकारी, चुनाव उसे तैयार करना।

(6) खिलौने के सांचों की प्रयोग की विधि की जानकारी।

(7) सांचे के खिलौने को निकालने, सुखाने तथा भट्टी में उपयुक्त आंच में पकाने की कला जानकारी तथा अभ्यास।

(तीस) बेकरी तथा कन्फेक्शनरी का काम

उद्देश्य--

(1) छात्रों को बोध कराना है कि सामान्यतः नाश्ते में प्रयोग किये जाने वाले बिस्कुट तथा केक आदि सरलता से घर में बनाये जा सकते हैं।

(2) छात्रों को बिस्कुट, केक, पेस्ट्री तथा पावरोटी बनाने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम--

(1) बेकरी तथा कन्फेक्शनरी के काम में उपयोग में आने वाले आवश्यक उपकरणों/औजारों तथा ओवन की जानकारी।

(2) बिस्कुट, केक, पेस्ट्री तथा पावरोटी में प्रयुक्त होने वाली सामग्री तथा उनकी सही मात्रा के अनुपात की जानकारी।

(3) पावरोटी, बनाने की विधियां--स्टेट की विधि, (ख) साल्ट डिलाइट विधि, (ग) नो टाइप की विधि, (घ) स्पेजडी विधि का ज्ञान प्राप्त करना।

(4) ब्रेड बनाने की प्रक्रिया--(1) फ्लाई परमेन्ट, (2) मिक्सिंग, (3) नोडिंग, (4) प्रथम फर्मा, (5) इण्टरमीडिएट प्रूफ, (6) मीलिंग एवं पैडिंग, (7) प्रूफिंग, (8) बेकिंग, (9) कलिंग, (10) स्लाई सिंग तथा (11) रैपिंग।

सामाजिक सेवा

(1) सामान्य व्यवहार की बातें, जैसे--सड़कों पर चलने, वाहन चलाने एवं सार्वजनिक स्थानों पर व्यवहार के नियम।

(2) कक्षा सजावट।

(3) नशाबन्दी एवं धूम्रपान आदि व्यसनों के कुप्रभाव से अवगत कराना।

सामान्य निर्देश

(1) विद्यालय का प्रारम्भ सामूहिक प्रार्थना एवं दैनिक प्रतिज्ञा से होना चाहिए।

(2) प्रार्थना स्थल पर सप्ताह में दो बार प्राधानाचार्य, शिक्षकों, विशेष अतिथियों एवं छात्रों द्वारा नैतिक मूल्यों को जगाने वाले दो मिनट के प्रवचन कराये जायें।

(3) विद्यालय में समय-समय पर अभिनव, लेख, कहानी, सूक्ति, कविता पाइ, अन्त्याक्षरी आदि को प्रतियोगिताओं, महापुरुषों के जन्म दिनों तथा वार्षिकोत्सव एवं राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन किया जाय।

(4) छात्रों को प्रतिदिन निर्धारित व्यायाम एवं योगदान करने के लिये प्रेरित किया जाय।

(5) सामूहिक व्यायाम एवं खेलों का आयोजन किया जाय।

(6) समाज सेवा के कार्य के अन्तर्गत विद्यालय प्रदर्शनी का आयोजन, विद्यालय की सफाई, मरम्मत एवं सजावट तथा पुस्तकालय सेवा जैसे रचनात्मक कार्य भी कराये जाये।

3--मूल्यांकन--

1--उपर्युक्त पाठ्यक्रम का मूल्यांकन पूर्णतया आन्तरिक होगा।

2--प्रत्येक छात्र को एक डायरी रखनी होगी, जिसमें उसके द्वारा दिये गये कार्य नैतिक सत् प्रयास शारीरिक शिक्षा अन्तर्गत किये गये अभ्यासों, कृत समाजोपयोगी, उत्पादक कार्यों एवं सामाजिक के रूप में किये गये प्रयत्नों तथा कार्यों का मासिक विवरण सम्बन्धित अध्यापक द्वारा अंकित हो तथा प्रत्येक माह के अन्त में यह विवरण मूल्यांकन हेतु कक्षाध्यापक के माध्यम से प्रधानाचार्य के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

3--मूल्यांकन के आधार पर इसमें तीन श्रेणियां ए, बी, सी प्रदान की जायेगी। जिन छात्रों ने कार्य न पूरा किया हो तो उन्हें तब तक सामान्य परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित नहीं किया जायेगा, जब तक कि निर्धारित कार्य पूरा न कर लें जो छात्र उपर्युक्त तीनों श्रेणियों में से किसी भी श्रेणी के योग्य नहीं पाये जायेंगे, उनकी विवरण पुस्तिका (डायरी) में तद्नुसार प्रविष्टि कर दी जायेगी तथा ऐसा छात्र मुख्य परीक्षा में बैठने के लिए अर्ह न होगा।

निर्धारित पुस्तकें--

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालय के प्रधान सम्बन्धित विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपर्युक्त पुस्तक का चयन कर लें।

पूर्व व्यावसायिक का पाठ्यक्रम

कक्षा–9

(1) ट्रेड--टेक्सटाइल डिजाइन

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार--लघु उद्योग की परिभाषा, सीमाएं तथा लाभ राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओ का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार के संचालन का ज्ञान, विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई 3--छपाई, रंगाई व पेंटिग में प्रयोग कर सकते हैं।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

पूर्व व्यावसायिक का पाठ्यक्रम

(1) ट्रेड--टेक्सटाइल डिजाइन

पाठ्यक्रम

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(क) उद्यमिता बोध--उद्यम एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाओं उद्यमिता मूल्य एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई 2--

(क) टेक्सटइल परिचय--रेश, धागा, कपड़े का सामान्य ज्ञान।

(ख) टेक्सटाइल से सम्बन्धित डिजाइन का अध्ययन--बुनाई, रंगाई, छपाई, वाश, पेंटिग का साधारण नमूना तैयार करना।

इकाई 3--

(क) डिजाइन तैयार करने के मूलभूत सिद्धान्त तथा प्रारम्भिक डिजाइन का प्रमुख नमूना तैयार करना।

(ख) डिजाइन में रंगों एवं रंग योजना प्रयोग। विभिन्न प्रकार के डिजाइन अवधारणा का निर्माण करना।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(1) रेशों की पहचान--सूती, ऊनी, रेशमी। परीक्षण विधि--मौलिक, जलाकर।

(2) कपड़े/धागे की रंगाई, छपाई के लिए तैयार करना। उबालना, विरंजन करना--मारकीन और कच्चा सूत।

(3) नमक के रंगों से छपाई करना--रूमाल या दुपट्टा कपड़ा--सूती कपड़ा/धागा।

(4) नप्थोल रंग से रंगाई करना--तीन गहरे रंग का प्रयोग, इन रंगों का प्रयोग पर्दे इत्यादि पर किया जा सकता है।

(5) ठप्पे (कपड़ों के) द्वारा छपाई--मेजपोश, रूमाल, तकिया का गिलाफ। कपड़ा--सूती।

पुस्तकों की सूची

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक
1	2	3	4
1	वस्त्र विज्ञान के मूल सिद्धान्त	जे0 पी0 शैरी	विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
2	वस्त्र विज्ञान एवं परिवार (तृतीय संस्करण)	प्रो0 प्रमिला वर्मा	यूनिवर्सल बुक डिपो, लखनऊ।
3	हाउस होल्ड टेक्सटाइल	दुर्गादत्त	बुक कम्पनी, नई दिल्ली।
4	टेक्सटाइल केयर एण्ड डिजाइन	एन0 सी0 ई0 आर0 टी0 एक्सप्लेनर, इन्स्ट्रक्शनल, मैटेरियल फार क्लासेज, दिल्ली IX-X	एस0 सी0 ई0 आर0 टी0, नई दिल्ली।

कक्षा–9

(2) ट्रेड--पुस्तकालय विज्ञान

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार--लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ। राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग सहायक सरकारी तथा गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान, विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(2) ट्रेड--पुस्तकालय विज्ञान

सैद्धान्तिक (लिखित परीक्षा)

1--(क) उद्यमिता बोध--उद्यम, उद्यमती एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या। वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनायें। उद्यमिता मूल्य एवं उद्यमिता के गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

2--पुस्तकालय का परिचय, परिभाषा, उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व, पुस्तकालयों के विभिन्न प्रकार (रूप) पुस्तकालय विज्ञान के पांच सिद्धान्तों की अवधारणा।

3--पुस्तकालय उपकरण उपस्कर एवं साज-सज्जा।

4--पुस्तकालय अध्ययन--सामग्री की अवाप्ति प्रक्रिया, उनके उपयोग हेतु सुनियोजन, फलक व्यवस्था तथा प्रदायक सेवा। प्रतिकाओं का अभिलेख एवं रख-रखाव।

प्रयोगात्मक

(1) लघु प्रयोगः

पुस्तकालयों के निम्नलिखित उपकरणों का प्रारूप तैयार करना--

बुक-प्लेट, बुक-लेबिल, तिथि-पत्रों, पुस्तक-पत्र, पुस्तक-पाकेट, पुस्तकालय-पत्रक, सूची-पत्रक, सूचना निर्देशक-पत्र, तिथि निर्देशक, बुक सपोर्टर।

(2) दीर्घ प्रयोगः

(क) पुस्ताकलय के निम्नलिखित उपस्करों एवं उपकरणों का प्रारूप (डिजाइन तैयार करना)--

परिग्रहण-पंजिका, समाचार-पत्र तथा पत्रिका-पंजिका, निर्गम पंजिका, कैटलाग, कैबिनेट चार्जिंग ट्रे, डिसप्ले, रेक, एटलस, स्टैण्ड, शब्दकोष स्टैण्ड।

पुस्तकों की मरम्मत, जुजबन्दी एवं सादी सिलाई द्वारा जिल्दबन्दी करना।

(ख) वर्गीकरण एवं सूचीकरण प्रायोगिक का मूल्यांकन, सत्रीय कार्य के अन्तर्गत (आगे उल्लिखित क्रम संख्या 4 एवं 5 पर आधारित कार्य करना)।

(1) सत्रीय कार्य--

छात्र कक्षा 9 में निम्नलिखित कार्य करेंगे और उनका अभिलेख तैयार कर सत्रीय कार्य के मूल्यांकन हेतु सुरक्षित रखेंगे :

1--पचास पुस्तकों की परिग्रहण पंजिका में प्रविष्टि।

2--पांच पुस्तकों का उपयोग हेतु सुनियोजन।

3--पत्र-पत्रिका से पांच समाचार-पत्र तथा दस पत्रिकाओं की प्रविष्टि।

4--सौ पुस्तकों का ड्यूई दशमलव वर्गीकरण पद्धति से तीन अंकों तक का वर्गांक बनाना।

5--पचीस पुस्तकों के मुख्य, अतिरिक्त एवं अन्तर्देशी संलेख को पत्रक स्वरूप सूचीकरण ए0ए0सी0आर0-2 के अनुसार बनाना।

(2) व्यावहारिक अध्ययन--

1--छात्र द्वारा किन्ही दो पुस्तकालयों की कार्य-प्रणाली का ज्ञान प्राप्त कर दस पृष्ठों की आख्या प्रस्तुत करना।

2--किसी जिल्दसाज की दुकान पर भौतिक ग्रन्थ विज्ञान एवं जिल्दसाजी का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना एवं किये गये कार्य का विवरण प्रस्तुत करना।

3--ड्यूई दशमलव वर्गीकरण पद्धति के तृतीय सारांश में प्रयुक्त पदो ंके हिन्दी समानार्थी शब्दों का ज्ञान।

निर्धारित पुस्तकें--

कोई भी पुस्तक निर्धारित एवं संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के सम्बन्धित विषय के अध्यापक पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तकों का चयन कर लें।

कक्षा–9

(3) ट्रेड--पाकशास्त्र (कुकरी)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(ख) लघु उद्योग एवं रोजगार--लघु उद्योग की परिभाषा, सीमाएं तथा लाभ राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान, विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(3) ट्रेड--पाकशास्त्र (कुकरी)

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(क) उद्यमिता बोध--उद्यम एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावना में उद्यमिता मूल्य एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई 2--

(1) पाक कला की परिभाषा, उत्पत्ति एवं उद्देश्य।

(2) पाकशास्त्र की शब्दावली--

एरोमेट्स	म्लीचिंग	रिशेफ
वैटर	कांगूलेट	शटनिंग
वोटिंग	क्रोटोस	विपिंग
फैरामेल	डो	जूलियन
कुजीन	ग्लूटेन	रेजिंग एजेन्ट्स
गार्निज	आदव	रु0
आग्रटिन	मिन्स	सांटे

इकाई 3--

1--कच्ची खाद्य सामग्रियों का परिचय एवं उनको खरीदते समय ध्यान देने योग्य मानक--नमक, द्रव तेल एवं वसा, रेजिंग एजेन्ट्स, मिठास देने वाले पदार्थ, गाढ़ापन देने वाले पदार्थ, अण्डा, अनाज, दालें, सब्जियां, मांस, मछली।

2--भोजन पकाने की विधियां--उबालना, पोचिंग, ब्रेजिंग, भाप द्वारा पकाना, स्ट्यूइंग, फ्राइंग, रोप्टिस, ग्रिलिंग या बालिंग, बेंकिग या ग्रिडलिंग।

प्रयोगात्मक

(1) भारतीय व्यंजन (खाद्य उत्पाद)--

1--चावल--वेजिटेबिल पुलाव, प्लेन फ्राइड राइस, कोकोनट मली राइस, बिरयानी।

2--रोटी--मिस्सी रोटी, भरवी पराठा, नान, कचौड़ी।

3--दाल--दाल मक्खनी, सूखी मसाला दाल।

4--सब्जी--बेजिटेविल कोफ्ता, वेजिटेबिल कोरमा, भरवा शिमला मिर्च या टमाटर, पनीर पंसादीबा, सूखी सब्जी।

5--मांस--कोरमा, शामी कबाव, रोगनजोश, मटर कीमा, मटर चिकन।
6--रायता--बूंदी, खीरा, टमाटर, आलू।
7--सलाद--सलाद काटना, सजाना।
8--मीठा--गुलाब जामुन, रसगुल्ले, बर्फी, फिरनी।
9--स्नैक्स--समोसा कटलेट्स, वेजिटेबल रोल्स, वेजिटेबल कबाव।
10--पेय पदार्थ--चाय, काफी, कोल्ड काफी, लस्सी।
11--अण्डा--एगकरी, आमलेट, स्क्रैम्बल्ड एग, पोच एग।

(2) पाश्चात्य व्यंजन--

1--सूप--क्रीम आफ टोमैटो सूप, धुली मसूर की दाल का सूप, मिक्सड वेजिटेबल सूप।
2--वेजिटेबल--बैक्ड वेजिटेबल, बैक्ड पोर्ट टी, साटे पोज, क्रीम्ड कैरट्स।
3--मीट एवं मछली--आइरिस स्ट्यू, वैक्ट फिश, फिशफिंगर्स।
4--चायनीज--चाऊमीन, चायनीज फ्राइज्ड राइस।
5--पुडिंग्स--ब्रेड बटर पुडिंग, कैरेमल कस्टर्ड फ्रूट क्रीम।

(3) प्रान्तीय--

उत्तर भारतीय--छोले भटूरे, फिश लाई ढोकला।
दक्षिण भारतीय--इडली, ढोसा, सांभर, नारियल चटनी।

पुस्तकों की सूची

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम व पता
1	2	3	4
1	भारतीय एवं पाश्चात्य पाकशास्त्र के सिद्धान्त एवं व्यंजन विधियां	सुश्री अनुपम चौहान	हिन्दी प्रचारक संस्थान, पो0 बा0 नं0-1106 पिशाच मोचन, वाराणसी।
2	आहार एवं पोषण विज्ञान	श्रीमती ऊषा टंडन	स्वास्तिक प्रकाशन एवं पुस्तक विक्रेता, अस्पताल मार्ग, आगरा।

कक्षा–9

(4) टेड्र--छाया चित्रण (फोटाग्राफी)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

सैद्धान्तिक--

2(क) लेन्सों में दोष--वर्णीय (क्रोमेटिक) एंव गोलीय, दोषों का निवारण : नार्मल वाइड एंगिल तथा टेलीफोटो लेन्स।
(ख) अपरचर या द्वाराक--कार्य, विभिन्न प्रकार, रचना, संख्या।
(ग) शट या कपाट--कार्य, विभिन्न प्रकार जैसे, लीफ/ब्लेड शटर फोकल प्लेन आदि उनकी रचना।
(3) धीमा स्लो (धीमा), मध्यम (मीडियम) तथा तेज (फास्ट) फिल्में।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(4) टेड्र--छाया चित्रण (फोटाग्राफी)

सैद्धान्तिक--

(1) [क] उद्यमिता बोध--उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं संभावनाएं। उद्यमिता मूल्य एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

[ख] लघु उद्योग एवं स्वरोजगार--लघु उद्योग की परिभाषा, सीमाएं तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, रक्त प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं को संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

(2) फोटोग्राफी--परिचय, संक्षिप्त इतिहास उपयोगिता--

1--कैमरों के प्रकार, पिन, होल, घुक्स, फोल्डिंग, रिफ्लैक्स, फील्ड कैमरा, मिनिएचर (लघु) तथा सब मिनिएचर (अति लघु)।
2--कैमरा के विभिन्न अंग--

(क) लेन्स--विभिन्न प्रकार के लेन्स, फोकल बिन्दु, फोकल दूरी, साधारण लेन्सों द्वारा वस्तु के बिम्ब का बनाना। क्षेत्र की गहनता रेखाचित्र द्वारा समझना।

(घ) दृश्यदर्शी (Veiw find), सीधा दृश्यदर्शी, दर्पण ग्राउन्ड ग्लास (घिसा हुआ कांच) तथा दर्पण पटा प्रिज्म दृश्यदर्शी।

(ङ) फिल्म प्रकोष्ठ (Film chamber) रचना, फिल्म की हाथ द्वारा (मैनुअल) तथा आटोमेटिक बाइंडिंग।

(3) फोटोग्राफिक फिल्म तथा पेपर, प्रकाशन संवेदनशील पदार्थ, फोटोग्राफिक फिल्म तथा पेपर की संरचना तथा उनके प्रकार। फिल्मों की गति व्यक्त करने के लिए ए0एस0ए0 तथा डिम (Dim) पद्धति। पैक्रोमेटिक तथा आर्थोक्रोमेटिक फिल्में तथा पेपर। पेपर के विभिन्न ग्रेड एवं वेट, विभिन्न प्रकार की फिल्में।

प्रयोगात्मक

प्रयोगात्मक लघु--

1--कैमरे (बाक्स) की संरचना का अध्ययन कीजिए एवं चित्र खीचिंए (सभी भागों का नाम लिखिए)।

2--कैमरे (बाक्स) का संचालन सीखना।

3--कैमरे के साथ उपयोग होने वाले फ्लेश, एक्सपोजर, मोटर ट्राइपाड स्ट्रेन्ड इत्यादि का अध्ययन।

4--किसी निगेटिव का कान्ट्रेक्ट प्रिन्ट बनाना।

5--किसी निगेटिव का एनलार्जमेन्ट बनाना।

6--किसी प्रिन्ट की टूनिंग तथा ग्लेजिंग तथा पेस्टिंग करना।

7--पीले फिल्टर का प्रयोग कर फोटो लेना।

8--बनाने के बाद प्रिन्ट के defect (त्रुटियों) का अध्ययन तथा साधारण त्रुटियों को दूर करना।

प्रयोगात्मक दीर्घ--

1--कैमरे के शटर स्पीड एवं एपन्चर का उद्भासन (एक्सपेजर) समय पर प्रभाव का अध्ययन, फोटो खींच कर करना।

2--फोटो खींचकर या रेफ्लेक्स कैमरे द्वारा Aperture का फोकस की गहनता, depth तथा Sharpness पर प्रकाश का अध्ययन करना।

3--एनलारजर की रचना एवं संचालन का अध्ययन करना, सही उद्भासन समय निकालना एवं लीवर/अन्डर एक्सपोजर का अध्ययन।

4--निगेटिव के ग्रेड का अध्ययन तथा प्रिन्ट के लिए विभिन्न पेपर ग्रेड के भाव का अध्ययन।

5--उद्भासन समय पर फिल्म की गति के प्रभाव का अध्ययन।

6--चित्र के कम्पोजीशन का अध्ययन करना।

7--बच्चे, महिला एवं वृद्ध के पोर्ट्रेट खींचना।

8--लैण्ड स्केप फोटो खींचना।

9--डार्क रूम के साज सामान तथा ले-आउट का अध्ययन करना।

10--डेवलपमेन्ट टाइप का चित्र पर प्रभाव एवं ओवर/अन्डर डेवलपमेन्ट का अध्ययन।

11--बाक्स कैमरे द्वारा कम से कम एक कलर फोटो लेना तथा अध्ययन करना।

12--किसी विषय पर प्रोजेक्ट Project करना, जैसे पोर्ट्रेट, लैण्ड स्कैप।

पुस्तकों की सूची

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम व पता
1	2	3	4
1	डायमण्ड कम्पलीट फोटोग्राफी	श्रीकृष्ण श्रीवास्तव	डायमण्ड पाकेट बुक्स, दिल्ली वितरक--विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2	फोटोग्राफी सहज पार्ट	अशोक डे	इण्डियन क्टिोरियल, पब्लिशर्स, कलकत्ता। वितरक--विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3	ट्रिक फोटोग्राफी एण्ड कलर प्रासेसिंग	ए0 एच0 हाशमी	युनिवर्सल बुक सेन्टर, लखनऊ।
4	प्रैक्टिकल फोटोग्राफी	ए0 एच0 हाशमी	तदैव
5	गुड फोटोग्राफी	कोडक	यूनिवर्सल बुकसेलर, लखनऊ।
6	फोटोग्राफी स्पोट्र्स	कोडक	तदेव
7	मोविमेकर एच0 बी0	कोडक	यूनिवर्सल बुकसेलर, लखनऊ।
8	दी होम वीडियो पिक्चर	कोडक	तदेव
9	फोकल गाइड टू ट्रेडिंग	कोडक	तदेव
10	फोकल गाइड मूवी मेकिंग	कोडक	तदेव
11	दी फोकल गाइड टू साइड टेंड	कोडक	तदेव
12	दी फोकल गाइड टू एक्शन फोटोग्राफी	कोडक	तदेव
13	दी पाकेट गाइड टू फोटोग्राफी	कोडक	तदेव
14	गाइड टू परफेक्ट पिक्चर	कोडक	तदेव
15	वे आफ प्रैक्टिकल फोटोग्राफी	कोडक	तदेव

कक्षा–9

(5) ट्रेड-बेकिंग एवं कनफेक्शनरी

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(2) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार--

लघु उद्योग की परिभाषा, सीमाएं तथा लाभ। राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार के संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगर की योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(5) ट्रेड-बेकिंग एवं कनफेक्शनरी

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(1) उद्यमिता बोध--

उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं, उद्यमिता मूल्य एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई 2--

(1) बेकरी विज्ञान का ज्ञान, महत्व एवं उद्देश्य।
(2) बेकरी उपकरणों का संक्षिप्त ज्ञान, बेकरी ओवन एवं भट्ठी।
(3) बेकरी तकनीकी शब्दावली।
(4) [क] ब्रेड बनाने की विधियों के नाम,
[ख] स्ट्रेट डी विधि से ब्रेड बनाने का विस्तृत तरीका,
[ग] ब्रेड बनाने की विभिन्न प्रक्रियाओं का संक्षिप्त ज्ञान,
[घ] ब्रेड की बीमारियों के नाम व बचाव।

इकाई 3--

बेकरी व कन्फेक्शनरी में प्रयुक्त होने वाले कच्ची सामग्री का संक्षिप्त ज्ञान (मैदा, चीनी, घी, अण्डा, ईष्ता नमक, पानी, दूध, बेकिंग पाउडर, सुगन्ध, रंग, कोको एवं चाकलेट, सोयाबीन, आटा (मक्का आटा))।

प्रयोगात्मक--

लघु प्रयोग--

1--कोकोनट कुकीज
2--कैश्यूनट कुकीज
3--कैश्यूनट बिस्कुट
4--जीरा बिस्कुट
5--बटर स्पंज केक
6--स्वीस रोल
7--डैकोरेटिव पेस्ट्री
8--रायल नाइसिंग, क्रीम आइसिंग
9--गम पेस्ट
10--मिल्क टाफी

दीर्घ प्रयोग--

1--ब्रेड स्टेट डी विधि से
2--फ्रूट बन्स
3--स्वीट बन्स
4--ब्रेड रोल
5--फ्रूट केक
6--वेजीटेबिल पैटीज
7--हाटक्रास बन्स
8--पाइन एपिल पेस्ट्री
9--बर्थडे केक (विव आइसिंग)

पुस्तकों की सूची

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम	मूल्य
1	2	3	4	5
				रुपया
1	अप-टू-डेट कन्फेक्शनरी इण्डस्ट्रीज	. .	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	30.00
2	दी सुगम बुक आफ बेकिंग	. .	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	20.00
3	बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी सिद्धान्त एवं विधियां	सुश्री अति उत्तमा चौहान	हिन्दी प्रचारक संस्थान, मी0 21/20, पिशाचमोचन, वाराणसी-221010, पो0 बा0-1106, पिशाचमोचन, वाराणसी	50.00
4	किचन गाइड	. .	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	70.00
5	बेकिंग	बी0 एन0 अग्निहोत्री	कृषि साहित्य प्रकाशक, नरही, लखनऊ	50.00
6	बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी	राम किशोर अग्रवाल	भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ 142, विजय नगर, वेस्ट कचहरी रोड, मेरठ	85.00

कक्षा–9

(6) ट्रेड--मधुमक्खी पालन

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार--लघु उद्योग की परिभाषा, सीमाएं तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, तथा लघु उद्योग में सहायक सहकारी एवं गैर सरकारी एजेसियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार के संचालन का ज्ञान, विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई 3--

2-मौन प्रबन्ध (हनी बी मैनेजमेन्ट) की परिभाषा, साधारण एवं ऋतु के अनुसार मौन प्रबन्ध की देख-रेख, प्राकृतिक मधुमक्खी परिवार को मौन गृह में बसाना। बगछूट, घर छूट, लूटपाट, कर्मठ मौन की पहचान, नियंत्रण के उपाय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(6) ट्रेड--मधुमक्खी पालन

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(क) उद्यमिता शोध--उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं उद्यमिता मूल्य एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई 2--

मौन पालन की परिभाषा, व्यक्ति समाज एवं राष्ट्र के लिए महत्व तथा भारत वर्ष में एवं इस प्रदेश में मधुमक्खी पालन का इतिहास एवं विकास की सम्भावनाएं।

जन्तु जगत में मौन (मधुमक्खी) का जैविक स्थान। देश में पायी जाने वाली मधुमक्खी की जातियों की पहचान, स्वभाव, सामान्य व्यवहार, तुलनात्मक अध्ययन एवं उपयोगिता।

इकाई 3--

(1) मधुमक्खी की शरीर की वाह्य रचना, सिर, धड़ एवं उदर तथा प्रत्येक खण्ड में पाये जाने वाले अंग जैसे मुखांग, स्पर्शन्द्रिय, (एन्टिना) आंख, पंख, मौन ग्रन्थियां, पेट तथा डंक की पहचान एवं उपयोगिता।

1-मधुमक्खी का विकास, मौन का जीवन चक्र, मौन परिवार का संगठन, कमेरी, नर एवं नारी की पहचान तथा उनके छत्तों की पहचान एवं उनके कार्य।

प्रयोगात्मक

(क) दीर्घ प्रयोग--

1--विभिन्न मधुमक्खी की जातियों की पहचान कराना और अभ्यास पुस्तिका पर उनका चित्र बनाना।

2--मौन की जीवन-चक्र (अण्डा, लार्वा, प्यूपा एवं वयस्क) की पहचान कराना।

3--मधुमक्खी के वाह्य शरीर का चित्र बनाना और उसके प्रत्येक अंगों की प्रयोगात्मक कार्य कराना।

4--मौन परिवार में प्रत्येक सदस्य (कमेरी, नर और नारी) की पहचान कराना।

5--भारतीय एवं इटैलियन मौन गृह निर्माण के सिद्धान्त (सीमान्तर) आकार को बताना।

6--मधु निष्कासन यन्त्र का चित्र बनवाना तथा शहद निकालने की विधि का प्रयोगात्मक कार्य कराना।

7--मौसमवार फूलों का सर्वे कराना तथा इसकी पर-परागण क्रियाओं में मौनों का योगदान को बताना एवं पुष्प संग्रह कराना।

(ख) लघु प्रयोग--

1--रानी, कमेरी एवं नर के छत्तों की पहचान कराना।

2--तलपट, शिशु खंड, मधु खण्ड, डमी, इनर कवर, ऊपर ढक्कन, फ्रेम की पहचान कराना।

3--मधुमक्खी के शत्रु बर्रे, मोमी पतंगा, छिपकली, चीटें, हानिकारक पक्षियों की पहचान कराना।

4--क्वीन केच, न्यूक्लियस, मौन वाहक पिंजड़ा, हाइव टूल, मुहरक्षक, जाली, दस्ताने, प्यालियां, क्वीन गेट इत्यादि उपकरणों की पहचान कराना।

5--विभिन्न प्रकार के शहद जैसे सरसों, यूक्लिपट्स, शहजन, नीबू प्रजाति, सूरजमुखी, बेर, लीची, नीम एवं मिश्रित फलों की शहद की पहचान कराना।

पुस्तकों की सूची

1--प्रारम्भिक मौन पालन	ले0 योगेश्वर सिंह
2--प्राइमारी लेशन आफ बी कीपिंग	. .
3--बी कीपिंग आफ इण्डिया	डा0 सरदार सिंह
4--सफल मौन पालन	श्री बच्ची सिंह राव
5--रोचक मौन पालन	. .
6--मौन पालन प्रश्नोत्तरी	. .
7--मधु मक्खी की मनोहारी बाजार	डा0 विष्ठ (आई0 सी0 आई0 प्रकाशन)
8--रोगों के अचूक दवा शहद	डा0 हीरा लाल

कक्षा–9

(7) ट्रेड--पौधशाला

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार--लघु उद्योग की परिभाषा, सीमाएं तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक सहकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार के संचालन का ज्ञान, विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई 3-- 3--वानिकी की सामान्य जानकारी तथा वानिकी वृक्षों की पौध तैयार करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(7) ट्रेड--पौधशाला

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(क) उद्यमिता बोध--उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषायें एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं उद्यमिता मूल्य एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई 2--

पौधशाला--परिचय, परिभाषा, महत्व, वर्तमान दशा एवं भविष्य। पौधशाला के लिए स्थान का चुनाव, भूमि की तैयारी तथा रेखांकन एवं उनके विभिन्न अंगों तथा मातृ, वृक्ष, क्षेत्र, गमला क्षेत्र, प्रतिरोपण क्षेत्रों तथा प्रवर्धन क्षेत्र का ज्ञान।

1--पौधशाला के दैनिक कार्य उपकरण एवं आवश्यक सामग्री की जानकारी।

2--भूमि, खाद, भू-परिष्करण की सामान्य जानकारी।

इकाई 3--

1--बीज शैय्या--परिचय, लाभ, हानि, बीज शैय्या तैयार करने की विधि, आकार, निर्धारण, मिट्टी की भूमि शोधन, खाद, सिंचाई, जल निकास एवं देखभाल।

2--एक वर्षीय, बहुवर्षीय सब्जियों तथा शोभाकार पौधों की पौध तैयार करने की विधि का अध्ययन।

4--पौधों की सिंचाई, जल निकास, निराई-गुड़ाई एवं फसल सुरक्षा की विधियों की जानकारी।

प्रयोगात्मक

(अ) लघु प्रयोग--

1--गमला मापन।
2--गमला भरना।
3--बीजों की पहचान।
4--बीजों की शुद्धता की जांच।
5--उपकरणों की पहचान।
6--पौधों (सब्जी, फलदार, फूल, शोभकार तथा छायादार) एवं वानिकी पौधों की पहचान।
7--खाद एवं उर्वरकों की पहचान।
8--मिट्टी की पहचान।

(ब) दीर्घ प्रयोग--

1--आदर्श नमूना बरसदी का रेखांकन।
2--बीज शैय्या बनाना।
3--ऋतुवार बीज शैय्या बनाना।
4--ऋतुवार गमला मिश्रण तैयार करना।
5--तना, कलम तैयार करना।
6--बूटी लगाना।
7--कलिकायन से पौधे तैयार करना।
8--भेड़ कलम से पौधे तैयार करना।
9--पौध रोपण।
10--गमले एवं क्यारी से पौधे निकालना।
11--पौधबन्दी (पैकिंग करना)
12--पौधशाला भ्रमण।
13--अभिलेख तथा आय-व्यय तैयार करना।

पुस्तकों की सूची

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक
1	2	3	4
1	भारत में फलों की खेती	डा0 एम0 एल0 लावनिया	सिंघल बुक डिपो, बड़ौत, मेरठ।
2	सब्जियां एवं पुष्प उत्पादन	डा0 के0 एन0 दुबे	भारती भण्डार, बड़ौत, मेरठ।
3	पौधशाला प्रौद्योगिकी	डा0 ओमपाल सिंह	अलंकार पुस्तक भवन, बड़ौत, मेरठ।
4	पौधशाला व्यवसाय	श्री कोठारी एवं श्री ए0 बी0 श्रीवास्तव	रंजना प्रकाशन मन्दिर, आगरा।
5	नर्सरी मैनुअल	डा0 गौरी शंकर	इलाहाबाद।
6	फल विज्ञान	डा0 रामनाथ सिंह	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।
7	उद्यान विज्ञान	श्री गंगा महेश मिश्र	राम नारायन लाल, इलाहाबाद।

(कक्षा–9)

8–आटोमोबाइल

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–2 भारत में स्थापित विभिन्न आटोमोबाइल उद्योग एवं उनके उत्पाद।

इकाई–3 नियंत्रण प्रणाली, बाडी, दरवाजे, सीट, डिक्की, कार्य एवं उपयोग।

विभिन्न प्रकार के आटोमोबाइल का परिचय–कार, जीप, ट्रैक्टर, बस, ट्रक, आटोरिक्शा/टैम्पों, स्कूटर, मोटर साइकिल, मोपेड आदि, ट्रेड नाम, मेक, क्षमता एवं निर्माता, विशिष्टियां तथा तकनीकी डाटा।

इकाई–4 पेट्रोल, डीजल एवं गैस इंजन, कम्प्रेशन रेशियो का महत्व एवं दक्षता।

इकाई–5 प्रणाली (कार्बोयूरेटर एवं इन्जक्टर) इग्नीशन प्रणाली,, स्टार्टिंग प्रणाली, शक्ति संचालन प्रणाली, स्टीयरिंग प्रणाली, कार्य एवं पहचान।

इकाई–6 मरम्मत कार्य के दौरान सुरक्षा,

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

8–आटोमोबाइल

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 50 अंक

इकाई–1 **07 अंक**

उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, उद्यमी के गुण एवं विकास, स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनायें।

लघु उद्योग की परिभाषा, महत्व तथा विशेषताएं, लघु उद्योग लगाने के पद, सहायक सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के नाम एवं कार्य, विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई–2 **07 अंक**

आटोमोबाइल का इतिहास एवं क्रमिक विकास, विभिन्न प्रकार के आटोमोबाइल का वर्गीकरण।

इकाई–3 **12 अंक**

आटोमोबाइल के मुख्य भाग–फ्रेम, सस्पेंशन, धुरी, पहिया, चेचिस, टायर, इंजन, पारेषण प्रणाली, आदि की पहचान

इकाई–4 **08 अंक**

आटोमोबाइल में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के इंजन–कार्य सिद्धान्त,

इकाई–5 **12 अंक**

आटोमोबाइल की विभिन्न प्रणालियों की जानकारी–ईंधन सप्लाई शीतलन प्रणाली, ब्रेक प्रणाली आदि का सामान्य परिचय

इकाई–6 **04 अंक**

सुरक्षा की सामान्य बातें तथा व्यक्तिगत सुरक्षा।

प्रोजेक्ट कार्य **पूर्णांक 50 अंक**

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

(1) कार/बस/स्कूटर/ट्रक मोटरसाईकल एवं मोपेड का अध्ययन करना।
(2) शोरूम एवं गैराज का भ्रमण कराना एवं उनके चित्र बनाना।
(3) मरम्मत करने वाले औजारों की सूची एवं उनके चित्र बनाना।
(4) इंजन में स्नेहन एवं सफाई का अध्ययन करना।
(5) अन्तर्दहन इंजन के मॉडल का अध्ययन (डीजल/पेट्रोल)।
(6) विभिन्न आटो व्हीकिल्स के चेचिस का अध्ययन करना तथा उनके रेखा चित्र खींचना।
(7) इंजन को स्टार्ट एवं बन्द करने का अध्ययन करना।
(8) बाडी व्यवस्था का अध्ययन करना।
(9) शाक एब्जार्बर का अध्ययन करना।
(10) बाजार से सामग्री क्रय करने का अभ्यास करना।

संस्तुत पुस्तकें

(1) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	कृष्णानन्द शर्मा
(2) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	सी0बी0 गुप्ता
(3) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	धनपत राय एण्ड शुक्ला
(4) बेसिक आटोमोबाइल	सी0पी0 बक्स

कक्षा–9

(9) ट्रेड--धुलाई रंगाई

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार--

लघु उद्योग की परिभाषा, सीमाएं तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार के संचालन का ज्ञान, विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई 2--

(5) रंगने के बाद कपड़ों की फिनिशिंग--

[क] माड़ी लगाना।

[ख] तनाव देना।

[ग] चरक।

[घ] इस्तरी।

[ङ] तह लगाना।

इकाई 3--

(5) विभिन्न प्रकार की माड़ी तथा नील देना।

(6) विभिन्न प्रकार के धब्बे छुड़ाना--

चाय, काफी, चाकलेट, अण्डा, रक्त, हल्दी, तेल, कालिख, जंक, पान।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(9) ट्रेड--धुलाई रंगाई

पाठ्यक्रम सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(क) उद्यमिता बोध--

उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं उद्यमिता मूल्य एवं उद्यमिता गुणों की आख्या एवं उद्यमिता प्रक्रिया।

इकाई 2--

(1) तन्तुओं का वर्गीकरण तथा उनकी पहचान करना (और जलाकर), सूती, ऊनी, रेशमी, बयान, पालीस्टर।

(2) धागों का वर्गीकरण तथ उनका ज्ञान--साधारण, प्लाई, फैन्सी।

(3) विभिन्न रंगों का विभिन्न कपड़ों के लिये आवश्यकता।

(4) कपड़ों को रंगने से पहले उनको तैयार करना।

[क] उबालना।

[ख] विरंजन करना।

इकाई 3--

(1) धुलाई का उद्देश्य एवं महत्व।

(2) धुलाई का सिद्धान्त, तकनीक के सुझाव तथा आवश्यक सावधानियां।

(3) धुलाई के उपकरण (प्राचीन या आधुनिक)।

(4) प्रारम्भिक धुलाई एवं पारम्परिक धुलाई।

प्रयोगात्मक

(1) विभिन्न वस्तुओं का संग्रह एवं पहचानना (देखकर जलाकर) :

[क] वनस्पति तन्तु।

[ख] पशु से प्राप्त होने वाला तन्तु।

[ग] खनिज तन्तु।

[घ] कृत्रिम तन्तु।

(2) विभिन्न धागों का संग्रह--साधारण प्लाई।

(3) विभिन्न प्रकार के वस्त्रों और शेड कार्ड को संग्रहीत करके फाइल बनाना।

(4) विभिन्न प्रकार के कपड़ों को रंगना (15 इंचX15 इंच) (सूती, रेशमी, ऊनी, कृत्रिम कपड़े, धोना, सुखाना प्रेस व तह लगाना)।

(5) नील लगाना, कलफ लगाना।

(6) दाग छुड़ाना--

(1) चाय

(2) काफी

(3) हल्दी

(4) जंक

(5) रक्त

(6) मशीन का तेल
(7) स्याही
(8) अण्डा
(9) पान
(10) ग्रीस

(7) धागे को रंगना--सूती, ऊनी।
(8) डायरेक्ट रंगों के विभिन्न रंगों के मिश्रण द्वारा डिजाइन बनाना--6 नमूने (15 इंचX15 इंच) टाइ एण्ड डाई प्रिटिंग द्वारा।
(9) नेप्थाल रंगों के द्वारा एक नमूना तैयार करना (15 इंचX15 इंच)।
(10) फेडिंग परीक्षण सूती, ऊनी, रेशमी, रेयान (4 इंचX4 इंच)।
(11) सूखी धुलाई--शाल, स्वेटर, रेशमी, फैन्सी कपड़े।
(12) टेक्सचर के द्वारा रंगाई-- (6 नमूने) (12 इंचX12इंच)।
(13) पुराने कपड़े को पुनः रंगकर ब्लाक प्रिटिंग द्वारा आकर्षक बनाना।
(14) गीली धुलाई--सूती, ऊनी, रेशमी, कृत्रिम।

(अ) लघु प्रयोग--

(1) डायरेक्ट रंगों द्वारा रंगाई (एक रंग में)।
(2) कपड़ों को पहचानना (छूकर व देखकर)।
(3) साधारण व प्लाई धागों की पहचान।
(4) जलाकर कपड़ों का परीक्षण।
(5) फेडिंग परीक्षण 3/4 घंटा।
(6) तह लगाना।
(7) इस्तरी करना।
(8) माड़ी लगाना।
(9) ब्लाक प्रिटिंग (एक नमूना)।
(10) ट्रेक्सचर तैयार करना (दो नमूना)।

(ब) दीर्घ प्रयोग--

(1) नेप्थाल रंगों द्वारा रंगाई।
(2) सूती कपड़ों को रंगना।
(3) ऊनी कपड़ों को रंगना।
(4) रेशमी कपड़ों को रंगना।
(5) धागों को रंगना सूती, ऊनी।
(6) नील लगाना।
(7) कलफ लगाना।
(8) चरक लगाना।
(9) सूखी धुलाई।
(10) गीली धुलाई--सूती, ऊनी, रेशमी, कृत्रिम कपड़े।

पुस्तकों की सूची

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक
1	2	3	4
1	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान	डा0 प्रमिला वर्मा	प्रकाशक, बिहार बन्धी अकादमी, पटना, विश्वविद्यालय, प्रकाशन।
2	वस्त्र विज्ञान एवं धुलाई कार्य	श्री आनन्द वर्मा	रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर वितरक विश्वविद्यालय, प्रकाशन।
3	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान	श्रीमती लोकेश्वरी शर्मा	स्वास्तिक प्रकाशन अस्पताल मार्ग, आगरा-3।
4	वस्त्र धुलाई विज्ञान	श्रीमती लोकेश्वरी शर्मा	यूनिवर्सल सेकर, हजरतगंज, लखनऊ।
5	दी केमिकल टेक्नोलाजी आफ टेक्सटाइल फाइबर्स	श्री आर0आर0 चक्रवती	केक्सटन प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली--55।

कक्षा–9

(10) ट्रेड--परिधान रचना एवं सज्जा

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई 2--

(ग) भोजन के तत्वों का सामान्य ज्ञान-

प्रोटीन, कार्बोज, वसा, विटामिन, खनिज लवण, जल प्राप्ति के साधन तथा इनकी कमी से होने वाली हानियां।

(घ) आयु लिंग कार्य के अनुसार भोजन की आवश्यकता तथा उसकी कमी से हानियां।

इकाई 3--

(ग) परिधान को आकर्षक बनाने में, लेसरिकिन, फ्रिल, बटन, पाइपिंग का महत्व।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(10) ट्रेड--परिधान रचना एवं सज्जा

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1-

(क) उद्यमिता बोध-उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2-

(क) व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य-

आंख, पलक, कान, दांत, बालों तथा सम्पूर्ण शरीर की सफाई, घर तथा पास-पड़ोस की सफाई, सफाई का स्वास्थ्य पर प्रभाव।

(ख) प्रदूषण, प्रदूषण के प्रकार, कारण, हानियां तथा दूर करने के उपाय-

वायु प्रदूषण-कारण, हानियां तथा दूर करने के उपाय।
जल प्रदूषण-कारण, हानियां तथा दूर करने के उपाय।
ध्वनि प्रदूषण-कारण, हानियां तथा दूर करने के उपाय।
मृदा प्रदूषण-कारण, हानियां तथा दूर करने के उपाय।

इकाई-3-

(क) विभिन्न प्रकार के वस्त्रों के तन्तु तथा उनकी विशेषताएं-

सूती-धूप, ताप, रासायनिक पदार्थ, अम्ल का प्रभाव।
रेशमी-धूप, ताप, रासायनिक पदार्थ, अम्ल का प्रभाव।
ऊनी-धूप, ताप, रासायनिक पदार्थ, अम्ल का प्रभाव।
कृत्रिम तन्तु-धूप, ताप, रासायनिक पदार्थ, अम्ल का प्रभाव।

(ख) सिलाई करने से पूर्व की तैयारियां-

नाप लेना, नाप के अनुसार कपड़ा लेना, कपड़े की श्रिंक करना, कपड़े की रुख के अनुसार रखना, पैटर्न बनाना, कटिंग करना, प्रेस करना।

प्रयोगात्मक

लघु उद्योग-

1-विभिन्न प्रकार सिलाई के टांके-कच्चा टांका, बखिया, तुरपन, पिको, काज, टांका।
2-कढ़ाई के टांके-लेजी-डेजी, रनिंग, स्टिच, स्टेम स्टिच, चैन स्टिच, क्रास स्टिच, काज स्टिच, शैडोवर्क साटन, स्टिच, पैच वर्क, शेड वर्क।
3-उपरोक्त कढ़ाई के टांकों से छः रूमाल बनाना।
4-रफू करना।
5-पैबेन्द लगाना।
6-क्लोट-काटना, सिलना।
7-विव-काटना, सिलना।
8-चड्डी-काटना, सिलना।
9-झबला-काटना, सिलना।
10-मशीन के पुर्जों को खोलना, सफाई करना तथा मशीन में तेल डालना।

दीर्घ उद्योग-

1-बेबी शमीज
2-पजामा एक मीटर कपड़े का
3-बेबी फ्राक
4-गर्ल्स फ्राक

5-पेटीकोट

6-हैंगिंग बैग

नोट-उपरोक्त वस्त्रों की ड्राफ्टिंग, कटिंग, सिलना तथा उनकी सज्जा करना तथा रूमाल, पेबन्द, रफ को बनाकर रिकार्ड फाइल में लगाना।

मौखिक प्रश्नोत्तर-लघु तथा दीर्घ प्रयोगों से संबंधित प्रश्नोत्तर।

पुस्तकों की सूची

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक व प्रकाशक	मूल्य
1	2	3	4
			रु0
1	परिधान रचना एवं सज्जा	श्रीमती चरन दासी, स्वास्तिक प्रकाशन, आगरा	13.50
2	गृह विज्ञान का सामान्य ज्ञान	श्रीमती स्वराज्य लता सिंह, स्वास्तिक प्रकाशन, आगरा	35.00
3	परिधान रचना एवं सज्जा	श्रीमती अनामिका सक्सेना, भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ	18.00
4	आधुनिक सिलाई एवं कढ़ाई विज्ञान	श्री एम0ए0 खान, पुस्तक प्रकाशन मन्दिर, इलाहाबाद	15.00
5	अनमोल सिलाई कला परिचय	श्री असगर अली, गर्ग प्रकाशन, इलाहाबाद	18.00
6	रैपिडेक्स टेलरिंग कोर्स	श्रीमती आशा रानी बोहरा	68.00

कक्षा–9

(11) ट्रेड-खाद्य संरक्षण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(ख) लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई 2--

4-अम्लक्षार, लवण एवं पी0 एच0 का सामान्य ज्ञान।

5-ताप संवहन, शून्य तापक्रम, दवाब का सामान्य ज्ञान।

6-जल के प्रकार तथा क्लोरीनेशन।

7-छानना, वाष्पीकरण, संघनन, सामान्य परिचय।

इकाई 3--

3-सफाई के विभिन्न उपाय-साबुन एवं डिटर्जेन्ट का उपयोग।

5-खाद्य नियन्त्रण सरल परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(11) ट्रेड-खाद्य संरक्षण

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1-

(क) उद्यमिता बोध-उद्यमों एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व।

इकाई-2-

1-खाद्य-संरक्षण परिचय।

2-खाद्य-संरक्षण से लाभ।

3-खाद्य पदार्थ-प्रोटीन कार्बोहाइड्रेड्स, बसा, खनिज लवण, विटामिन का सामान्य परिचय एवं महत्व।

इकाई-3-

1-खाद्य-पदार्थ को नष्ट करने वाले तत्व और उससे बचने का उपाय।
2-खमीर, फफूंद बैक्टीरिया की साधारण रचना एवं वृद्धि।
4-डिब्बाबन्दी खाद्य पदार्थों में होने वाली खराबी और उसकी पहचान।
6-थर्मामीटर, जलमीटर, रिफरेक्टोमीटर, सेलुनीमीटर, ब्रिक्स, हाइट्रोमीटर का सामान्य परिचय।

प्रयोगात्मक

(क) दीर्घ प्रयोग-

1-जैम बनाना
2-मुरब्बा बनाना
3-आचार बनाना
4-शरबत बनाना
5-प्युरी एवं टमाटर सास बनाना
6-मटर, गाजर, अमचुर सुखाने की विधियां
7-कृत्रिम सिरका
8-फलों के रस एवं गूदे का संरक्षण
9-दलिया, चिप्स, पापड़, बड़ी बनाना एवं संरक्षण
10-पनीर निर्माण

(ख) लघु प्रयोग-

1-रिफरेक्ट्रोमीटर का उपयोग
2-ब्रिक्स हाइड्रोमीटर का उपयोग
3-सूक्ष्मदर्शी यंत्र के विभिन्न भागों का परिचय
4-पी0 एच0 पेपर का महत्व एवं उपयोग
5-पेक्टिन परीक्षण
6-विभिन्न खाद्य पदार्थो की पहचान
7-आयसोसित साधारण प्रयोग
8-खाद्य संरक्षण में उपयोग होने वाले तापमापी का उपयोग, प्रेशर कुकर का ज्ञान।

संस्तुत पुस्तकें-

		रु0
1-फल एवं सब्जी संरक्षण	ले0 डा0 गिरधारी लाल डा0 सिद्धाप्पा एवं गिरधारी लाल टण्डन	45.00
2-फल संरक्षण	एस0 एन0 भाटी	30.00
3-फल संरक्षण (प्रयोगात्मक)	बी0 एन0 अग्निहोत्री	15.00
4-फल संरक्षण विज्ञान	बी0 एन0 अग्निहोत्री	25.00
5-फल परिरक्षण सिद्धान्त एवं विधियां	डा0 श्याम सुन्दर श्रीवास्तव	100.00
6-आहार एवं पोषण विज्ञान	विमला शर्मा	50.00

कक्षा–9

(12) ट्रेड एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(2) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(12) ट्रेड एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1-

(1) उद्यमिता बोध-उद्यमों एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2-

रोजनामचा एवं प्रारम्भिक लेखों की पुस्तकें, चेक, संबंधी लेखे, बैंक समाधान विवरण तथा खाता बहियों में खतौनी की विधि, तलपटल तैयार करना।

इकाई-3-

(1) लागत लेखांकन-परिभाषा, महत्व तथा पद्धतियां।

(2) लागत के मूल तत्व सामग्री, श्रम एवं उपरिव्यय का सामान्य ज्ञान।

(3) लागत विवरण एवं निविदा तैयार करना।

प्रयोगात्मक

(क) लघु प्रयोग-

(1) नकद रसीद
(2) डेविट नोट एवं क्रेडिट नोट
(3) चेक, पे-इन-स्लिप
(4) टेलीग्राम, मनीआर्डर फार्म
(5) आर0 आर0 ट्रेजरी चालान फार्म
(6) कैलकुलेटर्स, रेडी रैक्नर्स
(7) डेंटिंग मशीन
(8) नम्बरिंग मशीन
(9) स्टेपलर्स, पंचिंग मशीन

(ब) बड़े प्रयोग-

(1) छात्रों को बाउचर प्रदान किये जायें एवं उन्हें तैयार कराया जाये।
(2) क्रय-पुस्तक तैयार करना।
(3) विक्रय-पुस्तक तैयार करना।
(4) बीजक एवं विक्रय-विवरण बनाना।
(5) खुदरा रोकड़ पुस्तक बनाना।
(6) रोकड़ पुस्तक तैयार करना।
(7) स्टाक रजिस्टर तैयार करना।
(8) पत्र प्राप्ति पुस्तक एवं पत्र प्रेषण पुस्तक तैयार करना।

सन्दर्भित पुस्तकें-

1-हाई स्कूल बहीखाता एवं व्यापार प्रणाली	लेखक-श्री विजय पाल सिंह
2-अनुपम प्रारम्भिक बहीखाता एवं व्यापार प्रणाली	लेखक-श्री जगन्नाथ वर्मा
3-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्यिक ट्रेड	लेखक-श्री राम प्रकाश अवस्थी
4-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्यिक ट्रेड	लेखक-श्री राम प्रकाश अवस्थी
5-लागत लेखांकन	लेखक-डा0 लक्ष्मण स्वरूप

कक्षा–9

(13) ट्रेड आशुलिपिक तथा टंकण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(2) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(13) ट्रेड आशुलिपिक तथा टंकण

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1-(1) उद्यमिता बोध-उद्यमों एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2-रोजनामचा एवं प्रारम्भिक लेखों की पुस्तकें, चेक, संबंधी लेखे, बैंक समाधान विवरण तथा खाता बहियों में खतौनी की विधि, तलपटल तैयार करना।

इकाई-3-अंतिम खातों को तैयार करना, साधारण समायोजनाओं सहित व्यापार एवं लाभ-हानि खाता तथा आर्थिक चिट्ठा बनाना।

प्रयोगात्मक

(क) लघु प्रयोग-

(1) शब्द चिन्ह।
(2) जुट शब्द।
(3) रेखाक्षरों के स्थल।
(4) चित्र एवं संकेतों के माध्यम से रेखाक्षरों का ज्ञान।
(5) टाइप करने की प्रणालियां।
(6) मशीन में कागज लगाने, ठीक करने व कागज निकालने का ढंग।
(7) हाशिया निश्चित करना।
(8) मशीन पर बैठने की स्थिति।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

(1) श्याम पट्ट पर लिखित लेखों को पढ़ना।
(2) पत्रों का आशुलिपि में लेखन तथा हिन्दी रूपान्तर।
(3) आशुलिपि से दीर्घ लिपि में लिखना तथा टाइप करना।
(4) आशुलिपि नोटों अनुवादित होने के बाद उन पर चिन्ह लगाना।
(5) कुंजी पटल का ज्ञान।
(6) पोस्ट कार्डों पर पतों का टंकण।
(7) टाइप मशीन से प्रतिलिपि लेना।
(8) प्रार्थना-पत्र अथवा पत्रों को टाइप करना।

सन्दर्भ पुस्तकें-

1-अनुपम टाइपिंग मास्टर-श्रीमती उषा गुप्ता।
2-उपकार व्यावहारिक टंकण कला-श्री ओंकार नाथ वर्मा।
3-हिन्दी संकेत लिपि (ऋषि प्रणाली)-श्री ऋषिलाल अग्रवाल।
4-पिटमैन अंग्रजी संकेत लिपि-पिट्समैन।
5-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड-श्री राम प्रकाश अवस्थी।
6-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड (प्रयोगात्मक)-श्री राम प्रकाश अवस्थी।
7-अनुपम प्रारम्भिक बहीखाता एवं व्यापार प्रणाली-श्री जगन्नाथ वर्मा।
8-आशुलिपि एवं टंकण-श्री गोपाल दत्त विष्ट।

कक्षा–9

(14) ट्रेड-बैंकिंग

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(2) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(14) ट्रेड-बैंकिंग

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1-

(1) उद्यमिता बोध-उद्यमों एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2-

रोजनामचा एवं प्रारम्भिक लेखों की पुस्तकें, चेक, संबंधी लेखे, बैंक समाधान विवरण तथा खाता बहियों में खतौनी की विधि, तलपटल तैयार करना।

इकाई-3-

व्यावसायिक संगठन, अर्थ एवं प्रारूप, एकांकी व्यवसाय, साझेदारी एवं संयुक्त स्कैच कम्पनी, परिभाषा, लक्षण एवं भेद।

क्रिया-कलाप

(क) लघु प्रयोग-

1-चेक लिखना, निर्गम करना एवं निर्गमन रजिस्टर में लेखा करना।
2-चेकों का पृष्ठांकन एवं रेखांकन करना, चेकों की वैधता की जांच करना।
3-पे इन स्लिप तथा आहरण पत्र का प्रयोग।
4-चेक लिखने वाली मशीन का प्रयोग।
5-रेडी रेकनर का प्रयोग।
6-कैलकुलेटर का प्रयोग।
7-डेंटिंग मशीन एवं नम्बरिंग मशीन का प्रयोग।
8-पंचिंग मशीन एवं स्टेप्लर का प्रयोग।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

1-बैंक में खाता खोलने के विभिन्न प्रपत्रों को भरना।
2-बैंक लेजर खातों एवं पास बुक में लेखा करना।
3-ब्याज की गणना एवं उसका लेखा करना।
4-बैंक ड्राफ्ट, एम0टी0टी0 एवं पे आर्डर तैयार करना।
5-ऋण संबंधी आवश्यक प्रपत्रों को भरना।
6-साप्ताहिक विवरण, रिटर्न तैयार करना एवं प्रधान कार्यालयों को प्रेषित करना।
7-बीजक एवं विक्रय विवरण तैयार करना।
8-रेजकारी छांटने वाली मशीन का प्रयोग।

सन्दर्भ पुस्तकें-

1-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड-श्री राम प्रकाश अवस्थी।
2-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड (प्रयोगात्मक)-श्री राम प्रकाश अवस्थी।
3-हाई स्कूल मुद्रा बैंकिंग एवं अर्थशास्त्र-श्री एम0पी0 गुप्ता।
4-अधिकोषण तत्व-श्री डी0डी0 निगम।

कक्षा–9

(15) ट्रेड-टंकण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(2) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(15) ट्रेड-टंकण

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1-

(1) उद्यमिता बोध-उद्यमों एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2-

रोजनामचा एवं प्रारम्भिक लेखों की पुस्तकें, चेक, संबंधी लेखे, बैंक समाधान विवरण तथा खाता बहियों में खतौनी की विधि, तलपटल तैयार करना।

इकाई-3-

अंतिम खातों को तैयार करना, साधारण समायोजनाओं सहित व्यापार एवं लाभ-हानि खाता तथा आर्थिक चिट्ठा बनाना।

प्रयोगात्मक

(क) लघु प्रयोग-

(1) टंकण कल पर बैठने की स्थिति।
(2) टंकण करने की प्रणालियां।
(3) टंकण मशीन में कागज लगाने एवं बाहर निकालने की विधि।
(4) हाशिया निश्चित करना।
(5) ऐसे संकेतों का टंकण, जो कुंजी पटल में नहीं दिये गये हैं।
(6) नया पैराग्राफ बनाना।
(7) स्पेस बार का प्रयोग।
(8) ''सिफ्ट की'' एवं ''लिफ्ट की लॉक'' का प्रयोग।
(9) छोटे पत्रों व लघु अवतरणों का टंकण।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

(1) कुंजी पटल का ज्ञान।
(2) प्रार्थना-पत्र एवं पत्रों का टंकण करना।
(3) पोस्टकार्ड पर पते टाइप करना।
(4) टाइप मशीन से प्रतियां लेना।
(5) प्रूफ रीडिंग में प्रयुक्त होने वाले चिन्ह।
(6) रिबन का बदलना।
(7) कठिन शब्दों का टंकण।
(8) टाइप मशीन की सफाई एवं तेल देना।
(9) बड़े अवतरणों एवं साधारण सारिणीयों का टंकण करना।

सन्दर्भ पुस्तकें

(1) अनुपम टाइपिंग मास्टर	श्रीमती उषा गुप्ता।
(2) उपकार व्यावहारिक टंकण कला	श्री ओंकार नाथ वर्मा।
(3) पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड	श्री राम प्रकाश अवस्थी।
(4) पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड (प्रयोगात्मक)	श्री राम प्रकाश अवस्थी।
(5) अनुपम प्रारम्भिक बहीखाता एवं व्यापार प्रणाली	श्री जगन्नाथ वर्मा।

कक्षा–9

(16) ट्रेड--फल संरक्षण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(2) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(16) ट्रेड--फल संरक्षण

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1-

(1) उद्यमिता बोध-उद्यमों एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2-

फल संरक्षण विषय परिचय, परिभाषा, इसकी उपयोगिता एवं भविष्य।

फल संरक्षण में प्रयोग किये जाने वाली तकनीकी अंग्रेजी शब्द और हिन्दी में उनका विवरण विभिन्न फल एवं सब्जियों से निर्मित, संरक्षित पदार्थ फल संरक्षण कार्य में प्रयोग करने हेतु बर्तन मशीनरी एवं उपकरण।

इकाई-3-

फल एवं सब्जियों के खराब होने के कारण फफूंदी, मोल्ड, खमीर यीस्ट, बैक्टीरिया एवं एन्जाइन्स की सूक्ष्म परिचय, प्रजनन, इनके प्रसार के लिये उपयुक्त वातावरण और निष्क्रिय करने का उपाय। फल सब्जियों के संरक्षण के सिद्धान्त, स्थायी एवं अस्थायी संरक्षण।

प्रमुख संरक्षणों-सल्फर डाई आक्साइड (पोटोशियम मेटा बाई सल्फाइट अथवा के0एम0एस0), सोडियम मेटा बाई सल्फाइट और वेन्जोइक एसिड के योगिक (सोडियम बेन्जोएट) का परिचय तथा फल के रसों के संरक्षण में उपयोग विधि एवं इनकी सीमाएं।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(क) लघु प्रयोग-

(1) विक्स हाइट्रोमीटर से लिनोमीटर, हन्ड से केरीमीटर (रिफरेक्टोमीटर), थर्मामीटर का परिचय एवं उपयोग विधि।
(2) तरल पदार्थों को लिटमस पेपर की सहायता से पी0एच0 ज्ञात करना।
(3) सूक्ष्मदर्शी (माइक्रोस्कोप) से परिचय, उसके विभिन्न पार्ट्स स्प्रिट द्वारा पेक्टिन टेस्ट।
(4) स्प्रिट द्वारा पेक्टिन टेस्ट।
(5) सोलिंग के लिए प्रयोग की जाने वाली मशीनें।
(6) कान्टेनर्स (बोतल, जार, अमृतवान, कारव्यास) को धोना और जीवाणु रहित (स्टरलाइज) करना।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

(1) जैम-विभिन्न ऋतुओं में पैदा होने वाले फलों से जैम बनाना।
(2) मुरब्बा बनाना-आंवला, बेल, पेठा, करौंदा, पपीता, गाजर।
(3) अदरक, पेठा, नींबू, प्रजाति के फलों के छिलकों से कैण्डी बनाना।
(4) टमाटर, कैचप, सॉस, सूप बनाना।
(5) फलों से चटनी बनाना।
(6) विभिन्न ऋतुओं में उपलब्ध फल एवं सब्जियों (आम, नींबू, कटहल, अदरक, करौंदा, प्याज, खीरा आदि) से अचार बनाना।
(7) कृत्रिम सिरका बनाना।
(8) कृत्रिम शरबत (खस, गुलाब, केवड़ा आदि) बनाना।
(9) स्क्वेस बनाना।
(10) अमरूद से चीज टाफी बनाना।

संस्तुत पुस्तकें-

		रु0
1-फल एवं सब्जी संरक्षण	. . डा0 गिरधारी लाल डा0 सिद्धाप्पा	45.00
2-फल संरक्षण	. . एस0 एम0 भाटी	30.00
3-फल संरक्षण (प्रयोगात्मक)	. . बी0 एन0 अग्निहोत्री	15.00
4-फल संरक्षण विज्ञान	. . बी0 एन0 अग्निहोत्री	25.00
5-फल परिरक्षण सिद्धान्त एवं विधियां	. . डा0 श्याम सुन्दर श्रीवास्तव	100.00
6-फल तथा तरकारी परिरक्षण प्रौद्योगिकी	. . एस0 सदाशिव नायर एवं डा0 हरीश चन्द्र शर्मा	100.00
7-फ्रूट एवं वेजीटेबिल	. . डा0 संजीव कुमार	150.00

कक्षा–9

(17) ट्रेड--फसल सुरक्षा

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(2) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योगों की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई 2--

(4) फसल सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न संगठनों के सम्बन्ध में सामान्य जानकारी।

(5) फसल सुरक्षा की समस्यायें एवं उनके समाधान का ज्ञान।

इकाई 3--

(3) वायरस द्वारा उत्पन्न प्रमुख रोगों की सामान्य जानकारी। फसल सुरक्षा के विभिन्न उपाय अपनाने का ज्ञान।

(4) फसल के प्रमुख खर-पतवार, उनका वर्गीकरण उनसे हानियां एवं रोकथाम के उपाय की जानकारी।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(17) ट्रेड--फसल सुरक्षा

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1-

(1) उद्यमिता बोध-उद्यमों एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2-

(1) फसल सुरक्षा का सामान्य ज्ञान।
(2) फसल सुरक्षा की विभिन्न विधियों की जानकारी।
(3) पादप रोगों से होने वाली हानियां, उनके लक्षण, कारण एवं प्रकृति का ज्ञान।

इकाई-3-

(1) धान्य फसलों में धान, गेंहू, गन्ना, सरसों, अरहर, ज्वार, मक्का, कपास, मूंग, उरद तथा मटर। सब्जियों में आलू, टमाटर, बैगन, भिण्डी, गोभी तथा फलों में आम, अमरूद, पपीता, जामुन, सेब के रोगों एवं कीटों का अध्ययन और उनके रोक-थाम के उपाय की सामान्य जानकारी।
(2) परजीवी पौधों की जानकारी तथा उनसे होने वाली क्षति एवं उनसे बचाव के उपाय का ज्ञान।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(क) दीर्घ प्रयोग-

(1) कीट संकलन एवं उनके जीवन-चक्र का रेखांकरन करना।
(2) इमलसन मिश्रण बनाना।
(3) पेस्टन तैयार करना तथा उनके प्रयोग विधि का प्रदर्शन।
(4) रसायन का घोल तैयार करना, उनका प्रयोग तथा उनमें अपनायी जाने वाली सावधानियों की क्रियात्मक समझ।
(5) फसलों पर पाउडर का छिड़काव करना।
(6) भण्डार गृह में रसायनों का प्रयोग करना।
(7) उपकरणों को खोलने एवं बाधनें की समझ।
(8) रसायन एवं उपकरण के प्राप्ति केन्द्रों की जानकारी एवं उन स्थानों का पर्यवेक्षण तथा उसका विवरण तैयार करना।

(ख) लघु प्रयोग-

(1) विभिन्न खर-पतवारों की पहचान।
(2) विभिन्न पादप रोगों की पहचान।
(3) विभिन्न पादप कीटों की पहचान।
(4) फसल सुरक्षा उपकरणों की पहचान।
(5) कवकनाशी रसायनों की पहचान।
(6) कीटनाशी रसायनों की पहचान।
(7) खर-पतवारनाशी रसायनों की पहचान।
(8) भण्डारण में प्रयोग होने वाले रसायनों की पहचान।
(9) भण्डारण के कीटों की पहचान।
(10) भण्डारण में हानि पहुंचाने वाले जन्तुओं की पहचान करना।

संस्तुत पुस्तकें-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक	प्रकाशक का नाम एवं पता	मूल्य
1	2	3	4	5
				रु0
1	फसल सुरक्षा	डा0 धर्मराज सिंह	ग्राम विकास प्रकाशन, कमिश्नर कम्पाउण्ड, कालोनी, इलाहाबाद।	16.00
2	सब्जी की खेती	श्री दर्शानानन्द	ग्राम विकास प्रकाशन, कमिश्नर कम्पाउण्ड, कालोनी, इलाहाबाद।	16.00

1	2	3	4	5
				रु0
3	फलों की खेती	डा0 राम कृपाल पाठक	ग्राम विकास प्रकाशन, कमिश्नर कम्पाउण्ड, कालोनी, इलाहाबाद।	25.00
4	नया कृषि कीट विज्ञान	श्री बी0ए0 डेविड एवं श्री एम0एच0 डेविड	सेन्ट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद	12.00
5	पादप रोग नियंत्रण	डा0 उपाध्याय एवं माथुर	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	12.00
6	खर पतवार नियंत्रण	प्रो0 ओम प्रकाश	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	
7	फसलों के रोगों की रोकथाम	डा0 संगम लाल	प्रकाशन निदेशालय, गो0 व0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर, नैनीताल	20.00
8	फसलों के रोग	डा0 मुखोपाध्याय एवं डा0 सिंह	प्रकाशन निदेशालय, गो0 व0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर, नैनीताल	50.00
9	फसलों के हानिकारक कीट	डा0 बिदा प्रसाद खरे	प्रकाशन निदेशालय, गो0 व0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर, नैनीताल	22.00
10	खर पतवार नियंत्रण	डा0 विष्णु मोहन मान	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	25.00
11	पादप रक्षा कीट नियंत्रण	डा0 उपाध्याय एवं माथुर	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	22.50
12	प्लाण्ट प्रोटेक्शन	डा0 उपाध्याय एवं माथुर	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	30.00
13	सचित्र कृषि विज्ञान	श्री श्याम प्रसाद शर्मा	भारत भारती प्रकाशन, मेरठ	20.00
14	कृषि विज्ञान	श्री गंगा महेश मिश्र	राम नारायण लाल, इलाहाबाद	20.00

कक्षा–9

(18) ट्रेड--मुद्रण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-

लघु उद्योग की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई 3--

(ब) पृष्ठ संयोजन-

पृष्ठ संयोजन (इम्पोजिंग) का अर्थ, एक पृष्ठ, दो पृष्ठ, चार पृष्ठ तथा आठ पृष्ठों तक की योजना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(18) ट्रेड--मुद्रण

सैद्धान्तिक-पाठ्यक्रम

इकाई-1

(क) उद्यमिता बोध-

उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2

संयोजन विधियां (कम्पोजिंग प्रोसेसेज)-

(अ) संयोजन (कम्पोजिंग) का अर्थ, हाथ द्वारा संयोजन, मोनो मशीन द्वारा संयोजन, लाइनों मशीन द्वारा संयोजन, फोटो सेटर द्वारा संयोजन और कम्प्यूटर या डेस्कटाप पब्लिशिंग (डी0 टी0 पी0) मशीन द्वारा संयोजन।

(ब) प्रूफ सम्बन्धित-

प्रूफ का अर्थ, प्रूफ के प्रकार, प्रूफ पढ़ने की विधि, प्रूफ पढ़ने के आई0 एस0 आई0 (भारतीय मानक) चिन्ह।

इकाई-3

(अ) कैमरा तथा ब्लाक बनाना-

कैमरा का अर्थ, विभिन्न प्रकार से कैमरा वर्टिकल (क्षैतिजकार, डार्करूम तथा इलेक्ट्रानिक) निगेटिव तथा पाजीटिव बनाना, ब्लाक का अर्थ एवं प्रयोग, लाइन ब्लाक, हाफटोन ब्लाक, ब्लाक बनाने हेतु आवश्यक सामग्रियां।

प्रयोगात्मक

लघु प्रयोगात्मक अभ्यास-

1-अक्षर संयोजन विभाग की साज-सज्जा तथा उपकरणों का परिचय।
2-मुद्रणालय में सुरक्षा (सेफ्टी) उपाय।
3-मुद्रण तथा बाइडिंग विभाग की मशीनों और उपकरणों का परिचय।
4-टाइप केस ले आउट याद करना एवं कम्पोजिंग स्टिक में मांप बांधना।
5-प्रूफ उठाना तथा टाइप मैटर में लगी स्याही की सफाई करना।
6-मुद्रणालय की सभी मशीनों तथा उपकरणों में स्नेहन (लुब्रीकेटिंग) तेल या ग्रीस देना और सफाई करना।
7-मुद्रित तथा अमुद्रित कागज को बराबर करना और गिनती करना।
8-पुरानी पुस्तकों की मरम्मत करना।

दीर्घ प्रयोगात्मक अभ्यास-

1-लेअर हेड तथा विजिटिंग कार्ड आदि छोटे जाब कार्यों की कम्पोजिंग करना तथा प्रूफ उठाकर उसे पढ़ना और संशोधन करना।
2-विभिन्न मशीनों के लिए एक या दो पृष्ठों का फर्मा कसना।
3-मुद्रण मशीन की तैयारी, मुद्रण मशीन पर फर्मा चढ़ाना, फर्मा की तैयारी तथा लगातार मुद्रण कार्य करना।
4-मुद्रण मशीन पर एक या दो रंग की छपाई करने का अभ्यास।
5-स्थानीय किसी एक या अधिक मुद्रणालयों में छात्रों को ले जाकर निरीक्षण कराना और छात्रों द्वारा एक अध्ययन रिपोर्ट तैयार करना जो 390 शब्दों से अधिक न हो।
6-बाइडिंग करने के लिए मुद्रित अथवा अमुद्रित कागजों को मोड़ना, मिसिल उठाना, सिलाई करना।
7-पुस्तकों पर कागज के कवर तथा दफ्ती के कवर लगाने का अभ्यास।
8-सिल्क स्कीन मुद्रण की तैयारी तथा मुद्रण का अभ्यास करना।

पुस्तकों की सूची

हिन्दी पुस्तकें-

1-अक्षर मुद्रण शास्त्र	श्री चन्द्रशेखर मिश्र
2-संयोजन शास्त्र	,, ,,
3-आफसेट मुद्रण शास्त्र	,, ,,
4-मुद्रण परिस्करण, भाग-1	श्री के0 सी0 राजपूत
5-मुद्रण परिस्करण, भाग-2	,, ,,
6-आधुनिक ग्रन्थ शिल्प	श्री चन्द्रशेखर मिश्र
7-मुद्रण स्याहियां तथा कागज	,, ,,
8-मुद्रण प्रौद्योगिकी सामग्री	श्री एम0 एन0 लिड़बिड़े
9-ब्लाक मेकर्स गाइड	श्री एस0 अग्रवाल

कक्षा–9

(19) ट्रेड--रेडियो एवं टेलीविजन

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

2-लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योग की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(19) ट्रेड--रेडियो एवं टेलीविजन

इकाई-1

1-उद्यमिता बोध-उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

इकाई-2

तरंग एवं गति तरंग तथा उनके प्रकार, प्रणामी तरंगों का सूत्र, कालान्तर कला, आवृति, तरंग दैर्ध्य तथा उनमें सम्बन्ध।

इकाई-3

विद्युत् क्षेत्र व विभव, कूलम का नियम, विद्युत् चालन व स्वतन्त्र इलेक्ट्रान, ओम के नियम चालकों पर ताप का प्रभाव, ओमी व अरा ओमी परिपथ, फैराडे के नियम, विद्युत चुम्बक। विद्युत चुम्बक चुम्बकत्व का परमाणवी माडल।

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

लघु उद्योग-

(1) कलर कोड की सहायता से प्रतिरोधों का मान पढ़ना तथा प्रतिरोधों की वाटेज को जानना।
(2) विभिन्न प्रकार के प्रतिरोधों को पहचाना, सामानान्तर तथा श्रेणी क्रम में जोड़ना तथा उनको मान ज्ञात करना।
(3) विभिन्न प्रकार के धारित्रों को पहचानना तथा श्रेणी व समानान्तर क्रम में जोड़ना तथा उनका मान ज्ञात करना।
(4) विभिन्न प्रकार के डायोडों तथा ट्रांजिस्टरों को पहचानना।
(5) मल्टीमीटर की सहायता से वोल्टेज, धारा व प्रतिरोध मापना।
(6) मल्टीमीटर की सहायता से डायोड तथा ट्रांजिस्टरों का परीक्षण करना।
(7) इलेक्ट्रानिक्स में प्रयोग होने वाले विभिन्न यन्त्रों की जानकारी।
(8) पी0 सी0 वी0 पर सोल्डर करने की विधि तथा सावधानियां।

दीर्घ प्रयोग-

(1) साधारण प्रकार का बैटरी एंलीमिनेटर निर्माण (असम्बल) करना।
(2) विभिन्न निर्गत बोल्टेजों के लिये बैटरी एलीमिनेटर का निर्माण करना।
(3) स्थिर वोल्टेज के लिये बैटरी एलीमिनेटर का निर्माण करना।
(4) ट्रांजिस्टरों की सहायता से प्रवधक (एम्पलीफायर) का निर्माण करना।
(5) ट्रांजिस्टरों की सहायता से ध्वनि परिपथ (म्युजिकल सर्किट) का निर्माण करना।
(6) ट्रांजिस्टर अभिग्राही के विभिन्न भागों का वोल्टेज ज्ञात करना।
(7) ट्रांजिस्टर अभिग्राही के सामान्य दोषों को ज्ञात करना तथा उनका निवारण करना।
(8) टेलीविजन के विभिन्न भागों के वोल्टेज ज्ञात करना।

संस्तुत पुस्तकें-

1-बेसिक इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग	लेखक-पी0एस0 जाखड़ तथा सत्या जाखड़
2-इलेक्ट्रानिक थ्रू प्रैक्टिकल्स	,, पी0 एस0 जाखड़
3-प्रारम्भिक इलेक्ट्रानिकी	,, कुमार एवं त्यागी
4-इलेक्ट्रानिक्स	,, महेन्द्र भारद्वाज
5-टेलीविजन	,, जोन एण्ड राबर्ट
6-बेसिक शाप प्रैक्टिकल इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग	,, अनवानी हन्श

कक्षा–9

(20) ट्रेड--बुनाई तकनीक

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

सैद्धान्तिक--

इकाई 2--

(ख) औटाई के प्रकार, धुनाई, धुनकी के भाग एवं कार्य।

इकाई-3

(क) सूत से कपड़ा बनाने तक की समस्त क्रियाएं।
(ख) लच्छी सुलझाना, बाबिन भरना, सटर में बाबिन लगाना, सॉचे से निकालना, ड्रम मशीन पर चढ़ाना, बाने के बेलन पर लपेटना, होल्ड भरना, कंघी में भरना, बुनाई करना।
(ग) करघे या लूम का परिचय, हत्थे के भाग एवं कार्य।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(20) ट्रेड--बुनाई तकनीक

इकाई-1

(क) उद्यमिता बोध-उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता की परिभाषा एवं व्याख्या, वर्तमान परिस्थितियों में स्वरोजगार का महत्व एवं सम्भावनाएं। उद्यमिता मूल्यों एवं उद्यमिता गुणों की व्याख्या एवं उद्यमिता विकास प्रक्रिया।

(ख) लघु उद्योग एवं स्वरोजगार-लघु उद्योग की परिभाषा, सीमायें तथा लाभ, राष्ट्रीय औद्योगिक नीति में लघु उद्योग का महत्व, लघु उद्योग में सहायक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों के नाम एवं कार्य, लघु उद्योग की स्थापना, प्रक्रिया एवं औपचारिकताओं का संक्षिप्त परिचय, बाजार सर्वेक्षण एवं कारोबार संचालन का ज्ञान। विभिन्न स्वरोजगार की योजनाओं का परिचय।

इकाई-2

(क) कपास की कृषि, उपयुक्त भूमि एवं प्रकार।
(ग) पूनी बनाना एवं सूत कातना।
(घ) तकली, चर्खी के प्रकार एवं भाग।
(ड) विभिन्न प्रकार के तन्तु एवं रेशा।
(कपास, ऊन, रेशम, खनिज, कृत्रिम तन्तु)

प्रयोगात्मक

लघु उद्योग-

1-सूत की लच्छियों को सुलझाना।
2-चरखी के ऊपर सूत को चढ़ाकर चरखे की सहायता से तागे की बाबिन भरना।
3-भरी हुई बाबिनों को टटर में सजाना।
4-ताने के तारों की डिजाइन के अनुसार वय में भरना और कंघी में भरना।
5-ताने एवं बाने की बाबिन भरना।
6-लीज राड को ताने में लगाना।
7-शटल में तागे एवं बाबिन लगाना।
8-चरखे को चलाना।
9-तकली से सूत कातना।
10-सूत की लच्छियों को अंटी पर चढ़ाना।

दीर्घ प्रयोग-

1-टटर से तान के तागे निकालना।
2-क्रम से बाबिनों को लगाना।
3-हैक या (बिनिया) से तागे निकालना।
4-ड्रम मशीन पर ताने जुक्ट्री बांधना।
5-बाने के बेलन में ताने के तागे लपेटना।
6-बाने के बेलन को करघे पर फिट करना।
7-डिजाइन के अनुसार ड्राफ्टिंग करना।
8-आई से कंघी में पिराना या तागे निकालना।
9-ताने के तागों को जुट्टी बांधना।
10-करघें पर बुनाई करना।

पुस्तकों की सूची

हिन्दी पुस्तकें-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम	मूल्य
1	2	3	4	5
				रु0
1	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान	डा0 प्रमिला वर्मा	विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी	55.00
2	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान	डा0 प्रमिला वर्मा	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	55.00
3	बुनाई पुस्तक	श्री श्याम नारायण श्रीवास्तव	नवीन पुस्तक भंडार, दारागंज, इलाहाबाद	8.00
4	हाउस होल्ड टेक्सटाइल	श्री दुर्गादत्त	बुक कम्पनी, नई दिल्ली	75.00
5	भारतीय कशीदाकारी	श्रीमती शिन्दे एवं कु0 पंडित	प्रकाशन निदेशालय, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर, नैनीताल	27.00

कक्षा–9

(21) रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा व्यापार)

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–4
4– सजावट
5– अन्य उपाय

इकाई–5
1– विभिन्न स्टोर/दुकान
2– श्रृंखलाबद्ध दुकानें।
3– बिग बाजार
4– सुपर बाजार इत्यादि।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(21) रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा व्यापार)

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 70 अंक

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 **20 अंक**

प्रस्तावना–1–खुदरा व्यापार क्या है ?
2–अर्थ एवं परिभाषा
3–गुण एवं विशेषताएं
4–खुदरा व्यापार के आवश्यक तत्व
5–खुदरा व्यापार का महत्व

इकाई–2 **20 अंक**

1–स्थानीय स्तर पर उत्पादों का प्रबन्धन–
(1) क–संगठित क्षेत्र
ख–असंगठित क्षेत्र
(2) क–छोटे पैमाने पर खुदरा व्यापार
ख–बड़े पैमाने पर खुदरा व्यापार
2–स्थानीय स्तर पर खुदरा/फुटकर व्यापार के अन्य उपाय।

इकाई–3 **20 अंक**

1–खुदरा/फुटकर व्यापारी के कार्य
2–खुदरा या फुटकर व्यापारी की सेवायें–
उत्पादक के प्रति
उपभोक्ता या ग्राहक के प्रति
समाज के प्रति

इकाई–4 **10 अंक**

1–खुदरा व्यापार में व्यापारी की सफलता के उपाय–
1–उपयुक्त स्थिति
2–विक्रय कला
3–अनुभव
2–बुनियादी स्वच्छता और सुरक्षा अभ्यास।

प्रोजेक्ट कार्य– **30 अंक**

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

1–विद्यालय स्तर पर खुदरा व्यापार का प्रशिक्षण (क्रय-विक्रय के सन्दर्भ में)
2–खुदरा व्यापार का व्यावहारिक प्रशिक्षण (संगठित क्षेत्र की इकाई द्वारा)
3–खुदरा व्यापार के संदर्भ में स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण
4–क्रय-विक्रय
5–अन्य व्यावहारिक अनुभव
6–खुदरा व्यापार के सम्बन्ध में विद्यालय स्तर पर विचार गोष्ठी आयोजित करना।
7–खुदरा व्यापार के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के सम्बन्ध में ज्ञान।

कक्षा–9

(22) सुरक्षा

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–1 5– सुरक्षा से सम्बन्धित चुनौतियां एवं समाधान

इकाई–2 4– स्वास्थ्य सुरक्षा से सम्बन्धित अधः संरचना एवं विधिक पक्ष।

इकाई–3 4– आपदा प्रबन्धन के विभिन्न सोपान।

इकाई–4 5– स्वास्थ्य आकस्मिता का अर्थ एवं कारण।

प्रोजेक्ट कार्य

4–आकस्मिकता के समय प्रयुक्त होने वाले टेलीफोन नम्बरों को सूचीबद्ध करना।
11–प्राथमिक चिकित्सा उपकरणों को सूचीबद्ध करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(20) सुरक्षा

उद्देश्य–

(1) राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अस्मिता की रक्षा का भाव उत्पन्न होना।
(2) सुरक्षा के महत्व एवं आवश्यकता को समझना।
(3) छात्रों में उद्यमिता के गुणों का विकास करना।
(4) आकस्मिकता एवं खतरों से निपटने की योग्यता का विकास करना।
(5) प्राथमिक चिकित्सा की आवश्यकता को समझते हुए सम्बन्धित सामान्य जानकारी होना।
(6) सुरक्षित वातावरण बनाये रखने में प्रौद्योगिकी के महत्व को समझना।
(7) सुरक्षा हेतु सभी नागरिकों को कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व का बोध कराना।
(8) संवाद दक्षता एवं व्यक्तित्व का विकास करना।

रोजगार के अवसर–

1–पाठ्यक्रम में प्रवीणता प्राप्त करने के पश्चात् सम्बन्धित छात्र एवं छात्रायें भविष्य में देश की सुरक्षा बलों से सम्बन्धित विभिन्न सेवाओं में सैनिक एवं अधिकारियों के रूप में अपनी समझ के आधार पर पर्याप्त योगदान दे सकते हैं।

2–सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न संस्थाओं में सुरक्षा कर्मी के रूप में रोजगार की प्राप्ति हो सकती है।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **पूर्णांक 70 अंक**

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 सुरक्षा के मूलाधार **17 अंक**

1– सुरक्षा की अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषायें
2– सुरक्षा का उद्देश्य
3– सुरक्षा के विभिन्न तत्व, आन्तरिक एवं वाह्य
4– सुरक्षा के प्रकार–व्यापक सुरक्षा, सामान्य सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुरक्षा, आन्तरिक एवं वाह्य सुरक्षा, सैनिक सुरक्षा, आर्थिक एवं औद्योगिक सुरक्षा इत्यादि

इकाई–2 स्वास्थ्य सुरक्षा **17 अंक**

1– स्वास्थ्य सुरक्षा के घटक–व्यायाम, सक्षमता, समन्वय एवं धैर्य, चिकित्सालय, दवायें एवं प्रशिक्षित चिकित्सक।
2– शारीरिक स्वस्थता का महत्व एवं भूमिका।
3– व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत विकास।

इकाई–3 आपदा प्रबन्धन एवं सुरक्षा **18 अंक**

1– आपदा प्रबन्धन–निहितार्थ।
2– प्राकृतिक एवं मानवीय आपदायें–कारण एवं प्रभाव।
3– आपदा एवं आपातकालीन प्रबन्धन।
5– आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित विभिन्न संस्थायें।
6– नागरिक सुरक्षा संगठन–अग्नि शमन सेवा, बचाव सेवा एवं प्राथमिक चिकित्सा सेवा।

इकाई–4 सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सा **18 अंक**

1– प्राथमिक चिकित्सा के आधारभूत सिद्धान्त।
2– प्राथमिक चिकित्सा सम्बन्धी उपकरण एवं सुविधायें।
3– प्राथमिक चिकित्सा के सामान्य नियम।
4– स्वास्थ्य आपात एवं प्राथमिक चिकित्सा।
6– शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य।
7– सार्वजनिक स्थल, कारखानों तथा संगठनों में कार्यरत सुरक्षा सेवकों के स्वास्थ्य एवं कार्य क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक।
8– बुखार, लू, अस्थमा, पीठ दर्द, घाव, रूधिरस्राव, जलना, सॉप/कुत्ते का काटना, कीट डंक, श्वसन एवं परिसंचरण से सम्बन्धित समस्याएं आदि बीमारियों में प्राथमिक चिकित्सा।

प्रोजेक्ट कार्य **पूर्णांक 30 अंक**

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

1–व्यायाम का अभ्यास–विभिन्न प्रकार के शारीरिक ड्रिल एवं योग।
2–नागरिक सुरक्षा–प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन।
3–प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं को सूचीबद्ध करना।
5–आपदा से प्रभावी रूप से निपटने के लिए एक काल्पनिक आपदा योजना तैयार करना।
6–सिक्योरिटी एलार्म का प्रयोग।
7–फायर स्टेशन का भ्रमण कर अग्निशमन यंत्र की कार्यविधि का अध्ययन।
8–एक औद्योगिक संस्थान/कार्यालय का भ्रमण आयोजित कर आकस्मिकता/खतरों हेतु संस्था द्वारा सुरक्षा के उपायों एवं लगाये गये

उपकरणों को सूचीबद्ध करना।
9–ओ0 आर0 एस0 का घोल तैयार करना।
10–थर्मामीटर का प्रयोग।

कक्षा–9

(23) ट्रेड--मोबाइल रिपेयरिंग

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

-मोबाइल की सामान्य जानकारी

इकाई-3

-सोल्डरिंग का उपयोग
-विभिन्न प्रकार के मोबाइल फोन को खोलना एवं बन्द करना।
-सिम इंसर्ट करना (सिंगल एवं डबल)
-बैटरी लगाना।

इकाई-4

-मोबाइल के विभिन्न भागों का निरीक्षण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(23) ट्रेड--मोबाइल रिपेयरिंग

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 50 अंक

इकाई-1 **12 अंक**

-मोबाइल फोन की कार्य प्रणाली
-CDMS तथा GSM
-मोबाइल फोन के भाग (Part of mobile)
स्पीकर, कैमरा, बैटरी, बजर, एल0सी0डी0 एन्टिना इत्यादि।

इकाई-2 **12 अंक**

-मोबाइल में प्रयुक्त होने वाले घटकों का विवरण
-मोबाइल फोन की मरम्मत में प्रयुक्त होने वाले उपकरण, अनुरक्षण एवं रख रखाव।

इकाई-4 **12 अंक**

-मोबाइल में 2जी तथा 3जी सेवा।
-विभिन्न प्रकार के ICs के नाम तथा उनके कार्य।
-मोबाइल फोन का ब्लाक आरेख।

इकाई-5 **14 अंक**

-परिपथ (सर्किट) के विभिन्न भागों का अध्ययन करना।
-जम्पर के साथ प्रकाश, ध्वनि तथा कम्पन आदि के लिये परिपथ (IC आधार पर)

प्रयोगात्मक कार्य **50 अंक**

-मोबाइल को ऑन/ऑफ करना।
-मोबाइल में उपलब्ध अनुप्रयोग के बारें में जानना।
-मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर की जानकारी प्राप्त करना।
-वालपेपर, थीम, कैलेण्डर दिनांक इत्यादि सेट करना।
-की पैड, वाल्यूम (Volume) सेट करना।
-चार्जर, इयर फोन, पावर सप्लाई इत्यादि।
-डिसप्ले सेटिंग।
-मोबाइल फोन में प्रोफाइल सेट करना।

-मेमोरी कार्ड की जानकारी क्षमता व कार्य।
-मोबाइल के विभिन्न मॉडलों की जानकारी।

कक्षा–9

(24) ट्रेड--पर्यटन एवं आतिथ्य

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

सैद्धान्तिक--

इकाई 1--

(2) पर्यटन की विशेषतायें।
(घ) स्थलीय पर्यटन।
(ङ) आधुनिक युग में पर्यटन के प्रकार।

इकाई 2--

(1) यात्रा और संचालन करने वाले कारक।
(ख) (iii) डोमेस्टिक।
(2) पर्यटन सम्बन्धी सूचनायें और संसाधन।
(क) पासपोर्ट, वीजा बीमा (समान और पर्यटक)
(ख) एयर पोर्ट टैक्स।

इकाई 3--

((3) होटल उद्योग का विकास और उन्नति।
(5) विभिन्न फाइव स्टार होटलों में सुविधायें।
(क) फ्रन्ट कार्यालय।
(i) ट्रेवेल एवं टूर पैकेज।
(iv) आचार विचार का आदान-प्रदान और सूचनायें।
(ख) खाद्य एवं पेय।
(ii) बैंक्वेट हॉल्स।
(v) बार।
(ग) हाउस कीपिंग।
(iii) लेनिन/यूनीफार्मरूम।
(iv) सुबह/शाम की सर्विस।

इकाई-4

(3) रूम अटेन्डेन्ट के कार्य और पोशाक।
(4) स्टीवर्ड के कार्य और वेश भूषा।
(5) शेफ (Chef) पोशाक।

इकाई-5

(1) मीजा।
(2) मीपा।
(ख) हाउस कीपिंग।
(घ) खाद्य उत्पाद।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–9

(24) ट्रेड--पर्यटन एवं आतिथ्य

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 50 अंक

इकाई-1 **12 अंक**

(1) पर्यटन को समझना और परिभाषित करना तथा पर्यटन गाइड।
(3) पर्यटन उत्पाद और सेवाएं।
(क) ट्रांसपोर्ट सर्विस।
(ख) एकोमोडेशन।
(ग) कैटरिंग।

इकाई-2 **12 अंक**

(1) यात्रा और संचालन करने वाले कारक।
  (क) प्रस्तावना।
  (ख) पैकेज यात्रा।
    (i) इन बाउन्ड।
    (ii) आउट बाउन्ड।
(2) पर्यटन सम्बन्धी सूचनायें और संसाधन।
  (ग) कस्टम।
  (घ) करेन्सी।
  (ङ) विभिन्न लघु शब्द।
    I.A.T.A., W.T.O., C.V.G.R., P.A.T.A., I.U.H.F., I.A.T.M., E.P.B.X., H.R.C.C., S.T.D., P.C.O.

इकाई-3 **10 अंक**

(1) आतिथ्य उद्योग की प्रस्तावना और जानकारी।
(2) होटल की परिभाषा।
(4) भारत के महत्वपूर्ण चेन होटल।
(5) विभिन्न फाइव स्टार होटलों में सुविधायें।
  (क) फ्रन्ट कार्यालय।
    (ii) विदेशी विनिमय।
    (iii) बेल ब्वाय।
    (v) अतिथियों का स्वागत करना।
  (ख) खाद्य एवं पेय।
    (i) कान्फ्रेन्स कक्ष।
    (iii) कॉफी शाप।
    (iv) रूम सर्विस।
  (ग) हाउस कीपिंग।
    (i) पब्लिक एरिया।
    (ii) हार्टीकल्चर।
    (v) सेफ्टी और सुरक्षा।

इकाई-4 **10 अंक**

(1) सर्विस स्टाफ की जानकारी।
(2) हाउस कीपिंग विभाग के कर्मचारियों का विवरण।
(6) महिला और पुरूष की अलग-अलग पोशाक (सभी विभागों में)।

इकाई-5 **6 अंक**

(3) ब्रेकफास्ट स्टेप्स (चरण)
(4) वाणी का आदान-प्रदान।
(5) विभिन्न विभागों के कार्य।
  (क) फ्रन्ट ऑफिस।
  (ग) फूड व पेय सेवा।
  (ङ) First-Aid. (प्राथमिक चिकित्सा)

प्रयोगात्मक कार्य **50 अंक**

निर्देश-निम्न में से कोई पांच प्रयोगात्मक करें। प्रत्येक के लिए दस अंक निर्धारित है।
(1) पांच व्यक्तियों को अतिथि बनाकर उनका स्वागत करना।
(2) पांच व्यक्तियों के लिये पानी सर्विस करना।
(3) पांच व्यक्तियों के लिये टेबल सेट-अप करना।
(4) टेलीफोन से बात करते समय के मैनर।
(5) यात्रा पैकेज बनाना।
(6) सर्विस ट्रे सेट-अप करना।
(7) गेस्ट के लगेज को कक्ष तक पहुंचाना।
(8) गेस्ट का रजिस्ट्रेशन कार्ड भरना।
(9) भोजन करने के पश्चात् गेस्ट की टेबल साफ करना।
(10) गेस्ट के साथ कम्यूनिकेशन करना।

विषय– हिन्दी

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

(ब) निर्धारित पाठ्य वस्तु–

गद्य हेतु–

क्या लिखूँ– पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से–रामधारी सिंह दिनकर
पानी में चन्दा और चाँद पर आदमी– जय प्रकाश भारती

काव्य हेतु–

सुमित्रानन्दन पंत– चन्द्रलोक में प्रथमबार
माखन लाल चतुर्वेदी– जवानी
केदार नाथ सिंह– नदी
अशोक बाजपेयी– युवा जंगल
महादेवी वर्मा– वर्षा सुन्दरी के प्रति

संस्कृत हेतु– केन किं वर्धतेः,
अन्योक्तिविलासः,

संस्कृत एवं हिन्दी व्याकरण– समास– कर्मधारय, बहुव्रीहि।
सन्धि– वृद्धि
सर्वनाम–तद्, युष्मद्।
धातु रूप– दृश, पच्

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– हिन्दी

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होंगा। पूर्णांक 100

1–(क) हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (शुक्ल तथा शुक्लोत्तर युग)	5
(ख) हिन्दी पद्य का विकास का संक्षिप्त परिचय (रीतिकाल तथा आधुनिक काल)	5
2–गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से– सन्दर्भ रेखांकित अंश की व्याख्या तथ्यपरक प्रश्न	2+2+2=6
3–काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से सन्दर्भ व्याख्या काव्य सौन्दर्य	1+4+1=6 काव्य सौन्दर्य
4–संस्कृत गद्यांश अथवा पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद	1+3=4
5–निर्धारित पाठों के लेखकों एवं कवियों के जीवन परिचय एवं रचनायें	3+3=6
6–(1) संस्कृत के निर्धारित पाठों से कण्ठस्थ एक श्लोक (जो प्रश्नपत्र में न आया हो)	2
(2) संस्कृत के निर्धारित पाठों पर आधारित दो अति लघुत्तरीय प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर	2
7–काव्य सौन्दर्य के तत्व– क–रस–(हास्य एवं करूण रस की परिभाषा, उदाहरण, पहचान) ख–अलंकार–(अर्थालंकार) उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा ग–छन्द–सोरठा, रोला (लक्षण, उदाहरण, पहचान)	2+2+2=6
8–हिन्दी व्याकरण–शब्द रचना के तत्व (क) उपसर्ग–अ, अन, अधि, अप, अनु, उप, सह, निर्, अभि, परि, सु। (ख) प्रत्यय–आई, त्व, ता, पन, वा, हट, वट। (ग) समास–द्वन्द्व, द्विगु, (घ) तत्सम शब्द। (ङ) पर्यायवाची।	3+2+2+2+2=11

9–संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद– 2+2+2+2=8
क–सन्धि–यण, (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)
ख–शब्द रूप (सभी विभक्तियों एवं वचनों में)
संज्ञा–फल, मति, मधु, नदी।
ग–धातु रूप (लट्, लोट, लृट, विधिलिंग, लङ् लकारों में)
पठ, हस्,।
घ–हिन्दी के सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।
10–निबन्ध रचना–वैज्ञानिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक समस्याओं पर आधारित एवं जनसंख्या , स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण एवं यातायात के नियम पर आधारित विषय। 6
11–खण्ड काव्य–संक्षिप्त कथावस्तु, घटनायें, चरित्र–चित्रण 3
आन्तरिक मूल्यांकन–(प्रत्येक दो माह के अन्तिम सप्ताह में) 30 अंक
प्रथम– 10 अंक–वाचन (भाषण, वाद–विवाद, विचारों की अभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय–10 अंक–व्याकरण सम्बन्धी
तृतीय– 10 अंक–सृजनात्मक निबन्ध, नाटक, कहानी, कविता, अपठित आदि।

(ब) निर्धारित पाठ्य वस्तु–

गद्य हेतु–

मित्रता	राम चन्द्र शुक्ल
ममता	जयशंकर प्रसाद
भारतीय संस्कृति	राजेन्द्र प्रसाद
अजन्ता	भगवत शरण उपाध्याय

काव्य हेतु–

सूरदास	पद
तुलसीदास	धनुष भंग, वन पथ पर
रसखान	सवैये, कवित्त
बिहारी लाल	भक्ति नीति
रामनरेश त्रिपाठी	स्वदेश प्रेम
मैथिलीषरण गुप्त	भारतमाता का मंदिर यह
महादेवी वर्मा	हिमालय से
सुमित्रानन्दन पंत	चींटी,
माखन लाल चतुर्वेदी	पुष्प की अभिलाषा
सुभद्रा कुमारी चौहान	झांसी की रानी की समाधि पर
अशोक बाजपेयी	भाषा एकमात्र अनन्त है
श्याम नारायण पाण्डेय	हल्दीघाटी

संस्कृत हेतु–

वाराणसी, देशभक्तः चन्द्रशेखरः, छांदोग्योपनिषद षष्ठोध्यायः, भारतीयाः संस्कृतिः, वीरः वीरेण पूज्यते, आरूणि श्वेतकेतु संवादः जीवन–सूत्राणि, प्रबुद्धो ग्रामीणः।

खण्ड काव्य– (जिलेवार)

खण्ड काव्य के लिये–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

क्रमांक	पुस्तक का नाम	प्रकाशक का नाम	अनुदानित जिले
1	मुक्तिदूत	अशोक कुमार अग्रवाल, 43, चाहचन्द रोड, प्रयागराज	आगरा, बस्ती, गाजीपुर, फतेहपुर, बाराबंकी, उन्नाव।
2	ज्योति जवाहर	मोहन प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर	कानपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, ललितपुर, रामपुर, गोण्डा।
3	अग्रपूजा	हिन्दी भवन, 63 टैगोर नगर, प्रयागराज	प्रयागराज, आजमगढ़, मथुरा।
4	मेवाड़ मुकुट	शंकर प्रकाशन, 8/98 आर्यनगर, कानपुर	बुलन्दशहर, देवरिया, बरेली, सुल्तानपुर, सीतापुर, बहराइच।
5	जय सुभाष	रोहिताश्व प्रकाशन, 368 मालती सदन, ऐशबाग, लखनऊ	लखनऊ, सहारनपुर, फैजाबाद, बांदा, झांसी, हरदोई।
6	मातृ भूमि के लिये	आधुनिक प्रकाशन गृह, दारागंज, प्रयागराज	गोरखपुर, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, मैनपुरी, मुजफ्फरनगर।
7	कर्ण	बुनियादी साहित्य मन्दिर, पटना–4	अलीगढ़, जौनपुर, बलिया, हमीरपुर, एटा।
8	कर्मवीर भरत	हिन्दुस्तान बुक हाउस, अस्पताल रोड, परेड, कानपुर	मेरठ, फर्रूखाबाद, पीलीभीत, रायबरेली।
9	तुमुल	इन्डियन प्रेस पब्लिकेशन प्रा0 लि0, 36, पन्ना लाल रोड, प्रयागराज	वाराणसी, इटावा, बिजनौर, जालौन, बदायूँ।

नोट :–उपर्युक्त के अतिरिक्त अन्य जिलों/नये सृजित जिलों में खण्ड काव्य पूर्व वर्षों की भांति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।

विषय– प्रारम्भिक हिन्दी

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

गद्य– अजन्ता– भगवत् शरण उपाध्याय
काव्य– सुमित्रानन्दन पंत– चन्द्रलोक में प्रथम बार
संस्कृत – प्रबुद्धो ग्रामीणः, अन्योक्तिविलासः,
संस्कृत एवं हिन्दी व्याकरण– समास– कर्मधारय, सन्धि– वृद्धि, सर्वनाम–तद्, युष्मद्, धातु रूप– दृश, पच्

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–10 –प्रारम्भिक हिन्दी
(हिन्दी से छूट पाने वाले छात्रों के लिये)

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट वर्क होगा। **पूर्णांक 100**

1–(क) हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय– 5
(शुक्ल युग एवं शुक्लोत्तर युग–लेखकों एवं रचनाओं के नाम)
(ख) हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय– 5
(रीतिकाल एवं आधुनिक काल–कवि एवं उनकी कृतियां)
2–गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से– 2+4+2=8
1–सन्दर्भ
2–रेखांकित अंश का अर्थ
3–तथ्यपरक प्रश्न
(पाठ–मित्रता, ममता, भारतीय संस्कृति,)
3–काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से सन्दर्भ सहित अर्थ– 2+6=8
(सूरदास, तुलसीदास, रामनरेश त्रिपाठी, सुमित्रा नन्दन पंत, सुभद्रा कुमारी चौहान)
4–संस्कृत हेतु निर्धारित पाठ्यवस्तु से–
1–गद्य अथवा पद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद– 2+4=6
(पाठ–वाराणसी, भारतीया संस्कृतिः, जीवन सूत्राणि)
2–पाठों पर आधारित संस्कृत में अति लघु उत्तरीय प्रश्न– 2
5–निर्धारित पाठों के लेखकों तथा कवियों के जीवन परिचय एवं रचनाएं संबंधी प्रश्न (लघु उत्तरीय) 3+3=6
6–काव्य सौंदर्य के तत्व– 2+2+2=6
क–रस–हास्य एवं करूण (परिभाषा व उदाहरण)
ख–अलंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा (परिभाषा उदाहरण)
ग–छन्द–दोहा, चौपाई–लक्षण उदाहरण
7–हिन्दी व्याकरण– 2+2+2+2+2+2=12
क–समास–बहुव्रीहि।
ख–लोकोक्तियां एवं मुहावरे–अर्थ एवं वाक्य प्रयोग
ग–पर्यायवाची शब्द
घ–विपरीतार्थक शब्द
ङ–तत्सम तद्भव
च–वाक्यांशों के लिए एक शब्द की रचना
8–संस्कृत व्याकरण– 1+2+1=4
क–सन्धि–यण्,
ख–शब्दरूप–संज्ञा–फल, मति, पयस्
ग–धातु रूप–पठ्, हस्,
9–निबन्ध–वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, सामाजिक समस्याओं पर आधारित तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, जनसंख्या तथा यातायात नियम संबंधी निबन्ध– 8
(ब)–निर्धारित पाठ्यवस्तु
गद्य हेतु

पाठ	**लेखक**
मित्रता	रामचन्द्र शुक्ल
ममता	जयशंकर प्रसाद
भारतीय संस्कृति	राजेन्द्र प्रसाद
काव्य हेतु	
सूरदास	पद
तुलसीदास	धनुष भंग, वन पथ पर
सुमित्रानन्दन पंत–	चींटी
रामनरेश त्रिपाठी	स्वदेश प्रेम

सुभद्रा कुमारी चौहान झाँसी की रानी की समाधि पर
संस्कृत हेतु
पाठ–वाराणसी, भारतीयाः संस्कृतिः, जीवन–सूत्राणि।
आन्तरिक मूल्यांकन–(प्रत्येक दो माह के अन्तिम सप्ताह में) अंक योग–30
प्रथम– 10 अंक–वाचन (भाषण, वाद–विवाद आदि)
द्वितीय– 10 अंक–व्याकरण
तृतीय– 10 अंक–सृजनात्मक–निबन्ध, नाटक, कहानी आदि।

Class – X
Syllabus – English

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

Text Book

Prose-

- Two Story about Flying
  i. His First Flight — Liam O'Flaherty
  ii. Black Aeroplane — Frederick Forsyth
- The Hundred Dresses-I — El Bsor Ester
- The Hundred Dresses-II — El Bsor Ester
- Mijbil The Otter — Gavin Maxwell
- The Proposal — Anton Chekov

Poetry-

- How to Tell Wild Animals — Carolyn Wells
- The Ball Poem — John Berryman
- The Tale of Custard the Dragon — Ogden Nash
- For Anne Gregory — William Butler Yeats

Footprints Without Feet – Supplementary Reader

- The Midnight Visitor — Robert Arthur
- A Question of Trust — Victor Canning
- The Hack Driver — Sinclair Lewis
- The Book That Saved the Earth — Claire Boiko

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

Class – X
Syllabus – English

Max Marks – 100

There will be one question paper of **70 marks.** Internal Assessment will be for **30 marks .**

Section A – Reading- **10 Marks**

1 One long passage followed by two short-answer questions and two very short-answer type vocabulary based/language based questions. 3+3=6
2+2=4

Section B – Writing- **10 Marks**

2 Letter/Application writing. 4
3 Descriptive paragraph/report/article based on given verbal clues 6

Section C – Grammar- **15 Marks**

4 Ten questions (MCQs/very short-answer type questions) based on parts of speech, tenses, narrations, articles, voice, reordering of sentences, punctuation etc. 1X10=10
5 A very short passage in Hindi for translation into English (5 lines). 5

Section D – Literature- **35 Marks**

First Flight – Text Book

Prose- **15**

6 Two Short answer type questions based on a given prose passage 2+2=4
7 One long answer type question 4
8 Two short answer type questions 2+2=4
9 Three very short vocabulary based/match type questions 1X3=3

Poetry- **8**

10 Two short answer type questions based on a given poetry extract 2+2=4
11 Central idea of any one of the given poems 4

OR

Four lines from any poem prescribed in the syllabus

Footprints Without Feet – Supplementary Reader - 12

12 Two short answer type questions 2+2=4

13 One long answer type question 4

14 Four very short answer type questions (True/False, Completing the sentence) 1X4=4

Prescribed books and Lessons

First Flight – Text Book

Prose-

1. A Letter to God — G.L. Fuentes
2. Nelson Mandela: Long Walk to Freedom — Nelson Rolihlahla Mandela
3. From the Diary of Anne Frank — Anne Frank
4. Glimpses of India
   - i. A Baker from Goa — Lucio Rodrigues
   - ii. Coorg — Lokesh Abrol
   - iii. Tea from Assam — Arup Kumar Datta
5. Madam Rides the Bus — Vallikkannan
6. The Sermon at Benares

Poetry-

1. Dust of Snow — Robert Frost
2. Fire and Ice — Robert Frost
3. A Tiger in the Zoo — Leslie Norris
4. Amanda! — Robin Klein
5. Animals — Walt Whitman
6. The Trees — Adrienne Rich
7. Fog — Carl Sandburg

Footprints Without Feet-Supplementary Reader

1. A Triumph of Surgery — James Herriot
2. The Thief's Story — Ruskin Bond
3. Footprints Without Feet — H.G. Wells
4. The Making of a Scientist — Robert W. Peterson
5. The Necklace — Guy De Maupassant
6. Bholi — K.A. Abbas

Note – There is no book prescribed for Grammar. Students can select any book recommended by their subject teacher.

विषय– संस्कृत

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक् विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

संस्कृत गद्य भारती-

1- उद्भिज्ज-परिषद्
2- कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम्
3-जीवनं निहितं वने

संस्कृत पद्य पीयूषम्-

1-वृक्षाणां चेतनत्वम्
2-क्षान्ति सौख्यम्
3-जीव्याद् भारतवर्षम्

कथा नाटक कौमुदी-

1-धैर्यधनाः हि साधवः
2-भोजस्य शल्यचिकित्सा
3-ज्ञानं पूततरं सदा

व्याकरण-

विसर्ग सन्धि- अतोरोरप्लुतादप्लुते।
शब्दरूप- पुंलिङ्ग- भगवत्, करिन्
स्त्रीलिंग- सरित्।
नपुंसकलिंग- मधु, नामन्, अदस्

धातुरूप-परस्मैपद- नश्, आप्, इष्
उभयपद- ज्ञा, चुर
प्रत्यय- शतृ, शानच्, क्तवतु, क्तिन्, इन्, मतुप, ठक्, त्व, तल्।
निबन्ध- (1) मातृभूमिः (2) वसुधैव कुटुम्बकम् (3) भारतीयकृषकः (4) हिमालयः (5) तीर्थराजप्रयागः (6) वनसम्पत्
(7) परिवारकल्याणम् (8) राष्ट्रियपक्षिमयूरः (9) यौतुकम् (10) क्रिकेटक्रीडनम्।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय-संस्कृत

कक्षा-10 **पूर्णांक 100**

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न-पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का भी उल्लेख होगा तथा उसके उत्तर के रूप में तीन या चार उत्तर प्रश्न-पत्र में अंकित होंगे। उनमें से एक शुद्ध उत्तर होगा। उसका उल्लेख उत्तर पुस्तिका में छात्र को अंकित करना होगा तथा उनका अंक विभाजन निम्नवत् होगा-

खण्ड क **(गद्य, पद्य आशुपाठ)** **35 अंक**

गद्य

1-गद्य-खण्ड का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+5=7 अंक
2-पाठ-सारांश 4 अंक

पद्य

1-पद्य की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या 2+5=7 अंक
2-सूक्तियों की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या 1+2=3 अंक
3-किसी एक श्लोक का संस्कृत में अर्थ 5 अंक

आशुपाठ-

1-पात्र चरित्र-चित्रण (हिन्दी में) 4 अंक
2-लघु उत्तरीय प्रश्न (संस्कृत में) 5 अंक

खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद, रचना) **35 अंक**

व्याकरण-

1-प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं वर्णों का उच्चारण स्थान 2 अंक
2-सन्धि 3 अंक
1-हल् सन्धि- मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः।
2-विसर्ग सन्धि-विसर्जनीयस्य सः, ससजुषो रुः, हशि च।
3-शब्द रूप- 2 अंक
अ-पुंलिङ्ग-पितृ, गो, राजन्।
ब-स्त्रीलिङ्ग-नदी, धेनु, वधू,।
स-नपुंसकलिङ्ग-वारि, मनस्, किम्, यद्,।
4-धातुरूप--(लट्, लृट्, लोट्, लङ् तथा विधिलिङ् लकारों में)- 2 अंक
अ-परस्मैपद-भू, पा, वस्, स्था।
ब-आत्मनेपद-वृध्, जन्।
स-उभयपद-नी, दा।
5-समास--समासों के विग्रह सहित उदाहरण- 2 अंक
अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि।
6-कारक--विभक्ति--निम्न सूत्रों के आधार पर कारक-विभक्ति ज्ञान एवं प्रयोग 2 अंक
कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, साधकतमं करणम्
कर्तृकरणयोस्तृतीया, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्,
चतुर्थी सम्प्रदाने, ध्रुवमपायेऽपादानम् अपादाने पंचमी,
आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च।
7-प्रत्यय-क्त, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, टाप्, अनीयर्। 2 अंक
8-वाच्य परिवर्तन 2 अंक

अनुवाद-

1-हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद 6 अंक

रचना-

1-निबन्ध (कम से कम आठ वाक्य) 8 अंक
जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं यातायात के नियम की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेंगे।
2-संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग। 4 अंक

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक

निम्नलिखित पाठ्य-पुस्तकों के सम्मुख अंकित पाठ्यवस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश/पाठ का अध्ययन करना होगा)-

1-संस्कृत व्याकरण-1-प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं उच्चारण स्थान।

2-सन्धि-व्यंजन एवं विसर्ग सन्धियों का परिचय एवं अभ्यास।
3-समास-अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि।
4-कारक एवं विभक्ति परिचय।
5-वाच्य-परिवर्तन।
6-अनुवाद-
क-सामान्य नियमों सहित अभ्यास।
ख-कारक एवं विभक्ति ज्ञान।
ग-अनुवाद अभ्यास।
7-प्रत्यय।
8-शब्दरूप-संज्ञा, सर्वनाम तथा संख्या वाचक शब्दों के तीनों लिङ्गों में रूप।
9-धातुरूप-परस्मैपद, आत्मनेपद तथा उभयपद में धातुओं के रूप।
10-संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग।
11-संस्कृत वाक्य शुद्धि।
12-संस्कृत में निबन्ध-
1-विद्या
2-सदाचारः
3-परोपकारः
4-सत्संगति
5-अहिंसा परमोधर्मः
6-राष्ट्रीयएकता
7-अनुशासनम्
8-राष्ट्रपितामहात्मागांधी
9-संस्कृतभाषायाः महत्वम्
10-पर्यावरणम्
11-दूरदर्शनम्
जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं यातायात के नियम की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेंगे।

संस्कृत गद्य भारती

संस्कृत साहित्य पर एक दृष्टि
वैदिक मङ्लाचरणम्
1-कविकुलगुरुः कालिदासः
2- नैतिकमूल्यानि
3- विश्वकविः रवीन्द्रः
4- आदिशंकराचार्यः
5- संस्कृतभाषायाः गौरवम्
6- मदनमोहनमालवीयः
7- लोकमान्यःतिलकः
8- गुरुनानकदेवः
9- दीनबन्धुः ज्योतिबाफुले

संस्कृत पद्य पीयूषम्-

1-लक्ष्य-वेध-परीक्षा
2-सूक्ति-सुधा
3-विद्यार्थिचर्या
4-गीतामृतम्

कथा नाटक कौमुदी-

1-महात्मनः संस्मरणानि
2-कारुणिको जीमूतवाहनः
3-यौतुकः पापसञ्चयः
4-वयं भारतीयाः

आन्तरिक मूल्यांकन- **अंक 30**

शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में- (अन्तिम सप्ताह में)

प्रथम- अंक 10- वाचन (वाद-विवाद, भाषण, विचाराभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय- अंक 10 - (व्याकरण सम्बन्धी)
तृतीय- अंक 10-सृजनात्मक (नाटक, कहानी, पत्र लेखन आदि)

विषय– उर्दू
हाईस्कूल (कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

खण्ड (अ)

साहित्यिक विधाएं (असनाफ़े अदब)-

(1) क़सीदा (2) मरसिया

खण्ड-(ब)

गद्यांश सवेरे जो कल ऑख मेरी खुली-पतरस बुख़ारी

(4) गरमकोट-राजेन्द्र सिंह बेदी

(5) मौलवी अब्दुल हक़-अल्ताफ़ हुसैन हाली

पद्यांश मीर, दाग

पद्य में गालिब, मोमिन, आतिश

नज़मियात-नज़ीर अकबराबादी, अख़्तरूल ईमान।

क़सीदा-मुहम्मद रफ़ी सौदा

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– उर्दू
हाईस्कूल (कक्षा–10) पूर्णांक 100

उर्दू विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्न-पत्र होगा तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

उर्दू विषय में 70 अंक का एक प्रश्न-पत्र तीन घण्टो का होगा।

खण्ड-(अ) पूर्णांक-35

1-व्याकरण और उसका प्रयोग- 6 अंक

व्याकरण के केवल उन्हीं तत्वों पर बल दिया जायेगा जो भाषा के प्रयोगात्मक ज्ञान और उसके लेखन एवं संभाषण पर आधारित हों। व्याकरण का अध्ययन एक विषय के रूप में अनिवार्य नहीं है परन्तु छात्रों को कक्षा में पढ़ाते समय भाषा में व्याकरण के महत्व तथा वाक्य प्रयोग पर अधिक बल दिया जाय। साथ ही छात्रों का वाक्य विन्यास तथा दूसरी प्रचलित क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद करने का अभ्यास कराना चाहिए।

2-साहित्यिक विधाएं (असनाफ़े अदब)- 7 अंक

(1) नावेल (उपन्यास) (2) अफ़साना (3) नज़्म

3-अलंकार (सनअतें)- 5 अंक

हुस्ने तालील, मरातुन नज़ीर, तज़ाद, तलमीह, लफ़्ज़ोंनश्र, तजनीस, तशबीह ओ इस्तेआरा

4-मुहावरात व ज़रबुलमिसाल 5 अंक

5-निबन्ध लेखन 6 अंक

6-अपठित (ग़ैर दरसी नसरी इक़्तेबास का खुलासा) 6 अंक

खण्ड-(ब) **पूर्णांक-35**

निर्धारित पाठ्य पुस्तक (गद्यांश)उर्दू की नई किताब कक्षा 10 के लिए प्रकाशन एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली।

1-निम्नलिखित गद्य के पाठ अध्ययन के लिए प्रस्तावित है- 10 अंक

(अ) (1) उमराव जान अदा (इक़्तेबास)-मिर्ज़ा हादी रूस्वा

(2) चारपाई (इक़्तेबास)-रशीद अहमद सिद्दीकी

(3) पूरे चॉद की रात-कृष्ण चन्दर

(6) हिन्दुस्तानी तहज़ीब के अनासिर-प्रोफ़ेसर एहतेशाम हुसैन

(7) गद्य में मीर-अम्मन, गालिब, प्रेम चन्द्र, रतननाथ सरशार, अबुल कलाम आज़ाद

(ब) गद्य लेखक का जीवन परिचय (सवानेह हयात), गद्य लेखन की विशेषाताएं, (नस्र निगारी की खूबियां तथा शैली) तर्जे निगारिश का ज्ञान (मालूमात फ़राहम कराना) 4 अंक

2-निर्धारित पाठ्य पुस्तक (पद्यांश)

उर्दू की नई किताब (दसवीं जमाअत के लिए)

प्रकाशक एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली

1-**पद्यांश** **8 अंक**

ग़ज़लियात-हाली, इक़बाल, हसरत मोहानी, असगर-ग़ोण्डवी, फ़ानी बदायूंनी जिगर मुरादाबादी, फ़िराक गोरखपुरी, फ़ैज अहमद फ़ैज

नज़मियात- हाली, दुर्गासहाय सुरूर, इकबाल जोश मलीहाबादी, चकबस्त, अली सरदार जाफ़री। 4 अंक

मरसिया-मीर अनीस 3 अंक

(2) उर्दू शोअरा (जो पाठ्य पुस्तक में निर्धारित हैं) की सवानेह हयात व उनके कलाम की खूबियों से छात्रों को रूशनास कराया जाय। 3 अंक

(3) उर्दू ज़बान ओ अदब का इरतिक़ा 3 अंक

निर्धारित पुस्तक-उर्दू की नई किताब दसवीं जमाअत के लिए प्रकाशक एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली।

सहायक पुस्तक-उर्दू अदब की तारीख़ लेखक अज़ीमुल हक़ जुनैदी

प्रकाशक-एजुकेशनल बुक हाउस, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

गुजराती

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

गद्य हेतु-

3-थिगाटुन	सुरेश जोशी
5-बी लघु कथा	मोहन लाल पटेल
9-भन्कारा	चन्द्रवाकर

पद्य हेतु-

5-चेली कचेरी	मेधानी
7-मन	निरंजन भगत

सहायक पुस्तक (स्वाध्याय)

(घ) फक्ता पन्दार मिनीत	विभूति शाह

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

गुजराती

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होंगा। पूर्णांक 100

भाग-(अ) 35 अंक

1-व्याकरण **15 अंक**

(क) वचन परिवर्तन 05 अंक

(ख) लिंग परिवर्तन 05 अंक

(ग) वाक्य शुद्धि 05 अंक

2-रचना **15 अंक**

(क) निबन्ध लेखन-(भावनात्मक वर्णनात्मक) 10 अंक

अथवा

दी गयी रूपरेखा के आधार पर कहानी का विकास करना

(ख) पत्र लेखन (व्यक्तिगत, कार्यालय सम्बन्धी सम्पादक सम्बन्धी) 05 अंक

3-अपठित गद्य खण्ड **05 अंक**

भाग-(ब) 35 अंक

1-गद्य-(पाठ्य पुस्तक पर आधारित लघु प्रश्न) 15 अंक

2-पद्य-संदर्भ सहित व्याख्या तथा निर्धारित पुस्तक की कविताओं की समीक्षा 10 अंक

3-सहायक पुस्तक-स्वअध्ययन 10 अंक

(क) कविता

(ख) गद्य-सामान्य आलोचनात्मक समीक्षा, केन्द्रीय भाव तथा चरित्र-चित्रण।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें-

गुजराती वचन माला-दसवीं कक्षा हेतु प्रकाशन 199, गुजरात राज्यशाला पुस्तक माला, पुरानी विधान सभा गृह सेक्टर 17, गांधीनगर, गुजरात द्वारा प्रकाशित।

गद्य-निम्नांकित पाठ पढ़ने होंगे-

1-जुमो मिस्त्री	धूमकेतु
2-लोहेनि सगई	पेठलीकार
4-श्रुतियेनी समाअती	सो बक्शी
6-पृथ्वी बल्लभ खेन्दबी	के मुन्शी
7-सत्य आने अहिंसा	गांधी जी
8-मध्याहना नु काव्य	कलेलकर

पद्य-निम्नांकित कविताएं पढ़नी होंगी-

1-भजरे भजतुन	नर सिन्हा मेहता
2-चम्पा	अकही
3-हवाई सखी	दयाराम
4-मेहामानोन सम्बोधन	कान्ता
6-उन्तोचाहूं	मनसुख लाल जवेरी

सहायक पुस्तक (स्वाध्याय)

1-गद्य-निम्न पाठ पढ़ने होंगे-

(क) अगागाबी न अनुभव	रमन भई निम्न कन्था
(ख) मोहादेव भाई नीदयारी	महादेव देसाई
(ग) एक-एकरार	इन्दूलाल याज्ञनिक

पद्य-निम्न कवितायें पढ़नी होंगी-

1-स्मृति भवन पन्ना नायका	
2-मजुष रकोवायो ये	श्याम साधु

पंजाबी

कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

गद्य–

कहॉनी– जिऊण जोगे, एक रात

लेख– मोगे दी बेबे

पद्य–

कवितायें– गुरूगोविन्द सिंहजी, दमोदर, बुल्लेशाह, हरिभजन सिंह, प्रो0 मोहन सिंह, जोगिन्दर अमर, फिरोजदीन सरफ, हाशम शाह

ईकांगी– मनुष्य बिचारा

जीवनी– मुडली अवस्था

सफरनामा– रूस की सर्दी

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

पंजाबी

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होंगा। पूर्णांक 100

भाग (एक) 35 अंक

पद्य पाठ- 20 अंक

1-प्रसंग, अर्थ एवं भावार्थ
2-कविता का सारांश
3-कवि के सम्बन्ध में प्रश्न

गद्य पाठ- 15 अंक

1-उपन्यास-प्रसंग
2-विषय-वस्तु, पात्र भाषा
3-लेखक की जीवनी

भाग (दो) 35 अंक

व्याकरण-

1-मुहावरे	03 अंक
2-लिंग बदलो	02 अंक
3-बहुवचन बनाओ	02 अंक
4-अनेक शब्दों के एक शब्द	03 अंक
5-प्रत्यय-उपसर्ग	03 अंक
6-अनुवाद-हिन्दी से पंजाबी एवं पंजाबी से हिन्दी	5+5= 10 अंक
7-निबन्ध-प्रचलित विषयों पर	08 अंक
8-पत्र-लेखन-(व्यापारिक एवं कार्यालयीय)	04 अंक

निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें-

1-गद्य-पद्य (भाग-दो)	हरशरण कौर
2-जंगल दे शेर-	जसवंत सिंह कंवल
3-पंजाबी व्याकरण लेख रचना	ज्ञानी लाल सिंह

बंगला

कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

गद्य–

3-निर्भयेर राजतु
5-पाली साहित्य
7-पद्मा नदीर माझी

पुस्तक-

(1)-अन्न पूर्णा को ईश्वरी पाटनी
(4) नव वर्षा
(8) आगामी

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

बंगला

कक्षा 10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

भाग ''अ'' **35 अंक**

1-व्याकरण-

सन्धि-	1 अंक
सन्धि-विच्छेद-	2 अंक
समास-	3 अंक
व्यंजन सन्धि-	2 अंक
वाक्य परिवर्तन-	2 अंक
वाक्य रचना-	3+2=5 अंक
विराम चिन्ह-	3 अंक
वर्तनी-	2 अंक
2-(i) निबन्ध-	10 अंक
(ii) अपठित गद्य या दिये गये विचारों का विस्तार-	5 अंक

भाग ''ब'' **35 अंक**

गद्य-सामान्य प्रश्न- 5+5=10 अंक
व्याख्या- 3 अंक
टीका- 2 अंक

पाठों का नाम

1-देशेर श्रीवृद्धि
2-देना पावना
4-सभ्य साची
6-मातृ भाषा

पद्य-

सामान्य प्रश्न-	5 अंक
व्याख्या-	5 अंक
संक्षिप्त टिप्पणी-	3 अंक

पुस्तक-

(2) ईश्वर चन्द्र विद्या सागर
(3) हे मोर दुर्भागा देश
(5) काण्डारी हुँशियार
(6) कागज विक्री
(7) रूपशी बंगला

3-छोटी कहानी 7 अंक

राज कहानी

प्रश्न सामान्य हो, भाव तथा चरित्र पर आधारित हो-कहानी का नाम

(1) शिलादिप्य
(2) गोहा
(3) वाप्पा दिव्य
(4) पदमिनी
(5) हम्वीर
(6) हम्बीरेर राज्य लाभ।

निर्धारित पुस्तकें-

1-पद्य संकलन (पद्य भाग केवल)-1987 संस्करण बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन, पश्चिम बंगाल, कोलकाता द्वारा प्रकाशित।

विषय-मराठी

कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

व्याकरण

(ग) दिख्या वाक्योसील अशुद्धीये शुद्धिकरण

2-रचना-

(ख) पत्र लेखन (कार्यालय सम्बन्धी-व्यावसायिक विषय)

3-अपठित गद्य खंडाचे ज्ञान-

निर्धारित पुस्तक-

क्रमांक	पाठाचा क्रमांक	पाठांचे शीर्षक	लेखक
1	2	3	4
1	3	अमाचे अजून ग्रह सुठली नाही	जी0जी0 आगरकर
6	10	डपासे	पू0ला0 देशपांडे
8	12	स्मशनासीले सोने	अश्णाभाऊ सांठे

2-पद्य-

(सन्दर्भ सहित स्पष्टीकरण आणि रस ग्रहण)

क्रमांक	पाठाचा क्रमांक	पाठांचे शीर्षक	लेखक
1	2	3	4
2	6	फटका	अंनत फंदी
6	10	भ्रांत तुम्हां का पढ़े ?	माधवज्युलिअन
7	15	मृत्युल कोण हसे	अरंती प्रभु

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

मराठी

कक्षा-10

केवल प्रश्न-पत्र

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

खण्ड-(क) 35 अंक

व्याकरण 20 अंक

(क) वाक्य परिवर्तन

(ख) काल परिवर्तन

2-रचना- 15 अंक

(क) निबन्ध-चित्रात्मक 05 अंक

खण्ड-(ख) 35 अंक

1-गद्य- 15 अंक

(पाठ्य पुस्तकवार आधारित संक्षिप्त प्रश्न व गद्यांशांचे सन्दर्भ सहित स्पष्टीकरण)

निर्धारित पुस्तक-

कुमार भारती (1995)

क्रमांक	पाठाचा क्रमांक	पाठांचे शीर्षक	लेखक
1	2	3	4
2	5	अवमानतून सूटका	बी0द0 सावरकर
3	6	उन्नतीचा मूलमन्त्र	बाबा साहेब आम्वेदकर
4	7	स्वरूप पाहा	बिनोबा भावे
5	8	विजय स्तम्भ	वि0स0 खांडेकर
7	11	औधॉचा राजा	जी0डी0 माडगुलकर
9	14	सुन्दर	एस0डी0 पानवलाकर
10	16	बुद्धदशन	भालाचन्द्र नामाडे

2-पद्य- **10 अंक**

(सन्दर्भ सहित स्पष्टीकरण आणि रस ग्रहण)

क्रमांक	पाठाचा क्रमांक	पाठांचे शीर्षक	लेखक
1	2	3	4
1	3	तुकारामची अभंगवाणी	तुकाराम
3	7	अखंड	महात्मा फूले
4	8	आम्ही कोण ?	केशव गुप्त
5	9	पवै	बालकवि

3-नाटक- 5 अंक

(पात्र चरित्र, कल्पना, साधारण, टीकात्मक रस ग्रहण, पावर आधारित प्रश्न)

(क) निबन्धात्मक (एक)

(ख) लघु उत्तरी (दीन)

सुन्दर भो होणार------लेखक----पी0एल0 देशपाण्डे

प्रकाशक---कान्टेनेन्टल पब्लिकेशन, पूणे।

4-चरित्र- 5 अंक

शोरले बाजीराव----लेखक---एम0व्ही0 गोखले

प्रकाशक---आयंदे प्रकाशक, पूणे।

निबन्धात्मक प्रश्न (एक)

आसामी

कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड-(अ)

1-अनुप्रयोगात्मक व्याकरण-

3-वाक्य रचना में परिवर्तन।

रचना-

(ख) सार लेखन (अपठित गद्यांश)

खण्ड-(ब)

पद्य-

1-गोलप

2-अमंक कोने मोरे

2-गद्य

2-स्विंग बाल

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

आसामी

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

खण्ड-(अ) **35 अंक**

1-अनुप्रयोगात्मक व्याकरण- **15 अंक**

1-वाक्य रचना की अशुद्धियों का संशोधन, गलतियों का सुधार एवं तुलना गलत क्रियाओं का प्रयोग में सुधार।

2-कहावतों एवं मुहावरों/लोकोक्तियों का प्रयोग।

रचना- **20 अंक**

(क) निबन्ध (तथ्यात्मक तथा वर्णनात्मक)

संस्तुत पुस्तकें-

1-बहाल व्याकरण-सत्यनाथ बोरा, बरूआ एजेंसी, गुवाहाटी

2-असमियां व्याकरण-हेमचन्द्र बरूआ, हेमकोष, गुवाहाटी

3-असमियां रचना विधि-प्रधानाचार्य गिरिधर शर्मा, प्राप्ति स्थान-आसाम बुक डिपो

4-असमियां भाषा बोधिका-ले0 प्रियदास तालुकदार, प्रकाशक-एल0बी0एस0 प्रकाशन, अम्बारी, गुवाहाटी-78100

खण्ड-(ब) **35 अंक**

पद्य- **15 अंक**

(क) निर्धारित खण्ड की व्याख्या 6 अंक

(ख) निर्धारित पुस्तक से सामान्य प्रश्न 9 अंक

पद्य एवं गद्य के लिए निर्धारित पुस्तकें-

माध्यमिक साहित्य चयन प्रकाशक आसाम स्टेट टेक्स्ट बुक, प्रोडक्शन ऐन्ड पब्लिकेशन लिमिटेड, गुवाहाटी-78002

निम्नलिखित पद्य का अध्ययन करना होगा-

3-गीत

4-सुरार देओल

2-गद्य **15 अंक**

1-पठित खण्ड की व्याख्या 6 अंक

2-संक्षिप्त विवरण (निर्धारित पुस्तक से पौराणिक, ऐतिहासिक, लाक्षणिक तकनीकी या भावात्मक संदर्भ में)। 5 अंक

3-पठित खण्ड से सामान्य प्रश्न 4 अंक

निम्नलिखित गद्य पाठों का अध्ययन करना होगा-

1-पाक शिविध सलीम अली

3-भारतार विचित्रार मजोट आकिया

4-आसामी लोकगीत

5-लूकोदेका फूकानार देश भोविन

3-आत्मकथा- **5 अंक**

निर्धारित पुस्तक-

जीवनी संग्रह-पद्मनाथ मोहन बरूआ द्वारा मूलरूप में संकलित वर्तमान में आसाम बोर्ड बानुनी मैदान गुवाहाटी द्वारा प्रकाशित।

उड़िया– केवल प्रश्नपत्र

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड–क

1–व्याकरण

समास (बहुब्रीहि, कर्मधारय, अव्ययीभाव, तधित)

(2) वाक्य परिवर्तन (संयुक्त, मिश्रित, साधारण)

(5) कहावतें एवं मुहावरे

2–रचना

(1) निबन्ध (ट्राफिक रूल्स पर निबन्ध पूछे जायेंगे)

गद्य–

2–सभ्यता ओ विज्ञान

5–ओड़िया साहित्य कथा

सहायक पुस्तक में पठित अंश (कहानी, एकांकी)

1–कलिजुगर समाप्ति ओ मिश्र बाबू

3–सुरसुन्दरी

पद्य-

2–राघवंक लंका जात्रानुकूल

4–जगवदनधरा

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–10

उड़िया– केवल प्रश्नपत्र

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

खण्ड–क **35 अंक**

1–व्याकरण **20 अंक**

(1) शब्दों का निर्माण (संज्ञा, विशेषण) 8

सन्धि (व्यंजन, विसर्ग)

(3) अनुवाद 6

(4) विराम चिन्ह 6

2–रचना **15 अंक**

(1) निबन्ध (जनसंख्या,पर्यावरण,प्रदूषण पर भी निबन्ध पूछे जायेंगे) 10

(2) अपठित गद्यांश 5

खण्ड–ख **35 अंक**

गद्य विस्तृत अध्ययन **17 अंक**

(क) पठित खण्ड की व्याख्या 4 अंक

(ख) साधारण प्रश्न 9 अंक

(ग) संक्षिप्त विवरण या टिप्पणी 4 अंक

(निर्धारित पुस्तक में से पौराणिक, ऐतिहासिक, लाक्षणिक, तकनीकी या भावनात्मक संदर्भ में)

निम्नलिखित गद्य पाठों का अध्ययन करना होगा :–

1–जन्मभूमि

3–मातृभाषाओं लोकोक्तियाँ

4–नरेन्द्र विवेकानन्द

सहायक पुस्तक में पठित अंश (कहानी, एकांकी) **6 अंक**

2–बेल, अस्वस्तओ वृटवृख्य

4–कोर्णाक

पद्य **12 अंक**

1–पद्य पर आधारित सामान्य प्रश्न 6 अंक

2–व्याख्या 6 अंक

निम्नलिखित पद्य पाठों का अध्ययन करना होगा :–

1–मान गोविन्द महानता

3–चिलिका सायन्तन

गद्य एवं पद्य के लिये निर्धारित पुस्तकें :–

प्रकाशक

साहित्य–बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन उड़ीसा, कटक पब्लिकेशन उड़ीसा

कन्नड़

कक्षा-10.

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

गद्य–

(10) यशुबिना कोन्य दीना

(11) मन्त्य सूलोगन्थर

(12) टुंग भुजंग कर्थ

पद्य-

(6) विलाणु

(9) ननागाडेंपाध्यम

(11) करननारेन्द्र

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कन्नड़

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

भाग-अ **35 अंक**

अ-व्याकरण- **17 अंक**

(1) सन्धि, समास

(2) पैरा फ्रेजिंग (Para Phrasing) सरलीकरण/अपने शब्दों में लिखना।

(3) पर्यायवाची एवं विलोम शब्द।

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग करना ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषायी चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

ब-मुहावरे तथा लोकोक्तियां **13 अंक**

2 रचना-

(अ) निबन्ध रचना-वर्णनात्मक, सामाजिक (पारिवारिक एवं विद्यार्थी जीवन के सम्बन्ध में) कथात्मक (निबन्ध 150 से 200 शब्दों में)

(ब) पत्र लेखन (सम्पादक को व्यापारिक पत्र एवं प्रार्थना-पत्र)।

3-अपठित गद्यांश का बोध कराना। **05 अंक**

भाग-ब **35 अंक**

निर्धारित पुस्तकें (गद्य एवं पद्य)-

कन्नड भारतीय-10, प्रकाशक, नव कर्नाटक पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, इम बहसी सेन्टर, क्रिट रोड, पोस्ट आफिस 5159, बंगलोर।

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे-

(अ) गद्य (विस्तृत अध्ययन) 14 अंक

(1) साध्याब
(2) ननताख
(3) नीबू वैध्यार मानू पिकितों
(4) मानादानिया नोदी मानीदेय
(5) बसावननवारू कताावियासिदा समाज
(6) किसागोतामी
(7) अदायावान्ति के असमास्यागालू
(8) चिपको चलीवालि
(9) डा0 आम्बेदकर वैयक्तित्व

(ब) पद्य 14 अंक

(1) अराइके
(2) महात्मा
(3) जुगाडा समाकू
(4) सगाडा श्रीवन्तु
(5) बन्धव्य
(7) अम्बिगा ना निन्न नंबिदे
(8) अक्कनावचनागालू
(10) पुराणपुठयमक पुआस्ठा अपिन्दे पौगुटिगे
(12) कुरू कुलख्य नम्वार केन उमसकर तरेयादिदार

सहायक पुस्तक- 7 अंक

(1) जोत्याली
(2) नग गा (1994) प्रकाशक (एन0बी0टी0)

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे-

(1) साके चिली
(2) ओम भाट हाटो
(3) सुमारी भुवन
(4) तातीकु केन्द्र एक ऋवैसु
(5) प्राथनाये प्रभाव
(6) लिगिनटा एवं वुदाद
(7) हाजी वक्लोल
(8) भुत्वा कुदूर
(9) दौधस्यो पीचु हनुगालू
(10) मूऊ जनाऊ अटाक
(11) उताना
(12) अतिस्य विवेकहा

सिन्धी

कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1-व्याकरण

(ख) वाक्य (साधारण, मश्रित, संयुक्त)

2-कहावतें एवं मुहावरे

मथ्यो सिन्धी व्याकरण पुस्तक के पाठ संख्या-45 सिन्धी फहाका के क्रम संख्या-41 एवं 42 तथा इसी पुस्तक के पाठ संख्या-46 मुहावरा क्रम संख्या-43-45 को हटा दिया गया है। साथ ही कहावत संख्या-37-38 एवं 39-40 को भी हटा दिया गया है।

3-निबन्ध-

(3) सिन्धी महापुरुष
(4) सिन्धी पर्व
(5) राष्ट्रीय पर्व

1-गद्य- **पाठ संख्या-18-** ममता जूं लहरूं
पाठ संख्या-19- छुन जे मातम जो मौतु
पाठ संख्या-20- टुटणु जुड़णु
2-पद्य- **पाठ संख्या-08-** माण्डु
पाठ संख्या-09- गजलु
पाठ संख्या-10- गोल्हा
3-कहानी- विररिया न विसरीन नामक पुस्तक से कहानी सं0-7 ब तस्विरू।
1- कहानी कला 2- कहानी सं0-6 गाम की इज़त।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

सिन्धी

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

भाग-(अ) **35 अंक**

1-व्याकरण- **3+4+2+2=11 अंक**
(क) सिन्धी शब्दों का निर्माण किस प्रकार होता है ?
(ख) वाक्य (उप)
(ग) विलोम
(घ) पर्यायवाची

2-कहावतें एवं मुहावरे 3+3=06 अंक

3-निबन्ध-निम्नलिखित विषयों में से 250 शब्दों तक एक निबन्ध 10 अंक
(1) सिन्धी भाषा दिवस (10 अप्रैल, 1967)
(2) सिन्धी साहित्यकार

4-अनुवाद-सिन्धी से हिन्दी में एवं हिन्दी से सिन्धी में 4+4=08 अंक

भाग-(ब) **35 अंक**

1-गद्य- **13 अंक**
(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों में से दो या तीन प्रश्न 05 अंक
(ख) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक गद्यांश का प्रसंग, संदर्भ साहित्यिक सौन्दर्य सहित व्याख्या। 1+1+2+4=08 अंक

2-पद्य- **13 अंक**
(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों में से एक पद्यांश की संदर्भ, काव्यगत सौन्दर्य सहित व्याख्या। 1+2+4=7 अंक
(ख) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित दो या तीन प्रश्न 06 अंक

3-कहानी- **4+5=09 अंक**
कथा की विशेषता एवं उसके तत्व, तत्व तथा घटनायें, चरित्र-चित्रण, भाषा कहानी, कला, सारांश आदि पर आधारित एक प्रश्न एवं पांच लघु उत्तरीय प्रश्न।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें-

1-व्याकरण, कहावतें, पदबन्ध, मुहावरे, निबन्ध तथा अनुवाद के लिए-

मथ्यो सिन्धी व्याकरण (देवनागरी) ले0 दयाराम बंसणमल मीरचन्दानी, प्रकाशक सिन्धू-ब्रह्मू शिक्षा सम्मेलन एवं देवनागरी सिन्धी सभा, मुम्बई।

प्राप्ति स्थान-(1) कमला हाईस्कूल-खार-मुम्बई-400052
(2) हिन्दुस्तान किताबघर-19-21 हमाम स्ट्रीट, मुम्बई

मथ्यो सिन्धी व्याकरण पुस्तक से फहाका 21 से 42 तक इस्तलाह 21 से 45 तक तथा अदबीगुलदस्तों के पाठों के अन्त में अभ्यास के लिए दिये अंशों का अध्ययन भी किया जाना होगा।

(2) सहायक पुस्तक-संदर्भ के लिए-

सिन्धी भाषा (व्याकरण एवं प्रयोग) लेखन, प्रकाशक, विक्रेता-डा0 मुरलीधर जैतली, डी0 127, विवेक विहार, नई दिल्ली-95

(3) गद्य एवं पद्य के लिए-

अदबी गुलदस्तो-लेखक डा0 कन्हैया लाल लेखवाणी।
प्रकाशक एवं विक्रेता-निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान मानस गंगोत्री, विनोवा रोड, मैसूर।

''अदबी गुलदस्तों'' के गद्य भाग में से पाठ संख्या 11 से 20 तक एवं पद्य भाग में पाठ संख्या 6 से 10 तक का अध्ययन करना है।

(4) कहानी के लिए पुस्तक-

विसारिया न विसरीन लेखक-लोकनाथ

प्रकाशक एवं प्राप्ति स्थान-विभागाध्यक्ष आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110007

कहानियों में प्रस्तावित पुस्तक में से साहेड़ी, लारी, ड्राइवर, गाय की इज्जत एवं ब तस्बीरूं कहानी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाय।

सिन्धी–पद्य–कहानी के लिये पुस्तक विसरिया न विसरीन

संशोधित प्रकाशन स्थान–सिंधी वेलफेयर सोसायटी एस0जी0–1 राजपाल प्लाजा कानपुर रोड, आलमबाग, लखनऊ।

तमिल

कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1-प्रयुक्त व्याकरण-

निम्नलिखित के पहचान हेतु प्रारम्भिक ज्ञान-

(D) PODU : Thehainila and thehaaniali, Vazhu vazhallnilai and maralov.

2-लोकोक्तियाँ परिभाषा एवं प्रयोग-

लोकोक्ति पुस्तक तमिल इलक्कानम (TAMIL, ILAKKANM) के पृष्ठ 152 और 153 पर दिया हुआ है।

(TAMIL, ILAKKANM) : Class IX (1993 revise edition) Reprinted in 1994

3-रचना-

(2) लोकोक्ति के लिए-

तमिल इलक्कानम ''कक्षा-10'' के लिए संशोधित संस्करण

4-सार लेखन

5-पद्य-

Section II-

Palsuvi Paadalgal

First Five Poem

6-गद्य-

तमिल टेक्स्ट बुक-कक्षा 10 के लिए गद्य भाग (1994 संस्करण) प्रकाशक-तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी, मद्रास-6, नं0 8 से 14 तक के लिए पाठ पढ़ना है।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

तमिल

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

भाग-अ **35 अंक**

1-प्रयुक्त व्याकरण- **20 अंक**

निम्नलिखित के पहचान हेतु प्रारम्भिक ज्ञान-

(A) PEYAR : Panpup Peyar, Thozhin Peyar, Vinayaalanaiyum Peyar, Ashu Peyar, Tninla, paal, Jdam and Vetrumai:

(B) VINAI : Therinilal and Kurippv Vinumutra Peyarecham Eeval, Viyamgal, Mutreehana,

(C) IDAICHOL AND URICHOL : Defintion of Idaichal with special reference to Ehonaaram, Ohaaran and Ummai and definition of urichol with suitable examplea.

3-रचना- 15 अंक

पत्र लेखन (व्यक्तिगत पत्र)

निर्धारित पुस्तक-

(1) व्याकरण के लिए-

तमिल इलक्कानम ''कक्षा-नौ'' के लिए (1990 संस्करण) पुनः मुद्रित 1994,
प्रकाशक-तमिलनाडू टेक्स्ट बुक सोसाइटी, मद्रास-6 (पेज 1-47)।

भाग-(ब) **35 अंक**

5-पद्य- **15 अंक**

तमिल टेक्स्ट बुक-कक्षा 10 के लिए (1990 संस्करण) प्रकाशक-तमिलनाडू, टेक्स्ट बुक सोसाइटी, मद्रास-6

Section I-Poems to be studied

1. Kambaramayanam
2. Thirurilayadarpura Pem
3. Seerappuranam

7-अविस्तृत अध्ययन- **20 अंक**

Prescribed Book-Sindhanai Selvam (1990) Reprinted in 1994, Published Tamilnadu Text Book Society, Madras-6

Lession to be studied-nos. 1 to 11..

1. Veetiukor Pathaka Saalai-Dr. C. N. Annadurai.
2. Klaaigal-Dr. U. V. Swami Nathan Anyar.

3. Sangakala Atichumurai-N. Andazhaoon.
4. Mozhi Gnayiru Deua Neya Paavane-R. Jlankumara.
5. Ulagam Unndaiya Thu-S. T. Kasirajan.
6. Kaakkum Karangal-Pon. Parama Guru.
7. Vetrikkul or Vazvi- S. Hamid.
8. Kadalukkul or Kulagum-Pera Sriya Irama, Dhatshinam.
9. Kattu Valame Naattu Valam-Pulavarr Thillai The Ayhagunanaar.
10. Varilatru Vaailgal-Pulararka, Shanmugn Sundram.
11. Vuthira Merur Kaattum Vooraa Tchith therthel-Dr. Mo. Iradhuram Singh, Dr. Nu. Govindarajan.

तेलुगू

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

-Akra, Ukara, Gasad ade vadesa Sandhi, Pump cadese Sandhi

Lessons to be studied:

Pracheena Vritti Vidhanam.

Srinagara Yatra.

Poems to be studied:

(1) Rudramadevi.

(2) Mahandhroda Yamu.

Plays to be studied :

1. Padivalu.
2. Hindustan ki Velli cheppandi.

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

तेलुगू

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

भाग–अ **35 अंक**

1–व्याकरण– **25 अंक**

क–(1) A detailed knowledge of the following- 9 अंक

Telugu Sandhulu, Jkara, Sandulu, Pump cadese Sandhi Dvirukte Tahara Takara Sandhi.

(2) Prosody : Champakamala, Utpalamala, Mettevhan Shardulan. 4 अंक

(3) Alankaraas-Figures of speech, upama and Atishyoki only. 4 अंक

(4) समास-द्वन्द्व, द्विगु और बहुव्रीहि और रूपक 4 अंक

ख–मुहावरे और लोकोक्तियां 4 अंक

(किसी एक अत्यधिक प्रचलित एवं जाने-माने का प्रयोग)

2–रचना–

निबन्ध लेखन– **5 अंक**

समाज परिवार और विद्यालय जीवन और तात्कालिक विषय पर लगभग 100 शब्दों का वर्णनात्मक तथा वृत्तात्मक लेख।

3–अपठित गद्य खण्ड का ज्ञान लगभग 100 शब्द **5 अंक**

भाग–(ब) **35 अंक**

1–विस्तृत अध्ययन–

1–गद्य– **12 अंक**

तेलुगू वाचाकम (कक्षा-10) प्रकाशक-आन्ध्रप्रदेश सरकार (नया संस्करण 1988)

1–संदर्भ सहित व्याख्या (2 में से 1) 4 अंक

2–निर्धारित पाठ में से निबन्धात्मक प्रश्न (लगभग 80 शब्द) 4 अंक

3–दो लघुत्तरीय प्रश्न 4 अंक

Lessons to be studied:

1. Tudivinnapamu.
2. Raju.
3. Rikshavadu.
4. Sonta Puslakam.

2-पद्य- 12 अंक

तेलुगू वाचाकम (कक्षा-10) प्रकाशक-आन्ध्रप्रदेश सरकार (नया संस्करण 1988)

1-एक पद्य का अर्थ 04 अंक

2-संदर्भ सहित व्याख्या (एक) 04 अंक

3-विषय वस्तु पर प्रश्न (एक) 04 अंक

Poems to be studied:

(3) Bhagiratha Prayatnmu.
(4) Hitokti.
(5) Satyanistha.
(6) Kanyaka.
(7) Sishuvu.

3-अविस्तृत अध्ययन- **5 अंक**

लघु नाटक

Hindi Ekankikla (Telugu Book) (1980 Edition), Published by National Book Trust (India) A-5, Green Park, New Delhi-110016

Plays to be studied :

3. Kaumudi Mahotoavamu.
4. Tuvvallu.

4. One Essay type question on the content, Characters and events will be asked. 06 अंक

मलयालम

कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

व्याकरण- (3) अपने शब्दों में व्यक्त करना (Paraphrsaing)

गद्य- (3) मलायला भाशायले पश्चायता प्रभावम्

पद्य- (21) इन्टेवेली

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

मलयालम

कक्षा-10

केवल प्रश्न-पत्र

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

भाग-अ **35 अंक**

1-व्याकरण- **18 अंक**

(1) वाक्य परिवर्तन (पाठ्य पुस्तक पर आधारित)
(2) पर्यायवाची तथा विलोम
(4) सन्धि और समास

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग पर विशेष बल दिया जाना चाहिए ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषा की चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

2-रचना- **14 अंक**

(क) कहावतें/मुहावरे तथा लोकोक्तियां 03 अंक

(ख) निबन्ध रचना 08 अंक

(ग) पत्र लेखन (प्रार्थना-पत्र, समाचार-पत्र के सम्पादक को व्यावहारिक पत्र लिखना) 03 अंक

3-अपठित गद्यांश- **03 अंक**

भाग-ब **35 अंक**

1-गद्य- **15 अंक**

केरला पाठावली-वाल्यूम संख्या (09) 1987 संस्करण (केवल गद्य भाग)
प्रकाशक-शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।
निम्नांकित पाठों का अध्ययन करना-

(1) करनानुम करमासमश्यूम
(2) भाविकोरम मीशम
(4) वकसुरसरावाग्लास्थवम् दारदुरम्
(5) प्रकृति सौन्दर्यम
(6) कला सौन्दर्यम

2-पद्य- **10 अंक**

केरला पाठावली-वाल्यूम संख्या (09) 1987 संस्करण (केवल पद्य भाग)
प्रकाशक-शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।
निम्नांकित कवितायें पढ़नी होंगी-
(17) श्री भुविलास्श्रा
(25) मयूर दर्शनम्
(26) करमामानु धरहा

3-अविस्तृत अध्ययन :- **10 अंक**

(1) प्रोफेसरुत लोकम-के0एल0 मोहना वर्मा, पूनद पब्लिकेशन, टी0बी0एस0बिल्डिंग, कालीकट-673001 द्वारा प्राप्त। निम्न को छोड़कर सभी कहानियाँ पढ़नी होगी--
(1) नकराम
(2) दुगधम्

नैपाली
कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

गद्य–

1- त्यो फेरिफर्कला-भवानी भिक्षु।
4- साँझ-हृदय चन्द्र सिंह प्रधान।

पद्य-

6- आकाश को तारा के तारे-हरिभक्त कटुवाल।
7- बालक छोरी को हेटा सुमसुम्या औन्दा-द्रुब।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

नैपाली
कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

भाग-(अ) **35 अंक**

1-प्रायोगिक व्याकरण- **14 अंक**

(क) शब्द उच्चारण और ध्वनि के अनुरूप परिवर्तन।
(ख) शब्द भेद (उपसर्ग और प्रत्यय)
(ग) मुहावरे और कहावतें।
(घ) वाक्य परिवर्तन।
(ङ) समास

सन्दर्भित पुस्तक-

सरल नैपाली व्याकरण-ले0 राजनारायण प्रधान और जगत, क्षेत्रीय प्रकाशक-श्याम ब्रदर्स, चौक बाजार, दार्जिलिंग (पं0 बंगाल)

2-अपठित गद्यांश जो वर्णनात्मक विषयों पर आधारित हो। **07 अंक**

जैसे-सामाजिक पर्व, दृश्य और छात्र जीवन की स्मरणीय घटनायें।

3-रचना-

(क) पत्र लेखन **07 अंक**

(1) अपरचित (क्रय-विक्रय, उत्तर, जाँच/प्रश्न)।
(2) नौकरी के लिये आवेदन-पत्र।
(3) सम्पादक के नाम-पत्र।
(4) शिकायतें, क्षमा-प्रार्थना, निवेदन आदि।
(5) निमंत्रण एवं स्मृति-पत्र।

(ख) निबन्ध लेखन- **07 अंक**

पर्व, यात्रा, दृश्य, साहसिक कार्य और छात्र जीवन की अविस्मरणीय घटनायें।

भाग-(ब) **35 अंक**

1-गद्य- **14 अंक**

नैपाली साहित्य, सौरभ-प्रकाशन शिक्षा निदेशालय, पाठ्य पुस्तक अनुभाग, सिक्किम गंगटोक अध्ययन के लिये पाठ-

2- रात भरी हुरी चल्यों-इन्द्र बहादुर राई।

3- लहुरी भैंसी-रमेश विकल।
5- भारतेन्दु र मोतीराम-डी0आर0 राम तिमसिना।
6- रणब्दुल्भ-बाल कृष्ण सम

2-पद्य- **12 अंक**

नैपाली साहित्य, सौरभ-प्रकाशक शिक्षा निदेशालय, पाठ्य पुस्तक अनुभाग,सिक्किम गंगटोक अध्ययन के लिये कवितायें-
1- भानु अस्त्या पक्षी-लेखानाथ पौडियाल।
2- गरीब-लक्ष्मी प्रसाद देव कोटा।
3- केसारी छत्तीस लाग-सिद्धि चरण श्रेष्ठ।
4- सन्तोष-भीम निधि तिवारी।
5- मृत्यु कामना केहि मारा-अगम सिंह गिरि।

3-थोड़ा अध्ययन के लिये (रैपिड रीडिंग)- **09 अंक**

कथा बिम्ब-प्रकाशक शिक्षा निदेशालय गंगटोक (सिक्किम)
1- ककेया-बालकृष्ण सम।
2- परिबन्द-पुष्कर समसेर।
3- काबी लोवाल-रवीन्द्र नाथ टैगोर।
4- ओडत्तीन पात्र-ओ हेन्द्री।

नोट-निर्धारित पाठ्य पुस्तक के लघु स्तरीय एवं निबन्धात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

पालि

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समाय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1-गद्य- पालि-जातकावलि (पाठ 9 से 10 तक)
2-पद्य- धम्मपद-(वग्ग-10)
3-निबंध- पालिभासा, राजा अशोको

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

पालि

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

1-गद्य-पालि-जातकावलि (पाठ 11 से 14 तक) **15**
(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+8=10
(ख) किन्हीं दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में 05
2-पद्य-धम्मपद-पण्डित वग्गो से पाप वग्गो तक **15**
(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद 05
(ख) दो वग्गो में से किसी एक वग्ग का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश 05
(ग) धम्मपद के पाठ 6 से 9 वग्ग के अन्तवर्ती एक गाथा का लेखन जो प्रश्न-पत्र में न आयी हो 05
4-सहायक पुस्तक सिगालोवाद सुत्त - **10**
(क) दो अवतरणों या गाथाओं में से किसी एक का हिन्दी अनुवाद 05
(ख) सिगालोवाद सुत्त की विषय वस्तु, निदान कथा, मित्र के गुण 05
अमित्र के लक्षण आदि पर आधारित सामान्य प्रश्न

5-व्याकरण 6+4+5+5=20

(क) शब्द रूप-
i. पुलिंग = मुनि, भिक्खु
ii. स्त्रीलिंग = लता, इस्थी, धेनु
iii. नपुंसकलिंग = आयु पोत्थक
(ख) धातु रूप-अनागत काल (भविष्यत् काल)
भू, हस, वद, चज, दिस, नम, के रूप
(ग) संधि-व्यंजन सन्धि
व्यंजने दीघ रस्सा, सरम्हा द्वे वा, चतुत्थदुतियो स्वेसं ततियपठमा
(घ) समास-कर्मधारय समास, द्वन्द्व समास की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण

6-अनुवाद-हिन्दी के पांच वाक्यों का वर्तमान एवं भविष्य काल की क्रिया में अनुवाद 05

अथवा

निबन्ध-पालि भाषा में छः सरल वाक्यों में किसी एक पर निबन्ध-
कुसीनारा, बोध गया, पालि भाषा, राजा असोको, बुद्ध धम्मो, इसिपतन

7-पालि साहित्य का इतिहास संक्षिप्त परिचय-- 05

द्वितीय संगीति, तृतीय संगीति, विनयपिटक एवं अभिधम्मपिटक के ग्रन्थ एवं इनका परिचय-

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें--

(1) पालिजातकावलि- सम्पादक,प्रो0 बटुकनाथ शर्मा,प्रकाशक-मास्टर खेलाड़ी लाल संकटा प्रसाद, वाराणसी।

(2) धम्मपद- सम्पादक, भिक्षु धर्मरक्षित,प्रकाशक महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।

(3) सिगालोवाद सुत्तं- अनुवादक, डा0 भिक्षु स्वरूपानन्द, सम्यक, प्रकाशन, दिल्ली

(4) पालि प्रबोधिनि- आद्यदत्त ठाकुर एम0ए0-प्रकाशक-पुस्तक माला, लखनऊ।

(5) मैनुअल ऑफ पालि- सी0एस0 जोशी, प्रकाशक ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

(6) पालि महाव्याकरण- भिक्षु जगदीश कश्यप, एम0ए0, प्रकाशक-महाबोधि सारनाथ, वाराणसी।

(7) पालि व्याकरण- भिक्षु धर्मरक्षित,प्रकाशक, ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी

(8) पालि साहित्य का इतिहास- भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी

अरबी

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1-नस्र (गद्य)

उन्वानात	**सबक नं0**
4- अन्नमिरो	13
5- अल अस्फन्ज	17
6- अय्यो मेहनतिन तख्तारू	19
12- जमाअतुलफीरान	35
14- अत्ताइरतो	48

2-नज्म (पद्य)

उन्वानात	**सबक नं0**
19- मिश्यतुल गुरावे	46

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

अरबी

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

भाग एक- 35 अंक

1-कवाइद- 10-अंक

1-फेल, फाइल, मफऊल बनाने का तरीका
2-मरफूआत और मन्सूबात
3-मफाइले खम्सा, इन्नावकाना व अख्वातोह
4-हुरूफे अत्फ
5-जमाइर
6-वाहिद और तस्निया
7-जमा मुकस्सर, जमा सालिम, जमा किल्लत, जमा कसरत

2-तर्जुमा-

(क) अरबी के आसान जुमलों का अंग्रेजी/हिन्दी/उर्दू में तर्जुमा **5-अंक**

(ख) अंग्रेजी/हिन्दी/उर्दू के आसान जुमलों का अरबी में तर्जुमा **5-अंक**

3-दिये गये अल्फाज का अरबी जुमलों में इस्तेमाल **5-अंक**

4-दिये गये उन्वानात पर मजमून/खुतूत नवीसी **10-अंक**

भाग-दो

निसाबी किताब--अलकिरातुर्रशीदह भाग-2 लेखक--अब्दुलफत्ताह व अलीउमर (मतबूआ मिश्र)
पब्लिकेशन-एम0 रशीद एण्ड सन्स, उर्दू बाजार, दिल्ली।

1-नस्र (गद्य) 25-अंक

इस भाग में दर्ज जैल असबाक निसाब में शामिल हैं--

उन्वानात	**सबक नं0**
1- जजाउस्सिदक	1
2- अल अदबो असासुन्नजाह	4

3- मजीयतुत्तस्वीर	10
7- अश्शाय	23
8- हीलतुल अन्कबूत	29
9- अलमाओ	30
10- अलगुराबो वलजर्रते	31
11- अलअहराम	34
13- अलखादिमो वस्समकतो	45
15- अश्शुजाअतो वलजुब्नों	49
16- अलफातातुश्शुजाअतो	59

2-नज्म (पद्य) **10 अंक**

दर्ज जैल नज्में निसाब में शामिल हैं--

उन्वानात	**सबक नं0**
17- अन्नहलतो वज्जिम्बारो	8
18- वलातस्नइलमारूफ फीगैरे अहलेही	18
20- जजाउलवाल्दैने	54

फारसी

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समाय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1- पाठ्य पुस्तक (गद्य तथा पद्य)

नस्र-

पाठ-34 किस्साए बहराम व कनीजक (1)
पाठ-26 किस्साए बहराम व कनीजक (2)
पाठ-27 किस्साए बहराम व कनीजक (3)

नज्म-

पाठ-37 सदा (नज्म)
पाठ-46 माजनदरान (नज्म)
पाठ-55 किताब (नज्म)

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

फारसी

(कक्षा-10)

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

भाग (अ) **35 अंक**

(1) व्याकरण : **07 अंक**

(क) लफज मुफरद-अजमाए-कलाम (Parts of Speech)
laKk (Noun) (इस्म)
(ख) सर्वनाम (Pronoun) जमीर
(ग) हर्फजार (Preposition)
(घ) क्रिया (Verb) (फेल)
(ङ) व्युत्पति (i) मुख्य व्युत्पति (ii) गौण व्युत्पति (उपसर्ग)
(Primary Derivatives and Secondary Derivatives)

(2) अनुवाद :--

(क) फारसी के साधारण वाक्यों का अंग्रेजी अथवा हिन्दी अथवा उर्दू भाषा में अनुवाद कराने का अभ्यास। **07 अंक**
(ख) अंग्रेजी अथवा हिन्दी या उर्दू के साधारण वाक्यों का आसान फारसी जुबान में अनुवाद कराये जाने का अभ्यास। **07 अंक**

(3) फारसी के शब्दों का आसान फारसी जुबान में वाक्य प्रयोग (फारसी अलफाज) का फारसी जुमलों इस्तेमाल। **06 अंक**

(4)

रचना

(क) फारसी जुबान में मुखतसर इकतीबास लिखने का अभ्यास करना (Precise writing) **04 अंक**
(ख) पत्र लेखन का अभ्यास **04 अंक**

भाग (ब)- **35 अंक**

1- पाठ्य पुस्तक (गद्य तथा पद्य)
निर्धारित पुस्तक--

"फारसी बदस्तूर" किताब अव्वल (खण्ड-1) **1997**
लेखक--**(Khan Lari)**--मेसर्स इदारए अददियाते दिल्ली जययद--प्रेस बल्ली
मारान, दिल्ली--110006 में से निम्नलिखित गद्य तथा पद्य पाठ (Poem) का अध्ययन कराना है। **20 अंक**
पाठ-28 दस्तूर--जबाने फारसी--इस्मेआम व इस्मेखास (कवायद)
पाठ-29 अदीसन (1)
पाठ-30 अदीसन (2)
पाठ-31 दस्तूर जबाने फारसी (जमीर) (कवायद)
पाठ-35 दो (टू) हिकायत अजगुलिस्ताने सादी
पाठ-36 जश्न सादा
पाठ-42 दस्तूर जबाने फारसी (फेललजिम वफेल मूतअदी) (कवायद)
पाठ-43 किस्याकुजाकि मूसा
पाठ-47 शाबान गोशफन्द
पाठ-53 नगीने अंमुश्तरी
2-जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा, ट्रैफिक की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेंगे। **15 अंक**

विषय– सामाजिक विज्ञान
हाईस्कूल–(कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इतिहास के अंश–

(4) औद्योगीकरण का युग–

1. औद्योगिक क्रान्ति से पहले एवं औद्योगिक परिवर्तन की गति
2. उपनिवेशों में औद्योगीकरण
3. प्रारम्भिक उद्यमी और कामगार
4. औद्योगिक विकास का अनूठापन
5. वस्तुओं के लिये बाजार

मुद्रण संस्कृति और आधुनिक विश्व–

1.यूरोप में मुद्रण का इतिहास।
2.19वीं सदी में भारत में प्रेस का विकास।
3.राजनीति, सार्वजनिक विवाद और मुद्रण संस्कृति में सम्बन्ध।

भूगोल के अंश–:

6 विनिर्माण उद्योग– प्रकार, अवस्थितिक (Spatial) वितरण (केवल मानचित्र पर); राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान, औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण।

नागरिक शास्त्र के अंश–:

राजनीतिक दल–

प्रतियोगिता और प्रतिवाद (संघर्ष) में राजनीतिक दलों की क्या भूमिका होती है? भारत में प्रमुख राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दल कौन–कौन से हैं?

अर्थशास्त्र के अंश–:

3 मुद्रा तथा साख – अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिकाः बचत तथा साख के लिये औपचारिक एवं अनौपचारिक वित्तीय संस्थाएँ– सामान्य परिचय; किसी एक औपचारिक संस्थान जैसे कोई राष्ट्रीयकृत वाणिज्यिक बैंक तथा कुछ अनौपचारिक वित्तीय संस्थानों का चयन किया जाय; स्थानीय साहूकार, जमींदार, चिट फण्ड तथा निजी वित्तीय कम्पनियाँ।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय : सामाजिक विज्ञान
कक्षा–10

इसमें एक लिखित प्रश्नपत्र–70 अंकों का एवं 30 अंकों का प्रोजेक्ट कार्य होगा।

इकाई		अंक
I	भारत और समकालीन विश्व–2 (इतिहास)	20
II	समकालीन भारत –2 (भूगोल)	20
III	लोकतांत्रिक राजनीति–2 (नागरिकशास्त्र)	15
IV	आर्थिक विकास की समझ (अर्थशास्त्र)	15
	योग	**70**
	प्रोजेक्ट कार्य	30
	योग	**100**

इकाई–1 (इतिहास)
भारत और समकालीन विश्व–2 **20 अंक**
खण्ड–1

घटनायें और प्रक्रियायें–

(1) यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय– **09 अंक**

1. 1830 ई0 के बाद यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय
2. जोसेफ मेजिनी आदि के विचार
3. पोलैण्ड, हंगरी, इटली, जर्मनी और ग्रीस आन्दोलन की सामान्य विशेषताएँ।

(2) भारत में राष्ट्रवाद

1. प्रथम विश्व युद्ध का प्रभाव, खिलाफत, असहयोग एवं विभिन्न आन्दोलनों के मध्य विचारधारायें।
2. नमक सत्याग्रह।
3. जनजातियों, श्रमिकों एवं किसानों के आन्दोलन।
4. सविनय अवज्ञा आन्दोलन की सीमायें।
5. सामूहिक अपनत्व की भावना।

खण्ड–2
जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज

(3) भूण्डलीकृत विश्व का बनना– **06 अंक**

1. पूर्व आधुनिक विश्व
2. उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) विश्व अर्थव्यवस्था (उपनिवेशवाद)
3. महायुद्धों के मध्य अर्थव्यवस्था आर्थिक महामंदी (घोर निराशा)
4. विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण (वैश्वीकरण की शुरूआत)

(5) मानचित्र कार्य– **05 अंक**

इतिहास : भारत का रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र

अध्याय–3 : भारत में राष्ट्रवाद – (1918–1930)
दर्शाना और नामांकन/पहचान।

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन :
   कलकत्ता (सितम्बर, 1920)
   नागपुर (दिसम्बर, 1920)
   मद्रास (1927)
   लाहौर (1929)
2. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के महत्वपूर्ण केन्द्र (असहयोग आन्दोलन और सविनय अवज्ञा आन्दोलन)
   (i) चम्पारण (बिहार)– नील की खेती करने वाले किसानों का आन्दोलन।
   (ii) खेड़ा (गुजरात) –किसान सत्याग्रह।
   (iii) अहमदाबाद (गुजरात)– सूती मिल श्रमिकों का सत्याग्रह।
   (iv) अमृतसर (पंजाब) – जालियांवाला बाग कांड।
   (v) चौरी–चौरा (उत्तर प्रदेश)– असहयोग आन्दोलन का उद्घोष।
   (vi) डांडी (गुजरात) – सविनय अवज्ञा आन्दोलन।

दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र कार्य से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

इकाई–2 : समकालीन भारत–2 (भूगोल) **20 अंक**

इकाई–1 **09 अंक**

1. **संसाधन एवं विकास–** प्रकार– प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनों का विकास, संसाधन नियोजन की आवश्यकता; प्राकृतिक संसाधन, एक संसाधन के रूप में भूमि, मिट्टी के प्रकार तथा वितरण; भू–उपयोग के प्रारूप में परिवर्तन; भू–क्षरण (निम्नीकरण) तथा संरक्षण के उपाय।
2. **वन एवं वन्य जीव संसाधन–** भारत में वनस्पतिजगत् एवं प्राणिजगत्; भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण; समुदाय और वन संरक्षण
3. **जल संसाधन–** संसाधन, वितरण, उपयोग, बहुउद्देशीय परियोजनाएं, जल दुर्लभता, संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता; वर्षा जल संचयन (एक केस स्टडी के साथ)

निर्देश– अध्याय– वन एवं जीव संसाधन एवं जल संसाधन से बोर्ड परीक्षा में प्रश्न नहीं आयेगे। परन्तु मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न एवं प्रोजेक्ट से सम्बन्धी कार्य कराये जायेगे।

4. **कृषि–** कृषि के प्रकार; मुख्य फसले, शस्य प्रारूप, तकनीक तथा संस्थागत सुधार; उनका प्रभाव; कृषि का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और उत्पादन में योगदान

इकाई–2 **06 अंक**

5 **खनिज तथा ऊर्जा संसाधन–** खनिज क्या है?, खनिजों के प्रकार, वितरण (केवल मानचित्र पर), खनिजों के उपयोग तथा आर्थिक महत्व, संरक्षण, ऊर्जा संसाधनों के प्रकार; परम्परागत तथा गैर–परंपरागत, वितरण तथा उपयोग एवं संरक्षण।

7 **राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ–** संचार एवं परिवहन के साधनों का महत्व, व्यापार तथा पर्यटन।

1. **मानचित्र कार्य–** **05 अंक**

भूगोल : भारत का रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र

अध्याय–1 : संसाधन और विकास

मृदाओं के प्रमुख प्रकारों की पहचान।

अध्याय–3 : जल संसाधन दर्शाना एवं नामांकन –

बांध–

1. सलाल
2. भाखड़ा नांगल
3. टेहरी
4. राणा प्रताप सागर
5. सरदार सरोवर
6. हीराकुंड
7. नागार्जुन सागर
8. तुंगभद्रा : (नदियों के साथ)

अध्याय–4 : कृषि

केवल पहचान–

(क) चावल एवं गेहूँ के प्रमुख क्षेत्र

(ख) प्रमुख/सबसे बड़े उत्पादक राज्य : गन्ना, चाय, काफी, रबड़, कपास और जूट।

दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र कार्य से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

इकाई–3 : <u>लोकतांत्रिक राजनीति–2</u> **15 अंक**

(नागरिक शास्त्र)

इकाई–1 **08 अंक**

अध्याय–1 एवं 2

सत्ता की साझेदारी एवं संघवाद– लोकतांत्रिक देशों में सत्ता की साझेदारी क्यूँ और कैसे? कैसे शक्ति का संघीय विभाजन राष्ट्रीय एकता में सहायक रहा है? किस सीमा तक विक्रेन्द्रीकरण ने इस उद्देश्य की पूर्ति की है? लोकतंत्र किस प्रकार से विभिन्न सामाजिक समूहों को समायोजित करता है?

अध्याय–3 – लोकतंत्र और विविधता

क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था में विभाजन निहित है? जाति का राजनीति और राजनीति का जाति पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? किस प्रकार से लैंगिक भिन्नता भेद ने राजनीति को प्रभावित किया है? किस प्रकार साम्प्रदायिक विभाजन लोकतंत्र को प्रभावित करता है?

इकाई–2 **07 अंक**

अध्याय–5

1. **लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन**

जाति, धर्म और लैंगिक मसले–

क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था में विभाजन निहित है? जाति का राजनीति और राजनीति का जाति पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? किस प्रकार से लैंगिक भिन्नता भेद ने राजनीति को प्रभावित किया है? किस प्रकार साम्प्रदायिक विभाजन लोकतंत्र को प्रभावित करता है?

(उपर्युक्त अध्याय प्रोजेक्ट कार्य के रूप में किया जाना है)

2. **अध्याय–6**

लोकतंत्र के परिणाम–

क्या लोकतंत्र को उसके परिणामों से आँकलित किया (परखा) जा सकता है या किया जाना चाहिए?

कोई भी व्यक्ति लोकतंत्र से क्या तार्किक अपेक्षाएँ कर सकता है? क्या भारतीय लोकतंत्र इन अपेक्षाओं की पूर्ति करता है?

क्या लोकतंत्र लोगों के विकास, सुरक्षा और गरिमा को बनाये रखने की ओर अग्रसर रहा है?

भारत के लोकतंत्र को किसने जीवित रखा है? (अथवा किसने भारतीय लोकतंत्र को बनाये रखा है?)

4. **अध्याय–8**

लोकतंत्र की चुनौतियाँ–

क्या लोकतंत्र की विचारधारा संकुचित होती जा रही है? भारतीय लोकतन्त्र के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं? लोकतंत्र को कैसे सुधारा और सुदृढ़ बनाया जा सकता है? लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में एक साधारण नागरिक क्या भूमिका निभा सकता है?

<u>इकाई–4 : आर्थिक विकास की समझ</u> (अर्थशास्त्र) **15 अंक**

इकाई–1 **09 अंक**

1. **<u>विकास</u>** : विकास की पारम्परिक अवधारणा; राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय। आय और अन्य लक्ष्य, औसत आय, आय और अन्य मापदण्ड, शिशु मृत्यु दर, विकास की धारणीयता।

2. **भारतीय अर्थव्यवस्था के कार्य क्षेत्र–** आर्थिक क्रियाओं के क्षेत्र; क्षेत्रों में ऐतिहासिक परिवर्तन; तृतीयक क्षेत्र का बढ़ता महत्व; रोजगार सृजन; कार्यक्षेत्रों का विभाजन– संगठित तथा असंगठित, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के संरक्षण के उपाय।

इकाई–2 **06 अंक**

4. **भूमंडलीकरण तथा भारतीय अर्थव्यवस्था (वैश्वीकरण)–** विभिन्न देशों में उत्पादन, विदेशी व्यापार तथा विभिन्न बाजारों का आपस में जुड़ना, वैश्वीकरण क्या है? कारक, विश्व व्यापार संगठन (WTO), प्रभाव, न्यायसंगत वैश्वीकरण।

5. **उपभोक्ता अधिकार** – उपभोक्ता का शोषण कैसे होता है (एक या दो साधारण केस अध्ययन), उपभोक्ताओं के शोषण के कारण; उपभोक्ता जागरूकता का उदय; बाजार में उपभोक्ता को कैसा होना चाहिए ? उपभोक्ता संरक्षण में सरकार की भूमिका।

प्रोजेक्ट कार्य/गतिविधि

- शिक्षार्थी भारत के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की वेशभूषा तथा विशिष्ट ग्रामीण भवनों के छायाचित्र एकत्र कर सकते हैं तथा यह परीक्षण कर सकते हैं कि क्या यह उस क्षेत्र की जलवायवीय परिस्थितियों तथा भू–आकृति (Relief) से कोई सम्बन्ध प्रदर्शित करते हैं।
- शिक्षार्थी पिछले दशक में खेती की पद्धति में आए परिवर्तनों तथा गाँव में प्रचलित विभिन्न सिंचाई की विधियों पर संक्षिप्त रिपोर्ट लिख सकते हैं।

पोस्टर–

- क्षेत्र में जल प्रदूषण।
- वनों का क्षरण तथा ग्रीनहाउस प्रभाव

नोट– कोई समान गतिविधि भी चुनी जा सकती है।

प्रोजेक्ट कार्य

15 प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नांकित प्रोजेक्ट कार्य करना होगा–

1. आपदा प्रबंधन (कक्षा–10 की पाठ्यचर्या में सम्मिलित आपदा प्रबंधन पर आधारित)
2. लोकप्रिय संघर्ष तथा आन्दोलन

शिक्षक अपने विवेकानुसार पाठ्यक्रम से संबंधित प्रोजेक्ट छात्र/छात्रा को दे सकता है।

प्रोजेक्ट कार्य हेतु अंक वितरण :

5.	विषयवस्तु की मौलिकता तथा उसकी शुद्धता	–	1 अंक
6.	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	–	1 अंक
7.	प्रोजेक्ट पूरा करने की प्रक्रिया – पहल करना, सहयोगिता, सहभागिता तथा समयबद्धता	–	1 अंक
8.	विषयवस्तु आत्मसात करने हेतु मौखिक अथवा लिखित परीक्षा	–	2 अंक

05–05 अंकों के तीन त्रैमासिक टेस्ट = 15 अंक
3 प्रोजेक्ट प्रत्येक 05 अंक के = 15 अंक
योग– 30 अंक

विषय–विज्ञान

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

धातु एवं अधातु धातु तथा अधातुओं के गुणधर्म, आयनिक यौगिकों का निर्माण तथा गुणधर्म;

तत्वों का आवर्त वर्गीकरण- तत्वों के वर्गीकरण के प्रारंभिक प्रयास (डॉबेराइनर के त्रिक, न्यूलैंडस का अष्टक सिद्धान्त।

जन्तुओं तथा पौधों में नियंत्रण एवं समन्वय:

पौधों में दिशिक गति, पादप हार्मोनों का परिचय, जन्तुओं में नियंत्रण एवं समन्वय, तंत्रिका तंत्र-ऐच्छिक पेशियाँ तथा अनैच्छिक पेशियाँ, प्रतिवर्ती क्रिया, रासायनिक समन्वय- जन्तुओं में हार्मोन।

प्राकृतिक संसाधन-

ऊर्जा के स्रोत- बायोगैस,

हमारा पर्यावरण-पारितंत्र,ओजोन परत का अपक्षयन।

अपवर्तन- आवर्धन, लैंस की क्षमता।

प्रकाश का प्रकीर्णन, दैनिक जीवन में अनुप्रयोग।

विद्युत का प्रभाव

दैनिक जीवन में उपयोग,

विद्युत धारा का चुम्बकिय प्रभाव-

दिष्ट धारा की तुलना में प्रत्यावर्ती धारा से लाभ, घरेलू विद्युत परिपथ।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विज्ञान

कक्षा–10

इसमें 70 अंक की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक का प्रयोगात्मक एवं प्रोजेक्ट कार्य होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 23 एवं 10 कुल 33 अंक है। **पूर्णांक 100**

क्र0 सं0	इकाई	अंक
1	रासायनिक पदार्थ- प्रकृति एवं व्यवहार	20
2	जैव जगत	20
3	अपवर्तन	12
4	विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव	13
5	प्राकृतिक संसाधन	05
	योग	**70**
	प्रयोगात्मक कार्य एवं प्रोजेक्ट	**30**
	कुल योग	**100**

इकाई–1 रासायनिक पदार्थ- प्रकृति एवं व्यवहार **20 अंक**

रासायनिक अभिक्रियाएँ- रासायनिक समीकरण, संतुलित रासायनिक समीकरण, संतुलित रासायनिक समीकरण का तात्पर्य, संतुलित रासायनिक अभिक्रियाओं के प्रकार- संयोजन अभिक्रिया, अपघटन (वियोजन) अभिक्रिया, विस्थापन अभिक्रिया, द्विविस्थापन अभिक्रिया, अवक्षेपण अभिक्रिया, उदासीनीकरण, उपचयन तथा अपचयन अभिक्रिया।

अम्ल, क्षार तथा लवण- H^+ तथा OH^- आयनों के आधार पर अम्ल, क्षार तथा लवण की परिभाषाएँ, सामान्य गुणधर्म, उदाहरण तथा उपयोग, pH पैमाना की अवधारणा, (लघुगणक से सम्बन्धित परिभाषा आवश्यक नही) दैनिक जीवन में pH का महत्त्व, सोडियम हाइड्राक्साइड, विरंजक चूर्ण, बेकिंग सोडा, धावन सोडा, प्लास्टर ऑफ पेरिस के निर्माण की विधि तथा उपयोग।

धातु एवं अधातु – सक्रियता श्रेणी, धातुकर्म की आधारभूत विधियाँ, संक्षारण तथा उसका निवारण।

कार्बनिक यौगिक- कार्बनिक यौगिकों में सहसंयोजी आबंध, कार्बन की सर्वतोमुखी प्रकृति, समजातीय श्रेणी, प्रकार्यात्मक समूह वाले कार्बनिक यौगिकों (हैलोजन, एल्कोहल, कीटोन, एल्डीहाइड, एल्केन, एल्काईन) की नामपद्धति, संतृप्त तथा असंतृप्त हाइड्रोकार्बन में अंतर, कार्बनिक यौगिकों के रासायनिक गुणधर्म (दहन, आक्सीकरण, संकलन, प्रतिस्थापन अभिक्रिया), एथनॉल तथा एथेनाइक अम्ल (केवल गुणधर्म तथा उपयोग), साबुन और अपमार्जक।

तत्वों का आवर्त वर्गीकरण- वर्गीकरण की आवश्यकता, मेन्डेलीफ की आवर्त सारणी) आधुनिक आवर्त सारणी, गुणों में उन्नयन, संयोजकता, परमाणु क्रमांक, धात्विक तथा अधात्विक गुणधर्म।

इकाई–2 जैव जगत **20 अंक**

जैव प्रक्रम -

'सजीव' पौधों तथा जन्तुओं में पोषण, श्वसन, परिवहन तथा उत्सर्जन की मूलभूत अवधारणा।

प्रजनन-

जन्तुओं तथा पौधों में प्रजनन (लैंगिक तथा अलैंगिक) प्रजनन स्वास्थ्य- आवश्यकताएँ तथा परिवार नियोजन की विधियाँ, सुरक्षित यौन एवं HIV/AIDS, प्रसूति एवं जनन स्वास्थ्य।

आनुवंशिकता एवं जैव विकास-

आनुवंशिकता; मेंडल का योगदान - लक्षणों की वंशागति के नियम, लिंग निर्धारण (संक्षिप्त परिचय), विकास की मूलभूत संकल्पना।

इकाई–3: प्राकृतिक घटनाएँ (संवृतियाँ)

वक्रपृष्ठ द्वारा प्रकाश का परावर्तन, गोलीय दर्पणों द्वारा प्रतिबिम्ब बनना, वक्रता केन्द्र, मुख्य अक्ष, मुख्य फोकस, फोकस दूरी, दर्पण सूत्र (निगमन नहीं),।

अपवर्तन- **12 अंक**

अपवर्तन के नियम, अपवर्तनांक, गोलीय लेंसों द्वारा अपवर्तन, गोलीय लेंसों द्वारा प्रतिबिम्ब का बनना, लैंसों द्वारा प्रतिबिम्ब बनाने के नियम लेन्स सूत्र (व्युत्पत्ति आवश्यक नही)

मानव नेत्र में लेंस का कार्य, दृष्टि दोष एवं निवारण, गोलीय दर्पण तथा लेंसों का अनुप्रयोग।

प्रिज्म द्वारा प्रकाश का अपवर्तन, प्रकाश का विक्षेपण,

इकाई–4 : विद्युत का प्रभाव

विद्युत धारा, विभवांतर तथा विद्युत धारा, ओम का नियम, प्रतिरोध, प्रतिरोधकता, कारक जिन पर किसी चालक का प्रतिरोध निर्भर करता है। प्रतिरोधों का संयोजन (श्रेणी क्रम, समान्तर क्रम) एवं विद्युत धारा का ऊष्मीय प्रभाव तथा विद्युत शक्ति, P, V, I तथा R में अंतर्सम्बन्ध।

विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव– **13 अंक**

चुम्बकीय क्षेत्र, क्षेत्र रेखाएँ, किसी विद्युत धारावाही चालक के कारण चुम्बकीय क्षेत्र, परिनालिका में प्रवाहित विद्युत धारा के कारण चुम्बकीय क्षेत्र, चुम्बकीय क्षेत्र में किसी विद्युत धारावाही चालक का बल, फ्लेमिंग का बाँए हाथ का नियम, विद्युत मोटर, वैद्युत चुम्बकीय प्रेरण, प्रेरित विभवान्तर, प्रेरित विद्युत-धारा, फ्लेमिंग का दाँए हाथ के अंगूठे का नियम, विद्युत-जनित्र, दिष्ट धारा, प्रत्यावर्ती धारा, प्रत्यावर्ती धारा आवृत्ति,

इकाई-5 : प्राकृतिक संसाधन **05 अंक**

ऊर्जा के स्रोत–ऊर्जा के विभिन्न रूप, ऊर्जा के परम्परागत तथा गैर-परम्परागत स्रोत; जीवाश्मी ईंधन, सौर ऊर्जा, पवन, जल तथा ज्वारीय ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा, नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की तुलना।

हमारा पर्यावरण– पर्यावरणीय समस्याएँ, अपशिष्ट उत्पादन तथा निवारण, जैवनिम्नीकरणीय तथा अजैवनिम्नीकरणीय पदार्थ।

प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन–प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा उचित उपयोग, वन तथा वन्य जीवन, कोयला तथा पेट्रोलियम का संरक्षण, वन प्रबन्धन में लोगों की भागीदारी के उदाहरण, बांध-उपयोगिता तथा सीमाएँ, जल संग्रहण, प्राकृतिक संसाधनों का सम्पोषण।

प्रयोगात्मक

प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्याँकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक होगा, प्रयोगात्मक परीक्षा का अंक विभाजन निम्नवत् है:-

1.	तीन प्रयोग	–	3×3	=	09 अंक
2.	मौखिक कार्य	–		=	03 अंक
3.	सत्रीय कार्य	–		=	03 अंक
			कुल अंक	=	**15 अंक**

प्रयोगात्मक कार्यों की सूची

1. pH पेपर/सार्वत्रिक सूचक (Universal Indicator) का प्रयोग करके निम्नलिखित नमूनों (प्रतिदर्श) का pH ज्ञात करना।-

i. तनु HCl
ii. तनु NaOH विलयन
iii. तनु एथेनोइक एसिड विलयन
iv. नींबू का रस
v. जल
vi. तनु सोडियम बाई कार्बोनेट विलयन

अम्ल तथा क्षार के गुणों का अध्ययन, HCl तथा NaOH को निम्न के साथ अभिक्रिया कराके-

i. लिटमस विलयन (नीला/लाल)
ii. जिंक धातु
iii. ठोस सोडियम कार्बोनेट

2. निम्न अभिक्रियाओं का निष्पादन तथा अवलोकन करना तथा निम्नांकित वर्गों में वर्गीकृत करना-

a) संयोजन अभिक्रिया
b) विघटन अभिक्रिया
c) विस्थापन अभिक्रिया
d) द्विविस्थापन अभिक्रिया

i. चूना पानी में जल की क्रिया
ii. फेरस सल्फेट क्रिस्टल को गर्म करने की क्रिया
iii. कापर सल्फेट विलयन में लौह कील डालने पर
iv. सोडियम सल्फेट तथा बेरियम क्लोराइड के मध्य अभिक्रिया

अथवा

3. Zn, Fe, Cu तथा Al धातुओं का निम्नलिखित लवण विलयनों से अभिक्रिया का निरीक्षण करना-

a) $ZnSO_4$ (aq)
b) $FeSO_4$(aq)
c) $CuSO_4$(aq)
d) $Al_2 (SO_4)_3$(aq)

उपरोक्त से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर Zn, Fe, Cu तथा Al धातुओं को अभिक्रिया की कोटि के मान के अनुसार घटते क्रम में व्यवस्थित करना।

4. किसी प्रतिरोधक में प्रवाहित विद्युत धारा (I) पर विभवांतर का आश्रित होने का अध्ययन एवं प्रतिरोध ज्ञात करना तथा V और I के मध्य ग्राफ प्रदर्शित करना।

5. श्रेणी तथा समानान्तर क्रमों में प्रतिरोधों के संयोजन का तुल्य प्रतिरोध ज्ञात करना।

6. पत्ती में स्टोमेटा की अस्थाई स्लाइड तैयार करना।

7. श्वसन में कार्बन डाई आक्साइड निकलने की क्रिया को प्रयोग द्वारा प्रदर्शित करना।

8. एसिटिक एसिड (एथेनाइक अम्ल) के निम्नलिखित गुणों का अध्ययन करना–

i. गंध

ii. जल में विलयता

iii. लिटमस पर प्रभाव

iv. सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट से अभिक्रिया

9. मृदु तथा कठोर जल में साबुन के नमूनों के निर्मलीकरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।

10. निम्न की फोकस दूरी ज्ञात करना–

i. अवतल दर्पण

ii. उत्तल लेंस

दूरस्थ वस्तु का प्रतिम्बि ज्ञात करना।

11. काँच के आयताकार स्लैब से गुजरने वाली प्रकाश किरण के विभिन्न आपतन कोणों के लिए प्रकाश किरण का पथ ज्ञात करना। आपतन कोण, अपवर्तन कोण, निर्गत कोण ज्ञात करना तथा परिणाम की समीक्षा करना।

12. तैयार स्लाइड की सहायता से (a) अमीबा में द्विविखण्डन (b) यीस्ट में मुकुलन का अध्ययन करना।

13. काँच के प्रिज्म द्वारा प्रकाश किरणों का मार्ग अनुरेखण करना।

14. उत्तल लेंस में अलग-अलग वस्तु-दूरी के लिए प्रतिबिम्ब दूरी ज्ञात करना तथा प्रतिबिम्ब की प्रकृति को किरण आरेख द्वारा प्रदर्शित करना।

15. किसी द्विबीजपत्री (मटर, चना, राजमा, बीन्स) के भ्रूण के विभिन्न भागों का अध्ययन करना।

<u>प्रोजेक्ट कार्य की सूची</u>

15 अंक

नोटः– दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। प्रत्येक खण्डों (भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान) में से एक-एक प्रोजेक्ट कार्य व प्रोजेक्ट फाइल तैयार कराना अनिवार्य होगा। शिक्षक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। तीनों प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1. pH पेपर/सार्वत्रिक सूचक का प्रयोग कर निम्नलिखित प्राकृतिक उत्पादों के pH मान एवं अम्लीय व क्षारीय विलयन में रंग परिवर्तन का अध्ययन करनाः–
   (1) नींबू का रस (2) चुकन्दर का रस (3) पत्ता गोभी का रस
   (4) उबले हुए मटर का पानी (5) गुलाब की पंखुड़ियों का रस
2. **रासायनिक उद्यान (केमिकल गार्डेन) बनानाः–**
   (काँच का जार, बालू वाटर-ग्लास विलयन, कॉपर सल्फेट, कोबाल्ट सल्फेट या मैंगनीज सल्फेट के क्रिस्टल)
3. विभिन्न अम्ल-क्षार उदासीनीकरण अभिक्रियाओं में उत्पन्न ऊष्मा का प्रायोगिक प्रेक्षण कर तुलनात्मक अध्ययन करना :-
   (बीकर, मापन फ्लास्क, थर्मामीटर, अम्ल और क्षार के मोलर विलयन, प्लास्टिक, कॉपी, कप आदि)।
4. आधुनिक आवर्त सारणी को चार्ट पेपर पर बनाकर अध्ययन करना।
5. मैडम क्यूरी व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
   (चित्र, जीवन परिचय, शिक्षा-दीक्षा, आविष्कार एवं नोबेल पुरस्कार)
6. विद्युत घण्टी का मॉडल तैयार करना तथा निहित वैज्ञानिक सिद्धान्तों का अध्ययन करना।
7. बहुरूपदर्शी (Kaleidoscope) का मॉडल तैयार करना।
8. प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों का व्यक्तित्व एवं विज्ञान में उनके योगदान को सूचीबद्ध करके उनका विस्तृत अध्ययन करना।
9. आवश्यक परिपथ का आरेख देते हुए विद्युत क्विज बोर्ड का मॉडल तैयार करना।
10. मनोरंजन में विज्ञान की भूमिका का सचित्र अध्ययन।
11. दर्पण व लेन्स से बने प्रतिबिम्ब की प्रकृति, स्थिति तथा साइज में परिवर्तन का परीक्षण कर सारणीबद्ध करना।
12. एक द्विलिंगी पुष्प जैसे-गुड़हल व सरसों के विभिन्न भागों (वाह्य दल, दल, पुमंग, जायांग) का अध्ययन एवं उसमें होने वाले परागण की जानकारी प्राप्त करना।
13. मनुष्य की हृदय की संरचना का मॉडल तैयार करना।
14. सेम तथा मक्का के बीच (भीगे हुये) की सहायता से बीज की संरचना एवं अंकुरण का अध्ययन करना।
15. विभिन्न प्रकार के पौधों का संग्रह कर हरबेरियम तैयार करना।
16. बिना मिट्टी के पौधे उगाना- प्रयोग एवं प्रेक्षण के आधार पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना।
17. पेट्रोल एवं डीजल से उत्पन्न वायु प्रदूषण का अध्ययन एवं इसके कम करने के लिए C.N.G. (सी0एन0जी0) का प्रयोग।
18. प्लास्टिक व पॉलीथीन का दैनिक जीवन में महत्व एवं पर्यावरण प्रदूषण में भूमिका।
19. आपके शहर में बढ़ते हुए शोर का कारण एवं हानिकारक प्रभावों का सचित्र अध्ययन।

विषय– गणित

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–2 : बीजगणित

1. **बहुपद**–बहुपद के शून्यांक। द्विघात बहुपदों के गुणांकों और शून्याकों के मध्य सम्बन्ध। वास्तविक गुणांकों वाले बहुपदों के लिए विभाजन एल्गोरिथ्म का कथन तथा उस पर सामान्य प्रश्न।

4.समान्तर श्रेणियाँ–

समान्तर श्रेणी के दवें पद की व्युत्पत्ति तथा समान्तर श्रेणी के प्रथम दपदों का योग। सामान्य जीवन पर आधारित प्रश्नों को हल करने के लिए इसका अनुप्रयोग।

इकाई–4 : ज्यामिति

वृत्त– वृत्त की स्पर्श रेखा, स्पर्श बिन्दु

(क) वृत्त की स्पर्शरेखा, स्पर्श बिन्दु से होकर जाने वाली त्रिज्या पर लम्ब होती है।

(ख) किसी वाह्य बिन्दु से खींची गई, दो स्पर्श रेखाओं की लम्बाइयाँ बराबर होती हैं।

इकाई–5 : त्रिकोणमिति

2. त्रिकोणमितीय सर्वसामिकाएँ –

सर्वसमिका $\text{Sin}^2\theta + \text{Cos}^2\theta = 1$ को स्थापित करना तथा इसका अनुप्रयोग।

इकाई–7 : प्रायिकता

2. प्रायिकता – प्रायिकता की सैद्धान्तिक परिभाषा, एकल घटना पर आधारित सामान्य प्रश्न।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– गणित

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

समय–3 घंटा

इसमें 70 अंक की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक का प्रोजेक्ट कार्य होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 23 एवं 10 कुल–33 अंक।

इकाई	इकाई का नाम	अंक
I	संख्या पद्धति	05
II	बीजगणित	18
III	निर्देशांक ज्यामिति	05
IV	ज्यामिति	12
V	त्रिकोणमिति	10
VI	मेन्सुरेशन	10
VII	सांख्यिकी तथा प्रायिकता	10
	योग	**70**

इकाई–1 : संख्या पद्धति–

(1) वास्तविक संख्याएँ **05 अंक**

यूक्लिड विभाजन प्रमेयिका, अंगणित का आधारभूत प्रमेय–उदाहरण सहित $\sqrt{2}$, $\sqrt{3}$, $\sqrt{5}$ अपरिमेय संख्याओं का सत्यापन, परिमेय संख्याओं का सांत/असांत आवर्ती दशमलव के पदों में निरूपण।

इकाई–2 : बीजगणित **18 अंक**

1. **दो चर वाले रैखिक समीकरण युग्म –**

दो चरों में रैखिक समीकरण युग्म और रैखिक युग्म का ग्राफीय विधि से हल। एक रैखिक समीकरण युग्म को हल करने की बीजगणितीय विधि।

1. प्रतिस्थापन विधि
2. विलोपन विधि
3. वज्रगुणन विधि

दो चरों के रैखिक समीकरणों के युग्म में बदले जा सकने वाले समीकरण।

3. द्विघात समीकरण–

मानक द्विघात समीकरण $ax^2 + bx + c = 0, (a \neq 0)$ द्विघात समीकरणों (केवल वास्तविक मूल) का द्विघात सूत्रों द्वारा, गुणनखण्ड द्वारा, पूर्ण वर्ग बनाकर हल निकालना। द्विघात समीकरण का विविक्तकर और उनके मूलों की प्रकृति के बीच सम्बन्ध। द्विघात समीकरण के दिन–प्रतिदिन के अनुप्रयोग तथा इन पर आधारित इबारती प्रश्न।

इकाई–3 : निर्देशांक ज्यामिति – **05 अंक**

1. रेखा (द्विविमीय)–

निर्देशांक ज्यामिति की अवधारणा, रैखिक समीकरणों के ग्राफ, दूरी सूत्र, विभाजन सूत्र (आन्तरिक विभाजन), त्रिभुज के क्षेत्रफल।

इकाई–4 : ज्यामिति **12 अंक**

1. **त्रिभुज** –

समरूप त्रिभुज के परिभाषा, उदाहरण, प्रतिउदाहरण।

(क) त्रिभुज की एक भुजा के समान्तर खींची गयी रेखा त्रिभुज की शेष दो भुजाओं को समान अनुपात में विभाजित करती है।

(ख) त्रिभुज की दो भुजाओं को समान अनुपात में विभाजित करने वाली रेखा, तीसरी भुजा के समान्तर होती है।

(ग) यदि दो त्रिभुजों में संगत–भुजाओं का एक युग्म अनुपातिक हो और अन्तरित कोण बराबर हो, तो त्रिभुज समरूप होते हैं।

(घ) यदि दो त्रिभुजों में संगत कोणों का एक युग्म बराबर हो और उनकी संगत भुजाएँ अनुपातिक हो, तो त्रिभुज समरूप होते हैं।

(ड.) एक त्रिभुज का एक कोण, दूसरे त्रिभुज के संगत कोण के बराबर हों तथा उनकी संगत भुजाएँ अनुपातिक हों तो त्रिभुज समरूप होगा।

(च) यदि समकोण त्रिभुज के समकोण वाले शीर्ष से कर्ण पर लम्ब डाला गया हो, तो लम्ब रेखा के दोनों ओर के त्रिभुज परस्पर और मूल त्रिभुज के समरूप होते हैं।

(छ) समरूप त्रिभुजों के क्षेत्रफलों का अनुपात संगत भुजाओं के वर्गों के समानुपाती होता है।

(ज) एक समकोण त्रिभुज में कर्ण का वर्ग अन्य दो भुजाओं के वर्गों के योगफल के बराबर होता है।

(झ) किसी त्रिभुज में यदि एक भुजा का वर्ग अन्य दो भुजाओं के वर्गों के योगफल के बराबर हो, तो पहली भुजा के सामने का कोण समकोण होता है।

2. रचनाएँ–

(क) दिए हुए रेखाखण्ड का दिये हुए अनुपात में विभाजन करना (आन्तरिक)।

(ख) एक वृत्त के बाहर स्थित एक बिन्दु से उस पर स्पर्श रेखाओं की रचना करना।

(ग) एक दिए गये त्रिभुज के समरूप एक त्रिभुज की रचना करना।

इकाई–5 : त्रिकोणमिति **10 अंक**

1. त्रिकोणमिति का परिचय –

समकोण त्रिभुज के न्यूनकोणों के त्रिकोणमितीय अनुपात, 0^0 और 90^0 के त्रिकोणमितीय अनुपात, त्रिकोणमितीय अनुपातों के मान (30^0, 45^0, 60^0, 0^0, 90^0)। उनके बीच सम्बन्ध।

2. त्रिकोणमितीय सर्वसामिकाएँ –

पूरक कोणों के त्रिकोणमितीय अनुपात।

3. ऊँचाई और दूरी –

उन्नयन कोण, अवनमन कोण, ऊँचाई और दूरी पर साधारण प्रश्न (प्रश्न दो समकोण त्रिभुजों से अधिक नहीं होना चाहिए)। उन्नयन/अवनमन कोण केवल 30^0, 45^0 तथा 60^0 होने चाहिए।

इकाई–6 : मेन्सुरेशन **10 अंक**

1. वृत्तों से सम्बन्धित क्षेत्रफल –

वृत्त का क्षेत्रफल, वृत्त के त्रिज्यखंड तथा वृत्तखण्ड के क्षेत्रफल, उपर्युक्त समतल आकृतियों के संयोजनों के क्षेत्रफल (प्रश्न केवल केन्द्रीय कोण 60^0, 90^0 और 120^0 के हों।)

2. पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन –

(क) निम्नांकित किन्हीं दो द्वारा संयोजित समतल आकृतियों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन–घन, घनाभ, गोला, अर्द्धगोला, और लम्बवृत्तीय, बेलन/शंकु/शंकु छिन्नक।

(ख) एक तरह के धात्विक ठोस का दूसरे में परिवर्तित करने से सम्बन्धित प्रश्न तथा दूसरे मिश्रित प्रश्न। (दो भिन्न तरह के ठोसों का संयोजन से सम्बन्धित प्रश्न, इससे अधिक नहीं)

इकाई–7 : सांख्यिकी **10 अंक**

1. **सांख्यिकी** – वर्गीकृत आंकड़ों का माध्य, माध्यिका तथा बहुलक। संचयी बारम्बारता ग्राफ।

प्रोजेक्ट कार्य **अंक विभाजन**

(क) आंतरिक मूल्यांकन– **15 अंक**

(भारत का परम्परागत गणित ज्ञान कक्षा–10 नामक पुस्तिका से भी प्रश्न पूछें जाय)।

(ख) प्रोजेक्ट कार्य– **15 अंक**

कुल **30 अंक**

नोट–निम्नलिखित(बिन्दु 1 से 11 तक) में से कोई दो प्रोजेक्ट प्रत्येक छात्र से तैयार करायें। तथा एक प्रोजेक्ट बिन्दु–12 से अनिवार्य रूप से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट अपने स्तर से भी दे सकते हैं।

(1) पाइथागोरस प्रमेय का सत्यापन गत्ता या चार्ट पर त्रिभुज एवं वर्ग को बनाकर करना।

(2) जनसंख्या अध्ययन में सांख्यिकी की उपयोगिता।

(3) विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों की वास्तुकला एवं निर्माण में भूमिका का अध्ययन करना।

(4) त्रिकोणमिति अनुपातों के चिन्हों का ज्ञान चार्ट के माध्यम से कराना। कोण के पूरक (Complementary angle), सम्पूरक कोण (supplementary angle) आदि कोणों के त्रिकोणमितीय अनुपात कोणों के संगत अनुपात में चित्र के माध्यम से व्यक्त करना।

(5) उत्तर मध्यकाल के किसी एक भारतीय गणितज्ञ (रामानुजन, नारायण पण्डित आदि) का व्यक्तित्व एवं गणित में योगदान।

(6) 24×42 सेंमी0 माप के दो कागज लेकर लम्बाई एवं चौड़ाई की दिशा में मोड़कर दो अलग–अलग बेलन बनाइए। दोनों में किसका वक्रपृष्ठ एवं आयतन अधिक होगा।

(7) सरकार द्वारा लगाये जाने वाले विभिन्न प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर का अध्ययन करना।

(8) वृत्त के केन्द्र पर बना कोण शेष परिधि पर बने कोण का दूना होता है का क्रियात्मक निरूपण करना।

(9) दूरी मापने का यन्त्र (Sextant) बनाना और प्रयोग करना।

(10) गणित के सिद्धान्तों की चित्रकला में उपयोगिता।

(11) एक कार/घर खरीदने के लिए बैंक से लोन लेने के विभिन्न चरणों का ब्योरा प्रस्तुत कीजिए।

(12) संस्तुत पुस्तक भारत का परम्परिक गणित ज्ञान के निम्नाकित तीन खण्डों में से सुविधानुसार कोई एक प्रोजेक्ट–

खण्ड–क– भारत में गणित की उज्जवल परम्परा।

खण्ड–ख– गणना की परम्परागत विधियां।

खण्ड–ग– भारत के प्रमुख गणिताचार्य।

वाणिज्य

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

भाग-(अ) बुक, पास बुक एवं रोकड़ बही का बैंक समाधान विवरण-पत्र।

भाग-(ब) अनुक्रमणिका, विक्रय विवरण।

भाग-(स) सहकारी बैंक।

भाग-(द) उत्पत्ति के साधन, आशय, विशेषतायें एवं महत्व।

प्रोजेक्ट कार्य-

3–बैंक समाधान विवरण कब एवं क्यों बनाया जाता है ?

4–रोकड़ बही एवं पासबुक बही में अन्तर के कारण।

7–कार्ड अनुक्रमणिका का वर्णन।

16–उत्पत्ति के साधन।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

वाणिज्य

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का प्रायोगिक व आन्तरिक मूल्यांकन होगा। प्रायोगिक आन्तरिक मूल्यांकन में 15 अंक का प्रोजेक्ट कार्य तथा 15 अंक को मासिक परीक्षा हेतु निर्धारित किया गया है। प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा। लिखित परीक्षा हेतु अंक विभाजन निम्नवत् है :–

(अ) अन्तिम खाते-व्यापार तथा लाभ-हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा सामान्य समायोजन सहित। चेक, बिल, हुण्डी व प्रतिज्ञा-पत्र सम्बन्धित साधारण लेखें। 20

(ब) नस्तीकरण, संदेश वाहक प्रणालियाँ। व्यापारिक कार्यालय में श्रम व समय बचाने वाले यंत्र जैसे पंच मशीन, समय रिकॉर्ड मशीन, फोटोस्टेट मशीन, टाइप-राइटर, कैलकुलेटर की साधारण प्रयोग सम्बन्धी जानकारी। देशी व्यापार–थोक व फुटकर व्यापार, बीजक।

(स) बैंक–जन्म, परिभाषा, कार्य एवं महत्व। भारतीय रिजर्व बैंक, स्टेट बैंक, व्यापारिक बैंक, देशी बैंकर का सामान्य अध्ययन। 15

(द) उपयोगिता ह्रास नियम, व्यय व बचत आशय पारस्परिक सम्बन्ध, बचत का सामाजिक महत्व।

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक–

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय, अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य एवं आंतरिक मूल्यांकन 15+15=30

नोट :–दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। प्रत्येक खण्ड में से एक प्रोजेक्ट कराना अनिवार्य है। शिक्षक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। प्रत्येक प्रोजेक्ट 05 अंक का होगा। 15 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर मासिक परीक्षण द्वारा होगा :

1–काल्पनिक आंकड़ों के आधार पर व्यापार खाते का नमूना।
2–अन्तिम खाते बनाते समय विभिन्न समायोजनाओं का विवेचन।
5–चेक एवं चेक का रेखांकन।
6–नस्तीकरण की प्रणालियाँ।
8–चेक एवं चेक का अनादरण।
9–शीघ्र संदेश भेजने का साधन।
10–समय एवं श्रम बचाने वाले यंत्र।
11–फुटकर व्यापार का वर्गीकरण।
12–बैंक का उदय या विकास।
13–रिजर्व बैंक के कार्य।
14–स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के कार्य।
15–उपयोगिता ह्रास नियम की व्याख्या।

चित्रकला

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड–ग (भारतीय चित्रकला)

इस खण्ड में चार प्रश्न होंगे, जिसमें से दो प्रश्न करने होंगे। एक प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जो अनिवार्य होगा :–

1–चित्रकला का प्राचीन उल्लेख।

2–चित्रकला की विशेषतायें।

3–प्रागैतिहासिक काल।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

चित्रकला

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट वर्क होंगा। पूर्णांक 100

प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभक्त होगा, जिसमें खण्ड–(क) अनिवार्य है। शेष खण्डों में से एक करना है।

खण्ड–क (अनिवार्य) 45

प्राकृतिक दृश्य चित्रण–जैसे ऊषाकाल, संध्याकाल, ग्रामीण व पहाड़ी दृश्य का चित्रण, जलरंग अथवा पेस्टल रंगों से रंगे। माप– 20 सेमी0×15 सेमी0 हो।

अथवा

आलेखन–चतुर्भुज अथवा वृत्त में केवल पूर्ण इकाई द्वारा मौलिक आलेखन बनाये और उसमें कम से कम तीन रंगों का प्रयोग करें। माप 15 सेमी0 से कम न हो।

अथवा

प्राविधिक–अन्तः स्पर्शी तथा वाह्यस्पर्शी अन्तर्गत एवं परिगत आकृतियां, रेखाओं तथा वृत्तों को स्पर्श करते हुये स्पर्श रेखायें। क्षेत्रफल सम्बन्धी साधारण निर्मेय, ज्यामितीय आलेखन, साधारण एवं कर्णवत् पैमाने।

खण्ड–ख (स्मृति चित्रण) 25

साधारण जीवन में दैनिक उपयोग की वस्तुयें, घरेलू बर्तन जैसे–सुराही, बाल्टी, लोटा, अमृतवान, केतली, बोतल, गिलास तथा तरकारी, फल आदि। पेंसिल द्वारा रेखांकन होगा।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–परियोजना कार्य तीन खण्डों में विभक्त होगा, जिसमें से किन्हीं दो खण्डों से तीन परियोजना कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है। प्रत्येक परियोजना कार्य पाँच अंक का है। इसके अतिरिक्त 15 अंक मासिक परीक्षा के लिये निर्धारित है।

परियोजना कार्य सैद्धान्तिक, तकनीकी कौशल तथा माध्यम (जलरंग, पोस्टर रंग, पेंसल, चारकोल, क्रेयान, इंक आदि) के उपयुक्त प्रयोग पर आधारित होगा।

परियोजना कार्य में संयोजन, सौन्दर्य (आकर्षण) अनुपात, लय के सिद्धान्तों का ध्यान रखते हुये पूर्ण किया जाय।

खण्ड–क (प्राकृतिक दृश्य चित्रण)

1–प्राकृतिक दृश्य चित्रण (ऊषाकाल) का 20×15 सेमी0 माप में सृजन करें। जलरंग माध्यम से ऊषाकाल का प्रभाव चित्रित किया जाय। चित्र में परिप्रेक्ष्य स्पष्ट से दिखे।

2–संध्याबेला का दृश्य चित्रण पोस्टर अथवा पेस्टल रंग द्वारा पूर्ण करें जिसकी माप 20×15 सेमी0 हो। चित्र में सन्तुलन एवं परिप्रेक्ष्य स्पष्ट हो।

3–ग्रामीण दृश्य चित्रण को पोस्टर रंग/जलरंग/पेस्टल रंग द्वारा पूर्ण किया जाय जिसमें मानव/पशु आकृतियों के अलावा ग्रामीण झोपडियाँ एवं कुआँ आदि का भी समावेश हो।

4–पहाड़ी दृश्य चित्र का चित्रण 20×15 सेमी0 माप में सृजित करें। रंग/रेखा का सन्तुलन आवश्यक है।

5–पेंसिल अथवा चारकोल के माध्यम से दृश्य चित्रण कीजिये। चित्र में सन्तुलन एवं लय का विशेष महत्व होगा। परिप्रेक्ष्य दर्शाना आवश्यक है।

6–चतुर्भुज में केवल एक पूर्ण इकाई द्वारा मौलिक आलेखन बनायें और उसमें कम से कम तीन रंगों का प्रयोग करें। माप 15 सेमी0 से कम न हो।

7–वृत्त में केवल एक पूर्ण इकाई द्वारा मौलिक आलेखन बनायें और उसमें कम से कम तीन मौलिक रंगों का प्रयोग करें। माप 15 सेमी0 से कम न हो।

8–किसी मार्ग के भव्य प्रवेश द्वार की परिकल्पना करें। उसके ज्यामितीय महत्व को सिद्ध करने वाली दो समानान्तर वृत्ताकार मीनारों की रचना करें जिसका ऊपरी भाग त्रिभुजाकार बीम से बँधा हो।

9–किसी नहर अथवा मार्ग की परिकल्पना करें, उसकी मापनी बनायें और निरूपक भिन्न ज्ञात करें। (अंकीय आंकड़े स्वयं निर्धारित करेंगे) नहर अथवा सड़क का लघु दृश्य भी दर्शाने का प्रयास करें।

खण्ड–ख (स्मृति चित्रण)

10–साधारण जीवन में दैनिक उपयोग की वस्तुयें घरेलू बर्तन जैसे सुराही, बाल्टी, लोटा, अमृतबान, केतली, बोतल, गिलास आदि को स्मृति के आधार पर पेंसिल अथवा चारकोल से रेखांकन किया जाय।

11–विभिन्न प्रकार के फल एवं सब्जियों को स्मृति के आधार पर रेखांकन करें। पेंसिल अथवा चारकोल से किया जाय।

12–विभिन्न प्रकार के बर्तनों एवं सब्जियों तथा फलों को पेस्टल एवं वाटर कलर से चित्रित करें।

खण्ड–ग (भारतीय चित्रकला)

13–भारतीय चित्रकला के विभिन्न काल खण्डों का विभाजन करते हुये प्रत्येक काल खण्ड पर मौलिक लेख लिखें।

14–चित्रकला की विशेषताओं का उल्लेख करें जिससे यह सिद्ध हो सके कि कला ही जीवन है।

15–प्रागैतिहासिक काल की विभिन्न शिलाश्रयों का उल्लेख करते हुये उनके रंग एवं चित्रण विधान पर प्रकाश डालें।

रंजन कला
कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

खण्ड–ग

3–संतुलन।

4–प्रभावित।

5–सामंजस्य।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

रंजन कला
कक्षा–10

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घन्टे का होगा। प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभक्त होगा जिसमें से किन्हीं दो खण्ड के प्रश्न हल करने होंगे। खण्ड–क अनिवार्य होगा। **पूर्णांक 100**

खण्ड–क (चित्र संयोजन) 45 अंक

अनिवार्य

परम्परागत अथवा स्वतंत्र शैली में दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर संयोजन कर चित्र बनाना :–

(क) सामाजिक जीवन।

(ख) देशभक्ति पर आधारित चित्र जल रंग अथवा पेस्टल रंग से चित्रित किया जाये। माप 20 सेमी0×15 सेमी0 के आयत से कम न हो।

खण्ड–ख (मानव अंग चित्रण) 25 अंक

मानव शरीर के अंगों का चित्रण (सामने रखे प्लास्टर ऑफ पेरिस, मिट्टी के मॉडल, आँख, कान, होठ, हाथ, पैर, नाक केवल पेंसिल द्वारा चित्रण करना)।

खण्ड–ग 25 अंक

इस खण्ड में कुल तीन प्रश्न होंगे, जिसमें से दो प्रश्न करना होगा। एक वस्तुनिष्ठ प्रश्न करना होगा :–

1–चित्रकला के छः अंग।

2–अनुपात।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक कोई भी पुस्तक निर्धारित नहीं है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिये तथा 15 अंक मासिक परीक्षा के लिये निर्धारित है जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य की सूची

नोट :–निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं। प्रत्येक प्रोजेक्ट 5 अंक का है।

निम्नलिखित कथनों के रंगीन पोस्टर बनाकर घर एवं विद्यालय में लगायें :–

1–बायें चलो।

2–जीवों पर दया करो।

3–सभी धर्म समान हैं।

4–जय जवान, जय किसान।

5–सब पढ़े, सब बढ़े।

6–किसी चित्रकार का चित्रकला में योगदान।

गृह विज्ञान
कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समाय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

गृह प्रबन्ध

घर की सफाई और सजावट।

स्वास्थ्य रक्षा

घरेलू विधियों से जल शुद्ध करना।

वस्त्र और सूत विज्ञान

कपड़ों की धुलाई तथा रख–रखाव, धोने की विधियाँ और इस्तरी करना।

4––भोजन तथा पोषण विज्ञान

(1) रसोई घर की व्यवस्था, देख–रेख और सफाई।

5––प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या

(1) मानव अस्थि संस्थान तथा संधियाँ।

(5) घायल स्थानान्तरण हस्त आसन द्वारा।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

गृह विज्ञान

कक्षा–10

(केवल बालिकाओं के लिए)

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

क्रम सं0	इकाई	अंक
1–	गृह प्रबन्ध	15
2–	स्वास्थ्य रक्षा	15
3–	वस्त्र और सूत विज्ञान	10
4–	भोजन तथा पोषण विज्ञान	15
5–	प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या	15

कुल 70 अंक

प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन––30 अंक

योग––100 अंक

1––गृह प्रबन्ध 15 अंक

(1) शिक्षिका द्वारा प्रति वर्ष बजट का प्रदर्शन।

(2) आय–व्यय और बचत, डाकखाना और बैंक के माध्यम से।

(3) गृह गणित––दशमलव, जोड़ना, घटाना, गुणा तथा भाग (रुपया, पैसा, किलोग्राम, ग्राम, मीटर, सेन्टीमीटर के सन्दर्भ में) प्रतिशत, लाभ हानि तथा साधारण ब्याज पर सरल गणनायें।

2––स्वास्थ्य रक्षा 15 अंक

(1) जल, जल के स्रोत और उपयोग।

(2) अशुद्ध जल से फैलने वाले रोग। (पेचिश, अतिसार, हैजा)

(3) पर्यावरण और जनजीवन पर उसका प्रभाव। अपशिष्ट (कचरा) प्रबन्धन।

(4) कुछ सामान्य रोगों के कारण और उनके रोकथाम – चेचक, छोटी माता, खसरा, डिप्थीरिया, टायफाइड (मियादी बुखार), कुकुरखांसी, पीतज्वर, मष्तिष्क ज्वर, रेबीज, हेपेटाइटिस(ए0बी0सी0ई0), मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, हाथी पांव, टिटनेस, क्षय रोग और विषैला भोजन (फूड प्वायजनिंग)

3––वस्त्र और सूत विज्ञान 10 अंक

(1) सिलाई किट––बेबीफ्राक या कुर्ता, पायजामा या पेटीकोट उपलब्धता के अनुसार (हाथ की सिलाई अथवा मशीन की सिलाई द्वारा)।

4––भोजन तथा पोषण विज्ञान 15 अंक

(2) भोजन पकाने और परोसने की आधारित विधियाँ, तत्वों की सुरक्षा का ध्यान रखना।

(3) निम्न रोगों के रोगियों का भोजन, रोग की अवधि में और स्वास्थ्य लाभ के समय का भोजन, तीव्र ज्वर और दीर्घ स्थाई ज्वर, अतिसार, पेचिस, गैस्ट्रोटाइटिस, मियादी बुखार, मलेरिया, क्षयरोग, लू लगना।

5––प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या 15 अंक

(2) हड्डियों की टूट और मोच।

(3) श्वसन तन्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान।

(4) प्राकृतिक और कृत्रिम श्वसन क्रिया।

(6) रोगी का स्पंज करना, गर्म सेंक––भपारा लेना, बर्फ की टोपी का प्रयोग।

(7) नाड़ी, श्वास गति और ताप का चार्ट बनाना।

प्रयोगात्मक

प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक होगा। **15 अंक**

(खण्ड क)

(1) किसी एक स्थान (घर या पाठशाला कक्ष) की सफाई की दैनिक आख्या तैयार करना।

(2) किसी एक लकड़ी के फर्नीचर की सफाई और पालिश करना।

(3) धातु की किसी एक वस्तु की सफाई।

(4) प्रति वर्ष बजट का अभिलेख रखना।

(खण्ड ख)

(1) छात्राओं द्वारा सिलाई का किट तैयार करना।
(2) बेबी फ्राक या कुर्ता पायजामा या पेटीकोट सिलना।
(3) वस्त्रों की धुलाई––सूती, रेशमी, ऊनी तथा कृत्रिम रेशे के वस्त्रों को धोना।

(खण्ड ग)

(1) भोजन पकाने की सही विधियाँ––उबालना, भाप में पकाना, तलना, स्ट्यू करना, धीमी आँच में पकाना, भूनना।
(2) भोजन का परोसना।
(3) रोगी का भोजन, फटे दूध का पानी, साबूदाना का पानी, खिचड़ी, तरकारियों का सूप और सब्जियों का रस, फलों के रस, पना।

(खण्ड घ)

(1) कृत्रिम श्वास देने की विधियाँ।
(2) हस्त आसन द्वारा स्थानान्तरण।
(3) स्पंज करना, गर्म सेंक (पुल्टिस), भपारा लेना, बर्फ की टोपी और गर्म पानी की थैली का प्रयोग।
(4) ताप का चार्ट बनाना।

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें––

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यार्थियों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्यों की सूची **पूर्णांक–15**

नोट :––दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से करायें। प्रोजेक्ट कार्यों की फाइल तैयार कराना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पाँच अंक का है। शिक्षक पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। प्रोजेक्ट कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

1– घर का आय––व्यय बजट तैयार करना।
2– निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए बचत पर एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट लिखिये––
(i) भविष्य निधि योजना
(ii) राष्ट्रीय बचत–पत्र
(iii) किसान विकास–पत्र
3– गृह विज्ञान में गृह गणित के योगदान पर एक रिपोर्ट लिखिये।
4– अपने विद्यालय के जल शुद्धिकरण व्यवस्था पर एक प्रोजेक्ट लिखिये तथा उसमें क्या सुधार किया जा सकता है।
5– अशुद्ध जल से फैलने वाले प्रमुख रोगों के नाम लक्षण व बचाव की सूची।
6– चार्ट के माध्यम से पर्यावरण एवं जन–जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाइए।
7– एक प्रोजेक्ट तैयार करें जिसमें पाठ्यक्रमानुसार सभी वस्त्रों की नाप एवं पेपर कटिंग लगायें।
8– सिलाई किट तैयार करना।
9– वस्त्रों की देखभाल एवं डिटर्जेन्ट का प्रयोग।
10– एक दिन खाये जाने वाले खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करके उसमें विद्यमान पोषक तत्वों को सूचीबद्ध करना।
11– एक चार्ट पेपर पर श्वसन–तंत्र का चित्र बनाइये तथा अंगों के नाम दर्शाइए।
12–मानव अस्थि तंत्र को चार्ट पेपर पर बनाइये एवं प्रमुख अंगों को दर्शाइए।

गृह विज्ञान

कक्षा–10

(बालकों के लिए तथा उन बालिकाओं के लिए जिन्होंने इसे अनिवार्य विषय के रूप में नहीं लिया हैं)

पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों की स्थिति वही रहेगी जो इस विवरण पत्रिका में गृहविज्ञान (केवल बालिकाओं के लिए)

मानव विज्ञान

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–3

खासी जनजाति का सामाजिक–आर्थिक परिवेश।

इकाई–4

(क) जनजातीय समस्या का स्वरूप एवं समस्या निराकरण के उपाय।
(ख) जनजातियों में एड्स तथा आपदा प्रबन्धन।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

मानव विज्ञान

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

(इथनोग्रेफी एवं सामाजिक सांस्कृतिक मानव विज्ञान)

पूर्णांक : 70 अंक
कालांश : 220

इकाई–1

(क) मानव विज्ञान की परिभाषा तथा प्रमुख शाखायें। 10 अंक
(ख) सामाजिक–सांस्कृतिक मानव विज्ञान की परिभाषा तथा शाखायें। 10 अंक

इकाई–2

पृथ्वी पर हिमयुग

(क) इथनोग्रेफी एवं इथनालोजी : परिभाषा एवं विषय क्षेत्र। 10 अंक
(ख) भारत की जनजातियों का भौगोलिक आर्थिक एवं भाषाई वर्गीकरण। 15 अंक
(ग) जनजाति की परिभाषा, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ी जनजाति (प्रिमिटिव)। 15 अंक

इकाई–3

खासा जनजाति का सामाजिक–आर्थिक परिवेश। 10 अंक

पाठ्य पुस्तकें–

कोई भी पुस्तक निर्धारित एवं संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालय के प्रधान/विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य

इस विषय में 30 अंक का प्रायोगिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन होगा जिसमें 15 अंक मासिक परीक्षा एवं 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्धारित है। विषय अध्यापक दिये गये प्रोजेक्ट में से तीन प्रोजेक्ट अवश्य तैयार करायें। विषय अध्यापक छात्र हित में अपने स्तर पर कोई अन्य प्रोजेक्ट भी करा सकते हैं–

1–भारत की जनजातियों का भौगोलिक वर्गीकरण।
2–जनजातियों का भाषाई वर्गीकरण।
3–खासा जनजाति का सामाजिक परिवेश।
4–जनजातियों में आपदा प्रबन्धन।
5–खासी जाति का आर्थिक परिवेश।
6–अनुसूचित जनजाति का वर्गीकरण।
7–पिछड़ी जनजाति का वर्गीकरण।

कश्मीरी

कक्षा-10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1-व्याकरण और उनके प्रयोग-

(4) समुच्चय बोधक अव्यय तथा सम्बन्ध सूचक अव्यय का प्रयोग
(5) प्रत्यय और उपसर्ग

1-गद्य- (4) जम्हूरियत
(ख) पाठ्य पुस्तक के अवतरण का अंग्रेजी में अनुवाद

पद्य-

(5) दूरी प्रजालियों तारूखा
(6) बहार
(7) येथ हम्यास मंज

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कश्मीरी (कक्षा-10)

केवल प्रश्न-पत्र

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

भाग-(अ) 35 अंक

1-व्याकरण और उनके प्रयोग- 20 अंक

(1) काल प्रयोग 07 अंक
(2) वाक्य परिवर्तन 07 अंक
(3) मुहावरे और लोकोक्तियों का प्रयोग 06अंक

2-कम्पोजीशन-

(1) निबन्ध लेखन 10 अंक

(सामान्य रुचि के विषयों पर आधारित लगभग 150 शब्दों में)।

3-पाठ्य पुस्तक से दिये गये अवतरणों पर लघु उत्तरीय प्रश्न 05 अंक

भाग-(ब) 35 अंक

1-गद्य- **20 अंक**

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे-

(1) माती तुगनी कीन्ह

(2) चार्ली चैपलीन

(3) टेलीफोन से रेडियो

निम्नांकित प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे-

(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या 10 अंक

(ख) पाठ्य पुस्तक के अवतरण का उर्दू/हिन्दी में अनुवाद 05 अंक

(ग) पाठ्य सारांश 05 अंक

2-पद्य- **15 अंक**

पाठ्य पुस्तक से निम्नांकित कवितायें पढ़नी होगी-

(1) रूबाई (मियॉ आरिफ)

(2) जूनी मंजदल

(3) गजल

(4) गशी तुरूक

निम्नांकित विषयों से सम्बन्धित प्रश्न पूँछे जायेंगे-

(अ) सन्दर्भ सहित व्याख्या 10 अंक

(ब) दिये गये पद्यांश का सारलेखन 05 अंक

निर्धारित पुस्तक कशूर निशाब कक्षा-09 तथा 10 के लिए प्रकाशक जम्मू एवं कश्मीर स्टेट बोर्ड ऑफ एजूकेशन (1982)

संगीत (गायन)

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

भाग (ख)

(संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन) **अंक - 35**

पाठ्यक्रम के रागों की विशेषता, स्वर-विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त और उसमें भेद। स्वर-समूहों के छोटे-छोटे टुकड़ों के आधार पर राग को पहचानने एवं उनकी बढ़त की योग्यता।

उपर्युक्त रागों में कम से कम एक ध्रुपद और ख्याल होना चाहिये। उनमें आलाप-तान लिखने एवं गाने की योग्यता होनी चाहिये।

प्रोजेक्ट कार्य

6-राग की मुख्य जातियों एवं उपजातियों को तालिका के द्वारा स्पष्ट कीजिये।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

संगीत (गायन)

कक्षा--10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

भाग (क) **अंक - 35**

(शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा एवं व्याख्या)

नाद, नादोत्पत्ति, नाद के प्रकार एवं विशेषतायें। शब्द और वर्णों का गायन, स्वरों का स्पष्ट उच्चारण, तीनों सप्तकों का अध्ययन (मध्य,मन्द्र एवं तार) आवाज के गुणों का उत्कर्ष और उसकी सुरक्षा के लिये स्वास्थ्य और भोजन सम्बन्धी नियम, भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर स्वर एवं स्वर लिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन, थाटों का वर्गीकरण और थाट से रागों की उत्पत्ति, मुर्की, कण, वर्जित, वक्र, मींड, सम, खाली एवं भरी।

भाग (ख)

(संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन) **अंक - 35**

ध्रुपद, टप्पा, ठुमरी, तराना, बड़ा ख्याल तथा छोटे ख्याल की परिभाषा। पाठ्यक्रम के बोलों के तालों एवं दुगुन का ज्ञान एवं तालों को लिपिबद्ध करने की योग्यता, संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर छोटा निबन्ध लिखना, तानसेन एवं विष्णु दिगम्बर की जीवनी।

बिहाग एवं भैरवी रागों का विस्तृत अध्ययन। प्रत्येक में एक-एक गीत छात्रों को तैयार करना है।

देश, बागेश्वरी एवं काफी रागों की साधारण जानकारी होनी चाहिये।

प्रत्येक राग में एक गीत (सरगम या लक्षण गीत) होना आवश्यक है।

प्रत्येक राग का आरोह-अवरोह एवं पकड़ गाना विद्यार्थी को अवश्य आना चाहिये तथा उसको लिखने की क्षमता होनी चाहिये।

उपर्युक्त गीतों के साथ दादरा, तीनताल, झपताल, एकताल, चारताल, नामक तालें प्रयुक्त होनी चाहिये।

नोट :--उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों पर आधारित प्रयोगात्मक परीक्षा ली जायेगी जो 15 अंकों की होगी तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए निर्धारित है। जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

संगीत (गायन) प्रोजेक्ट कार्य

नोट :--निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1-महान संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित करके स्क्रैप बुक में चिपकाना तथा उनके नाम एवं जन्म-मृत्यु का उल्लेख करना।

2-वर्तमान समय के परिप्रेक्ष्य में संगीत में प्रयोग किये जाने वाले वाद्य यन्त्रों के चित्रों को एकत्र करके उनके नामों का उल्लेख करते हुए स्क्रैप बुक में लगाना।

3-श्री विष्णु नारायण भातखण्डे की सांगीतिक रचनाओं की एक सूची तैयार कीजिये।

4-स्वरों के शुद्ध एवं विकृत प्रकारों को चार्ट पेपर पर अंकित कीजिये।

5-तबले का चित्र बना कर उसके विभिन्न अंगों के नाम लिखिये।

7-किन्हीं चार प्राचीन संगीत वाद्य-यन्त्रों के नामों का उल्लेख करते हुए उनसे सम्बन्धित शीर्ष संगीतकारों के नाम लिखिये।

8-श्री भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर स्वर लिपि एवं ताल लिपि पद्धति की तुलना चार्ट बनाकर कीजिये।

9-सितार अथवा तानपुरे का प्रारूप तैयार कर उनके अंगों का नामकरण भी कीजिये। इच्छानुसार वैलवेट पेपर या थर्माकोल का प्रयोग किया जा सकता है।

10-चार भारतीय नृत्य शैलियों के चित्र, नाम तथा उनसे सम्बन्धित शीर्ष कलाकारों के नाम स्क्रैप बुक में अंकित कीजिये।

संगीत(वादन)

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

खण्ड (क)

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या-- कण, चक्रमोड़, जोड़, परन, रेला, सम,

खण्ड (ख)

1-वादन पाठ्यक्रम में रागों की विशेषतायें

2-तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने की योग्यता एवं सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ों के साथ गत को स्वर लिपिबद्ध करके लिखना।

तबला एवं पखावज-- 1-एकताल

2- दीपचन्दी तालों का साधारण ठेका।

अन्य वाद्य

1- भैरवी में प्रत्येक में एक मसीतखानी गत तथा एक रजाखानी गत आवश्यक है।

2- बागेश्री

3- चारताल से भी परिचित होना चाहिए।

5-प्रचलित वाद्य और उनकी विशेषताओं का ज्ञान।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

संगीत (वादन)

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

खण्ड (क)

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या-- 30

सप्तक (मन्द्र, मध्य एवं तार) का विस्तृत अध्ययन, मुर्की, विवादी, वर्ण,घसीट, झाला, पेशकारा, टुकड़ा,तिहाई, भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन थाटों का वर्गीकरण और उनसे रागों की उत्पत्ति।

खण्ड (ख) 40

1-स्वर विस्तार और अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त।

3-स्वर समूह के छोटे-छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहचानने और बढ़त करने की योग्यता।

4-संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर छोटा निबन्ध, तानसेन एवं विष्णु दिगम्बर की जीवनी।

तबला एवं पखावज--

1-तीनताल, चारताल में से प्रत्येक में एक पेशकारा, 2 कायदा, 2 टुकड़े और दो तिहाई लिखने एवं बजाने की योग्यता। चार ताल में दो टुकड़े एवं एक परन लिखने और बजाने की योग्यता।

2-कहरवा, तीव्रा

अन्य वाद्य

1-राग बिहाग में प्रत्येक में एक मसीतखानी गत तथा एक रजाखानी गत आवश्यक है।

2-देश, काफी रागों में कलात्मक विकास के बिना एक गत। इन रागों में आरोह-अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता।

3-कहरवा, तीनताल और एकताल से भी परिचित होना चाहिए।
4-अपने वाद्य में बजाने वाले वर्ण एवं बोलों को निकालने की विधि।

नोट :--उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी जिसके लिए 15 अंक निर्धारित किये गये हैं तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए है। इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट वर्क

PROJECT WORK

नोट :--निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1-हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लगाइए तथा संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2-अपने वाद्य की उत्पत्ति व विकास को सचित्र वर्णित कीजिए।
3-स्व वाद्य के वर्णों की विकास एवं विधि को समझाइए।
4-रेडियो एवं टी0वी0 द्वारा प्रसारित होने वाले कुछ संगीत कार्यक्रमों को सुनकर उनकी सूची बनाइए व उनके बारे में संक्षेप में लिखिए।
5-उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के "भारतरत्न" पुरस्कार प्राप्त किसी एक संगीतज्ञ का चार्ट बनाइए।
6-वाद्य के समस्त प्रकारों (तत्, सुषिर, अवनद्ध, घन) के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए तथा उन्हें बजाने वाले सम्बन्धित कलाकार का नाम भी लिखिए।
7-रागों के समय निर्धारण को एक चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए।
8-हिन्दुस्तानी संगीत के 10 थाटों के नाम एवं उनके स्वरों को चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए तथा उनसे उत्पन्न कुछ रागों के नाम लिखिए।
9-संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं के नाम लिखकर संक्षिप्त परिचय दीजिए।
10-सितार अथवा तबला की मुख्य परम्परा/घराना विषय को चार्ट में प्रदर्शित कीजिए।
11-किसी संगीत समारोह का आँखों देखा वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
12-किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सांगीतिक योगदान को विस्तारतः समझाइए।

सिलाई

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

8-सिलाई में प्रेसिंग, फोल्डिंग तथा फिनिशिंग का ज्ञान तथा उसके लाभ।
9-रासायनिक वस्त्रों के निर्माण में वातावरण पर होने वाले प्रभाव/स्वास्थ्य से उनका सम्बन्ध और बचाव।
14-सिलाई के काम में आने वाले विभिन्न टाँकों का ज्ञान।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

सिलाई

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

1-कपड़ों की किस्में--कमीज का रेशमी कपड़ा, कमीज का सूती कपड़ा, कमीज का ऊनी कपड़ा।
2-पोशाक के प्रकार--स्त्री, पुरुष तथा बच्चों की पोशाकों की प्रकार का ज्ञान।
3-कपड़े श्रिंक करने की विधि तथा उसकी उपयोगिता।
4-अच्छे कटर के गुण तथा दोष।
5-मशीन की देखभाल, तेल देने का नियम, पुर्जों की जानकारी।
6-मशीन में आने वाले दोष तथा उन्हें दूर करने के उपाय।
7-पैटर्न कटिंग व उसके लाभ।
10-सलवार, लेडीज कुर्ता, ब्लाउज, कलीदार कुर्ता और इन परिधानों की नाप लिखना, रेखा चित्र बनाना तथा पेपर कटिंग करना।
11-कुन्देदार पायजामा (अलीगढ़ पायजामा)।
12-टेनिस कालर शर्ट।
13-फुलपैंट।

सिलाई--प्रयोगात्मक **15 अंक**

(प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।)

पेपर कटिंग--सलवार, लेडीज कुर्ता, ब्लाउज, कलीदार कुर्ता, कुन्देदार पायजामा, टेनिस कालर शर्ट, पैन्ट एवं हॉफ पैंट सम्बन्धित वस्त्रों के नापों की जानकारी एवं ड्राइंग का अभ्यास।

प्रयोगात्मक--ब्लाउज, कुन्देदार पायजामा (अलीगढ़), कलीदार कुर्ता।
सिलाई में प्रयोग होने वाले उपकरण का ज्ञान।
प्रेसिंग सामग्री (इक्यूपमेण्ट्स) की जानकारी एवं उपयोगिता।
प्रयोगात्मक वस्त्रों के सिलाई सम्बन्धी परिधानों की हाथ सिलाइयाँ, काज, बटन एवं पूर्णरूपेण फिनिशिंग का ज्ञान तथा अभ्यास करना।

प्रोजेक्ट कार्यों की सूची **15 अंक**

नोट :--निम्नलिखित प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्राओं से करायें। प्रोजेक्ट कार्यों की फाइल तैयार करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पाँच अंक का होगा।

1-सिलाई एवं सिलाई मशीन।
2-सिलाई एवं पेपर कटिंग।
3-सिलाई एक कला।
4-धागों की टुनिया।
5-परिधान रचना (फाइल तैयार करें जिसमें पाठ्यक्रमानुसार छोटे-छोटे वस्त्र (नमूना) सिल कर लगायें)।
6-सिलाई किट।
7-सिलाई मशीन के विभिन्न पुर्जे, उनमें उत्पन्न होने वाले दोष एवं सुधार।
8-पोशाक के प्रकार।
9-रासायनिक वस्त्र एवं वातावरण।
10-सिलाई एवं कढ़ाई के विभिन्न टांके।

कम्प्यूटर

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

2-लाइनेक्स आपरेटिंग सिस्टम

लाइनेक्स डेक्सटाप से परिचय
लाइनेक्स में सुरक्षा प्रबन्ध एवं उनका स्वरूप

5-एरेज एवं स्ट्रिंग

स्ट्रिंग मैन्यूपुलेशन

स्ट्रिंग फंक्शन्स (अंक और स्ट्रिंग को परस्पर बदलने के लिए निर्देश)
कॉनकैटिनेशन (किसी भी शब्द में वांछित अक्षरों को जोड़ना)

6-फाइल आपरेशन्स

सीक्वेन्शियल फाइल्स का प्रयोग करना
रेन्डम फाइल्स का प्रयोग करना

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कम्प्यूटर

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

1-कम्प्यूटर और संचार **15 अंक**

प्राथमिक संचार मॉडल (सेण्टर, रिसीवर, मीडिया एवं प्रोटोकाल)
संचार के प्रकार
कम्यूनिकेशन मीडिया, (तार, बेतार)
सिंम्पलैक्स और पूर्ण ड्यूप्लेक्स
नेटवर्क--लैन एवं वैन
इन्टरनेट

2-लाइनेक्स आपरेटिंग सिस्टम **15 अंक**

एडवांसड फक्शन्स/फीचर्स
सी0एल0आई0 एवं जी0यू0आई0 (Command Line Interface & Graphic User Interface)
फाइल सर्च, टैक्स्ट सर्च
मैसेजिंग ओवर लैन (LAN)
टैक्स्ट प्रोसिसिंग कमाण्डस (कैट, ग्रेप आदि)
वी0आई0 टैक्स्ट एडिटर

3-बाइनरी अर्थमेटिक एवं लाजिक गेट्स **15 अंक**

किट्स, निबल्स, बाइट्स, वर्ड लेन्थ, करैक्टर रिप्रेजेन्टेशन्स
आस्की (ASCII) करेक्टर कोड्स
सिम्पल बाइनरी अर्थमेटिक (जोड़ना, घटाना, गुणा, भाग देना)
कम्प्यूटर लॉजिक, बूलियन आपरेशन्स
लॉजिकल आपरेटर्स (NOT, AND, OR, NOR, NAND एवं उसकी Truth table)

4-सी (C) में एडवान्स्ड प्रोग्रामिंग **10 अंक**

सब्सक्रिप्टेड वैरीएबल्स (ARRAYS)
परिचय
सिंगल और डबल सब्सक्रिप्टेड वैरीएबल्स
सर्चिंग और सर्टिंग

5-एरेज एवं स्ट्रिंग **15 अंक**

फंक्सन्स एवं सबरूटीन्स
लाइब्रेरी फंक्शन्स

प्रयोगात्मक कार्य

उक्त प्रस्तर 2 एवं 4 के विभिन्न माड्यूल्स में प्रयोगात्मक कार्य कराये जायेंगे। इस कार्य हेतु 15 अंक निर्धारित है। प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

पाठ्य पुस्तकें--

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य

प्रोजेक्ट कार्य 15 अंक का होगा। दिये गये प्रोजेक्ट की सूची में से तीन प्रोजेक्ट अवश्य तैयार कराये जायें। शिक्षक इसके अतिरिक्त विषय से सम्बन्धित प्रोजेक्ट तैयार करा सकते हैं। प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1-कम्यूनिकेशन मीडिया (तार, बेतार)
2-नेटवर्क (लैन एवं वैन) Network
3-इंटरनेट (e-mail-id, web site.....etc.)
4-लाइनक्स (सी0एल0आई0) (mure, cat. Is, mkdir, etc.)
5-लाइनक्स आफिस
- स्टार कैल
- स्टार इम्प्रैस
- स्टार राइटर
6-लाइनक्स (जी0यू0आई0) इंटरफेस
7-लाजिक गेट्स
8-सी प्रोग्रामिंग (ऐरे)
9-स्ट्रिंग मैन्युपुलेशन
10-फंक्शन

कृषि

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1-मृदा विज्ञान
उसके स्रोत, मिट्टी का कटाव,

2-सिंचाई व जल निकास
(क) जल के स्रोत--कुँआ, बाँध, नदियाँ आदि।
(ख) सिंचाई की विधियाँ--अप्लावन, क्यारी, बेसिन आदि।

3-खाद तथा उर्वरक
(क) उनका वर्गीकरण, महत्व, पोटैशियम क्लोराइड।
(ग) उर्वरक मिश्रण--विभिन्न, उर्वरक मिश्रण बनाने के लिए परिकलन या जानकारी।

4-भू-परिष्करण
(क) विभिन्न फसलों के लिए भू-परिष्करण का महत्व।

5-आपदायें- दैवी आपदायें जैसे भूकम्प, आग, आदि का मूलभूत ज्ञान। पर्यावरण पर बचाव के उपाय।

6-निम्न फार्म की फसलों की खेती--मूँगफली तथा गन्ना।

7-सब्जियों की खेती-- खरबूजा

8-बागवानी-- नींबू की खेती।

9-पशुपालन--

डेरी उद्योग तथा पशु चिकित्सा विज्ञान
(ग) स्वच्छ एवं सुरक्षित दूध।
(ङ) सामान्य पशु रोग--बुखार, रिन्डरपेस्ट, पेचिस के लक्षण तथा उपचार की विधियाँ।

10-फल परीक्षण-- डिब्बों का जीवाणु नाशन तथा डिब्बा बन्दी, फल तथा सब्जियों का निर्जलीकरण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कृषि

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

1-मृदा विज्ञान **7**

मृदा जैव पदार्थ, वितरण, संरक्षण और मिट्टी का प्रभाव, ऊसर, क्षारीय तथा अम्लीय मिट्टी और सुधार, भू-क्षरण, भू-संरक्षण के सामान्य उपाय।

2-सिंचाई व जल निकास **5**

(क) जल के स्रोत-- नलकूप, नहरें, तालाब, आदि।

(ख) सिंचाई की विधियाँ-- नाली, छिड़काव, बार्डर, ट्रिप सिंचाई आदि।

3-खाद तथा उर्वरक **8**

(क) अजैव खादें (उर्वरक), अमोनियम सल्फेट, यूरिया, कैल्शियम, अमोनियम नाइट्रेट, सुपर फास्फेट, डाई अमोनियम फास्फेट (डी0ए0पी0)

(ख) उर्वरकों के प्रयोग की विधियाँ

(ग) उर्वरक मिश्रण-- फसलों के लिये उर्वरकों की आवश्यकता।

4-भू-परिष्करण **5**

(क) विभिन्न फसलों के लिए भू-परिष्करण की आवश्यकतायें।

(ख) फसल की सुरक्षा तथा बागवानी के प्रमुख यंत्र--डस्टर, स्प्रेयर, सिक्रेटियर, हैजसियर, बडिंग तथा ग्राफ्टिंग नाइफ, थ्रेसर तथा ओसाई के यन्त्र

5-आपदायें--दैवी आपदायें जैसे बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, उपलवृष्टि आदि का सामान्य ज्ञान। इनका फसल पर प्रभाव। **2**

6-निम्न फार्म की फसलों की खेती-- **10**

धान तथा गेहूँ ।

7-सब्जियों की खेती-- **10**

आलू, फूलगोभी, टमाटर, लौकी, भिण्डी, प्याज।

8-बागवानी-- **10**

बाग के लिए भूमि का चुनाव, गृह उद्यान तथा फलोद्यान, प्रदेश की प्रमुख फसलों, जैसे आम, अमरूद तथा पपीता की खेती।

9-पशुपालन-- **8**

डेरी उद्योग तथा पशु चिकित्सा विज्ञान

(क) पशुओं की सामान्य देख-रेख तथा प्रबन्ध।

(ख) पशु आहार।

(ग) स्वच्छदोहन विधि।

(घ) दुग्धोत्पादन सम्बन्धी सामान्य जानकारी।

(ङ) सामान्य पशु रोग-- मुँहपका-खुरपका, गलाघोटू के लक्षण तथा उपचार की विधियाँ।

10-फल परीक्षण--फल तथा सब्जियों के परीक्षण की विधियाँ, फल व पदार्थों के नष्ट होने के कारण। **5**

<u>प्रयोगात्मक</u> **15 अंक**

1-बीज शैय्या तैयार करना। **5**

2-उर्वरक, खरपतवार एवं बीजों की पहचान। **5**

3-मौखिक **3**

4-वार्षिक अभिलेख **2**

प्रोजेक्ट कार्य **15 अंक**

नोट :--निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार कराए। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1-बाग लगाने की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

2-उर्वरकों के प्रयोग करने की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

3-स्प्रेअर का प्रयोग करने की विधि तथा सावधानियों का अध्ययन करना।

4-जैम बनाने की विधि का अध्ययन करना।

5-जेली बनाने की विधि का अध्ययन करना।

6-दुग्ध-दोहन की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

7-ड्रिप सिंचाई का अध्ययन करना।

8-सिंचाई के लिये नहरों की उपयोगिता का अध्ययन करना।

9-उत्तर प्रदेश की मृदाओं में फासफोरस एवं पोटाश पोषक तत्व का प्रयोग करना।

10- पशुओं में होने वाले खुरपका–मुंहपका रोग एवं अन्य सामान्य रोगों के लक्षण व उनके उपचार की विधियों का अध्ययन।

नोट :--प्रयोगात्मक परीक्षा एवं प्रोजेक्ट कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

कक्षा–10 हेल्थ केयर

क्षेत्र–स्वास्थ्य देखभाल (स्तर–2)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–1

प्रकरण– अस्पताल संरचना और कार्य–

5– अच्छे सामान्य ड्यूटी सहायक के गुणों का ज्ञान।

इकाई–2

प्रकरण– मरीजों की देखभाल और देखभाल योजना से परिचय–

1– देखभाल योजना क्रियान्वयन में सामान्य ड्यूटी सहायक की भूमिका।
2– मरीज को आहार देने में सामान्य ड्यूटी सहायक की भूमिका।
3– वाइटल साइन/महत्वपूर्ण संकेतों की रिपोर्ट और पहचान।
4– मरीज की आवष्यकतानुसार बिस्तर तैयार करना।
5– आवष्यकतानुसार मरीज को आसीन करना।

इकाई–6

प्रकरण– अस्पताल में जनसम्बन्ध

1– चिकित्सीय स्वागतकर्ता की भूमिका और कार्य
2– आपातकालीन कॉल के लिए प्रतिक्रिया।
3– जन–सम्बन्धों के निर्वाह में कम्प्यूअर का प्रयोग।
4– मरीजों और सहायकों (attendants) के साथ आचरण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–10

हेल्थ केयर

क्षेत्र–स्वास्थ्य देखभाल (स्तर–2)

पूर्णांक : 70

इकाई–1 **15 अंक**

प्रकरण– अस्पताल संरचना और कार्य–

1– अस्पताल के विभिन्न विभागों, पेषेवर (Pofessionals) तथा सहयोगी स्टाफ के कार्य व भूमिका।
2– अस्पताल में सहायक विभागों के कार्यों और भूमिका का ज्ञान।
3– विभिन्न मानदण्डों के आधार पर अस्पतालों का वर्गीकरण।
4– अस्पताल के विभिन्न कार्यों से सामान्य ड्यूटी सहायक (General Assistant)की भूमिका का सम्बन्ध।

इकाई–3 **15 अंक**

प्रकरण– कीटाणुषोधन और विसंक्रमण–

1– सूक्ष्मजीवों द्वारा होने वाले रोगों का वर्णन।
2– सामान्य मानवीय रोग और उनके कारक (एजेण्ट) का ज्ञान।
3– अस्पताल उपर्जित संक्रमण के नियंत्रण और रोकथाम में व्यवसायकों और कर्मचारियों की भूमिका।
4– रोगी कक्षों (Wards) और उपकरणों का विसंक्रमण।

इकाई–4 **15 अंक**

प्रकरण– प्रारम्भिक प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन चिकित्सा राहत–

1– प्राथमिक चिकित्सा के नियमों और सिद्धान्तों का वर्णन।
2– प्राथमिक चिकित्सा के लिए प्रयोग की जाने वाली सुविधाओं, उपकरणों और पदार्थों की पहचान।
3– बुखार, लू, पीठ दर्द, दमा, एवं भोजन द्वारा उत्पन्न बीमारी में प्राथमिक उपचारक की भूमिका।
4– घाव, रक्तस्राव, जलने, कीटाणुओं के काटने और डंक मारने, कुत्तों के काटने और सांपों के काटने में प्राथमिक उपचारक की भूमिका।

इकाई–5 **15 अंक**

प्रकरण– मानव शरीर संरचना कार्य और पोषण

1– मानव शरीर के भागों की पहचान।
2– मानच शरीर की वृद्धि और पोषण में पोषक तत्व।

प्रयोगात्मक

1– अस्पतालों की कार्यप्रणाली देखने के लिए निकटस्थ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामान्य अस्पताल का भ्रमण।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– सामान्य अस्पताल, विशेष (Specialized) देखभाल केन्द्र एवं तृतीयक देखभाल केन्द्र का फ्लो चार्ट– चार्ट बनाना।

अस्पतालों के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली जैसे– OPD ,पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, फार्मेसी, अभिलेखीकरण, नकद विभाग, वित्त, हाउस कीपिंग, मानव संसाधन।

2– पद्ध अस्पताल में रोगी को बिस्तर पर उचित देखभाल एवं साफ–सफाई से भोजन कराने का रोल प्ले।

पपद्ध बिस्तर–रोगी का बिस्तर तैयार करने का प्रदर्शन।

पपपद्ध वाइटल साइन्स (Vital Signs) तापमान, पल्स, रूधिर दाब आदि के निरीक्षण का रोल प्ले।

आहार के आधारभूत ज्ञान (पौष्टिकता से परिपूर्ण), के साथ विभिन्न प्रकार के रोगियों की आहार–योजना का बनाना।

विभिन्न प्रकार के अस्पताल के बिस्तर की सूची उनकी कार्यप्रणाली के साथ बनाना।

रोगी के निरीक्षण हेतु वाइटस साइंस की सूची बनाना।

3– विसंक्रमण उपकरण को कैसे प्रयोग किया जाता है– इसे देखने के लिए स्थानीय अस्पताल का भ्रमण।

जीवाणु/विशाणु/परजीवी/फंगस द्वारा होने वाले विभिन्न संक्रामक रोगों का चार्ट / पोस्टर बनाना।

ऑपरेशन के लिए प्रयोग किये जाने वाले फर्ष, दीवारें, उपकरण, वस्त्रों को विसंक्रमित करने वाले विसंक्रामक

पदार्थों की सूची बनाना।

4– i) ABC आहार का प्रायोगिक प्रदर्शन

पपद्ध एक प्राथमिक चिकित्सा किट बनाना।

अस्पताल में आपातकालीन स्थितियाँ जैसे सड़क दुर्घटना, हृदयाघात, आघात, अस्थमा, कुत्ते का काटना, सांप का काटना, गर्भावस्था की जटिलताओं की सूची बनाना।

आपातकाल में का प्राथमिक सहायता चरण–

A	-	Airway
B	-	Breathing
C	-	Circulation

5– i) शरीर के विभिन्न अंगों का चित्र बनाना एवं पहचान करना। (या चित्र को चिपकाना)

ii) शारीरिक तंत्र से संबंधित चार्ट उनकी कार्य प्रणाली के साथ बनाना

iii) विटामिनों एवं उनकी कमी से होने वाली बीमारियों की सूची बनाना।

6– i) एक रोगी के चिकित्सीय अभिलेख को भरने का प्रदर्षन करना।

रिपेष्षन पर या अस्पताल की आपातकालीन स्थिति में कार्य करने वाले सामान्य ड्यूटी सहायक के कार्यों की सूची बनाना।

मेडिकल रिसेप्षन पर एंट्रीज (entries) करने हेतु कम्प्यूटर के आधारभूत ज्ञान का प्रदर्षन।

आटोमोबाइल

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–2

वर्गीकरण, नाम, विभिन्न ग्रेड के नाम, स्नेहक के गुण, कार्य, प्रकार एवं स्नेहन की विधि।

इकाई–3

विभिन्न अवयवों में दोष ढूढ़ना, उनके कारण एवं बचाव, मरम्मत के औजार एवं उपकरणों के नाम, बनावट एवं कार्य।

इकाई–4

ग्राइडिंग का संक्षिप्त परिचय। मापन एवं परिक्षण विधियां।

इकाई–5

गैराज, शोरूम एवं स्पेयर विक्रय केन्द्र की स्थापना एवं संचालन से सम्बन्धित जानकारी, वित्तीय सहायता प्राप्त करने की विधियां।

इकाई–6

–सड़क सुरक्षा नियम का महत्व।
–सुरक्षित ड्राइविंग का महत्व।
–यातायात चिन्ह, ट्रैफिक अधिनियम के प्रमुख प्राविधान।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–10
ट्रेड– आटोमोबाइल

उद्देश्य–

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(3) छात्रों को 10+2 स्तर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों को कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर–

(1) आटोमैकेनिक के रूप में।
(2) सेल्समैन के रूप में।
(3) अपना रिपेयर वर्कशाप एवं गैराज का संचालन।
(4) शोरूम स्थापित करना।
(5) स्पेयर पार्ट के विक्रेता के रूप में।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 70 अंक

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्या में क्रमशः 23 एवं 10 कुल–33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 **15 अंक**

आटोमोबाइल की स्नेहन प्रणाली, गवर्निंग सिस्टम, विद्युतीय प्रणाली, बैटरी, तारस्थापन, बत्ती सिस्टम, ए0सी0 एवं हीटिंग सिस्टम।

इकाई–2 **10 अंक**

इन्जन ऑयल के गुण, इन्जन ऑयल बदलने की विधि।

इकाई–3 **15 अंक**

अनुरक्षण एवं बाधा खोज–अनुरक्षण के महत्व एवं प्रकार, सर्विसिंग एवं ओवर हालिंग।

इकाई–4 **10 अंक**

कार्यशाला के मूल कार्य जैसे कटिंग, फाइलिंग, ड्रिलिंग, बेल्डिंग, का संक्षिप्त परिचय।

इकाई–6 **10 अंक**

–सड़क सुरक्षा के नियम।
–सुरक्षित ड्राइविंग का नियम।
–ट्रैफिक के नियम।
–वाहनों का रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की विधि व आवश्यकता।

इकाई–7 **10 अंक**

–आटोमोबइल व हमारा पर्यावरण–वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने की आवश्यकता एवं महत्व।
–प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण–पत्र का महत्व।

प्रोजेक्ट कार्य

पूर्णांक 30 अंक

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

(1) कारवोरेटर का अध्ययन करना।
(2) स्कूटर/मोपेड में दोष ढूढ़ना एवं मरम्मत करना।
(3) बैटरी चार्जिंग कराने का अध्ययन तथा पानी चेक करना।
(4) लाइट का फोकस एडजस्ट करना एवं बल्ब लगाना।
(5) ब्रेक एडजस्ट करने का अध्ययन करना।
(6) मोपेड आदि गाड़ी का ड्राइविंग करना।
(7) ट्रैफिक नियमों का अध्ययन करना।
(8) पंचर जोड़ बनाना, हवा भरना तथा हवा के दबाव को मापना।
(9) स्कूटर व कार की धुलाई, सर्विसिंग करना।
(10) कार के स्टेरिंग प्रणाली का अध्ययन करना।

संस्तुत पुस्तकें

(1) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	कृष्णानन्द शर्मा
(2) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	सी0बी0 गुप्ता
(3) आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	धनपत राय एण्ड शुक्ला
(4) बेसिक आटोमोबाइल	सी0पी0 बक्स

रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा व्यापार)

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–1

खुदरा विक्री की प्रस्तावना– 6–खुदरा विक्रेताओं के विभिन्न प्रकार।

ईकाई–2

खुदरा बाजार में विपणन की भूमिका –4–विपणन के लक्षण एवं महत्व।

इकाई–3 2– उत्पाद प्रबन्धन के पूर्वोपाय।

इकाई–4

खुदरा व्यापार में उत्पाद वर्गीकरण– 5–उत्पादों में ब्राण्डिंग का महत्व।

इकाई–5

खुदरा बिक्री में रोजगार का भविष्य– 3– खुदरा बिक्री में प्रबन्धकीय कार्य में कैरियर।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–10

रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा व्यापार)

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक 70 अंक

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 **14 अंक**

खुदरा विक्री की प्रस्तावना–

1–खुदरा विक्रय का अर्थ एवं परिभाषा।
2–खुदरा विक्री के तत्वों का वर्णन।
3–खुदरा तत्वों की विशेषताएं।
4–खुदरा विक्री के तत्वों की आवश्यकता।
5–खुदरा विक्री के विभिन्न कार्य।

इकाई–2 **14 अंक**

खुदरा बाजार में विपणन की भूमिका –

1–विपणन प्रस्तावना।
2–विपणन के सिद्धान्त।
3–खुदरा व्यापार एवं विपणन में सामंजस्य।
5–विपणन की उत्पत्ति एवं परिभाषयें।
6–उत्पाद एवं सेवा विपणन में विभेद।

इकाई–3 **14 अंक**

1–उत्पाद प्रबन्धन का महत्व।
3– उत्पाद प्रबन्धन के विभिन्न विधियां।
4– उत्पाद प्रबन्धन के विभिन्न उपकरण।
5–भारत में बड़े पैमाने पर खुदरा व्यापार की व्यवस्था।
6–बड़े पैमाने पर खुदरा व्यापार को संचालित करने के लिये भारत सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं का विवरण।(FDI)

इकाई–4 **14 अंक**

खुदरा व्यापार में उत्पाद वर्गीकरण–

1–प्रस्तावना।
2–उत्पादों के प्रकार एवं लक्षण।
3–खुदरा व्यापार में विभन्न विभाग।
4–उत्पाद रख–रखाव।

इकाई–5 **14 अंक**

खुदरा बिक्री में रोजगार का भविष्य–

1– खुदरा बिक्री में विभिन्न रोजगारों की सम्भावना।

2– खुदरा बिक्री में रोजगार के लियें आवश्यक दक्षता।

4– प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के द्वारा प्रस्तावित रोजगार का भारतीय अर्थ व्यवस्था पर प्रभाव (FDI का अलोचनात्मक विवरण)।

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

प्रोजेक्ट कार्य– **पूर्णांक– 30 अंक**

–उत्पादों की सुरक्षा की प्रशिक्षण तकनीक।

–उपभोक्ताओं के पहचान करने और समक्षने के लियें प्रश्नावली का गणन।

–किसी रिटेल माल का भ्रमण।

–किसी उत्पाद के सप्लाई चेन का मॉडल बनाना।

–किसी ग्राहक/उपभोक्ता से संतुष्टि मापन का अभ्यास।

सुरक्षा

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–1

सुरक्षा सैन्य बल– 3–भारत की अद्यतन रक्षा तैयारियां।

इकाई–2

कार्यस्थल से सम्बन्धित खतरे एवं सुरक्षा–7– व्यावसायिक स्वस्थ्य की प्रावस्थायें एवं सुरक्षात्मक रणनीति।

इकाई–3

निरीक्षण, अनुश्रवण एवं सुरक्षा–2– निरीक्षण में संवेदों की प्रभावकता को प्रभावी बनाने वाले कारक।

इकाई–4

कार्यस्थल पर संवाद संप्रेषण–5– संप्रेषण के सिद्धान्त।

प्रोजेक्ट कार्य–

5– CCTV का अध्ययन।

12–कार्यस्थल पर Communication के लिए विभिन्न प्रकार के वाक्यों का निर्माण जिनमें–

–विशिष्ट संदेश पर बल दिया हो।

–वांछित समस्त जानकारी का समावेश हो।

–संदेश के प्राप्तकर्ता के प्रति सम्मान परिलक्षित हो।

13–भारत एवं सम्बन्धित राज्यों तथा जिलो से सम्बन्धित मानचित्रों का अध्ययन एवं निमार्ण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–10

सुरक्षा

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **पूर्णांक 70 अंक**

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 सुरक्षा सैन्य बल– **16 अंक**

1–भारतीय थल सेना, वायु सेना एवं नव सेना का संगठन एवं कार्य।

2–भारतीय अर्द्ध सैनिक बल संगठन एवं कार्य।

इकाई–2 कार्यस्थल से सम्बन्धित खतरे एवं सुरक्षा– **18 अंक**

1– कार्यस्थल में संभावित सामान्य खतरे एवं कारण।

2– स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से सम्बन्धित खतरे।

3– कार्यस्थल से सम्बन्धित तकनीकी खतरे।

4– प्राकृतिक आपदा, जल वायुवीय परिस्थितियों, सामाजिक एवं कानूनी कार्यवाही से सम्बन्धित खतरे।
5– उत्पादन, प्रौद्योगिकी, वित्तीय बाजार, उपभोक्ता से सम्बन्धित खतरे।
6– आणविक, जैविक एवं रासायनिक, शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक सुरक्षा।

इकाई–3 निरीक्षण, अनुश्रवण एवं सुरक्षा– **18 अंक**

1– निरीक्षण, सूचना, व्याख्या एवं स्मरण के विभन्न सोपान।
3– सुरक्षित वातावरण बनाये रखने में प्रौद्योगिकी का महत्व।
4– विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं सुरक्षा।
5– विभिन्न प्रकार के अपराध एवं उनसे सम्बन्धित सुरक्षा संप्रेषण।

इकाई–4 कार्यस्थल पर संवाद संप्रेषण– **18 अंक**

1– संवाद चक्र के विभन्न तत्व– संवाद का अर्थ, तत्व, प्रेषक, संदेश, माध्यम, प्राप्तकर्ता एवं पुनर्निवेशन।
2– पुनर्निवेशन (feed back) अर्थ, विशेषतायें एवं महत्व, वर्णनात्मक एवं विशिष्ट पुनर्निवेशन।
3– संप्रेषण में अवरोध सम्बन्धी कारक दूर करने के उपाय।
4– प्रभावी संप्रेषण से सम्बन्धित विभिन्न तत्व।
6– संचार उपकरण एवं संचार साधन।

प्रोजेक्ट कार्य **पूर्णांक 30 अंक**

1–परिचयात्मक प्रपत्रों का परिक्षण– Identity card, Passport, स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस।
2–कार्यस्थल पर मशीनों/रसायनों/उपकरणों आदि से होने वाले खतरों को सूचीबद्ध करना एवं संस्था द्वारा अपनाये जाने वाले सुरक्षा उपायों का अध्ययन।
3–एक Shopping mall/industry का भ्रमण कर खतरों को चिन्हित करना।
4–प्रवेश द्वारा की सुरक्षा का अध्ययन।
6– Finger print, Iris Scanner, Face Senner का सुरक्षा में प्रयोग।
7–पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी एवं इसके प्रारूप का अध्ययन।
8–फोरेसिंक लैब का भ्रमण आयोजित कर साक्ष्यों की प्रमणिकता की कार्यविधि का अध्ययन।
9–औद्योगिक संस्थान/रेलवे स्टेशन/बस स्टेशन/हवाई अड्डे का भ्रमण कर सुरक्षा गार्ड के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।
10–सेना/पुलिस के अधिकारियों को प्रदत्त चिन्ह (Insignia) का मिलान उनके पद/रैंक से करना।
11–संवाद चक्र का रेखांकन।

आई0टी0/आई0टी0ई0एस0

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–6 -आधुनिक संचार उपकरण–

प्रथमिक संचार मण्डल, संचार के प्रकार, संचार के माध्यम, मोबइल संचार सिस्टम इन्टरनेट एवं सोशल मीडिया।

इकाई–8 –प्रोजेक्ट बनाना–

वर्ड, एक्सेल एवं पावर प्वाइंट के आधार पर पांच पृष्ठों का प्रोजेक्ट बनाना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा–10

आई0टी0/आई0टी0ई0एस0

उद्देश्य–आज के विज्ञान जगत में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का अभूतपूर्व स्थान है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयाम सामाजिक रूप से प्रतिस्थापित हो चुके हैं। जैसे–मोबाइल, इंटरनेट आदि। देश को ''डिजिटल इंडिया'' का स्वरूप देने में इनका विशेष योगदान अवश्यम्भावी है।

सैद्धान्तिक **पूर्णांक 70 अंक**

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 कम्प्यूटर का विस्तृत परिचय **10 अंक**

कम्प्यूटर का रेखाचित्र, विभिन्न ब्लाग्स का परिचय एवं आधुनिक कम्प्यूटर के अवयव, इनपुट, आउटपुट की आधुनिक डिवाइसेंस, मेमोरी डिवाइसेंस, स्टोरेज डिवाइसेंस।

इकाई–2 **आपरेटिंग सिस्टम का विस्तृत परिचय** **10 अंक**

आधुनिक आपरेटिंग सिस्टम, यूजर इन्टरफेस(समय एवं तिथि), डिसप्ले प्रापर्टिज, डिवाइस लगाना एवं निकालना, फाइल्स एवं डायरेक्ट्री मैनेजमेन्ट।

इकाई–3 **वर्ड प्रोसेसिंग ऐडवांस फीचर** **10 अंक**

डाक्यूमेन्ट बनाना, सेव करना एवं प्रिन्ट करना, एडिटिंग, फार्मेटिंग, स्पैलचेक, फान्ट एवं साइज तय करना, एलाइमेन्ट, बुलेट, टेबिल बनाना और विभिन्न सेटिंग्स करना, डाक्यूमेन्ट में चित्र को जोड़ना, मेल मर्ज, सुरक्षा(security)।

इकाई–4 **स्प्रेडशीट** **10 अंक**

स्प्रेडशीट के मूल तत्व सेल्स एवं उनकी एड्रेसिंग, सेल मे डेटा भरना एवं संशोधित करना, रोज एवं कालम बनाना, उसकी चौड़ई एवं ऊँचाई निश्चित करना, फार्मूला एवं फंक्शन का उपयोग, विभिन्न प्रकार के चार्ट का निर्माण।

इकाइ–5 **इन्टरनेट सर्चिंग एवं GPS** **15 अंक**

इन्टरनेट का विस्तृत परिचय, LAN, MAN एवं WAN इन्टरनेट के विस्तृत उपयोग, ई–मेल सेवायें, इन्टरनेट सर्विस प्रोवाइटर और उसका चयन, ट्रबल शूटिंग, इन्टरनेट में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों का परिचय, GPS का परिचय एवं इसके उपयोग, wi-fi की जानकारी व उपयोग।

इकाइ–7 **प्रेजेन्टेशन तैयार करना** **15 अंक**

पावर प्वाइंट का विस्तृत परिचय, प्रेजेन्टेशन के मुख्य अवयव, टेम्प्लेट, टेक्स एडीटिंग, टेबिल और एक्सेस का जोड़ना, फोटो ड़ालना, रीसाइजिंग, स्केलिंग, कलरिंग और स्लाइड शो चलाना और आटोमेटिंग करना, स्लाइट में आडिओ का प्रयोग।

प्रोजेक्ट कार्य **30 अंक**

1–एक्सेल पर प्रयोगात्मक अध्ययन।

2–पावर प्वाइंट पर प्रयोगात्मक अध्ययन।

3– MS-WORD का प्रयोगात्मक अध्ययन।

4– P. POINT पर प्रेजेन्टेशन निर्माण का प्रयोगात्मक अध्ययन।

5–इन्टरनेट पर ई–मेल, ई–मेल आदि निर्माण का प्रयोगात्मक अध्ययन।

6–नेटवर्क के विभिन्न प्रकारों का विस्तृत अध्ययन।

7–संचार के विभिन्न प्रकारों का विस्तृत अध्ययन।

(क)नैतिक, योग तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

नैतिक शिक्षा

सैद्धान्तिक विवेचन कार्य–

3–मानव अधिकार–जीवन, संरक्षण, सहभागिता, विकास का अधिकार, भारतीय संविधान में बाल अधिकार संरक्षण।

5–शिकायत प्रणाली, अधिकार संरक्षण आयोग।

खेल एवं शारीरिक शिक्षा

इकाई–2

वृद्धि एवं विकास–

शारीरिक क्रिया-कलाप में आयु एवं लिंग का अन्तर, बालक एवं बालिकाओं के शारीरिक संरचनाओं में अन्तर, शारीरिक वृद्धि एवं विकास में वंशानुक्रम एवं पर्यावरण का प्रभाव (Body types)

इकाई–5

शिविर आयोजन–

शिविर का अर्थ, उद्देश्य, महत्व, प्रकार, शिविर लगाने की सामग्री, शिविर संगठन।

इकाई–7

यातायात के नियम–

नियम, संकेत, सावधानियां एवं दुर्घटना से बचाव।

योग शिक्षा

3–अष्टांग योग–प्राणायम-प्रत्याहार

प्राणायाम वैज्ञानिक व्याख्या

–श्वसन प्रक्रिया
–आक्सीजनेशन (जारण क्रिया)
–वैज्ञानिक अनुसंधानात्मक निष्कर्ष

4–षट्कर्म एवं स्वास्थ्य–षट्कर्म : परिचय

–नेति
–जल नेति सूत्र नेति

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

नैतिक, योग तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा

(कक्षा–10)

इस विषय में 50 अंकों की लिखित परीक्षा एक प्रश्न-पत्र तीन घण्टे का होगा। इसी के साथ ही 50 अंकों की प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। प्रयोगात्मक तथा लिखित परीक्षा विद्यालय स्तर पर होगी लिखित तथा प्रयोगात्मक परीक्षा में मूल्यांकन के आधार पर छात्रों को 'ए' 'बी' 'सी' श्रेणी प्रदान की जायेगी जिसका अंकन छात्र के अंक प्रमाण-पत्र में किया जायेगा।

उद्देश्य–

1–बालकों का सर्वांगीण विकास एवं नैतिक गुणों का उन्नयन करना।

2–बालकों के वैयक्तिक, सामाजिक एवं शैक्षिक जीवन में नैतिक भावना का विकास करना।

3–बालकों में स्वस्थ्य नेतृत्व उत्तरदायित्व वहन करने की क्षमता, समय-पालन, सदाचार, शिष्टाचार, विनम्रता, साहस, अनुशासन, आत्म सम्मान, आत्मसंयम, समाजसेवा, सभी धर्मों के प्रति आदर एवं सहिष्णुता तथा विश्व बन्धुत्व की भावना का विकास करना।

4–सुदृढ़ शरीर का निर्माण करने हेतु शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं की अभिवृद्धि करना।

5–बालकों के श्रम के प्रति आदर एवं आत्मनिर्भर बनने हेतु उत्पादक कार्यों के प्रति अभिरुचि का सम्वर्द्धन करना।

6–समाज सेवा की भावना का सृजन करना।

7–स्वास्थ्य के प्रति सतत् जागरूकता तथा क्रीड़ा-शालीनता की भावना का विकास करना।

8–बालकों का मानसिक, शारीरिक, नैतिक, सामाजिक एवं संवेदात्मक विकास करना।

नैतिक शिक्षा **15 अंक**

सैद्धान्तिक विवेचन कार्य– **5 अंक**

1–निम्नलिखित महापुरूषों के जीवन के प्रेरक प्रसंग

स्वामी विवेकानन्द, स्वामी दयानन्द, लोकमान्य तिलक, महात्मागांधी, सुभाष चन्द्र बोस, पंडित जवाहर लाल नेहरू, पंडित श्री राम शर्मा, आचार्य जी।

2–श्रद्धा, आज्ञापालन, त्याग, सत्य, प्रेम, सहयोग, निःस्वार्थ सेवा, श्रमदान, अहिंसा, मातृशक्ति का सम्मान और देश प्रेम पर आधारित लघु कथायें। **5 अंक**

4–स्कूल में बच्चों के अधिकार-शिक्षण संस्थानों में बाल अधिकार उल्लंघन,शारीरिक दण्ड, परीक्षा का बोझ, आदर्श अध्यापक। **5 अंक**

पुस्तक–मानव अधिकार अध्ययन प्रकाशक माइंडशेयर

खेल एवं शारीरिक शिक्षा **15 अंक**

इकाई–1

शारीरिक शिक्षा– **5 अंक**

आधुनिक संकल्पना, आधुनिक समाज में शारीरिक शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व, शारीरिक शिक्षा एवं सामान्य शिक्षा में सम्बन्ध, राष्ट्रीय एकता में खेलों की भूमिका, सामान्य ज्ञान शिक्षा एवं परीक्षण/सामूहिक वार्ता।

इकाई–3 **2 अंक**

चोट–

अर्थ, बचाव एवं व्यवस्था मोच Strain, Contusion, Abrasion and Laceration ।

इकाई–4 **5 अंक**

मांस पेशी तंत्र–

परिचय, प्रकार, संरचना, कार्य, शरीर के अंगानुकूल वर्गीकरण, विभिन्न प्रकार के मांस पेशियों के लिये व्यायाम।

इकाई–6

शारीरिक थकान एवं मानसिक तनाव– **3 अंक**

(अ) थकान का अर्थ, प्रकार, लक्षण एवं कारण बचाव एवं निराकरण, Detraining का प्रभाव शारीरिक Fitness पर प्रभाव।

(ब) मानसिक तनाव के कारण, निराकरण एवं उपचार।

योग शिक्षा **20 अंक**

1—योग एवं योगशिक्षा	• योग : कला एवं विज्ञान	**5 अंक**
2—योग प्रकार	• योग के प्रकार □ मन्त्रयोग एवं हठयोग □ समन्वित वर्गीकरण, कर्मयोग • प्रमुख योग प्रकारों का विवेचन— □ ज्ञानयोग, कर्मयोग, लययोग, मन्त्रयोग, राजयोग, हठयोग	**10 अंक**
5—किशोरावस्थाः सम्बन्ध संवेदनाएँ, दुष्प्रभाव और यौगिक निदान	• **किशोरावस्था स्वस्थ यौनिकता** □ किशोरावस्था : परिवर्तन के साथ सावधानी बरतने की अवस्था	**5 अंक**

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम **पूर्णांक—50**

1—अभ्यास सारणियां— **2 अंक**

(क) सामूहिक पी0टी0।

(ख) योगाभ्यास।

(1) मयूर आसन।

(2) शीर्ष आसन।

(3) कपाल भाती।

2—कवायद और मार्च— **2 अंक**

(1) रूट मार्च।

(2) कवायद और मार्च में गहन अभ्यास।

(3) समारोह परेड नेतृत्व का प्रशिक्षण।

3—लेजिम— **2 अंक**

चौमुखी मोरचाल।

4—जिमनास्टिक/लोकनृत्य— **4 अंक**

(क) जिमनास्टिक एवं मलखंब

(लड़कों के लिये)

(1) मछली।

(2) एक हाथी।

(3) कमानी उड़ी।

(4) दो हत्थी घोड़ा।

(5) सुई डोरा।

(6) कान मिट्टी।

(7) बेल।

(8) पिरामिड।

मलखंब के लिये शिखर पर खड़े हों।

(1) घोड़ा (पैरलल बार्स)।

(2) रेस्टिंग ऑन बोथ बार्स क्लिफ ऑफ फॉरवर्ड।

(3) बेन्ट आर्म डबल मार्च फॉरवर्ड (बाजू झुकाकर आगे की ओर तेजी से बढ़ना)।

(4) आगे और पीछे की ओर झूलना और आगे की ओर प्रत्येक एक बार झूलने पर बाजुओं को झुकाना।

(5) झूलते हुये बाजू को झुकाना, पीठ ऊपर की ओर उठाना।

(6) डिप्स।

(7) पिरामिड—विभिन्न रचनायें।

(ख) लोकनृत्य (लड़कियों के लिये)

एक लोकनृत्य उसी क्षेत्र का तथा एक किसी अन्य क्षेत्र का।

(लड़कों के लिये)

हाई स्कूल स्तर अर्थात् 8 से 11 की ऐसे लोकनृत्यों की सिफारिशें की जाती हैं जिसमें पर्याप्त शारीरिक श्रम पड़ता है।

5—बड़े खेल/छोटे खेल और रिले— **4 अंक**

(क) बड़े खेल—

बड़े खेल की आधारभूत तकनीकें। खेलों में भाग लेना।

(ख) छोटे खेल—

(1) थ्री कोर्टडॉज बॉल।

(2) स्काउट।
(3) पोस्ट बॉल।
(4) बाउन्स हैण्ड बॉल।
(5) पुट इन टू द सर्किल।
(6) स्टीलिंग स्टिक।
(7) लास्ट कपल आउट।
(8) सेन्टर बेस।
(9) सोल्जर्स तथा ब्रिगेड।
(10) सर्किल चेन।

(ग) रिले–
कोई नहीं।

6–धावन तथा मैदान की प्रतियोगितायें परीक्षण और पदयात्रा– **5 अंक**

(क) धावन पथ और मैदान की प्रतियोगितायें–
(1) 100 मी0 की दौड़।
(2) 800 मी0 की दौड़।
(3) लम्बी छलांग।
(4) ऊँची छलांग।
(5) शॉट पुट।
(6) 4×100 मी0 रिले (तकनीक)।
(7) डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो (तकनीक)।
(1) रिले।
(2) जैवलिन थ्रो।
(3) डिस्कस थ्रो।

(ख) परीक्षण–राष्ट्रीय शारीरिक दक्षता–
(1) मानक निष्पति परीक्षण।
(2) शक्ति/सहनशक्ति परीक्षण।

(ग) पदयात्रा–
क्रॉस कन्ट्री।

<u>लड़को के लिये पदयात्रा–</u>
(1) 6.44 से 7.25 किलोमीटर (4 से 4.5 मील)।
(2) 4.83 में 6.44 किलोमीटर क्रॉस कन्ट्री (3 से 4 मील)।

<u>लड़कियों के लिये पद यात्रा–</u>
(1) 1.61 से 4.03 किलोमीटर (1 से 2) मील) <u>लड़कों के लिये क्रॉस कन्ट्री</u>।
(2) 0.81 में .42 किलोमीटर (0.5 से 1.5 मील) <u>लड़कियों के लिये क्रॉस कन्ट्री</u>।

7–मुकाबले के लिये– **5 अंक**

(क) साधारण मुकाबले–
(1) पंजा झुकाना (फिंगर बैंड)।
(2) खींच कर खड़ा करना (पुट टू स्टैण्ड)।
(3) छड़ी धकेल (पुश अवे)।
(4) छड़ी खींच (पुल इन)।
(5) रिक्शा खींच (रिक्शा पुल)।
(6) रिक्शा ठेल (रिक्शा पुश)।
(7) जमीन से उठाना (लिफ्ट ऑफ)।

(ख) सामूहिक मुकाबले–
(1) छड़ी और कैदी (रेड्स ऐण्ड बल्यूज़)।
(2) जहरीली मुंगरी (प्वाइज़न क्लब)।

(ग) कुश्ती–
(1) पटका कम।
(2) पटका कम के लिये तोड़।
(3) दो दस्ती।
(4) लाना।
(5) उखेड़।

(घ) जूडो–
(1) एक हाथ की पकड़ छुड़ाना।
(2) दोनों कलाइयों की पकड़ छुड़ाना।
(3) एक ही जगह में कलाई पर दो दोहरी पकड़ छुड़ाना।
(4) सामने के गले की पकड़ छुड़ाना।
(5) सामने के बालों की पकड़ छुड़ाना।
(6) सिर पर प्रहार के बचाव।

(7) पीछे से कमीज की पकड़ छुड़ाना।
(8) पीछे से की गयी कमर की पकड़ छुड़ाना।
(9) सामने से की गयी कमर की पकड़ छुड़ाना।

(ङ) कटार चलाना–
जाम्बिया।

लड़कियों लिये–
(1) पैर के प्रहार से बचाव।
(2) कमर पर प्रहार से बचाव।
(3) चार बार।

8–राष्ट्रीय आदर्श और अच्छी नागरिकता, व्यावहारिक परियोजना और सामूहिक गान– **4 अंक**

(क) राष्ट्रीय आदर्श और अच्छी नागरिकता–
(1) अच्छी आदत।
(2) हमारे संविधान के मूल आधार।
(3) पंचवर्षीय योजनायें और हाल में हुए विकास कार्य।
(4) भारतीय संस्कृति।

(ख) व्यावहारिक परियोजनायें कोई नहीं–
(1) प्राथमिक उपचार।
(2) समाज सेवा।
(3) भीड़ का नियन्त्रण।
(4) खेल-कूद का आयोजन।

(ग) सामूहिक गान–
राष्ट्रीय गीत–एक गीत क्षेत्रीय भाषा में एक किसी अन्य क्षेत्रीय भाषा और एक राष्ट्र भाषा में।

9–(1) वृद्धों, विकलांगों, रोगियों, असहायों एवं निर्धनों की सेवा सुश्रुषा करना– **2 अंक**
(2) साक्षरता अभियान, पर्यावरण संरक्षण आदि में योगदान करना।

विचार/सुझाव–

जिम्नास्टिक, खेल से सम्बन्धित खेल विशेषज्ञ से Practical की सलाह ली जाये। इसी प्रकार छोटे खेल (सहायक मनोरंजन खेल) की। शारीरिक शिक्षा, मार्चपास्ट हेतु N.C.C. विभाग, Sports Medicine हेतु डॉक्टर, डांस हेतु डांस टीचर आदि विशेषज्ञों की सेवायें ली जाये।

''हम और हमारा स्वास्थ्य'' प्रकाशक ''होप इनीशियेटिव''।

10–सूक्ष्म व्यायाम **6 अंक**
- पैर की अंगुलियों के लिए
- एड़ी एवं पूरे पैर के लिए
- पंजों के लिए
- घुटने एवं नितम्बों के लिए
- घुटनों के लिए
- पेट तथा कमर के लिए
- पीठ के लिए
- हाथ की अंगुलियों के लिए
- पूरे हाथ के लिए
- कोहनी के लिए
- गर्दन के लिए
- आँखों के लिए

11–आसन और स्वास्थ्य **6 अंक**
- खड़े होकर किए जाने वाले-पार्श्व उत्तासन, परिवृत पार्श्व कोणासन,उत्थितपार्श्व-कोणासन,बकासन
- बैठकर किए जाने वाले-पद्मासन, वज्रासन, आकर्ण- धनुरासन, हस्तपादांगुश्ठासन, मेरुदण्डासन, भू-नमासन-I
- पेट के बल-मकरासन-II, तिर्यक् भुजंगासन।
- पीठ के बल-सेतुबन्धासन, कर्णपीड़ासन, सर्वांगासन, शीर्षासन, शवासन

12–मुद्रा और स्वास्थ्य **4 अंक**
- मुद्रा : परिचय एवं प्रकार
  - ❖ हस्तमुद्राएँ
    –पंचतत्त्वों का संतुलन
    मुद्रा अभ्यास
    हठयौगिक मुद्राएँ
  - ❖ वरुणमुद्रा, धारणाशक्तिमुद्रा
  - ❖ विधी, लाभ एवं सावधानी

13–प्राणायाम : अर्थ एवं प्रकार, प्राणायाम हेतु कुछ नियम, विविध प्राणायाम, विधि, लाभ एवं सावधानियाँ	• भस्त्रिका, कपालभाति (प्राणायाम), • नाड़ी शोधन, सूर्यभेदी	**4 अंक**
निद्रा, अनिद्रा एवं योगनिद्रा	• योगनिद्रा–तनाव मुक्ति की एक प्रक्रिया	

(ख)समाजोपयोगी उत्पादक, कार्य एवं समाज सेवा कार्य

कक्षा-10

(ख) समाजोपयोगी उत्पादक एवं समाज सेवा कार्य–

स्थानीय सुविधानुसार निम्नलिखित में से कोई कार्य कराया जाय–

(1) विद्यालय की कृषि भूमि पर आधारित ऋतु अनुसार फूल-पत्तियों का लगाना एवं सब्जियां बोना।
(2) विद्यालय में घास का लान तैयार करना।
(3) गमलों में दीर्घजीवी शोभायुक्त पौधे लगाना।
(4) विद्यालय की बाउण्ड्री पर हेज लगाना, लतायें लगाना।
(5) वृक्षारोपण।
(6) कताई-बुनाई।
(7) काष्ठ शिल्प।
(8) ग्रन्थ शिल्प।
(9) चर्म शिल्प।
(10) धातु शिल्प।
(11) धुलाई, रफू, बखिया।
(12) रंगाई और छपाई।
(13) सिलाई।
(14) मूर्ति कला।
(15) मत्स्य पालन।
(16) मधुमक्खी पालन।
(17) मुर्गी पालन।
(18) साग-सब्जी का उत्पादन।
(19) फल संरक्षण।
(20) रेशम तथा टसर का काम।
(21) सुतली तथा टाट-पट्टी का निर्माण।
(22) हाथ से कागज बनाना।
(23) फोटोग्राफी।
(24) रेडियो मरम्मत।
(25) घड़ी मरम्मत।
(26) चाक तथा मोमबत्ती बनाना।
(27) कालीन एवं दरी का निर्माण।
(28) फूलों, फलों तथा सब्जियों के पौधे तैयार करना।
(29) लकड़ी, मिट्टी आदि के खिलौने का निर्माण।
(30) बेकरी और कन्फेक्शनरी का काम।
(31) उपर्युक्त की सुविधा न होने पर कोई स्थानीय प्रचलित कार्य।

उपर्युक्त कार्यों के लिये निर्धारित पाठ्यक्रम

एक–विद्यालय की कृषि भूमि पर आधारित ऋतु अनुसार फूल-पत्तियों का लगाना एवं सब्जियां बोना

उद्देश्य–

(1) छात्रों में बोध कराना कि ऋतु फूल-पत्तियों को लगाने तथा सब्जियों को बोने से जहां एक ओर आस-पास की वायु शुद्ध होती है, प्रदूषण दूर होता है, वहीं दूसरी ओर ताजी सब्जियां खाने को मिलती है, जिससे शरीर के स्वास्थ्य के लिये आवश्यक विटामिन तथा खनिज लवणों की आपूर्ति होती है।

(2) छात्रों का ऋतु के अनुसार फूल-पत्तियों तथा सब्जियों का चयन कर उन्हें लगाने तथा उनकी खेती करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) शीतकाल में सोया, मेथी, पालक, फूलगोभी, गांठ-गोभी, पात गोभी, लहसुन, प्याज, कलेन्डुला, डेहलिया, स्टोशियन, गुलदाउदी, सूरजमुखी आदि के पौध लगाना।

(2) ग्रीष्मकाल में कैना कोचिया, पोर्टलाका, बनीनिया आदि के पौध लगाना।

(3) अक्तूबर-नवम्बर (शरद ऋतु) में गुलाब के पौध लगाना।

(4) पौधों की सुरक्षा के उपाय करना, बाड़े लगाना।
(5) समय-समय पर सिंचाई करना आदि।

दो–विद्यालय में घास का लांन तैयार करना

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि मैदान में घास लगाने से विद्यालय की सौन्दर्यीकरण के साथ-साथ भूमि का कटाव नहीं होता, भूमि में फिसलन नहीं होती, लान की हरी-हरी घास नेत्रों की रोशनी के लिये लाभदायक होती है तथा घास के बढ़ने पर उनसे पशुओं के लिये चारा भी उपलब्ध हो सकता है।

(2) छात्रों में विद्यालय तथा घर के आस-पास की रिक्त भूमि पर घासों का लांन तैयार करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) तैयार मिट्टी के दूब या इसी प्रकार की लांन के लिये उपयुक्त अन्य घास के पौधे रोपना तथा पानी देना।
(2) समय-समय पर सिंचाई करना तथा उर्वरक (यूरिया आदि) डालना।
(3) घास बड़ी होने पर उसकी समुचित कटाई करते रहना जिससे लांन की मखमली सुन्दरता बनी रहे।
(4) घास की कीटों से नष्ट होना तथा पशुओं से बचाने के लिये सुरक्षा के उपाय करना।

तीन–गमलों में दीर्घजीवी, शोभायुक्त पौधे लगाना

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि घर के आस-पास भूमि की कमी या अभाव होने पर भी गमलों में दीर्घ-जीवी, शोभायुक्त पौधे लगाये जा सकते हैं, जिनसे पर्यावरणीय प्रदूषण कम किया जा सकता है।

(2) छात्रों में सुरुचि एवं सौन्दर्य भावना जागृत करने के लिये गमलों में दीर्घजीवी, शोभायुक्त पौधे लगाने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) गमलों में अनावश्यक रूप से उगने वाले खर-पतवार की सफाई तथा समय-समय पर खुरपी की सहायता से हल्की गुड़ाई।
(2) गमलों को आवश्यकतानुसार धूप तथा छाया में रखने की जानकारी।
(3) गमलों को जानवरों से बचाने के उपाय।
(4) आवश्यकतानुसार पौधे के ऊपर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव।

चार–विद्यालय की बाउन्ड्री पर हेज लगाना, लतायें लगाना

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि विद्यालय की शोभा इसकी बाउन्ड्री पर हेज तथा लतायें लगाने से बढ़ती है, साथ ही इससे पर्यावरणीय प्रदूषण कम होता है तथा मिट्टी का क्षरण रुकता है।

(2) छात्रों में विद्यालय (साथ ही घर) की बाउन्ड्री पर हेज अथवा लतायें लगाने का शौक तथा कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) लताओं को लगाने हेतु किसी उपयुक्त तथा मनपसन्द लता का चुनाव कर उसे वर्षा ऋतु में लगाना।
(2) पशुओं से सुरक्षा के उपाय करना।
(3) समय-समय पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करना।
(4) हेज तथा लताओं को समय-समय पर करीने से कटिंग करना।
(5) आवश्यकतानुसार खाद एवं उर्वरक डालना।

पाँच–वृक्षारोपण

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि वृक्ष मानव जाति के अस्तित्व के लिये आवश्यक है, इनसे पर्यावरण प्रदूषित होने से बचता है, भूमि का कटाव रुकता है, समय पर उपयुक्त वर्षा होती है, भोज्य पदार्थ, औषधियां, इमारती तथा ईंधन की लड़कियां प्राप्त होती हैं। वृक्ष वास्तविक अर्थ में मानव के सच्चे मित्र एवं रक्षक हैं।

(2) छात्रों में वृक्षारोपण का शौक तथा कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) जिन वृक्षों के बीज बोये जाते हैं, उन वृक्षों के बीज तैयार कर गड्ढों में वर्षा ऋतु में बोना।
(2) वृक्षों की सुरक्षा हेतु आवश्यक उपाय करना, जाली अथवा बाड़ लगाना।
(3) समय-समय पर खर-पतवार निकालना, गुड़ाई-निराई करना तथा सिंचाई करना।
(4) आवश्यकतानुसार शाखाओं, प्रशाखाओं की कटिंग करना।

छः–कताई-बुनाई

उद्देश्य–

(1) छात्रों की सूत, खजूर की पत्ती, नाइलोन का धागा तथा सुतली से बुनाई करने को बोध कराना।
(2) आसनी बुनना, चटाई बुनना तथा टाट-पट्टी बुनने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) गांठे लगाने का अभ्यास।
(2) नटे व इकहरे ताने की पहचान।
(3) ताने की बॉबिन भरना, ताना करना, केथी तथा वयभरी ताना लूम पर चढ़ाना, ताना बीम चढ़ाना आदि।
(4) खादी बुनावट का अभ्यास।

(5) सूती सादी चादर, धारीदार तथा चारखानेदार चादरों के बुनने का अभ्यास।
(6) आसन बुनने का अभ्यास आदि।

सात–काष्ठ-शिल्प

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि भव्य इमारतों तथा फर्नीचरों के निर्माण तथा सजावट की वस्तुयें तैयार करने में काष्ठ-शिल्प का ज्ञान नितान्त आवश्यक है।
(2) इस कला द्वारा छात्रों के साथ नेत्र एवं मस्तिष्क में सामंजस्य स्थापित होता है।

पाठ्यक्रम

(1) जोड़ की शुद्धता एवं लकड़ी की प्लेनिंग करना।
(2) कील तथा पेंच का सही ढंग से प्रयोग करना।
(3) छात्रों को छोटी टेबुल, स्टूल, बेंच तथा लकड़ी की कुर्सियों के निर्माण का अभ्यास।

आठ–ग्रन्थ-शिल्प

उद्देश्य–

(1) छात्रों को पुस्तकों एवं अभ्यास पुस्तिकाओं को दीर्धकाल तक सुरक्षित रखने का बोध कराना।
(2) छात्रों में पुस्तकों को सिलने तथा उनकी जिल्दसाजी का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) लई, अधरी तथा सुसज्जा के अन्य वस्तुओं की जानकारी तथा उन्हें तैयार करने का अभ्यास।
(2) विभिन्न साइजों एवं आकृतियों के लिफाफे, राइटिंग पैड, फाइलें, अलबम, चित्रों के फ्रेम व केस आदि तैयार करने का अभ्यास।
(3) हिन्दी व अंग्रेजी अक्षरों को कलात्मक ठंग से लिखने का अभ्यास करना।

नौ–चर्म-शिल्प

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि दैनिक जीवन में चर्म से बनी वस्तुयें कितनी उपयोगी हैं।
(2) छात्रों में चर्म से विभिन्न प्रकार की दैनिक जीवनोपयोगी वस्तुओं के निर्माण का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) स्कूल बैग, होल्डाल आदि के किनारों पर चमड़े की पट्टी लगाने का अभ्यास।
(2) विभिन्न प्रकार के पर्स, चश्मा केश, कंघा केश, चाभी केश आदि बनाने का अभ्यास।

दस–धातु-शिल्प

उद्देश्य–

(1) छात्रों की धातु-अधातु में अन्तर तथा धातुओं के महत्व को बोध कराना।
(2) छात्रों का धातुओं से बनी दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं के मामूली टूट-फूट की मरम्मत करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) रिबट के द्वारा जोड़ने, रांगे से जोड़ने तथा सोम जोड़ का अभ्यास।
(2) लोहे तथा टीन की चादरों द्वारा सही माप के डिब्बे तथा छोटे बक्से तैयार करने का अभ्यास।
(3) टिन की चादर से सरल प्रकार के छोटे खिलौने तैयार करने का अभ्यास।

ग्यारह–धुलाई, रफू तथा बखिया

उद्देश्य–

छात्रों को बोध कराना कि धुलाई, रफू तथा बखिया द्वारा प्रत्येक परिवार में प्रयोग होने वाले वस्त्रों को अधिक समय तक पूर्व चमक-दमक के साथ चलाया जा सकता है तथा इस प्रकार आर्थिक बचत की जा सकती है।

पाठ्यक्रम

(1) ऊनी, सूती, रेशमी कपड़ों की मरम्मत का अभ्यास।
(2) रफू करने की विधि तथा रफू करते समय सही टांके लगाने का अभ्यास।
(3) माड़ी लगाना, हर प्रकार के कपड़ों पर सही ढंग के ताप का ध्यान रखते हुये लोहा करना तथा फिनिशिंग का अभ्यास।

बारह–रंगाई तथा छपाई

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि हर प्रकार के वस्त्रों को किस प्रकार रंगाई तथा छपाई कर उन्हें नयनाभिराम तथा आकर्षक बनाया जा सकता है।
(2) छात्रों में सूती, ऊनी तथा रेशमी वस्त्रों की रंगाई-छपाई के कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम

(1) सूत का बेसिक रंग से रंगाई का अभ्यास।
(2) ऊन और रेशम की अम्लीय रंगों से रंगाई का अभ्यास।
(3) सूती मेजपोश, रूमाल तथा तकिया का गिलाफ, रेपिड फास्ट रंगों से छापा छापने का अभ्यास।
(4) स्टेन्सिल ब्रश से छपाई करने का अभ्यास।

तेरह–सिलाई

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि सिलाई कला के अभ्यास से पर्याप्त धन की बचत की जा सकती है।

(2) छात्रों में सूती, ऊनी तथा रेशमी वस्त्रों की सिलाई के कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम

(1) सिलाई की मशीन के विभिन्न कल-पुर्जों तथा उनके कार्य की जानकारी।

(2) नाप लेने के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रणाली का ज्ञान तथा अभ्यास।

(3) विभिन्न प्रकार की पोशाकों के लिये पेपर कटिंग का अभ्यास।

(4) बच्चे, स्त्री तथा पुरुषों के सामान्य प्रयोग की पोशाकों की सही कटिंग करना तथा उनकी सिलाई का अभ्यास लड़कियों का कुर्त्ता, सलवार, ब्लाउज़, पेटीकोट, अन्डरवीयर, कुन्देदार पैजामा, सादा फुलपैण्ट, कुर्ता, कमीज बंगला कुर्ता, फ्रॉक, नेकर आदि)।

चौदह–मूर्ति कला

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि मूर्ति कला का जीवन से कितना गहरा सम्बन्ध है, यह विगत स्मृतियों को जीवित रखने का एक मुख्य साधन है।

(2) छात्रों में मूर्ति कला के कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम

(1) अनेक प्रकार की डिज़ाइन बनाने का अभ्यास।

(2) भट्ठी में बर्तन तथा मूर्तियां पकाने का अभ्यास।

(3) मूर्ति-कला में रंगों की जानकारी तथा उसका सही प्रयोग और कलानुसार सजावट का अभ्यास।

(4) दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले बर्तन-गिलास, कटोरी, प्याले, दीपक, तस्तरी राखवानी, धूपवानी, फूलदान, गमला, फूलों की आकृतियाँ, फल, सब्जियों के मॉडल आदि बनाने सुखाने, पकाने तथा रंगने का अभ्यास।

पन्द्रह–मत्स्य पालन

उद्देश्य–

(1) छात्रों को बोध कराना कि मत्स्य पालन से पौष्टिक आहार प्राप्त होता है, मत्स्योत्पादन एक लाभकारी उद्योग है।

(2) छात्रों को मत्स्य पालन हेतु प्रेरित करना तथा सही विधि से मत्स्य पालन करना सिखाना।

पाठ्यक्रम

(1) मत्स्य के जीवन वृत्तान्त की जानकारी तथा टैंक में मत्स्य पालन का अभ्यास।

(2) भारत में पायी जाने वाली मत्स्य की साधारण किस्मों की जानकारी तथा उनके पालने की विधि की जानकारी एवं अभ्यास।

(3) तालाब में मत्स्य की खेती का अभ्यास।

सोलह–मधुमक्खी पालन

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि मधु एकत्र करने के लिये मधुमक्खियों को पाला जा सकता है।

(2) छात्रों को बोध कराना है कि मधु अनेक दवाइयों में प्रयुक्त होती है तथा अत्यन्त स्वास्थ्यवर्धक भोज्य पदार्थ है।

(3) छात्रों में मधुमक्खियों को मौन गृह में रखना तथा उनके रख-रखाव और शहद निकालने का कौशल विकसित करना है।

पाठ्यक्रम

(1) फलों के मौसम के अनुसार मौनवंशों की इकाई बदलते रहने की जानकारी।

(2) अधिक ठंड से मौनगृहों की सुरक्षा के उपाय करना।

(3) अधिक गर्मी से मौनगृहों की सुरक्षा के उपाय करना।

(4) चीटियों से मौनगृहों की सुरक्षा के उपाय करना।

(5) मधुमक्खियों को रोगों तथा शत्रुओं से बचाने के उपाय करना।

(6) मधुमक्खियों के लिये उचित भोजन पानी की जानकारी।

(7) मौनगृहों से शहद एकत्र करने की विधि की जानकारी।

सत्रह–मुर्गी पालन

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि प्रोटीन भोजन का एक मुख्य अवयव है। प्रोटीन का सरलता से उपलब्ध होने वाला प्रमुख साधन अण्डा है जिसे मुर्गी पालन से प्राप्त किया जा सकता है।

(2) छात्रों में मुर्गी के आवास व्यवस्था, रख-रखाव, रोग तथा उनके उपचार मुर्गी फार्म के हिसाब से रख-रखाव का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) चूजे इन्क्यूप्रेटर से निकालने के 48 घन्टे बाद फार्म से ले आकर उसे विधिवत् पालना, कीड़े मारने की दवाइयां देना, टीके लगवाना, उचित दाना-पानी तथा प्रकाश की व्यवस्था करना।

(2) बेकार और बीमार मुर्गियों की पहचान करना तथा उन्हें छांटकर अलग करना।

(3) दिन में 4 बार एक निश्चित समय पर अण्डे एकत्र करना।

(4) बाड़े की सफाई, बिछावन की सफाई, पानी के बर्तनों एवं फीडर्स की नियमित सफाई करना।
(5) मुर्गी फार्म के हिसाब से रख-रखाव की जानकारी प्राप्त करना।

अट्ठारह-शाक-सब्जी का उत्पादन

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि आहार में शाक-सब्जी का कितना महत्वपूर्ण स्थान है तथा वे सब प्रकार के विटामिन, खनिज एवं लवणों की आपूर्ति कर हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं तथा रोगों से लड़ने की क्षमता उत्पन्न करते हैं।
(2) छात्रों में मौसम के अनुसार शाक-सब्जी को पैदा करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) शाक-सब्जी में लगने वाले कीड़ों, रोगों की जानकारी तथा उनसे सुरक्षा के उपाय।
(2) कीटनाशक दवाओं के प्रयोग में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी तथा अभ्यास।
(3) खेत से शाक-सब्जी निकालने की सही विधि की जानकारी।
(4) शाक-सब्जी के सड़ने के कारणों तथा उसे बचाने के उपायों की जानकारी व उनका रख-रखाव।
(5) शाक-सब्जी के संरक्षण की जानकारी, बोतल बन्दी तथा डिब्बा बन्दी की जानकारी, उनसे लाभ-हानि।

उन्नीस-फल संरक्षण

उद्देश्य-

(1) फलों के नष्ट होने की प्रक्रिया का छात्रों को बोध कराना।
(2) विभिन्न प्रकार के फलों के संरक्षण का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) टमाटर की सॉस बनाने का अभ्यास।
(2) कोहड़े का केचअप बनाने का अभ्यास।
(3) नींबू या मालटा का स्क्वैश बनाने का अभ्यास।
(4) उपर्युक्त तैयार सामग्रियों के डिब्बा बन्दी की जानकारी।
(5) सावधानियां तथा सुरक्षा के नियमों की जानकारी।

बीस-रेशम तथा टसर का काम

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि रेशम के कीड़ों का पालन कर रेशम का धागा प्राप्त किया जा सकता है।
(2) छात्रों में शहतूत के पौधों का उत्पादन करना, शहतूत के पौधों पर रेशम के कीटों का पालन करना, प्यूपा (कोया) एकत्र कर उनसे रेशम का धागा प्राप्त करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) शहतूत के पेड़ तथा पत्तियों को शत्रु कीटों से बचाना, शहतूत की रक्षा करना।
(2) शहतूत के पौधों को समय-समय से खाद एवं पानी देना।
(3) शहतूत की पत्ती तोड़ने की विधियों की जानकारी, उनका तुलनात्मक अध्ययन तथा अभ्यास।
(4) रेशम कीट की बीमारियों की पहचान तथा उनसे रेशम कीड़ों के बचाव के उपाय करना।

इक्कीस-सुतली तथा टाट-पट्टी का निर्माण

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि सुतली तथा टाट-पट्टी कुटीर उद्योग है जिससे ग्रामीण अर्थ व्यवस्था सुधारने में सहायता मिल सकती है तथा कम पूंजी में इसे प्रारम्भ किया जा सकता है एवं इसके लिये कच्चा माल सुगमता से प्राप्त किया जा सकता है।
(2) छात्रों में सुतली तथा टाट-पट्टी के निर्माण का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) टाट-पट्टी बुनने की मशीन की जानकारी प्राप्त करना तथा उस पर कार्य करने का अभ्यास करना।
(2) अच्छे किस्म की रस्सी का निर्माण का अभ्यास करना।
(3) सादी तथा रंगीन टाट-पट्टी के निर्माण का अभ्यास करना तथा अच्छी फिनिशिंग का अभ्यास करना।

बाइस-हाथ से कागज बनाना

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि आधुनिक युग में ज्ञान के विकास तथा उसे सुरक्षित रखने में कागज का महान योगदान है।
(2) छात्रों में हाथ से कागज बनाने के कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम

(1) कागज को सुखाने तथा पालिश करने की विधि की जानकारी तथा उसका अभ्यास।
(2) ग्लेजिंग करना।
(3) स्याही सोख कागज तैयार करना।
(4) बेकार लुग्दी का प्रयोग करना।

तेईस-फोटोग्राफी

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि विगत स्मृतियों को साकार रूप से सुरक्षित रखने के लिये फोटोग्राफी एक सशक्त माध्यम है।
(2) छात्रों को फोटो खींचने, उनका डेवलपमेन्ट करने, प्रिंटिंग तथा इन्लार्जमेन्ट करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) निगेटिव की टचिंग तथा कलर करना।
(2) प्रिंटिंग बाक्स द्वारा कान्टेक्ट प्रिन्ट करना।
(3) इनलाइजर से इन्लार्जमेन्ट बनाना।
(4) इन्लार्जमेन्ट तैयार होने के बाद फोटो को कलर करना और फिनिशिंग करना।
(5) किसी फोटो से इन्लार्जर द्वारा निगेटिव तैयार करना।
(6) रंगीन फोटोग्राफी की जानकारी तथा अभ्यास।

सावधानियां-

(1) प्रिंटिंग डेवलपिंग का कार्य डार्करूम में ही करें।
(2) लाल प्रकाश में ही प्रिंटिंग, डेवलपिंग करें, कार्य समाप्त होने के बाद ही।

चौबीस-रेडियो मरम्मत

उद्देश्य-

(1) छात्रों को रेडियो, ट्रांजिस्टर, टेप रिकार्डर तथा टू-इन-वन के बारे में बोध कराना।
(2) रेडियो तथा ट्रांजिस्टर की असेम्बलिंग एवं रिपेयरिंग का कौशल विकसित करना।
(3) टेप रिकार्डर तथा टू-इन-वन की मरम्मत करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) टेप रिकार्डर के दोषों को ढूढ़ने एवं उन्हें सुधारने का अभ्यास।
(2) टू-इन-वन के दोषों को ढूढ़ने तथा उन्हें सुधारने का अभ्यास।
(3) रेडियों तथा ट्रांजिस्टर की असेम्बलिंग का अभ्यास।
(4) बैटरी एलीमिनेटर की जानकारी।
(5) अपेक्षित सावधानियों तथा सुरक्षा के नियमों की जानकारी (विशेषतः विद्युत् आघात से बचने के लिये सही उपायों तथा सुरक्षा नियमों की जानकारी)।

पच्चीस-घड़ी मरम्मत

उद्देश्य-

(1) छात्रों में कम लागत में घड़ियों की मरम्मत तथा रख-रखाव की क्षमता का विकास करना।
(2) मैकेनिकल तथा एलेक्ट्रिकल प्रकार की कलाई घड़ी, टेबुल घड़ी तथा दीवार घड़ी की मरम्मत, सर्विसिंग और संयोजन (असेम्बली) का कौशल विकसित करना।
(3) छोटे-छोटे कल-पुर्जों को लेकर किये जाने वाले कार्यों में बरतने योग्य सावधानियों का अभ्यास करना।

पाठ्यक्रम

(1) विभिन्न प्रकार की घड़ियों को खोलना, सफाई करना, टूटे पुर्जों की मरम्मत करना अथवा उसके स्थान पर उपयुक्त ढंग से नये पुर्जे लगाना तथा टाइप सेटिंग करना, ओवरहॉलिंग करना।
(2) घड़ियों के क्रय-विक्रय में अपेक्षित सावधानियों की जानकारी।
(3) सावधानियां एवं सुरक्षा के नियम।
(4) घड़ी मरम्मत की कार्यशाला के प्रबन्ध सम्बन्धी जानकारी।

छब्बीस-चाक एवं मोमबत्ती बनाना

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि कम लागत की पूंजी में चाक एवं मोमबत्ती का लघु कुटीर उद्योग प्रारम्भ किया जा सकता है जिसकी खपत आस-पास के परिवेश में हो सकती है।
(2) छात्रों में चाक एवं मोमबत्ती बनाने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) जब सांचे के अन्दर मोम जम जाये तो सांचे को पानी के बाहर निकालना तथा ऊपर एवं नीचे का धागा चाकू से काट कर सांचे को खोलना एवं मोमबत्ती बाहर निकालना।
(2) तैयार मोमबत्ती की पैकिंग कर विक्रय हेतु तैयार करना।
(3) पैराफीन मोम को कम आंच पर पिघलाना चाहिये। अतः इसका सावधानीपूर्वक अभ्यास करना।

सत्ताइस-कालीन तथा दरी का निर्माण

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि विभिन्न अवसरों पर बिछाने तथा ड्राइंग रूम को सजाने में कालीन तथा दरी का भारी उपयोग होता है।
(2) छात्रों में कालीन तथा दरी बुनने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) दरी बुनाई, गणित व विभिन्न प्रकार की डिजाइनों की जानकारी व तद्नुसार बुनाई का अभ्यास।

(2) कालीन बुनाई की तकनीक की जानकारी व बुनाई का अभ्यास।
(3) कालीन की धुलाई, कालीन के सीधे और धागों की छंटाई तथा सतह को चिकना बनाने का अभ्यास।
(4) दरी तथा कालीन बुनने में सावधानियों की जानकारी।

अट्ठाइस-फूलों, फलों तथा सब्जियों की पौध तैयार करना

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि अच्छी प्रजाति के पौधे तैयार कर उनके सही रोपण द्वारा पौधे शीघ्र बढ़ते हैं तथा उनसे उत्पादन भी अधिक होता है।
(2) छात्रों में मौसम के अनुसार सब्जियों तथा फूलों का चयन कर उनकी पौध तैयार करने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) स्थानीय मांग के अनुसार फूलों, फलों तथा सब्जियों की पौध तैयार करना।
(2) पौध लगाने के लिये भूमि की तैयारी करना, भूमि की चारों ओर फेसिंग (बाड़) लगाने का कार्य करना तथा सिंचाई की व्यवस्था करना।
(3) पौध तैयार करने के लिये उपर्युक्त खाद तथा उर्वरकों का ज्ञान एवं सही चुनाव का अभ्यास।
(4) पौध तैयार करने के लिये अच्छे बीजों के चुनाव की जानकारी।

उन्तीस-लकड़ी तथा मिट्टी के खिलौनों का निर्माण

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना कि लकड़ी तथा मिट्टी के खिलौने बच्चों के लिये आकर्षण के केन्द्र तथा ड्राइंग रूम सजाने के लिये सुन्दर साधन होते हैं।
(2) छात्रों में लकड़ी तथा मिट्टी के खिलौने के निर्माण का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) खिलौनों को चिकना बनाने तथा विभिन्न रंगों के प्रयोग की जानकारी तथा अभ्यास।
(2) ठोस गोलों और पट्टे की विधि से अनेक फल जैसे नारंगी, अनार, सेब, अमरूद, नाशपाती, तरकारियां, टमाटर, मूली, बैगन व अन्य पशु-पक्षियों के लिये जैसे हिरन, खरगोश, गाय, बैल, हंस, मोर, तोता, बतख आदि तैयार करने का अभ्यास।
(3) साधारण फल, पत्तियों सहित जैसे कमल, सूरजमुखी, डेलिया, आदि बनाना।
(4) मिट्टी के खिलौने के रख-रखाव में अपेक्षित सावधानियां तथा सुरक्षा के उपायों की जानकारी।

तीस-बेकरी तथा कन्फेक्शनरी का कार्य

उद्देश्य-

(1) छात्रों को बोध कराना है कि सामान्यतः नाश्ते में प्रयोग किये जाने वाले बिस्कुट तथा केक आदि सरलता से घर में बनाये जा सकते हैं।
(2) छात्रों में बिस्कुट, केक, पेस्ट्री तथा पावरोटी बनाने का कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम

(1) केक बनाने की विभिन्न विधियों का अभ्यास।
(2) पेस्ट्री बनाने के विभिन्न प्रकारों का अभ्यास।
(3) विभिन्न प्रकार के मीठे, नमकीन तथा मीठे नमकीन बिस्कुट तैयार करने की विधियों का अभ्यास।
(4) पावरोटी, केक, पेस्ट्री तथा बिस्कुट को खराब होने से बचाने की विधियां, सावधानियां बरतने तथा सुरक्षा नियमों के पालन का अभ्यास।

31-सामाजिक सेवा

(1) सामुदायिक विकास के कार्य, विद्यालय, भवन एवं परिसर की स्वच्छता एवं सफाई।
(2) श्रमदान का महत्व एवं अभ्यास (महीने में एक दिन विद्यालय के हित में श्रमदान करना)।
(3) देशाटन (Outing)।

सामान्य निर्देश

1-विद्यालय का प्रारम्भ सामूहिक प्रार्थना एवं दैनिक प्रतिज्ञा से होना चाहिये।
2-प्रार्थना-स्थल पर सप्ताह में दो बार प्रधानाचार्या, शिक्षकों, विशेष अतिथियों एवं छात्रों द्वारा नैतिक मूल्यों को जगाने वाले दो मिनट के प्रवचन कराये जायें।
3-विद्यालय में समय-समय पर अभिनय, लेख, कहानी, सूक्ति, कविता पाठ, अंत्याक्षरी आदि की प्रतियोगिताओं, महापुरुषों के जन्म-दिनों तथा वार्षिकोत्सव एवं राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन किया जाये।
4-छात्रों को प्रतिदिन निर्धारित व्यायाम एवं योगदान कराने के लिये प्रेरित किया जाय।
5-सामूहिक व्यायाम एवं खेलों का आयोजन किया जाय।
6-समाज सेवा के कार्य के अन्तर्गत विद्यालय प्रदर्शनी का आयोजन, विद्यालय की सफाई, मरम्मत एवं सजावट तथा पुस्तकालय सेवा जैसे रचनात्मक कार्य भी कराये जायें।

मूल्यांकन-

1-उपर्युक्त पाठ्यक्रम का मूल्यांकन पूर्णतया आन्तरिक होगा।
2-प्रत्येक छात्र को एक डायरी रखनी होगी जिसमें उनके द्वारा किये कार्य, नैतिक सत्प्रयासों, शारीरिक शिक्षा के अन्तर्गत किये गये अभ्यासों, कृत समाजोपयोगी उत्पादक कार्यों एवं सामाजिक सेवा के रूप में किये गये प्रयत्नों तथा कार्यों का मासिक विवरण सम्बन्धित

अध्यापक द्वारा अंकित होगा तथा प्रत्येक माह के अन्त में यह विवरण मूल्यांकन हेतु कक्षाध्यापक के माध्यम से प्रधानाचार्य के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

3-मूल्यांकन के आधार पर इसमें तीन श्रेणियां ए, बी, सी प्रदान की जायेगी। जिन छात्रों ने कार्य न पूरा किया हो तो उन्हें तब तक सामान्य परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित नहीं किया जायेगा। जब तक कि निर्धारित कार्य पूरा न कर लें। जो छात्र उपर्युक्त तीनों श्रेणियों में से किसी भी श्रेणी के योग्य नहीं पायें जायेंगे उनकी विवरण पुस्तिका (डायरी) में तद्नुसार प्रविष्टि कर दी जायेगी तथा ऐसा छात्र मुख्य परीक्षा में बैठने के लिये अर्ह न होगा।

32– बच्चों व युवाओं को वरिष्ठ नागरिकों के प्रति उत्तरदायी बनाना। निरक्षर वरिष्ठ नागरिकों को बालक/बालिकाओं द्वारा साक्षर बनाते हुए उन्हें उनके अधिकारों के प्रति शिक्षित एवं जागरूक करना। विद्यालयों में प्रत्येक वर्ष 01 अक्टूबर को दादा–दादी एवं नाना–नानी दिवस मनाना।

पाठ्य पुस्तक-

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान सम्बन्धित विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपर्युक्त पठन सामग्री का चयन कर लें।

पूर्व व्यावसायिक ट्रेड के पाठ्यक्रम

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

(1) ट्रेड-टेक्सटाइल डिजाइन

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई-3

(ख) कपड़े पर निम्न दाग, धब्बों को छुड़ाने की विधि-

[1] ग्रीस।
[2] तेल।
[3] आइस्क्रीम/चाकलेट।
[4] चाय और काफी।
[5] शू-पॉलिश।
[6] स्याही।
[7] जंग।
[8] हल्दी।
[9] अंडा।
[10] खून।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

पूर्व व्यावसायिक ट्रेड के पाठ्यक्रम

(1) ट्रेड-टेक्सटाइल डिजाइन

उद्देश्य-

1-छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
2-छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
3-छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
4-छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
5-छात्रों में कार्य, संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
6-छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर-

टेक्सटाइल डिजाइन ट्रेड से शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् निम्न रोजगार के अवसर मिल सकते हैं-

(क) वेतन भोगी रोजगार-

(1) टेक्सटाइल इण्डस्ट्रीज में निम्न पदों पर रोजगार प्राप्त हो सकता है-

[क] सहायक रंगाई मास्टर।
[ख] सहायक छपाई मास्टर।

(2) छोटे कारखानों में-छपाई, रंगाई के सहायक कार्यकर्ता के रूप में।

(ख) स्वरोजगार के रूप में-

(1) घरेलू व्यवसाय के रूप में छपाई कार्य, रंगाई कार्य करके माल को स्वयं बेच सकता है या वह उद्योगों में सप्लाई कर सकता है।

(2) ग्राहकों की आवश्यकतानुसार आर्डर लेकर कार्य पूरा करके अपनी आय प्राप्त कर सकता है।

पाठ्यक्रम के स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों का सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों का प्रयोगात्मक के आधार पर इसमें विद्यालय स्तर पर, आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1-

(क) रंगाई व छपाई करने से पहले धागे व कपड़ों की योग्य बनाने हेतु शुद्धिकरण करना।

(ख) ब्यायलिंग (उबालना), विरंजन (ब्लीचिंग) सूती धागे या कपड़ों पर डायरेक्ट रंग, नेप्थाल रंग का प्रयोग करना।

(ग) ऊनी, रेशमी कपड़ों पर एसिड रंगों का प्रयोग।

इकाई-2-

(क) सूती कपड़ों पर डायरेक्ट रंग से छपाई-ठप्पा या स्क्रीन द्वारा।

(ख) सूती कपड़ों पर पिगमेन्ट रंग से छपाई-ठप्पा या स्क्रीन द्वारा।

(ग) ब्रुश पेटिंग तथा टाई एण्ड डाई।

इकाई-3-

(क) प्रिंटिंग, ड्राइंग के पश्चात् कपड़े की फिनिशिंग।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

(1) टाई एण्ड डाई विधि का प्रयोग-घरेलू आवश्यक वस्त्रों पर। उदाहरण-कुशन कवर तथा दुपट्टा।

(2) ब्रुश या हैण्ड पेटिंग-मेज पोश, टेबिल मैट।

(3) धब्बे छुड़ाना-ग्रीस, तेल, आइसक्रीम/चाकलेट, चाय/काफी। शू-पालिश, स्याही, जंग, हल्दी, अंडा, खून।

(4) तैयार किये गये कपड़ों का फिनिशिंग करना।

(5) स्प्रे प्रिंटिंग द्वारा 30 x 30 सेमी0 का 4 नमूना बनाना।

(6) स्टेन्सिल स्क्रीन विधि द्वारा टेबल मैट बनाना।

(क) लघु प्रयोग-

1-रेशी की परीक्षा।

2-कलफ लगाना।

3-आयरन करना।

4-धब्बे छुड़ाना।

5-छपाई के लिये रंग का पेस्ट तैयार करना।

6-रंग का संयोजन द्वारा रंगाई करना।

उदाहरण स्वरूप-लाल, पीला द्वारा नारंगी तैयार करना।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

1-उबालना।

2-निरंजना।

3-नेप्थाल की रंगाई।

4-स्क्रीन से छपाई।

5-स्टेन्सिल से कटाई।

6-ठप्पे की छपाई।

7-टाई एण्ड डाई।

8-स्प्रे प्रिंटिंग।

9-ब्रुश प्रिंटिंग।

10-डाइरेक्ट रंगाई।

पुस्तकों की सूची-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक
1	वस्त्र विज्ञान के मूल सिद्धान्त	जे0 पी0 शैरी	विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
2	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान (तृतीय संस्करण)	प्रो0 प्रमिला वर्मा	यूनिवर्सल बुक डिपो, लखनऊ।
3	हाऊस होल्ड टेक्सटाइल	दुर्गादत्त	बुक कम्पनी, नई दिल्ली।
4	टेक्सटाइल केयर एण्ड डिजाइन	एन0 सी0 ई0 आर0 टी0, एक्सप्लेनर, इन्स्ट्रक्शनल मेटेरियल फार क्लासेज, IX-X दिल्ली	एन0 सी0 ई0 आर0 टी0, नई दिल्ली।

(2) ट्रेड-पुस्तकालय विज्ञान

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

2-(क) भौतिक ग्रन्थ विज्ञान (फिजिकल विविलोयोग्राफी) पुस्तक निर्माण प्रक्रिया-कागज के प्रकार, नाप, भार, नाम, उपयोग, व्यापारिक केन्द्र (मुद्रण सामग्री)।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(2) ट्रेड-पुस्तकालय विज्ञान

उद्देश्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।

(2) छात्रों के आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।

(3) छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक पुस्तकालय विज्ञान ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।

(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

(5) छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव उत्पन्न करना।

(6) छात्रों को पुस्तकालय विज्ञान ट्रेड की प्रारम्भिक जानकारी से अवगत कराना।

रोजगार के अवसर-

(1) वेतन भोगी रोजगार के अवसर-

[क] ग्रामीण, कम्युनिटी सेन्टर, प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र, अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र, पंचायत तथा अन्य लघुस्तरीय पुस्तकालयों में रोजगार के अवसर।

[ख] विभिन्न श्रेणी के पुस्तकालयों में पुस्तक-प्रदाता जनरेटर पुस्तक संरक्षण सहायता तथा सार्टर के रूप में रोजगार के अवसर।

(2) स्वरोजगार के अवसर-

[क] पुस्तकालय की अध्ययन सामग्रियों की जिल्दसाजी का व्यवसाय।

[ख] पुस्तकालय उपकरण एवं उपस्कर का निर्माण का व्यवसाय।

[ग] पुस्तकालय एवं उसकी अध्ययन सामग्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षण का व्यवसाय।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

1-संग्रह, सत्यापन, आवश्यकता एवं विधियां-

(क) पुस्तकालय वर्गीकरण की परिभाषा, उद्देश्य, महत्व, पुस्तकालय वर्गीकरण की विभिन्न पद्धतियों का संक्षिप्त ज्ञान, ग्रन्थ वर्गीकरण, क्रमिक संख्या (वर्गांक + ग्रंथांक) ड्यूई, दशमलव, वर्गीकरण पद्धति का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ख) सूची की परिभाषा, उद्देश्य, महत्व, भौतिक स्वरूप, आन्तरिक स्वरूप, सूची संलेख-मुख्य, अतिरिक्त एवं अन्तः निर्देशीय संलेख की ए0 ए0 सी0 आर0-2 के अनुसार संरचना।

2-(ख) जिल्दबन्दी-जिल्दबन्दी के प्रकार, जिल्दबन्दी में उपयोगी सामग्री, पृष्ठ मोड़ना, सिलाई के प्रकार (जिल्दबन्दी, टेप डोरा तथा सादी सिलाई), आवरण चढ़ाना तथा सज्जा।

3-पुस्तकालय एवं पुस्तकों की सुरक्षा एवं संरक्षा-कीटाणुनाशक दवाओं का ज्ञान एवं उनका प्रयोग, अन्य सुरक्षात्मक विधियों का ज्ञान एवं संरक्षण के विविध कार्यक्रम।

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

(1) लघु प्रयोग-

पुस्तकालयों के निम्नलिखित उपकरणों का प्रारूप तैयार करना : बुक प्लेट, बुक-लेबल, तिथि-पत्रों, पुस्तक-पत्रक, पुस्तक-पॉकेट, पुस्तकालय7पत्रक, सूची-पलक, सूची-निर्देश-पत्रक, तिथि निर्देश, बुक सपोर्टर।

(2) दीर्घ प्रयोग-

(क) पुस्तकालय के निम्नलिखित उपस्करों एवं उपकरणों का प्रारूप, (डिजाइन तैयार करना)-

परिग्रहण-पंजिका, समाचार-पत्र तथा पंजिका-बमिका, निगम-पंजिका, कैटलॉग, कैबिनेट, चार्जिंग ट्रे, डिस्प्ले रैक, एटलस स्टैण्ड, शब्दकोष स्टैण्ड।

पुस्तकों की मरम्मत, जिल्दबन्दी एवं सादी सिलाई द्वारा जिल्दबन्दी करना।

(ख) वर्गीकरण एवं सूचीकरण प्रयोगिक का मूल्यांकन, सत्रीय कार्य के अन्तर्गत (आगे उल्लिखित) क्रम संख्या 4 एवं 5 पर आधारित करना।

(1) सत्रीय कार्य-

छात्र कक्षा 10 में निम्नलिखित कार्य करेंगे और उनका अभिलेख तैयार कर सत्रीय कार्य के मूल्यांकन हेतु सुरक्षित रखेंगे-

1-पचास पुस्तकों की परिग्रहण पंजिका में प्रविष्टि।

2-पांच पुस्तकों का उपयोग हेतु सुनियोजन।

3-पत्र-पत्रिका पंजिका में पांच समाचार-पत्र तथा बस पत्रिकाओं की प्रविष्टि।

4-सौ पुस्तकों का ड्यूई दशमलव वर्गीकरण पद्धति से तीन अंकों तक वर्गांक बनाना।

5-पच्चीस पुस्तकों के मुख्य, अतिरिक्त एवं अन्तर्देशीय संलेख की पत्रक सूचीकरण ए0 ए0 सी0 आर0-2 के अनुसार बनाना।

(2) व्यावहारिक अध्ययन-

1-छात्र द्वारा किन्हीं दो पुस्तकालयों की कार्य-प्रणाली का ज्ञान प्राप्त कर दस पृष्ठों की आख्या प्रस्तुत करना।

2-किसी जिल्दसाज की दुकान पर भौतिक ग्रन्थ विज्ञान एवं जिल्दबन्दी का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना व किये गये कार्य का विवरण प्रस्तुत करना।

3-ड्यूई दशमलव वर्गीकरण पद्धति के तृतीय सारांश में प्रयुक्त पदों के हिन्दी समानार्थी शब्दों का ज्ञान।

निर्धारित पुस्तकें-

कोई भी पुस्तक निर्धारित एवं संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के सम्बन्धित विषय के अध्यापक पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तकों का चयन कर लें।

(3) ट्रेड-पाकशास्त्र (कुकरी)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई 1-विभिन्न खाद्य उत्पादों का संक्षिप्त ज्ञान-

1-बेसिक मांस, 2-स्टाक, 3-सूप, 4-गर्निश, 5-खाद्य उत्पादों की संरचना, 6-सलाद एवं सलाद ड्रेसिंग, 7-सैण्डविच।

इकाई 3-

(i) व्यक्तिगत स्वच्छता, भोजन का रख-रखाव, पकाने के दौरान एवं पश्चात् (भण्डारण)।

(ii) भोजन के खराब होने के कारणों एवं उनके नियन्त्रण का संक्षिप्त ज्ञान।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(3) ट्रेड-पाकशास्त्र (कुकरी)

उद्देश्य-

1-भोजन से प्राप्त होने वाले पोषक तत्वों का ज्ञान कराना।

2-भिन्न भोज्य-सामग्रियों को प्रकृति तथा रासायनिक संगठन के आधार पर भोजन पकाने की विधियों से अवगत कराना।

3-व्यावसायिक रूप से विक्रय योग्य भोजन बनाने की क्षमता उत्पन्न करना।

4-भिन्न प्रदेशों से विशिष्ट व्यंजनों की जानकारी।

5-विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाने की विधियों आदान-प्रदान द्वारा राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत करना।

6-खाद्य-सामग्रियों एवं उत्पादों में संदूषण के कारणों से अवगत कराना।

7-व्यावसायिक अभिरुचि को बढ़ाना।

8-समाज में भोजन की आदतों एवं पोषण स्तर में वृद्धि लाना अर्थात् पोषण अल्पता के कारण होने वाले रोगों में कमी लाना।

9-छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।

10-छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।

रोजगार के अवसर-

(क) वेतनभोगी-

1-किसी होटल में नौकरी की जा सकती है।

2-खान-पान उद्योग के अन्य स्वरूपों जैसे अस्पताल, छात्रावास, फैक्ट्री एवं परिवहन कैटरिंग संस्थान में नौकरी की जा सकती है।

(ख) स्वरोजगार-

1-भोजनालय स्थापित किया जा सकता है।

2-होटल (राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे जहां वाहन खड़ा करने व उसके रख-रखाव, व्यक्तियों के रहने एवं भोजन की व्यवस्था हो) स्थापित किया जा सकता है।

3-पाक शास्त्र के प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित कर उनका संचालन किया जा सकता है।

4-पाक शास्त्र से सम्बन्धित उपकरणों, संयंत्रों की विक्रय का एक जानकारी केन्द्र स्थापित किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम के स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंक की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं की जायेगी।

इकाई 1-विभिन्न खाद्य उत्पादों का संक्षिप्त ज्ञान-

8-क्षुधावर्धक पदार्थ।

2-रसोई के विभिन्न उपकरण, देख-रेख एवं प्रयोग में सावधानियां।

इकाई 2-मेनू प्लानिंग-

(1) प्रतिदिन हेतु तथा विभिन्न अवसरों जैसे विवाह समारोह।

(2) विभिन्न आय वर्ग एवं अवस्थाओं के लिये जैसे शिशु, विद्यार्थी, वयस्क, वृद्ध, गर्भावस्था, रोगी।

(3) बचे हुये खाद्य उत्पादों को नया रूप देकर पुनः प्रयोग करना।

(4) खाद्य सामग्रियों के माप का ज्ञान, जैसे शुष्क खाद्य सामग्रियों, द्रव खाद्य सामग्रियों के लिये।

(5) विभिन्न पेय-चाय, काफी, कोको, दूध का पौष्टिक मूल्य एवं महत्व।

इकाई 3-

3-हाइड्रोजन का अभिप्राय एवं किचन में महत्व-

1-पोषण-भोजन की आवश्यकता एवं महत्व, भोजन के विभिन्न पोषक तत्वों का संक्षिप्त परिचय, उनके प्राप्ति स्रोत, कार्य, कमी से उत्पन्न होने वाले रोग।

2-विभिन्न बीमारियों में भोजन-जैसे मधुमेह (डाइबिटीज), हृदय सम्बन्धी रोग (हार्ट डिजीज), अतिसार (डायरिया), रक्त चाप (ब्लड प्रेशर) एवं पाचन सम्बन्धी अन्य विकार।

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

(1) भारतीय व्यंजन (खाद्य उत्पाद)-

1-चावल-वेजिटेबल पुलाव, प्लेन फ्राइड राइस, कोकोनट मली राइस, बिरयानी।

2-रोटी-मिस्सी रोटी, भरवा पराठा, नान, कचौड़ी।

3-दाल-दाल मक्खनी, सूखी, मसाला दाल।

4-सब्जी-बेजिटेबल कोफ्ता, वेजिटेबल कोरमा, भरवा शिमला मिर्च व टमाटर, पनीर पसंदा, सूखी सब्जी।

5-मांस-कोरमा, शामी कबाब, रोगनजोश, मटर कीमा, बटर चिकन।

6-रायता-बूंदी, खीरा, टमाटर, आलू।

7-सलाद-सलाद काटना व सजाना।

8-मीठा-गुलाब जामुन, रसगुल्ले, बर्फी, फीरनी।

9-स्नैक्स-समोसा, कटलेट्स, वेजिटेबल रोट्स, बेजिटेबल कबाब।

10-पेय पदार्थ-चाय, काफी, कोल्ड काफी, लस्सी।

11-अन्डा-एग करी, आमलेट, स्क्रैम्बल्ड एग, पोच एग।

(2) पाश्चात्य व्यंजन-

1-सूप-क्रीम आफ टोमैटो सूप, धुली मसूर की दाल का सूप, मिक्सड वेजिटेबल सूप।

2-वेजिटेबल-बैक्ड वेजिटेबल, बैक्ड पोटैटो, सांटे पीज, क्रीम्ड कैरट्स।

3-मीट एवं मछली-आइरिश स्ट्यू, बैक्ड फिश फिगर्स।

4-चायनीज-चाऊमीन, चायनीज फ्रायड राइस।

5-पुडिंग्स-ब्रेड बटर पुडिंग, करेमल कस्टर्ड फ्रूट क्रीम।

(3) प्रान्तीय-

उत्तर भारतीय-छोले भटूरे, फिश फ्राई, ढोकला।

दक्षिण भारतीय-इडली, डोसा, साम्भर, नारियल चटनी।

पुस्तकों की सूची-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम एवं पता
1	भारतीय एवं पाश्चात्य पाक शास्त्र के सिद्धान्त एवं व्यंजन विधियां	सुश्री अनुपम चौहान	हिन्दी प्रचारक संस्थान, पो0 बा0 नं0 106, पिशाच मोचन, वाराणसी।
2	आहार एवं पोषण विज्ञान	श्रीमती ऊषा टण्डन	स्वास्तिक प्रकाशन एवं पुस्तक बिक्रेता, अस्पताल मार्ग, आगरा।

(4) ट्रेड-छाया चित्रण (फोटोग्राफी)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1- फोटोग्राफी रसायन फिल्म का कार्य। सार्वभौम। अंडर और ओवर डेवलपमेन्ट।

2- फोटोग्राफिक फिल्टर एवं उनके उपयोग। विभिन्न प्रकाश दशाओं में विभिन्न शटर स्पीड तथा अपरचर में सही उद्भासन का अनुमान। एक्सपोजर मीटर रचना एवं कार्य।

3-कार्टेस बनाना : रिडक्शन तथा इन्टेन्सिफिकेशन, अर्थ प्रयुक्त रसायन एवं विधियां।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(4) ट्रेड-छाया चित्रण (फोटोग्राफी)

उद्देश्य-

छाया-चित्रण मात्र एक ललित कला ही नहीं है, अपितु एक स्वतन्त्र व्यवसाय के रूप में तेजी से उभरा है। व्यक्ति चित्रण के साथ-साथ यह जर्नलिज्म का एक महत्वपूर्ण अंग है। इसका उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधानों, तकनीकी क्रियाओं को स्पष्ट करने एवं अध्ययन करने में नया शिक्षण कार्य के अपेक्षाकृत सुगम बनाने एवं प्रभावकारी बनाने में हो रहा है। छाया-चित्रण का अध्ययन न केवल व्यक्तिगत विकास एवं सौन्दर्यबोध को प्रखर करने में सशक्त है, अपितु उपार्जन क्षमता भी प्रदान करेगा।

छाया-चित्रण के प्रारम्भिक अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये इसके ज्ञान को निम्नलिखित अध्यायों में निरूपित किया गया है-

(1) स्वरोजगार।

(2) छाया-चित्रण का परिचय, नया संक्षिप्त इतिहास, व्यावसायिक उपयोगिता एवं आधारभूत सम्बन्धित विषयों (फन्डामेन्टल सबजेक्ट्स) का आवश्यक ज्ञान।

(3) छाया-चित्रण सम्बन्धी उपकरणों का ज्ञान एवं प्रकाश संवेदित (फोटो सेन्सिटिव), रासायनिक, योगिकों के उपयोग एवं चित्रण कुशलता सम्बन्धी जानकारी।

(4) बाक्स कैमरा एवं उनके उपयोग की विस्तृत जानकारी, इसमें छाया-चित्रण के लिये कैमरे में बिम्ब उद्भाषित (एक्सपोज) करना तथा रसायनों के उपयोग से फिल्म पर बने बिम्ब से संवेदनशील कागज पर प्रतिबिम्ब निरूपण प्रणाली सम्मिलित है।

(5) छाया-चित्रण सम्बन्धी सहायक उपकरण, प्रकाश के विभिन्न स्रोत तथा चित्र का सुरुचिपूर्ण ज्यामितिक प्रारूप निर्धारण (कम्पोजीशन) करने की जानकारी।

(6) छाया-चित्रण के विभिन्न क्षेत्रों में से वे विशिष्ट क्षेत्रों (1) व्यक्ति चित्र (पोर्ट्रेट) तथा प्राकृतिक दृश्यावली अंकन (लैण्डस्केप) की अपेक्षाकृत विस्तृत जानकारी।

कार्य के अवसर-

(1) स्वरोजगार-

1-फ्रीलान्स फोटो जर्नलिज्म (स्वैच्छिक फोटो पत्रकारिता)

2-कला भवन स्वामित्व

(2) वेतन भोगी रोजगार-

1-छाया चित्रकार के पद पर-

-शोध संस्थानों में,

-औद्योगिक संस्थानों में,

-मुद्रणालयों में,

-संग्रहालयों में, कला भवनों आदि में,

-शिक्षा संस्थानों में,

-समाचार (दैनिक एवं पाक्षिक) पत्र-पत्रिकाओं आदि में।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

1-फोटोग्राफिक रसायन-फिल्म प्रोसेसिंग, डेवलपर स्टाफ बाथ, फिक्सर या हाइपेड तथा हार्डनर, उनके गुण प्रोसेसिंग की विभिन्न विधियां। डेवलपर का कार्य एवं उसमें प्रयुक्त विभिन्न रसायन। एवं फाइनग्रेन डेवलपर।

2-प्रकाश के विभिन्न स्रोत-सूर्य का प्रकाश, सूर्य की विभिन्न स्थितियों में प्रकाश तीव्रता : कृत्रिम प्रकाश विभिन्न प्रकार के फोटो फ्लड स्पाट लाइट तथा इलेक्ट्रानिक फ्लैश।

3-डार्क रूम-तलपट चित्र (ले आउट) प्रयुक्त उपकरण और उनके प्रयोग। इनलार्जर-संरचना तथा उपयोग की विधियां, निगेटिव से फोटो कागज पर बड़ा प्रूफ प्रिन्ट बनाना। इनलार्जिन्ग की विभिन्न तकनीकें, बर्निंग डार्जिंग, साफ्ट फोकस आदि। पोट्रेट-अर्थ पोट्रेट खींचने की विभिन्न विधियां, एक, दो तथा अधिक लैम्पों के प्रकाश का उपयोग, बाउन्स लाइट का प्रयोग, टेबुल टाप फोटोग्राफी करना। कम्पोजीशन। कान्ट्रैक्ट प्रिंटिंग। उपयुक्त कागज का चुनाव। निगेटिव में दोष रिटचिंग।

प्रयोगात्मक-क्रियाकलाप

प्रयोगात्मक लघु-

1-कैमरे (बाक्स) की संरचना का अध्ययन कीजिये एवं चित्र खींचिये (सभी भागों का नाम लिखिये)।

2-कैमरे (बाक्स) का संचालन सीखना।

3-कैमरे के साथ उपयोग होने वाले फ्लैश, एक्सपोजर, मोटर ट्राइपाड स्टैन्ड इत्यादि का अध्ययन।

4-किसी निगेटिव का कन्टेक्ट प्रिंट बनाना।

5-किसी निगेटिव का एन्लार्जमेन्ट बनाना।

6-किसी प्रिंट की ट्रिपिंग तथा ग्लेजिंग तथा पेंटिंग करना।

7-पीले फिल्टर का प्रयोग कर फोटो लेना।

8-बनने के बाद प्रिंट के त्रुटियों (Defect) का अध्ययन तथा साधारण त्रुटियों को दूर करना।

प्रयोगात्मक दीर्घ-

1-कैमरे के शटर स्पीड एवं एपरचर का उद्भासन (एक्सपोजर) समय पर प्रभाव का अध्ययन फोटो खींचकर करना।

2-फोटो खींचकर या रेफ्लेक्ट कैमरे द्वारा (Poster) का फोकस की गहनता Depth तथा Sharpness पर प्रकाश का अध्ययन।

3-एनलार्जर की रचना एवं संचालन का अध्ययन करना, सही उद्भासन समय निकालना एवं ओवर/अन्डर एक्सपोजर का अध्ययन करना।

4-निगेटिव के ग्रेड का अध्ययन तथा प्रिन्ट के लिये विभिन्न पेपर ग्रेड के प्रभाव का अध्ययन।

5-उद्भासन समय पर फिल्म की गति के प्रभाव का अध्ययन।

6-चित्र के कम्पोजीशन का अध्ययन करना।

7-बच्चे, महिला एवं वृद्ध के पोर्ट्रेट खींचना।

8-लैण्डस्कैप फोटो खींचना।

9-डार्क रूम के साज-सामान तथा ले आउट (Lay-out) का अध्ययन करना।

10-डेवलपमेन्ट टाइप का चित्र पर प्रभाव एवं ओवर/अन्डर डेवलपमेन्ट का अध्ययन।

11-बाक्स कैमरे द्वारा कम से कम एक कलर फोटो लेना तथा अध्ययन करना।

12-किसी विषय पर प्रोजेक्ट (Project) करना, जैसे-पोर्ट्रेट, लैण्डस्केप।

पुस्तकों की सूची-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम एवं पता
1	डायमन्ड कम्पलीट फोटोग्राफी	श्रीकृष्ण श्रीवास्तव	डायमण्ड पॉकेट बुक्स, दिल्ली। वितरक-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2	फोटोग्राफी सहज पाठ	अशोक डे	इण्डियन विक्टोरियल पब्लिशर्स, कलकत्ता। वितरक-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3	ट्रिक फोटोग्राफी एण्ड कलर प्रोसेसिंग	ए0 एच0 हाशमी	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ
4	प्रैक्टिकल फोटोग्राफी	ए0 एच0 हाशमी	तदेव
5	गुड फोटोग्राफी	कोडक	तदेव
6	फोटोग्राफी स्पोर्ट्स	,,	तदेव
7	मोवी मेकर एच0 बी0	,,	तदेव
8	दी होम वीडियो पिक्चर	,,	तदेव
9	फोकल गाइड टू वेडिंग	,,	तदेव
10	फोकल गाइड मोवी मेकिंग	,,	तदेव
11	दी फोकल गाइड टू साइड	,,	तदेव
12	दी फोकल गाइड टू एक्शन फोटोग्राफी	,,	तदेव
13	दी पॉकेट गाइड टू फोटोग्राफी चिल्ड्रेन	,,	तदेव
14	गाइड टू परफेक्ट पिक्चर	,,	तदेव
15	वे आफ प्रैक्टिकल फोटोग्राफी	,,	तदेव

(5) ट्रेड-बेकिंग एवं कन्फेक्शनरी

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई 1-

(ग) अच्छे केक के गुण,

इकाई 2-

(ख) बिस्कुट व कुकीज में अन्तर,

विधि-

(क) पोषक तत्वों का नाम-प्रोटीन, कार्बोज, वसा, विटामिन खनिज लवण, जल।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(5) ट्रेड-बेकिंग एवं कन्फेक्शनरी

उद्देश्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(3) छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर-

बेकरी एवं कन्फेक्शनरी व्यवसाय में शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त निम्न रोजगार के अवसर मिल सकते हैं-

(क) वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में-

1-बेकरी उद्योग में नौकरी।
2-होटल/मेस में नौकरी।
3-कच्चे पदार्थों के भण्डारण में प्रभारी के रूप में।

(ख) स्वरोजगार-

1-कुटीर उद्योग में नौकरी।
2-कच्चे माल क्रय-बिक्रय का धन्धा चलाया जा सकता है।
3-बिक्री कार्य में।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई 1-

(क) केक बनाने की विधियों के नाम,
(ख) बटर स्पंज, स्पंज केक (चिकनाई रहित) बनाने की विधि का विस्तृत ज्ञान,
(घ) बाजार का ज्ञान एवं लाभ-हानि की गणना का ज्ञान।

इकाई 2-

(क) बिस्कुट व कुकीज की सामग्री,
(ग) बिस्कुट व कुकीज के प्रकार-ड्राप कुकीज, रोल्ड बिस्कुट,
(घ) बिस्कुट व कुकीज का भण्डारण।

इकाई 3-

विभिन्न प्रकार की पेस्ट्रियों के नाम-
(क) शार्टक्रस्ट पेस्ट्री, पफ पेस्ट्री का विस्तृत ज्ञान,
(ख) इन विधियों से बनने वाले पदार्थ का नाम-जैम टार्ट्स, एपिल पाई।
वेजीटेबिल पैटीज़, क्रीम रोल, खारा बिस्कुट, चीनी से बनने वाले कन्फेक्शनरी पदार्थ-सुगर बाल्स व टाफ बनाने की विस्तृत विधि-
(ख) पोषक तत्वों के प्राप्ति के स्रोत, कमी से होने वाले रोग।
(ग) बेकरी उद्योग की स्वच्छता।
(घ) व्यक्तिगत स्वच्छता।

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

लघु प्रयोग-

1-कोकोनट कुकीज
2-कैश्यूनट कुकीज
3-कैश्यूनट बिस्कुट

4-जीरा बिस्कुट
5-वाटर स्पंज केक
6-स्वीस रोल
7-डेकोरेटिव पेस्ट्री
8-रायल आइसिंग, क्रीम आइसिंग
9-गम-पेस्ट
10-मिल्क टाफी

दीर्घ प्रयोग-

1-ब्रेड, स्ट्रेंट, डी विधि से
2-फ्रूट बन्स
3-स्वीट बन्स
4-ब्रेड रोल
5-फ्रूट केक
6-बेजीटेबिल पैटीज
7-हाटक्रास वन्स
8-पाइन एपिल पेस्ट्री
9-बर्थ डे केक (विथ आइसिंग)

संस्तुत पुस्तकें-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम	मूल्य
				रु0
1	अप-टू-डेट कन्फेक्शनरी इण्डस्ट्रीज		यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	30.00
2	दि सुगम बुक आफ बेकिंग	. .	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	20.00
3	बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी सिद्धान्त एवं विधियां	सुश्री अतिउत्तमा चौहान	हिन्दी प्रचारक संस्थान, सी0 21/30, पिशाचमोचन, वाराणसी-221010, पो0 बा0 1106, पिशाचमोचन, वाराणसी	50.00
4	किचन गाइड	. .	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	70.00
5	बेकिंग	बी0 एस0 अग्निहोत्री	कृषि साहित्य प्रकाशन, नरही, लखनऊ	50.00
6	बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी	राम किशोर अग्रवाल	भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ, 142, विजय नगर, वेस्टर्न कचेहरी रोड, मेरठ	85.00

(6) ट्रेड-मधुमक्खी पालन

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2021-22 में विद्यालयों में समय से पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः-

इकाई 1-

आधुनिक मधुमक्खी पालन की अनिवार्यतायें, मौसम के अनुसार कृषि औद्योगिक, प्राकृतिक (जंगली) एवं सामान्य मौनचरी (फलों) का अध्ययन, मधुमक्खियों का पर-परागण में योगदान-मधुमक्खी परिवार (मौनवंश) की पैकिंग तथा विशेष फूलों का लाभ लेने एवं इनका माइग्रेशन।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

(6) ट्रेड-मधुमक्खी पालन

उद्देश्य-

(1) मधुमक्खी पालन औद्योगीकरण की जानकारी प्राप्तकर बढ़ती हुई बेरोजगारी को दूर करना एवं बेरोजगारी दूर करने के लिये अन्य राष्ट्रीय योजनाओं को छात्रों को समझाना।

(2) शुद्ध मधु, मोम उत्पादन की मात्रा की वृद्धि करना तथा बिक्री करके प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि करना तथा बच्चों को उद्यमिता प्रदान कर उद्यमी बनाना।

(3) बच्चों, बीमार एवं कमजोर व्यक्तियों के लिये उपयोगी वस्तु (मधु), औषधि एवं पौष्टिक उत्पादन करके आय में वृद्धि करना।

(4) ग्रामीण अंचलों के निर्धनों के लिये आय का साधन स्रोत।
(5) कम पूंजी लगाकर मधुमक्खी पालन कर शहद के रूप में फूलों के रस को एकत्रित करना।
(6) मधुमक्खी पालन उद्योग में दक्षता, निपुणता प्राप्त कर जीविकोपार्जन के लिए उत्तम बनाना।
(7) मधुमक्खी पालन उद्योग के लिए मौन गृह, छोटे उपकरणों का ज्ञान प्राप्त करना।

(8) मधुमक्खी पालन द्वारा किसानों एवं बागवानी की फसलों, फलों का उत्पादन 20% से 30% तक वृद्धि करने का ज्ञान प्राप्त कराना।

(9) मोम-पराग, रायल जेली, मौन विष प्रोपेजिन का ज्ञान, उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।

रोजगार के अवसर-

(क) वेतनभोगी-

1-मधुमक्खी पालक सहायक
2-मौन पालक प्रदर्शक
3-सहायक मौन पालक
4-सहायक काष्ठ कला प्रशिक्षक या शिक्षक
5-सहायक मधु विकास निरीक्षक
6-मधुमक्खी पालक शिक्षक या प्रशिक्षक
7-मधु विकास निरीक्षक
8-शोध सहायक (मधुमक्खी पालन)

(ख) स्वरोजगार-

1-मधु मोम उत्पादक
2-मोमी छत्तादार उत्पादक
3-मौन गृह एवं उपकरण निर्माणकर्त्ता एवं विक्रेता
4-पराग, रायल, जेली, मोम विष उत्पादक
5-मौन वंश प्रजनन करके विक्रय करना
6-शहद, मोम, रायल जेली से औषधि निर्माण करना

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय पर, आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई 2-

मौन की बीमारियों जैसे अष्टपदी (एकरीन) नौसीमा, पेचिस, अमेरिकन, यूरोपियन फाउल वड, सक वड इत्यादि की पहचान, सुरक्षा के उपाय एवं उपचार।

मौनों के शत्रुओं जैसे मोमी पतिंगा, बर्रे, चीटें, पक्षी (बी-इंटरकिंमक्रा), ड्रैगर-प्लाई की पहचान, सुरक्षा के उपाय एवं रोकथाम।

इकाई 3-

मधुमक्खी पालन के उपकरण-विभिन्न प्रकार के मौन-गृह, मोमी, छत्तादार, मुंहरक्षक जाली, दस्ताना, रानी अवरोधक जाली, धुर्वाकार न्यूक्लियस, मौन वाहक पिंजड़ा, क्वीन केज, ड्रोन टेप इत्यादि की उपयोगिता।

मधु की किस्में, इसमें पाये जाने वाले तत्व, उपयोगिता, अधिक शहद उत्पादन के सिद्धान्त, मोम, पराग, रायल-जेली एवं मौन विष (बी-वेनम) की उपयोगिता, मधु मोम का परिष्करण (प्रोसेसिंग), मधु का आई0एस0आई0 मार्क (एगमार्क) के द्वारा प्रमाणित कर शहद की पैकिंग एवं विपणन करना।

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

(क) लघु प्रयोग-

1-विभिन्न मधुमक्खियों की जातियों की पहचान कराना और अभ्यास पुस्तिका पर उनका चित्र बनाना।
2-मौन के जीवन-चक्र (अण्डा, लार्वा, प्यूपा एवं वयस्क) की पहचान कराना।
3-मधुमक्खी का वाह्य शरीर का चित्र बनाना और उसके प्रत्येक अंगों की प्रयोगात्मक कार्य कराना।
4-मौन परिवार में प्रत्येक सदस्य (कमेरी, नर और रानी) की पहचान कराना।
5-भारतीय एवं इटलियन मौन गृह निर्माण के सिद्धान्त (मीनान्तर) आकार को बताना।
6-मधु निष्कासन यन्त्र का चित्र बनवाना तथा शहद निकालने की विधि का प्रयोगात्मक कार्य कराना।
7-मौसमवार फूलों का सर्वे कराना तथा इसकी पर-परागण क्रियाओं में मौनों के योगदान को बताना एवं पुष्प संग्रह कराना।

(ख) लघु प्रयोग-

1-रानी, कमेरी एवं नर के छत्तों की पहचान कराना।
2-तलपट, शिशु खण्ड, मधु खण्ड, डमों, इनर कवर, ऊपर ढक्कन, फ्रेम की पहचान कराना।
3-मधुमक्खी की शत्रु बर्रे, मोमी पतिंगा, छिपकली, चीटें, हानिकारक पक्षियों की पहचान कराना।
4-क्वीन केज, न्यूक्लियस, मौन वाहक पिंजड़ा, हाइवटुल, मुंहरक्षक जाली, दस्ताने, प्यालिय, क्वीन गेट इत्यादि उपकरणों की पहचान कराना।
5-विभिन्न प्रकार के शहद जैसे सरसों युक्लिप्टस, शहजन, नींबू प्रजाति, सूरजमुखी, बेर, लीची, नीम एवं मिश्रित फलों की शहद का पहचान कराना।

पुस्तकों की सूची

1-प्रारम्भिक मौन पालन	ले0 योगेश्वर सिंह
2-प्राइमरी लेशन आफ बी कीपिंग	. .
3-बी कीपिंग आफ इण्डिया	डा0 सरदार सिंह
4-सफल मौन पालन	श्री बच्ची सिंह राव

5-रोचक मौन पालन	,,
6-मौन पालन प्रश्नोत्तरी	,,
7-मधुमक्खी की मनोहारी संसार	डा0 विष्ट (आई0सी0आई0 प्रकाशन)
8-रोगों की अचूक दवा शहद	डा0 हीरा लाल

(7) ट्रेड-पौधशाला

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई 1-

- वृद्धि नियामक (ग्रोवरेगुलेटर)-महत्व एवं प्रयोग विधि की जानकारी।

इकाई 2-

- पौधबन्दी (पैकिंग) तथा परिवहन में अपनाई जाने वाली सावधानियों का ज्ञान।
- पौधशाला की लोकप्रियता बढ़ाने के सम्बन्ध में जानकारी।

इकाई 3-

- पौधशाला के पंजीकरण के प्रसंग में जानकारी।
- पौधशाला का आय-व्यय तैयार करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(7) ट्रेड-पौधशाला

उद्देश्य-

(1) छात्रों के उद्यमिता के सम्बन्ध में सामान्य जानकारी कराना।
(2) पौधशाला व्यवसाय की प्राविधिक जानकारी कराना।
(3) उन्नत किस्म के अधिकाधिक पौधे तैयार करना।
(4) कम पूंजी से अधिक उत्पादन करना तथा अधिक लाभ प्रदान करने की दिशा में अग्रसर होना।
(5) पौधशाला व्यवसाय में दक्षता प्राप्त करना तथा साथ ही साथ 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त व्यवसाय के चयन में सहायक होना।
(6) भूमि सुधार एवं पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करना।
(7) श्रम के प्रति आस्था उत्पन्न करना।
(8) आत्म-निर्भर बनाना।
(9) एक कुशल नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में सहायक होना।
(10) विद्यालय में एक सुसज्जित उद्यान का निर्माण।

रोजगार के अवसर-

पौधशाला व्यवसाय की शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त निम्नांकित रोजगार के अवसर मिल सकते हैं-

(क) वेतनभोगी-

1-माली का कार्य करना।
2-पौधशाला प्रभारी का कार्य करना।
3-पौधशाला में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी का अवसर प्राप्त करना।

(ख) स्वरोजगार-

1-अपनी पौधशाला तैयार करना।
2-बीजोत्पादन तथा बीज व्यवसाय अपनाना।
3-पौधशाला उद्योग सम्बन्धी यंत्रों, उपकरणों, उर्वरकों तथा कीटनाशकों के क्रय-विक्रय की दुकान चलाना।
4-थोक एवं फुटकर पौध आपूर्ति का कार्य करना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई 1-

- पौध प्रवर्द्धन-परिभाषा, महत्व एवं वर्गीकरण।
- लैंगिक प्रवर्द्धन-परिभाषा, लाभ-हानि, बीज प्राप्ति एवं चुनाव, बीज परीक्षण, अंकुरण, क्षमता, बीजोपचार एवं बीज की बोआई।
- अलैंगिक (वानस्पतिक प्रजनन)-परिभाषा, लाभ-हानि। अलैंगिक विभिन्न विधियां-कलम, गूटी, कलिकायन, भेंट कलम, अलगाव (सेपरेशन), टुकड़ीकरण (डिवीजन) का ज्ञान।

इकाई 2-

- पौध विपणन-परिभाषा तथा पौध विपणन की विधियों का अध्ययन।
- पौध निकालने में सावधानियां।

इकाई 3-

- ऋण प्रदान करने वाले संस्थाओं का ज्ञान।
- पौधाशाला की योजना बनाना।
- ऋतुवार लगाये जाने वाले पौधों की सूची तैयार करना।

- पौधशाला में उगाये जाने वाले पौधों के सम्बन्ध में मिट्टी, खाद, प्रजातियां, बीजदर, पौध तैयार होने का समय, पौधारोपण, पौध सुरक्षा के सन्दर्भ में जानकारी।
- पौधशाला सम्बन्धी विभिन्न अभिलेखों की जानकारी।

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

(अ) लघु प्रयोग-

1-गमला मापन।
2-गमला भरना।
3-बीजों की पहचान।
4-बीजों की शुद्धता की जांच।
5-उपकरणों की पहचान।
6-पौधों (सब्जी, फलदार, फूल शोभाकार तथा छायादार) एवं वानिकी पौधों की पहचान।
7-खाद एवं उर्वरक की पहचान।
8-मिट्टी की पहचान।

(ब) दीर्घ प्रयोग-

1-आदर्श नमूना बरसदी का रेखांकन।
2-बीज शैय्या बनाना।
3-ऋतुवार बीज शैय्या बनाना।
4-ऋतुवार गमला मिश्रण तैयार करना।
5- तना कलम तैयार करना।
6- गूटी लगाना।
7- क्रलिकायन से पौधे तैयार करना।
8-भेंट कलम से पौधे तैयार करना।
9-पौध रोपण।
10-गमले एवं क्यारी से पौधे निकालना।
11-पौधबन्दी (पैकिंग) करना।
12-पौधशाला भ्रमण।
13-अभिलेख तथा आय-व्यय तैयार करना।

पुस्तकों की सूची-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक
1	भारत में फलों की खेती	ड0 एम0 एल0 लावानिया	सिंघल बुक डिपो, बड़ौत, मेरठ।
2	सब्जियों एवं पुष्प उत्पादन	डा0 के0 एन0 दुबे	भारती भण्डार, बड़ौत, मेरठ।
3	पौधशाला औद्योगिकी	डा0 ओमपाल सिंह	अलंकार पुस्तक भवन, बड़ौत, मेरठ।
4	पौधशाला व्यवसाय	श्री कोठारी एवं श्री ए0 बी0 श्रीवास्तव	रंजना प्रकाशन मन्दिर, आगरा।
5	नर्सरी मैनुअल	डा0 गौरी शंकर	इलाहाबाद।
6	फल विज्ञान	डा0 रामनाथ सिंह	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।
7	उद्यान विज्ञान	श्री गंगा महेश मिश्र	राम नारायण लाल, इलाहाबाद।

(8) ट्रेड-आटो मोबाइल

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई 5-

गैराज, शोरूम एवं स्पेयर विक्रय केन्द्र की स्थापना एवं संचालन से सम्बन्धित जानकारी, वित्तीय सहायता प्राप्त करने की विधियां।

इकाई 7-

-ऑटोमोबाइल व हमारा पर्यावरण-वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने की आवश्यकता एवं महत्व।
-प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र का महत्व।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(8) ट्रेड-आटो मोबाइल

उद्देश्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।

(3) छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपर्युक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों को कार्य-संस्कृति के प्रति आदर भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर-

(1) आटो मैकेनिक के रूप में।
(2) सेल्समैन के रूप में।
(3) अपना रिपेयर वर्कशाप एवं गैराज का संचालन।
(4) शोरूम स्थापित करना।
(5) स्पेयर पार्ट के विक्रेता के रूप में।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर परीक्षा होगी। इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांक-50 अंक

इकाई 1- **10 अंक**

ऑटोमोबाइल की स्नेहन प्रणाली, गवर्निंग सिस्टम, विद्युतीय प्रणाली, बैटरी, तारस्थापन, बत्ती सिस्टम, ए0सी0 एवं हीटिंग सिस्टम।

इकाई 2- **10 अंक**

इंजन आयल के गुण, नाम, इंजन आयल बदलना।

इकाई 3- **10 अंक**

अनुरक्षण एवं बाधा खोज-अनुरक्षण के महत्व एवं प्रकार, सर्विसिंग एवं ओवर हॉलिंग, विभिन्न अवयवों में दोष ढूढ़ना, उनके कारण एवं बचाव, मरम्मत के औजार एवं उपकरणों के नाम, बनावट एवं कार्य।

इकाई 4- **10 अंक**

कार्यशाला के मूल कार्य जैसे कटिंग, फाइलिंग, ड्रिलिंग, बेल्डिंग, ग्राइंडिंग का संक्षिप्त परिचय। मापन एवं परीक्षण विधियां।

इकाई 6- **10 अंक**

-सड़क सुरक्षा नियम का महत्व व नियम।
-सुरक्षित ड्राइविंग का महत्व व नियम।
-ट्रैफिक के नियम व यातायात चिन्ह, ट्रैफिक अधिनियम के प्रमुख प्राविधान।
-वाहनों का रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की विधि व आवश्यकता।

प्रयोगात्मक- **50 अंक**

(1) कारवोरेटर का अध्ययन करना।
(2) स्कूटर/मोपेड में दोष ढूढना एवं मरम्मत करना।
(3) बैट्री चार्जिंग कराने का अध्ययन तथा पानी चेक करना।
(4) लाइट का फोकस एडजस्ट करना एवं बल्ब लगाना।
(5) ब्रेक एडजस्ट करने का अध्ययन करना।
(6) मोपेड आदि गाड़ी का ड्राइविंग करना।
(7) ट्रैफिक नियमों का अध्ययन करना।
(8) पंचर जोड़ बनाना, हवा भरना तथा हवा के दबाव को मापना।
(9) स्कूटर व कार की धुलाई, सर्विसिंग करना।
(10) कार के स्टेरिंग प्रणाली का अध्ययन करना।

संस्तुत पुस्तकें-

(1) ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	. .	कृष्ण नन्द शर्मा
(2) ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	. .	सी0 बी0 गुप्ता
(3) ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	. .	धनपत राय एण्ड शुक्ला
(4) बेसिक ऑटोमोबाइल	. .	सी0 पी0 बक्स

(9) ट्रेड-धुलाई-रंगाई

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई 1-

(5) संश्लेषित कपड़ों के रंग और रंगने की तकनीक।

इकाई 2-

(1) विभिन्न प्रकार के रंगों का अध्ययन करना-
[6] खनिज रंग
[7] रिऐविच्व रंग (प्रोशियन)
[8] प्रारम्भिक रंग और डायरेक्ट रंग

इकाई 3-

(1) विभिन्न प्रकार के कपड़ों की गीली धुलाई की तकनीक-

[4] कृत्रिम

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(9) ट्रेड-धुलाई-रंगाई

उद्देश्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(3) छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर-

(क) वेतनभोगी रोजगार-

1-रंगाई-धुलाई की दुकानों में सहायक कर्मचारी के पद पर कार्य कर सकता है।
2-रंगाई के कारखाने में रंगाई मास्टर के पद पर कार्य कर सकता है।
3-सरकारी संस्थाओं में वस्त्र सफाई विभाग में कार्य प्राप्त कर सकता है।

(ख) स्वरोजगार-

1-ड्राई क्लीनिंग की दुकान खोलने में सहायक हो सकता है।
2-ड्राइंग (रंगाई) की दुकान खोलने में सहायक हो सकता है।
3-चरक की दुकान या उद्योग लगाने में सहायक हो सकता है।
4-कम लागत में इस्तरी करने, माड़ी लगाने की दुकान खोलकर कार्य कर सकता है।
5-रंगाई-छपाई का छोटा सा रोजगार कर सकता है।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई 1-

(1) कपड़ों में रंगों तथा रंग योजना का महत्व तथा तालमेल का अध्ययन करना।
(2) रंगों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव एवं रासायनिक प्रभाव।
(3) पक्के एवं कच्चे रंगों का अध्ययन।
(4) सूती, ऊनी, रेशमी कपड़ों की रंगाई का अध्ययन।

इकाई 2-

(1) विभिन्न प्रकार के रंगों का अध्ययन करना-

[1] प्राकृतिक रंग
[2] एसिड रंग
[3] वेट रंग
[4] नेप्थाल रंग
[5] माडेन्ट रंग

(2) रंगाई-धुलाई में शैड कार्ड बनाना।

इकाई 3-

(1) विभिन्न प्रकार के कपड़ों की गीली धुलाई की तकनीक-

[1] सूती
[2] ऊनी
[3] रेशमी

(2) सूखी धुलाई-उपकरण, तकनीक और वस्त्रों को तैयार करना (विभिन्न प्रकार के कपड़ों के लिये)।

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

(1) विभिन्न वस्तुओं का संग्रह एवं पहचानना (देखकर व जलाकर) :
(क) वनस्पति वस्तु।
(ख) पशु से प्राप्त होने वाले तन्तु।
(ग) खनिज तन्तु।
(घ) कृत्रिम तन्तु।

(2) विभिन्न धागों का संग्रह-साधारण प्लाई।
(3) विभिन्न प्रकार के वस्त्रों और शेड कार्ड को संग्रहीत करके फाइल बनाना।
(4) विभिन्न प्रकार के कपड़ों को रंगना (15´×25″) (सूती, रेशमी, ऊनी, कृत्रिम कपड़े धोना, सुखाना, प्रेस व तह लगाना)।
(5) नील लगाना, कलफ लगाना।
(6) दाग छुड़ाना-
[1] चाय
[2] काफी
[3] हल्दी
[4] जंक
[5] रक्त
[6] मशीन का तेल
[7] स्याही
[8] अण्डा
[9] पान
[10] ग्रीस
(7) धागे को रंगना-सूती, ऊनी।
(8) डायरेक्ट रंगों के विभिन्न रंगों के मिश्रण द्वारा डिजाइन बनाना-6 नमूने (15″×15″) (टाई ऐण्ड डाई प्रिंटिंग द्वारा)।
(9) नेप्थाल रंगों के द्वारा एक नमूना तैयार करना (15″×15″)।
(10) फेडिंग परीक्षण (सूती, ऊनी, रेशमी, रेयान) (4″×4″)।
(11) सूखी धुलाई-शाल, स्वेटर, रेशमी, फैन्सी कपड़े।
(12) टेक्सचर के द्वारा रंगाई (6 नमूने) (12″×12″)।
(13) पुराने कपड़े को पुनः रंगकर ब्लाक प्रिंटिंग द्वारा आकर्षित बनाना।
(14) गीली धुलाई-सूती, ऊनी, रेशमी, कृत्रिम।

(क) लघु प्रयोग-

(1) डायरेक्ट रंगों द्वारा रंगाई (एक रंग में)।
(2) कपड़ों की पहचान (छूकर व देखकर)।
(3) साधारण व प्लाई धागों की पहचान।
(4) जलाकर कपड़ों का परीक्षण।
(5) फेडिंग परीक्षण 3/4 घण्टा।
(6) तह लगाना।
(7) इस्तरी करना।
(8) माड़ी लगाना।
(9) ब्लाक प्रिंटिंग (एक नमूना)।
(10) टेक्सचर तैयार करना (दो नमूना)।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

(1) नेप्थाल रंगों द्वारा रंगाई।
(2) सूती कपड़ों को रंगना।
(3) ऊनी कपड़ों को रंगना।
(4) रेशमी कपड़ों को रंगना।
(5) धागों को रंगना-सूती, ऊनी।
(6) नील लगाना।
(7) कलफ लगाना।
(8) चरक लगाना।
(9) सूखी धुलाई।
(10) गीली धुलाई-सूती, ऊनी, रेशमी, कृत्रिम कपड़े।

पुस्तकों की सूची-

क्रमांक	नाम	लेखक	प्रकाशक
1	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान	डा0 प्रमिला वर्मा	प्रकाशक, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना विश्वविद्यालय प्रकाशन।
2	वस्त्र विज्ञान एवं धुलाई कार्य	श्री आनन्द वर्मा	रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर, वितरक-विश्वविद्यालय प्रकाशन।
3	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान	श्रीमती लोकेश्वरी शर्मा	स्वास्तिक प्रकाशन, अस्पताल मार्ग, आगरा-3।
4	वस्त्र धुलाई विज्ञान	. .	युनिवर्सल सेलर, हजरतगंज, लखनऊ।
5	दी केमिकल टेक्नालॉजी आफ टेक्सटाइल फाइबर्स	श्री आर0 आर0 चक्रवर्ती	कैक्सटन प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-55।

(10) ट्रेड-परिधान रचना एवं सज्जा

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई एक-

(क) नाप लेते समय ध्यान देने वाली योग्य बातें, नाप लेने के तरीके-

[ब] डायरेक्ट सिस्टम।

(ख) सिलाई की मशीन की सामान्य जानकारी-

[अ] मशीन के पुर्जों का ज्ञान।

इकाई 2-

(1) विभिन्न प्रकार के रंगों का अध्ययन करना-

[6] खनिज रंग

[7] रिऐविच्व रंग (प्रोशियन)

[8] प्रारम्भिक रंग और डायरेक्ट रंग

इकाई तीन-

(1) सिलाई कार्य में उपयोग में आने वाली वस्तुओं की जानकारी-

(द) सिलाई कार्य में रचना फिटिंग, प्रेसिंग, फिनिशिंग तथा फोल्डिंग का महत्व।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(10) ट्रेड-परिधान रचना एवं सज्जा

सामान्य उद्देश्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(3) छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

विशिष्ट उद्देश्य-

(1) परिधान रचना एवं सज्जा ट्रेड के द्वारा बच्चों में सिलाई विषय से सम्बन्धित जागरूकता उत्पन्न करना।
(2) भविष्य में प्रचलित फैशन के अनुसार विभिन्न डिजाइनों के वस्त्रों के निर्माण के कौशल का विकास करना।

रोजगार के अवसर-

(क) वेतनभोगी रोजगार-

[1] अपने विषय से सम्बन्धित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण देना।

[2] किसी रेडीमेड गारमेन्ट फैक्ट्री में वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में कार्य करना।

(ख) स्वरोजगार-

[1] सिलाई का कार्य घर पर ही करके बचत करना।

[2] बाजार में दुकानों से आर्डर लेकर वस्त्र तैयार करके आय प्राप्त करना।

[3] सिलाई शिक्षा से सम्बन्धित स्कूल चलाना।

[4] विद्यालयों से यूनीफार्म को तैयार करने का आर्डर लेना।

[5] सिलाई के उपकरणों की मरम्मत से सम्बन्धित केन्द्र खोलना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई एक-

(क) नाप लेते समय ध्यान देने वाली योग्य बातें, नाप लेने के तरीके-

[अ] चेस्ट सिस्टम।

सामान्य व्यक्तियों की नापें, असामान्य व्यक्तियों की नापें (तोंदिल व्यक्ति, झुका कंधा, ऊँचा कंधा, कूबड़दार ब्यक्ति)

(ख) सिलाई की मशीन की सामान्य जानकारी-

[ब] मशीन के पुर्जे खोलकर उनकी सफाई का ज्ञान।

[स] मशीन की साधारण खराबियों को दूर करने की योग्यता।

(ग) सिलाई के विभिन्न टांके-कच्चा, बखिया, तुरपन, पीको, काज, इण्टरलॉक।

इकाई दो-

(क) वस्त्रों का चुनाव-आयु, मौसम, कद, विशेष अवसरों पर पहनने वाले वस्त्रों का चुनाव।

(ख) वस्त्रों की विशेषता के अनुसार विभिन्न प्रकार की पोशाकों के लिये उनका चयन करना।

(ग) कपड़ा काटने के पूर्व ड्राफ्टिंग पेपर कटिंग तथा पैटर्न तैयार करने से लाभ, विभिन्न प्रकार के वस्त्रों (जैसे शाटन, मखमल, नायलॉन, ऊनी) को काटने, सिलते समय सावधानियाँ।

इकाई तीन-

(1) सिलाई कार्य में उपयोग में आने वाली वस्तुओं की जानकारी-

(अ) कैंची, इंची टेप, गुनिया, मिल्टन चाक, मार्किंग व्हील, अंगुस्ताना, कटिंग मेज, प्रेस, विभिन्न प्रकार की सुईयां, धागे, फ्रेम।

(ब) सिलाई क्रिया में प्रयुक्त होने वाले शब्दों का ज्ञान-अर्ज, अस्तर, ड्रामिंग, औरेब, चाक, गिदरी, हाला, पैजिंग, तावीज, दमफ्राक, जिग-जैग, फ्रिल, डांट डक्स पाइपिंग।

(स) कढ़ाई के टांकों का ज्ञान-लेजी, डेजी, रनिंग स्टिच, स्टेम स्टिच, चेन स्टिच, क्रास स्टिच, साटन स्टिच, शैडो वर्क पैच वर्क, कॉज स्टिच, शैड वर्क।

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप

लघु प्रयोग-

1-विभिन्न प्रकार के सिलाई टांका-कच्चा टांका, बखिया, तुरपन, पीको, काज, टांका।

2-कढ़ाई के टांके-लेजी, डेजी, रनिंग स्टिच, स्टेम स्टिच, चेन स्टिच, क्रास स्टिच, कॉज स्टिच, शैडो वर्क, साटन स्टिच, पैड वर्क, शैड वर्क।

3-उपरोक्त कढ़ाई के टांकों से छः रूमाल बनाना।

4-रफू करना।

5-पैबन्द लगाना।

6-कलोट-काटना, सिलना।

7-विब-काटना, सिलना।

8-चड्ढी-काटना, सिलना।

9-झबला-काटना, सिलना।

10-मशीन के पुर्जों को खोलना, सफाई करना तथा मशीन में तेल डालना।

दीर्घ प्रयोग-

1-बेबी शमीज

2-पैजामा (एक मीटर कपड़े का)।

3-बेबी फ्राक।

4-गर्ल्स फ्राक।

5-पेटीकोट।

6-हैंगिंग बैग।

नोट :-उपरोक्त वस्त्रों की ड्राफ्टिंग, कटिंग, सिलना तथा उनकी सज्जा करना तथा रूमाल, पेबन्द, रफू की बनाकर रिकार्ड फाइल में रखना।

मौखिक प्रश्नोत्तर-लघु तथा दीर्घ प्रयोगों से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर।

पुस्तकों की सूची-

क्रमांक	नाम	लेखक व प्रकाशक	मूल्य
			रु0
1	परिधान रचना एवं सज्जा	श्रीमती चरन दासी, स्वास्तिक प्रकाशन, आगरा	13.50
2	गृह विज्ञान का सामान्य ज्ञान	श्रीमती स्वराज्य लता सिंह, स्वास्तिक प्रकाशन, आगरा	35.00
3	परिधान रचना एवं सज्जा	श्रीमती अनामिका सक्सेना, भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ	18.00
4	आधुनिक सिलाई एवं कढ़ाई विज्ञान	श्री एम0 ए0 खान, पुस्तक प्रकाशन मन्दिर, इलाहाबाद	15.00
5	अनमोल सिलाई कला परिचय	श्री असगर अली, गर्ग प्रकाशन, इलाहाबाद	18.00
6	रेपिडक्स टेलरिंग कोर्स	श्रीमती आशारानी बोहरा	68.00

(11) ट्रेड-खाद्य संरक्षण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई -1

(3) पेक्टिन परीक्षण।

(8) खाद्य पदार्थों के आवागमन में प्रयोग होने वाली पैकेजिंग सम्बन्धी जानकारी।

इकाई -2

(3) शीत, शीतोष्ण एवं उष्ण जलवायु में उगाये जाने वाले फल एवं तरकारियों का सामान्य परिचय।

(4) विभिन्न खाद्य पदार्थों, फल, तरकारियों, मांस, मछली, छोला, पुलाव के संरक्षण का साधारण परिचय।

(5) खाद्य संरक्षण में बचे अवशेष निरर्थक भागों का उपयोग।

(8) मसाला उद्योग का सूक्ष्म परिचय।

इकाई -3

(3) बड़ी, पापड़, चिप्स बनाने एवं संरक्षण के उपाय।
(5) तैयार खाद्य पदार्थों का अल्पकालिक संरक्षण।
(6) आटा, मैदा, सूजी, दलिया की पहचान तथा उत्पादों के लिए उपयुक्त गुणवत्ता।
(7) सोयाबीन से निर्मित पदार्थों का सूक्ष्म परिचय।
(8) दूध से निर्मित पदार्थ-खोया, पनीर का सामान्य परिचय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(11) ट्रेड-खाद्य संरक्षण

उद्देश्य-

1-छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
2-छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
3-छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
4-छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
5-छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
6-छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।
7-अधिक उपज से उगाने के बाद बचे हुये फल और सब्जियों का संरक्षण करना।
8-खाद्य संरक्षण द्वारा पौष्टिक भोजन की कमी को पूरा करना।
9-बेमौसम में भी सुरक्षित सभी सब्जियों और फलों को उपलब्ध कराना।

रोजगार के अवसर-

1-खाद्य संरक्षण सम्बन्धी इकाई में रोजगार मिल सकता है।
2-खाद्य संरक्षण में दक्षता अर्जित कर छात्र अपना निजी व्यवसाय चला सकता है।
3-अचार, मुरब्बा, मांस आदि विभिन्न प्रकार के संरक्षित खाद्य पदार्थ तैयार कर डिब्बा बन्दी कर बाजार में आपूर्ति कर सकता है।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों को सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायगी।

इकाई-1

(1) स्थायी तथा अस्थायी संरक्षण की विधियां।
(2) जेम, जेली, मार्मलेड बनाने की विधि।
(4) फलों के रस, टमाटर रस, स्क्वैश, शर्बत आदि का संरक्षण।
(5) मुरब्बा एवं कैण्डी।
(6) अचार तथा सिरका का सामान्य ज्ञान।
(7) टमाटर से विभिन्न पदार्थ।

इकाई-2

(1) फल एवं तरकारियों की डिब्बा बन्दी का सामान्य ज्ञान।
(2) खाद्य रंग, कृत्रिम एवं प्राकृतिक रंग का सामान्य परिचय।
(6) सुरक्षित खाद्य पदार्थों की पौष्टिकता का महत्व।
(7) संरक्षण हेतु विभिन्न प्रकार की पैकेजिंग वस्तुओं का उपयोग।

इकाई-3

(1) दालें, अनाज, तिलहन वाली फसलों का सामान्य ज्ञान एवं संरक्षण।
(2) मांस, मछली, मुर्गी, अण्डा आदि पदार्थों के विषय, परिचय एवं संरक्षण का प्रारम्भिक ज्ञान।
(4) केक, पेस्ट्री, बिस्कुट, नान-खटाई बनाने की साधारण विधियां।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(क) दीर्घ प्रयोग-

1-जैम बनाना
2-मुरब्बा बनाना
3-अचार बनाना
4-शर्बत बनाना
5-प्युरी एवं टमाटर सॉस बनाना
6-मटर, गाजर, अमचुर सुखाने की विधियां
7-कृत्रिम सिरका
8-फलों के रस एवं गूदे का संरक्षण
9-दलिया, चिप्स, पापड़, बरी बनाना एवं संरक्षण
10-पनीर निर्माण

(ख) लघु प्रयोग-

1-हिफरेक्ट्रोमीटर का उपयोग
2-निकल्स हाइड्रोमीटर का उपयोग
3-सूक्ष्मदर्शी यंत्र के विभिन्न भागों का परिचय
4-पी0 एच0 पेपर का महत्व एवं उपयोग
5-पेक्टिन परीक्षण
6-विभिन्न खाद्य पदार्थों की पहचान
7-असमेसिस साधारण प्रयोग
8-खाद्य संरक्षण में उपयोग होने वाले तापमापी का उपयोग, प्रेशर कुकर का ज्ञान।

संस्तुत पुस्तकें-

		रु0
(1) फल एवं सब्जी संरक्षण	ले0 डा0 गिरधारी लाल डा0 सिद्धाप्पा एवं गिरधारी लाल टंडन	45.00
(2) फल संरक्षण	एस0 एम0 भाटी	30.00
(3) फल संरक्षण (प्रयोगात्मक)	बी0 एम0 अग्निहोत्री	15.00
(4) फल संरक्षण विज्ञान	बी0 एम0 अग्निहोत्री	25.00
(5) फल परिरक्षण सिद्धान्त एवं विधियां	डा0 श्याम सुन्दर श्रीवास्तव	100.00
(6) आहार एवं पोषण विज्ञान	विमला वर्मा	50.00

(12) ट्रेड-एकाउन्टेंसी अंकेक्षण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई -2

संयुक्त स्कन्द कम्पनी परिभाषा, लक्षण एवं भेद।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(12) ट्रेड-एकाउन्टेंसी अंकेक्षण

उददे्श्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को स्वरोजगार करने हेतु मानसिक रूप से तैयार करना।
(3) 10+2 स्तर पर ट्रेड चयन करने हेतु छात्रों की सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।
(6) वेतनभोगी रोजगार सहायक रोकड़िया, कनिष्ठ लेखाकार, कनिष्ठ लिपिक, कार्यालय सहायक के रूप में छात्रों को तैयार करना।

रोजगार के आधार-

(क) वेतनभोगी रोजगार तथा सहायक रोकड़िया, कनिष्ठ लेखाकार, कनिष्ठ लिपिक, कार्यालय सहायक आदि के रूप में।
(ख) स्वरोजगार-जैसे छोटे स्तर के व्यापार के हिसाब का रख-रखाव करने के रूप में पाठ्यक्रम का स्वरूप।

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1

(1) लागत लेखांकन-परिभाषा, महत्व तथा पद्धतियां।
(2) लागत के मूल तत्व-सामग्री, श्रम एवं उपरिव्यय का सामान्य ज्ञान।
(3) लागत विवरण एवं निविदा तैयार करना।

इकाई-2

अन्तिम खाते तैयार करना, साधारण समायोजनाओं सहित व्यापार लाभ-हानि तथा चिट्ठा बनाना।

इकाई-3

(ए) अंकेक्षण-परिभाषा, महत्व, उद्देश्य।
(बी) अंकेक्षण गुण एवं योग्यतायें।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(अ) लघु प्रयोग-

(1) नकद रसीद।
(2) डेविट नोट एवं क्रेडिट नोट।
(3) चेक, पे-इन-स्लिप।
(4) टेलीग्राम मनी आर्डर फार्म।
(5) आर0 आर0 ट्रेजरी चालान फार्म।

(6) कैलकुलेटर्स, रेडीरेकनर्स।
(7) डेटिंग मशीन।
(8) नम्बरिंग मशीन।
(9) स्टेपलर्स, पंचिंग मशीन।

(ब) बड़े प्रयोग-

(1) छात्रों को वाउचर प्रदान किये जायें एवं उन्हें तैयार कराया जाय।
(2) क्रय-पुस्तक तैयार करना।
(3) विक्रय पुस्तक तैयार करना।
(4) बीजक एवं विक्रय विवरण बनाना।
(5) खुदरा रोकड़ पुस्तक बनाना।
(6) रोकड़ पुस्तक तैयार करना।
(7) स्टाक रजिस्टर तैयार करना।
(8) पत्र प्राप्ति पुस्तक एवं पत्र प्रेषण पुस्तक तैयार करना।

संदर्भित पुस्तकें-

1-हाई स्कूल बहीखाता एवं व्यापार प्रणाली	लेखक-श्री विजय पाल सिंह
2-अनुपम प्रारम्भिक बहीखाता एवं व्यापार प्रणाली	लेखक-श्री जगन्नाथ वर्मा
3-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्यिक ट्रेड	लेखक-श्री राम प्रकाश अवस्थी
4-लागत लेखांकन	लेखक-डा0 लक्ष्मण स्वरूप

(13) ट्रेड-आशुलिपिक तथा टंकण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई -1

एवं संयुक्त स्कन्ध (परिभाषा, लक्षण एवं भेद)।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(13) ट्रेड-आशुलिपिक तथा टंकण

उददे्श्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(3) छात्रों की 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर-

(क) वेतनभोगी रोजगार-वकील अथवा व्यापारी के यहां कार्य करना।
(ख) स्वरोजगार-अपनी टंकण मशीन लेकर तहसील, कचहरी आदि में बैठकर आवेदन एवं प्रत्यावेदन का डिक्टेशन लेकर टंकण कर उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1

व्यावसायिक संगठन अर्थ एवं प्रारूप एकांकी व्यापार, साझेदारी।

इकाई-2

आशुलिपि वर्णमाला का प्रारम्भिक ज्ञान, चित्र एवं संकेतों के माध्यम से रेखाओं का ज्ञान, स्वर एवं संकेत स्वरों का ज्ञान, व्यंजनों का मिलाना तथा आशुलिपि में अवतरणों एवं पत्रों का श्रुतलेख और उनका हिन्दी रूपान्तर।

इकाई-3

आधुनिक युग में टंकण का व्यावसायिक महत्व मशीन एवं उनमें प्रयुक्त होने वाले विभिन्न कल-पुर्जों एवं उनके प्रयोग तथा अवतरणों, पत्रों एवं साधारण बालिकाओं को करना।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(क) लघु प्रयोग-

(1) शब्द चिन्ह।
(2) जुट शब्द।
(3) रेखाक्षरों के स्थान।
(4) चित्र एवं संकेतों के माध्यम से रेखाक्षरों का ज्ञान।

(5) टाइप करने की प्रणालियां।
(6) मशीन में कागज लगाने, ठीक करने व कागज निकालने का ढंग।
(7) हाशिया निश्चित करना।
(8) मशीन पर बैठने की स्थिति।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

(1) श्याम पट्ट पर लिखित लेखों का पढ़ना।
(2) पत्रों का आशुलिपि में लेखन तथा हिन्दी रूपान्तर।
(3) आशुलिपि से दीर्घ लिपि में लिखना तथा टाइप करना।
(4) आशुलिपि नोटों के अनुवादित होने के बाद उन पर चिन्ह लगाना।
(5) कुंजी पटल का ज्ञान।
(6) पोस्ट कार्डों पर पतों का टंकण।
(7) टाइप मशीन की प्रतिलिपि लेना।
(8) प्रार्थना-पत्र अथवा पत्रों को टाइप करना।

संदर्भित पुस्तकें-

1-अनुपम टाइपिंग मास्टर-श्रीमती ऊषा गुप्ता।
2-उपकार व्यावहारिक टंकण कला-श्री ओंकार नाथ वर्मा।
3-हिन्दी संकेत लिपि (ऋषि प्रणाली)-श्री ऋषिलाल अग्रवाल।
4-पिटमैन अंग्रेजी संकेत लिपि-पिटमैन।
5-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड-श्री राम प्रकाश अवस्थी।
6-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड (प्रयोगात्मक)-श्री राम प्रकाश अवस्थी।
7-अनुपम प्रारम्भिक बहीखाता एवं व्यापार प्रणाली-श्री जगन्नाथ वर्मा।
8-आशुलिपि एवं टंकण-श्री गोपाल दत्त विष्ट।

(14) ट्रेड-बैंकिंग

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई -1

संयुक्त स्कन्ध (परिभाषा, लक्षण एवं भेद)।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(14) ट्रेड-बैंकिंग

उददेश्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(3) छात्रों की 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।
(7) व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।
(8) बैंकिंग कार्य प्रणाली के प्रारम्भिक ज्ञान की जानकारी छात्रों को उपलब्ध कराना।

रोजगार के अवसर-

(क) वेतनभोगी-

1-विद्यालयों में संचयिका के लेखा रखने को जानकारी देना।
2-अपने व्यवसाय को बैंकिंग कार्य प्रणाली की जानकारी देना।
3-सहायक रोकड़िया।
4-गोंद सहायक।

(ख) स्वरोजगार-

1-लघु व्यावसायिक संस्थाओं का हिसाब तैयार करना।
2-अभिकर्ता के रूप में कार्य कराना।
3-डाक घर के एजेन्ट के रूप में कार्य करना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1

व्यावसायिक संगठन अर्थ एवं प्रारूप एकांकी व्यापार, साझेदारी।

इकाई-2

अन्तिम खातेदार तैयार करना, साधारण समायोजनाएं सहित व्यापार एवं लाभ-हानि खाता तथा आर्थिक चिट्ठा बनाना।

इकाई-3

विभिन्न प्रकार के बैंक-देशी बैंक, साहूकार, महाजन एवं चिट फण्ड, व्यावसायिक बैंक, रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, सहकारी बैंक, भूमि विकास बैंक।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

लघु प्रयोग-

(1) चेक लिखना, निर्गम करना एवं निगर्मन, रजिस्टर में लेखा करना।
(2) चेकों का पृष्ठांकन एवं रेखांकन करना, चेकों की वैधता की जांच करना।
(3) पे-इन-स्लिप तथा आहरण-पत्र का प्रयोग।
(4) चेक लिखने वाली मशीन का प्रयोग।
(5) रेडी रेकनर का प्रयोग।
(6) कैलकुलेटर का प्रयोग।
(7) वेइंग मशीन एवं नम्बरिंग मशीन का प्रयोग।
(8) पंचिंग मशीन एवं स्टेपलर का प्रयोग।

दीर्घ प्रयोग-

(1) बैंक में खाता खोलने के विभिन्न प्रपत्रों को भरना।
(2) बैंक लेजर, खातों एवं पास बुक में लेखा करना।
(3) ब्याज की गणना एवं उनका लेखा करना।
(4) बैंक ड्राफ्ट, एम0टी0टी0 पे-आर्डर तैयार करना।
(5) ऋण सम्बन्धी आवश्यक प्रपत्रों को भरना।
(6) साप्ताहिक विवरण रिटर्न तैयार करना एवं प्रधान कार्यालय को प्रेषित करना।
(7) बीजक एवं विक्रय विवरण तैयार करना।
(8) रेजगारी छांटने वाली मशीन का प्रयोग।

संदर्भ पुस्तकें-

1-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड-श्री राम प्रकाश अवस्थी।
2-पूर्व व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड (प्रयोगात्मक)-श्री राम प्रकाश अवस्थी।
3-हाई स्कूल मुद्रा बैंकिंग एवं अर्थशास्त्र-श्री एम0 पी0 गुप्ता।
4-अधिकोषण तत्व-श्री डी0 डी0 निगम।

(15) ट्रेड-टंकण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई -1

एवं कम्पनी, परिभाषा, लक्षण एवं भेद।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(15) ट्रेड-टंकण

उददेश्य-

(1) छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
(2) छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
(3) छात्रों की 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
(4) छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
(5) छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
(6) छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर-

(1) वेतनभोगी रोजगार-वकील अथवा व्यापारी के यहां टाइप करना।
(2) स्वरोजगार-अपनी टंकण मशीन लेकर तहसील, कचहरी आदि में बैठकर आवेदन एवं प्रत्यावेदन का डिक्टेशन लेकर टंकण कर उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1

व्यावसायिक संगठन-अर्थ उद्देश्य, महत्व एवं प्रारूप। एकांकी व्यापारी, साझेदारी

इकाई-2

अंग्रेजी टंकण-आधुनिक युग में अंग्रेजी टंकण का महत्व, टंकण मशीन तथा उसमें प्रयुक्त होने वाले विभिन्न कल-पुर्जों तथा उनका प्रयोग, पैराग्राफ, पत्रों तथा टेबुल का टंकण।

इकाई-3

आधुनिक युग में हिन्दी टंकण का व्यावसायिक महत्व, टंकण मशीन एवं उसमें प्रयुक्त होने वाले विभिन्न कल-पुर्जों तथा उनका प्रयोग, अवतरणों, पत्रों तथा साधारण सारणी का टंकण।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(क) लघु प्रयोग-

(1) टंकण कल पर बैठने की स्थिति।
(2) टंकण करने की प्रणालियां।
(3) टंकण मशीन में कागज लगाने एवं बाहर निकालने की विधि।
(4) हाशिया निश्चित करना।
(5) ऐसे संकेतों का टंकण जो कुंजी पटल में नहीं दिये गये हैं।
(6) नया पैराग्राफ बनाना।
(7) स्पेस बार का प्रयोग।
(8) शिफ्ट की एवं शिफ्ट की लॉक का प्रयोग।
(9) छोटे पत्रों एवं लघु अवतरणों का टंकण।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

(1) कुंजी पटल का ज्ञान।
(2) प्रार्थना-पत्र एवं पत्रों का टंकण करना।
(3) पोस्ट कार्ड पर पते टाइप करना।
(4) टाइप मशीन से प्रतियां लेना।
(5) प्रूफ रीडिंग में प्रयुक्त होने वाले चिन्ह।
(6) रिबन का बदलना।
(7) कठिन शब्दों का टंकण।
(8) टाइप मशीन की सफाई एवं तेल देना।
(9) बड़े अवतरणों एवं साधारण सारणियों का टंकण करना।

संदर्भ पुस्तकें-

1-अनुपम टाइपिंग मास्टर	श्रीमती ऊषा गुप्ता
2-उपकार व्यावहारिक टंकण कला	श्री ओंकार नाथ वर्मा
3-पूर्ण व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड	श्री राम प्रकाश अवस्थी
4-पूर्ण व्यावसायिक वाणिज्य ट्रेड (प्रयोगात्मक)	श्री राम प्रकाश अवस्थी
5-अनुपम प्रारम्भिक बहीखाता तथा व्यापार प्रणाली	श्री जगन्नाथ वर्मा

(16) ट्रेड-फल संरक्षण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई -1

(2) शक्कर द्वारा संरक्षण- जैली और कैन्डी।

इकाई -2

(3) अचार, पदार्थ, पेय एवं मुरब्बा उद्योग की सम्भावनायें।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(16) ट्रेड-फल संरक्षण

उददेश्य-

1-छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
2-छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
3-छात्रों की 10+2 स्तर पर सुविधानुसार उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
4-छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
5-छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।

6-छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

7-फल उत्पादन बढ़ाना तथा खाने के बाद बचे हुए फल और सब्जियों का संरक्षण करना।

8-फलोत्पादक औद्योगिकरण द्वारा देश की बढ़ती हुई बेरोजगारी को दूर करना।

9-बिना मौसम में संरक्षित फल पदार्थों का उपलब्ध कराना।

रोजगार के अवसर-

1-फल संरक्षण सम्बन्धी इकाईयों में रोजगार मिलने की सम्भावना।

2-फल संरक्षण उद्योग में स्वरोजगार या अपना निजी व्यवसाय चलाना या डिब्बाबन्दी कर बाजार में आपूर्ति करना।

3-संरक्षित पदार्थों की दुकान या गोदाम खोल सकता है जिसमें संरक्षित खाद्य पदार्थों का सही ढंग रख-रखाव कर उन्हें नष्ट होने से बचाव कर रोजगार चला सकता है।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1

(1) प्रमुख फल एवं सब्जियों को धूप में सूखाना और डीहाईड्रेशन यन्त्र से सुखाना।

(2) शक्कर द्वारा संरक्षण-जैम, मुरब्बा और कृत्रिम शरबत (गुलाब, केवड़ा, खस और आम का पना) आलू के शीत भण्डारण का परिचयात्मक विवरण।

इकाई-2

(1) टमाटर से निर्मित पदार्थ-रस (जूस), केचप, सॉस और चटनी।

(2) किण्वीकरण (फार्मेन्टेशन), सिरका और अचार बनाना (नमक की संरक्षण का उपयोग, विदेशी विधि तथा साल्ट क्योरिंग का परिचय)।

इकाई-3

फल संरक्षण, प्रशिक्षण, सूचना तथा वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थायें, फल संरक्षण इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया एवं स्वरूप, आवश्यक कार्यवाही। अपने जनपद में अधिक मात्रा में उपजाये जाने वाले फल एवं सब्जियों की जानकारी तथा उनकी उपलब्धता तथा इनसे संरक्षित किये जाने वाले पदार्थों के बनाने की जानकारी।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(क) लघु प्रयोग-

1-ब्रिक्स हाईड्रोमीटर से लिनोमीटर, हैंड से कैरोमीटर (रिफ्रैक्टोमीटर), थर्मामीटर का परिचय एवं उपयोग विधि।

2-तरल पदार्थों का लिटमस पेपर की सहायता से पी-एच0 ज्ञात करना।

3-सूक्ष्मदर्शी (माइक्रोस्कोप) से परिचय, उनके विभिन्न पार्ट्स, स्प्रिट द्वारा पेक्टिन टेस्ट।

4-स्प्रिट द्वारा पेक्टिन टेस्ट।

5-सोंलिंग के लिए प्रयोग की जाने वाली मशीन।

6-कन्टेनर्स (बोतल, जार, अमृतवान, कारव्यास) को धोना और जीवाणुरहित (स्टरलाइज) करना।

(ख) दीर्घ प्रयोग-

1-जैम-विभिन्न ऋतुओं में पैदा होने वाले फलों से जेम बनाना।

2-मुरब्बा बनाना-आंवला, बेल, पेठा, करौंदा, पपीता, गाजर।

3-अदरक, पेठा नीबू, प्रजाति के फलों के छिलका से कैण्डी बनाना।

4-टमाटर, केचप, सॉस, सूप बनाना।

5-फलों से चटनी बनाना।

6-विभिन्न ऋतुओं में उपलब्ध फल एवं सब्जियों (आम, नीबू, कटहल, अदरक, करौंदा, प्याज, खीरा आदि) से अचार बनाना।

7-कृत्रिम सिरका बनाना।

8-कृत्रिम शरबत (खस, गुलाब, केवड़ा आदि) बनाना।

9-स्कवेश बनाना।

10-अमरूद से चीज, टाफी बनाना।

संस्तुत पुस्तकें-

		रु0
1-फल एवं सब्जी संरक्षण	ले0 डा0 गिरधारी लाल डा0 सिद्धाप्पा	45.00
2-फल संरक्षण	श्री एस0 एन0 भाटी	30.00
3-फल संरक्षण (प्रयोगात्मक)	बी0 एन0 अग्निहोत्री	15.00
4-फल संरक्षण विज्ञान	बी0 एन0 अग्निहोत्री	25.00
5-फल परिरक्षण सिद्धान्त एवं विधियां	डा0 श्याम सुन्दर श्रीवास्तव	100.00
6-फल तथा सरकारी परिरक्षण प्रौद्योगिकी	श्री एस0 सदाशिव नायर एवं डा0 हरिश्चन्द्र शर्मा	100.00
7-फ्रूट एवं वेजीटेबिल	डा0 संजीव कुमार	150.00

(17) ट्रेड-फसल सुरक्षा

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई -2

1- घोंघा, बन्दर, लोमड़ी एवं अन्य जंगली जानवरों के कारण फसलों की क्षति का सामान्य ज्ञान तथा उनके रोकथाम की जानकारी।

इकाई -3

2-भण्डारण के कीटों के वर्गीकरण की जानकारी।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(17) ट्रेड-फसल सुरक्षा

उददे्श्य-

1-फसल सुरक्षा को सामान्य जानकारी करना।
2-फसल सुरक्षा सेवा अपनाकर फसलों की होने वाली हानि से इन्हें बचाना।
3-फसल सुरक्षा सेवा द्वारा प्रतिवर्ष हजारों टन खाद्यान्न को नष्ट करने से बचाना।
4-फसल सुरक्षा व्यवसाय में दक्षता प्राप्त कर इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना।
5-श्रम के प्रति आस्था उत्पन्न करना तथा आत्मनिर्भर बनाना।
6-कुशल नागरिक निर्माण में योगदान देना।
7-फसल सुरक्षा सेवा सम्बन्धी यन्त्रों एवं उपकरणों आदि का समुचित ज्ञान प्राप्त कर अपने निजी जीवन में उपयोग करना।
8-फसल सुरक्षा सेवा व्यवस्था का विद्यालय में सफल प्रदर्शन करना।

रोजगार के अवसर-

(क) वेतनभोगी रोजगार-

1-सरकारी, सहकारी विभागों में फसल सुरक्षा सहायक का कार्य करने का अवसर प्राप्त करना।
2-फसल सुरक्षा को उत्पादन तथा वितरण इकाइयों में रोजगार प्राप्त करना।

(ख) स्वरोजगार-

1-फसल सुरक्षा सम्बन्धी रसायनों तथा यंत्रों-उपकरणों की आपूर्ति करने सम्बन्धी व्यवसाय को अपनाना।
2-फसल सुरक्षा के यंत्रों, उपकरणों तथा रसायनों की दुकान चलाना।
3-फसल सुरक्षा के यंत्रों, उपकरणों को किराये पर चलाना।
4-सहकारी समितियां बनाकर फसल सुरक्षा के क्षेत्र में लघु उद्योग-धन्धे चलाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1

1-फसल सुरक्षा के उपकरणों-स्प्रेयर और डस्टर की सामान्य जानकारी, इनके रख-रखाव का ज्ञान।
2-कवकनाशी, कीटनाशी, बीज पोषक, बीज उपचारक तथा खर-पतवारनाशी रसायनों की सामान्य जानकारी।

इकाई-2

1-दीमक, चिड़िया, चूहों, खरगोश एवं अन्य जंगली जानवरों के कारण फसलों की क्षति का सामान्य ज्ञान तथा उनके रोकथाम की जानकारी।
2-टिड्डी द्वारा फसलों पर होने वाली क्षति का सामान्य ज्ञान एवं रोकने के उपाय का सामान्य ज्ञान।

इकाई-3

1-अनाज भण्डारण में कीटों तथा जन्तुओं द्वारा होने वाली क्षति का ज्ञान।
3-निम्नांकित कीटों का जीवन-चक्र एवं उनके नियंत्रण के उपाय का ज्ञान-
(1) राइस बीविल।
(2) धान का भाव।
(3) दालों की बीविल।
(4) अनाज का घुन।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(क) दीर्घ प्रयोग-

1-कीट संकलन एवं उनके जीवन-चक्र का रेखांकन करना।
2-इम्लसन मिश्रण बनाना।
3-पेस्टन तैयार करना तथा उनके प्रयोग विधि का प्रदर्शन।
4-रसायन का घोल तैयार करना, उनका प्रयोग तथा उनमें अपनायी जाने वाली सावधानियों की क्रियात्मक समझ।
5-फसलों पर पाउडर का छिड़काव करना।
6-भण्डार गृह में रसायनों का प्रयोग करना।
7-उपकरणों को खोलने एवं बांधने की समझ।
8-रसायन एवं उपकरण के प्राप्ति केन्द्रों की जानकारी एवं उन स्थानों का पर्यवेक्षण तथा उनका विवरण तैयार करना।

(ख) लघु प्रयोग-

1-विभिन्न खर-पतवारों की पहचान।

2-विभिन्न पादप रोगों की पहचान।

3-विभिन्न पादप कीटों की पहचान।

4-फसल सुरक्षा उपकरणों की पहचान।

5-कवकनाशी रसायनों की पहचान।

6-कीटनाशी रसायनों की पहचान।

7-खर-पतवारनाशी रसायनों की पहचान।

8-भण्डारण में प्रयोग होने वाले रसायनों की पहचान।

9-भण्डारण के कीटों की पहचान।

10-भण्डारण में हानि पहुंचाने वाले जन्तुओं की पहचान करना।

संस्तृत पुस्तकें-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक	प्रकाशक का नाम एवं पता	मूल्य
1	2	3	4	5
				रु0
1	फसल सुरक्षा	डा0 धर्मराज सिंह	ग्राम विकास प्रकाशन, कमिश्नर कम्पाउण्ड कालोनी, इलाहाबाद	16.00
2	सब्जी की खेती	दर्शना नन्द	ग्राम विकास प्रकाशन, कमिश्नर कम्पाउण्ड कालोनी, इलाहाबाद	16.00
3	फलों की खेती	डा0 राम कृपाल पाठक	ग्राम विकास प्रकाशन, कमिश्नर कम्पाउण्ड कालोनी, इलाहाबाद	25.00
4	नया कृषि कीट विज्ञान	बी0 ए0 डेविड एवं एम0 एच0 डेविड	सेण्ट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद	12.00
5	पादप रोग नियन्त्रण	डा0 उपाध्याय एवं माथुर	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	22.00
6	खर-पतवार नियन्त्रण	प्रो0 ओम प्रकाश	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	
7	फसलों के रोगों की रोकथाम	डा0 संगम लाल	प्रकाशन निदेशालय, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, नैनीताल	20.00
8	फसलों के रोग	डा0 मुखोपाध्याय एवं डा0 सिंह	प्रकाशन निदेशालय, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, नैनीताल	50.00
9	फसलों के हानिकारक कीट	डा0 बिन्दा प्रसाद खरे	प्रकाशन निदेशालय, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, नैनीताल	22.00
10	खर-पतवार नियन्त्रण	डा0 विष्णु मोहन मान	प्रकाशन निदेशालय, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, नैनीताल	25.00
11	पादप रक्षा कीट नियन्त्रण	डा0 उपाध्याय एवं माथुर	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	22.50
12	प्लाण्ट प्रोटेक्शन	डा0 उपाध्याय एवं माथुर	कुक्का पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	30.00
13	सचित्र कृषि विज्ञान	श्री श्याम प्रसाद शर्मा	भारत भारती प्रकाशन, मेरठ	20.00
14	कृषि विज्ञान	श्री गंगा महेश मिश्र	राम नारायन लाल, इलाहाबाद	20.00

(18) ट्रेड-मुद्रण

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई-एक

(ब) विभिन्न मुद्रण सतह-

ग्रेव्योर मुद्रण प्लेट (सिलेण्डर), स्क्रीन मुद्रण की सतह, रबर मुद्रण प्लेट।

इकाई -दो

(ब) विभिन्न मुद्रण कार्य-

मुद्रण कार्य पुस्तकीय मुद्रण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(18) ट्रेड-मुद्रण

उददेश्य-

1-छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
2-छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
3-छात्रों की 10+2 स्तर पर सुविधापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
4-छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
5-छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
6-छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी देना।

रोजगार के अवसर-

(क) वेतनभोगी रोजगार
(ख) स्वरोजगार

} सरकारी तथा निजी मुद्रण उद्यमों में कुशल कामगार के पद का कार्य कर सकते हैं-उदाहरण के लिए कम्पोजीटर, मुद्रण मशीन चालक, प्रूफ रीडर, बुक बाइण्डर, छोटी इकाई के रूप में निजी उद्योग भी लगा सकते हैं।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-एक

(अ) मुद्रणालय की विभिन्न सामग्रियां-

कागज बनाने की विभिन्न सामग्रियां, कागज बनाने की विधियां, विभिन्न प्रकार के कागज तथा मापें, मुद्रण स्याहियां, बोर्ड (दफ्ती), बाइण्डिंग कपड़ा, बाइण्डिंग चमड़ा, रेक्सीन, चिपकाने वाले (एडेसिव) पदार्थ, फर्मा कसने की सामग्रियां।

(ब) विभिन्न मुद्रण सतह-

टाइप कम्पोजिंग सतह, ब्लाक (चित्रों) की सतह, लाइनों तथा मोनो, आफसेट प्लेट।

इकाई-दो

(अ) मुद्रण विधियां-

मुद्रण का अर्थ, मुद्रण का अविष्कार, विभिन्न मुद्रण विधियां (लेटर प्रेस), समतल मुद्रण (प्लेनोग्राफी), अवतल मुद्रण (ग्रेव्योर प्रिटिंग), सिल्क स्क्रीन मुद्रण, फ्लेक्सोग्राफी मुद्रण।

(ब) विभिन्न मुद्रण कार्य-

मुद्रण पूर्व तैयारी (प्रिमेकरेडी), मुद्रण तैयारी (मेकरेडी), छोटे-छोटे (जाबिंग), कई रंगों में मुद्रण, समाचार-पत्र, पत्रिकाओं की मुद्रण विधियां।

इकाई-तीन

(अ) जिल्दबन्दी (बुक बाइडिंग)-

जिल्दबन्दी का अर्थ, विभिन्न प्रकार की जिल्दबन्दी, विभिन्न प्रक्रियायें, कागजों को बराबर करना और गिनती करना।

(ब) अन्य सम्बन्धित कार्य-

दफ्ती (बोर्ड) से डिब्बा बनाना, लिफाफा बनाना, छिद्रण (परफोरेशन) कार्य, संख्याकरण (नम्बरिंग) कार्य, आइलेट लगाना, कटिंग तथा क्रीजिंग, रेखण (रूलिंग) कार्य।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

(क) लघु प्रयोगात्मक अभ्यास-

1-अक्षर संयोजन विभाग की साज-सज्जा तथा उपकरणों का परिचय।
2-मुद्रणालय में सुरक्षा (सेफ्टी) उपाय।
3-मुद्रण तथा बाईंडिंग विभाग की मशीनों और उपकरणों का परिचय।
4-टाइप केस लेआउट याद करना एवं कम्पोजिंग स्टिक में माप बांधना।
5-प्रूफ उठाना तथा टाइप मैटर में लगी स्याही की सफाई करना।
6-मुद्रणालय की सभी मशीनों तथा उपकरणों में स्नेहन (लुब्रीकेटिंग) तेल या ग्रीस देना और सफाई करना।
7-मुद्रित तथा अमुद्रित कागजों को बराबर करके और गिनती करना।
8-पुरानी पुस्तकों की मरम्मत करना।

(ख) दीर्घ प्रयोगगात्मक अभ्यास-

1-लेटर हेड तथा विजिटिंग कार्ड आदि छोटे जॉब कार्यों को कम्पोजिंग करना तथा प्रूफ उठाकर उसे पढ़ना और संशोधन करना।

2-विभिन्न मशीनों के लिए एक या दो पृष्ठ का फर्मा कसना।
3-मुद्रण मशीन की तैयारी, मुद्रण मशीन पर फर्मा चढ़ाना, फर्मा की तैयारी तथा लगातार मुद्रण कार्य करना।

4-मुद्रण मशीन पर एक या दो रंग की छपाई करने का अभ्यास।

5-स्थानीय किसी एक या अधिक मुद्रणालयों में छात्रों को ले जाकर निरीक्षण कराना और छात्रों द्वारा एक अध्ययन रिपोर्ट तैयार करना जो 300 शब्दों से अधिक न हो।

6-बाइण्डिंग करने के लिए मुद्रित अथवा अमुद्रित कागजों को मोड़ना, मिसिल उठाना, सिलाई करना।

7-पुस्तकों पर कागज के कवर तथा दफ्ती के कवर लगाने का अभ्यास।

8-सिल्क स्क्रीन मुद्रण की तैयारी तथा मुद्रण का अभ्यास करना।

पुस्तकें-

हिन्दी पुस्तकें-

1-अक्षर मुद्रण शास्त्र	चन्द्र शेखर मिश्र
2-संयोजन शास्त्र	चन्द्र शेखर मिश्र
3-आफसेट मुद्रण शास्त्र	चन्द्र शेखर मिश्र
4-मुद्रण परिकरण भाग-1	के0 सी0 राजपूत
5-मुद्रण परिकरण भाग-2	के0 सी0 राजपूत
6-आधुनिक ग्रन्थ शिल्प	चन्द्र शेखर मिश्र
7-मुद्रण स्याहियां तथा कागज	चन्द्र शेखर मिश्र
8-मुद्रण प्रौद्योगिकी सामग्री	एम0 एन0 खिड़बेड़
9-ब्लाक मेकर्स गाइड	एस0 अग्रवाल

(19) ट्रेड-रेडियो एवं टेलीविजन

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई-2

ट्रांजिस्टर अभिग्राही (रिसीवर) के विषय में सामान्य जानकारी, ट्रांजिस्टर अभिग्राही के सामायदो तथा उनका विवरण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(19) ट्रेड-रेडियो एवं टेलीविजन

उददेश्य-

1-वर्तमान समय में रेडियो एवं टेलीविजन की बढ़ती हुई मांग तथा इस विषय की जानकारी रखने वाले व्यक्तियों की मांग को देखते हुए यह आवश्यक है कि हाई स्कूल स्तर से बच्चों में इस विषय में रुचि उत्पन्न करना।

2-10+2 में रेडियो तथा टी0वी0 पहले से चल रहा है, इसके लिए हाई स्कूल स्तर से बच्चों को तैयार करना तथा इण्टरमीडिएट में एडमिशन के समय वरीयता।

3-छात्र बाहर तथा गांव में व्यवसाय का उचित अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

रोजगार के अवसर-

1-रेडियो तथा टी0वी0 इन्डस्ट्री में पी0 सी0 बी0 पर एसेम्बलिंग का कार्य प्राप्त कर सकते हैं।

2-विभिन्न टी0वी0 सर्विस सेन्टर में ऐज टी0वी0 टेक्नीशियन का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

3-किसी बड़ी इकाई के साथ लघु उद्योग स्थापित करना।

4-स्वयं की दूकान प्रारम्भ कर सकना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1

(क) परमाणु संरचना, इलेक्ट्रानिक सिद्धान्त, विद्युत के प्रकार, प्रतिरोध, धारित्र, इन्डक्टर तथा प्रतिरोध की कलर कोडिंग।

(ख) इलेक्ट्रान उत्सर्जन, अर्द्ध चालक, अर्द्धचालक डायोड, ट्रान्जिस्टर के विषय में जानकारी, उसके चिन्ह तथा प्रकार।

इकाई-3

कैथोड किरण, ट्यूब टी0वी0 अभिग्राही का बेसिक सिद्धान्त तथा उपयोग आने वाले विभिन्न नियंत्रकों (कन्ट्रोल्स) के विषय में सामान्य जानकारी एवं टी0वी0 के सुधारने के लिए प्रयोग में आने वाले विभिन्न यन्त्रों के विषय में जानकारी।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

लघु प्रयोग-

1-कलर कोड की सहायता से प्रतिरोधों का मान पढ़ना तथा प्रतिरोधों की वाटेज को जानना।

2-विभिन्न प्रकार के प्रतिरोधों को पहचानना, समान्तर तथा श्रेणी क्रम में जोड़ना तथा उनका मान ज्ञात करना।

3-विभिन्न प्रकार के धारित्रों को पहचानना तथा श्रेणी व समान्तर क्रम में जोड़ना तथा उनका मान ज्ञात करना।

4-विभिन्न प्रकार के डायडों तथा ट्रांजिस्टरों को पहचानना।

5-मल्टीमीटर की सहायता से वोल्टेज, धारा व प्रतिरोध मापना।

6-मल्टीमीटर की सहायता से डायोड तथा ट्रांजिस्टरों का परीक्षण करना।

7-इलेक्ट्रानिक्स में प्रयोग होने वाले विभिन्न यन्त्रों की जानकारी।

8-पी0 सी0 वी0 (पी0 सी0 वी0) पर सोल्डर करने की विधि तथा सावधानियां।

दीर्घ प्रयोग-

1-साधारण प्रकार की बैटरी एलीमिनेटर निर्माण (असेम्बल) करना।
2-विभिन्न निर्गत वोल्टेजों के लिए बैटरी एलिमिनेटर का निर्माण करना।
3-स्थिर वोल्टेज के लिए बैटरी एलिमिनेटर का निर्माण करना।
4-ट्रांजिस्टरों की सहायता से प्रवधक (एम्प्लीफायर) का निर्माण करना।
5-ट्रांजिस्टरों की सहायता से ध्वनि परिपथ (म्युजिकल सर्किट) का निर्माण करना।
6-ट्रांजिस्टर अभिग्राही के विभिन्न भागों की वोल्टेज ज्ञात करना।
7-ट्रांजिस्टर अभिग्राही के सामान्य दोषों को ज्ञात करना तथा उनका निवारण करना।
8-टेलीविजन के विभिन्न भागों की वोल्टेज ज्ञात करना।

संस्तुत पुस्तकें-

1-बेसिक इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग	पी0ए0 जाखड़ तथा तबसा रथ जाखड़
2-इलेक्ट्रानिक थ्रू प्रैक्टिकल	पी0 एस0 जाखड़
3-प्रारम्भिक इलेक्ट्रानिकी	कुमार एवं त्यागी
4-इलेक्ट्रानिक्स	महेन्द्र भारद्वाज
5-टेलीविजन	जीन एण्ड राबर्ट
6-बेसिक प्रैक्टिकल इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग	अनवानी हन्ग

(20) ट्रेड-बुनाई तकनीक

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई-2

(ग) रीब या कंघी का अंक निकालना।

इकाई-3

(ख) रंगों की संग।
(ग) डिजाइन एवं आलेखन कला के प्रकार।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(20) ट्रेड-बुनाई तकनीक

उददे्श्य-

1-छात्रों में उद्यमिता गुणों का विकास करना।
2-छात्रों को आगे चलकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
3-छात्रों की 10+2 स्तर पर सुविधिापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना।
4-छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।
5-छात्रों में कार्य संस्कृति के प्रति आदर का भाव पैदा करना।
6-छात्रों को ट्रेड की प्रारम्भिक बातों की जानकारी।

विशिष्ट उद्देश्य-

1-विभिन्न प्रकार की बुनाई डिजाइनों को बनाकर हथकरघा उद्योग को उपलब्ध कराना।
2-विभिन्न प्रकार की बुनाई डिजाइन के द्वारा फीगर डिजाइन बनाना।
3-इस उद्योग में विद्यार्थी को दफ्ती के ऊपर रेशे द्वारा फीगर डिजाइन तैयार करना सिखाना।
4-बुनाई तकनीकी की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् बुनाई से सम्बन्धित लघु उद्योग स्थापित कर सकता है।

स्वरोजगार के अवसर-

बुनाई तकनीक ट्रेड से शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् निम्न रोजगार के अवसर मिल सकते हैं-

(क) वेतनभोगी रोजगार-

1-खादी ग्रामोद्योग में यू0 पी0 हैण्डलूम में रोजगार के अवसर।
2-छोटे कारखानों में बुनाई के सहायक कार्यकर्ता के रूप में।
3-बुनाई अध्यापकों के लिए प्रशिक्षित शिक्षण की उपलब्धि।

(ख) स्वरोजगार-

1-छोटे बुनाई उद्योग स्थापित करना।
2-सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त करके उद्योग चलाना।
3-न्यूनतम पूंजी में उद्योग का कार्य प्रारम्भ करके जीवन-यापन करना।
4-अपने साथ में पूरे परिवार को कार्य लगाकर कार्य करके जीवन-यापन करना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं मूल्यांकन-

ट्रेड में 50 अंकों की सैद्धान्तिक (लिखित) तथा 50 अंकों की प्रयोगात्मक के आधार पर, इसमें विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा। परिषद् द्वारा इसकी वाह्य परीक्षा नहीं ली जायेगी।

इकाई-1

(क) वर्गांकित कागज (ग्राफ पेपर) पर निम्न डिजाइन ड्राफ्ट प्लेन प्लान सहित बनाना।
(ख) सादी या प्लेन बुनावट बार्परिब, वेयररिब, मैटरिब।
(ग) सादा बुनावट सजाने की विधियां, लम्बाई में धारी चौड़ाई में धारी, छोटी-छोटी त्रुटियां, चारखाने दार, लम्बाई-चौड़ाई के साथ धारीदार डिजाइन बनाना। ट्योल, साधारण ट्वील, प्वाइंटेड ट्वील, ड्रायमेन्ट।

इकाई-2

(क) सूत का अंक निकालना, वेट सूत का अंक निकालना।
(ख) कंघी का अंक निकालना, हील्ड का अंक निकालना।

इकाई-3

(क) रंगों का अध्ययन, प्रकार, अष्ट्रवाल वृत्त रंग।

प्रयोगात्मक क्रिया-कलाप

लघु प्रयोग-

1-सूत की लच्छियों को सुलझाना।
2-चरखी के ऊपर सूत को चढ़ाकर चरखे की सहायता से तागे की बाबिन भरना।
3-भरी हुई बाबिनों को टट्रर में सजाना।
4-ताने की तारों को डिजाइन के अनुसार लय में भरना और कंघी में भरना।
5-ताने एवं बाने की बाबिन भरना।
6-लीज राड को ताने में लगाना।
7-शटल में तागे एवं बाबिन लगाना।
8-चरखे को चलाना।
9-तकली से सूत कातना।
10-सूत की लच्छियों को अंटी पर चढ़ाना।

दीर्घ प्रयोग-

1-टट्रर से ताने के तागे निकालना।
2-क्रम से बाबिनों को लगाना।
3-हैंक या विनियों से तागे निकालना।
4-ड्रम मशीन पर ताने जुट्टी बांधना।
5-ताने के बेलन में ताने के धागे लपेटना।
6-ताने के बेलन को करघे पर फिट करना।
7-डिजाइन के अनुसार ड्राफ्टिंग करना।
8-आई के कंघी में पिराना या धागे निकालना।
9-ताने के धागों की जुट्टी बांधना।
10-करघे पर बुनाई करना।

पुस्तकों की सूची-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम एवं पता	मूल्य
1	2	3	4	5
				रु0
1	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान	डा0 प्रमिला वर्मा	विश्वविद्यालय प्रकाशक चौक, वाराणसी	55.00
2	वस्त्र विज्ञान एवं परिधान	डा0 प्रमिला वर्मा	यूनिवर्सल बुकसेलर, लखनऊ	55.00
3	बुनाई पुस्तक	श्री श्याम नारायण श्रीवास्तव	नवीन पुस्तक भण्डार, दारागंज, इलाहाबाद	8.00
4	हाउस होल्ड टेक्सटाइल	श्री दुर्गा दत्त	बुक कम्पनी, नई दिल्ली	75.00
5	भारतीय कशीदाकारी	श्रीमती शिन्दे एवं कु0 पण्डित	प्रकाशन निदेशालय, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर, नैनीताल	27.00

(21) ट्रेड-रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा-व्यापार)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई-4

खुदरा व्यापार में उत्पाद वर्गीकरण-

4-उत्पाद रख-रखाव
5-उत्पादों में ब्राण्डिंग का महत्व

इकाई-5

खुदरा बिक्री में रोजगार का भविष्य-

1-खुदरा बिक्री में विभिन्न रोजगारों की संभावना
2-खुदरा बिक्री में रोजगार के लिए आवश्यक दक्षता
3-खुदरा बिक्री में प्रबन्धकीय कार्य में कैरियर
4-FDI के द्वारा प्रस्तावित रोजगार का भारतीय अर्थ व्यवस्था पर प्रभाव (FDI का आलोचनात्मक विवरण)

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(21) ट्रेड-रिटेल ट्रेडिंग (खुदरा-व्यापार)

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **पूर्णांक-50 अंक**

इकाई-1 **15 अंक**

खुदरा विक्री की प्रस्तावना-
1-खुदरा बिक्रय का अर्थ एवं परिभाषा।

2-खुदरा बिक्री के तत्वों का वर्णन।
3-खुदरा तत्वों की विशेषतायें।
4-खुदरा बिक्री के तत्वों की आवश्यकता।
5-खुदरा बिक्री के विभिन्न कार्य।
6-खुदरा विक्रेताओं के विभिन्न प्रकार।

इकाई-2 **15 अंक**

खुदरा बाजार में विपणन की भूमिका-

1-विपणन प्रस्तावना।
2-विपणन के सिद्धान्त।
3-खुदरा व्यापार एवं विपणन में सामंजस्य।
4-विपणन के लक्षण एवं महत्व।
5-विपणन की उत्पत्ति एवं परिभाषायें।
6-उत्पाद एवं सेवा विपणन में विभेद।

इकाई-3 **10 अंक**

1-उत्पाद प्रबन्धन का महत्व।
2-उत्पाद प्रबन्धन के पूर्वोपाय।
3-उत्पादन प्रबन्धन की विभिन्न विधियां।
4-उत्पाद प्रबन्धन के विभिन्न उपकरण।
5-भारत में बड़े पैमाने पर खुदरा व्यापार की व्यवस्था।
6-बड़े पैमाने पर खुदरा व्यापार को संचालित करने के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं का विवरण। (FDI)

इकाई-4 **10 अंक**

खुदरा व्यापार में उत्पाद वर्गीकरण-

1-प्रस्तावना
2-उत्पादों के प्रकार एवं लक्षण
3-खुदरा व्यापार में विभिन्न विभाग

प्रयोगात्मक **पूर्णांक-50 अंक**

-उत्पादों की सुरक्षा की प्रशिक्षण तकनीक
-उपभोक्ताओं के पहचान करने और समझने के लिए प्रश्नावली का गणन
-किसी रिटेल मॉल का भ्रमण
-किसी उत्पाद के सप्लाई चेन का मॉडल बनाना
-किसी ग्राहक/उपभोक्ता से संतुष्टि मापन का अभ्यास
-प्रयोगात्मक अभ्यास-20 अंक
-मौखिक परीक्षा-10 अंक
-प्रोजेक्ट रिपोर्ट-20 अंक

(22) ट्रेड-सुरक्षा

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई-1 सुरक्षा सैन्य बल

-भारत की अद्यतन रक्षा तैयारियां।

इकाई-2 कार्यस्थल से सम्बन्धित खतरे एवं सुरक्षा

-व्यावसायिक स्वास्थ्य की प्रावस्थायें एवं सुरक्षात्मक रणनीति।

इकाई-3 निरीक्षण, अनुश्रवण एवं सुरक्षा

-निरीक्षण में संवेदों की प्रभावकता को प्रभावी बनाने वाले कारक।

इकाई-4 कार्यस्थल पर संवाद संप्रेषण

-संप्रेषण के सिद्धान्त।

प्रयोगात्मक

5-CCTV का अध्ययन।
12-कार्यस्थल पर Communication के लिए विभिन्न प्रकार के वाक्यों का निर्माण जिनमें-
-विशिष्ट संदेश पर बल दिया हो।
-वांछित समस्त जानकारी का समावेश हो।
-संदेश के प्राप्तकर्ता के प्रति सम्मान परिलक्षित हो।
13-भारत एवं सम्बन्धित राज्यों तथा जिलों से सम्बन्धित मानचित्रों का अध्ययन एवं निर्माण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(22) ट्रेड-सुरक्षा

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **पूर्णांक-50 अंक**

इकाई-1 सुरक्षा सैन्य बल **13 अंक**

-भारतीय थल सेना, वायु सेना एवं नौ सेना का संगठन एवं कार्य।
-भारतीय अर्द्ध सैनिक बल संगठन एवं कार्य।

इकाई-2 कार्यस्थल से सम्बन्धित खतरे एवं सुरक्षा **13 अंक**

-कार्यस्थल में संभावित सामान्य खतरे एवं कारण।
-स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से सम्बन्धित खतरे।
-कार्यस्थल से सम्बन्धित तकनीकी खतरे।
-प्राकृतिक आपदा, जल वायुवीय परिस्थितियों, सामाजिक एवं कानूनी कार्यवाही से सम्बन्धित खतरे।
-उत्पादन, प्रौद्योगिकी, वित्तीय बाजार, उपभोक्ता से सम्बन्धित खतरे।
-आणविक, जैविक एवं रासायनिक, शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक सुरक्षा।

इकाई-3 निरीक्षण, अनुश्रवण एवं सुरक्षा **12 अंक**

-निरीक्षण, सूचना, व्याख्या एवं स्मरण के विभिन्न सोपान।
-सुरक्षित वातावरण बनाये रखने में प्रौद्योगिकी का महत्व।
-विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं सुरक्षा।
-विभिन्न प्रकार के अपराध एवं उनसे सम्बन्धित सुरक्षा संप्रेषण।

इकाई-4 कार्यस्थल पर संवाद संप्रेषण **12 अंक**

-संवाद चक्र के विभिन्न तत्व-संवाद का अर्थ, तत्व, प्रेषक, संदेश, माध्यम, प्राप्तकर्ता एवं पुनर्निवेशन।
-पुनर्निवेशन (feed back) अर्थ, विशेषतायें एवं महत्व, वर्णनात्मक एवं विशिष्ट पुनर्निवेशन।
-संप्रेषण में अवरोध सम्बन्धी कारक दूर करने के उपाय।
-प्रभावी संप्रेषण से सम्बन्धित विभिन्न तत्व।
-संचार उपकरण एवं संचार साधन।

प्रयोगात्मक **50 अंक**

1-परिचयात्मक प्रपत्रों का परीक्षण-Identity card, Passport, स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस।

2-कार्यस्थल पर मशीनों/रसायनों/उपकरणों आदि से होने वाले खतरों को सूचीबद्ध करना एवं संस्था द्वारा अपनाये जाने वाले सुरक्षा उपायों का अध्ययन।

3-एक shopping mall/industry का भ्रमण कर खतरों को चिन्हित करना।

4-प्रवेश द्वार की सुरक्षा का अध्ययन।

5-CCTV का अध्ययन।

6-Finger print, Scanner, Iris scanner, Face scanner का सुरक्षा में प्रयोग।

7-पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी एवं इसके प्रारूप का अध्ययन।

8-फोरेसिंक लैब का भ्रमण आयोजित कर साक्ष्यों की प्रमाणिकता की कार्यविधि का अध्ययन।

9-औद्योगिक संस्थान/रेलवे स्टेशन/बस स्टेशन/हवाई अड्डे का भ्रमण कर सुरक्षा गार्ड के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।

10-सेना/पुलिस के अधिकारियों को प्रदत्त चिन्ह (Insignia) का मिलान उनके पद/रैंक से करना।

11-संवाद चक्र का रेखांकन।

(23) ट्रेड-मोबाइल रिपेयरिंग

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई-2

-मोबाइल प्रौद्योगिकी, मोबाइल का परिचय।
-विभिन्न प्रकार के कम्पनियों के मोबाइल।

इकाई-4

-समस्या का निवारण (TROUBLE SHOOTING AND SOLUTION)
-एल0सी0डी0 पर आईकॉन की स्थिति।
-सॉफ्टवेयर डाउनलोड विधि।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(23) ट्रेड-मोबाइल रिपेयरिंग

उददेश्य-मोबाइल आधुनिक युग में संचार का सशक्त माध्यम तो है ही साथ ही विश्व के एक छोर से दूसरे छोर तक अद्यतन सूचना तथा समाचार प्रसारित करने का सशक्त माध्यम भी है।

मोबाइल की मांग तथा सेवा का विस्तार तीव्रता से हो रहा है।
अतः छात्रों को मोबाइल रिपेयरिंग ट्रेड में प्रशिक्षण देना लाभकारी सिद्ध होगा।
1-छात्रों में उद्यमिता के गुणों का विकास करना।
2-छात्रों को आगे चलकर रोजगार/स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना।
3-छात्रों को 10+2 स्तर पर सुविधिापूर्वक उपयुक्त ट्रेड का चयन करने में सहायता करना साथ ही उसमें मोटीवेशन लाना।
4-छात्रों में व्यवसाय के प्रति रुचि पैदा करना।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **पूर्णांक-50 अंक**

इकाई-1 **12 अंक**

-मोबाइल के संदर्भ में कम्प्यूटर का प्रारम्भिक ज्ञान।
-कम्प्यूटर के ऑन/ऑफ की प्रक्रिया।
-मोबाइल के संदर्भ में इलेक्ट्रॉनिक्स का प्रारम्भिक ज्ञान।
- इलेक्ट्रॉनिक्स अवयवों के प्रतीक, परिभाषा, परीक्षण व कार्य।
-डिजिटल मल्टीमीटर।

इकाई-2 **12 अंक**

-मोबाइल के विभिन्न भाग व उनका परीक्षण।
-मदर बोर्ड की प्रारम्भिक पहचान।
-मोबाइल के प्रत्येक भाग जैसे-सिम, प्रकाश, रिंगर, कम्पन, ऑडियो, चार्जिंग की पैड व पावर सेक्शन का परिचय आरेख।

इकाई-3 **12 अंक**

-(ICs) आइसी (SMD & BGA) विभिन्न आइसी के कार्य।
-SMD(ICs) आइसी की सोल्डरिंग व डी सोल्डरिंग।
-जम्फर तकनीक और उसका समाधान।

इकाई-5 **14 अंक**

-Uplink & Downlink frequency (आवृत्ति)।
-जी0पी0आर0एस0 (GPRS)
-जी0पी0एस0 (GPS)
-वाई-फॉय (WI-FI)
-ब्लूटूथ (BLUTOOTH)
-इन्फ्रा रेड (INFRARED)
-डायग्राम-मल्टीमीडिया हेड सेट
-एप्लीकेशन को डाउनलोड करना (गेम, टोन, वाल पेपर, इमेजेस एम0पी0-3 मूवी)
-डेटा का हस्तान्तरण मोबाइल से PC में करना।

प्रयोगात्मक **पूर्णांक-50 अंक**

(1) हार्डवेयर (Hard Ware)
(a) मोबाइल के विभिन्न मॉडल की जानकारी व कार्य प्रणाली।
(b) CDMA तथा GSM तकनीकी की जानकारी।
(c) 2 जी तथा 3 जी तकनीक की जानकारी।
(d) बैटरी की सम्पूर्ण जानकारी-क्षमता, टेस्टिंग।
(e) माइक टेस्टिंग।
(f) फाइंड डेड सेट समस्या।
(g) नेटवर्किंग।
(h) SMD का उपयोग।
(i) सर्किट डायग्राम की जांच करना।
(j) वजर टेस्टिंग, कम्पन, मदरबोर्ड टेस्टिंग, सर्चिंग (नेटवर्क)।

(2) सॉफ्टवेयर (Soft ware)
-कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी प्राप्त करना।
-मोबाइल में प्रयुक्त किये जाने वाले साफ्टवेयर की जानकारी।
-लॉकिंग व अनलॉकिंग की जानकारी।
-IMEI नम्बर की जानकारी।
-रिंगटोन, सिंगटोन, वालपेपर, ऑडियो, वीडियो, Mp 3 Song SBJ लोड करना।

(24) ट्रेड-पर्यटन एवं आतिथ्य

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई-1

(1) पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी की परिभाषा।

(3) ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

(4) हॉस्पिटैलिटी की उत्पत्ति का कारण।

(5) आतिथ्य एवं पर्यटन का अर्थ, क्षेत्र, आवश्यकता, महत्व एवं अवधारणा।

इकाई-2 (1)

भारत में पर्यटन का महत्व।

(4) पर्यटन के प्रकार जैसे-प्राकृतिक, वाइल्ड, साहसिक, धार्मिक, फूड, डोमेस्टिक, ग्रामीण, शहरी इत्यादि।

इकाई-3 फ्रन्ट आफिस संचालन-

(1) फ्रन्ट ऑफिस की परिभाषा तथा महत्व।

(4) फ्रन्ट ऑफिस के स्टाफ, उनके कार्य तथा उत्तरदायित्व।

(5) विभिन्न प्रकार के प्लान-A.P., C.P., E.P., M.A.P.।

(6) चेक-इन तथा चेक-आउट, प्रोसीजर (प्रक्रिया) चेक आउट टाइम।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(24) ट्रेड-पर्यटन एवं आतिथ्य

पाठ्यक्रम

नोट-कुल 100 अंक का प्रश्न-पत्र होगा जिसमें 50 अंक का लिखित तथा 50 अंक का प्रयोगात्मक कार्य होगा।

उददे्श्य-

(1)-छात्रों में अतिथि देवो भव की भावना विकसित करना।

(2) हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन व्यवसाय को समझना।

(3) पर्यटन और आतिथ्य से सम्बन्धित विषय को समझना।

(4) बातचीत के तरीकों को विकसित करना।

(5) आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना।

रोजगार के अवसर-

छात्रों को आत्मनिर्भर बनाकर उनके मनोबल को बढ़ाना, जिससे छात्र स्वयं इस प्रकार के कार्य अथवा उद्योग को अपनाकर जीवन-निर्वाह कर सकें।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **पूर्णांक 50 अंक**

इकाई-1 **05 अंक**

(2) पर्यटक की परिभाषा तथा पर्यटन गाइड।

इकाई-2 **05 अंक**

(2) उद्देश्य।

(3) कारण।

(5) इनबाउन्ड टूरिज्म और आउटबाउन्ड टूरिज्म।

इकाई-3 फ्रन्ट आफिस संचालन **10 अंक**

(2) फ्रन्ट ऑफिस के कार्य तथा अनुभाग।

(3) फ्रन्ट ऑफिस के स्टाक के गुण तथा व्यक्तिगत भाव।

(7) आगमन और प्रस्थान विधि।

(8) बेल डेस्क के कार्य और महत्व।

(9) Reception के कार्य और महत्व।

(10) विभिन्न प्रकार के रजिस्टर-

(क) Log Book

(ख) आगमन और प्रस्थान रजिस्टर।

(ग) डाक्टर आनकाल रजिस्टर।

(घ) Guest Folio।

(ङ) C-Form रजिस्टर।

इकाई-4 House keeping **15 अंक**

(1) हाउसकीपिंग की परिभाषा और महत्व।

(2) हाउसकीपिंग के कार्य और अनुभाग।

(3) हाउसकीपिंग स्टाफ के कार्य, उनके उत्तरदायित्व तथा संगठन चार्ट।

(4) हाउसकीपिंग स्टाफ के गुण तथा भाव।

(5) ले-आउट।

(6) लॉस्ट एवं फाउण्ड प्रक्रिया।

(7) लेनिन तथा यूनीफार्म रूम तथा इसका ले आउट।

(8) DND, CLEAN MY ROOM तथा दूसरे प्रकार के डोर नॉब कार्ड के विषय में जानना।

(9) ब्लाक रूम तथा अतिथि रूम को बनाना।

(10) डर्टी लेनिन प्रोसीजर (प्रक्रिया) DND तथा रूम को हैण्डल करना।

इकाई-5 **15 अंक**

(1) F & B Service की परिभाषा और उद्देश्य।

(2) विभिन्न प्रकार के अनुभाग।

(3) कस्टमर हैंडलिंग।

(4) स्टाफ संरचना एवं संगठन।

(5) Restaurant, Coffee Shop, Discotheque, Night Club, मल्टी स्पेशियल्टी रेस्टोरेन्ट, कैफेटेरिया इत्यादि।

(6) Room Service अनुभाग के कार्य।

(7) Kitchen Stewarding के कार्य।

(8) किचेन के प्रमुख अनुभागों को जानना जैसे-Continental, इण्डियन, चाइनिज, बेकरी इत्यादि।

(9) विभिन्न प्रकार के शेफ (Chef) तथा उनके कार्य।

(10) किचेन का ले आउट बनाना।

(11) वेटर के कार्य तथा गुण।

(12) हाईजीन और सैनीटेशन का महत्व।

प्रयोगात्मक कार्य **पूर्णांक 50 अंक**

निर्देश-निम्न में से कोई पांच प्रयोगात्मक कार्य करें। प्रत्येक के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

(1) गेस्ट से बात करते समय बात करने का ढंग, उस समय प्रयोग किया जाने वाला कम्यूनिकेशन और गेस्ट के स्वागत करने का तरीका।

(2) शैक्षणिक भ्रमण की सहायता से होटल और ट्रेवेल एजेंसी को जानना।

(3) मैन्यू की योजना बनाना-

(क) एक मैन्यू बनाना जो 300 लोगों के लिए हो (साप्ताहिक दर्शायें)।

(ख) छात्रावास का मैन्यू बनायें (200 छात्रों के लिए)

(ग) कवर सेटअप करना (विभिन्न प्रकार के मैन्यू के लिए)।

(घ) बूफे सेटअप करना।

(ङ) ऑडर, टेकिंग।

(च) सर्विस करना।

(छ) बिल पेमेन्ट करना।

(ज) के0ओ0टी0/बी0ओ0टी0 काटना।

(झ) बिलिंग प्रोसिजर्स।

(4) बेड मेकिंग-

(क) मार्निंग सर्विस।

(ख) शाम की सर्विस।

(ग) अकस्मात रूम व्यवस्था।

(घ) सफाई चक्र।

(ङ) रख-रखाव और गृह की व्यवस्था।

(च) कमरे तथा रेस्टोरेन्ट के लिए प्रयोग किये जाने वाले लेनिन की व्यवस्था।

(5) मेड्सकार्ट में रखे जाने वाले वस्तुओं को रखना तथा उसका प्रयोग करना।

(6) विभिन्न प्रकार के प्रोफार्मा को बनाना-

(क) C-Form

(ख) Log Book

(ग) आने वाले तथा जाने वालों के रजिस्टर

(घ) आर्गनाइजेशन

(ङ) वीटनरी टैक सिस्टम को बनाना

(च) अतिथि का स्वागत करना

(छ) टूर पैकेज बनाना

(7) Room रिपोर्ट बनाना।

(8) Lost & Found रजिस्टर बनाना।

(9) टेलीफोन से बात करने का तरीका (क्या करना और क्या न करना)।

(10) रिजर्वेशन करने का तरीका (हाथ से और कम्प्यूटर) द्वारा।

(11) कम्प्यूटर द्वारा कार्य और अनुप्रयोग विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर पैकेज का प्रयोग।

(12) गेस्ट की शिकायतों को हैंडिल करना तथा उनको निपटाना।

(13) आचार-व्यवहार और ड्रेस कोडिंग।

(14) अकस्मात दिक्कतों को निपटाना।

(15) हाइजीन और सेनीटेशन।

(16) विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थों को बनाना तथा उसकी सर्विस करना।

(17) लगेज हैंडलिंग प्रोसिजर।

(18) गेस्ट का टिकट बुक कराना।

(19) विभिन्न प्रकार के Plan द्वारा रूम बुक कराना।

(20) रजिस्ट्रेशन कराना।

(21) प्रोजेक्ट बनाना।

पी0एस0यू0पी0–24 हिन्दी गजट–भाग 4–2021 ई0।

मुद्रक एवं प्रकाशक–निदेशक, मुद्रण एवं लेखन-सामग्री, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
पी0एस0यू0पी0–12 मा0शि0प0–10-09-2021–1000 प्रतियां (मोनो/डी0टी0पी0/आफसेट)।

रजिस्टर्ड नं०–ए०डी०–4
लाइसेन्स सं०–डब्ल्यू०पी०–41
(लाइसेन्स टू पोस्ट बिदाउट प्रीपेमेन्ट)

सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 11 सितम्बर, 2021 ई० (भाद्रपद 20, 1943 शक संवत्)

भाग 8

सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रूई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

कार्यालय, नगर पंचायत सिरसी (सम्भल)

21 अगस्त, 2021 ई0

सं0 590/न0पं0-सिरसी/2020-21 नगर पंचायत सिरसी जनपद सम्भल अपनी सीमा के अन्तर्गत लाईसेंस शुल्क नियमावली, 2020, उत्तर प्रदेश म्यूनिसिपैलटीज ऐक्ट, 1916 की धारा 301(1) में यह उपविधियां लागू की जाती है। दैनिक समाचार पत्र "हिन्दुस्तान मीडिया बैन्चर्स लिमिटेड" दिनांक 25 सितम्बर, 2020 एवं "दैनिक आज" दिनांक 24 सितम्बर, 2020 में प्रकाशित कराकर 30 दिन के अन्दर आपत्ति एवं सुझाव मांगे गये थे, निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही हुई। उपनियम गजट की प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगा।

लाईसेन्स शुल्क नियमावली, 2020

उप नियमावली

1–यह "उपनियमावली" नगर पंचायत सिरसी, सम्भल लाइसेंसिंग नियंत्रण उपनियमावली कहलायेगी ;

2–"अधिशासी अधिकारी" का तात्पर्य नगर पंचायत सिरसी सम्भल के अधिशासी अधिकारी से है ;

3–"अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी" का तात्पर्य नगर पंचायत सिरसी सम्भल के अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी से है ;

4–"लाइसेंसिंग अधिकारी" का तात्पर्य नगर पंचायत सिरसी सम्भल के अधिशासी अधिकारी से है।

उपनियम

1–यह उपनियम नगर पंचायत सिरसी सम्भल की सीमा के अन्तर्गत लागू होंगे।

2–यह उपनियम लाइसेंसिंग व अन्य शुल्क से सम्बन्धित उपनियम कहलायेंगे।

3–कोई भी व्यवसायी जो रेस्टोरेंट/नर्सिंग होम/पशुपालन तथा अन्य व्यवसाय जिनका उल्लेख नगर विकास अनु0-9, उ0 प्र0 शासन, लखनऊ के शासकीय पत्र संख्या 1847/9-97-23ज/97, दिनांक 9 जून, 1997 के अनुसार संलग्न सूची में अंकित हों व अन्य जो संलग्न है के अन्तर्गत आता हो तथा जिसका उललेख प्रदत्त उपनियमों में आगे लिया जायेगा के लिए लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

4–प्रस्तुत उपनियमों के पूर्व चल रहे ऐसे समस्त व्यवसायों आदि जिनका उल्लेख सूची में किया गया है, के लिए भी नगर पंचायत सिरसी से लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

5–लाइसेंस की अवधि प्रति एक वित्तीय वर्ष अर्थात् 1 अप्रैल से 31 मार्च तक एक वर्ष के लिए होगी।

6–प्रत्येक व्यक्ति/व्यवसायी जिसका उल्लेख सूची में किया गया है, के लिए आवश्यक होगा कि वह लिखित तालिका में निर्धारित की गयी दर से शुल्क की धनराशि नगर पंचायत सिरसी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं या पंचायत द्वारा अधिकृत कर्मचारी को अदा करके उसकी रसीद प्राप्त कर लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं।

7–प्रत्येक व्यक्ति/व्यवसायी आदि से शुल्क प्राप्त कर उसके निर्धारित प्रपत्र पर धन की रसीद जारी की जायेगी।

8–केन्द्र या राज्य सरकार या अन्य कोई विधि निहित संस्था के द्वारा पंचायत में उल्लिखित व्यवसायों के नियंत्रण हेतु लाइसेंस से भिन्न होगा।

9–ऐसा कोई व्यक्ति जो किसी छूत की बीमारी से पीड़ित है, उल्लिखित तालिका में वर्णित व्यवसाय नहीं करेगा तथा उक्त व्यवसायों में सहायक अथवा नौकरी भी नहीं करेगा तथा बाल श्रमिक को भी नौकर/सहायक के रूप में नहीं रख सकेगा।

10–नगर पंचायत सिरसी के अधिशासी अधिकारी अथवा नगर पंचायत सिरसी द्वारा अधिकृत अधिकारी/कर्मचारी किसी भी दुकान आदि के लाइसेंस का निरीक्षण कर सकते हैं और प्रत्येक व्यक्ति तथा व्यवसाय जैसी भी स्थिति हो का निरीक्षण कर सकते हैं तथा भवन में प्रवेश करने के लिए अधिकृत होंगे, मानक के अनुरूप न पाये जाने पर लाइसेंस निरस्त एवं रोकने का अधिकार लाइसेंसिंग अधिकारी में निहित होगा।

11–समस्त लाइसेंस अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्गत किये जायेंगे। इन उपनियमों के प्रभावी होते ही पूर्व में प्रभावी समस्त लाइसेंस व तत्सम्बन्धित दरें निरस्त समझी जायेगी और उन पर संशोधित दरें लागू होगी।

12–वाहनों व जानवरों के लाइसेंस न बनवाने अथवा चेकिंग में पकड़े जाने पर नगर पंचायत द्वारा जारी रसीद न दिखाने पर लाइसेंसिंग अधिकारी/अधिकृत कर्मचारी को ऐसे वाहन तथा जानवर अपनी कस्टडी में लेने का अधिकार होगा और यदि कस्टडी में लेने के पन्द्रह दिन के अन्दर निर्धारित किये गये जुर्माने तथा शुल्क को अदाकर लाइसेंस प्राप्त नहीं किया गया तो बाद अवधि एक सप्ताह में नोटिस उपरान्त नगर पंचायत को ऐसे वाहन/जानवर नीलाम करने का अधिकार होगा।

13–प्रत्येक व्यक्ति/व्यवसायी लाइसेंस प्राप्ति के लिए लाइसेंसिं अधिकारी को निर्धारित प्रारूप पर प्रार्थना-पत्र देगा।

14–प्रत्येक लाइसेंसधारी को वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में पन्द्रह अप्रैल तक लाइसेंस का नवीनीकरण कराना आवश्यक होगा। अन्यथा रु0 100.00 विलम्ब शुल्क के साथ लाइसेंस का नवीनीकरण किया जायेगा।

15–परन्तु प्रतिबन्ध यह है कि उक्त नियम 15 के अन्तर्गत प्रदत्त छूट प्रत्येक वित्तीय वर्ष की 30 अप्रैल तक प्रभावी होगी। जिसके उपरान्त निर्धारित दण्ड वसूला जायेगा।

क्र0सं0	मद का नाम	दर
1	2	3
		रु0
	होटल रेस्टोरेन्ट	
1	होटल लाजिंग हाउस तथा गेस्ट हाउस 10 शय्या तक	5,000.00
2	तीन सितारा होटल	5,000.00
3	पॉच सितारा होटल	12,000.00
	नर्सिंग होम	
4	नर्सिंग होम (20 बेड तक)	5,000.00
5	नर्सिंग होम (20 बेड से ऊपर रु0 50 प्रति बेड)	10,000.00
6	प्रसूति गृह (20 बेड तक)	5,000.00
7	प्रसूति गृह (20 बेड से ऊपर)	10,000.00
8	प्राइवेट अस्पताल	2,000.00
9	पैथोलाजी सेंटर	2,000.00
10	एक्सरे क्लीनिक	1,000.00
11	डेन्टल क्लीनिक	1,000.00
12	प्राइवेट क्लीनिक	1,000.00
	परिवहन	
13	ऑटो रिक्शा 2 सीटर	100.00
14	ऑटो रिक्शा 7 सीटर (टेम्पो)	150.00
15	ऑटो रिक्शा 4 सीटर	100.00
16	मिनी बस	500.00
17	बस	2,500.00
18	तांगा	कर मुक्त
19	रिक्शा किराये पर	75.00
20	रिक्शा (निजी चालित)	कर मुक्त
21	ठेली/ठेला	कर मुक्त
22	हाथ ठेला	कर मुक्त
23	बैलगाड़ी/भैंसा गाड़ी	कर मुक्त
24	ट्राली (ट्रैक्टर)	100.00

1	2	3
		रु0
25	अन्य चार पहिये का वाहन (व्यापारिक प्रयोग हेतु सभी वाहन)	500.00
	अन्य व्यवसाय	
26	धुलाई गृह (लाण्ड्री)	500.00
27	ड्राई क्लीनर	500.00
28	फाइनेंस कम्पनी, चिटफण्ड	5,000.00
29	इंश्योरेंश क0 प्रतिषाखा	5,000.00
30	फाउण्डिंग इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रियल	1,200.00
31	पशुवध (स्लाटर हाउस) प्रति पशु	20.00
32	हड्डी खाल गोदाम	2,000.00
33	बार/वियर दुकान	10,000.00
34	आइस फैक्ट्री	1,000.00
35	विल्डर्स/फड़ रेता/बदरपुर/आरा मशीन/चूना भट्टी	2,000.00
36	देशी शराब (प्रति दुकान)	10,000.00
37	विदेशी शराब (प्रति दुकान)	15,000.00
38	भैंस मांस की दुकान	2,000.00
39	बकरा मांस की दुकान	1,000.00
	पशुपालन	
40	प्रति पशु	कर मुक्त
41	कांजी हाउस में बन्द जानवरों पर जुर्माना	50.00
42	प्रतिदिन खुराकी छोटे जानवर (बकरी आदि)	50.00
43	प्रतिदिन खुराकी बड़े जानवर (गाय, भैस, घोड़े आदि)	25.00
44	भवन निर्माण स्वीकृत मानचित्रक	1,000.00
45	स्कूटर, मोटर, साइकिल रिपेयर	500.00
46	स्कूटर, तीन पहिया रिपेरिंग शाप	500.00
47	साइकिल पार्ट्स व साइकिल विक्रेता	500.00
48	साइकिल मरम्मत की दुकान	100.00
49	आटा चक्की, स्पेलर, धान मशीन आदि	500.00
50	गन्ना, कोल्हू, आरा मशीन, धर्मकाटा	500.00
51	पेट्रोलियम	1,000.00
52	दुकान तेल मिट्टी 100 गैलेन तक	500.00
53	दुकान तेल मिट्टी 500 गैलेन तक	500.00
54	पेट्रोल पम्प, डीजल पम्प फुटकर विक्रेता	500.00
55	जनरेटर डीजल प्रति नग	200.00
56	दुकान अन्य पेट्रोल उत्पाद	500.00
57	गोदाम कबाड़/गूदड़ आदि	500.00
58	कोयला भट्टी	100.00
59	जूता बनाने का कारखाना बड़ा	1,000.00
60	जूता बनाने का कारखाना छोटा	500.00
61	लोहा व्यापारी, टिम्बर, सीमेन्ट, टाइल, मारबल, ईटा, बालू, हाडवेयर, सेनेटरी फुटकर	2,000.00
62	बिजली का सामान थोक विक्रेता	1,000.00
63	बिजली का सामान फुटकर विक्रेता	500.00
64	कपड़ा व्यापारी थोक	2,000.00
65	कपड़ा व्यापारी फुटकर	1,000.00
66	बेकरी भट्टी	500.00
67	बेकरी पावर	500.00
68	हेयर कटिंग सैलून छोटा (एक कारीगर)	100.00
69	हेयर कटिंग सैलून छोटा (एक से अधिक कारीगर)	200.00
70	कुकिंग गैस सिलेण्डर फिलिंग फुटकर विक्रेता	200.00
71	जनरल मर्चेन्ट थोक	1,000.00
72	जनरल मर्चेन्ट फुटकर	500.00
73	टेलरिंग हाउस (01 से 05 कर्मचारी)	500.00

1	2	3
		रु0
74	टेलरिंग हाउस (05 से अधिक कर्मचारी)	1,000.00
75	कोयला थोक विक्रेता	1,000.00
76	कोयला फुटकर विक्रेता	500.00
77	पेन्ट की दुकान	500.00
78	ज्वैलर बड़े (पांच लाख से अधिक से टर्नओवर)	2,000.00
79	ज्वैलर बड़े (एक लाख से पॉच लाख तक टर्नओवर)	1,000.00
80	डेयरी फार्म	2,000.00
81	भूसा थोक विक्रेता	1,000.00
82	भूसा फुटकर विक्रेता	500.00
83	वी.डी.ओ. लाइब्रेरी	500.00
84	केबिल टी.बी.	500.00
85	अनाज, तिलहन, चीनी, गुड़ थोक विक्रेता	1,000.00
86	अनाज, तिलहन, चीनी, गुड़ फुटकर विक्रेता	500.00
87	टेन्ट हाउस बड़ा (एक लाख रुपये से अधिक लागत)	1,000.00
88	टेन्ट हाउस बड़ा (एक लाख रुपये तक लागत)	500.00
89	पान की दुकान खोखा	100.00
90	पान की दुकान पक्की	100.00
91	चाय की दुकान खोखा	100.00
92	मीठा, चाय की दुकान पक्की बड़ी	200.00
93	किताबों के थोक विक्रेता	1,000.00
94	किताबों के फुटकर विक्रेता	500.00
95	लकड़ी के टाल थोक विक्रेता	1,000.00
96	लकड़ी के टाल फुटकर विक्रेता	500.00
97	रेडियो मैकेनिक	500.00
98	टी0वी0इलेक्ट्रानिक की ुदकान	500.00
99	मिठाई की दुकान	500.00
100	सब्जी/फल विक्रेता	100.00
101	मसाले फुटकर विक्रेता	100.00
102	मसाले थोक विक्रेता	500.00
103	फर्नीचर मरम्मत कर्ता	500.00
104	फर्नीचर विक्रेता	1,000.00
105	काकरी फुटकर विक्रेता	200.00
106	काकरी थोक विक्रेता	500.00
107	लाउडस्पीकर किराये पर (पांच सेट तक)	100.00
108	लाउडस्पीकर किराये पर (पांच सेट से अधिक)	200.00
109	खराद मशीन लकड़ी	100.00
110	आभूषण मरम्मतकर्ता	200.00
111	जूता, चप्पल मरम्मतकर्ता	कर मुक्त
112	ट्रान्सफार्मर बिजली (प्रति ट्रान्सफार्मर)	—
113	प्रति पोल विद्युत	0.50
114	सब स्टेशन (प्रति वर्गमीटर)	—
115	प्रिटिंग प्रेस	1,000.00

दण्ड

यू0पी0 म्यूनिसिपैलिटीज ऐक्ट, 1916 की धारा 299 (1) के अन्तर्गत अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश दिया जाता है कि इस नियमावली में दिये गये किन्ही उपविधियों की अवहेलना करने पर निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त रु0 1,000.00 (एक हजार रुपये) तक अर्थदण्ड दिया जा सकता है और उल्लंघन जारी रहने की दशा में रु0 25.00 (पच्चीस रुपया) प्रतिदिन दण्ड दिया जायेगा जो प्रथम दोष सिद्ध होने के पश्चात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि इसने अपराध निरन्तर किया है।

नोट—यह उपविधि के प्रभावी होने की तिथि से इस विषय से सम्बधित पूर्व में प्रचलित उपविधि निरस्त हो जायेगी। भविष्य में दरों का पुनर्निर्धारण एवं संशोधन के समस्त अधिकार बोर्ड में निहित होंगे।

नूर जहाँ,
अध्यक्ष,
नगर पंचायत सिरसी, सम्भल।

कार्यालय, नगर पंचायत सिरसी (सम्भल)

21 अगस्त, 2021 ई0

सं0 584/न0पं0-सिरसी/2019–20 नगर पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल अपनी सीमा के अन्तर्गत उ०प्र० नगरपालिका अधिनियम, 1916 की स्वतंत्र धाराओं तथा 298(2) एवं ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियम, 2016 द्वारा अधिकारों के अधीन शक्ति का प्रयोग कर नगर पंचायत सिरसी (सम्भल) क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन व कूड़ा नियंत्रण हेतु उपनियम 2019 लागू करते हैं। दैनिक समाचार पत्र "दैनिक आज" दिनांक 25 दिसम्बर, 2019 में प्रकाशित कराकर आपत्ति एवं सुझाव मांगे गये थे, निर्धारित अवधि 30 दिन में कोई आपत्ति प्राप्त नही हुई। उपनियम गजट की प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगा।

ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन व कूड़ा नियंत्रण उपनियम, 2019

1–संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ–

(1) यह उपनियम नगर पंचायत सिरसी ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन व कूड़ा नियंत्रण उपनियम 2019 कहे जायेंगे।

(2) इन उपनियमों का विस्तार नगर पंचायत सिरसी के सम्पूर्ण क्षेत्र में होगा और ऐसी सम्पत्तियां/भवन एवं उनके स्वामियों और अध्यासियों पर भी यह उपनियम लागू होंगे, जो नगर पंचायत सिरसी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सड़कों की तरफ ऐसे भवनों/सम्पत्तियों के द्वारा हो अथवा हो सकते हैं।

(3) यह उपनियम गजट में प्रकाशन के दिनांक से प्रभावी होगा।

2–संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ–

(1) अधिनियम से तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 से है।

(2) नगर पालिका से तात्पर्य नगर पंचायत सिरसी से है।

(3) सफाई कर्मी/पर्यावरण मित्र से तात्पर्य नगर पंचायत सिरसी के ऐसे कर्मचारी से है जिस कर्मचारी को एक निर्धारित क्षेत्र में साफ-सफाई रखने/रखवाने का उत्तरदायित्व सौंपा गया हो।

(4) निरीक्षक से तात्पर्य नगर पंचायत सिरसी के किसी भी ऐसे अधिकारी/कर्मचारी से है, जिसे इस उपनियम के अन्तर्गत क्षेत्र के निरीक्षण का उत्तरदायित्व सौंपा गया हो।

(5) नगर स्वास्थ्य अधिकारी/पर्यावरण अधिकारी से तात्पर्य ऐसे अधिकारी से है, जिसे अधिशासी अधिकारी द्वारा सम्पूर्ण नगर पंचायत सिरसी क्षेत्र अथवा उसके आंशिक क्षेत्र में उक्त पद का उत्तरदायित्व सौंपा गया हो।

(6) सफाई/पर्यावरण शुल्क से तात्पर्य ऐसे उपयोक्ता शुल्क से है, जिसे नगर पंचायत द्वारा सम्पत्ति/भवन स्वामी से प्रतिमाह वसूलने हेतु निर्धारित किया हो।

3–सफाई/पर्यावरण शुल्क–

(1) यह कि सफाई/पर्यावरण शुल्क प्रत्येक सम्पत्ति/भवन स्वामी द्वारा भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा।

(2) यह कि सफाई/पर्यावरण शुल्क का भुगतान नगर पंचायत सिरसी कार्यालय में निर्धारित स्थानों अथवा एजेन्सी अथवा बैंक कर सकेंगे, जिन्हें अधिशासी अधिकारी द्वारा अधिकृत किया गया है।

(3) यह कि सफाई/पर्यावरण की व्यवस्था करने एवं शुल्क की वसूली हेतु अधिशासी अधिकारी को नियमानुसार किसी एजेन्सी को नियुक्त करने का अधिकार होगा।

(4) यह कि सफाई/पर्यावरण शुल्क का निर्धारण मासिक तौर पर किया जायेगा और निर्धारित शुल्क को सम्पत्ति/भवन स्वामी एक वित्तीय वर्ष हेतु अग्रिम रूप से भी जमा कर सकता है। एक वर्ष का शुल्क अग्रिम रूप से जमा करने वाले व्यक्ति को 20 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

(5) यह कि सफाई/पर्यावरण शुल्क का भुगतान मासिक तौर पर किए जाने पर कोई छूट देय नहीं होगी।

4–नगर पंचायत के कर्तव्य–

(1) यह कि नगर पंचायत को प्रत्येक मोहल्ले अथवा वार्ड में सफाई कर्मचारी/पर्यावरण मित्र/सुपरवाईजर/निरीक्षक के नाम, मोबाईल नम्बर के सूचना पट पर लिखने अनिवार्य होंगे।

(2) यह कि सूचना पट पर यह सूचना भी अंकित होगी कि सम्बन्धित वार्ड में कितने डस्टबिन जैविक तथा अजैविक ठोस अपशिष्ट के निस्तारण हेतु उपलब्ध है। नगर पंचायत को निर्धारित स्थानों पर दो तरह के डस्टबिन उपलब्ध कराने होंगे एक जैविक ठोस अपशिष्ट हेतु और दूसरा अजैविक ठोस अपशिष्ट के निस्तारण हेतु और जैविक ठोस अपशिष्ट के डस्टबिन का निस्तारण प्रतिदिन करना होगा।

(3) यह कि सूचना पट पर सूचना भी अंकित करनी होगी कि सम्बन्धित वार्ड में डस्टबिन का उठाने का अनुमानित समय क्या-क्या है।

(4) यह कि सूचना पट पर यह सूचना भी अंकित करनी होगी कि सम्बन्धित वार्ड में डस्टबिन के ठोस अपशिष्ट को निस्तारण हेतु कौन-कौन से वाहन उपलब्ध हैं। वाहनों के नम्बर क्या है और वाहन चालक के नाम व मोबाईल नम्बर क्या है।

(5) यह कि प्रत्येक वार्ड में सफाई नायक/निरीक्षक की उपलब्ध का स्थान व समय क्या है।

5–सफाई/पर्यावरण के सम्बन्ध में नागरिकों के कर्तव्य–

(1) यह कि प्रत्येक आवासीय सम्पत्ति/भवन के स्वामी/अध्यासी का यह कर्तव्य होगा कि वह अपने आवास से निर्गत होने वाले ठोस अपशिष्ट (कूड़ा) की जैविक अथवा अजैविक को अलग-अलग बैग में भरकर प्रतिदिन नगर

पालिका द्वारा वार्ड/मोहल्ले में उपलब्ध कराये गये जैविक/अजैविक डस्टबिन में ही निस्तारित करें अथवा करवायें। यदि कोई सम्पत्ति/भवन स्वामी/अध्यासी अपने घर से निर्गत होने वाले ठोस अपशिष्ट का निस्तारण उक्त रीति से नहीं करता है तो वह निर्धारित दण्ड के योग्य माना जायेगा।

(2) यह कि यदि किसी सम्पत्ति/भवन के स्वामी/अध्यासी के द्वारा अपने आवास के सामने ठोस अपशिष्ट एकत्रित करता है अथवा उसके निस्तारण हेतु डस्टबिन का प्रयोग नहीं करता है तो उस पर भी निर्धारित जुर्माना आरोपित किया जायेगा।

(3) यह कि कोई भी व्यक्ति नाले/नाली में पॉलीथीन अथवा ठोस अपशिष्ट/गंदगी/गोबर आदि का निस्तारण करते हुए पाया गया, तो ऐसे व्यक्ति भी निर्धारित दण्ड के योग्य माने जायेंगे।

(4) यह कि कोई भी व्यक्ति/संस्था/फर्म/व्यवसायी नाली/नाले को अवरुद्ध नहीं करेगा और न ही नाले/नाली को इस तरह से ढकेगा कि जिससे उक्त नाले/नाली की सफाई करना दुष्कर हो जायें। ऐसा करने वाले व्यक्ति/फर्म/संस्था/व्यवसायी भी निर्धारित दण्ड के योग्य होंगे।

(5) यह कि कोई भी नागरिक निर्धारित मानक की पॉलीथीन अथवा अन्य प्रकार के बैग में ठोस अपशिष्ट (कूड़ा कचरा) का संकलन कर डस्टबिन में निस्तारण करेगा। इस संबंध में पॉलीथीन अथवा अन्य प्रकार के बैग का स्टैण्डर्ड मानक अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्धारित किया जायेगा। यदि कोई नागरिक निर्धारित मानक से कम की पॉलीथीन में ठोस अपशिष्ट का निस्तारण करता है, तो ऐसे व्यक्ति को अंकन रु0 5,000.00 निर्धारित दण्ड से आरोपित किया जायेगा।

(6) यह कि प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह अपने घर के सामने गंदगी नहीं फैलाऐगा और यदि कोई गंदगी है, तो उसे अविलम्ब एकत्र कर बैग में भरकर रखेगा और उसका निस्तारण निर्धारित कूड़ेदान में करेगा।

(7) यह कि प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह ऐसे व्यक्तियों को पूर्ण जानकारी नगर पंचायत के सक्षम अधिकारी को व्हाट्स एप, ई-मेल या किसी अन्य इलैक्ट्रॉनिक माध्यम से अथवा साक्ष्यों सहित लिखित रूप में उपलब्ध करायेगा, जो व्यक्ति निर्धारित स्थानों के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर कूड़ा डालते हैं, ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जा सके।

6–व्यवसायिक संस्थाओं (फर्म/होटल/रेस्टोरेंट/आवास कल्याण/बाजार संघ एवं प्राईवेट कालोनाईजर) के कर्तव्य–

(1) यह कि उपरोक्त व्यवसायिक संस्थाएं जैव अवक्रमणीय अपशिष्ट का परिसर के अंदर कम्पोस्टिंग करते हुए निपटारा करेंगे तथा शेष अपशिष्ट नगर पंचायत द्वारा उपलब्ध कराये गये ठोस अपशिष्ट वाहन में निर्धारित समय के अंदर ठोस अपशिष्ट का निस्तारण करायेंगे।

(2) यह कि उपरोक्त व्यवसायिक संस्थाओं को सड़क, नाले/नाली में ठोस अपशिष्ट का निस्तारण करने पर निर्धारित दण्ड अंकन रु0 10,000.00 (दस हजार रु०) का भुगतान करना होगा।

(3) यह कि कोई भी व्यवसायी अपनी दुकान/संस्थान पर निर्धारित मानक की पॉलीथीन में ठोस अपशिष्ट (कूड़ा कचरा) का संकलन कर निस्तारण करेगा। इस संबंध में पॉलीथीन का मानक अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्धारित किया जायेगा। यदि कोई व्यवसायी निर्धारित मानक से कम की पॉलीथीन में ठोस अपशिष्ट का निस्तारण करता है, तो ऐसे व्यक्ति/फर्म/कम्पनी को अंकन रु0 10,000.00 (दस हजार रुपये) निर्धारित दण्ड से आरोपित किया जा सकेगा।

7–सफाई/पर्यावरण शुल्क की वसूली–

(1) यह कि उक्त सफाई/पर्यावरण उपयोक्ता शुल्क को समय से नगर पंचायत कोष अथवा अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्धारित एजेन्सी अथवा बैंक में जमा करना प्रत्येक सम्पत्ति/भवन स्वामी/अध्यासी का कर्तव्य है। यदि किसी सम्पत्ति/भवन स्वामी की बकाया है तो नगर पंचायत ऐसे व्यक्ति को नोटिस जारी कर उक्त धनराशि 15 दिन के अंदर जमा कराने के लिए कहेगा और ऐसे नोटिस की प्राप्ति 15 दिन के अंदर यदि भवन स्वामी/अध्यासी शुल्क की अदायगी नहीं करता है, तो नगर पालिका ऐसी समस्त बकाया धनराशि को बकाया भू-राजस्व की भांति वसूल कर सकेगा।

8–बकाया भू-राजस्व की भांति वसूली–

(1) यह कि बकाया भू-राजस्व की भांति वसूली नगर पंचायत भी कर सकेगा जबकि नगर पंचायत द्वारा ऐसे बकायेदार को 15 दिन का नोटिस दिया गया हो और उस नोटिस की प्राप्ति ऐसे भवन स्वामी/अध्यासी पर हो।

(2) यह कि स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक से सम्पत्ति/भवन स्वामी/अध्यासी के पते पर नगर पंचायत द्वारा 15 दिन का नोटिस भेजा गया है और यह बिना प्राप्ति के ही नगर पंचायत को वापस प्राप्त हुआ है तो यह समझा जायेगा कि उक्त नोटिस सम्पत्ति/भवन/स्वामी/अध्यासी पर तामील हो चुका है।

9–उप नियमों का क्रियान्वयन–

(1) यह कि उक्त उपविधियों का क्रियान्वयन कराने का उत्तरदायित्व सभी नागरिकों, व्यवसायियों, नगर पंचायत के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों, नगर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों सहित ऐसे सभी व्यक्तियों का है, जो नगर पंचायत की सीमान्तर्गत सामान्यतः निवास करते हैं।

(2) यह कि नगर पंचायत द्वारा इन उपविधियों का अनुपालन कराने हेतु एक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जायेगा जो प्राप्त शिकायतों का परीक्षण कर नियमानुसार दण्ड का निर्धारण करेगा।

10–शुल्क की दरें निम्नवत् हैं–

उपभोक्ता शुल्क अनुसूची निम्न श्रेणी के वास्तविक स्वामी या अध्यासियों से प्राप्त किया जायेगा तथा आवासीय भवनों में प्रत्येक परिवार जो अपना कूड़ा संग्रहकर्ता को अलग-अलग देते हों, से अलग-अलग लिया जायेगा।

क्र० सं०	श्रेणी	उपभोक्ता शुल्क
1	2	3
		रु0
1	**अ**–पक्का भवन जिसका क्षेत्रफल 500 वर्गफीट से अधिक हो	50.00
	ब–पक्का भवन जिसका क्षेत्रफल 500 वर्गफीट से कम हो	30.00
	स–बी०पी०एल० कार्ड धारक परिवारों हेतु	20.00
	द–कच्चे भवनों व अंत्योदय कार्ड धारक परिवारों हेतु	10.00
2	**अ**–जिसमें दुकान हो (600 वर्गफीट से अधिक) भवन के लिए	100.00
	ब–जिसमें दुकान हो (500 वर्गफीट से अधिक) भवन के लिए	50.00
3	पान/चाय/खोखा/ठेले, सब्जी, फल आदि	50.00
4	रेस्टोरेंट (50 वर्गमीटर तक)	500.00
5	रेस्टोरेंट (50 वर्गमीटर से अधिक)	1,000.00
6	होटल 30 कमरे तक	1,000.00
7	होटल 30 कमरे से अधिक	1,000.00
	होटल तीन सितारा व इससे ऊपर	2,000.00
8	लॉज 30 कमरे तक	200.00
	लॉज 30 कमरों से अधिक	400.00
	धर्मशाला 30 कमरे तक	100.00
	धर्मशाला 30 कमरों से अधिक	200.00
9	बैंक	200.00
10	सिनेमा हॉल	200.00
11	स्कूल जिसमें 500 विद्यार्थी से कम हो	250.00
	स्कूल जिसमें 500 विद्यार्थी से अधिक हो	500.00
12	मॉल	6,000.00
13	बड़े दुकान (जो 10 वर्गमीटर या अधिक क्षेत्रफल) अ– मुख्य मार्ग	100.00
	ब– उपमार्ग	70.00
14	मध्यम दुकान (जो 10 वर्गमीटर या अधिक क्षेत्रफल) अ– मुख्य मार्ग	70.00
	ब– उपमार्ग	40.00
15	नर्सिंग होम	1,000.00
16	क्लीनिक	500.00
17	अस्पताल 20 शैय्या से कम (मेडिकल वेस्ट के अतिरिक्त)	1,000.00
	अस्पताल 20 शैय्या से अधिक (मेडिकल वेस्ट के अतिरिक्त)	2,000.00
18	विवाह मण्डप/मैरेज हाल	2,000.00
19	छात्रावास 20 कमरों से कम	250.00
	छात्रावास 20 कमरे या उससे अधिक	500.00
20	उच्च शिक्षण संस्थान व विश्वविद्यालय	3,000.00
21	कोचिंग इंस्टीट्यूट 200 से कम विद्यार्थी	250.00
	कोचिंग इंस्टीट्यूट 200 या उससे अधिक विद्यार्थी	1,000.00
22	वर्कशॉप/फैक्ट्री 50 किलो वॉट तक	500.00
	वर्कशॉप/फैक्ट्री 50 किलो वॉट से अधिक	1,000.00

अधिशासी अधिकारी को प्रत्येक 02 वर्षों के उपरान्त इन दरों में अधिकतम 10 प्रतिशत वृद्धि का अधिकार होगा।

दण्ड

नगरपालिका अधिनियम की धारा 298 के अधीन शक्ति का प्रयोग करते हुए अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत सिरसी एतद्द्वारा यह निर्देश देते हैं कि उपविधि के किसी भी प्राविधान का उल्लंघन करने पर रु0 500.00 से रु0 10,000.00 का दण्ड दिया जा सकता है।

नोट–यह उपविधि के प्रभावी होने की तिथि से इस विषय से सम्बधित पूर्व में प्रचलित उपविधि निरस्त हो जायेगी। भविष्य में दरों का पुनर्निर्धारण एवं संशोधन के समस्त अधिकार बोर्ड में निहित होंगे।

नूर जहाँ,
अध्यक्ष,
नगर पंचायत सिरसी, सम्भल।

कार्यालय, नगर पंचायत सिरसी (सम्भल)

21 अगस्त, 2021 ई0

सं0 583/न0पं0-सिरसी/2019-20 नगर पंचायत सिरसी जनपद सम्भल अपनी सीमा के अन्तर्गत जारी ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन एवं कूड़ा नियंत्रण उपनियम, 2019 एवं शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जून, 2019 में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन एवं कूड़ा नियंत्रण सम्बन्धी निर्गत ड्राफ्ट के अनुसार किए गए अर्थदण्ड के प्राविधानों को लागू किया जाता है।

नियमावली के उपनियम 5 व 6 कूड़े का पृथक्कीकरण, एकत्रीकरण, संवहीकरण, निस्तारण का उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड निर्धारित है। यदि कोई मौके पर अर्थदण्ड नहीं देता है, तो 133 सीआरपीसी में चालान किया जायेगा। दैनिक समाचार पत्र "शाह टाईम्स" दिनांक 25 दिसम्बर, 2019 में प्रकाशित कराकर आपत्ति एवं सुझाव मांगे गये थे, निर्धारित अवधि 30 दिन में कोई आपत्ति प्राप्त नही हुई। उपनियम गजट की प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगा।

स्पॉट फाईन उपनियम, 2019

क्र० सं०	नियमावली का उपनियम सं०	विवरण	दण्ड की राशि	सक्षम प्राधिकारी
1	2	3	4	5
			रु0	
1	5.1	गीले/सूखे कूड़े को अलग-अलग डिब्बे में न रखने पर	100.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नायक
2	5.1	जैविक व अजैविक का पृथक्कीकरण न करने पर	100.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नायक
3	5.2	आवास के सामने सड़क पर किसी भी तरह का कूड़ा/कटा पेड़, भवन सामग्री एकत्रित करने पर	1,500.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक
4	5.2	सड़क पर लैट्रिन/पेशाब करने पर	200.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नायक
5	5.2	सड़क/गली में कुत्तों/पशुओं के लैट्रिन करने पर	500.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नाक
6	5.2	पशुओं को सड़क पर आवारा छोड़ने पर	1,000.00 प्रति पशु	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नायक
7	5.2	सड़क पर थूकने/स्नान करने पर	100.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नायक
8	5.3	नाली/नाले में गंदगी फैलाने व कूड़ा डालने पर/लैट्रिन बहाने पर	10,000.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक
9	5.3	नदी नाले में सैप्टिक टैंक क्लीनर मशीनों द्वारा एकत्रित सीवेज डालने पर	50,000.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक
10	5.5	मानक रहित पॉलीथीन में कूड़ा रखने पर	5,000.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक
11	6.1	व्यावसायिक संस्था द्वारा अपशिष्ट का पृथक्कीकरण न करने पर	1,000.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नायक
12	6.1	व्यावसायिक संस्था या खाद्य पदार्थों/मांस/शराब के विक्रेताओं द्वारा दुकान के सामने सड़क पर किसी भी तरह का कूड़ा डालने पर	500.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नायक
13	6.2	व्यावसायिक संस्था द्वारा नाला/नदी/नाली/सड़क पर किसी भी तरह का अधिक कूड़ा डालने पर/गंदगी/कूड़ा जलाने पर	10000.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक

1	2	3	4	5
			रु0	
14	6.3	व्यावसायिक संस्था द्वारा मानक पॉलीथीन के अंदर कूड़ा न रखने पर/गैर मानक पॉलीथीन में कूड़ा रखने पर	10,000.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक
15	6.3	प्राईवेट आयोजकों द्वारा आयोजन उपरान्त सार्वजनिक स्थल पर कूड़ा फैलाने/गंदगी फैलाने पर सफाई व्यय	1,000.00	अधिशासी अधिकारी/सफाई निरीक्षक/सफाई नायक

नोट—यह उपविधि के प्रभावी होने की तिथि से इस विषय से सम्बधित पूर्व में प्रचलित उपविधि निरस्त हो जायेगी। भविष्य में दरों का पुनर्निर्धारण एवं संशोधन के समस्त अधिकार बोर्ड में निहित होंगे।

नूर जहाँ,
अध्यक्ष,
नगर पंचायत सिरसी, सम्भल।

कार्यालय, नगर पंचायत सिरसी (सम्भल)

21 अगस्त, 2021 ई0

सं0 565/1/न0पं0-सिरसी/2021-22 दिनांक 26 अप्रैल, 2021 नगर पंचायत सिरसी जनपद सम्भल अपनी आय व आर्थिक हितों को दृष्टिगत रखते हुए अपनी सीमान्तर्गत होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर, विज्ञापन सूचना आदि पर शुल्क लिये जाने व विज्ञापनों, वाणिज्य नियन्त्रण एंव लाईसेन्स शुल्क को विनियमित एंव नियंत्रित करने के उददेश्य से नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 (2) सूची के ई वी के अर्न्तगत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विज्ञापनों, वाणिज्य नियन्त्रण एंव लाईसेन्स शुल्क सम्भरण उपविधियॉ बनायी गयी हैं। दैनिक समाचार-पत्र "दैनिक आज" दिनांक 27 अप्रैल, 2021 में प्रकाशित कराकर आपत्ति एवं सुझाव मांगे गये थे, निर्धारित अवधि 30 दिन में कोई आपत्ति प्राप्त नही हुई। उपनियम गजट की प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगा।

विज्ञापन शुल्क उपविधि, 2021

1—संक्षिप्त नाम प्रसार और प्रारम्भ

(क) यह उपविधि विज्ञापन शुल्क उपविधि नगर पंचायत सिरसी जनपद सम्भल के नाम से जानी जायेगी जो सरकारी गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू होगी ।

2—अर्थ—

विज्ञापन पट शुल्क उपविधि के तहत यदि कोई व्यक्ति नगर पंचायत सिरसी जनपद सम्भल की सीमा के अन्दर किसी भी स्थान अथवा भवन पर विज्ञापन पत्र, पोस्टर सूचना एवं कपड़े के बैनर फ्लैक्सी व होर्डिंग आदि लगाता है तो उस व्यक्ति से इस नियमावली में उल्लेखित दरों के आधार पर आगणन कर विज्ञापन शुल्क लिया जायेगा।

3—परिभाषाएं—

(1) नगर पंचायत से तात्पर्य पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल से है।

(2) अधिनियम से तात्पर्य नगर पालिका अधिनियम, 1916 से है।

(3) अधिशासी अधिकारी से तात्पर्य अधिशासी अधिकारी, पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल से है।

(4) अध्यक्ष/प्रशासक/बोर्ड से तात्पर्य पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल के अध्यक्ष/प्रशासक/बोर्ड से है।

(5) सीमा से तात्पर्य नगर पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल की सीमा से है।

(6) अवर अभियंता सिविल/जल व कर अधीक्षक का तात्पर्य पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल के अवर अभियंता सिविल/जल तथा कर अधीक्षक से है।

(7) भवन स्वामी का तात्पर्य नगर पंचायत सिरसी जनपद सम्भल की सीमा में भवन के अधिकृत स्वामी से है व अध्यासी का तात्पर्य भवन मे तत्समय अध्यासन (रहने) से है।

(8) विज्ञापन का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन पट, यूनिपोल, पत्रक सूचना पोस्टर, कपड़े के बैनर, कागज के छोटे पोस्टर, चिपकाने वाले फ्लैक्सी या साइन बोर्ड या अन्य किसी ऐसी वस्तु से है जो विज्ञापन के लिये प्रयुक्त की गयी हो जिसमें स्टेन्सिल के छपे लिखे रंगीन तथा वे तस्वीरे रेखाचित्र सम्मिलित हैं जो इसमें बनाये गये हैं।

(9) भवन का तात्पर्य घर, झोपड़ी अथवा छप्पर या अन्य छतदार निर्मित चाहे वह किसी भी निमित्त बनाई गयी हो तथा उसके प्रत्येक भाग जिसमें बाहरी दीवार घर या भवन के किसी भाग से है जिसमें तम्बू या इस प्रकार का छोटा अस्थाई शरणगाह सम्मिलित नहीं है।

(10) व्यक्ति में वे सम्मिलित हैं जो विज्ञापन कार्य के लिये नियुक्त किया गया तथा फर्म या कम्पनी का मालिक स्वामी प्रतिनिधि साझीदार या प्रबन्धक आदि उसके लिये विज्ञापन प्रदर्शित किया गया हो।

(11) अधिशासी अधिकारी या कर अधीक्षक या लाईसेन्स लिपिक या अन्य किसी अधिकृत कर्मचारी के अधीक्षण में अभिलेख का रख-रखाव कराएंगे तथा स्वयं या अपने अधिकृत अधिकारी अन्य द्वारा अनुज्ञा पत्र जारी कराएंगे।

(12) कोई भी व्यय नगर पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल की सीमा के अंदर किसी स्थान या भवन या वाहन पर कोई विज्ञापन जिसका उल्लेख उपनियम एक में किया गया है प्रदर्शित करने या जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिये बिना अधिशासी अधिकारी से पूर्व स्वीकृति प्राप्त किए न तो लगाएगा न लगवाने का अधिकार होगा।

(13) नगर पंचायत सिरसी जनपद सम्भल की सीमा के अंदर किसी स्थान के उपयोग की आज्ञा प्राप्त करने के लिए आवेदन-पत्र निश्चित स्थान के लिए दो स्पष्ट मानचित्र प्रदर्शित की जाने वाली सामग्री या बनाई जाने वाली सामग्री या बनाई जाने वाली तस्वीरों की दो प्रति विज्ञापन का आकार तथा जितने समय के लिए मांगी गयी है उसके उल्लेख के साथ अधिशासी अधिकारी को प्रस्तुत की जानी चाहिए या उसके विषय भाषा स्थान की उपयुक्तता आदि को देखते हुए अशिष्टता उत्तेजना नैतिक दृष्टिकोण से विन्तप्ति के आपत्तिजनक चरित्र की जांच करने के पश्चात लिखित रूप से आख्या प्रदान करेंगे। स्वीकृति प्राप्त ऐसे प्रत्येक पत्रक सूचना पोस्टर कपड़े के बैनर, कागज के छोटे पोस्टर आदि को किसी कारणवश हटाने हेतु पालिका द्वारा लिखित रूप में सूचित किया जाएगा।

(14) अधिशासी अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह अपने स्वीकृत आज्ञा को आपात स्थिति में या जनहित में रद्द कर दें या रोक दे तो ऐसी स्थिति में शुल्क को यथोचित भाग उसके द्वारा वापस किया जाएगा।

(15) नगर पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल सीमा के अंदर अनाधिकृत विज्ञापन जमा होने पर अधिशासी अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह उस व्यक्ति के मूल्य जोखिम और खर्चे पर हटा दे और इस प्रकार किया गया व्यय अधिनियम के अध्याय 9 के अंतर्गत उस व्यक्ति या फर्म से वसूल कर लें जिसके लिए या जिनका विज्ञापन लगवाया गया था। यदि विज्ञापन हटाये जाने की तिथि से एक माह के अंदर न हटाया जाये तो अधिशासी अधिकारी संबधित लोगों को इसके लिये सात दिन की सूचना देकर ऐसे विज्ञापनों के बोर्ड आदि को नीलाम कर सकता है जिसका पैसा पालिका का होगा।

(16) साइन बोर्ड का आकार 08 वर्गमीटर से बड़ा नही होगा।

(17) कपड़े या बैनर की चौड़ाई 1/2 मीटर से अधिक नही होगी और वह सड़क के धरातल से 05 मीटर की उंचाई से कम पर प्रदर्शित नही किया जा सकेगा।

(18) [क] नगर पंचायत अपनी सुविधानुसार विज्ञापन शुल्क लिये जाने हेतु वित्तीय वर्ष अनुसार ठेका भी उठा सकती है। ठेकेदार/फर्म को विज्ञापन शुल्क लिये जाने हेतु विज्ञापन शुल्क उपविधि व शासन के द्वारा जारी किये गये शासनादेशो का पालन करना अनिवार्य होगा। विज्ञापन शुल्क लेकर ठेकेदार/फर्म को उपविधि अनुसार रसीद जारी करना अनिवार्य होगा। उपविधि का उल्लंघन करने पर ठेकेदार/फर्म को दिया गया ठेका नगर पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल द्वारा निरस्त कर दिया जाऐगा।

[ख] इस उपविधि के अंतर्गत जो दरें निर्धारित की जायेंगी उन दरों को लागू करने के प्रत्येक पाँच वर्ष बाद दरों में पच्चीस प्रतिशत की वृद्धि स्वतः हो जायेगी दरों की वृद्धि के लिये अलग से कोई अधिसूचना जारी करने की आवश्यकता नही होगी।

(19) इस उपविधि के अंतर्गत प्रत्येक आज्ञा के स्वीकार किए जाने पर निम्नलिखित दर से विज्ञापन शुल्क अग्रिम जमा करना अनिवार्य होगा – फ्लैक्सी/बैनर/पेन्ट द्वारा किये गये विज्ञापन पर मासिक शुल्क रु0 300.00 प्रति वर्ग फुट, की दर से देय होगा। दो/तीन पहिया वाहन द्वारा प्रचार का शुल्क प्रतिदिन 50.00, चार पहिया वाहन द्वारा प्रचार का शुल्क प्रतिदिन रु0 100.00 व कागज के छोटे पोस्टर चिपकाने वाले प्रति सैकड़ा का शुल्क रु0 25.00 की दर से देय होगा।

(20) उपरोक्त विनियम 19 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क निम्नलिखित पर देय नही होगा–

(क) ऐसे विज्ञापन जो सरकारी अर्द्ध/सरकारी संस्थाओं के कार्यों हेतु प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कार्यवाहियां लगाई जांए।

(ख) धार्मिक, सामाजिक एंव राजनैतिक संबधी उपरोक्त विषय में शर्त यह है कि इनके संबध में पूर्व सूचना अधिशासी अधिकारी को देनी होगी।

शास्ति

उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299 की उपधारा 1 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करके नगर पंचायत सिरसी, जनपद सम्भल निर्देश देती है कि इस उपविधि का उल्लंघन करने की स्थिति में रु0 500.00 जुर्माना हो सकता है और यदि उल्लंघन बराबर होता है तो रु0 15.00 प्रतिदिन जुर्माना देना होगा जब तक दोष करता हुआ हो।

निरसन

यह उपविधि के प्रभावी होने की तिथि से इस विषय से संबधित पूर्व में प्रचलित उपविधि निरस्त हो जायेगी एंव अधिशासी अधिकारी शुल्को में वृद्धि कर सकते हैं जिसके लिए पृथक से गजट की आवश्यकता नहीं होगी।

नोट–यह उपविधि के प्रभावी होने की तिथि से इस विषय से सम्बधित पूर्व में प्रचलित उपविधि निरस्त हो जायेगी। भविष्य में दरों का पुनर्निर्धारण एवं संशोधन के समस्त अधिकार बोर्ड में निहित होंगे।

अतः उपरोक्त गजट लागू किया जाता है।

नूर जहाँ,
अध्यक्ष,
नगर पंचायत सिरसी, सम्भल।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स श्री ज्ञान कोल्ड स्टोरेज, उझानी, जिला बदायूं, उ0प्र0, पिनकोड-243639 (पंजीकरण संख्या B-13554) फर्म में कुल 4 साझेदार श्री सतीश चन्द्र गुप्ता, श्रीमती मुन्नी देवी गुप्ता, श्रीमती उर्मिला गुप्ता ऐलियास कश्मीरी एवं श्री समर गुप्ता थे, साझेदारों की रजामंदी से दिनांक 22 जुलाई, 2021 को फर्म में एक नया साझेदार श्रीमती निधि गुप्ता को शामिल किया है, एक साझेदार श्रीमती मुन्नी देवी गुप्ता ने अपनी स्वेच्छा से दिनांक 22 जुलाई, 2021 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गयी एवं एक साझेदार श्री सतीश चन्द्र गुप्ता की मृत्यु दिनांक 07 मई, 2021 को हो गयी। अवकाश ग्रहण साझेदार का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है। साझेदार का फर्म/साझेदारों पर या फर्म का साझेदार पर कोई लेन-देन बकाया नहीं है। अब फर्म में कुल 3 साझेदार श्री समर गुप्ता, श्रीमती उर्मिला गुप्ता ऐलियास कश्मीरी एवं श्रीमती निधि गुप्ता हैं। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी हैं।

समर गुप्ता,
साझेदार,
मेसर्स श्री ज्ञान कोल्ड स्टोरेज, उझानी,
जिला बदायूं, उ0प्र0, पिनकोड-243639।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है मेसर्स शारान्या एण्टरप्राईजेज, ए-216, सेक्टर-43, नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0) 201301 की साझीदारी में श्री सजग गोयल, श्री संजीव गोयल, श्रीमती राजरानी गोयल एवं श्री अरविन्द मित्तल साझीदार थे। फर्म की साझीदारी में दिनांक 26 सितम्बर, 2020 को श्री राजीव गोयल सम्मिलित हुये हैं तथा श्री अरविन्द मित्तल फर्म की साझीदारी से अपना हिसाब-किताब ले-देकर अलग हो गये हैं तथा श्रीमती राजरानी गोयल जी का स्वर्गवास होने के कारण फर्म की संशोधित साझीदारीनामा के अनुसार वर्तमान में श्री सजग गोयल, श्री संजीव गोयल एवं श्री राजीव गोयल साझीदार हैं। यह घोषणा करता हूं कि एतद्द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

सजग गोयल,
साझीदार,
मेसर्स शारान्या एण्टरप्राईजेज,
ए-216, सेक्टर-43, नोएडा,
जिला गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)-201301।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है मेसर्स राजेश्वरी देवी कोल्ड स्टोरेज, ग्राम सालागांव, अनूपशहर, जिला बुलन्दशहर-203390 की साझीदारी में श्री सुमित कुमार वार्ष्णेय, श्री राजेश कुमार, श्रीमती मीनू, श्रीमती अर्चना एवं श्रीमती नूतन साझीदार थे। दिनांक 01 अप्रैल, 2021 को श्रीमती नूतन फर्म की साझीदारी से अपना-अपना हिसाब-किताब ले-देकर अलग हो गये। वर्तमान में फर्म की साझीदारी में श्री सुमित कुमार वार्ष्णेय, श्री राजेश कुमार, श्रीमती मीनू एवं श्रीमती अर्चना साझीदार हैं। यह घोषणा करता हूं कि एतद्द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

सुमित कुमार वार्ष्णेय,
साझीदार,
मेसर्स राजेश्वरी देवी कोल्ड स्टोरेज,
ग्राम सालागांव, अनूपशहर,
जिला बुलन्दशहर-203390।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है मेसर्स एफडीएस त्यागी फैब्रीकेटर्स, बी-84, सेक्टर-10, नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर-201301 की साझीदारी में मौ0 सलीम, मौ0 नदीम एवं मौ0 फहीम साझीदार थे। दिनांक 24 अगस्त, 2021 को मौ0 फहीम फर्म की साझीदारी से अपना हिसाब-किताब ले-देकर अलग हो गये हैं। वर्तमान में मौ0 सलीम एवं मौ0 नदीम साझीदार हैं तथा दिनांक 24 अगस्त, 2021 की संशोधित डीड के अनुसार मौ0 सलीम एवं मौ0 नदीम का निवास स्थल "बी-84, सेक्टर-10, नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर" कर दिया गया

है। यह घोषणा करता हूं कि एतद्द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

मौ0 सलीम,
साझीदार,
मेसर्स एफडीएस त्यागी फैब्रीकेटर्स,
बी-84, सेक्टर-10, नोएडा,
जिला गौतमबुद्धनगर-201301।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम हर्षित शुक्ल पुत्र श्री आशुतोष शुक्ल था। वर्तमान में मेरे समस्त शैक्षिक एवं राजकीय अभिलेखों में मेरा नाम शाश्वत शुक्ल पुत्र आशुतोष शुक्ल दर्ज है। मुझे इसी नाम (शाश्वत शुक्ल) से जाना-पहचाना जाय।

शाश्वत शुक्ल,
पुत्र आशुतोष शुक्ल, नि0 99/1,
पल्टन बाजार, प्रतापगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राम प्रकाश निरंजन साझेदार फर्म मेसर्स मुस्कान इण्टरप्राइजेज म0नं0 1927 गोदू कम्पाउण्ड सिविल लाइन झांसी, उ0प्र0 फर्म के अधिकृत अभिकर्ता के रूप में फर्म उपरोक्त के गठन परिवर्तन के सन्दर्भ में निम्न सूचना दे रहा हूं कि–

श्री अभय प्रताप पुत्र श्री फूल सिंह आयु लगभग 40 वर्ष निवासी 147 ग्राम रबा, पोस्ट भेड, जिला जालौन, उ0प्र0 एवं श्रीमती प्रज्ञा निरंजन पत्नी श्री अमित प्रकाश निरंजन आयु लगभग 33 वर्ष, निवासी 724 गोदू कम्पाउन्ड सिविल लाइन झांसी, उ0प्र0, दिनांक 01 अप्रैल, 2021 को फर्म की साझीदारी में शामिल हो गयी हैं तथा श्री भगवान सिंह पुत्र स्व0 जय नारायण सिंह आयु लगभग 49 वर्ष, निवासी नालगंज अत्रि गार्डेन के सामने सीपरी बाजार, जिला झांसी, उ0प्र0, दिनांक 01 अप्रैल, 2021 से फर्म की साझेदारी से निवृत्त हो गये हैं अब वर्तमान में फर्म वर्तमान साझेदारों का विवरण निम्नवत् है–

1–श्री राम प्रकाश निरंजन पुत्र स्व0 द्वारिका प्रसाद निरंजन आयु लगभग 63 वर्ष, निवासी 724 गोदू कम्पाण्ड सिविल लाइन, झांसी, उ0प्र0।

2–श्री अभय प्रताप पुत्र श्री फूल सिंह आयु लगभग 40 वर्ष, निवासी 147 ग्राम रवा, पोस्ट भेड, जिला जालौन, उ0प्र0।

3–श्रीमती प्रज्ञा निरंजन पत्नी श्री अमित प्रकाश निरंजन आयु लगभग 33 वर्ष, निवासी 724 गोदू कम्पाण्ड सिविल लाइन्स झांसी, उ0प्र0।

राम प्रकाश निरंजन,
साझेदार ,
फर्म मेसर्स मुस्कान इण्टरप्राइजेज,
म0नं0 1927 गोदू कम्पाउण्ड सिविल
लाइन, झांसी उ0प्र0।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पंजीकृत फर्म मेसर्स कामदगिरी कांस्ट्रक्शन 97ए/322 सिविल लाइन, फतेहपुर के भागीदार योगेन्द्र प्रताप सिंह की दिनांक 29 अक्टूबर, 2020 को मृत्यु हो गयी है तथा फर्म की एक भागीदार श्रीमती निर्मला सिंह दिनांक 01 अप्रैल, 2021 को अपनी भागीदारी समाप्त करते हुये फर्म से अलग हो गयी हैं वर्तमान में अब उक्त फर्म में केवल दो भागीदार शेष हैं। फर्म से पृथक् हुई भागीदार तथा मृतक भागीदारी का फर्म से सम्बन्धित किसी भी प्रकार लेन-देन तथा दायित्व शेष नहीं है। फर्म के शेष दोनों भागीदारों की भागीदारी का अनुपात पचास-पचास प्रतिशत होगा।

जय करण सिंह,
भागीदार।

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स खगेश इन्टरप्राइजेज, कार्यालय 20, रूमा, जी0टी0 रोड, कानपुर नगर तथा शाखा 81/सी0, मित्तल टावर, नारीमन प्वाइंट, मुम्बई-400021 की पंजीकरण संख्या के-7635, दिनांक 09 सितम्बर, 2003 है उक्त फर्म भागीदारी डीड, दिनांक 04 जून, 2013 से बंद (विघटित) की जा चुकी है।

पार्टनर,
कृष्ण गोपाल अग्रवाल।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म तिरूपति डाईंग एण्ड प्रिंटिंग मिल्स फ्लैट नं0 501, टी-1, जे एम पार्क सफायर राम प्रस्थ ग्रीन सेक्टर-9 वैशाली, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के परिवर्तन के सम्बन्ध में आपको सूचित करना है कि हमारी फर्म की पार्टनरशिप 14 अप्रैल, 2018 को हुई थी जिसमें पहले छः पार्टनर थे। साझीदार नं0-1 श्री मनोज सिंघल पुत्र श्री आनंद प्रकाश,

साझीदार नं0-2 श्री अमित कुमार सिंघल पुत्र श्री आनंद प्रकाश सिंघल, साझीदार नं0-3 श्री शैलेन्द्र सेठ पुत्र श्री हंस राज सेठ, साझीदार नं0-4 श्री राकेश पाण्डेय पुत्र स्व0 कृष्ण देव पाण्डेय, साझीदार नं0-5 श्री मनीष कुमार पुत्र श्री जय प्रकाश शर्मा, साझीदार नं0-6 विनय शर्मा पुत्री श्री विजय कुमार शर्मा थे। यह कि फर्म की संशोधित साझीदारीनामा डीड दिनांक 07 अगस्त, 2021 की साझेदारी के अनुसार साझीदार नं0-1 श्री मनोज सिंघल पुत्र श्री आनंद प्रकाश व साझीदार नं0-2 श्री अमित कुमार सिंघल पुत्र श्री आनंद प्रकाश सिंघल स्वेच्छा से इस फर्म से अलग हो गये हैं तथा इनका फर्म से कोई लेना-देना बकाया नहीं है तथा अब इनके स्थान पर दिनांक 07 अगस्त, 2021 को नये साझेदारी में साझीदार नं0-5 श्री अवनीश कुमार गौतम पुत्र श्री धनंजय सिंह व साझीदार नं0-6 श्री सुनील कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 राम प्रकाश गुप्ता स्वेच्छा से इस फर्म में नये साझेदार आये हैं तथा अब इस फर्म में अब क्रम से साझीदार नं0-1 शैलेन्द्र सेठ पुत्र श्री हंस राज सेठ, साझीदार नं0-2 श्री राकेश पाण्डेय पुत्र स्व0 कृष्ण देव पाण्डेय, साझीदार नं0-3 श्री मनीश कुमार पुत्र श्री जय प्रकाश शर्मा, साझीदार नं0-4 विनय शर्मा पुत्री श्री विजय कुमार शर्मा, साझीदार नं0-5 श्री अवनीश कुमार गौतम पुत्र श्री धनंजय सिंह, साझीदार नं0-6 श्री सुनील कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 राम प्रकाश गुप्ता हो गये हैं।

शैलेन्द्र सेठ,
साझेदार।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म आर0सी0 डेवलपर्स और बिल्डर्स 529 ख/123, प्रथम तल एफ-1, कैलाशपुरी पिकनिक स्पॉट रोड, खुर्रम नगर, लखनऊ (उ0प्र0) पिन कोड-226020 फर्म पंजीकरण संख्या 5435 में कुल पांच साझेदार हेमन्त गंगवार, राघवेन्द्रा प्रताप सिंह, अजय कुमार, राकेश कुमार, नरेश चन्द्र सक्सेना थे। फर्म के हेमन्त गंगवार, राघवेन्द्रा प्रताप सिंह, अजय कुमार अवकाश ग्रहण करते हुये ये तीन साझेदारों ने अपनी स्वेच्छा से दिनांक 15 जून, 2020 को फर्म से अलग कर लिया है। अवकाश ग्रहण साझेदारों का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है। किसी प्रकार का साझेदारों का फर्म पर तथा फर्म का साझेदारों पर कोई लेन-देन बकाया नहीं है। दिनांक 15 जून, 2020 से फर्म में तीन नये साझेदार क्रमशः रजनी देवी, चन्द्रपाल सिंह, संजीव कुमार सम्मिलित हो गये हैं। वर्तमान में अब फर्म में कुल पांच साझेदार हैं–दो पुराने राकेश कुमार, नरेश चन्द्र सक्सेना व तीन नये साझेदार क्रमशः रजनी देवी, चन्द्रपाल सिंह, संजीव कुमार तथा फर्म एवं साझेदारों में किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं है। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर दी गयी है।

राकेश कुमार,
अधिकृत हस्ताक्षरी/साझेदार,
मे0 आर0सी0 डेवलपर्स एण्ड बिल्डर्स,
329ख/123 कैलाशपुरी, प्रथम तल,
एफ0-1, पिकनिक स्पॉट रोड,
खुर्रम नगर, लखनऊ-226020।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कुछ अभिलेखों में मेरा नाम पिंकी है और कुछ अभिलेखों में मेरा नाम जयश्री है दोनों नाम मेरे ही हैं भविष्य में मुझे जयश्री (JAISHREE) पत्नी जितेन्द्र खटीक (JITENDRA KHATEEK) पता-87/2, सुभाषपुरा ललितपुर के नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

जयश्री,
पत्नी जितेन्द्र खटीक,
निवासिनी-87/2 सुभाषपुरा ललितपुर,
परगना, तहसील व जिला ललितपुर (उ0प्र0)।

सूचना

मैं कहकशां हाशमी पुत्री श्री आफताब अहमद हाशमी, निवासिनी-डी-55/1, सेक्टर-7, इंदिरा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश की हूं। मेरा विवाह पूर्व नाम कहकशां हाशमी था, जो विवाह पश्चात् बदल कर कहकशां सिद्दीकी पत्नी श्री रेहान अहमद सिद्दीकी हो गया है।

कहकशां सिद्दीकी,
पत्नी श्री रेहान अहमद सिद्दीकी,
पता–डी-55/1, सेक्टर-7, इंदिरा नगर,
लखनऊ, उत्तर प्रदेश, पिन-226016।

सूचना

सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म मे0 लेबर ग्लास इण्डस्ट्रीज, ग्राम मोडा, पोस्ट गाजीपुर, जिला फिरोजाबाद में श्री तीव्र गुप्ता पुत्र श्री अनिल गुप्ता एवं श्री पार्थ गुप्ता पुत्र श्री राघव चन्द्र गुप्ता, निवासीगण-02, आनन्दलोक, एण्ड्रयूजगंज, एण्ड्रयूजगंज डिफेन्स कालोनी, साउथ दिल्ली, दिल्ली-110049, दिनांक 31 मार्च, 2021 से नये भागीदार के रूप में सम्मिलित हो गये हैं तथा फर्म से पूर्व प्रथम पक्ष राम सेवक शर्मा पुत्र स्व0 छोटे लाल शर्मा,

निवासी-84, हनुमान गंज, फिरोजाबाद, दिनांक 31 मार्च, 2021 से उक्त फर्म से अलग हो गये हैं। अब फर्म में श्री प्रभाकर गुप्ता, श्री तीव्र गुप्ता व श्री पार्थ गुप्ता भागीदार हो गये हैं।

प्रभाकर गुप्ता,
भागीदार,
मे0 लेबर ग्लास इण्डस्ट्रीज, ग्राम मोडा,
पोस्ट गाजीपुर, जिला फिरोजाबाद।

सूचना

सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म मे0 मॉ काली डवलपर्स, तेली पाड़ा, वृन्दावन गेट, मथुरा में परिवर्तन की सूचना इस प्रकार है–दिनांक 20 जुलाई, 2021 से पूर्व पंचम पक्ष भागीदार श्री बृज किशोर पुत्र श्री देवीदास अग्रवाल (मृतक) के स्थान पर श्री देवेश कुमार पुत्र श्री बृज किशोर, निवासी तेली पाड़ा, वृन्दावन गेट, मथुरा नये भागीदार के रूप में सम्मिलित हो गये हैं तथा पूर्व तृतीय पक्ष भागीदार श्री कृष्ण वीर सिंह चौधरी पुत्र श्री प्रेम सिंह, निवासी कृष्णापुरी, मथुरा व पूर्व सप्तम् पक्ष श्री निखिल अग्रवाल पुत्र बृज किशोर, निवासी तेली पाड़ा, वृन्दावन गेट, मथुरा, दिनांक 20 जुलाई 2021 से उक्त फर्म से अपनी स्वेच्छा से अलग हो गये हैं। अब फर्म में श्रीमती सुधा अग्रवाल, श्री सुनील कुमार अग्रवाल, श्रीमती मंजू अग्रवाल, श्री गौरांग अग्रवाल व श्री देवेश कुमार अग्रवाल भागीदार हो गये हैं।

सुधा अग्रवाल,
भागीदार,
मे0 मॉ काली डवलपर्स,
तेली पाड़ा, वृन्दावन गेट, मथुरा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मे0 गर्ग एण्ड एसोसिएट्स, 7 विनय नगर बोदला रोड, आगरा में स्थित है, एजी-14208 उपरोक्त फर्म में साझेदार श्री कन्हैया लाल गर्ग पुत्र श्री पुरुषोत्तम लाल गर्ग, श्री नरेश चन्द्र गोयल पुत्र श्री लाला राम गोयल, सुरेश चन्द गोयल पुत्र श्री लाला राम गोयल, श्रीमती चन्द्रा गर्ग पत्नी श्री कन्हैया लाल गर्ग, श्रीमती नीलम गोयल पत्नी श्री नरेश चन्द्र गोयल सभी साझेदारों ने अपनी फर्म दिनांक 01 अप्रैल, 2015 को संचालन की थी आज दिनांक 01 अप्रैल, 2020 को श्री गर्वित गोयल नये साझेदार सम्मिलित हो गये हैं दिनांक 01 अप्रैल, 2020 नरेश चन्द गोयल एवं नीलम गोयल अपनी स्वेच्छा से अलग हो गये हैं फर्म में उनका कोई लेन-देन बकाया नहीं है। अब फर्म को कन्हैया लाल गर्ग, सुरेश चन्द गोयल श्रीमती चन्द्रा गर्ग एवं गर्वित गोयल संचालित करेंगे।

कन्हैया लाल गर्ग,
साझेदार,
मे0 गर्ग एण्ड एसोसिएट्स,
7 विनय नगर बोदला रोड, आगरा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मे0 जगन्नाथ इण्टरप्राइजेज, ए-12 गिर्राज वाटिका रमण रेती रोड वृन्दावन, जिला मथुरा में स्थित है। एजी-15189 उपरोक्त फर्म में साझेदार श्रीनाथ गोस्वामी पुत्र स्व0 श्याम बिहारी गोस्वामी, श्रीमती रेखा सारस्वत पत्नी श्री राम कुमार सारस्वत, श्रीमती प्रीति गोस्वामी पत्नी श्री विश्वनाथ गोस्वामी सभी साझेदारों ने अपनी फर्म दिनांक 12 दिसम्बर, 2012 को संचालन की थी आज दिनांक 31 जुलाई, 2021 को श्री मनीष कुमार एवं दिनेश नये साझेदार सम्मिलित हो गये हैं दिनांक 31 जुलाई, 2021 श्रीमती रेखा सारस्वत एवं श्रीमती प्रीति गोस्वामी अपनी स्वेच्छा से अलग हो गये हैं फर्म में उनका कोई लेन-देन बकाया नहीं है। अब फर्म को श्रीनाथ गोस्वामी, श्री मनीष कुमार एवं श्री दिनेश संचालित करेंगे।

श्रीनाथ गोस्वामी,
साझेदार,
मे0 जगन्नाथ इण्टरप्राइजेज,
ए-12 गिर्राज वाटिका रमण रेती,
रोड वृन्दावन, जिला मथुरा।

सूचना

फर्म मे0 बालाजी इन्फ्रा ओम नगर शिकोहाबाद, जिला फिरोजाबाद पत्रावली संख्या एजी/9657 में दिनांक 29 जून, 2021 मैं जितेन्द्र कुमार पुत्र श्री उदयवीर सिंह, निवासी मोहल्ला संजय नगर एटा को साझेदारी में सम्मिलित कर लिया गया तद्दिनांक को रवि यादव पुत्र श्री कृष्ण, निवासी ओम नगर, जनपद फिरोजाबाद फर्म की भागीदारी से अपनी स्वेच्छा से पृथक् हो गये हैं वर्तमान में साझीदार अखिलेश कुमार, सत्यम कुमार धर्मेन्द्र यादव, श्रीमती अजोरा देवी, जितेन्द्र कुमार हैं तथा फर्म का नाम मे0 रवी यादव हैण्डलिंग ट्रान्सपोर्ट काण्ट्रेक्टर एण्ड सप्लायर्स से परिवर्तित कर मे0 बालाजी इन्फ्रा कर लिया गया है।

अखिलेश कुमार,
साझेदार,
मे0 बालाजी इन्फ्रा, ओम नगर,
शिकोहाबाद, जिला फिरोजाबाद।

पी0एस0यू0पी0–24 हिन्दी गजट–भाग 8–2021 ई0।
मुद्रक एवं प्रकाशक–निदेशक, मुद्रण एवं लेखन-सामग्री, उ0प्र0, प्रयागराज।